

राजस्थान पुरातन ग्रन्थमाला

राजस्थान-राज्य द्वारा प्रकाशित

सामान्यतः अखिल भारतीय तथा विशेषतः राजस्थान प्रदेशीय पुरातनकालीन
संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश, हिन्दी, राजस्थानी आदि भाषानिबद्ध
विविधवाङ्मयप्रकाशिनी विशिष्ट ग्रन्थावली

प्रबन्ध सम्पादक

जितेन्द्रकुमार जैन, एम. ए.

निदेशक—राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर

ग्रन्थाङ्क १२१

मुंहता नैणसी री लिखी

मारवाड़ रा परगनां री विगत
तृतीय भाग

प्रकाशक

राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान,

जोधपुर (राजस्थान)

१९७४

मुद्रक

अजन्ता प्रिण्टर्स, जनगण प्रेस, शुभदा प्रिण्टर्स एवं श्रीसुमेर प्रिण्टिङ्ग प्रेस, जोधपुर

वि. सं. २०३१

भारतराष्ट्रीय शकाब्द १८९६

प्रकाशकीय

“मारवाड़ रा परगना री विगत” ग्रंथ-सम्पादन की योजना इस भाग के साथ पूर्ण हो जाती है। विद्वान् सम्पादक डॉ० नारायण-सिंह भाटी ने इस ग्रंथ का सूक्ष्म विवेचन प्रथम भाग में किया है। ग्रंथ में मारवाड़ के चप्पे-चप्पे का वर्णन मिलता है।

फारसी से इतर भाषाओं में लिखे गये ग्रंथों में ऐसे सर्वाङ्गीण ग्रंथ कम ही मिलेंगे। इस भाग की एक यह विशेषता भी है कि इसमें मारवाड़ के गाँवों के जागीरदारों से सम्बन्धित ऐसी समस्त उपयोगी सामग्री जोड़ दी गई है जो ग्रंथ का भाग न होकर भी उस रहे-सहे अभाव की पूर्ति के साथ-साथ शोधार्थियों के लिए भी अत्यन्त उपयोगी है, शायद जिसको संकलित करने के लिए यत्र-तत्र भ्रमण करना पड़ता।

“विगत” की चर्चा तो होती ही रहती थी, परन्तु इसको पूर्णतया प्रकाश में लाने की आवश्यकता थी जिसको प्रतिष्ठान ने पूरा किया। मुझे पूर्ण विश्वास है—इसका सम्मान विद्वज्जगत् में होगा तथा इस ग्रंथ से अनेक शोध-प्रबन्ध लिखे जाने में सहायता मिलेगी।

इस ग्रंथ को तैयार करने में विद्वान् सम्पादक ने जिस धैर्य और सूझ-बूझ का परिचय दिया है, वह प्रशंसनीय है।

जितेन्द्रकुमार जैन
निदेशक

सम्पादकीय

“मारवाड़ का परगना री विगत” के प्रथम और द्वितीय भागों में विगत के मूल पाठ के अतिरिक्त परिशिष्टों में विगत को पूर्णता देने हेतु तत्सम्बन्धी अन्य स्फुट जानकारी समाहित की गई थी। इस तृतीय भाग में राजस्थानी भाषा से अनभिज्ञ पाठकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए हिन्दी में शोध-सूत्र प्रस्तुत किया गया है, तथा विशिष्ट शब्दों के अर्थ विविध नामानुक्रमिकाएं, महत्वपूर्ण पुरुषों की जन्म-कुण्डलियाँ भी दी गई हैं।

इस विशाल ग्रंथ में ऐसे अनेक महत्वपूर्ण व्यक्तियों का उल्लेख आया है जिनका उल्लेख ओझा, रेऊ, गहलोत तथा टाड आदि इतिहासकारों ने नहीं किया है, पर विगत और ख्यातों से पता चलता है कि यहाँ के इतिहास-निर्माण में उन व्यक्तियों ने महती भूमिका निभाई है। उपर्युक्त इतिहासकारों का दृष्टिकोण प्रायः राजवंश के व्यक्तियों तक ही सीमित रहा है, जिससे यह इतिहास एकांगी है। विगत में इस प्रकार के अनेक वीरों का भी उल्लेख है जिनका प्रभाव उस समय के जनमानस में लम्बे समय तक रहा, उन से सम्बन्धित काव्य, गीत, कहावतें आज भी जनता में प्रचलित हैं। अनेक ख्यातों और हस्तलिखित ऐतिहासिक ग्रंथों का अध्ययन कर मैंने ऐसे पुरुषों तथा विशिष्ट स्थानों आदि पर इस भाग में ६४ पृष्ठों में टिप्पणियाँ दी हैं, आशा है ये इतिहासकारों के लिये उपयोगी होंगी और जब भी समाज सापेक्ष तथ्यों का आधार लेकर इतिहास लिखे जायेंगे तो इस प्रकार की सामग्री से तथ्यान्वेषकों का मार्ग-दर्शन हो सकेगा।

तीसरे भाग को तैयार करने के दौरान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान की उदयपुर शाखा में मुझे एक महत्वपूर्ण ग्रंथ-ग्रंथांक २७१७ (६०८) की प्रति देखने को मिली, जिसमें मारवाड़ के राठीड़ जागीरदारों की पीढ़ियाँ तथा गाँवों के पट्टों की विगत व्यवस्थित रूप में दी हुई थी। मैंने उस ग्रंथ को जोधपुर मंगवाकर उसकी प्रतिलिपि करवाई और अध्ययन करने पर पता लगा कि सामग्री इतिहास की दृष्टि से बड़ी महत्वपूर्ण है। नैणसी ने अपनी विगत में गाँवों के भौगोलिक तथ्य तथा फसल व बसने वाली प्रमुख जातियों आदि का उल्लेख तो किया है, पर जागीरदारों का उल्लेख नहीं किया, यह कमी मुझे प्रारम्भ से ही अखर रही थी। इस सामग्री के समायोजन से न केवल गाँवों के ऐतिहासिक महत्व को उजागर करने में सहायता मिलेगी अपितु प्राचीन राजस्थानी में जो अपार स्फुट साहित्य बिखरा

पड़ा है उसकी ऐतिहासिकता को समझने में भी इससे सहायता मिलेगी। इस प्रकार की सामग्री के अभाव में, बहुत सा स्फुट साहित्य जो यहाँ के वीरों, दातारों और साहित्य की कद्र करने वालों की प्रशंसा में लिखा गया है उसका कई बार अर्थ लगाना कठिन हो जाता है और इतिहास में एक ही नाम के कई व्यक्ति होने के कारण कई भ्रान्तियाँ पैदा हो जाती हैं। उदाहरण के लिए डिगल गीतों को लिया जा सकता है। गीतों में प्रायः नायक का नाम, जाति, पिता या पूर्वजों का नाम आदि देने की परिपाटी है, परन्तु जब तक उस व्यक्ति के गाँव और खाँप आदि से सम्बन्ध नहीं जोड़ा जाता तब तक जिस घटना-प्रसंग को लेकर जिस नायक पर काव्य-रचना की गई है, उस तक पहुँचना बड़ा कठिन होता है। पीढ़ियों की सूची से यह कार्य काफी सरल हो जाता है, और इस प्रकार इतिहास की अनेक आंतरिक उलझनों को सुलझाया जा सकता है। शोध-कर्त्ताओं की सुविधा के लिए मैंने पाद-टिप्पणी में यह भी संकेत दे दिया है कि कौनसा जागीरदार किस गाँव की पीढ़ियों में से फंटकर उस गाँव का जागीरदार बना। कुछ व्यक्तियों के बारे में प्राप्त ऐतिहासिक जानकारी भी फुटनोट में रखी गई है, आशा है वह शोधकों के लिए उपयोगी सिद्ध होगी।

विगत के प्रत्येक परगने के अन्त में नैरासी ने सांसण के गाँवों का विवरण दिया है जिनमें चारणों, भाटों, ब्राह्मणों आदि को दिये गये गाँवों का वृत्तान्त है। इनमें खास तौर से चारणों को दिये गये गाँवों का वर्णन राजस्थानी-साहित्य के शोधकर्त्ताओं के लिए बड़ा उपयोगी है। शोधकर्त्ताओं की सुविधा के लिये इस भाग के अन्त में उन गाँवों की सामग्री के आधार पर विस्तृत सारणियाँ भी दे दी गई हैं।

विगत के महत्व और सम्पादन-पद्धति आदि पर प्रथम भाग की भूमिका में विस्तृत प्रकाश डाल दिया गया है। अतः यहाँ केवल इतना कहना पर्याप्त होगा कि न केवल इतिहास परन्तु भूगोल, समाज-शास्त्र, नृत्य-शास्त्र, राज्य-प्रशासन आदि अनेक दृष्टियों में विगत का महत्व है और इस तीसरे भाग के प्रकाशन से इसके अध्ययन में शोधार्थियों को विशेष सुविधा होगी, ऐसी आशा है।

इस ग्रंथ का सम्पादन-कार्य श्रद्धेय पुरातत्वाचार्य मुनि जिनविजयी के आदेश से आज से कोई १० वर्ष पूर्व मैंने प्रारम्भ किया था। इसके दो भाग तो यथासमय प्रकाशित हो गये थे, पर तीसरे भाग के प्रकाशन में अनेक

अप्रत्याशित व्यवधान आ खड़े हुए । प्रतिष्ठान में लम्बे समय तक स्थायी निदेशक के अभाव में प्रशासनिक कठिनाइयों के कारण अवरोध आता रहा और साथ ही प्रेसों की असुविधा के कारण भी बड़ी परेशानी उठानी पड़ी । इस भाग ने चार प्रेसों की यात्रा की, तब कहीं जाकर इसकी छपाई का कार्य पूर्ण हो पाया है । पर इन सब कठिनाइयों के बावजूद मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि इस ग्रंथ के महत्व को इस दौरान में इतिहासकारों ने समझ लिया और देश और विदेश के अनेक शोधार्थी इस ग्रंथ की सामग्री का आधार लेकर अपना शोध-कार्य कर रहे हैं, इस प्रकार राजस्थान के इतिहास की नवीन शोध-दृष्टि को फलीभूत करने में इस ग्रंथ द्वारा जो योगदान मिल रहा है उसमें मुझे विशेष सतोष है ।

इस भाग में दी गई ऐतिहासिक व्यक्तियों की जन्म-कुण्डलियों को प्रसिद्ध इतिहासविद् डॉ० रघुवीरसिंहजी (सीतामऊ) ने देख-परख कर ईस्वी सन् व तारीख भी प्रत्येक कुण्डली के साथ लगा देने की कृपा की है जिसके लिए मैं उनका अत्यन्त आभारी हूँ ।

मेरे अनुज हुकमसिंह भाटी एम० ए० ने ग्रंथ के अन्त में दी गई सारि-गियों को तैयार करने में पूरी सहायता की जिसके लिए उसे आशीर्वाद देता हूँ । इस भाग का लगभग आधा भाग सुमेर प्रिण्टिङ्ग प्रेस के संचालक श्री सरदारमलजी थानवी ने सुव्यवस्था पूर्वक छापा है, जिसके लिये मैं इनका आभारी हूँ ।

अन्त में मैं प्रतिष्ठान के वर्तमान निदेशक श्री जैन व उनके प्रकाशन विभाग के अधिकारियों का भी आभार व्यक्त करना अपना कर्तव्य समझता हूँ कि जिन्होंने अनेक कठिनाइयों के बावजूद इस भाग के प्रकाशन में रुचि लेकर कार्य को सम्पन्न करने में वाञ्छित योग दिया ।

चौपासनी, जोधपुर
रक्षाबंधन ३-८-७४

नारायणसिंह भाटी

१. ये कुण्डलियाँ मुझे वारहठ देवकरणजी इन्दोकली के सौजन्य से प्राप्त हुई हैं ।

—: विषयानुक्रम :—

क्रमाङ्क	विषय	पृष्ठाङ्क
१.	विगत की विस्तृत सूची (तीनों भागों की)	१—१२
२.	शोधसूत्र (विगत का हिन्दी-सारांश)	१—६३
३.	महत्वपूर्ण व्यक्तियों तथा स्थानों आदि पर टिप्पणियाँ	६४—१२८
४.	विगत में प्रयुक्त विशिष्ट शब्दों के अर्थ	१२९—१३८
५.	नामानुक्रमणिकाएँ	१३९—
	(१) पुरुष व स्त्री-नामानुक्रमणिकाएँ	१३९—१९६
	(२) ग्राम, नगर, देश आदि नामानुक्रमणिकाएँ	१९७—२७०
६.	परिशिष्टों की नामानुक्रमणिकाएँ	२७१—
	(१) पुरुष व स्त्री-नामानुक्रमणिकाएँ	२७१—३०१
	(२) ग्राम, नगर, देश आदि नामानुक्रमणिकाएँ	३०२—३२२
७.	विषय नामानुक्रमणिकाएँ (मूल ग्रंथ की)	३२३—३२६
८.	" " (परिशिष्टों की)	३२७—३२९
९.	विशिष्ट पुरुषों की जन्मकुण्डलियाँ	३३०—३६०
१०.	गाँवों के पट्टों व जागीरदारों की पीढियों की विगत	३६१—
	खाँप करमसोत—३६१ मांडणोत—३६७. भादावत—३६८	
	वालावत—३६८. ऊदावत—३७४. मेड़तिया—३६८ रायमलोत—	
	३८६. जगमालोत—३८८ ईसरदासोत—३९०. चाँदावत—३९१.	
	गोयनदासोत—३९८. माधोदासोत—४१९. सुरताणोत—४२४.	
	केसोदासोत—४२७. विट्टलदासोत—४३४. विसनदासोत—४३५.	
	गोपीनाथोत मेड़तिया—४३८. चाँपावत—४४१. सगतसिधोत—४४१.	

रामसिंघोत—४४२. जगमालोत—४४३. गोयनदासोत—४४४.
 द्वारकादासोत—४४५. हरभाणोत—४४५. केसोदासोत—४४५.
 रायसिंघोत—४४६. रायमलोत—४४६. विट्ठलदासोत—४४६.
 वलोत—४५५. भोपतोत—४५६. खेतसिंघोत—४५६. हरिदासोत—
 ४५६. आईदानोत—४५६. किलाणदासोत—४६४. करणोत—
 ४६५. रूपावत—४६८. पुनावत—४६६. भीयोत—४७०.
 देवराजोत—४७०. चाडदे—४७१. गोगादे—४७२. महेचा—४७३.
 जुंजाणिया—४७४. मंडला—४७४. पातावत—४७६. कूपावत—
 ४८३. मांडणोत—४८३. महेसदासोत—४८८. उदैसिंघोत—४९०.
 ईसरदासोत—४९१. तिलोकदासोत—४९२. नरावत—४९३.
 नारणोत—४९४. कावलोत—४९४. वीदावत—४९४.
 ऊदावत बेडवासिया—४९४. जैतावत—४९६. पिरथीराजोत—४९६.
 आसकरणोत—४९७. भोपतोत—४९८. कलावत—४९९.
 खाँय जोधा—४९९ से— गोयनदासोत—४९९. गोपालदासोत—५०१
 जगनाथोत—५०२. रतनोत—५०२. किलाणदासोत—५०५
 अमरसिंघोत—५०६. किसोरसिंघोत—५०७. खगारोत—५०७.
 वाधावत—५०८. गांगावत—५०९. रामोत—५१०. चद्रसेणोत—
 ५१०. रतनसिंघोत—५११. महेसदासोत—५१५. भोजराजोत—
 ५१८. अमैराजोत—५१८. केसरीसिंघोत—५२०. विहारीदासोत—५२८.

११. विगत में आये हुए चारण, भाट व ब्राह्मणों के सासण

आदि की सारिणी

५२९—५५१

१२. शुद्धि पत्र

५५२ वं



विगत की विस्तृत सूची

[मारवाड़ के ७ परगनों (तीनों भागों) की विस्तृत सूची]

विषय	पृष्ठ	अनुच्छेद	सारांश,
	सं.	सं.	भा० ३ में
१. मंडोर की विगत, वात परगने जोधपुर री	१	१	१
२. नाहड़राव का वृत्तांत	४	६	१
३. सीहाजी का वृत्तांत	५	६	२
४. आसथान सोनग, अज का वृत्तांत	६	१३	२
५. वीरम व राव चूंडा का वृत्तांत	२१	३२	४
६. राव रिंड़मल का वृत्तांत	२६	४३	६
७. राव जोधा का वृत्तांत	३१	५२	७
८. राव जोधा ने अपने भाइयों व लड़कों में जमीन बांटी	३८	६२	९
९. राव सातळ का वृत्तांत	४०	६४	९
१०. नरा सूजावत का हाल	४०	६५	९
११. कुवर बाघा सूजावत का हाल	४१	६६	९
१२. राव गांगा की उपलब्धिया	४१	६८	९
१३. राव मालदे का हाल	४२	७१	१०
१४. राव मालदे की लड़कियों की विगत	५२	८२	११
१५. राव मालदे की पत्नियों की विगत	५५	८८	१२
१६. शेरशाह से युद्ध हुआ जिसका हाल तथा काम आने वाली की सूची	५६	८९	१२
१७. राव जैमल पर मालदे की चढ़ाई	५९	९०	१२
१८. हरमाड़े में राणा उदयसिंह तथा हाजीखाना का युद्ध	६०	९२	१२
१९. मालदे ने जैसलमेर पर फौज भेजी	६४	९५	१३
२०. राव मालदे के समय की फुटकर बातें	६५	९६	१३
२१. राव चन्द्रसेन के समय की बातें	६७	१०६	१३
२२. चन्द्रसेन का जोधपुर छोड़ना	६८	१०७	१४
२३. चन्द्रसेन का अकबर बादशाह से मिलना	६९	१११	१४
२४. चन्द्रसेन का मेवाड़ जाना	७०	११५	१५
२५. राव राम व कला का वृत्तांत	७१	११६	१५
२६. राव चन्द्रसेन का झूंगरपुर से आना व मुगलों से युद्ध	७२	११८	१५
२७. मोटाराजा (उदयसिंह) की बात	७५	१२०	१६

२८. कल्याणदास रायमल्लोत पर उदयसिंह की चढाई	७५	१२०	१६
२९. राव चन्द्रसेन व मोटाराजा का फलोदी में युद्ध	८०	१२९	१७
३०. मोटाराजा ने चारणों आदि के गांव जब्त किये, सूची	८१	१३१	
३१. मोटाराजा की जैसलमेर से खटपट	८४	१३४	१७
३२. अकबर ने फलोदी भाखरसी हरराजोत को दी	८८	१३८	१८
३३. मोटाराजा का गुजरात को प्रस्थान तथा आसकरन देवीदासोत को जागीर का पट्टा	९०	१४५	१९
३४. राजा सूरसिंह की बात	९२	१४६	१९
३५. सूरसिंह को तेरवाडा मेरवाडा का परगना मिलना	९४	१५०	२०
३६. कुंवर सबलसिंह को फलोदी मिलना	९५	१५२	२०
३७. दक्षिण में अम्बर चम्पू और सूरसिंह का युद्ध	९६	१५६	२१
३८. सूरसिंह का भारवाड़ को लौटना	९७	१५७	२१
३९. सूरसिंह की मांडवे पर चढाई	९७	१५८	२१
४०. प्रधान भाटी गोयंददास तथा राठीड़ किशनसिंह का मारा जाना	९९	१६१	२२
४१. सूरसिंह का पुनः दक्षिण में जाना	१०१	१६२	२२
४२. कुंवर गजसिंह की जालोर पर विजय	१०२	१६६	२२
४३. सूरसिंह की जगह दक्षिण में गोयंददास भाटी रहा	१०३	१६८	२३
४४. राणा की फौज से गोयंददास का युद्ध	१०३	१७०	२३
४५. महाराजा गजसिंह की गद्दी नशीनी तथा मनसब	१०५	१७१	२३
४६. गजसिंह का दक्षिण में युद्ध	१०६	१७२	२४
४७. शाहजादा खुर्रम का विद्रोह	१०७	१७३	२४
४८. गजसिंह को मेड़ता मिलना	१०८	१७४	२५
४९. जांहुगीर की मृत्यु पर गजसिंह का भारवाड़ आजाना और बादशाह द्वारा मनाया जाना	११०	१७९	२५
५०. गजसिंह के समय की अन्य फुटकर बातें	१११	१८२	२६
५१. महाराजा जसवंतसिंह का वृत्तांत	१२३	१९९	२८
५२. जसवंतसिंह के मनसब का हिसाब	१२३	१९९	२८
५३. राठीड़ महेस सूरजमल्लोत को प्रधान बनाना	१२५	२०३	२८
५४. परगना ऊदेही जागीर में मिलना	१२६	२०५	२९
५५. परगना मलारणा जागीर में मिला	१२७	२०६	२९
५६. परगना बघनोर जागीर में मिला	१२८	२०७	२९
५७. परगना रोहतक जागीर में मिला	१२८	२०७	२९
५८. रतलाम की जगह जालोर का परगना मिला	१२९	२०८	२९
५९. नागौर की ७ पट्टी जागीर में मिली	१३०	२०९	२९

६०. जसवंतसिंह का उज्जैन के युद्ध के लिये प्रस्थान करते समय सात हजारों मनसब का हिसाब	१३०		२६
६१. महाराजा का आगरे से प्रस्थान और जागीर का हिसाब	१३३	२११	३०
६२. महाराजा का जहानाबाद को प्रस्थान	१३४	२१२	३०
६३. शाहजादा शुजा से युद्ध	१३५	२१३	३०
६४. राजा जयसिंह से जसवंतसिंह का रास्ते में मिलना	१३५	२१५	३०
६५. औरंगजेब से आशवासन मिलना तथा गुजरात को प्रस्थान	१३७	२१७	३०
६६. नैणसी आदि को पोकरण पर सबलसिंह की सहायता के लिये भेजना	१३८	२१६	३१
६७. अहमदाबाद में डेरे के समय मनसब की विगत	१४४	२२८	
६८. स. १७१८ में गुजरात तागीर, प्रस्थान	१४६	२३०	३१
६९. महाराजा को पूना का सूबा मिलना	१५०	२३१	३१
७०. गुजरात से विदा होते समय जागीर का हिसाब	१५०	२३४	३१
७१. पं. मनोहरदास ने १७२० की खरीफ से हिसाब लिखा	१५३		
७२. कुंवर को दिल्ली दरबार में भेजना	१५६	२३६	३२
७३. संवत् १७२१ (आसोज) में प. मनोहरदास ने जागीर का हिसाब किया	१५८	२३७	३२
७४. परगने जोधपुर का तफावार हिसाब	१६३	२३६	३३
७५. परगने जोधपुर का सालीना हिसाब	१६६		३३
७६. उज्जैन की लड़ाई व शामिल होने वाले शाही मनसबदार आदि	१७०	२४२	३३
७७. जोधपुर शहर की विगत	१८६	२४६	३४
७८. गांवों की विगत	१८६	२४७	३५

वात परगने सोभत री

१. सोभत का प्राचीन नाम तथा पंवारो का राज्य	३८३	१	३७
२. सोभत पर हुलो तथा सोनगरों का राज्य	३८४	३	३७
३. राणा द्वारा सोभत रिडमल को मिली	३८७	७	३७
४. राव रिडमल का चित्तौड़ में मारा जाना	३८७	८	३७
५. सोभत पर राज्य करने वालों की सूची	३८८	९	३७
६. सोभत शहर की विगत	३९०	१०	३८
७. कसबे सोभत की बस्ती	३९१	११	३८
८. खेतों की विगत	३९४	१७	३९
९. कसबे सोभत का हासल	३९५	१९	३९
१०. परगने सोभत के हासल आदि की विगत	४००	२२	३९

११. परगने सोक्त के गांवों की विगत	४२५	४४	३६
१२. सांसण की विगत	४८६	४६	३६

वात परगने जैतारण री

जैता गगगा नामकरण तथा न उद मीधन की वात	४६३	१	३६
उदादनी व जोधपुर के राजाओं को जैतारण रही	४६५	१	४०
३. मध्ये जंतारण की वक्षी की विगत	४६७	१	४०
४. सांसण के गांवों की विगत	४६८	१	४०
५. जैतारण से कुल गांवों के हासल की विगत	५००	२	४०
६. परगने के गांवों की विगत	५०६	१२	४०
७. सांसण की गांव वार विगत	५४३	२३	४०
८. सीमा के गांवों की सूची	५५५	२४	४०

द्वितीय भाग

वात परगने फलोदी री

१. फलोदी का नामकरण व प्राचीनता	१	१	४१
२. राव नरा द्वारा फलोदी को बसाना	२	२	४१
३. नरा का काम आना और गोयद की गद्दी नशीनी	३	२	४१-२
४. राव झुंगरसी से मालदे ने फलोदी छीनी	४	५	४२
५. राठीड पृथ्वीराज जैतावत का कुंवर हरराज से युद्ध	४	५	४२
६. उदयसिंह को फलोदी का अधिकार मिलना	५	६	४२
७. लोहावट से उदयसिंह और चन्द्रसेन का युद्ध	६	७	४२
८. भाटी भाखरसी हरराजोत को फलोदी मिली	६	८	४३
९. राजा रायसिंह (बीकानेर) को फलोदी मिली	७	८	४३
१०. राजा सूरसिंह (जोधपुर) को फलोदी मिली	८	९	४३
११. संवत् १७१५ में भाटियों की फलोदी पर चढाई	८	१५	
१२. फलोदी के कोट व वस्ती की विगत	८	१६	४३
१३. फलोदी की सीमा	९	१७	४३
१४. फलोदी की सालाना आमदनी	१०	१८	४४
१५. फलोदी के गांवों का आवादी के अनुसार वर्गीकरण	१०	२१	४४
१६. परगने के गांवों की विगत	१२	२८	४४
१७. सांसण में दिये हुए गांवों की विगत	२८	२६	४४
१८. सीमा के गांवों की सूची	३२	३२	४४
१९. मारवाड़ के वे गांव जहाँ नमक की खानें हैं	३४	३४	४४

घात परगने मेड़ते री

१. मेड़ते की प्राचीनता	३७	१	४४
२. राव जोधा द्वारा बरसिघ और दूदा को मेड़ता दिया जाना	३७	२	४४
३. दूदा और बरसिघ द्वारा वर्तमान मेड़ता बसाना	३८	४	४४
४. डांगा जाटों को मेड़ता की सीमा में बसाना	३९	५	४५
५. बरसिघ व दूदा में अनवन तथा बरसिघ का साभर लूटना	४१	११	४५
६. बरसिघ व सातल में अनवन व अजमेर के सूबेदार के पास जाना	४२	१२	४५
७. मलूखा की मारवाड़ पर चढाई	४३	१३	४५
८. बरसिघ का कैद किया जाना तथा दूदा की अजमेर पर चढाई	४५	१७	४६
९. सीहा बरसिघोत को गद्दी से हटाकर दूदा का अधिकार होना	४६	१९	४६
१०. वीरम् की गद्दी नशीनी और सीहा के लडकों का विरोध	४७	२१	४६
११. मालदे द्वारा मेड़ता हस्तगत करने की साजिश	४८	२२	४७
१२. वीरमदे का अजमेर पर कब्जा	५१	२५	४८
१३. वीरमदे द्वारा सहसा को मारने के लिये रीया पर चढाई	५२	२६	४८
१४. मालदे की अजमेर पर चढाई और वीरम का भागना	५४	२७	४८
१५. वीरम का रणथंभोर के सूबेदार की मारफत शेरशाह से मिलना	५४	२८	४८
१६. शेरशाह की मारवाड़ पर चढाई	५६	३०	४९
१७. बादशाह का वीरमदे सहित जोधपुर आना	५७	३३	४९
१८. वीरम का मेड़ते पर पुनः अधिकार	५८	३४	५०
१९. जयमल वीरमदेवोत का मेड़ते की गद्दी पर बैठना	५८	३६	५०
२०. कुडल में राव मालदे और जयमल का युद्ध	५८	३८	५०
२१. हाजीखां और राणा के युद्ध में मालदे का भाग लेना	५९	४०	५०
२२. जयमल का मेड़ता छोड़कर मेवाड़ जाना	६०	४१	५०
२३. आधा मेड़ता जगमाल वीरमदेवोत को मिलना	६१	४२	५०
२४. जमल को बादशाह की और से पुनः मेड़ता मिलना	६३	४५	५०
२५. बादशाह का सरफदीन से नाराज होना और जमल का मेड़ता लूटना	६७	४८	५१
२६. सुरताण व केसोदास जमलोत का हाल	६९	५४	५२
२७. नवाब खानखाना के साथ गुजरात में सुरताण की चाकरी	७०	५७	५२
२८. सुरताण को पुनः मेड़ता मिलना	७२	५९	५२

२९. गोपालदास सुरतांगोत को मेडता (आधा) मिलना	७२	६०	५३
३०. पूरा मेडता राजा सूरसिंह को वादशाह की और से मिला	७३	६२	५३
३१. गजसिंह की गद्दी नशीनी और मेडता तागीर	७३	६३	५३
३२. २०४ गांवो से मेडता भीम अमरावत शीशोदिया को दिया गया	७३	६४	५३
३३. परवेज की और से मेडता गजसिंह को मिलना	७५	६७	५३
३४. मेडते की रेख पर वृद्धि	७६	६८	५४
३५. जसवंतसिंह की गद्दी नशीनी और मेडता की रेख में फिर वृद्धि	७७	७०	५४
३६. मेडते की घरती की नपाई	७७	७१	५४
३७. परगने मेडते की सालाना आमदानी सं० १७०१-१७२०	७८	७३	५४
३८. परगने मेडते की वस्ती स० १७२० मे	८३	७६	५४
३९. परगने मेडते का अमल दस्तूर (कर)	८८	७९	५५
४०. परगने के सीमावर्ती गाँव	९८	८६	५५
४१. सासण के गाँवों की विगत	१०६	८९	५५
४२. श्री फलोधी माताजी के देहुरे (मदिर) की हकीकत	११५	९१	५५
४३. परगने के गाँवों की विगत	११६	९२	५६
४४. तफावार रेख, सांसण, आदि की तालिका	२१३	१११	

वात परगने सीवारणे री

१. सिवाने गढ की हकीकत	२१५	१	५६
२. सिवाने का प्राचीन इतिहास	२१५	२	५६
३. राव जोधा का सिवाने पर अधिकार	२१६	४	५७
४. सिवराज से राणा देवीदास का सिवाना छीनना	२१८	५	५७
५. राव मालदे द्वारा सिवाने पर अधिकार	२१९	७	५७
६. वादशाह की और से कल्याणदास रायमलीत को सिवाना मिला	२१९	९	५७
७. उदयसिंह (जोधपुर) द्वारा सिवाने पर अधिकार	२२०	९	५७
८. परगने के गाँवो की रेख की सूची	२२१	१२	५८
९. सिवाने की वस्ती स० १७२१ मे	२२३	१३	५८
१०. सूने गाँवो की सूची	२२८	१५	५८
११. सासण के गाँवो की सूची	२३०	१७	५८
१२. परगने के गाँवो की विगत	२३२	१९	५८
१३. सासण दिये हुए गाँवो की विगत	२६६	२३	५८

१४. परगने के सीमावर्ती गांव	२७८	२५	५८
१५. सूकडी नदी के बहाव का वृत्तांत	२८१	२८	५८

वात परगने पोहकरण री

१. पोकरण की आदि कथा	२८६	१	५८
२. रामदे पीर द्वारा पोकरण को वसाना	२९१	५	५९
३. षीवा से नरा द्वारा पोकरण छीनना	२९२	६	५९
४. गोयद द्वारा नरा का बँर लेना	२९३	७	५९
५. राव मालदे का जैतमाल से पोकरण छीनना	२९४	८	६०
६. मानसिंह ढूँढाड़ा की पोकरण पर चढाई	२९५	११	६०
७. चद्रसेन द्वारा जैसलमेर को पोकरण अढायी देना	२९६	१२	६०
८. राजा जसवतसिंह का पोकरण पर अधिकार	२९८	१५	६०
९. पोकरण के कोट का वृत्तांत	३०८	१९	६१
१०. पोकरण शहर की बस्ती व मंदिर, जलाशय आदि	३१०	२०	६१
११. पोकरण की धरती की हकीकत	३१६	२६	६२
१२. पोकरण परगने के सीमावर्ती गांव	३२०	३०	६२
१३. परगने का दस्तूर अमल	३२३	३४, ३७	६२
१४. परगने के गावो की विगत	३४८	४२	६३
१५. परगने के सासण के गावो की विगत	३२७	३९	६३

भाग १ व २ के परिशिष्टों की विस्तृत सूची

भाग १

परिशिष्ट १ (क) कृमठां री विगत

पृष्ठ

१. राव जोवाजी के समय के गढ, स्मारक व भवन-निर्माण कार्य			५५९
२. राव सातळजी	"	"	५६०
३. राव सुजाजी	"	"	५६०
४. कवर वागाजी	"	"	५६०
५. राव गागाजी	"	"	५६०
६. राव मालदेजी	"	"	५६०
७. राव चद्रसेणजी	"	"	५६२
८. महाराजा श्री सूरसिंघजी	"	"	५६२
९. महाराजा श्री गजसिंघजी	"	"	५६४
१०. महाराजा श्री जसवतसिंघजी	"	"	५६५
११. महाराजा श्री अजीतसिंघजी	"	"	५६५
१२. महाराजा श्री अभैसिंघजी	"	"	५६७
१३. महाराजा श्री बखतसिंघजी	"	"	५६९

१४. महाराजा श्री विजयसिंघजी के समय के गढ, स्मारक व भवन-निर्माण कार्य	५७०
१५. महाराजा श्री भीरुसिंघजी	५७२
१६. महाराजा श्री मानसिंघजी	५७३
१७. महाराजा श्री तखतसिंघजी	५७५

नीवांणां री विगत (ख)

१. नीवांणा (जलाशयो) की विगत	५७९
२. कसबे जोधपुर मे वागां की विगत	५९५

गढ जोधपुर नीवांण छे जिर्कां की याददास्त (ग)

१. गढ ऊपर के नीवाणो (जलाशयो) की याददास्त	५९६
२. शहर के नीवाण पहाड़ पर बनेहुए	५९६
३. शहर के अन्दर नीवांण हें उनकी विगत	५९६
४. शहर के शहरपना के नीवाणो की विगत	५९९

भाग-२

परिशिष्ट-१

(क) बात परगने सांचोर री

१. सांचोर का प्राचीन इतिहास	३५९
२. परगने सांचोर की रेख	३६०
३. सं. १७२० से परगने की आमदनी	३६४
४. चहुवान सूरचंद के राज्य की विगत	३६९
५. राणा सिवराज के गांवो की विगत	३७०
६. परगने के गांवो का हाल स. १६९२ की बही से	३७३
७. परगने के गांवो की फहरिस्त स० १७७७ मे	३८९
८. सांसण के गांवों की विगत	४०७
९. गांवों की रेख व चाकरी के घोडों की विगत	४०८

(ख) परगने जालोर री हाल

१. जालोर गढ की स्थापना तथा इतिहास	४१३
२. कुंवर गजसिंह की जालोर पर चढाई	४१४
३. महेसदास रतनसिंहोत की जालोर की जागीर	४१५
४. महाराजा जसवंतसिंह के राज्य में जालोर शामिल	४१५
५. राव श्री सुजानसिंह जी को जालोर मिली	४१५

६. दीवाण फतैखाजी कमालखांजी को	”	”	४१५
७. राज श्री रामसिंहजी को	”	”	४१५
८. पठाण दलेलखांजी को	”	”	४१५
९. दीवाण फतैखांजी को	”	”	४१५
१०. महाराजा श्री अजीतसिंहजी को	”	”	४१५
११. महाराज श्री अभैमहजी को	”	”	४१५
१२. महाराज श्री बखतसिंहजी को	”	”	४१६
१३. महाराज श्री विजयसिंहजी को	”	”	४१६
१४. पासवान व गुलाबराय जी को	”	”	४१६
१५. महाराजा मानसिंहजी जालोर पधारिया	”	”	४१६

(ग) परगने भीनमाल रौ हाल

१. भीनमाल की स्थापना	४१७
२. भीनमाल का प्राचीन इतिहास	४१७
३. कुँवर गजसिंह का भीनमाल पर कब्जा	४१८
४. महाराजा अजीतसिंह की भीनमाल पर चढाई	४१९
५. फतेहख़ा की राठौडो से मुठभेड़	४२०
६. राठौड भगवानदास जोगीदासोत के पट्टे भीनमाल	४२०
७. संवत् १८१० में भंडारी पोमसीजी के पट्टे	४२०

(घ) परगने नागोर रौ हाल

१. नागोर गढ की स्थापना	४२१
२. चहुवानों का नागोर पर राज्य	४२१
३. खानजादों को नागोर का पट्टा	४२१
४. समसुखां को नागोर की जागीर मिलना	४२१
५. राव चूंडा का नागोर पर अधिकार	४२१
६. राव मालदे	४२१
७. हुमायू तथा अकबर के सूवेदारो का अधिकार	४२१
८. बीकानेर के राजा रायसिंह को अकबर की ओर से नागोर दी गई	४२२
९. राणा सगर को जहागीर की ओर से मिली	४२२
१०. पठान जावदी को नागोर मिली	४२२
११. राठौड अमरसिंह को दी गई	४२२
१२. महाराजा जसवर्तसिंह तथा रायसिंह के बट मे	४२२
१३. महाराजा अजीतसिंह को मिली	४२२
१४. सवाई जयसिंह को मिली	४२२
१५. महाराजा अभयसिंहजी को मिली	४२२
१६. बखतसिंहजी को मिली	४२३
१७. नागोर के आस पास के अन्य इलाके	४२३

१८. नागोर के किले का हाल	४२३
१९. नागोर के गाँवों की संख्या तथा फसल	४२३
२०. परगने की जमीन का हाल	४२३
२१. जमीन सेर घास व लकड़ी की पैदावार	४२४
२२. परगने में लगने वाले मेले	४२४
२३. परगने की रेख का संक्षिप्त विवरण	४२४
२४. परगने में बनने वाली प्रसिद्ध चीजें (उद्योग)	४२४
२५. परगने में दर्शनीय स्थान	४२४

(ङ) परगने मारोठ री हाल

१. मारोठ की स्थापना	४२५
२. मारोठ के कस्बे व जमीन की विगत	४२५
३. औरगजेव की ओर से रघुनार्थसिंह को मारोठ मिली	४२५
४. गौड़ों से रघुनार्थसिंह का संघर्ष	४२६
५. परगने की आमदनी की विगत	४२६

परिशिष्ट २

[कुछ परगनों सम्बन्धी अतिरिक्त ज्ञातव्य]

१. परगने जोधपुर के गावों की संख्या, तफावार । मुहता नैणसी प. नरसिंघदास द्वारा शुद्ध कर लिखी गई—आवादान, वीरांन	४२८
२. गाव १४४० का वर्गीकरण	४२९
३. परगने की तनखाह (शाही) तफावार	४३०
४. मोटे राजा के समय परगने २ तलव	४३०
५. परगने के कुछ गाँवों के हासल की विगत	४३१
६. सरकार जोधपुर में कुओ की याददास्त	४३२
७. रतनसी खीवावत के योद्धा अकबर की फौज से लड़कर काम आये उनकी सूची	४३२
८. राव राम का वाका	४३३
९. मोटे राजा का सीरोही सम्बन्धी वाका	४३४

(ख) परगना भेड़ता

१. भवन-निर्माण व जलाशय	४३६
------------------------	-----

(ग) परगने सीवाने री हाल

१. सीवाने गढा की स्थापना	४३८
२. जैतमाल सलखावत के वंशजों का अधिकार	४३८
३. मालदे का सिवाने में विधे के समय रहना	४३८
४. चन्द्रसेन का सिवाने पर अधिकार	४३८
५. राव चन्द्रसेन ने सिवाने की सीमा निश्चित की	४३९
६. कला रायमलौत का विस्तृत विवरण	४४०

७. महाराजा उदयसिंह का अधिकार	४४३
८. महाराजा सूरसिंहजी ने जलाशय बनवाये, विगत	४४४
९. महाराजा अजीतसिंह की वार्ता	४४४
१०. महाराजा सुजानसिंह पर बनी छतरी का हान	४४५

परिशिष्ट ३

[महाराजा जसवंतसिंह रै समै रा रीत किरियावर]

१. राँखी प्रतापदे को राणीपदा दिया गया उसकी विगत	४४६
२. महाराज कुमार पृथ्वीसिंह के जन्मोत्सव पर खर्च	४४७
३. कुंवरजी को कुंवर पदा दिया गया उसकी विगत	४५१
४. कुवर जगतसिंह के जन्मोत्सव पर खर्च	४५२
५. बाई रतनकुंवर के जन्मोत्सव पर खर्च	४६०
६. हाडी जसवतदे को राणीपदा दिया उसकी विगत	४६२

परिशिष्ट-४

[डावी नै जीवणी मिसला री विगत]

१. खाप चाँपावतो के ठिकानों की विगत	४६५
२. खाँप कूपावतो के ठिकानो की विगत	४६७
३. खाँप जैतावतो के ठिकानों की विगत	४६८
४. खाँप करणोतो के ठिकानो की विगत	४६९

मिसल डावी

१. खाँप जोधों के ठिकानो की विगत	४६९
२. खाप मेडतियों के ठिकानों की विगत	४७१

[मिसलारो खापां फटी जिणारी विगत]

१. उदैसिंघजी मे जोधो की इतनी खाँपें मिलती है	४७३
२. मालदेजी मे जोधो की खाँपें मिलती है उनका विगत	४७४
३. मेडतियों के खापो की विगत	४७४
४. रिडमलजी से खाँपें मिलती है उनकी विगत	४७५
५. रायपालजी मे खाँपें मिलती है उनकी विगत	४७६
६. चापाजी मे खाँपें मिलती है उनकी विगत	४७७

परिशिष्ट ५

[जोधपुर रा चाकरा री विगत]

१. भडारियों की विगत	४७८
२. मूता समदड़िया	४७९
३. मूता भडसाली	४७९
४. मूता कोचर	४७९
५. मूता बागेरेचा	४७९

६. मूता बछावत	४७६
७. मूता दफ्तरी	४८०
८. मूता वेद	४८०
९. सिघवी	४८०
१०. ब्राह्मण पोहकरणा	४८०
११. पोहकरणा कोलाणी	४८०
१२. पोहकरणा व्यास नाथावत	४८०
१३. पोहकरणा विरामण जोसी, पिरीयत	४८०
१४. विरामण सिरमाली	४८१

परिशिष्ट-६

जोधपुर रा ओदादारां (८६) री याददास्त	४८२
-------------------------------------	-----

परिशिष्ट-७

श्री हज़ूर उमरावां ने कुरव इनायत करै सो याददास्त	४८४
--------------------------------------------------	-----

परिशिष्ट-८

मिरजा राजा जैसिघ रे मनसब रौ नावों सं. १७२१	४८६
--------------------------------------------	-----

१. कुंवर रामसिघ	"	"	"	"	४८६
२. कुंवर कीरतसिघ	"	"	"	"	४८६

परिशिष्ट-९

हिन्द उमरावां री विगत

१. अकबर बादशाह के हिन्दू उमरावों की विगत	४९१
२. जहाँगीर बादशाह	" " " "
३. शाहजहाँ बादशाह	" " " "
४. औरंगजेब बादशाह	" " " "

परिशिष्ट-१०

याददास्त नव कोटां री

१. बाड़मेर	—	—	५००
२. भ्रावू	—	—	५००
३. पारकर	—	—	५००
४. पूंगल	—	—	५००
५. जालोर	—	—	५००
६. ऊमरकोट	—	—	५०१
७. लौद्रवी	—	—	५०१
८. अजमेर	—	—	५०१
९. गढ मंडोर	—	—	५०१

मारवाड़ रा परगनां री विगत

शोध-सूत्र : प्रथम भाग

परगना जोधपुर

जोधपुर की-प्राचीन राजधानी मण्डोर थी। यह स्थान अति प्राचीन है। पद्मपुराण में इसका उल्लेख मिलता है। यहाँ का भोगिशैल पर्वत सुमेरु का पुत्र माना जाता है। यहाँ मण्डलेश्वर महादेव आदि पवित्र स्थानों का बड़ा माहात्म्य है। मण्डोर की स्थापना मन्दोदर दैत्य की की हुई मानी जाती है। यही उसकी लड़की मन्दोदरी का विवाह लंकापति रावण से हुआ था।

(पृ० १/अनु० १-२)

मण्डोर काफी समय तक पँवारों की राजधानी रहा। धरणीवाराह ने अपने भाइयों को नौ किलों का मालिक बनाया था, उनमें से यह किला सांवत को प्रदान किया। (१/२)

पँवारों के पश्चात् यहाँ पड़िहारों का राज्य कायम हुआ। इनमें नागराजन का पुत्र नाहड़राव बड़ा प्रसिद्ध शासक हुआ। उसने यहाँ अनेक निर्माण-कार्य करवाये। नाहड़राव ने अपनी पुत्री की सगाई सोमेश्वर के पुत्र पृथ्वीराज से की थी, पर बाद में पृथ्वीराज में अनेक खामियाँ बताकर उसके साथ लड़की व्याहने से इन्कार कर दिया, जिसके फलस्वरूप पृथ्वीराज ने चढ़ाई कर दी। नाहड़राव हार गया। पृथ्वीराज की कंचनमाला से शादी हुई। पाटण के भीमदे के साथ युद्ध कर धवलेहर में नाहड़राव मारा गया। (२-३/३-५)

चहुवान पृथ्वीराज ने मण्डोर महारासी अल्ह को दिया। जब पृथ्वीराज साहबुद्दीन गौरी द्वारा पकड़ा गया तब मण्डोर भी उसके हाथ से निकल गया। सवत् ११७३ के लगभग यहाँ मुगलों का राज्य हुआ। (४/५)

सेतराम का पुत्र राठौड़ सीहा कन्नौज से द्वारिका जा रहा था । उस समय अनिहलवाड़ा पत्तन में मूलराज सोलंकी राज्य कर रहा था । वह लाखा फूलाणी से अपने वाप का बेर लेने को बहुत उत्सुक था । उसने इसके लिए पाटण की देवी भद्रकाली की बड़ी उपासना की । देवी ने आदेश दिया कि लाखा की मृत्यु सीहा के हाथ से ही सम्भव है । सीहा कन्नौज से द्वारिका को चला है, अतः उससे मिलकर यह काम करो । मूलराज ने ऐसा ही किया । उसने सीहा की बड़ी आवभगत की तथा अपनी पुत्री का विवाह उससे कर देने की इच्छा प्रकट की । सीहा ने द्वारिका से लौटते समय यह कार्य करने का वायदा किया । लौटते समय दीपावली के दिन उन्होंने लाखा पर हमला किया । लाखा खुले मैदान में युद्ध कर काम आया । मेहद भाले ने इस अवसर पर अच्छा काम दिया, अतः उसे सीहा ने हलवद जागीर में दी । (५-८/६-१३)

मूलराज ने अपनी वहन राजां का विवाह सीहा से किया । सीहा कन्नौज लौटा । उसके पहले की रानी से चार पुत्र थे । इस रानी से तीन पुत्र हुए—आसथान, सोनग और अज । सीहा का स्वर्गवास होने पर दोनों रानियों में बनी नहीं, तब वह अपने पुत्रों सहित पाटण को खाना हुई । (८-६/१२-१३)

रास्ते में ये लोग पाली में ठहरे जहाँ राणा के गुरु पालीवाल ब्राह्मण रहते थे । वहाँ मेर आदि जातियों के लुटेरों का बड़ा भय था । पाली वालों ने इन्हें खानदानी व वीर समझकर अपनी रक्षार्थ वही रहने का आग्रह किया । इनकी मांगे भी उन्होंने स्वीकार की । वहाँ इन्होंने अपना अच्छा प्रभुत्व कायम कर लिया । जनता की सुरक्षा का इन्होंने बहुत अच्छा प्रवन्ध किया । (९-११/१४-१७)

फिर ये तीनों भाई वहाँ से अन्य स्थान को जाने के लिए तैयार हुए । तब जनता ने बड़े भाई आसथान को अनुनय-विनय कर वहीं रख लिया । ५८-६० गाव उसकी जागीर के लिए निश्चित कर दिये गये । (११-१२/१८-१९)

उस समय प्रतापसिंह गोहिल का अधिकार खेड़ पर था । उसने अपनी लड़की की शादी आसथान से करदी । वह आसथान की खूब आवभगत किया करता था । डाभी जेहली प्रतापसिंह का प्रधान था । उससे मिल कर कुछ दिनों पश्चात् खेड़ से आसथान ने गोहिलों का सफाया कर दिया । अपना पूर्ण अधिकार कायम करने के लिए उसने डाभियों को भी घोखे से मरवा दिया । इस प्रकार

निम्नलिखित गांव उसके अधिकार में आ गये—

गांव १४० 'खेड़ के

गांव १४० कोढरो के

गांव १४० (देवराज गोगादे चाहड़दे आदि के)

४२० कुल गांव तबसे राठौड़ों के अधिकार में आये ।

(१२-१४/२०-२१)

आसथान के पश्चात् उसका पुत्र धुहड़ गद्दी पर बैठा । वह नागाणा नामक गांव मे गायों की बाहर करते हुए मारा गया । उसके पश्चात् रायपाल गद्दी पर बैठा । वह बड़ा दातार जूंभार हुआ तथा 'महिरेलण' कहलाया । उसने अपना अधिकार ५६० गांवों तक बढ़ाया । (१५/२२)

रायपाल के बाद कान्हड़राव, और उसके बाद जल्हण गद्दी पर बैठा । वह मुगलों से लड़ाई कर मारा गया । उसके बाद राव छाड़ा गद्दी पर बैठने का अधिकारी हुआ । सोनगरों से उसने कई युद्ध कर वीरगति प्राप्त की । तत्पश्चात् राव टीडा अधिकारी हुआ । उसने अनेक युद्ध लड़े । सोनगरों से अपने बाप का बैर लिया । अलाउद्दीन बादशाह से सिवाने में युद्ध कर उसने वीरगति प्राप्त की । (१५/२४)

गद्दी पर कान्हड़दे छाडावत बैठा । सलखा को टीका नहीं दिया गया । सलखा के ४ बड़े वीर पुत्र हुए । उनमें माला बड़ा दूरदर्शी था । उसने जालोर के खान की सहायता से कान्हड़दे को मरवा कर बाड़मेर पर अधिकार कायम किया । उसके भाई जैतमाल को सिवाना दिलवाया । वीरम सलखावत बड़ा वीर और अनेक युद्धों में विजयश्री का वरण करनेवाला हुआ । इसे बाड़मेर के केवल ५-७ गांव मिले । (१५-१६/२४-२७)

उन दिनों सोहण में अकाल पड़ा तब देपाल लूण जोया अपने मवेशी सहित उस ओर आये थे । माला जगमाल ने उन्हें लूटने का विचार किया । जोयों ने वीरम की शरण ली । इस पर वे वीरम से बहुत रुष्ट हुए । फिर जोयों के आग्रह पर वीरम ने उन्हें बीकानेर की सीमा तक सुरक्षित पहुँचा दिया । माला अन्दर ही अन्दर कुढ़ता रहा । (१६-१८/२७-२८)

इन परिस्थितियों के बीच ही गुजरात से एक घोड़ों की कतार आ रही थी

उसे वीरम ने अपने अधिकार में कर लिया । इसका पता लगने पर गुजरात के वादशाह ने महाबलीखान को १२००० सैनिक देकर महेवा पर विदा किया । जालोर आने पर उसने माला को कहलवाया कि या तो वीरम को निकाल दो वरना हम उसे पकड़ कर मारेगे । इस पर वीरम अपने साथियो सहित जांगलू के साँखला ऊदा सूजावत के पास चला गया । महाबलीखान ने पीछा किया । साँखला ने वीरम को सवारी देकर आगे निकाल दिया । तब खान वहाँ तक जाकर वापस लौट गया । (१८-१९/२६)

वीरम सोहरा में देपाल के पास पहुँच गया । देपाल ने उसे भाई की तरह आमदनी का हकदार बना कर रखा । कुछ समय में उसके पास अच्छे राजपूत सैनिक शामिल हो गये, तब उसने जोयों से वहाँ की धरती छीन लेने का विचार किया । (१९-२०/२६-३१)

जोयों ने वीरम का बड़ा लिहाज किया, परन्तु वीरम माना नहीं । वह अपनी शक्ति बढ़ाता गया और एक दिन उनके पूज्य वृक्ष (फरास) को कटवा दिया । इस पर दला जोया ने आकर वीरम की गायें घेर लीं । युद्ध हुआ, जिसके परिणामस्वरूप वीरम मारा गया और जोयों की जीत हुई । वीरम की पत्नी मांगलियाणी को चार आदमी देवराजों के थल तक पहुँचा आये जहाँ कलाऊ ग्राम में अपना परिचय छिपाकर वह मजदूरी करने लगी । उसका पुत्र चूडा बछड़े चराता था । (२१/३१)

एक दिन जब टोघड़े चराते-चराते चूडा सो गया, तो एक काले सर्प ने आकर अपना फन उसके सिर पर कर दिया । आल्हा चारण उधर से आ रहा था । उसने जब यह देखा तो शकुन के आधार पर जाना कि यह कभी न कभी छत्रधारी राजा बनेगा । आल्हा ने बच्चे को जगाकर उसका परिचय पूछा । वह परिचय नहीं दे सका और अपनी माँ के पास ले गया । माँ ने बड़ी कठिनाई से अपना परिचय दिया, तब आल्हा ने बड़ा अफसोस किया और उनके रहने आदि की व्यवस्था की । (२१/३२)

चूडा को ठीक कपड़े पहनाकर व शस्त्र बंधवाकर वह महेवे के स्वामी रावठ माला के पास ले गया, परन्तु माला को वीरम का दुर्व्यवहार याद था । इसलिए उसको कोई यावभगत नहीं की और साधारण सैनिक की तरह उसे रखा ।

रावळ माला का प्रधान भोपा था । उसे चूँडा ने प्रसन्न किया, तब उसने रावळ से कह-सुन कर बड़ी मुश्किल से मण्डोर के पास सालोड़ी थाने पर उसे भेजा । (२१/३३)

चूँडा ने सालोड़ी आकर अपनी व्यवस्था जमाई और चामुण्डादेवी की खूब सेवा की । दिनों-दिन उसका प्रभुत्व बढ़ने लगा । लोग अच्छी सख्या में उसके यहाँ आने-जाने लगे । एक दिन देवी ने प्रसन्न होकर उसे बताया कि अमुक दिन सोने से भरी एक कतार आयेगी उसे तू हस्तगत कर लेना, फिर तुझे मैं गढ़पति बनाऊँगी । चूँडा ने ऐसा ही किया । सोना हाथ लगते ही उसने अपनी सैनिक-शक्ति बढ़ा ली । (२३/३५)

उन दिनों मण्डोर में बादशाही थाना था । उसका अधिकारी मुगल ऐबक था । चारों ओर विशेष आबादी नहीं थी । ईंदा, सीधल, सांखला, कोटेचा, आसायच आदि राजपूतों की चौरासियाँ थी । मुगल ऐबक ने इन सबको बेगार मे घास की गाड़ियाँ लाने का आदेश दिया । इनमें ईंदा टोहा बुजुर्ग आदमी था, उसने ऐबक से प्रार्थना की कि यह बेगार उचित नहीं है । परन्तु जब सुनवाई होती नहीं दिखाई दी तब वे घास की गाड़ियों के बहाने गाड़ियाँ सैनिकों से भर कर मण्डोर पहुँचे और जब ऐबक निरीक्षण के लिए आया, तो उस पर हमला कर उसे मार डाला । फिर तो साधारण से संघर्ष के बाद ही मण्डोर का गढ़ कब्जे में कर लिया । (२४-२५/३६-३७)

तत्पश्चात् ईंदों ने देखा कि इधर नागोर में मुगलों का थाना नजदीक पड़ता है और उधर राणा का प्रभाव भी है ऐसी स्थिति में गढ़ को कब्जे में रखना कठिन है, अतः चूँडा जैसे सुयोग्य व्यक्ति के अधिकार में गढ़ दे देना चाहिए, जिससे हम सब की सुरक्षा का प्रबन्ध भी हो जायेगा । चूँडा की स्वीकृति मिलने पर गढ़ उसे सौंप दिया गया तथा ईंदा गांवदेव ऊगड़ावत की पुत्री का विवाह उसके साथ कर उससे बायदा करवाया कि वह तथा उसके वंशज ईंदों के अधिकार की भूमि में दखल नहीं देगे । चूँडा ने धीरे-धीरे अपनी व्यवस्था कायम की तथा सैनिक-शक्ति भी बढ़ाई । (२५-२६/३८-३९)

राव चूँडा का राज्य मण्डोर पर खूब जमा । उसने नागोर तथा डीडवाना पर भी अपना अधिकार जमा लिया । वृद्धावस्था में मोहिलाणी से शादी की । फिर भाटियों से चूँडा का बँर बँधा । फलस्वरूप राव केलण मुल्तान से सलेम

खान को उस पर चढा लाया । संवत् १४२८ में नागोर में चूँडा १२ योद्धाओं सहित काम आया और अपने कुँवरों को वहाँ से सुरक्षित निकाल दिया । मरते समय चूँडा ने रिणमल से ववन मागा कि मण्डोर का टोका मेहिलाणी के पुत्र कान्हा को दिया जाय । रिणमल ने ऐसा ही किया और सलेमखान को मार कर वाप का बैर लिया । (२५-२६/४०-४१)

रिणमल मेवाड़ में जाकर अपने भानजे राणा कुम्भा व मोकल के पास रहने लगा । कान्हा बड़ा निर्बल शासक हुआ । राव रिणधीर चूँडावत ने उससे राज्य छीन लिया । सता को शासक बनाया और रिणधीर सारा काम-काज देखने लगा । सता का लडका नरवद बुद्धिहीन व्यक्ति था । वह रिणधीर को मारने के प्रयत्न लगातार करने लगा । तब रिणधीर धराले में रिणमल के पास गया और उसे समझा-बुझा कर राणा मोकल की सहायता से मण्डोर पर चढ़ाई की । सता भाग गया, नरवद ने मुकाबला किया पर घायल होकर गिरा । रिणमल ने सीसोदियों की फौज को वही से विदा कर दिया । वे नरवद को उठाकर चित्तौड़ लौट गये । नरवद राणा का चाकर हुआ । (२६-२७/४२-४४)

इसी समय के आस-पास मेवाड़ के राणा मोकल के पासवानिये भाइयों चाचा और मेरा ने पही के पहाड़ों पर अपने सुरक्षित मकान बनवाये थे, उन रिणमल की सहायता से मोकल ने गिरवा दिया था, इससे वे द्वेष रखने लगे । रिणमल ने राणा को उनसे सतर्क रहने को कहा था, पर ऐसा अवसर आया कि इधर राणा मोकल के दामाद गागुरण के अचलदास खीची पर मांडव का वादशाह चढ आया, उसकी सहायतार्थ जाने के लिए राणा ने भी रिणमल को मण्डोर से अपनी फौज ले आने को कहा । उधर रिणमल गया और पीछे मौका देख कर चाचा और मेरा ने मोकल को मार डाला । कुम्भा ने रिणमल को सूचना देकर फौरन सहायतार्थ आने को कहा । रिणमल बिना कुछ खाये-पिये ४००० घुड़सवार लेकर मेवाड़ आया । चाचा और मेरा पही के पहाड़ों में छिप गये, परन्तु अन्त में मारे गये । (२७-२९/४५-४८)

अब चित्तौड़ का शासक राणा कुम्भा है, पर आज्ञा रिणमल की ही चलती है । चूँडा सीसोदिया जैसे वुजुर्ग मांडवे जा बैठ रहे, वाकी के चुपचाप सहन करते गये । अन्त में राठोड़ों का वर्चस्व समाप्त करने के उद्देश्य से महपा पँवार ने चूँडा लखावत को बुलवाया और रात में सोते हुए रिणमल की हत्या करवा

दी । जोधा तलहटी में घोड़ों के पास सोया था, जहाँ उसे छोकरी ने आवाज देकर सूचित किया तब वह अपने सवारों सहित वहाँ से भाग निकला । रिणमल पर आक्रमण होते समय भाटी सता, लूणकरण हमीर का, रिणधीर सूरावत तथा बीजा विक्रमादित्य काम आये । (२६-३०/४६-५०)

जब जोधा वहाँ से निकला तो भीव चूँडावत को वही छोड़ना पड़ा, क्योंकि वह शराब के अत्यधिक नशे में था । चित्तौड़ से ८-१० कोस पर राणा की फौज ने जोधा पर आक्रमण किया, जिसमें जोधा के २०० सवार मारे गये । कोस ३० पर फिर युद्ध हुआ, जिसमें कितने ही लोग काम आये । यों करते-करते सोमेश्वर के घाटे पर जब जोधा पहुँचा तो उसके पास केवल २००-२५० आदमी रह गये थे । उन्होंने बड़ी वीरता से राणा की फौज का मुकाबला किया और केवल ७ सवारों से जोधा को घाटे के पार उतारा । इस युद्ध में बरजाग भीवोत घायल होकर गिरा । उसे उठाकर राणा की फौज लौट गई । जोधा मण्डोर पहुँचा । वहाँ से अपना साज-सामान लेकर नापा सांखला के पास जांगलू चला गया । नापा सांखला की लड़की नोरगदे जोधा को ब्याही हुई थी । (३१/५१)

अब जहाँ कोड़मदेसर तालाब है वहाँ रिणमल के बारह दिनों की रश्म अदा की । राणा ने मण्डोर पर अधिकार करने के लिए राव राघवदे सिंहमलोत आदि को भेजा । सहेसमल चूँडावत को अपना चाकर रखकर सोजत का पट्टा दिया । आका सीसोदिया, हीगोला आहाड़ा, नरबद सतावत, सता चूँडावत आदि जोधा को मार डालने के लिए प्रयत्नशील हुए । अलग-अलग थानों पर भी समुचित व्यवस्था की गई । जोधा विपत्ति के मारे इधर-उधर भागता रहा । १२ वर्ष तक हिम्मत रख कर उसने कष्ट सहे । दो बार नरबद ने जोधा पर चढाई की और उसका सामान लूट लिया । (३२-३३/५२-५५)

इसी दौरान राव जोधा ने अपने भाई-बन्धों को शामिल किया और संगठित रूप में प्रयास करके धरती पर अधिकार करने का विचार किया । उस वर्ष अकाल पड़ा था, अनाज की बड़ी कमी थी । जब वे सोढी मूलवणी के यहाँ पहुँचे, तो मजीष्ठ डाल कर उसने उन्हें लपसी खिलाई । वहाँ से वे फलोदी कस्बे में हरभू के पास पहुँचे, जो बडा करामाती व्यक्ति था । उसने उनके आने से पहले ही भोजन की व्यवस्था करवा दी और उनके आते ही सर्वप्रथम भोजन की मनुहार की तथा

बहुत अच्छा भोजन करवाया । सभी लोग दंग रह गये । फिर जोधा ने हरभू से पूछा— आप मे वड़ा चमत्कार है, आप भविष्य की बात जानते है, आप बताएँ कि हमारे दिन कब अनुकूल होंगे । हरभू ने कहा—आज से ही अनुकूल है, तुम अपना राज्य लेने का प्रयत्न करो । वही से जोधा अविलम्ब सेत्रावे गया और वहाँ से रावत लूणा की स्त्री के सहयोग से उसके १४० घोड़े लेकर मण्डोर पर चढ़ाई की । आका सीसोदिया और हीगोला आहाड़ मारे गये । मण्डोर पर अधिकार कर चौकड़ी तथा कौसारो के थानों पर अधिकार किया । फिर सोजत, धगला आदि भी ले लिये । वहीं सोजत में अपने साथियों को बुलाकर विजयोत्सव मनाया । दो वर्ष तक सोजत में रहने के बाद मण्डोर मे अपना स्थाई थाना रखा ।
(३३-३५/५६-५७)

फिर राणा कुम्भा उस पर चढ़ आया । जोधा के पास घोड़े बहुत थोड़े थे । वह १०,००० राठीड़ों को लेकर गाड़ियों में बैठ उसका सामना करने गया । राणा कुम्भा इस प्रकार मर मिटने के लिए उद्यत राठीड़ों को देख भाग खड़ा हुआ । जोधा ने गोडवाड़ का इलाका लूटा और जाकर पीछोला तालाब पर अपने घोडो को पानी पिलाया । चित्तौड़ को लूटा । समझौता करवाने वालों के बीच-बचाव से बबूलों वाली धरती जोधा के रही और आंवल वाली धरती कुम्भा के । जोधा ने रिणामल के बैर में सोजत व जैतारण दबा कर रख लिये ।

(३५-३६/५८)

राव रिणामल को मारने के बाद कुम्भा ने उसकी लाश उठाने नहीं दी । तत्र चाँदण खिडिया ने बडी जोखिम उठाकर रिणामल का दाह-संस्कार किया और फूल गगाजी में प्रवेश किये । जोधा तथा उसके वंशजों ने अनेक ग्राम इस उपकार के बदले में चाँदण तथा उसके वेटे पोतों को दिये । (३७/५९)

राव जोधा

राव जोधा पड़िहारों का भानजा था । पड़िहार जेसल राणा की पुत्री हंसाबाई का पुत्र था । सवत् १४७२ वैसाख सुद ४ बुधवार को इसका जन्म हुआ । सवत् १५१२ के करीब धरती पुनः प्राप्त की और सवत् १५१५ में चिडिया टूक पर किले की नीव दी । जोधा के पास ये परगने थे—जोधपुर, मेडता, सोजत, जैतारण, जाँगलू । यह भी कहा जाता है कि पूंगल के स्वामी राणागदे की पुत्री कोडमर्दे चूँडा के बैर में रिणामल को व्याही थी, उसका पुत्र जोधा था । (३८/६०-६१)

राव जोधा २६ वर्ष राज्य भोगकर संवत् १५४१ में स्वर्गवासी हुए । अपने भाइयों को इस प्रकार धरती बांटकर बसाया—

१. अखैराज रिणमलोत को सोजत की बगड़ी ।
२. डूँगरसी रिणमलोत को भाद्राजून ।
३. राठौड़ वाला भाखर के को खेरला ।
४. राठौड़ रूप रिणमलोत को चाडी ।
५. राठौड़ मंडला रिणमलोत को बीकानेर का सांदूड़ा ।
६. राठौड़ करना रिणमलोत को लूणावास ।
७. राठौड़ पाता रिणमलोत को करणू ।
८. राठौड़ वैरा रिणमलोत को सोजत का दुधवड़ ।
९. राठौड़ जगमाल रिणमलोत के पुत्र खेतसी को नेतड़ां । (३८-३९/६२)

राव जोधा ने अपने पुत्रों को धरती इस प्रकार बांटकर दी—

१. सातल को जोधपुर ।
२. नीवा कंवरपदे में मर गया ।
३. भारमल व जोगा को कोढणा ऊहड़ों वाला ।
४. सिवराज को पहले सिवाना दिया था फिर दूनाड़ा ।
५. करमसी तथा रायपाल को नाहड़सरा दिया । सलेहखांन ने इन्हें आसोप व खींवसर दिये । (३९-४०/६३)

राव सातल

राव सातल जोधावत संवत् १५४१ में गद्दी पर बैठा । ४ वर्ष राज्य करके १५४५ में देवलोक सिधारा । इसने मलूखां से कुसांरो में युद्ध किया था । वरसिंघ ने सांभर लूटी तब मलूखां चढ़ आया था । इस युद्ध में बरजांग भींवोत ने बड़ा काम दिया । सूजा घायल होकर गिरा । सातल की विजय हुई । सातल के कोई पुत्र न था, नरा सूजावत गोद था । नरा ने पोकरण पर खींवा लूंका को हटाकर अधिकार कर लिया था । फिर गोइंद नरावत पोकरण का अधिकारी हुआ ।

(४०-४१/६४-६५)

राव गांगा

कुँवर बाघा सूजावत मांगलियों का भानजा था, परन्तु कंवरपदे में ही कालकलवित हुआ । राव गांगा बाघावत चहुवानों का भानजा था । इसे ईंडर

से लाकर सरदारों ने संवत् १५७२ में गद्दी पर बैठाया। संवत् १५८८ में इसका स्वर्गवास हुआ। इसने स्वयं सेवकी में नागोर की फौज से युद्ध किया था। अनेक योद्धा इसमें मारे गये। ईडर को जब गुजरात के वादशाह ने दवा लिया, तो इसने राणा सांगा और वीरमदे मेड़तिया की सहायता से उसे मुक्त करवाया।

(४१-४२/६६-६६)

राव मालदे

राव मालदे गांगावत देवड़ों का भानजा था। संवत् १५८८ जेठ सुदि ४ बुधवार को गद्दी पर बैठा। संवत् १६१६ काती सुदि १२ को इसकी मृत्यु हुई। यह राव बड़ा प्रतापी व भाग्यशाली हुआ। इसने जोधपुर का गढ़ संवरवाया तथा खूब धरती जीती। इसने मेड़ता, नागोर, सांभर, वांवल, मालपुरा, साचोर, सिवाना, डीहवाना, जालोर, फ़लोदी, पोकरण, खाटू, जाजपुर, वधनोर, गोडवाड़, कोटड़ा, राघणपुर, वाहतखड़, बीकानेर, रायपुर, बाड़मेर, सलेमाबाद, भाद्राजून आदि स्थानों पर अपना अधिकार किया। अनेक किलों को गिरवाया और कई नये किले बनवाये तथा उनकी मरम्मत करवाई। (४२-४५/७०-७१)

इसने जैता पंचायणोत्त को टाकों की लड़की ब्याही तथा राव को हरसोळाव १२ गांव सहित देकर समझौता किया। १६१७ में देवीदास से समझौता कर जोधपुर में बसाया। संवत् १५९३ में सीरवी गोयंद को पकड़ा। १५९३ में जैसलमेर ऊमादे भटियाणी से शादी की और उसका रूठना १५९५ में हुआ। ऊमादे मेवाड़ के केलवे में रही तथा १६१६ में जब राव के स्वर्गवास का समाचार सुना तो सती हुई। मालदे का विवाह भाला जैत की लड़की सरूपदे से हुआ था। उसकी छोटी वहन भी बड़ी सुन्दर थी, उससे भी विवाह करने का प्रस्ताव मालदे ने किया। भाला माना नहीं, उसने चुपके से उसकी शादी राणा उदयसिंह से कर दी। इससे मालदे और उदयसिंह में वैर-भाव बढ़ा। राव ने गोडवाड़ में अपने थाने बैठाये तथा कुम्भलमेर पर भी चढ़ाई की, परन्तु सफलता न मिली। (४७-४८/७३-७६)

बालीसा सूजा सांवतोत एक बार राणा उदयसिंह से रूठकर जोधपुर आ बसा। मालदे ने उसका बड़ा स्वागत किया। राणा से मालदे का विरोध था ही, उसने राणा पर जब फौज बिदा की तो सूजा को उसके साथ जाने को कहा। सूजा ने मना कर दिया, परन्तु अधिक दवाने पर आगे के प्रवन्ध की

जिम्मेदारी के वहाने वह रवाना हुआ और राणा से जा मिला । राणा ने आदर सहित उसे नाडूल की जागीर १२ गांवों से दी । अब तो मालदे सूजा से बड़ा रुष्ट हुआ । उसने अपने प्रसिद्ध सरदार बीजा, नगा, धना आदि को बुलाकर सूजा से बैर लेने को कहा । ये ५०० सवारों से नाडूल गये और कुछ सिपाहियों को गांव की गायें घेर लाने को भेजा । सूजा को खबर मिलते ही वह समझ गया कि यह कोई चाल है । उसने अपने सभी लोगों को शामिल कर पीछा किया । बीजा, धना काम आये । नगा को लोगों ने वहाँ से निकाला । उसने भी बड़ा पराक्रम दिखाया था । (४८-५१/७७-८०)

संवत् १६१३ में जब राणा उदयसिंह और हाजीखां के बीच युद्ध हुआ तब राठौड़ देवीदास ने सूजा को बीजा, धना का बैर याद दिलाते हुए ललकार कर उसे मारा । (५२/८१)

राव मालदे के कुल ८ लड़कियाँ हुई थीं । उनका विवाह इस प्रकार किया—सजना जैसलमेर के रावळ हरराज को, कनकावती (नोरंगदे) गुजरात के बादशाह महमद को, पोहपावती हलवद के राणा आसकरण को, हंसाबाई लूनकरण सेखावत को, रतनावती बाई हाजीखां को, बालहाबाई अमरकोट के सोढा वरसिंघ को, राजकुंवर वूंदी के हाडा सुरतांग को, एक लड़की बाघव के वाघेले सरदार को । (५२-५३/८२-८३)

मालदे का प्रताप सुनकर बाहरठ आसा दीतावत आया था । उसने कुँवर चंद्रसेन की प्रशंसा में गुण चौरासी रूपक लिखा । उन्ही दिनों राव ने नागोर पर अधिकार किया था । खान के दिये दो गांव नागोर परगने के आसा के पास थे । मालदे ने कहा कि खान के दिये हुए सांसण नही माने जायेंगे, इनके बदले या तो दूसरे गांव ले लो या उनको हमारी तरफ से दान-स्वरूप स्वीकार करो । तब आसा ने धरणा दियो और अपने गले पर कंटारी से घाव किये । ऊमादे भटियाणी ने अपने पास रख कर इनका इलाज करवाया और स्वस्थ होने पर सीख दी । ऊमादे सती हुईं तब आसा ने कवित्त कहे । (५३-५४/८३-८४)

मालदे ने पचोली अभा को २ गांव नदवाण, नहेड़वा दिये थे । रावळ मेधराज को महेवा के अतिरिक्त जोधपुर के तीन गांव भवर, वावळली, आगोळाई दिये गये थे । भाटी राव जेसा पूगलिया चढ़ आया, उस युद्ध में ५ बड़े सरदार राव के काम आये । राठौड़ अचला पंचायणोत ने नागोर की प्रोल के लोहे के

दरवाजे लाकर जोधपुर के किले में चढ़ाये । फिर अचला नागोर में ही काम आया । नागोर में भाटी दुरजण जोधावत तथा राव जोगा सदावत भी काम आये थे । (५४-५५/८६-८७)

राव मालदे के इतनी रानियाँ थीं—सरूपदे भाली, ऊमादे भटियाणी, अरघां भाली, हीरां भाली, रंभावती हाडो, लाछळदे कछवाही, जमन टांकणी, लाछ आहाड़ी, जामवाली, सोनगरी, धारबाई भटियाणी, भांण, चहुवाण, जादम, सोढी, जसड़ । (५५-५६/८८)

संवत् १६०० में वीरमदे तथा राव कल्याणमल वीकानेरिया सहसराम के मारफत शेरशाह के पास फरियादी होकर गये । राव को खबर लगी तो वह भी ससैन्य मुकाबला करने चला । गिरटरी और समेल दो पहाड़ियों के बीच युद्ध हुआ, जिसमें जैता कूपा आदि १६ सरदार काम आये । जोधपुर शेरशाह की फौज आई तब अचळा सिवराजोत, तिलोकसी वरजांगोत ऊदावत, भाटी मालो जोधावत (समेल में घायल हो चुक था) राव पती दुरजणसालोत, चरड़ो अरकमल चूंडा रौ, भा. सांकर सूरावत (गढ़ पर छतरीहै) आदि काम आये । वादशाह सूरशाह ने किले पर मस्जिद बनवाई । (५६-५८/८८-८९)

संवत् १६१० में वैसाख वदि २ को मालदे ने मेड़ता पर चढ़ाई की । जैमल मेड़तिया ने वाहर आकर जवरदस्त युद्ध किया । राव को लौटना पड़ा । राठौड़ पृथ्वीराज जैतावत आदि १४ सरदार काम आये । राठौड़ जैमल के अखैराज भादावत आदि ६ सरदार काम आये । (५९-६०/९०-९१)

हरमाड़ा के युद्ध में राव ने १५०० सैनिकों की सहायता हाजीखां को दी थी । उधर राणा उदयसिंह के साथ कल्याणमल वीकानेरिया ईडर, वांसवाड़ा, देवलिया, डूगरपुर आदि के शासक तथा मेड़तिया जैमल थे । हाजीखां जीत गया । जैमल के आदमी मेड़ता खाली कर वधनोर चले गये । मालदे ने जैमल की कोटड़ी गिरवायी तथा आधा मेड़ता जगमाल वीरमदेओत को दिया । जयमल फिर वादशाह से सहायता प्राप्त करने गया । सफरदीन मुगल फौज लेकर आया । मालकोट में रहकर देवीदास ने मुकाबला करने का दृढ़ निश्चय किया । मालदे ने उसे गढ़ खाली कर देने को कहा और चंद्रसेन आदि को भेज कर बुलवाया । पर उसने गढ़ खाली नहीं किया और युद्ध किया । वुर्ज उड़ जाने पर किले से

निकला तब सफरदीन ने पीछा किया। गांव सातलवास के पास युद्ध हुआ। राव देवीदास ४० योद्धाओं सहित काम आया। (६०-६३/६२)

बादशाह सूर का थानायत हाजी अली फतेखान पीपलण के पहाड़ों में मालदे पर ५००० पठानों से चढ़ आया। मालदे के २००० योद्धा थे। मालदे ने युद्ध जीता। आदमी ४०० काम आये। अनेक सरदार भी काम आये तथा घायल हुए। (६३/६३)

संवत् १६०४ में डूंगरसी से मालदे ने फलोदी ली। १६०७ में पोकरण सातलमेर राव जैतमाल से ली। बाड़मेर कोटड़ा लिया। तब रावत भीवा जैसेलमेर से हरराज को मदद के लिये लाया। बाड़मेर के थाने से रतनसिंघ खीवावत आदि को सामान छोड़कर भागना पड़ा। (६३-६४/६४)

तब कंवर रायमल तथा पृथ्वीराज जैतावत आदि को मण्डोर से फौज देकर मालदे ने जैसेलमेर पर विदा किया। उन्होंने जैसेलमेर के बगीचों का नुकसान किया और शहर में लूट-पाट की। रावळ ने गढ़ का आश्रय लिया। राव का चाकर भाटी मूळा नीबावत वहाँ काम आया। (६४/६५)

संवत् १६१६ में आसोज वदि ७ को रावजी की ओर से देवीदास जैतावत, राठौड़ पता, बाला नेतावत ने जालोर का गढ़ लिया। मालक वृढण निकल भागा। चंद्रसेन गढ़ पर चढ़ा। राव जेसा पूगलिया जब फलोदी पर आया तब राव की सेना के भाटी किसना नीबावत आदि ६ योद्धा काम आये। (६४/६५)

(६५/६७-१०१) पूर्वोक्त वृत्तांत ही यहाँ संक्षेप में दिया गया है।

राव चंद्रसेन

राव चंद्रसेन मालदेवोत भालों का भानजा था। संवत् १५६८ सांवण सुद ८ को जन्म हुआ। संवत् १६१६ में गद्दी पर बैठा और संवत् १६३७ को स्वर्गवास हुआ। मालदे का जब स्वर्गवास हुआ तब चंद्रसेन सिवाने में था। वहाँ से जोधपुर आया। उसकी माता भाली उदयसिंह को फलोदी दिलवाकर फिर सती हुई।

(६५-६६/१०२-१०३)

गद्दी पर बैठते समय इतनी धरती चंद्रसेन के पास थी—जोधपुर, सोजत पोकरण, सिवाना, जालोर। जोधपुर संवत् १६२२ में उससे छूटा और फिर सभी परगने हाथ से निकलते गये। (६६-६७/१०४-१०५)

संवत् १६२० जेठ सुदि १२ को हसनकुलीखां को राव राम चढ़ाई के लिये लाया । तब उसे सोजत देने का वायदा चंद्रसेन ने किया । संवत् १६२१ चंत-सुदि १२ को फिर मुगल चढ़ आये । चंद्रसेन ने जोधपुर का किला सजाया । ६ महीने तक किसनदास गांगावत, करनोत आदि ने गढ़ में मुकावला किया । मुगल-सेना अधिक होने से चंद्रसेन वातचीत करके संवत् १६२२ मगसर सुदि १० को गढ़ खाली करके भाद्राजून चला गया । सो० मानसिंघ, राव पतो नगावत, रा० तिलोकसी कूंपावत साथ में गये । (६७-६८/१०६-७) .

एक वार वीकानेर के राजा रायसिंघ को बादशाह ने संवत् १६३१ से डेढ़-दो वर्ष के लिये जोधपुर दिया । कुंवर दलपत यहाँ काँच के महल से गिर पड़ा था, परन्तु बच गया । (६८/१०८)

संवत् १६२४ माह सुदि १० को गढ़ जोजावर के पास इसमाइलकुली को राव लखमण भदावत ने लूटा । खूब माल-असबाव हाथ लगा । कई मुगल मारे गये । हाथी ४ हाल थगे । (६८/१०९)

संवत् १६२५ में चंद्रसेन ने सुरज हाड़ा की पुत्री के साथ रणथम्भोर में शादी की । संवत् १६२७ में बादशाह अकबर अजमेर के ख्वाजा की मनीती के लिये आया । राव चंद्रसेन ५०० सवारों से बादशाह से मिलने को भाद्राजून से खाना होकर नागौर आया । इसी समय उदयसिंह भी आया । कुंवर उगरसेन व रायसिंघ बादशाह के पास रहे । (६९/११०-१११)

संवत् १६२६ में जब राणा उदयसिंह को जैसलमेर वालों ने अपनी लड़की नहीं दी, तो भाद्राजून में चंद्रसेन ने अपनी लड़की करमेती की उससे शादी की । (६९/११२)

संवत् १६२७ में चंद्रसेन भाद्राजून छोड़कर सिवाना में पीपलण के पहाड़ों में आ बसा । उस समय कलाखान ने चढ़ाई की तब रा० देस पातलोत ने राव के हुक्म से युद्ध किया । लूनी नदी तक सीमा निश्चित हुई । (६९/११३)

संवत् १६२९ में चंद्रसेन अपने आदिमियों सहित कारगूजे आकर रहा । रतनसी खीवावत के लड़के उन दिनों मुगलों से संधी करके आसरलाई रह रहे थे । इन्हें चंद्रसेन ने अपने पास बसने के लिये कहा । उन्होंने स्वीकार नहीं किया । राव ने उन पर चढ़ाई की । ऊदावत बड़े नाराज हुए । उधर जोधपुर के वनियों

से रावजी ने कुछ सहायता मांगी थी वह उन्होंने नहीं दी और लूंकड़, संखलेचा, भंडसाली मुगलों को राव पर चढा लाये। इस समय रावत पचायण ने खूब सेवा की। (६६-७०/११४)

संवत् १६३१ के लगभग राव मेवाड़ के मुडाड़े ग्राम में जा रहा। उदयसिंह की कन्या चांदा सीसोदणी से राव की शादी हुई थी, उसके पट्टे में यह गांव था। फिर सिरोही के कोरटा ग्राम में डेढ़ वर्ष तक रहा। १६३२ में पोकरण का कोट राव के आदमियों ने भाटियों को सौंपा। संवत् १६३२ में पता के सिवाने गढ में गोली लगी। राव के आदमी मुगलों को गढ सौंप कर उसके पास मुडाड़ा आ गये। (७०-/११५)

संवत् १६२६ में सोजत के मालिक राव राम की मृत्यु हुई। उसका लड़का करन बड़े-बूढ़ों की सलाह की परवाह नहीं करता था। तब राम के छोटे लड़के कला का पक्ष आसकरण तथा महेश कूपावत ने लिया तथा वे बादशाही चाकर पृथ्वीराज कूपावत के पास कला को टीका दिलवाने की सिफारिश लेकर गये। पृथ्वीराज ने उन्हें आश्वस्त किया और बादशाह अकबर को कहकर सोजत कला को दिलवाई और ६० गांवों से सुराइता करन को दिलवाया। पृथ्वीराज की वसी के लिये उसे खैरवा देने का वायदा उन्होंने किया था, पर वे आते समय पृथ्वीराज से मिले ही नहीं। तब अवसर देखकर पृथ्वीराज ने खैरवा जोधपुर परगने के अधीन करवा दिया। (७१/११६)

एक बार कला बादशाह के दरबार में गया। वहाँ एक हुंरम से उसका प्रेम हो गया। जब बादशाह को मालूम हुआ तो उसे मारने का हुक्म बादशाह ने दिया। वह सोजत से भाग कर डीघोड़ आया। शेख इभराइम ने उसे फुसला कर नाडुल बुलाया और वही घोखे से मार डाला। इस प्रकार सोजत का स्थान रिक्त देख सादूल महेसोत तथा आसकरण आदि ने डूगरपुर से चंद्रसेन को बुलवाया। (७२-७३/११७)

राव चंद्रसेन ने सिवराड़ में जब मुगलों से युद्ध किया था तो संवत् १६३५ में ऊहड, जैमल नैतसियोत अदि १२ प्रसिद्ध योद्धा काम आये। (७२/११८)

मोटा राजा के अधिकार में जैतारण के ६५ गाव थे। जब उसकी मृत्यु हुई तो बादशाह ने उसके लड़को में उनका बँटवारा इस प्रकार कर दिया—

२८॥ सगर्तसिंघ उदैसिंघोत को, १८॥ राव दलपत उदैसिंघोत को, ११ राव भोपत उदैसिंघोत को, ३ राव माघोसिंघ उदैसिंघोत को, ३ राव मोहणदास उदैसिंघोत को । (७३-७५/११६)

राव कल्याणदास रायमलोत पर, कुंवर भोपतसिंघ के साथ मोटा राजा ने जब फौज भेजी तो उसने सवत् १६४६ मंगसर वदी ७ को गढ़ के घेरा दिया । मंगसर वदि ७ को गढ़ ले लिया । इस युद्ध में ७ उदयसिंह के सरदार और ११ कल्याणदास के सरदार काम आये । उदयसिंह स्वयं भी वहाँ आया । संवत् १६४० में अकबर ने उदयसिंह को जोधपुर दिया था । (७५-७६/१२०-१२१)

मोटा राजा उदयसिंह

उदयसिंह मालदेवोत तथा चंद्रसेन सगे भाई थे । संवत् १५८४ माघ सुदि १३ का जन्म, तथा १६४० में जोधपुर की गद्दी पर बैठा । संवत् १६५१ आसाढ़ वदि १ को लाहोर में इसकी मृत्यु हुई । प्ररम्भ में इसका मनसब ८०० सवारों का था । जोधपुर से दो तफे अलग थे— १ आसोप भांग कूपावत को था, २ वीलाड़ा बाघ पृथ्वीराजोत को । १६४६ में नवाब खानखाना मुदफर पर चढ़ाई को जा रहा था, तब इसे सोजत दिलवाई । (७६-७७/१२२-१२३)

सिवाना कल्याणदास से लिया था । कोटा १६५० में गोपालदास मांड-णोत फौजदार से लिया । समावली वादशाह ने दी थी, वह ग्वालियर से नजदीक है । सातलमेर—पोकरण भी वादशाह की ओर से जागीर में लिखी गई थी, परन्तु वहाँ अमल-दस्तूर नहीं हुआ । (७७/१२४)

कुंवर सूरजसिंघ भाटी गोयददास पर बड़ा कृपालु था । तुंवरों की वासणी उसके पट्टे में थी । आसोप का एक काम देकर उदयसिंह ने उसकी परीक्षा ली । आखिर वह काम करके आया । (७७-७८/१२५)

रायसिंघ ने चन्द्रसेनोत का वैर लेने को सिरोही पर चढ़ाई की । पता तेगा सुरावत को धोखे से मारा । संवत् १६४४ में वरसल पृथ्वीराजोत के कहने से देवड़े आये, उन्हें भी समाप्त किया । तब वरसल गुजरात में नवाब खानखाना के पास चला गया । (७८/१२६)

राव राम व कला के समय में चारणों तथा ब्राह्मणों ने बहुत से गांव दान में ले लिये थे । संवत् १६४३ में जोधपुर परगने के १५ गांव तथा परगने

सोजत के ३५ मई उदयसिंघ ने जन्त किये । दुरसा-अढा अखा बारहठ के पास आया, अखा ने उसको सहयोग दिया । मोटाराजा उस समय गुजरात को जाते समय सोजत ठहरा, वहाँ चारणों ने काजेसर महादेव पर तागा (आत्महत्या करने के लिये प्रयास) किया । बारहठ अखा ने आत्महत्या की तथा दुरसा अढा ने भी घाव खाये पर बच गया । (७८-७९/१२७ तथा १३१)

संवत् १६४४ में मोटाराजा सिरोही गया तब जामवेग साथ था । देवड़ों को छल से मारा । फिर जामवेग को बीजा को मारने के लिये भेजा, वहाँ जामवेग का भाई घायल हुआ । (७९-८०/१२८)

फलोदी परगने के लोहावट ग्राम में एक लड़ाई चंद्रसेन और उदयसिंघ के बीच हुई । उदयसिंघ का चाकर गोपालदास पृथ्वीराजोत इसमें घायल हुआ । मोटाराजा के हाथ की बरछी चंद्रसेन के लगी थी और रावळ मेघराज के हाथ की बरछी मोटाराजा के लगी । राव जसवंत डूंगरोत, राव जैतमल जसवंतोत, तिलोकसी कूपावत, रावळ मेघराज, राठीड़ पृथ्वीराज कूपावत, सो. मानसिंघ, राव पतौ नगावत आदि चंद्रसेन की ओर थे । यहाँ युद्ध में कोई १२ योद्धा काम आये । (८०-८१/१२९-१३०)

मोटाराजा ने परगना जोधपुर, सिवाना और सोजत पाये थे । जैतारण के गांव ६६५ मोटाराजा को थे और गांव ७२ गोपालदास को । मालदे की मृत्यु होने पर झाली स्वरूपदे ने मोटाराजा को फलोदी दिलवाई थी । फलोदी में दोनों भाई मोटाराजा और चंद्रसेन के लड़ाई, कहते हैं गंधाणी के हासल के प्रश्न को लेकर हुई थी (युद्ध का वृत्तांत पहले आ चुका है) । (८३/१३२-१३३)

केलण भाटियों और मोटाराजा के बीच एक लड़ाई घोड़ों की कतार को लेकर हुई । उन दिनों मोटाराजा के फलोदी थी और बीकूपुर का मालिक राव डूंगरसी था । डूंगरसी ने अपने भाई भा० भानीदास को बीकानेर के पास ठहरी हुई घोड़ों की कतार को अपनी सीमा में से निकलने के लिये इधर ले आने को भेजा जिससे उसे आमदनी हो, उधर मोटाराजा ने भी अपने सरदारों को १०० सवारों के साथ उन्हें बुलाने को भेजा । भानीदास ने पहले ही पहुँचकर उन्हें अपने साथ रवाने कर लिया था । इस पर माडणसर नामक स्थान पर भा० भानीदास को उदयसिंघ के आदमियों ने घेरकर मार डाला । इस पर

बैर-भाव बढ़ा । भाटियों ने उदयसिंह को मालदे का पुत्र समझकर काफी लिहाज किया । आखिर भा० किसनसिंह के प्रयत्न से समझौते को बोरनाडी के पास दोनों पक्ष आये । परन्तु उदयसिंह के मन में भाटियों के कम आदमी देखकर कपट आया, डूंगरसिंह का घोड़ा लेने की जिद्द की तथा नरा की जाल के पास परगने की सीमा निश्चित करने को कहा । भाटियों ने अवसर देखकर स्वीकार कर लिया और लिखावट के लिये भी तैयार हो गये । जैसे तैसे लिखावट कर दी । राजा दिनोदिन जोर पकड़ता गया । भाटियों ने अपने प्रधान को भेज कर उसे बहुत समझाया कि वह उनके गांव लेने की जिद्द न करे । परन्तु भाटियों को दवा हुआ देखकर उसने उन पर चढाई कर दी । डूंगरसी सामना करने को कटिबद्ध हुआ । जोधपुर थाने के थानेदार नासीरदी ने, ६०-८० तोपची मोटाराजा की सहायतार्थ भेजे । मोटाराजा ने ५००-७०० आदमियों से चढाई की पर युद्ध में भाटी जीते । मोटाराजा के २१ आदमी काम आये और भाटियों के ४ प्रसिद्ध योद्धा काम आये जिनमें भाटी, काना किसनावत भी था । मोटाराजा भागकर फलोदी आया, भाटी कुण्डल में ही ठहरे और घरती लूटी । (८४-८८/१३४-१३७)

संवत् १६३१ में मोटाराजा से हटाकर अकबर ने फलोदी भाटी भाखरसी हरराजोत को दी । फलोदी जते समय उदयसिंह बीकूंकोहर डूंगरसी के पास ठहरा तब डूंगरसी ने अपनी लड़की उसके पुत्र अखैराज को व्याही ।

(८८/१३८)

मोटाराजा ने जोधपुर पर ११ वर्ष राज्य किया परन्तु जीतेजी भाटियों के इस बैर का नाम न लिया । मोने-हरराजिये ने, संवत् १६४१ में मोटाराजा के १६ आदमी मारे थे तब सूरजमल खीवावत भी घायल हुआ था । समावली की लड़ाई में मोटाराजा की पुत्री धनावी ने, जो नागोर के चिरमखान को व्याही थी, इसकी सहायता की थी । वहाँ गहलोत अचला धरमावत पूरबिया जामणी आदि काम आये थे । १६४० में राजपीपले की लड़ाई में भाटी गोयंददास मानावत का सगा भाई सादूल सोर से जलने के कारण मारा गया ।

(८९/१३९-१४३)

रायसिंह चद्रसेनोत संवत् १६४० में कातो सुदि ११ को सिरोही में मारा गया था । तत्पश्चात् नवाब ने उदैसिंह को सोजत दी । उसने परिवार को जोधपुर ही रखने की व्यवस्था की । (८९/१४४)

मोटाराजा जब गुजरात को रवाना होने लगा तब आसकरन देवीदासोत को काम सौपने के लिये कई अधिकारी भेजकर बुलाया पर वह आया नहीं, तब कुवर सूरजसिंह खुद बुलाकर लाया और अपने पट्टे के लिये उसने खाली पन्ने पर दस्तखत करवाकर मंगवाये तथा उसे पट्टे में निम्न गाँव दिये गये—३४ गाँव परगने जोधपुर के, ३१ गाँव परगने सोजत के। इस प्रकार कुल ६५ गाँव ११४६०० की रेंट के दिये। (६०/१४५)

राजा सूरजसिंह

यह कछवाहों का भानजा था। संवत् १६२७ बैसाख वदि ६ मंगलवार को जन्म हुआ। संवत् १६५१ आषाढ वदि १३ बुधवार को बादशाह से मिला और संवत् १६७६ भादवा सुदि ६ को मेहकर मे स्वर्ग सिधारा। १६५२ में जोधपुर आकर गद्दी पर बैठा। ८ दिन जोधपुर रहकर गुजरात की ओर चला, रास्ते में सुरतांग से दण्ड वसूल किया। (६०/१४६)

बादशाह एक बार जब काश्मीर में था तब अन्य कोई उमराव पहुँचा नहीं। तब भाटी गोयंददास के साथ कुंवर सूरजसिंह एक प्रहर रात गये वहाँ पहुँचा। बादशाह से मुजरा किया। वह बहुत प्रसन्न हुआ और उसे खासी ड्योढी का चौकी पर रहने का अवसर दिया। इस प्रकार बादशाह उससे खुश था, अतः उदयसिंह के मरते ही उसे टीका दिया। मोटाराजा की मृत्यु हुई उस समय उसने ४ उमरावों को निकाल दिये थे तब राजा सूरजसिंह से कहकर भाटी गोयंददास ने उन्हें रखवाया, ये सरदार थे—राव रामदास उदावत, जसवंत मानसिंधौत सौनीगरो, राठौड़ नरारादास पातावत। (६२/१४७)

संवत् १६७४ भादवा सुदि ६ जालोर का गढ़ बादशाह की ओर से राजा सूरजसिंह को मिला। कई बिहारी काम आये तथा उदैसिंह के तीन योद्धा-साहणी रायसिंह, मांगळियौ सरणावत, नायक खान मेहमद मारे गये। सांचोर संवत् १६७४ में लिया। (६४/१४८)

परगना फलोदी संवत् १६२७ मे राजा को मिला। सूरजसिंह की मृत्यु पर सलकसिंह सूरजसिंधौत को दी गई। पीकरण सातलमेर बादशाह की ओर से ५७५०००) मे जागीर में लिखा जाता था, परं वहाँ इनका अमल नहीं हुआ। (६४/१४९)

एक बार राजा ने जोशी देवदत्त, राव चांदो वीरमोत, तेरवाड़ा-मेरवाड़ा के बारे में अर्ज करने को बादशाह के दरबार में भेजा । वहाँ उनका अमल नहीं हुआ था, इसलिए फैसला करवाना था, परन्तु बात बनी नहीं । यह परगना (६३,०००) में इनके नाम लिखा हुआ था । लूणा दासावत उसके थाने पर था, वह वही काम आया । संवत् १६७४ में मु० राम के हवाले सांचोर के शामिल हुआ । गुजरात के बड़नगर में मु० जैमल जेसावत था । खेरालू गुजरात का पहले भा० जैमल मानावत को था फिर संवत् १६७२ में मु० रामा को सौपा । गाव ११० का मुकाता रु० ४०,०००) । रतलाम भाटी ईसरदास हरदासोत को रु० १,००,०००) । पीसागण सांवळदास किलाणदासोत के पटे २०,०००) । रजणी गुजरात की भैरवदास हाकिम । दक्षिण में बौरगा तथा राजौरो की जागीर थी ।

(६४-६५/१५०)

राजा सूरजसिंघ पूरा पंचहजारी नहीं हुआ । संवत् १६७५ काती सुदि १५ को जब वह वीमार हुआ तो ५०० सवारों के ईजाफे का हुक्म फरमान में आया था, पर जागीर नहीं पाई । (६५/१५१)

१६७६ भादवा सुदि ६ को जब सूरजसिंघ का स्वर्गवास महकर के थाने पर हुआ तब उसकी रानी अहाड़ी और कुंवर सबळसिंघ वहाँ थे । श्री गजसिंह को मनसब में बादशाह ने जोधपुर, जैतारण, सोजत, सिवाना दिये थे । सबळसिंघ को दाम २,७०,००० में फलोदी दी गई । राजा गजसिंघ जब बुरहानपुर आया तो उसने रानी अहाड़ी को समझाया कि मोटाराजा की मृत्यु पर सूरजसिंघजी ने किसनसिंघ को जो बट दिया था उतना बंट में सबळसिंघ को दे रहा हूँ तुम लोग व्यर्थ में दिल्ली क्यों जाते हो, पर वह सबळसिंघ को लेकर दिल्ली गई । राजा भीव से बादशाह ने इस वाबत राय ली तो उसने और कुछ हक नहीं बताया, तब बादशाह ने रु० २०,००० दिलवाये । (६५-१५२/१५३)

सोजत संवत् १६५६ में सकतसिंघ उदैसिंघोत को हुई । एक साल रही । फिर राणे अमरसिंघ ने मालपुरा लूटकर गांव सेखावास डेरा किया तब उतरी । जैतमालोत को सोजत हुई तब वह छापले आया । भा० मान ने राजाजी के बिना आदेश ही अमल दे दिया (अधिकार करवा दिया) तब राजाजी ने भण्डारी माना के साथ फौज भेजी । रा० भाण ने ६०० सवारों से रात को हमला किया था ।

फिर राठौड़ सघतसिंघ आया। संवत् १६६४ में सोजत करमसेण उग्रसेनोत को हुई। संवत् १६६५ में फिर सूरजसिंघ को हुई तब भा० गोयददास मानावत छापले आया। करमसेन को सोजत मोहबत खान ने इसलिये दिलवाई थी कि राणा पर चढ़ाई करने को जब उसे भेजा, तो राणा के बहुत से लोगों को मारवाड़ में शरण मिल गई थी। जब सूबा अब्दुलाखान को हुआ तब भाटी गोयददास ने उससे मिलकर ११ थानों पर अधिकार किया व सोजत ली।

(१५-१६/१५४-१५६)

संवत् १६५८ में जेठ वदि ७ को दक्षिण में अंबरचंपू और राजाजी के युद्ध हुआ तब राजाजी की विजय हुई। इसमें उनके मुख्य सरदार भा० वैरसी रायमलोत, राव भाण संसारचदोत आदि काम आये। इस विजय के उपलक्ष में बादशाह ने आधा मेड़ता दिया। संवत् १६६३ राव भोपत उदैसिंघोत को पवार सादूळ मालदेवोत ने मारा। संवत् १६६८ में पंवारों का बैर समाप्त हुआ। (१६/१५६)

जब महाराजा सूरसिंह दक्षिण की चढ़ाई पर था तब भा० गोयंददास ने बादशाह से अर्ज करके उसे दरबार में बुलवाया। बादशाह ने राजाजी को अपने देश जाने की स्वीकृति दी। उन दिनों गोयंददास मेहकर थाने पर रहता था। सूरजसिंह ने बादशाह से निवेदन किया कि मैं अपने राज्यकार्य की पूरी जानकारी नहीं रखता। भाटी गोयंददास के बिना मैं अपने राज्य को जाकर क्या करूँ, क्योंकि वही मेरे सब प्रशासन का आधार स्तम्भ है। इस पर बादशाह ने गोयंददास को भी दरबार में बुलाया और आधा मेड़ता तथा जैतारण के परगने जागीर में और दिये। संवत् १६६१ आषाढ़ वदि ८ को ये जोधपुर आये। (१७-१५७)

संवत् १६६२ बादशाह जहांगीर ने राजाजी को गुजरात का सूबा दिया। ये रवाना होकर मांडवा के पास पहुँचे, वहाँ अपनी फौज को दो भागों में विभक्त कर मांडवा पर चढ़ाई की। एक अणी (टुकड़ी) का सेनानायक गोयंददास था और एक का सूरजमल जैतमालोत। वहाँ इन्होंने गांव लूटे और दुश्मन भाग खड़े हुए। अनजान जगह होने पर भी इन्होंने पीछा किया, फिर भाड़ा केतू पर मुकाबला हुआ। राजाजी के सूरजमल जैतमालोत चांपावत सहित २३ योद्धा काम आये। (१७-१६/१५८)

जोसी चंडू दामोदर के टीपणे में भी इन प्रमुख घटनाओं की संक्षिप्त विंगत है। (६६/१५६)

संवत् १६६६ में भाटी सुरताण मानावत को राठौड़ सुंदरदास, सूरसिंघ रामदासोत, नरसिंघदास कल्याणदासोत, राठौड़ गोपालदास भगवानदासोत ने मिलकर मार डाला। उसने मरते-मरते सुंदरदास और सूरसिंघ को मार डाला। गोपालदास घायल होकर निकला, जिसे भा० गौयंददास और कुंवर गजसिंघ ने मारा। (६६/१६०)

संवत् १६७१ जेठ सुदि ६ को अजमेर में किसनसिंघ उदैसिंघोत राठौड़ करन सूरजसिंघ के डेरे पर आये और भाटी गौयंददास को मारा। राठौड़ किसनसिंघ और करन भी वहीं मारे गये। राजाजी के १६ लोग मारे गये, कई घायल हुए, २६ आदमियों सहित किसनसिंघ मारा गया। (६६-१०१/१६१)

यह घटना होने के पश्चात् एक बार बादशाह ने राजाजी को देश जाने की छुट्टी दी। दो महीने रहने के बाद उन्हें बुला भेजा। अजमेर पहुँचने पर बादशाह ने उन्हें आश्वस्त कर दक्षिण की चढाई पर भेजा। उनके डेरे पीसांगण हुए। कुंवर गजसिंघ तथा राजसिंघ खीवावत को वापस देश भेजा। काम का जिम्मा लूणा को दिया। (१०१/१६२)

भण्डारी माना रायसिंघ चंद्रसेनोत के पास सोजत में था। १६४० में जब जोधपुर आया, तो इसे देश का काम सौंपा गया था। १६५१ के लगभग बलूदे होता हुआ वीकानेर गया, फिर चांवड जाकर राणा से मिला। १६५२ में जब सूरसिंघ गद्दी पर बैठा, तो उसने भण्डारी लूणा को भेजकर उसे सादर बुलाया और देश का काम सौंपा। (१०१-१०२/१६३-१६४)

संवत् १६७२ में नागोर परगने के तीन गांव दवा लिये गये थे। फिर नागोर आसपखान को हुआ तब भण्डारी लूणा नागोर जाकर गजसिंघपुरा सालाना ३,१००) के मुकाते पर ले आया तथा आसोप के तफे के शामिल कर लिया। (१०२/१६५)

संवत् १६७४ को भादवा सुदि ६ कंवर गजसिंघ ने जालोर का गढ़ जीता। राव दयालदास गोपालदासोत, भा० गोपालदास आंसावत को वहाँ का फौजदार किया। सिरोही के राव राजसिंघ सुरताणोत ने इनसे बात की कि देवड़ा

पृथ्वीराज देवल के पहाड़ों में घुसा बैठा है, इसे निकालने में सहायता दे तो राजाजी को कोरटा १४ गावों से दे देगे । इन्होंने पृथ्वीराज को निकाल दिया । वार्षिक आय १३,०००) आई । अगले वर्ष आय नहीं दी । १६७५ में १४ गांव कोरटा सहित दिये । (१०२-१०३/१६६)

भाटी गोयंददास के मारे जाने के पश्चात् सूरजसिंह ने रावळ तेजसी हूदावत से ३ गांव, हाथी १ तथा रु० ५००० लिये थे । भाटी गोयंददास मानावत राजाजी के बदले दक्षिण में रहा और राजाजी दिल्ली रहे । उस समय गोलकुडा का बादशाह अपनी बेटी का डोला शाहजादा दानशाह के लिये भेजना चाहता था, पर बीजापुर दौलताबाद के बादशाह ने रोक रखा था तब गोयंददास जाकर डोला ले आया । १६५८ के लगभग वह मुजरे का अधिकारी हुआ ।

(१०३/१६७-१६८)

जोशी देवदत्त पोकरणा बड़ा आदमी था । सूरसिंघ ने उसे देश की दिवानगी १६७२-७३ में दी थी । वह रु० ६-७ हजार की तनखाह पाता था । दो वर्ष तक गजसिंह के समय में भी रहा । (१०३/१६९)

संवत् १६६९ में कुवर गजसिंघ जोधपुर था, गोयंददास नाडुल के थाने पर था । राणा अमरसिंघ अमराई के पहाड़ों में था । राणा ने २००० सवार भेजकर अहमदाबाद से आगरे जाती हुई कतार को लूटने का प्रयास किया, परन्तु कतार को खबर हो जाने से वह निकल गई । फौज दूनाड़े के पास आकर लौटने लगी तब भाटी गोयंददास ४०० सवारों से आउवा के पास उन पर चढ़ आया । राणा के २००० आदमी भाग गये । (१०३-१०५/१७०)

राजा गजसिंघ

राजा गजसिंघ कछवाहों का भानजा था । संवत् १६५२ काती सुदि ८ गुरुवार का जन्म । संवत् १६७६ आसोज सुदि- ९ गुरुवार को मेहकर में गद्दी का अधिकारी हुआ । संवत् १६९४ जेठ सुदि ३ को आगरे में स्वर्गवास हुआ । प्रारम्भ में मनसब ३ हजारी जात २००० सवार का पाया ।

१. गढ़ जोधपुर तफा १९ से रु० १,९९,१२५) में ।

२. सोजत का परगना रु० १,२५,०००) में ।

३. जैतारण का परगना रु० ९८,५०८) में ।

४. सिवाने का परगना रु० ३७,५००) में ।
५. सातलमेर पोकरणा लिखी गई पर अमल न हुआ रु० १५,०००) में ।
६. तेरवाड़ा मेरवाड़ा गुजरात का रु० ६३,२८६) में ।

तत्पश्चात् समय-समय पर ये परगने और हुए—

१. जालोर संवत् १६७७ में ।
२. सांचोर संवत् १६७६ में ।
३. फलोदी १६७६ में ।
४. मेड़ता संवत् १६८० में ।
५. जलगाव बैराड़ का १६८१ में ।

सूरजसिंघ की मृत्यु पर इतने परगने तागीर हुए थे— फलोदी, जालोर, सांचोर व मेड़ता । (१०५-१०६/१७१)

दक्षिण के सूबे के लोग ३०,००० फौज से एक वार चढ़ आए तब सब लोग कोट में घुस गये । गजसिंह ने बाहर आकर जवरदस्त युद्ध किया । दुश्मन भाग गये । उस समय उसकी मदद को कोई नहीं आये यद्यपि नवाब खानखाना आदि सभी वही थे । प्रहर २ तक युद्ध चला । बाद में सभी उमरावों ने आकर उसे दलथंभन की उपाधि दी । १६७७ में शाहजादा खुरम दक्षिण में आया, इसने उसकी आवभगत की तब प्रसन्न होकर इसे जालोर का परगना दिया । गोपालदास आसावत व मु० जैमल को जालोर का हाकिम बनाया गया । जब शाहजादे ने इन्हें देश जाने की छुट्टी दी तो इसने जालोर के उचित प्रबंध के लिये सांचोर भी मागी तब सांचोर उसे १६७६ में प्राप्त हो गई । संवत् १६७६ में वैसाख में वह जहांगीर से चाटसू के पास मिला । (१०६-१०७/१७२)

संवत् १६७६ में शाहजादा खुरम बादशाह से विमुख होकर उस पर चढ़ आया । महावत खान ने बादशाह का पक्ष खूब मजबूत किया । महावत खान के साथ गजसिंघ जब चढ़ाई पर जाने लगा, तो उसने सिफारिश करके फलोदी इसे दिलवाई । (१०७-१०८/१७३)

संवत् १६८० में अजमेर सूबे के सभी परगने परवेज की जागीर में थे और गजसिंघ उसकी अधीनता में था । इस समय मेड़ता सैयदों को जागीर में दिया

जाने को था परन्तु राजसिंघ के मारफत कहासुनी होने पर मेड़ता शाहजादे की तरफ से गजसिंघ को जागीर में दे दिया गया । शाही मनसब में नहीं लिखा गया । कान्ह खीवावत तथा भंडारी लूणा ने आकर मेड़ते में राज्य-दस्तूर किया । (१०८/१७४)

संवत् १६८१ में दूस नदी पर शाहजादे परवेज और खुरम के बीच युद्ध हुआ । गजसिंघ हरोल में था उसने भोम सीसोदिये को मारा और विजय पाई । हजार सवार इस समय इजाफा होने पर यह पंचहजारी हुआ । दक्षिण में जलगांव जागीर में पाया । भा० सिंघ रूपसीवोत वहां फौजदार नियुक्त हुआ । (१०८/१७५)

संवत् १६८२ में खुरासानियों के सिखाने से बिरहानपुर महाबतखान से तागीर कर लिया गया और उसे दरबार में बुलाया तथा परवेज आदि सब सरदारों को आदेश भेजा कि कोई इसके साथ न आवे । सभी लोग बड़े पसोपेश में पड़ गये । गजसिंघ अपनी हवेली में ही रहा । फिदाईखान जो इस कार्य को अमल में ला रहा था जब गजसिंघ से मिला तो उसने कहा कि मैं यहीं रह रहा हूँ पर महाबतखान हमारा नुकसान करवायेगा । तब फिदाईखान ने उसे आश्स्वत कर रा० राजसिंघ को अपने साथ लिया और बादशाह के सामने गजसिंघ की बफादारी की बड़ी तारीफ की । दीवान खोजा अवलहुसेन ने बताया कि महाबतखान ने हिमायत करके गजसिंघ को मेड़ता दिलवाया था, शाही मनसब में वह नहीं है इसलिये जव्त कर लिया जाय, परन्तु फिदाईखान ने कहा-सुनी करके २,५०,०००) में मेड़ता राजा को दिलवा दिया । राजसिंघ यह काम करवा कर जोधपुर लौटा । (१०९/१७६)

संवत् १६८३ में परवेज मर गया । महाबतखां और बादशाह में वैमनस्य बढ़ा । महाबतखान बागी हुआ । उस पर फौज चढ़ी तब उसमें कुंवर अमरसिंघ और राजसिंघ भी साथ थे । पर बाद में जोधपुर आ गये, तब नागौर की छ पटी सूरघसिंघ बीकानेर वाले को हुई । (११०/१७७)

संवत् १६८४ कार्तिक वदि १३ को जहांगीर का स्वर्गवास हुआ । जूनेर से महाबतखा और शाहजहान अजमेर आये तब महाबतखान ने गजसिंघ से नागौर उसे दिलवाने को अर्ज की । नागौर उसे देदी गई । शाहजहां जूनेर से उदयपुर आया, राणा करन मिला और जगतसिंघ को साथ भेजा । शाहजहां

दो दिन अजमेर रहा फिर रणथम्भोर के पास से होता हुआ आगरे आया । तखत पर बैठा । (११०-१११/१७६-१८०)

जहांगीर की मृत्यु होने पर गजसिंघ तथा अन्य हिन्दू नवाब आदि विदा लेकर अपने-अपने घर चले आये । रा० सक्तसिंघ की लड़की लीलावती वाई शाहजहां के साथ थी । उसे उसने राजा गजसिंघ को आश्वस्त करने को भेजा । लीलावती जोधपुर आई और राजा को आश्वस्त किया तथा बादशाह की ओर से दी हुई वस्तुएँ उसे प्रदान कीं । ८ दिन बाद गजसिंघ ने आगरे के लिए अपने सरदारों सहित कूच किया । दरबार में पहुँचने पर बादशाह ने उसका बड़ा सम्मान किया । (१११/१८१)

शाहजादा खुरम दक्षिण को जाँरहा था तब चांदा की घाटी के पास माल से भरे शाही ऊँट लूट लिये गये थे । शाहजादे ने मुहमद मुराद को इसकी तलाश के लिए बदनोर भेजा । उसने लगभग ४००० आदमियों को शामिल किया तथा पूछ-ताछ प्रारम्भ की, परन्तु पता नहीं लगा । फिर अबू को जाहजादे ने इस काम के लिए भेजा । उसने पंवार सादूळ तथा राठौड़ नरसिंघदास का विश्वास अर्जित कर कुछ सुनारों आदि को पकड़ा तथा मेड़ता में आकर डेरा किया । भा० माना से बातचीत करके रु० २०,०००) मानपुरा के वित्त आदि की वसूली के निश्चय किये थे, परन्तु अनेक प्रयत्न करने पर भी अबू के रुपये हाथ नहीं लगे । फिर उसने नीबोल के बोहरों को पकड़ा । रा० किशनसिंह खीवावत को जब यह खबर मिली तो वह तुरन्त जैतारण से चढ़ा । मुगदड़े के पास अबू से युद्ध हुआ, संवत् १६७८ जेठ सुदि ६ को । रा० किशनसिंह सहित ७ सरदार और ८ चाकर काम आये, कुछ घायल हुए । अबू के १५-२० आदमी काम आये । वह ८ दिन मेड़ते में रहा फिर अजमेर होता हुआ अपने घर मेरठ की ओर चला गया । अबू के लड़के को भी जाने दिया ।

(११२-११५/१८२-१८३)

जब बादशाह गद्दी पर बैठा और गजसिंह वहाँ उपस्थित हुआ उस समय आगरे के आस-पास के पवार भोमिये बड़ा नुकसान करते थे । उन्हें दवाने के लिए मुगल सरदार की फौज ने चढ़ाई की तब रा० भगवानदास वाघोत को काफी सवार देकर उसके साथ भेजा । १६८४ आषाढ़ सुदि ८ को गढ़ घेर लिया गया । आग लगा दी गई । जलती हुई आग में एकाएक हमला करने से

अनेक लोग भगवानदास बाघोत सहित काम आये । हाडे साथ थे उनके भी ६०—८० आदमी काम आये । गढ़ योंही रहा तब पा० बलू ने चढ़ाई करके पंवारों को मारा । (११५-११६/१८४-१८६)

संवत् १६६३ काती सुदि १५ जालोर के परगने में रा० किशनसिंह जसवंतोत काम आया था । उसे भा० जगनाथ लूणावत के साथ देवल वणावीर धारावत को परास्त करने भेजा था । वणावीर के पास अच्छी फौज थी, उसने पहाड़ों की ओट ली । एक दिन संध्या समय जब राठौड़ों की फौज पहाड़ से उतर रही थी तब भगड़ा हुआ उसमें किसनसिंह और ३ अन्य आदमी मारे गये, कई घायल हुए । कई दिन युद्ध चलता रहा । घेरा मजबूत हो गया तब सिरोही वालों ने आदमी भेजकर वणावीर को सुलह करने की राय दी । वह १५ आदमियों से राठौड़ जसवत के डेरे मिलने आया, वहाँ वणावीर को मार डाला और गढ़ पर कब्जा किया । (११६-११८/१८७-१९०)

संवत् १६६० में बलोच मुगलखान, समायलखान के लोगों ने फलोदी के दो गांव कोटड़ा के पास लूटे । मु० रूपसिंह बाहर चढ़ा, आसा के तालाब के पास भगड़ा हुआ, भा० सकतसिंह खेतसिंघोत आदि काम आये ।

(११८-११९/१९१)

संवत् १६६३ आसोज वदि ६ बलोच हैदरअली फतैअली फलोदी पर चढ़ आये । कुडल को लूटकर खूब मवेशी ले गये । सोना रुपया आदि भी ले गये । इन्होंने घटियाला आदि ग्राम भी लूटे, वहाँ अनेक लोग काम आये ।

(११९/१९२-१९३)

संवत् १६६४ काती वदि १२ मुदफरखान मदा का लड़का फलोदी पर चढ़ आया, वहाँ भा० जसवंत सूजमलोत आदि मारे गये । उस समय मु० जगनाथ फलोदी का हाकिम था । संवत् १६६४ में नैणसी को फलोदी का हाकिम राजा ने बनाया और वह स्वयं शाही दरवार को चला । नैणसी फलोदी को गया और वाप के राव की सहायता से बलोचों का खूब पीछा किया । वीकूपुर के राव ने भी सहायता की । आखिर मुगलखान को मार डाला, बलोच ३०० मारे गये । युद्ध-भूमि में खोज की गई तो मुगलखान की लाश मिली । वह ३०-४० वर्ष का सुन्दर जवान था । (११९-१२३/१९४-१९८)

महाराजा जसवर्तसिंह

महाराजाधिराज जसवर्तसिंह सीसोदियो का भानजा था । संवत् १६८३ माह वदि ४ का जन्म । संवत् १६९४ आषाढ वदि शुक्र को बादशाह शाहजहां ने आगरे में टीका दिया । प्रारम्भ में मनसब चार हजारी चार हजार सवारों का दिया । जागीर के परगने—जोधपुर, सिवाना, मेड़ता, सोजत, फलोदी, सातलमेर मिले । जालोर और सांचोर तागीर हुए । जैतारण को प्राप्त करने का प्रयत्न भीव कल्याणमलोत ने इस समय किया था, परन्तु राजसिंघ खीवावत ने प्रयत्न करके राजा जसवंतसिंघ को ही दिलवा दी । (१२४/१६६-२००)

संवत् १७०२ में हजार सवारों की वृद्धि हुई तब मनसब पंच-हजारी जात, पाँच हजार सवार उनमें एक हजार दो अस्पह हुआ । देश के परगनों के अतिरिक्त रेवाड़ी और मिला । १७०३ में ५०० सवारों की वृद्धि हुई और गर्जसिंहपुरा की जागीर भी प्राप्त हुई । (१२४-१२५/२०१)

संवत् १६९६ को जब बादशाह काश्मीर को जा रहा था तो जसवंतसिंह को देश जाने की इजाजत दी और हजार सवारों की मनसब में और वृद्धि हुई । जैतारण रुपये २,५०,०००) में राजाजी को दी । संवत् १६९७ पोष वदि ५ राजसिंघ खीवावत का देहान्त हुआ । (१२५/२०२)

संवत् १६९७ चैत्र में महेसदास सूरजमलोत को प्रधान बनाया । यह लाहोर में २७०० सवारों से बादशाह को सम्मान देने उपस्थित हुआ, तब १००० सवारों की मनसब में और वृद्धि कर दी गई, जिसके पेटे नकद रकम राजाजी को मिलती रही । (१२५-१२६/२०३)

संवत् १७०१ में बादशाह ने राजाजी को रेवाड़ी का परगना दिया रु० २,६२,६२५) में । यह संवत् १७१५ में तागीर होकर राजा जैसिंघ को दिया गया था । सि० पृथ्वीमल वहाँ हाकिम था । (१२६/२०४)

संवत् १७०५ में हजार सवारों का इजाफा हुआ जिसमें सूवे आगरे का परगना हीडवाणा मिला । संवत् १७१४ में यह परगना तागीर हुआ ।

संवत् १७०७ में अकाल पड़ा तब कर के रूप में केवल पाताल-भोग लिया गया । संवत् १७०६ में हजार सवारों का इजाफा हुआ, तब पंचहजारी जात पाँच हजार सवार दो अस्पह हुए । (१२६/२०५)

संवत् १७०६ में राजाजी को जागीर में और वृद्धि हुई। सूबा अजमेर सरकार रणथम्भोर का परगना मलारणा उन्हें दिया गया। मुहता नैणसी को फरमाना देकर वहाँ भेजा गया। संवत् १७१२ में जब जालोर दी तब मलारणा तागीर कर दिया गया। (१२६/२०६)

संवत् १७११ में हजार सवारों का इजाफा हुआ। तब मनसब ६ हजार जात ६ हजार सवारों का हुआ। राणा राजसिंघ से उसी समय ४ परगने तागीर किये, तब बदनोर राजाजी को दी। राव नाहरखान राजसिंघोत वहाँ राज्याधिकार का दस्तूर करने को गया। संवत् १७१४ में राणा के परगने पुनः लौटाये गये तब बदनोर तागीर हुई। संवत् १७११ भोरूँदा तथा संवत् १७१२ में रोहतक जागीर में शामिल हुए। रोहतक में हरीदास राघवदासोत को हाकिम बनाकर भेजा गया था। यह जगह अशान्तिपूर्ण थी। अतः संवत् १७१४ में जब हजार सवारों का इजाफा हुआ, तो यह जगह छोड़कर मालवा का परगना देपालपुर लिया। संवत् १७१३ में मलारणा के एवजाने में जालोर पाई। जालोर रतन महेशदासोत के पट्टे में थी, परन्तु उसे इससे अच्छा आर्थिक लाभ नहीं हो रहा था। इसलिए जब उसने बादशाह से अर्ज की तो बादशाह ने राजाजी के मना करने पर भी मलारणा हटाकर जालोर लिखदी। मुं० सुन्दर को रेवाड़ी से हटाकर जालोर हाकिम बनाया। उसने सीधलों को यहाँ कब्जे में किया। नागौर परगने के १० गांवों की पट्टियों भी राजाजी के अधिकार में आईं। संवत् १७१५ में यह इनसे तागीर कर बीकानेर वालों को औरंगजेब ने दी। संवत् १७१५ में जब इनका मनसब शाहजहां ने सप्त-हजारी किया और उज्जैन को विदा हुए तब उज्जैन, देपालपुर तथा नागौर की दो पट्टी जागीर में और जोड़ी गयी।

(१२७-१३२/२०७-२०६)

संवत् १७१४ भादवा सुदि १० को जहानाबाद में शाहजहां बीमार हुआ। मृगशिर वदि ५ आगरे पहुँचे। संवत् १७१५ पोष वदि ७ को राजाजी को बादशाह ने उज्जैन विदा किया तब हजार सवार इजाफे करके इनका मनसब सात हजारी जात सात हजार सवारों का किया। ५ हजार सवार दुअस्पह और २ हजार सवार इक अस्पह। इनके दाम ११,००,००,००० हुए।

(१३३-१३४ / २११)

संवत् १७१५ को भादवा सुदि २ बादशाह लाहोर गया, राजाजी को

जहानाबाद विदा किया । एक महीने बाद सुल्तान महमूद आगरा से जहानाबाद आया । कुछ दिन बाद जब बादशाह जहानाबाद के कोट में दाखिल हुआ तो राजाजी ने उसका मुजरा किया । फिर किसी ने गुप्त सूचना राजाजी को दी कि उनके साथ घोखा होने वाला है तब वे बीमारी का बहाना कर अपने डेरे पर ही रहे । (१३४-१३५ / २१२-२१३)

फिर यह खबर आई कि सूजा चढ़ाई कर रहा है । तब बादशाह पूर्व की ओर चला । पोष वदि ७ को राजाजी भी पूर्व को चले । माह, वदि ४ शाहजादा सूजा से लड़ाई हुई । राजाजी फौज को दाहिनी ओर रखे गये । हाडा भोवसिंघ राजाजी की दाहिनी ओर कुछ दूरी पर था । सुल्तान मुहमद ७००० फौज से हरोल में था । माघ वदि ५ को एक प्रहर रात बाकी थी तब जसवंतसिंहजी वहाँ से जबरदस्ती करके निकले और लूटपाट की । अदेही जायल मौजाबाद होते हुए भोरुंदा पहुँचे । वहाँ राठौड़ रुघनाथ सुंदरदासोत ने उनकी मेहमानी की । लांपोळाई में नाहरखान व नैणसी पांवों लगे । नैणसी को मेड़ता रवाने किया और स्वयं जोधपुर आये ।

(१३५-१३६ / २१३-२१५)

फागुन वदि ६ को रावड़ियाक के लिए रवाना हुए । जब वीलाड़े पहुँचे तो दाराशिकोह का पुत्र सपरशकोह राजाजी से आकर मिला । राजाजी उसके साथ नहीं गये और उसे विदा दी । चैत्र वदि १२ को आगोळिया आसा औरंगजेव से दिलासा का फरमान ले आया । राजा जैसिंघ का भी कागज लाया । राजाजी ने आगे कूच किया । दाराशाह का संदेश आया कि वह राजाजी से आकर मेड़ते में मिलेगा, पर मियां फरासत को भेजकर राजाजी ने उसे मना करवा दिया । इसी समय बादशाह का फरमान आया कि तुम्हें गुजरात का सूवा दिया जाता है, दाराशिकोह की सहायता न करे । राजाजी जोधपुर लौटकर २॥ घड़ी ठहरे और फिर गुजरात को रवाना हुए । (१३६ / २१६)

राजा जैसिंघ की मेहमानी के लिए राव महेशदास तथा मुंहता नैणसी को भेजा । बहादरखान को रु. १०,००० मेहमानी के जैसिंघ ने दिलवाये । जैसिंघ तथा बहादरखान से राजाजी सैरो में मिले । इसी समय जोधपुर से सूचना आई कि २०००० भाटियों ने पोकरण घेर ली है । (१३७/२१८)

संवत् १७१५ वैशाख वदि ३ को राजाजी विवाह करने को सिरोही गये

और राव राजसिंघ तथा मु० नैणसी आदि को पोकरण की सहायतार्थ भेजा। नैणसी जोधपुर लौटकर आया, ४ दिन ठहरकर युद्ध-सामग्री की तैयारी की तथा जागीरदारों को ससैन्य रास्ते में मिलने को लिखा। अनेक सरदार अपने सैनिक लेकर उपस्थित होते रहे। ४००० आदमी पोकरण पहुँच गये। आसणीकोट आदि जैसलमेर के गाँव भी लूटे। इस प्रकार लम्बा संघर्ष चला। इतने में राजा करन बीकानेर वाला जैसलमेर शादी करने को जा रहा था, उसका डेरा कीरडे ग्राम में हुआ। उसने नैणसी आदि को बुलवाया तब ये राव राजसिंह सूरजमलोत सहित वहाँ उपस्थित हुए तथा (१०००) मेहमानी के नजर किये। फिर करन ने बातचीत करके इन्हें विदा कर दिया। जैसलमेर से लौटते समय भाटियों के प्रमुख व्यक्तियों को चुलाकर रामदेवरै में दोनों पक्षों में समझौता करवा दिया और उन्हें भोजन साथ करवाया। (१३८-१४४/२१६-२२६)

संवत् १७१५ में शाही दरबार के वकील मनोहरदास ने मनसब का विस्तृत हिसाब पेश किया। (१४४-१४७/२२७-२२८)

संवत् १७१७ भादवा सुदि ४ को एक करोड़ दामों का इजाफा हुआ उसका विस्तृत हिसाब। (१४७-१४८/२२६)

संवत् १७१८ को मृगशिर वदि ८ गुजरात का सूबा तागीर हुआ। राजाजी १७१८ को पोष वदि ३ गुजरात से रवाना होकर भड़ोच, सूरत होते हुए औरंगाबाद में राजा जैसिंघ की हवेली में ठहरे। संवत् १७१६ में छावणी नयी हवेली जाकर अमील उमराव पर हमला किया। उसका लड़का अवलफतै काम आया। नवाब से सूबा तागीर होकर राजाजी को दिया गया। १७२० आषाढ सुदि १५ को सूबे का दीवान किया गया। कार्तिक वदि ११ को पूना से कुडाणा रवाने हुए। गढ़ के दो बार सुरंग लगाई, परन्तु सफलता नहीं मिली। (१४६-१५०/२३०-२३२)

राजाजी ने जब गुजरात का सूबा तागीर हुआ और दौलताबाद का हुकम हुआ तब सावणू फसल की आमदनी राजाजी को ही मिली; तब पं० गंगादास आदि आमदनी वसूल करने को रखे गये। उस समय जागीर की आमदनी का विस्तृत हिसाब शाही दरबार में हुआ।

(१५०-१५६/२३४-२३५)

संवत् १७१६, जब राजाजी गुजरात के सूबे में थे तब कुवर को दिल्ली दरबार में भेजने का विचार किया। राव भीव गोपाळदासोत, मु० सुंदरदास आदि को इस कार्य के लिए जोधपुर को विदा किया। कुवरजी पोष में जोधपुर से रवाना हुए। सोरभ में जाकर कुवरजी बादशाह के पांवों लगे। सवत् १७१७ में कुवरजी को बादशाह ने हाथी, सिरपाव, किलंगी आदि देकर जहाना-वाद से विदा किया। मृगशिर सुदि १० को गढ़ जोधपुर पहुँचे।

संवत् १७१९ में वकील मनोहरदास ने शाही दरवार में राजाजी के नाम से निकलने वाली रकम का विस्तृत हिसाब भेजा। (१५६-१५८/२३६)

संवत् १७२१ में फिर मुतालवे का विस्तृत हिसाब वकील मनोहरदास ने शाही बहियों के आधार पर पेश किया। उसमें सभी प्रकार की आमदनी बताई गई। (१५८-१६२/२३७)

राजाओं ने जोधपुर पर राज्य किया उसका हिसाब—

	वर्ष	मास	दिन
राव जोधा	३०	—	—
सातल	३	—	—
सूजा	२४	—	—
राव गांगा	१६	५	१३
राव मालदे	३०	५	८
राव चद्रसेन	१८	१	०
(बीच में मुगल अधिकार)			
राजा उदयसिंघ	११	११	०
राजा सूरजसिंघ	२५	२	११
राजा गजसिंघ	१८	७	२३

राजा जसवंतसिंह १६९४ आषाढ़ वदि ७ को गद्दी पर बैठा। अलग-अलग राजाओं के समय परगनों की शाही रकम का हिसाब। (१६२-१६४/२३८-२३९)

परगना जोधपुर के १४ तफों के गावों की संख्या १७१९, मु० नरसि तथा पं० नरसिंघदास ने कानूनगो महेशदास को तफावार लिखवाई।

(१६४/२४०)

कुछ तफे देशी फहरिश्तों में है परन्तु शाही दरबार में नहीं लिखे जाते । तफे संवत् १७१८ में हवेली में लिखवा दिये गये । परगने जोधपुर के खालसे की आमदनी का हिसाब संवत् १६६२ से १७२० तक का प्रतिवर्ष के अनुसार । फिर संवत् १७११ से १७२० तक का सालीना विस्तृत हिसाब । तत्पश्चात् तफा वार हिसाब । (१६०-१७०/२४१)

संवत् १७१४ भाद्रपद सुदि ७ बादशाह शाहजहां बीमार हुआ तब साम्राज्य का सारा कार्यभार दाराशिकोह पर था । राजा जैसिध को हजार सवारों का इजाफा देकर पूर्व की ओर शाहजादा सूजा पर भेजा । पोष वदि ७ को जसवंतसिंह को उज्जैन की तरफ औरंगजेब और मुराद के विरुद्ध भेजा । जसवंतसिंह के सवार २३,२४७ तथा मनसबदार २६६ बादशाही थे । मनसबदार व सवारों का विस्तृत व्यौरा । (१७०-१७६/२४२-२४४)

संवत् १७१४ वैशाख वदि ७ खबर आई कि मुरादबक्स बढ़ा चला आ रहा है, तब महाराजा जसवंतसिंह ने उज्जैन से चलकर क्षिप्रा नदी के उस पार डेरे डाले । ३ दिन रुककर वहाँ से १० कोस खाचरोद तक गये । वैशाख वदि ८ को चोरनाराइण गांव गंभीर नदी पर डेरा किया । उज्जैन से १॥ कोस पर धरमतपुरा स्थान पर वैशाख वदि ९ को डेढ़ घड़ी दिन चढ़ने पर औरंगजेब से युद्ध हुआ । बादशाही फौज हारी । महाराजा के जितने आदमी काम आये उनकी सूची—९ चांपावत, ६ कूपावत, ६ ऊदावत, ४ जैतावत, ५ करमसोत, ६ मेड़तिया, ५ जोधा, ४ भदावत, २ ऊहड़, ४ पातावत, १ रूपावत, १ पुरबिया, १ महेचा, १ भूभणिया, ४ भीवोत, १ बालावत, २१ भाटी, ३ सोनगरा, ६ चहुवान, ६ ईंदा, २ भायल, १ मुहता, १० सुजानसिंह केसरीसिधोत के चाकर, १८ खवास पासवान [३ साहणी, ४ चौहाण आबदार, ४ पंवार चीतीवान, १ वेस, २ सोलंकी हीड़ागर] ४ दफतरो, ४ ब्राह्मण, १० दूसरे हीड़ागर ।

अन्य उमरावों के आदमी काम आये—

राठीड़ करन सुजानसिधोत के राजपूत ६, उदैमाण भगवानदासोत के ६, राव जगराज कुंभकरनोत का १, बछराज दलपतोत के २, राठीड़ राजसिध भगवानदासोत का १, पृथ्वीराज दलपतोत के ७ । (१७६-१८६/२४५)

संवत् १७२१ में जोधपुर शहर में जो दूकानें हैं, वे पं० हरकिसन को आदेश देकर लिखवाई गई—

- २१ दूकाने नागौरी दरवाजे पर ।
 २६५ नागौरी दरवाजे के अन्दर आडे चौहटे तक ।
 [१३६ दरवाजे के अन्दर आते समय दाहिनी ओर ।
 १२६ दरवाजे के अन्दर आते समय बायी ओर ।]
 २३ जालोरी दरवाजे के बाहर दूकानें है ।
 ४०५ जालोरी दरवाजे के अन्दर पदमसुर तालब तक ।
 १८ मढी में ।
 ४ रातानाडा के दरवाजे के बाहर ।
 ३६ दरवाजे के अन्दर गागादास की प्रोल तक ।
 ६ महावीरजी के मन्दिर के पीछे ।
 ३ सिलावटों की गली में ।
 ४ मूलनायकजी के मन्दिर के नीचे ।
 १५ गधियों की गली में दरवाजे तक ।
 १५ दरजियों की दूकाने है ।

 ८१५ कुल दूकानें ।

संवत् १७२१ में श्री कुवरजी के हुक्म से पं० हरकिसन ने शहर की धरती नापी—

डोरी	पांवड़ा	
६५	१३००	बाग कागा नागौरी दरवाजे से कुंज तक ।
८५	१७००	वहूजी सरूपदे का तालाब नागौरी दरवाजे से ।
१००	२०००	साहणियों वाली तलाई, शेखावतजी के तालाब तक ।
५७	११४०	राईको हाडीजी का बाग नागौरी दरवाजे से ।
७४	१४८०	रातानाडो सोजती दरवाजा से ।
८०	१६००	मसूरिया पहाड़ जालोरी दरवाजे से ।
४२	८४०	सूरसागर फूलेळाव दरवाजे से ।
१००	२०००	बालसमंद केवड़ा सहित । (१६८-१८६/२४६)

संवत् १७२१ में परगने जोधपुर के ११६७ गांवों का मेल—

आसामी	गांव	तफा	वसता	वीरान	सांसण
तफा १६	१०३६	१६	७३५।	१७७।।	१२७
महेवो	१२८	१	६७	४३	१८
योग	११६७	२०	८०२।	२२०।।	१४४

जातियों की प्रमुखता के अनुसार तफावार गांवों की विगत ।

(१८६-२०३/२४७-२४८)

परगने जोधपुर के गांवों का तफावार मेल—वसे हुए, वीरान तथा सासण । (२०३-२०४/२४६)

परगने जोधपुर के गांवों का विवरण—तफा हवेलो कुल २७७ । वसे हुए २०७, वीरान ३६।।, सांसण ३३ । (२०४-२४२/२४६-२५३)

तफा पीपाड़—कुल ७६ । आबाद ६६, वीरान २, सांसण ८ ।

(२४४-२५६/२५४-२५५)

तफा बीलाड़ा—कुल १५ । आबाद ६।, वीरान २, सांसण ३।।। ।

(२५६-२५६/२५६-२५७)

तफा बाहला कुल ८ । आबाद ७, वीरान ०, सांसण १ ।

(२५६-२६०/२५८)

तालका खेरवा—कुल ११ । आबाद ७, वीरान २, सांसण २ ।

(२६०/२५६)

तालका पाली—कुल ४४ । आबाद २८, वीरान ६, सांसण १० ।

(२६२-२६८/२६०-२६२)

तफा रोहठ—कुल २० । आबाद १६, सांसण १ । (२६६-२७२/२६३)

तफा गूदोच—कुल १० । आबाद ५, वीरान ५ । (२७२-२७३/२६४)

तफा भाद्राजण—कुल ६५ । आबाद ५६, वीरान ३०, सांसण ६ ।

(२७३-२८७/२६५-२६६)

तफा दूनाड़ा—कुल ४४ । आबाद ३३, वीरान ६, सांसण ५ ।

(२८७-२९३/२६६-२७२)

तफा कोढण—कुल ८४ । आबाद ५२, वीरान १४, सांसण १८ ।

(२९३-३०५/२७३-२७७)

तफा बहेळवा—कुल ६२ । आबाद ३५, वीरान १५, सांसण १२ ।

(३०५-३१२/२७८-२८१)

तफा सेतरावा—कुल २८ । आबाद २१, वीरान ७ ।

(३१२-३१५/२८२-२८३)

तफा केतू—कुल २३ । आबाद १५, वीरान ७, सांसण १ ।

(३१५-३१८/२८४-२८६)

तफा देछू—कुल १० । आबाद ७, वीरान २, सांसण १ ।

(३१८-३१९/२८७-२८८)

तफा ओसियां—कुल ११२ । आबाद ७६, वीरान २०, सांसण १३ ।

(२१६-३३६/२८९-२९०)

तफा खींवसर—कुल ३५ । आबाद १६, वीरान १४, सांसण २ ।

(३३६-३४१/२९१-२९२)

तफा लवेरा—कुल ६६ । आबाद ५१, वीरान ६, सांसण ६ ।

(३४१-३५०/२९३-२९४)

तफा आसोप—कुल १६ । आबाद १६ । (३५०-३५३/२९५)

तफा मेहवा—कुल १२८ । आबाद ६७, वीरान ४३, सांसण १८ ।

(३५३-३७२/२९६-३०३)

परगने जोधपुर के गांवों की सीमा, जो अन्य परगनों के गांवों से लगती है, की तालिका । (३७२-३८२/३०४-३१३)

परगना सोजत

शास्त्रों में इसका नाम शुद्धदंती मिलता है । प्राचीन काल में त्रंबावती नगरी कही जाती थी । यहाँ त्रबसेन राजा राज्य करता था, यह जाति से पंवार होना चाहिए । इस राजा के सोभक्त नामक एक लड़की थी जिसमें दैविक शक्ति थी । एक बार राजा ने अपने प्रधान वानरा हुल को आज्ञा दी कि राजकुमारी रात पड़ने पर कहाँ जाती है इसका वह पता करे । प्रधान ने पता लगाया तो वह योगनियों के साथ खेलने जाती थी । सोभक्त को जब इस चौकसी का पता चला तो उसने राजा को श्राप दिया, जिससे उसका राज्य नष्ट हो गया और वानरा हुल शासक बना । कई पीढ़ियों तक हुलों का राज्य रहा । कई दिनों तक सोजत सोनगरों के रही फिर राणा की तरफ से सींधलों को हुई । (३८३-३८४/१-३)

चूँडा ने मरते समय रिडमल से वचन मांगा था कि मारवाड़ का टीका कान्हा को दिया जाय अतः रिडमल ने ऐसा ही किया और स्वयं राणा मोकल के पास चला गया । मोकल ने उसे बसने के लिए सोजत का गांव धिराला कई गांवों सहित दिया । कान्हा के बाद सत्ता को राज्य करने का अवसर मिला और फिर जब सत्ता के लड़के नरबद की मूर्खता से उसका प्रधान रिराधीर अप्रसन्न हुआ तो मोकल की सहायता से रिरामल ने मंडोर पर अधिकार कर लिया तब भी सोजत इसे राणा की ओर से दी हुई थी । जब रिडमल चित्तौड़ में धोखे से मारा गया, तो जोधा को भी मंडोर में टिकने नहीं दिया । सोजत रा० राघवदास सहस्रमलोत को राणा की तरफ से देदी गई ।

(३८३-३८८/३-६)

जोधा ने जब मंडोर पर पुनः अधिकार किया, तो सोजत पर भी कब्जा कर लिया । जोधा के बाद शासकों का अधिकार इस प्रकार रहा—

१. राव सूजा, सैयदों को बादशाह ने दी ।
२. राव वीरमदे वाधावत को भाई-बंटे में हुई ।
३. राव गांगा ने वीरमदे से १५८८ में लेली ।
४. राव मालदे के पास सोजत रही ।
५. टीके बैठते समय चंद्रसेन के पास भी थी ।
६. राव राम को संवत् १६२१ में अकबर ने चंद्रसेन से दिलवाई ।

७. राव कला रांमोत को एक वार हुई ।
 ८. संवत् १६३४ सुरतांण जयमलोत मेड़तिया को अकवर ने दी ।
 ९. राजा सूरजसिंह को घुनः १६६५ में दी ।
 १०. राजा गर्जसिंह को टीके के साथ संवत् १६७६ में हुई, तवसे जीवन-पर्यन्त रही ।
 ११. राजा जसवंतसिंह के यथावत जीवन भर रही—१६९४ तक ।

अस्थाई तौर पर इन लोगों के पास भी रही—

१. राव चंद्रसेन डूँगरपुर से लौटकर आया तब एक बार सोजत ली ।
 २. रायसिंघ चंद्रसेनोत को अकवर ने संवत् १६४० में दी ।
 ३. मोटाराजा को नवाव खानखाना ने १६४१ मे दी थी ।
 ४. राजा सूरजसिंघ को १६५१ में ।
 ५. मकतसिंह उद्रेसिंघोत को अकवर ने १६५६ में दी, १ वर्ष रही ।
 ६. राव करमसेन उग्रसेनोत को संवत् १६६४ में जहांगीर ने दी थी ।

(३८८-३९०/९)

सोजत का कोट छोटी-सी पहाड़ी पर बना हुआ है । थोड़े-से ही घर उसमें है । राजा गर्जसिंह ने एक घर यहाँ बनवाया था । वीरमदे जाघावत का यहाँ देवस्थान है । पूजा होती है । घरों के आगे दरवार लगाने का चौतरा है । एक ही प्रोल है । परकोटे की प्रोल है उस पर दीवानखाना है । परकोटे में एक मन्दिर चत्रभुजजी का है । गौतमगिरी सन्यासी का तकिया है । घर २,२०० के करीब वस्ती है । (२९०-२९१/१०)

संवत् १७१६ में कस्बे की वस्ती का अनुमान इस प्रकार है -

७३८ महाजनो के घर, ८ पंचोली, ३०५ करसा, १४२ राजपूत, ७२ मुसलमान, ३६४ ब्राह्मण । ६५२ अन्य निम्न कौम के घर । कुल २,२५४ घर ।

(३९१/११)

शहर में ८ के लगभग देवस्थान हैं, १० के करीब तालाब हैं । इस समय सोजत की सीमा मे ५ गांव नये वसे हैं । शहर में एक रहट है, चारों तरफ भी रहट हैं । सूकड़ी और गीलड़ी नदियां शहर के आगे आकर शामिल होती हैं । नदी के दूसरी तरफ २५-३० बड़े रहट है । वाग, वाड़ी आदि हैं । बड़ा जोड़ भी है । घांची, माली, सीरवी राजपूत आदि खेत बोते हैं । (३९२-९४/१२-१६)

कस्बे के खेतों की विगत । (३६२-६५/१७)

सोजत की सीमा इतने गावों से लगती है । (३६५/१८)

कस्बे सोजत के हासल व लगान आदि की विगत । (३६४-४००/१६-२०)

वादशाह की तरफ से राजाओं को सोजत दी गई उसकी तनखाह के दाम । (४००/२१)

परगने सोजत के खालसे के हासल की पैदावार—संवत् १६६२ से १७१७ तक की । जागीरदार तथा सांसण आदि की आमदनी की कुल विगत संवत् १७११-२१ तक की । (४००-४०२/२२)

परगने के गांवों के हासल की विगत किस्म के अनुसार—

४६ गांव अवल आमदनी, ४५ दोगम आमदनी, ३४ सहेल ऊनाली, २४ सेवज तथा ढीबड़े आदि होते हैं । (४०२-४०५/२३-२६)

३२ गांव सूने है, वे मांजरे की सूची में लिखे जाते हैं । २७ गांव मेरों के अधिकार में हैं । ३३ सांसण के गाव है । (४०५-४०८/२७-३१)

कुल गांव १५२ ऐसे है जिनका हासल आता है । इनकी आमदनी आदि की सूचियाँ वर्गीकरण के अनुसार । (४०८-४१६/३२-३७)

सांसण तथा सूने गांवों की संक्षिप्त विगत । (४१६-४२४/३८-४३)

परगने सोजत के गांवों का विवरण—

सोजत से दूरी, आबादी, जमीन की किस्म, जलाशय आदि । पांच वर्षों की आमदनी १७१५ से १७१६ । (४२५-४७७/४४-४५)

सांसण के गांवों की विस्तृत विगत, ब्राह्मण, चारण, जोगी आदि को ।

(४७७-४६२/४६-४६)

परगना जैतारण

यह परगना जोधपुर से २७ कोस की दूरी पर पूर्व के दाहिनी ओर को है । संवत् १५२५ में यहाँ नया शहर बसा । पहले अगेवा के स्थान पर था । यहाँ पहले जैतू गूजर रहती थी, इसीलिए जैतारण नाम पड़ा । जोधा ने यह स्थान बसाया । पहले यह सीधलो के अधिकार में राणा की ओर से थी ।

नरसिंघ की पत्नी सुपियारी को नरवर ले आया था । उसका वैर लेने की घटना इस परगने से सम्बन्ध रखती है । जब सूजा गद्दी पर बैठा, तो उसने सभी सींधलों को निकाल दिया । ऊदा सूजावत को जैतारण में बसाया जिससे ऊदावतों का अधिकार यहाँ खूब जमा । राव मालदे ने रतनसी खीवावत को जैतारण दी थी । संवत् १६१४ में बादशाह की फौज से लड़कर वह काम आया । रतनसी के लड़के कल्याणसिंह आदि ने मुगलों से मिलकर इस पर अधिकार रखा, इस पर चद्रसेन ने उन पर चढ़ाई की थी ।

मोटाराजा को अकबर ने इसका आधा हिस्सा ६५ गांवों से दिया था । संवत् १६५१ में उसकी मृत्यु होने पर उसके लड़कों में गांव बाँट दिये । आधी जैतारण ऊदावतों को थी । संवत् १६६१ में पूरी जैतारण सूरसिंघ को अकबर ने दी । सूरसिंघ के बाद १९ साल तक गर्जसिंह के ही पास रही । गर्जसिंह की मृत्यु पर एक बार जैतारण तागीर हुई । जसवंतसिंह को संवत् १६९६ में मिली । (४९३-४९६/१)

कस्बे की वस्ती संवत् १७१९ में लिखी गई तब सभी जातियों के घर १८३९ थे । सांसण के गांवों की विगत शासकों के अनुसार । (४९८-५००/१)

जैतारण के खालसा के गांवों की आमदनी संवत् १६९२ से १७१७ । परगने के खालसा, जागीर, सांसण आदि सभी प्रकार के गांवों की आमदनी संवत् १६११ से १७२० । गांवों का वर्गीकरण मय आमदनी के । सूने गांव तथा सांसण के गांवों की भी सूची । (५००-५०९/२-११)

परगने जैतारण के गांवों का विस्तृत वृत्तान्त जोधपुर से दूरी, आबादी, जमीन की किस्म, पैदावार, जलाशय तथा ५ वर्ष की आय संवत् १७१५ से संवत् १७१९ तक की । (५०९-५४२/१२-२२)

सांसण के गांवों का विस्तृत विवरण, ब्राह्मणों, चारणों व जोगियों को दिये हुए । (५४३-५५४/२३-२४)

परगने जैतारण के गांवों की सीमा जिन अन्य परगनों के गांवों से लगती है, उनकी तालिका । (५५५-५५७/२४)

शोध-सूत्र : द्वितीय भाग

परगना फलोदी

इसका आदि नाम विजैनगरी है। यहां पंवार राजा राज्य करता था। उस काल में बने कल्याणरायजी के मंदिर के स्तम्भ पर इस आशय का एक लेख सवत् ११४५ का है। पंवारो से जब बाहड़मेर छूटा तब यह धरती भी छूट गई। यह शहर उजड़ गया, केवल एक मंदिर ही बचा। तत्पश्चात् जब मडोर पर राठीड़ों का राज्य हुआ तो चूंडा, रिड़मल और जोधा के समय तक यह कस्बा आबाद नहीं हुआ। जब सूजा जोधपुर की गद्दी दर बैठा, तो उसने अपने पुत्र नरा को बसने के लिए इस ओर भेजा। यहां पहले फलू पालीवाल ब्राह्मण की बेटी फळोधी आकर रही थी और यह स्थान फळूधी का वास कहलाता था। सीधू फला जैसलमेर के गाव आसणीकोट रहता था। रावळ से उसकी अनबन हो गई तब वह अपने १४० गाडे लेकर यहां आकर रहा। नरा ने प्रयत्न करके इसे आबाद किया। (पृ० १/अ० १-२)

उन दिनों पोकरण जगमाल मालावत के पोत रावत खीवा बरजांगोत के अधिकार में थी। नरा ने उसे अपने अधिकार में करने का विचार किया। उसने अपने जासूस लगा रखे थे उन्होंने एक दिन खबर दी कि खीवा उधारस गांव गया हुआ है। अवसर देख कर नरा २०० सवारों से पोकरण पर चढ़ा और गढ पर अधिकार कर लिया। खीवा बाहड़मेर चला गया। नरा राव सातल के गोद था इसलिये उसने सातल के नाम से वहां सातलमेर गढ बनाया। (२/२)

फिर खीवा लूंका पोकरण पर चढ आया और वहां की गायों को घेर कर ले गया। नरा ने उसका पीछा कर नांदणहाई नामक स्थान पर उसे पकड़ा परन्तु युद्ध में नरा मारा गया। सूजा को खबर मिलते ही वह ससैन्य आया और खीवा के गांव लूटता हुआ पोकरण पहुँचा। नरा के पुत्र गोयंद को गद्दी

पर बैठाया । यह गोयंद वड़ा युद्धनिपुण वीर हुआ । इसने हमीर को फलोदी दी । वह राव कहलाया । हमीर ने संवत् १५५५ में कोट के लोहे के दरवाजे करवाये तथा अनेक जलाशय आदि बनवाये । एक बार पोकरण और फलोदी की सीमा के सम्बन्ध में गोयंद से इसकी खटपट हुई तब इसकी दादी लक्ष्मीवाई ने आकर घोड़ाकधी के पास सीमा निश्चित कर दी । (२-३/३)

हमीर के पश्चात् उसका पुत्र राम गद्दी पर बैठा । राम ने यहां राम तालाब खुदवाया । ये जोधपुर के शासक को अपना स्वामी मानते रहे है परन्तु मालदे और शेरशाह मे संवत् १६०० में जब युद्ध हुआ तो राम ने सहयोग नहीं दिया, जिससे मालदे नाराज हो गया । राम के प्रधान जगहथ के द्वारा विप दिये जाने के कारण राम की मृत्यु हुई । (३/४)

राम के स्थान पर उसका भाई डूंगरसी गद्दी पर बैठा । उधर पोकरण में गोयंद की मृत्यु संवत् १५८२ में हुई तब उसके स्थान पर जैतमाल गोयंद का लड़का गद्दी पर बैठा । मालदे ने ये दोनो परगने लेने के विचार से षड़यंत्र रचा और डूंगरसी को होली खेलने के वहाने से गांव चवां में बुलाया और आंखों में गुलाल डाल कर बंदी बना लिया । फलोदी पर घेरा डाला गया । जगहथ देपावत ने किले की रक्षा का बीड़ा उठाया । पोकरण का स्वामी जैतमाल जैसलमेर के रावल मालदे का दामाद था । उसने जैसलमेर वालों से सहायता के लिये निवेदन किया तो रावल ने कुवर हरराज के साथ पोकरण को फौज भेजी । उन्होंने जाकर फलोदी पर भी दखल किया तब राव मालदे को फौज से युद्ध हुआ जिसमें भाटियों का बड़ा नुकसान हुआ । पृथ्वीराज के हाथ से रावत भीव मारा गया । डूंगरसी ने रावजी से कहा कि मुझे मुक्त करे तो मैं आपको फलोदी का गढ सौंप दूंगा । राव ने ऐसा ही किया तब डूंगरसी के कहने से जगहथ देपावत ने गढ मालदे को सौंपा । १५ वर्ष तक वहां मालदे का अधिकार रहा । (३-५/५)

संवत् १६१६ में जब मालदे की मृत्यु हुई तो झाली सरूपदे ने उदयसिंह को फलोदी दिलवाई । उदयसिंह फलोदी मे रहने लगा । गांधाणी के हासल के प्रश्न को लेकर लोहावट के पास उदयसिंह और चंद्रसेन में यहां जवरदस्त युद्ध हुआ था । संवत् १६२७ में घोड़ों की कतार के प्रश्न को लेकर राव

थिरराज डांगा इनके पास आया । डांगा को आश्वस्त कर, उसके साथियों सहित डांगावास नामक स्थान पर देशमुख चौधरी बनाकर बसाया ।

(३८ ३६/४-५)

फलोधी पारसनाथजी का मन्दिर संवत् ११६१ में साह श्रीमल ने बनवाया । संवत् १५५५ में देवराज के पुत्र राणा हेमराज ने उसका जीर्णोद्धार करवाया । राव बरसिंघ तथा दूदा ने कोसाणा, मादलिया तथा चौकड़ी के अनेक सांखलों का सफाया किया । (३६/६-७)

नागौर के जिन-जिन गांवों से आकर जाट मेड़ता के गांवों में बसे उनकी सूची । (३६-४१/८)

डांगा जाट प्रारम्भ में चहुवान राजपूत थे । इनका पूर्वज जगसी, छाजू का पुत्र, जाट हुआ । डांगा जाटों की पीढी । (४१/९)

श्री फलोदी माता का मन्दिर मूलतः राजा मानधाता का बनवाया हुआ है । संवत् १०८३ का लेख स्तंभ पर है । एक स्तंभ पर १०७६ का भी लेख है । संवत् १५५५ में बरसिंघ और दूदा के आदेश से देवराज के पुत्र हेमराज ने उसका जीर्णोद्धार करवाया । (४१/१०)

कुछ दिनों बाद बरसिंघ और दूदा में अनबन हो गई । राव दूदा बीकानेर चला गया । पीछे अकाल पड़ा । बरसिंघ के चाकर भूखो मरने लगे तब उसने सांभर पर हमला किया और खूब धन लूट लाया । उन दिनों अजमेर माडव के बादशाह के अधीन था । वहाँ मलूखों सूबेदार था । वह इस घटना से बड़ा कुपित हुआ परन्तु चुपचाप बैठा रहा । (४२/११)

कुछ समय बाद बरसिंघ और सातल के बीच भी अनबन हो गई बरसिंघ ने सातल से जोधपुर की सीमा में से कुछ भूमि मांगी । समझौते के लिये दोनों ही अजमेर मलूखों के पास पहुँचे । इस समस्या का कोई हल नहीं निकला । इतने में बरसिंघ से मलूखों नाराज था ही वह कुछ बहाना बनाकर उस पर चढ़ आया । बरसिंघ सातल के पास जोधपुर गया । पीछे मलूखों ने मेड़ता और जोधपुर की धरती में काफी नुकसान किया । ये लोग जोधपुर से तैयारी करके ससैन्य बीसलपुर आकर ठहरे । उस समय युद्ध-संचालन का सारा कार्य-भार वरजाग भीवीत पर था । परन्तु वह युद्ध से उदासीनता प्रकट करने लगा ।

तव प्रधानो ने परामर्श दिया कि यह कभी का भावी की जागीर मांगता है सो इसे भावी का पट्टा देकर भी जैसे तैसे राजी करो । तव भावी का पट्टा उसे लिख दिया गया । वह बड़ा अनुभवी योद्धा था । उसने गुप्त वेश में जाकर पहले विरोधियों की फौज की स्थिति का अध्ययन किया और फिर रात में फौज की तीन टुकड़ियाँ बनाकर अचानक हमला किया । इस युद्ध में राव सूजा बुरी तरह घायल हुआ । मुगल बहुत-से मारे गये । सातल की विजय हुई । बरसिंघ आकर मेड़ता में बसा । (४२-४४/१२-१५)

मलूखों ने मांडव के बादशाह से सहायतार्थ सेना मांगी । सेना आजाने पर बरसिंघ से मलूखों ने फिर बात-चीत प्रारम्भ की । सरदारों ने बरसिंघ को सम्पर्क न करने के लिये बहुत समझाया पर वह नहीं माना । अन्त में मुगलों से वचन लेकर बरसिंघ अजमेर जाकर मिला । पहले उसका बड़ा स्वागत किया गया और फिर विश्वास में लाकर कैद कर लिया । जब दूदा को बीकानेर में यह घटना मालूम हुई तो उसने वीका से सीख मांगी । वीका भी सहायतार्थ रखाने हुआ । दूदा ने मेड़ता में फौज शामिल की । दोनों ने जब अजमेर पर चढ़ाई की तो मलूखों ने बातचीत करके फौरन बरसिंघ को छोड़ दिया । ये तीनों मेड़ते आये । (४४-४६/१६-१७)

६ महीने बाद बरसिंघ मर गया क्योंकि मलूखों ने उसे मयादी जहर दे दिया था । उसके लड़के सीहा को टीका दिया गया । सीहा अयोग्य था जिससे अवसर देखकर सातल और सूजा ने इस ओर दखल देना प्रारंभ किया । अपने अधिकारी तक कुछ स्थानों पर भेज दिये । ऐसी स्थिति देखकर सीहा की मां ने पंचो से राय ली और उसी के अनुसार राव दूदा को आधे मेड़ते का हकदार स्वीकार करके बीकानेर से बुलाया । उसने आकर सारी व्यवस्था जमा ली ।

(४६-४७/१८-१९)

दो वर्ष तक तो सीहा और दूदा ने मेड़ता की आमदनी आधी-आधी बांटकर ली । परन्तु सीहा किसी काम के योग्य नहीं था । अतः दूदा ने उसे राहण की जागीर देदी और मेड़ते को गद्दी पर स्वयं बैठा । संवत् १५५४ में दूदा का स्वर्गवास हो गया । टीका उसके पुत्र वीरम को मिला । सीहा के तीन लड़के थे, वे बड़े तेजस्वी निकले । मेड़ते का अधिकार प्राप्त करने को वे राव मालदे से जा मिले । मालदे यह चाहता ही था । अतः सीहा के पुत्रों और

वीरम के बीच तनाव बढ़ा और कुसाणा के पास युद्ध हुआ, उसमें अनेक आदमी मारे गये। वीरमदे का प्रमुख योद्धा रा० खंगार जोधावत घायल हुआ। वे तीनों भाई घायल हुए। वीरमदे विजयी हुआ। (४७-४८/२१)

संवत् १५८८ में गांगा की मृत्यु होने पर मालदे गद्दी पर बैठा। मेड़ते पर वीरमदे का अधिकार उसे सदा खलता था। मालदे उसे प्राप्त करने के खूब मन्सूबे वाधता था पर जैत कूपा आदि की इसमें सहमति नहीं थी। जब मालदे ने सीधलों पर चढ़ाई की तो वीरमदे भी उसकी सहायतार्थ अपने योद्धाओं सहित उसके शामिल था। उसने अवसर देखकर नागौर के दौलतखान को कहलवाया कि यह ही उचित अवसर है तुम मेड़ते पर चढ़ाई करदो, तुम्हारा जो हाथी वीरम ने रख लिया है उसको भी प्राप्त करलो। उधर उसने पंचार पचायण को भी कहलवाया कि मेड़ते पर चढ़ाई करके अखा का बैर लेने का यह उपयुक्त समय है। इसी प्रकार गांगा सीहावत को भी चुपके से चढ़ाई करने का संदेश भेजा। वीरम को संदेह होने पर इस षड़यंत्र का कुछ अभास भी उसे हो गया। उसने फौरन मेड़ते सूचना भेजी। वहां अखैराज भादावत था, उसने सुरक्षा की व्यवस्था जैसे तैसे की। दौलतखान ने जब आकर घेरा डाला तो केवल १५-२० आदमियों से वह उन पर पिल पड़ा, वे भाग खड़े हुए। पंचार पंचायण लोहियावाम नामक स्थान पर रायसल के सामने न टिक सका। गांगा सीहावत ५०० सवारों से चढ़ाई के लिये आ रहा था परन्तु जब बांभांकूड़ी की नदी के पास आया तो क्या देखता है कि अनेक लोग उसका साथ छोड़ चुके हैं, तब वह निराश होकर वही से लौट गया। (४८-५०/२२-२४)

वीरम को इन घटनाओं की सूचना मिलते ही वह अपने आदमियों को समझा-बुझाकर वहाँ से मेड़ते के लिये रवाना हुआ और दूसरे दिन उसकी सेना के लोग भी मालदे से विदा लेकर मेड़ते आये। मालदे जैता कूपा के सामने लज्जित हुआ। (५०-५१/२४)

इन्ही दिनों में माडव का बादशाह मर गया तब सूबेदार अजमेर का गढ़ खाली कर चला गया। वीरम को जब पता लगा तो उसने गढ़ पर अधिकार कर लिया। मालदे ने जब यह सुना तो वह ईर्ष्या से जल-भुन गया। उसने वीरम को कहलाया कि अजमेर तुम्हारे अधिकार में खट नहीं सकेगा और राठीड़ों

के घर में टीकायत मै हूं सो गढ मुझे सौपो । वीरम ने इसकी परवाह नही की । मालदे ने मेड़ते पर चढ़ाई की । वीरमदे ने मेड़ता पहले ही खाली कर दिया और अजमेर आ रहा । संवत १५६५ में मालदे ने मेड़ते में अपना अमल किया और अजमेर की ओर के बड़े-बड़े गांव अपने उमरावों को बाँट दिये । रा० सहसा तेजसियोत को अनेक गांव पट्टे में दिये । वीरम इस बात से बड़ा अप्रसन्न हुआ और सहसा को मारने को कटिवद्ध हुआ, यद्यपि सरदारों ने उसे समझाने का बहुत प्रयास किया । (५१-५२/२५)

वीरमदे ने अपने जासूस भेजे । उन्होंने सूचना दी कि सहसा रीयां में रहता है । एक घड़ी रात निकलने पर वीरम रीयां पर चुपके से चढ़ा । सहसा के जासूसों ने उसे भी खबर दी । उसने कूपा भी के पास सदेश भिजवाया कि हमारी सहायता करो तो यह समय है । सहसा ५०० आदमियों के साथ केसरिया करके गांव के बाहर आकर बैठा और वीरम का इन्तजार करने लगा । अब भी रात कुछ शेष थी । उधर से कूपा भी अपने साथियों सहित आ रहा था । ठेट सहसा के पास पहुँचने के पहले ही गांव के समीप कूपा के साथियों और वीरम में मुठभेड़ हो गई । बड़ा जवरदस्त युद्ध हुआ । वीरमदे और राठौड़ भदा ने बड़ा पराक्रम दिखया । भदा कूपा ने फिर भी लिहाज किया । जालोर के एक विहारी सरदार ने वीरमदे को बड़ी कठिनाई से युद्ध-भूमि में से निकाला । वीरमदे अपने घायलो को लेकर लौट गया । मालदे का मेड़ते पर अधिकार इस घटना से जम गया । (५२-५४/२६)

एक वर्ष के बाद मालदे ने वीरमदे से अजमेर भी छीन लिया । वह वहाँ से कुछ समय के लिये कछवाहों के यहाँ नरायणो जा रहा । मालदे ने डीडवाना और सांभर पर भी अपना अधिकार कर लिया । वीरमदे चाटसू गया । राव की फौज ने उसका पीछा किया तब वह लालसोट गया । वहाँ भी उसे टिकने नही दिया तब बावली जाकर डेरे किये । (५४/२७)

फिर वीरमदे ने अपने प्रधान राठौड़ अखैराज तथा मु० खीवा को रणथंभोर के सूवेदार के पास भेजा । वह कोई नवाब था जो प्रायः भीतर ही रहता था इसलिये उससे मुलाकात होना बड़ा कठिन काम था । तब उन्होने युक्ति से काम किया और नवाब के लड़के की सगाई करने के बहाने से वहाँ के

अधिकारियों को राजी किया। खीवा ने यह सब कार्यवाही की। नवाब बड़ा प्रसन्न हुआ। वीरमदे को मिलने का अवसर दिया गया। वह ४०० सवारों सहित आकर मिला। विरमदे ने सारी परिस्थिति उसके सामने स्पष्ट की। तब उसने बादशाह को सारी स्थिति लिख कर अवगत कराया। बादशाह ने वीरम को दिल्ली भेजने को लिखा। वीरम ने वहाँ पहुँच कर दोवान आदि अधिकारियों को अपनी चतुराई से प्रसन्न किया। बादशाह भी खुश हुआ। वह मालदे से अप्रसन्न था ही। उधर बोकानेर से भीव जैतसियोत मु० नगा भी अपनी फरियाद मालदे के विरुद्ध लेकर आये थे। बादशाह ने चढाई की तैयारी कर आगरे में डेरा किया। (५४-५६/२८-३०)

यह सूचना मालदे को भी मिली तब उसने भी युद्ध की तैयारी की। वह ८०,००० सवारों से चढ़कर मेड़ते पहुँचा। बादशाह मौजाबाद के पास आया। मालदे अजमेर पहुँचा। वीरमदे और मालदे के बीच सदेशवाहक फिरने लगे, पर बात बनो नहीं। जैता कूपा के पास भी आदमी आये, जिससे मालदे को संदेह हो गया। मालदे ने अपना डेरा पीछे हटाया। फिर एक डेरा और पीछे हटाने को कहा, तब जैता कूपा ने ऐसा करना अनुचित समझ, राव की आज्ञा नहीं मानी। मालदे के दिल में संशय पैदा हो गया। वह थोड़ी रात गये जैता कूपा से बिना सलाह किये वहाँ से रवाना हो गया। जैता कूपा, खीवा, जैतसी, सो० अखैरात्र रिणधीरोत आदि सरदार २०,००० आदमियों सहित वहीं रुके, बाकी के लोग राव के साथ चले गये। सुबह समेल की नदी के उस ओर युद्ध हुआ। राव के ५००० से ऊपर आदमी काम आये। (५६-५७/३१)

रा० वीरमदे बादशाह को लेकर जोधपुर आया। यहाँ रा० अचलो सिवराजोत, रा० तिलोकसी सिवराजोत, भा० संकर सूरारवत आदि गढ़ के रक्षार्थ काम आये। कुछ दिन बादशाह यहाँ रहा, फिर यहाँ का प्रबन्ध संयद हासिम कासिम को सौंपकर प्रस्थान किया। मेड़ता वीरमदे को मिला। बीकानेर कल्याणमल को प्राप्त हो गया। (५७-५८/३२-३४)

राठौड़ वीरमदे का जन्म संवत् १५३४ में हुआ और मृत्यु १६०० के पीष माह में हुई। उसके पीछे उसके पुत्र जैमल को मेड़तियों ने टीका दिया और बादशाह की ओर से मेड़ता उसे जागीर में मिला। १० वर्ष तक उसने शान्ति से राज्य किया। (५८/३५-३६)

संवत् १६०३ में शेरशाह की मृत्यु होने पर मालदे ३ वर्ष का समय पीपलण के पहाड़ों में काटकर जोधपुर के खाली गढ़ में आ रहा, क्योंकि बादशाह के अधिकारी यहाँ से चले गये थे। फिर संवत् १६१० में मालदे ने जैमल पर चढ़ाई की। जयमल इस युद्ध में विजयी हुआ। मालदे के प्रथीराज जैतावत, धनो भारमलोत आदि वीर काम आये। जैमल के रा० अखैराज भदावत आदि काम आये। (५८-५९/३७-३९)

संवत् १६१३ में हाजीखाँ और राणा उदैसिंघ के बीच जो युद्ध हुआ उसमें मालदे ने हाजीखाँ की सहायतार्थ १५०० आदमी देकर राठीड़ देवीदास जैतावत को भेजा था। राणा उदैसिंघ की तरफ जैमल सहित अनेक हिन्दू राजा थे। यह युद्ध अजमेर से कोस १२ हरमाड़े नामक स्थान पर हुआ। यहाँ रा० देवीदास जैतावत के हाथ से वालीसा सूजा मारा गया। हाजीखाँ की विजय हुई। विपरीत परिस्थितियाँ देख कर जैमल मेड़ता खाली कर राणा के देश चला गया। मालदे ने मेड़ते पर अधिकार कर लिया और मकान ध्वस्त करवाये। (५९-६०/४०-४१)

राव ने आधा मेड़ता संवत् १६१६ में जगमाल वीरमदेओत को ७१ गाँवों से दिया। फलोदो महामाया के मंदिर में कँवर चंद्रसेन और जगमाल के बीच मुख्य सरदारों की उपस्थिति में कुछ शर्तों को दोनों ओर से निभाने की शपथ ली गई। शहर के अनेक मकान ध्वस्त किये गये और उसका नाम बदल कर नयानगर रखा गया। (६१-६३/४२-४४)

संवत् १६१८ में जैमल बादशाह के पास गया। बादशाह ने मेड़ते पर जैमल का अधिकार करवा देने के लिये ७००० घोड़ों से सरफदी को भेजा। राव को ओर से देवीदास जैतावत मेड़ते के मालकोट में थानेदार की हैसियत से रहता था। मालदे को चढ़ाई की सूचना मिलने पर चंद्रसेन और पृथ्वीराज कूपवत आदि को २००० सवारों सहित यह आदेश देकर भेजा कि युद्ध करने का ठोक अवसर देखें तो युद्ध करें, वरना देवीदास को लेकर लौट आवें। इन लोगों ने जाकर मालकोट के पास डेरे किये। रा० साँवलदास ने एक हमला किया, जिसमें १०० मुगल मारे गये। (६३-६४/४५)

मालकोट के मुगलों का घेरा लग जाने पर निरंतर हमले पर हमले होने लगे। मालदे का यह संदेश बार-बार आने लगा कि मुगलों की फौज अधिक है अतः

देवीदास किला खाली करके निकल जाय, व्यर्थ में क्यों वीरता का प्रदर्शन करता है। किले की एक बुर्ज सुरंग से उड़ गई तब देवीदास मुगलों से बातचीत कर किले से निकलने लगा। कुछ ही दूर निकला होगा कि जैमल ने सरफदीन को कहा कि देवीदास प्राणों की भिक्षा माँगकर किले से निकले ऐसा सरदार नहीं है। वह निकला इसीलिये है कि मालदे को लेकर रातों-रात अपने ऊपर आएगा। अतः इसे मार डालना ही उचित है। बात ही बात में उन्होंने देवीदास का पीछा किया। सातलवस के पास युद्ध हुआ, उसमें देवीदास सहित ३३ योद्धा मारे गये। (६४-६६/४६-४७)

इस युद्ध के बाद मालदे ने कोई चढ़ाई मेड़ता पर नहीं की। जैमल को मेड़ता बादशाह को ओर से मिला। मालदेव की मृत्यु के उपरान्त चंद्रसेन गद्दी पर बैठा परन्तु आन्तरिक विग्रह के कारण उसने मेड़ता का नाम नहीं लिया। जयमल की ओर से बादशाह के वहाँ वीठलदास जैमलोत चाकरी करता था। सरफदीन उस पर बड़ी कृपा रखता था। सरफदीन पर किसी कारणवश बादशाह नाराज हो गया, अतः वह वहाँ से भागा तब वीठलदास को भी साथ लेकर मेड़ते की तरफ आया। सरफदीन डागोलाई ग्राम में रुका और वीठलदास ने आकर सारी हकीकत जमल से कही तो जैमल बड़ा पसोपेश में पड़ा। सरफदीन की इच्छानुसार उसके आदमियों को नागौर से बुलवाने के लिये सादूल जैमलोत को नियुक्त किया। बादशाह के एक मनसबदार से उसकी मुठभेड़ हो गई उसमें वह ४० आदमियों सहित मारा गया। जयमल बड़ा निराश हुआ और अन्य कोई चारा न देखकर संवत् १६१६ में मेड़ता छोड़कर भेवाड़ गया। राणा ने उसे बदनोर की जागीर दी। अब संवत् १६२४ में बादशाह अकबर ने चित्तौड़ पर चढ़ाई की तो अपने ४०० आदमियों सहित जैमल वीरतापूर्वक लड़कर काम आया। (६६-६८/५१)

सरफदीन को क्यों भगना पड़ा, इसका किस्सा इस प्रकार है—बादशाह की मां हज के लिये मक्का गई थी, तब सरफदीन साथ भेजा गया था। मक्का में यह कायदा है कि सुहागिन स्त्री अपने पति के साथ उसका दामन (छेहड़ा) बांध कर ही पीरों के दर्शन कर सकती है। बेगम ने सरफदीन को छेहड़ा बांधने के लिये कहा। उसने बहुत आनाकानी की, परन्तु बेगम मानी नहीं, तब छेहड़ा बांध कर दर्शन किये। इस बात को लेकर कुछ चुगलखोरों ने बादशाह को

उल्टा सीधा सिखाया जिससे बादशाह नाराज हो गया और उसे मरवाने का हुक्म दिया तब वह भागकर जैमल के पास आया । (६८/५२)

जैमल स्वयं सरफदीन को पहुँचाने सीरोही तक गया और अपने आदमियों को सपरिवार मेवाड़ की ओर रवाना किया । फिर जैमल बदनोर आया । राणा ने आकर उसे आश्वस्त किया और बदनोर, करहेड़ा तथा कोठारया ग्राम जागीर में दिया । (६९/५३)

चित्तौड़ का साका होने के ४-५ वर्ष बाद जैमल के लड़के रा० सुरताण केसवदास बादशाह के दरबार में पहुँचे । बादशाह ने मेड़ता तो उन्हें उस समय नहीं दिया परन्तु रणथभोर के पास मलारणा का परगना दिया । (६९/५४)

एक बात यह भी सुनी कि संवत् १६३७ के लगभग बादशाह की ओर से सुरताण को सोजत जागीर में दी हुई थी । १६३७ में जब वह दरबार में गया तो उसे मेड़ता भी दे दिया गया । गांवों के बंटवारे को लेकर रा० नरहरदास ईसरोत से अनबन हो गई तब नरहरदास ने केसवदास जैमलोत का पक्ष लिया । वह उसे दरबार में ले गया और बादशाह को खुश कर आधा मेड़ता अपने नाम करवाया । (६९-७०/५५)

फिर ऐसी घटना हुई कि बादशाह की धाय एक बार मेड़ते आई । सीरोही का राव सुरताण वहाँ तक पहुँचाने आया । धाय ने राठीड़ सुरताण व केशवदास से कहा कि मुझे आमेर तक पहुँचाने का प्रबन्ध करो । उन्होंने उसकी परवाह नहीं की और अपमानजनक शब्द कहे । उसने आमेर जाकर बादशाह से मेड़तियों के दुर्व्यवहार की शिकायत की जिस पर उसने मेड़ता इनसे तागीर कर लिया । रहने के लिये सुरताण को सरवाड़ और केसवदास को नागेलाल दिया । (७०/५६)

संवत् १६४० में जय नवाब खानखाना गुजरात का सूबेदार था तब सुरताण जैमलोत उसके अधीनस्थ था । वहाँ जगा जाड़ेचा अहमदाबाद में बहुत लूट-पाट करता था । उसे मारने के सभी प्रयास विफल होते थे । अंत में सुरताण के राजपूतों ने उसे मारा । नवाब खानखाना इस कार्य में बड़ा प्रसन्न हुआ और बादशाह को सिफारिश कर मेड़ता उसे दिलवाया । संवत् १६४२ की फागुन सुदि ३ को ये मेड़ता आ रहे । संवत् १६४६ में सुरताण की मृत्यु हो गई । मेड़ता बलभद्र को मिला । (७१-७२/५७-५९)

संवत् १६५३ में बलभद्र सुरताणोत की मृत्यु हो जाने पर उसके हिस्से का मेड़ता राठीड़ गोपालदास सुरताणोत को मिला । केसवदास का हिस्सा केसवदास के पास रहा । संवत् १६५६ में दक्षिण में बीड़शहर है, वहाँ शाही सेना की ओर से चांदबीबी के विरुद्ध लड़ते हुए गोपालदास, केसवदास और द्वारकादास जैमलोत दोनों ही काम आये । गोपालदास का हिस्सा उसके पुत्र जगन्नाथ को और केसवदास का हिस्सा कान्हदास को मिला । (७२/६०)

बाद में जब जगन्नाथ गोपालदासोत और कछवाहा राजा रामदास के बीच वैमनस्य हुआ तब संवत् १६५८ में जगन्नाथ का हिस्सा राजा सूरजसिंह को दे दिया गया । उन दिनों कान्हदास केसवदासोत के आदमी शहर की कोटड़ी में रहा करते थे, तथा राजाजी का कामदार मालकोट में रहता था । संवत् १६६१ में कान्हदास का स्वर्गवास हुआ तब मेड़तिया सरदार मुगल दरबार में गये परन्तु बादशाह ने इन्दरभाण को उत्तराधिकार देना स्वीकार नहीं किया और कान्हदास का भी हिस्सा सूरजसिंह को दे दिया । वह जीवन पर्यन्त उनके अधिकार में रहा । (७३/६१-६२)

संवत् १६७६ में जब सूरजसिंह का स्वर्गवास हुआ तो मेड़ता तागीर होकर शाहजादे खुर्रम को हुआ । अबू अमीन होकर आया । संवत् १६७९ में शाहजादे ने परगने के गांव अपने उमराव चाकरों को बांट दिये सो दो वर्ष तक इसी तरह रहे । २०४ गावों से कस्बा भीम अमरावत सीसोदिया को था । (७३/६३-६४)

संवत् १६७६ में राजाजी के जागीरदारों ने माल घासमारी वसूली की थी । इस सम्बन्ध में रा० गजसिंह खीवावत अबू के पास आकर २० दिन मेड़ते रहा तथा रुपये ५०,०००) दिये । (७४/६५)

संवत् १६७९ में शाहजादा खुर्रम जहांगीर के विरुद्ध हो गया तब महाराजा गजसिंह बादशाह से चाटसू के पास आकर मिले । राजाजी के मनसब मे हजार जात की वृद्धि की गई । अजमेर सूबे के खालसे के सभी परगने परवेज की जागीर में हुए, उनमें मेड़ता भी शामिल था । मेड़ता परवेज ने सैयद को जागीर में दिया । फिर राजसिंह खीवावत ने प्रयत्न करके शाहजादे की ओर से ही मेड़ता राजाजी को दिलवाया । संवत् १६८० भादवा वदि ८ को उनकी ओर से कान्ह खीवावत तथा भंडारी लूणा ने मेड़ते में अमल दस्तूर किया । रु० २,००,०००) में मेड़ता राजाजी को दिया गया था । (७४-७५/६६-६७)

संवत १६८२ में दक्षिण में महाबतखान परवेज की सहायतार्थ नियुक्त था । खुरासानियों के बहकावे में आकर बादशाह ने उसे दरबार में आने के लिये फिदाईखान के मारफत फरमान भेजा । उस समय फिदाईखान के साथ राजसिंह खीवावत दरबार में उपस्थित हुआ और मेड़ता शाही मनसब में पचास हजार रुपये खोजा के कहने से बढ़ाकर ढाई लाख रुपये में राजाजी को प्रदान किया गया । (७६/६८)

संवत १६८६ में जब आसपखान के साथ राजा गजसिंह दक्षिण में नियुक्त थे तब उक्त खान से राजाजी की अनबन हो गई । उसने दरबार में आने पर राजाजी के विरुद्ध बादशाह को शिकायत की तब पचास हजार रुपये की मेड़ते की रेख में वृद्धि करदी गई । (७६-७७/६९)

संवत १६९४ में जब राजा गजसिंह का देहान्त हुआ तो जसवंतसिंह गद्दी पर बैठा । उस समय उन्हें मेड़ता पचास हजार रुपये और बढ़ाकर माढे तीन लाख रुपये में प्रदान किया गया । (७७/७०)

परगने मेड़ते की पैमाइश संवत १६३० में किरोड़ो मूले ने की थी । उसके अनुसार जमीन की स्थिति इस प्रकार है—

कुल धरती बीघा—२६,१२.९५६
 पहाड़, जंगल, नदी आदि—२,१५,४३०
 बाकी उपयोगी भूमि—२३,९६,४२५
 (७७/७१)

पटी वार प्रत्येक तफा की धरती की विगत उपरोक्त हिसाब से । (७८/७२)

परगने मेड़ते की सालाना कुल आमदनी की सूची संवत १७०१ से लेकर संवत १७२० तक । (७८-७९/७३)

मेड़ते परगने की तफावार आमदनी की सूची संवत १७०१ से १७२१ तक ।
 (७९-८२/७४)

परगने मेड़ते की खालसा की आमदनी की विगत संवत १६९२ से संवत १७१७ तक । (८२-८३/७५)

परगने की आवादी संवत १७२० में नैणसी द्वारा कूती गई—२५१२ महाजन घर, ३६९ ब्राह्मण, ५३ कायस्थ, १ खत्री टोडरमल (तोडरमल), १६०

राजपूत, २६२ सिपाही (मुसलमान), ८ गेरूतबाब ईसर के लड़के, २१२४ अन्य निम्न जातियों के घर, ११ फकोर घरबारी लोग । (८३-८६/७६-७७)

परगने में कानूगोओं के हिस्से में बंटो हुई पट्टियों की विगत—

- १॥ पट्टी पंचोली रूपचंद सूरजमल भीवाणो के ।
 - १॥ पट्टी पंचोली हरवंस माणक भंडारी के ।
 - ४ पट्टी छतरसिंह जादवदास जोगीदास अणंदोसा के पुत्रों के ।
 - १ पट्टी कानूगा करमचंद गगाराम के ।
 - १ पट्टी कानूगा गूजरमल के लड़के पोतों के ।
- इस प्रकार कुल ६ पट्टी । (८६-८८/७८)

परगने मेड़ते में लिया जाने वाला जमीन का लगान व अन्य करों की विस्तृत विगत महाराजा गजसिंह के समय से लेकर जसवंतसिंह के समय की (सं० १७१६) । (८८-९८/७९-८५)

परगने मेड़ते के गांवों की सीमा पास के परगनों के जिन-जिन गांवों से लगती है उसकी तालिका । (९८-१०६/८६-८८)

परगने में ब्राह्मणों, चारणों, देवस्थानों, भाटों तथा पीरजादा को दिये गये ग्रामों की विगत— राव बरसिंह जोधावत से लेकर जसवंतसिंहजी तक ।

गांव	ब०	ग्रासामी
१५॥	७७००)	ब्राह्मणों को
२	१३००)	देवस्थान
१	५००)	पीरजादा को
२७	१५०००)	चारणों को
१	२००)	भाट को
४६॥	२४७००)	(१०७-११५/८९-९०)

श्री फलोदी माताजी के मंदिर की हकीकत—यह मंदिर प्राचीन काल में राजा मानघाता का बनवाया हुआ माना जाता है । मालवदेश में जब शेरखान बादशाह का राज्य था तब उसके हुकम से हिन्दू मंदिर गिराये गये तब इसका भी कुछ भाग खंडित किया गया । इसका जीर्णोद्धार राव जोधा के समय में हेमराज सुराणा ने करवाया । इसके पूर्वज बड़े प्रसिद्ध दानी थे । सं० १५५५ में इसकी प्रतिष्ठा का दस्तूर किया गया । (११५-११६/९१)

परगने के प्रत्येक गांव की विस्तृत विगत, तफा वार—

तफा	गांव	आबाद	सूने	वान बिये हुए
हवेली	१२	१०	०	२ (११६-१२०/६२)
आणंदपुर	३६	३३	३	३ (१२०-१२६/६३-६४)
मोकाला	४५	३४॥	२	८॥ (१३०-१४१/६५-६६)
कलरा	४४	३२	८	४ (१४१-१५३/६७-६९)
राहण	५६	३८	७	११ (१५३-१६६/१००-१०३)
मोडरो	४१	३७	०	४ (१६६-१७६/१०४-१०३)
अलतवा	३८	३०	४	४ (१७६-१८६/१०४-१०७)
देघाणा	५१	४०	६	५ (१८६-१९९/१०७-१०९)
रेयां	५८	४४	१०	४ (१९९-२१३/१०९-११०)

परगना सिवाणा

यह जोधपुर से दक्षिण में है। जोधपुर से ३० कोस तथा जालोर से १५ कोस पड़ता है। घरणोवाराह ने अपने भाई भोज को जालोर दिया था। उसके लड़के पंवार वीरनारायण ने पहाड़ी पर सिवाने का गढ़ बनवाया, संवत् १०७७ में। इसके बीच में भांडेलाव नामक बड़ा तालाब है। किले में विशेष इमारतें बनी हुई नहीं हैं। (२१५/१)

पंवारों से यह गढ़ चहुवानों के अधिकार में गया। कान्हड़दे ने यह स्थान अपने भतीज सातलसाम को दिया था। बादशाह अलाउद्दीन इस पर

धड़कर आया तो उसने छोटा-सी पहाड़ी पर यह किला देखा और इसका जीतना सहज जानकर इसका नाम सोवाणा रखा। पहले नाम कुभटा था। गढ़ के रक्षार्थ सातलसोम के साथ राव तोडा यहां काम आया था। (२१५-२१६/२)

फिर माला सलखावत ने मुगलों से छोनकर यह गढ़ रा० जंतमाल सलखावत को दिया सो ६ पीढी तक जंतमालों के सिवाना रहा। (२१६/३)

तत्पश्चात् राज जोधा ने देवीदास से छत्र करके गढ़ पर अधिकार किया। अपने पुत्र सिवराज जोधावत को इसका प्रबन्ध सौंपा। देवीदास भटकता हुआ सांचोर आकर रहा और घुघरोट के भायलों को सहायता लेकर किले पर पुनः अधिकार कर लिया। सिवराज दूनाड़े चला गया। (२१७-२१८/४-५)

कुछ दिनों बाद राणा देवीदास की मृत्यु हो गई तब गद्दी पर राणा जोगा बैठा। जोगा के बाद करमसी अधिकारी हुआ और उसके बाद डूंगरसी गद्दी पर बैठा। इस पर जोधपुर का शासक राव मालदे चढ़ आया। डूंगरसी ने गढ़ में रहकर कई महीने मुकाबला किया परन्तु अन्त में संवत् १५६५ आषाढ़ वदि ८ को गढ़ पर मालदे का अधिकार हो गया। मालदे के बाद कुछ समय के लिये रायमल मालदेओत को मिला। फिर चन्द्रसेन ने गढ़ अपने अधिकार में ले लिया। (२१८-२१९/६-७)

कुछ समय बाद बीकानेर के राजा रायसिंह व शाहबाजखाँ ने गढ़ को आ घेरा। राव भी वहीं था। मुकाबला हुआ। फिर संवत् १६३२ में गढ़ उन्हें सौंप दिया। कई दिनों तक मुगलों का अधिकार रहा फिर वे खाद्यान्न की कमी के कारण उसे खाली कर गये। संवत् १६३५ में डूंगरपुर से आकर चन्द्रसेन फिर यहां रहने लगा। सं० १६३७ में उसकी मृत्यु हुई। रायमल भी जल्दी ही मरा। (२१९/८)

कल्याणदास तथा प्रतापसिंह मुगल दरबार में उपस्थित हुए तब इन दोनों भाइयों को सिवाना दिया गया। मोटा राजा ने शाहजादे को अपनी लड़की ब्याही तब वहां कल्याणदास से ऋगड़ा हो गया जिसके फलस्वरूप बादशाह नाराज हो गया और उसने चढाई का हुक्म दिया। कला ने वीरता से मुकाबला किया और अनेक योद्धाओं सहित काम आया। गढ़ पर सं० १६४६ में कब्जा हो गया। (२१९-२११/८-१०)

सीवाने परगने व उसके गावों की रेख की सूची । (२२१-२२३/११-१२)

करबे सीवाने की आबादी संवत् १७२१ के वर्ष में—राजपूतों के घर ६५, महाजनों के ८१, ब्राह्मणों के २५, मुसलमानों के ४० तथा अन्य निम्न जातियों के ४२, कुल वस्ती घर २८३ । (२२३-२२४/१३)

गांवों की सूचियें बसने वाली जातियों की प्रमुखता के अनुसार । सूने गांव तथा सांसण के गांवों की विगत । (२२४-२३२/१४-१८)

परगने के गांवों की विस्तृत विगत उपरोक्त वर्गीकरण के अनुसार ।

(२३२-२६६/१९-२१)

परगने के सांसण (दान में दिये हुए) के गांवों की विस्तृत विगत ।

(२६६-२७७/२३-२४)

परगने के गांवों से पास के परगने की सीमाएँ लगती हैं उनकी तालिका ।

(२७८-२८०/२५)

परगने के खालसा के लगान को आमदनी की विगत संवत् १६६२ से १७१७ तक । (२८०/२६)

खालसा जागीर सांसण आदि कुल मिलाकर परगने की आमदनी ।

(२८१/२७)

सूकड़ी नदी के बहाव का हाल, जिन-जिन गांवों में होकर बहती है उनके नाम । (२८१/२८)

परगने के गांवों का वर्गीकरण—जहाँ सिंचाई होती है, जहाँ पानी भरने से गेहूँ आदि होते हैं, जहाँ केवल सावण एक ही फसल होती है, गांव जो सूने हैं ।

(२८२-२८५/२९)

सांसण के गांवों की सूची, दान देने वाले शासकों के क्रम से ।

(२८६-२८८/३०)

परगना पोकरण

प्रारम्भ में यह शहर पुष्करणा ब्राह्मणों के पूर्वज पुष्कर ऋषि के द्वारा बसाया गया था । पुष्कर ऋषि जब यहाँ आकर बसा तो पानी की बड़ी कमी

थी, उसने वेरुण की आराधना को जिससे शहर के आस-पास पानी की अधिकता हुई। (२८६-२९०/१-२)

प्राचीन काल में यहां पर रवा पंवार राज्य करता था, श्री लक्ष्मी-नारायणजी का मंदिर उसी का करवाया हुआ है। उसके लड़का नहीं था। उसकी मृत्यु के पश्चात् नानग छावड़ा गद्दी पर बैठा जो बड़ा प्रसिद्ध वीर हुआ। उसका लड़का महि धवल हुआ। उसके समय में भैरवा राक्षस का बड़ा उत्पात था, उसके श्राप से पंवारों का राज्य समाप्त हुआ। (२९०-२९१/३-४)

इसके पश्चात् कई वर्षों तक यह धरती सूनी रही। महेवा में जब राव माला राज्य कर रहा था तब रामदेव पीर के पिता अजैसी ने उससे स्वीकृति लेकर पोकरण को बसाया। भैरवा राक्षस को पराजित कर रामदे ने वहा से उसे सिंध की ओर चले जाने का आदेश दिया। राठीड़ जगमाल मालावत के पुत्र हमीर के साथ रामदे की पुत्री का विवाह हुआ तब पोकरण उसे देकर रामदे रामदेवरे आ रहा। हमीर के बाद उनका राज्य तीन पीढ़ी तक यहां रहा। (२९१-२९२/५)

वरजांग का पुत्र राव खीवा निर्बल शासक था। उस समय तक पोकरण के किले की पोल के दरवाजे तक नहीं थे। नरा सूजावत उन दिनों फलोदी रहता था, उसने अवसर देखकर पोकरण पर अधिकार कर लिया। खीवा ने आकर उसके बहुत से जानवर घेर लिये। नरा ने पीछा किया और मुठभेड़ होने पर मारा गया। इस पर सूजा स्वयं फौज लेकर आया और दूर-दूर तक माला के गांव लूटे तथा पोकरण का टीका नरा के पुत्र गोयन्द को दिया। नरा ने पोकरण के पास पहाड़ी पर सातलमेर बसाया था। गोयन्द १५६० में गद्दी पर बैठा। कुछ वर्षों बाद पोकरणों ने रामदेवरे के पास से अनेक गाये घेर ली तब गोयन्द ने उनका पीछा किया। कोढ़णे के पास १४० पोकरणों को मारा और लूका को पकड़ लिया। फिर लूका से भेल करके पुराना बैर भुलाकर पोकरण के दो हिस्से कर दिये। सातलमेर अपने पास रखा और पोकरण लूका को दी। सातलमेर में उस समय ५०० घरों की बस्ती थी। (२९२-२९३/६-७)

गोयन्द की मृत्यु (सं० १५८२) के पश्चात् उसका पुत्र जैतमाल गद्दी पर बैठा। यह योग्य शासक नहीं था। जैसलमेर के रावल मालदे की पुत्री से उसका विवाह हुआ था। इसके प्रधान ने कुछ बनियों को बहुत

सताया, उन्होंने जोधपुर के मालदे से फरियाद की जिसके फलस्वरूप मालदे फौज लेकर चढ आया। केवल ५ दिन जेतमाल मुकाबले में टिक सका और गढ मालदे को सौंप कर जैसलमेर चला गया। (२६३-२६४/८)

मालदे ने सवत् १६०७ में सातलमेर को ध्वस्त करवाया और पोकरण में पुराने गढ के स्थान पर नया गढ करवाया। पोकरण मालदे के अधिकार में जीवन पर्यन्त रही। उसके बाद चन्द्रसेन जब जोधपुर छोड़ कर पीपलण के पहाड़ों में चला गया तब पोकरण के किले में चहुवान रामा भांभणोत आदि सरदार रहते थे। उन दिनों राठौड़ मानसिंह कछवाहों की सहायता से गढ पर चढ आया। चन्द्रसेन भी सूचना मिलते ही पहुँचा और मानसिंह को भगा दिया। (२६५/११)

बादशाह ने भाटी भाखरसी हरराजोत को पोकरण प्रदान की। उस समय चन्द्रसेन मेवाड़ में था। भाखरसी ने आकर गढ के घेरा दिया। २ महीने तक बहुत प्रयत्न करने पर भी भाखरसी को सफलता न मिली और वह चला गया तब हरराज ने भीव को २००० योद्धाओं सहित भेजा। गढ के लोगो ने मुकाबला किया। इसी बीच लोगो ने बातचीत करवा कर एक लाख रुपियों में पोकरण इन्हें अडाणी (रहन) दिलवादी। तत्पश्चात् चन्द्रसेन अन्य सघर्षों में व्यस्त रहने के कारण पोकरण की खबर न ले सका। (२६६-२६७/१२)

संवत् १६३८ में मोटा राजा को जब बादशाह अकबर ने जोधपुर दिया तब सातलमेर भी मनसब में लिखा गया। परन्तु वहाँ उसका अमल (राज्याधिकार) न हुआ। (२६७/१३)

सूरजसिंह जब गद्दी पर बैठा तो मनसब में सातलमेर एक लाख दाम में लिखी गई। राजा ने कुवर गजसिंह को सेना देकर पोकरण पर अधिकार करने को भेजा पर बादशाह ने मना कर दिया, अतः अधिकार न हो सका। (२६७-२६८/१४)

महाराजा जसवंतसिंह को ६ लाख दाम में मनसब में पोकरण दी गई। जैसलमेर का मनोहरदास पोकरण का स्वामी था। उसका देहान्त हो गया तब बादशाह की स्वीकृति लेकर फौज की तीन टुकड़ियाँ तीन अधिकारियों - गोपालदास, वीठलदास और नाहरखान के सेनापतित्व में गढ प्राप्त करने को

भेजी । मु. नैणसी भी माथ था । भाटियों के ३५० योद्धा उस समय किले में थे । कई दिनों तक युद्ध होता रहा, अनेक भाटी काम आये । अन्त में कातो वदि ५ को महाराजा का किले पर अधिकार हो गया । मुहुरागत नणसी को वहां के थाने पर सुरक्षा के लिये अनेक योद्धा देकर रखा । (२६८-३०८/१५-१७)

पोकरण १५०००) की आमदनी का परगना है । इसमें रुपये ५०००) की आमदनी संवत् १७१६ में राहगीर व्यापारियों से वसूल किये गये कर से हुई था ।
(३०८/१८)

पोकरण समतल व ठोस भूमि पर बसा हुआ है । मालदे ने जो गढ़ करवाया वह १५ गज ऊँचा है । इसे जगह-जगह रावळ भोव व कल्याणमल ने भी ऊँचा करवाया था । कोट में कुल २१ बुर्जे हैं । पहले एक ही पोल था । महाराजा ने परकोटे की एक पोल और करवाई जिसे जसपोल कहा जाता है । कोट २०० गज चौड़ा और २०० गज ही लम्बा है । इसमें एक कुआ था, एक बावली है । १०० घर भाटियों के अन्दर बसते थे । मन्दिर एक जैन, एक देवी का तथा एक चावंडा की मूर्ति है । कोट के चारों ओर ४ गज गहरी और पांच गज चौड़ी खाई है । (३०८-३०९/१९)

पोकरण शहर की आबादी का अनुमान इस प्रकार है—३१० महाजनों के घर, ५० करसों के घर, ५० ब्राह्मणों के, ३० भोजग डोहकिया, तथा दूसरे अन्य जातियों के । इस प्रकार कुल घर ५५७ हैं । (३१०-३११/२०)

शहर में मन्दिर व जलाशय आदि इस प्रकार हैं—चत्रभुजजी का मन्दिर, सूरजजी का मन्दिर, देवीजी का मन्दिर (शहर से आधा कोस दक्षिण में), महादेवजी का मन्दिर, बालनाथजी का स्थान । जलाशय—डूंगरसर (शहर से १ कोस उत्तर में), नरासर (शहर से १ ३/४ कोस ईशान में), मेहरलाई (पूर्व में आधा कोस दूर), रूखी री तलाई, सुदाताधी तलाई, संघरलाई, मोखासर (इस पर नरा की छतरी बनी हुई है), रामदेसर, घरणीसर (पोकरण से डेढ कोस), लीगासर (पूर्व में ३ कोस दूर) । बावलिये—कुंभार वाय, मोहरण वाय, नीबली, सरग वाय, मेहा वाय, बीस वाय, मदागण, भाखर वाय, कोहरियो, खांडी वाय, वछेसर, बाली बावड़ी, थड़ी वाव, सता वाय, देहाऊग वाय, खांखो री वाय, मोखासर आदि । ५ बावड़ियें दान दी हुई हैं । (३११-३१५/२१-२४)

नदी एक, पोकरण से दक्षिण की ओर (जो कुम्भारों का बाहळा कहाता है) कोट के नीचे से बहतो है। इससे अनेक खेत भरते हैं। एक बड़ा जोड (चरागाह) है। इसमें खूब घास होती है। पीर रामदे का स्थान गढ में है क्योंकि पहले यहाँ रामदे की कोटड़ी थी। तीर्थ एक तृवाय कुंड है।
(३१५-१६/२५)

पोकरण की जमीन का व्यौरा—सावगू खेती से सभी अनाज अच्छे पैदा होते हैं। ५ गांवों में सेंवज से २००० मन के करीब गेहूँ होते हैं। ५०० मन गेहूँ बावलियों पर होते हैं। (३१६/२६)

५ गांवों में नमक पैदा होता है—पोकरण, दांतसुई, लोहमे, धुहड़सर, आवरोसे। (३१६/२७)

परगने के गांवों की सूचियें जातियों की बस्ती के अनुसार।
(३१६-३१६/२८)

पोकरण से अन्य शहरों की दूरी—जोधपुर ४० कोस, जैसलमेर ३५ कोस, फलोदी १६ कोस, नागौर ६० कोस, बीकानेर ५५ कोस, महेवो ३५ कोस आदि। (३२०/२६)

परगने के गांवों से अन्य परगनों के गांवों की सीमा लगती है उसकी तालिका। (३२०-३२२/३०)

परगने की आमदनी, जमीन के लगान व मेले तथा सांसण के गांवों की, संवत् १७११ से संवत् १७१६ तक। (३२२/३१)

महाराजा जसवन्तसिंह का अधिकार होने के पश्चात् पोकरण परगने की आय संवत् १७०७ से संवत् १७१५ तक। तथा १७०७ से १७१५ तक नियुक्त हुए हाकिमों के नाम। (३२२-३२३/३२-३३)

श्री रामदेवजी के दो मेले वर्ष भर में लगते हैं—१. भादों में, २. माघ में। इनसे होने वाली आमदनी की सूची संवत् १७०७ से संवत् १७२०। पोकरणा राजपूतों की जसवन्तसिंह के समय में स्थिति पर टिप्पणी।
(३२३-३२४/३५-३६)

परगने की आमदनी के साधन तथा विभिन्न करों की विगत।
(३२५-३२७/३७-३८)

परगने के गांवों की विस्तृत विगत । (३२७-३४८/३९-४१)

सांसण दिये हुए गांवों की विगत, ब्राह्मणों व चारणों को ।

(३४८-३५५/४२-४३)

पोकरण का परगना शाही दफतर में सातलभेर लिखा जाता है ।
१७२१ में मु० नैणसी व पं० नरसिंघदास ने ४० गांवों की रेख शुद्ध करके
लिखी । (३५६-३५७-४४)

टिप्पणियाँ : प्रथम भाग

[महत्वपूर्ण व्यक्तियों तथा स्थानों आदि पर टिप्पणियाँ]

परगना जोधपुर

मंडोवर (प्र० १/अनु० १)—यह जोधपुर से ५ मील उत्तर की ओर है। इसका अस्तित्व ईसा की ४ शताब्दी से माना जाता है। शिलालेखों में इसका नाम माण्डव्यपुर लिखा मिलता है। यहाँ का दुर्ग अब ध्वस्त हो गया है परन्तु प्राचीन कला के कुछ सुन्दर नमूने अब भी देखे जा सकते हैं। राव रिडमल और कुछ समय तक जोधा की राजधानी यहाँ रही। जोधपुर राजधानी हो जाने के पश्चात् भी महाराजा तख्तसिंह तक के शासकों का दाह-संस्कार इसी स्थान पर हुआ है। उन पर बड़े भव्य स्मारक बने हुए हैं। वर्तमान में यहाँ बड़ा आकर्षक उद्यान बना हुआ है।^१

नव कोटि (१/२)—यहाँ उल्लिखित नव कोटों के आधार पर ही मारवाड़ को 'नव कोटी' मारवाड़ कहा जाता था और इसका क्षेत्र बड़ा विस्तृत माना गया है।^२

नाहड़राव—इस शासक के सम्बन्ध में प्राचीन ख्यातियों में अनेक वृत्तान्त मिलते हैं। इसने मंडोवर का दुर्ग सुदृढ़ करवाया तथा पुष्कर का तालाब खुदवाया। मारवाड़ का नारलाई ग्राम तथा आसोप के पास नाहड़सर तालाब भी इसी के बनाये हुए कहे जाते हैं। यह बड़ा प्रतापी शासक था।

लाखो फूलाणी (५/९)—यह यादवों की जाड़ेचा शाखा का शासक था, कच्छ भुज में इसका राज्य था। अपनी दानशीलता के कारण कर्ण के

१. विस्तृत जानकारी के लिये देखें 'जोधपुर राज्य का इतिहास' (प्रथम खण्ड) डॉ० ओष्ठा, पृ० २४।

२. इष्टव्य—'नव कोटाँ री विगत'—मारवाड़ रा परगनाँ री विगत भाग २, पृ० ५००।

समान आज भी याद किया जाता है। मारवाड़ की ख्यातों में भी यह वृत्तान्त मिलता है कि लाखा की मृत्यु सीहा के हाथ से हुई। रासमाला के प्रणेता फारवस ने भी यही संभावना प्रकट की है।^१ परन्तु ओभाजी के अनुसार दोनों शासकों के समय में कोई २०० वर्षों का अन्तर है, इसलिये सीहा के हाथ से लाखा की मृत्यु होना कपोल कल्पना ही है।

राव सीहा (६/१४)—जोधपुर की रीत किरियावर की वही^२ में लिखा है कि महेश्वर महादेव ने सीहा को मारवाड़ में उसके वंशजों का राज्य होने का वरदान दिया था। अतः बाद में आसथान ने यहाँ नीलकण्ठ महादेव का मन्दिर बनवाया जिसे सीहेश्वर महादेव भी कहते हैं।

रायपाल (१५/२२-२३)—रायपाल बड़ा दातार शासक हुआ। उसने रोहड़िया चारणों को अपना प्रोल पात्र बनाया। इस प्रसंग का एक प्राचीन गीत भी मिलता है—“वारै सौ समत वासठे दीघा नेग तदी कमघां पत रायपाल रोभे महाराव”। नैणसी ने यहाँ यह मत व्यक्त किया है कि मगा बुध को रायपाल ने रोहड़िया चारण बनाया तब से यह शाखा चली। परन्तु यह बात विचारणीय है क्योंकि रायपाल से पहले ऊनड़ जाम हो गया जिसने रोहड़िया शाखा के सांवलसुद कवि को कोड़ समाई देकर सम्मानित किया था। सांवल वारहठों की १२ शाखाओं में से १ शाखा का प्रवर्त्तक भी माना जाता है।^३

पूजनीक (वृक्ष) (२०/३१)—यहाँ पूजनीक शब्द से तात्पर्य जोधो के पूजनीक वृक्ष फरास से है। मारवाड़ की ख्यात में लिखा है कि वीरम ने उक्त वृक्ष को कटवाकर उस पर ढोल मंडवाया और उसे बजाया तब जोयों ने इस अपमान को सहन नहीं किया जिसके फलस्वरूप युद्ध हुआ जिसमें वीरम मारा गया। इसका वर्णन बादर ढाढ़ी ने अपने प्रसिद्ध ग्रन्थ वीरमायण^४

१ रासमाला (प्रथम भाग) अनु० गोपालनारायण बहुरा, पृ० १२५।

२. राजस्थानी शोध संस्थान चौपासनी का संग्रह।

३. मुहणोत नैणसी की ख्यात (भाग २) रा० प्रा० वि० प्र०, पृ० २३६ तथा मुरारीदान की ख्यात रा० प्रा० वि० प्र०, पृ० २६।

४. वीरमायण—संपादिका रानी लक्ष्मीकुमारी चूंडावत, रा० प्रा० वि० प्र० जोधपुर।

में बड़े रोचक ढंग से किया है। वीरम का बैर गोगादे ने दला को मार कर लिया।

आल्हा चारण (२१/३२)—इस कवि का यह दोहा चारण समाज में आज भी प्रचलित है—

चूंडा ना आवैं चीत, काचर काळाऊ तणा।

भड़ थहियौ भंभीत, मंडोवर रै माळिये ॥

सालोड़ी ग्राम (२२/३४-३५)—यह ग्राम जोधपुर से उत्तर पश्चिम में २० मील को दूरो पर है, उसके पास मालूंगा तथा वालरवा ग्रामों के बीच बाड़ी के पहाड़ों में होकर नदी बहती है। वहाँ चामुण्डा का प्राचीन मन्दिर और चूंडा-बावड़ी अब भी विद्यमान हैं।

गांगदेव री बेटी लीला (२५/३६)—गांगदेव की लड़की की शादी चूंडा से करके ईदों ने उसे मंडोवर सौपी, इसकी साक्षी का दोहा इस प्रकार है—

चूंडो चवरी चाड़, दियो मंडोवर दायजें।

ईदों री उपकार, कमधज कदे न विसरें ॥

चूंडो काम आयो (२६/४१)—नागौर में चूण्डा के काम आने के सम्बन्ध में कुछ विद्वानों में मतभेद है परन्तु नागौर परगने के हाल में चूंडा का नागौर के टुकछा ग्राम में काम आना लिखा है।^१

नरवद सतावत (२६/४३)—नरवदे राणा के प्रसिद्ध सामन्तों में हुआ। नरवद और सुघ्यारदे की बात प्रसिद्ध है जिसका उल्लेख नैरासी ने इस ग्रन्थ में अन्यत्र किया है।

अचलदास खीचो (२६/४७)—यह गढ गागरून का प्रसिद्ध शासक हुआ। इसके विषय में लिखी हुई शिवदास गाडण की वचनिका^२ तथा लाला मेवाड़ी और अचलदास खीचो की बात प्रसिद्ध साहित्यिक कृतियाँ हैं।

१. मारवाड़ रा परगनां री विगत (भाग २), पृ. ४२१।

२. संपादक : दीनानाथ खत्री, शाहूल राजस्थानी रिसर्च इंस्टीट्यूट, बीकानेर।

भीम चूडावत (३१/५१)—यह चूडा का पुत्र था। इसके पट्टे में सालावास, नन्दवाणा, गुड़ा मोगड़ा, भावी, लांवा और भुडली ये सात गाँव थे। उसके तीन पुत्र थे—वैरसल, वरजाग और वीजा।^१ उसकी प्रशंसा में एक प्राचीन सोरठा इस प्रकार है—

हुओ कियां ही हार, जेत हुओ क्यां ही जुडण ।

वेदल दापुकार, भींवा तें भेला किया ॥

वरजांग भींवोत (३१/५१) यह भीव चूडावत का पुत्र था और अपने समय का वड़ा रजपूत हुआ। इसने राव रिड़मल जोधा और सत्ता के समय में वड़ी-वडी लड़ाइयाँ लड़ी। इसीलिये इसकी प्रशंसा में इसे 'एक पाखर लाख पाखर' कहा जाता है। जोधा जब चित्तौड़ से निकला तो वरजांग उसके साथ था। भीलवाड़े के घाटे के पास जो घमासान युद्ध हुआ उसमें घायल होकर गिर गया। शीशोदिये इसे उठाकर चित्तौड़ ले गये क्योंकि वह उनका भानजा था। राणा ने उसे किले में नजरबंद रखा। वरजांग के घावों पर पट्टी बांधने के लिये उसके सेवक रोज १२ गज रेजी (मोटा कपड़ा) लाया करते थे। जब घाव ठीक होने को हुए तो रेजी के वचे हुए टुकड़ों का रस्सा बनाकर सेवको ने वरजांग को किले की दीवार पर से सीधा नीचे उतार लिया और गुप्त रूप से एक बैलगाड़ी लेकर वहाँ से निकल भागे। रास्ते में गागुरन के तालाब पर डेरे किये और सयोग से अचलदास खीची की पुत्री के साथ उसका विवाह भी हुआ।

फिर यह जोधा से आ मिला। जोधा ने जब मंडोर पर अधिकार कर लिया तो इसे रोयट का पट्टा दिया। राणा की फौज वहाँ उस पर चढ़ आई थी परन्तु उसने बड़ी वीरता से उसका मुकाबला किया और घायल होने पर भी फौज को भगा दिया। कहते हैं कि इस युद्ध में उसके गर्दन की एक हड्डी तलवार के झटके से टूट गई थी उसकी जगह कैंर की लकड़ी डाल कर उसे दुरस्त कर दिया था। उस कैंर का पूजन बाद में भी उसके वंशज करते थे।

१. द्रष्टव्य—मुरारीदान की ख्यात, ग्रंथांक १५६७२, रा० प्रा० वि० प्र० जोधपुर।

एक वार जब इसकी घोड़ियें महेवा के शासक वीदा के पुत्रों ने पकड़ली तो इस बात पर दोनों पक्षों में बड़ी लड़ाई हुई । अनेक योद्धा मारे गये ।

राव सातल के समय में कोसारो के पास मलूखां से जो युद्ध हुआ उसका सफल संचालन बरजांग ने ही किया था और सातल की उसमे विजय हुई थी । इस अवसर पर भावी का पट्टा उसे दिया गया था ।

राव वीका ने जो जोधपुर पर सूजा के समय में चढ़ाई की थी उसमें भी बरजांग का हाथ बताया जाता है ।

बरजांग के परिवार की विगत^१—

१. सुरजण बरजांगोत, राणा की फौज से लड़कर काम आया ।
२. कला सुरजणोत बड़ी लड़ाई-में काम आया । सालावास, नंदवाणा तथा डूंगरपुर इसके पट्टे में थे ।
३. अखैराज कलावत, फलोधी काम आया । सालावास तथा नंदवाणा पट्टे में थे ।
४. मेघराज कलावत, सालावास पट्टे में था ।
५. राघोदास मेघराजोत ।
६. सुन्दरदास राघोदासोत ।
७. बलू मेघराजोत तथा मना मेघराजोत ।
८. लूणा अखैराजोत, तणावड़ा दोनों पट्टे में थे ।
९. केसोदास लूणावत ।
१०. जसा लूणावत, राधणपुर काम आया ।
११. नरसिंघदास लूणावत, लक्ष्मीदास लूणावत ।
१२. लधा लक्ष्मीदासोत ।
१३. सांकर कलावत ।
१४. सांवल सांकरोत ।
१५. कूंभा सांवलोत ।
१६. देवा कलावत ।

१७. महेसदास देवा का ।
१८. भाखरसी महेस का ।
१९. जेधा, वाघा, वीरमदे महेस के ।
२०. सुरताण देवा का ।
२१. माना सुरताण का दौलताबाद काम आया ।
२२. रामसिंह मानावत—बीकानेर की लड़ाई में काम आया ।
२३. बीजा सुरजनोत—सेवकी को लड़ाई में काम आया ।
२४. हमीर बीदावत ।
२५. दला सुरजनोत, जबा सुरजनोत सिरियारी में राव राम के लिये काम आया ।
२६. राका जबावत मांडवे काम आया, सावराड़ पट्टे में था ।
२७. माधा रासावत ।
२८. बलू माधा का ।
२९. आसा रासावत ।
३०. तोगा आसावत ।

नापा साँखला (३१/५१)—यह राणा कुंभा का भी कृपापात्र था । जोधा को मंडोवर पुनः प्राप्त करवाने में इसने बड़ी सहायता दी थी ।^१

हरभू (३३/५६)—मारवाड़ के प्रसिद्ध ५ पीरों में इसका नाम लिया जाता है । यह साँखला राजपूत था और सकुन शास्त्र का अद्वितीय जानकार होने के नाते बहुत प्रसिद्ध था । भाटी जैसा इसका भानजा था ।

लूणा (३४/५७)—यह देवराज चूंडावत का पुत्र और सेत्रावे का मालिक था ।

राव जोधा ने राणा री धरती उजाड़ी (३६/५८) — इसकी साक्षी का प्राचीन कवित्त इस प्रकार है :

जेय हुआ धरपाल, तेथ उडे राखोड़ा ।
 बैठा जित सारंग, तेथ बंधाता घोड़ा ।
 मांडीती मंडूसी, बचा तित घूँघू जाया ।
 धरंत नित चौपगगा, बेड तिरण बाघ बिवाया ।
 अजमेर अनै आबू बिचै, मारणस दीसै चाडिया ।
 कमधञ्ज राव कुंभे तरणा, जोधे देश उजाड़िया ॥

१. देखें, डॉ० टैंसेटरी का राजस्थानी ग्रंथ सर्वेक्षण, सं. डॉ. नारायणसिंह भाटी, पृ० ३० ।

चानण खिड़िया (३७/५६)—यह खिड़िया शाखा का चारण था । इसने रिड़मल का दाह-संस्कार करवा कर रिड़मल के पुत्रो पर उपकार किया था । इसकी साक्षी का एक दोहा उपलब्ध होता है—

चोवीसूं रिड़माल रा, धर खाटण वड़धूत ।

परतक पात पचांसवां, है तूं चर सपृत ॥

तिवरी के पुरोहित दामा को भेज कर राव जोधा ने इसे अपने पास बुलाया और मारवाड़ में जागीर दी । जोधा के वंशजों ने भी इसके बेटे पोतों को खूब गांव दिये, जिसका उल्लेख इस ग्रन्थ में आगे किया गया है । विशिष्ट ग्रवसरों पर इसके वंशज चानण खिड़िया की मोहर नेग के रूप में राठौड़ों से लेते रहे हैं ।

चिड़ियादूंक रै भाखर ऊपर गढ़ मंडायो (३८/६०)—संवत् १५१५ में जब जोधा ने जोधपुर का किला इस पहाड़ी पर बनवाया तब वहाँ चिड़ियानाथ नामक तपस्वी तपस्या कर रहा था । उसे जब वहाँ से हटने को कहा गया तो वह नाराज होकर वहाँ से उठ गया और उठते समय अपनी धूनी के अगारे भोली में डालकर वहाँ से चलता बना । लोगों ने उसे पहुँचा हुआ महात्मा जान कर वहीं रहने की विनती की परन्तु वह न माना और सालावास तक जाकर रुका । जनता ने वहीं पर उनकी धूनी लगवाई और राज्य की ओर से कुछ भूमि अर्पित की गई । चिड़ियानाथजी के भरणो के पास उनके चरणों की पूजा पालासणी के पीर अभी तक करते रहे हैं । चारण समाज में यह धारणा है कि गढ़ की स्थापना के अवसर पर करणीजी ने स्वयं पधार कर जोधा को आशीर्वाद दिया था । इसकी साक्षी का एक प्राचीन गीत भी मिलता है—

विमल वेह घरयां, सगत जंगळ धर विराज,

धान देसांण थी हथां थाया ।

उठं कवि भेजियो, राव करवा अरज,

जोधपुर पधारै जोगमाया ॥

कुछ ख्यातों में यह भी उल्लेख मिलता है कि गढ़ की नींव आदि का मुहूर्त हडभूजी ने बतलाने को कहा था और जोधा को कहा था कि वह अपने किसी पुत्र को सकुन पूछने के लिये प्रातःकाल उसके पास भेज दे ।

परन्तु किसी कारणवश जंसा को ही मुहूर्त पूछने के लिये भेज दिया । हड़भू ने उसे मुहूर्त बतला दिया और बाद में राव जोधा से कहा कि जंसा के मारफत यह मुहूर्त तुम्हारे पास पहुँचा है अतः तुम्हारे शासन में जंसा भाटियों का महत्वपूर्ण स्थान रहेगा ।

अखैराज रिणमलोत (३८/६२)—इसने चरड़ा को मार कर बगड़ी पर अधिकार किया । इसके दो पुत्र मेहराज और पंचायण हुए । प्रसिद्ध वीर कूपा मेहराज का पुत्र था और जंता पंचायण का । वारठ देवकरण (इन्दोकली) के अनुसार अखैराज रिणमल का पाटवी पुत्र था परन्तु जोधा योग्य होने के कारण अखैराज ने जोधपुर की गद्दी का दावा नहीं किया, और बगड़ी लेकर ही सतोप कर लिया । तब से जोधपुर की गद्दी पर बैठने वाले शासक का राजतिलक करने का अधिकार बगड़ी वालों को मिला ।

सातल-जोधवात (३९/६३)—इसने जोधपुर की गद्दी पर लगभग चार वर्ष राज्य किया । मुरारीदान की ख्यात के अनुसार उसके सात राणियाँ थीं । उसकी मृत्यु होने पर सातों ही सती हुई । उसकी राणी फूला भटियाणी ने फूलेळाव तालाब बनवाया । उसकी एक राणी हरखाबाई का राज्यघराने में अब भी पूजन होता है ।

सूजा जोधावत (३९/६३)—सातल की मृत्यु के पश्चात् सूजा गद्दी पर बैठा क्योंकि सातल के कोई पुत्र न था । सूजा का परिवार—

१. नरा सूजावत—यह सातल के गोद था । इसने सातलभैर का पोकरण में कोट करवाया इसके वंशज नरावत कहलाये ।

२. सेखा सूजावत ।

अखैराज सेखावत—सेखाजी के साथ सेवकी के युद्ध में काम आया ।

३. देईदास सूजावत—यह चौहानों का भानजा था । यह भी सेवकी के युद्ध में उपस्थित था । किन्तु सरदारों ने सेखाजी के काम आने पर उसे वहाँ से निकाला । मुरारीदान की ख्यात के अनुसार राणा विक्रमादित्य की सेवा में यह चित्तौड़ में लड़ता हुआ काम आया ।

४. कान्ह देईदासोत यह बागड़ में काम आया । अचलदास कान्होत—
इसको मोटा राजा ने बागड़ से बुलाकर रोहट का पट्टा दिया ।
५. बलभद्र अचलदासोत—संवत् १६६७ में रोहट की जागीर इससे
जब्त हुई ।
६. केशवदास अचलदासोत—इसे सं० १६६५ में पीपाड़ का गाँव जाल्हका
चार गाँवों सहित पट्टे में मिला । संवत् १६७७ में सिवाने का
गाँव मोतीसरा तीन गाँवों से मिला ।
७. वेणीदास अचलदासोत—बलभद्र के पास रहता था ।
८. मानसिंह देईदासोत—जब अकबर बादशाह ने चित्तौड़ पर आक्रमण
किया तब यह राणाजी की ओर से लड़कर काम आया ।
९. जैता मानसिंहोत—इसको परगने सोजत का गाँव नीबली ४ गाँवों से
पट्टे था । फिर पीपाड़ का गाँव लोहारी तीन गाँवों से पट्टे में रहा ।
१०. हरदास देईदासोत—यह खीचीवाड़े में रहता था । इसका पुत्र
रामसिंह मुगलों से लड़ कर काम आया था । रामसिंह का पुत्र
चाँदा खीचीवाड़े के गाँव रोछवा में रहता था ।
११. पृथ्वीराज हरराजोत—यह मानसिंह कछवाहा के विरुद्ध बादशाह
की फौज से लड़कर काम आया ।
१२. साँगा सूजावत—यह ऊदाजी का सहोदर भाई था । इसका
पुत्र तिलोकसी बड़ा वीर हुआ और पठानों के विरुद्ध लड़ कर
काम आया । इसका पोता सांवलदास मांडवा के युद्ध में
१६६२ में काम आया ।

नींबा जोधावत (३६/६३)—यह सोजत में रहता था तथा जैसा सिधल की
भानजी से व्याहा था । जैसा सिधल ने जब जनता को गाये ले जाने
का प्रयत्न किया तब नींबा बाहर चढा । गाँव डोभडी के पास उसने
सूजा को मारा । मुरारीदान की ख्यात में लिखा है कि वह शिकार
करते समय घोड़े से गिर कर मरा । सोजत के बाधेळाव तालाब में
उसकी छतरी स्मारक स्वरूप बनी हुई है । इसके कोई पुत्र नहीं था ।

जोधो गया गयो (३६/६३)—ख्यातों में लिखा है कि इस अवसर पर उसने
वहाँ के शासकों से गायों की चराई माफ करवाई और चारणों तथा
ब्राह्मणों को बहुत-सा दान दिया ।

भारमल जोधावत (३६/६३)—इसे वीरगो की जागीर दी गई थी। जोधाजी की मृत्यु होने पर गगाजी में उनकी अस्थियों का प्रवेश करने का संस्कार इसके हाथ से हुआ था। इसका पुत्र जयसिंघदे अयोग्य था। इसलिये उसका अत्रिकार वहाँ से छूट गया और राव गागा ने ऊहड़ो को वहाँ का पट्टा कर दिया। इसके वंशजों में बलू तेजसिंहोत, पृथ्वीराज बलूओत हरीदास बलूओत आदि प्रसिद्ध वीर हुए।

शिवराज जोधावत (३६/६३)—इसको दुनाड़ा गांव दिया गया था। इसके वंशजों में हमीर डूंगरसिंहोत, भाखरसी डूंगरसिंहोत आदि प्रसिद्ध योद्धा हुए। अचला शिवराजोत मालदे के समय में शेरशाह का मुकाबला करता हुआ जोधपुर गढ़ पर काम आया, उसकी छतरी वहाँ बनी हुई है।

जोगा जोधावत (३६/६३)—यह भारमल का सगा भाई था। इसके बारे में ख्यातों में ऐसा उल्लेख मिलता है कि जोधा के बाद कुछ लोगों का विचार जोगा को गद्दी पर बिठाने का था परन्तु गद्दी के मुहूर्त तक वह तैयार नहीं हुआ और बनठन कर आने में देर करने लगा। तब लोगों ने उसको अयोग्य समझ कर सातल को टीका दे दिया। यह खारिये ग्राम में रहता था। इसका पुत्र खंगार बड़ा दानी हुआ। वह नित्य प्रति चारणों को दान में घोड़ा देता था। जब घोड़े उसके पास न रहे तब वह बैल देने लगा। उसकी इस मजबूरी को किसी चारण ने बड़े मार्मिक ढंग से व्यक्त किया है—

घोडा दे थाको घण दानी।

खारिये खोपा दिये खगार ॥

कुंवर बाघो सूजावत (४१/६६)—मुरारोदान की ख्यात में इसे लक्ष्मी का पुत्र बताया गया है। यह कुंवरपदे में ही मर गया था। मृत्यु के समय इसने यह इच्छा प्रकट की थी कि मेरे पुत्र को राजगद्दी मिलनी चाहिये। इसी ख्यात के अनुसार बाघा के ७ पुत्र थे—गाँगा, सीधरा, भीव, वीरमदे, जैतसी, प्रतापसी और खेतसी। इनमें से गाँगा को राजगद्दी दी गई। इसके सात ही पुत्रियें थीं। इनमें से तीन राणा सागा को ब्याही गई थी। बाँकीदास की ख्यात से भी इसकी पुष्टि होती है।

इसकी एक पुत्री कछवाहा सूजा को ब्याही गई थी । जिसका पुत्र रायसल कछवाहा हुआ ।

मालदे जोधपुर गढ़ संवरायो (४२/७१)—देखें इसी भाग का परिशिष्ट ५६०-६२ ।

राव मालदे धरती लीची (४२/७१)—इस सम्बन्ध में प्राचीन पाँच कवित्त उल्लेखनीय है—

महि सोजत ली माल माल लियो मेडतो ।
माल लियो अजमेर सोम सांभर सहेतो ।
बांको गढ वदनोर माल लीची दल मेलै ।
राइमाल रायपुर लियो, भाद्राजण मेलै ।
नागौर निहेवे चढिन लै, खाद्द लीची जड़खणी ।
सव आण हुवौ गांगा तणी, धोग मालदे सेंघणी ॥२॥

लोड़ लियो लांडनू, डुरंग लीची डीउवाणी ।
नगर फतेपुर नाम, आप वसि कियो अपाणी ।
कमधज लई कोसली, रुक वळ लियो रेवासी ।
चांप लई चाटसू, सूक्यौ चीरमाण मेवासी ।
जड़लग पांग जोधपुर लीची, गह छोडे कुंभो गयो ।
मालदे लियो मदारपुर, लियो हुंक तोडी लियो ॥२॥

चित्रकोट चांपियो, पाली बणवीर लियोपुर ।
अनड़ डुरंग अणखलैं ठौ लीचा करि सिधर ।
लोहां बळ लोहगढ़, जेखल नाडुल जोजावर ।
रहल उदेसी रांग, नगर ले कीघा निजर ।
धुसली राई कुंभमेर धर हाथो माल जे वस हुवै ।
एक हुवौ छत्र बाघा हरी, भोग माल सहि भोगवै ॥२॥

जुड़ लीची जाळोर, पांग सांचोर पजाए ।
भीनमाल भंजियो, विरद मोटा बुलाए ।
बीकनेर विधूस लीध, पोहकरण फळीची ।
करी माल कोपियो, सोम समुद्रा सही सुधि ।

आंण फेर लगे उमर नयर, पारकर सर पधरै ।
मालदे देस मालों तणा, बस कीधा बाघा हरै ॥४॥

कमंघ लियौ कोटडो, काढ पह कोटड केरा ।
गा दुरंग गाहटें, मालदे बाहड़मेरा ।
छहटण होछरलाई, खुंद खांवड खुरताले ।
साज सौंध सामई, हाथ दिखाळ बंगाले ।

आंण फिर लगे उमर नयर, पारकर कर पधरै ।
माल देस मालां तणा, बस कीधा बाघाहरै ॥५॥

ऊमादे भटियाणी (४७/७४)—यह जैसलमेर के रावळ लूणकरण की पुत्री थी और राव मालदे को ब्याही गई थी । इसी राणी को एक रूपवती दासी भारमली पर मालदे मोहित हो गया था । उमादे को यह बात बरदास्त नहीं हुई और उसने ससुराल जाने से इनकार कर दिया । आसा बारट ने इनका मेल करवाने का प्रयत्न किया पर वह असफल रहा । कछवाई राणी लाछळदे का पुत्र राव राम इसके पाम रहता था । मालदे की मृत्यु होने पर यह केलवे ग्राम में सती हुई और राव राम से कहा कि मेरे सती होने का सस्कार पूर्ण करके यहां से विदा होना, तुम्हे जोधपुर का अधिकार मिलेगा । परन्तु राव राम बीच में ही भागकर जोधपुर चला आया, जिससे गद्दी का अधिकारी नहीं बना । बारट आसा ने इसके सतीत्व की प्रशंसा में बड़े सुन्दर कवित्त कहे हैं । यह राणी इतिहास में रूठी राणी के नाम से प्रसिद्ध है ।

बारट आसो (५३/८३)—यह प्रसिद्ध कवि ईसरदास का चाचा था । इसकी स्फुट डिंगल रचनाएँ उपलब्ध होती हैं, जिनमें बाघा भारमली के दोहे बहुत प्रसिद्ध हैं । कहते हैं कि बाद में बाघा से उसकी बड़ी मित्रता हो गई थी । इसलिये मालदे का आश्रय उसे छोड़ देना पड़ा था । राव मालदे की प्रशंसा में उसके लिखे कवित्त अवलोकनीय हैं ।

कवण किसन पति सबळ काळ पति कवण अंग जित ।
प्रियो पति कुण वांगपत, सुरपति कवण सतेजसी ।
कवण नाथ पति जति कवण, केसव पति दाता ।
सीतापति कुण सति कवण, लखमण अति भ्राता ।

सबल को अवर सुभे नहीं जांचि गंजै पसयल जण ।

हिन्दुआं मांहि औ हिंदवी, मालपति मोटी कवण ॥१॥

माल काळ मछराळ माल जमजाळ विभे मन ।

माल जाण महिराण सेन जळि माल सपूरण ।

सबळ माल अरिसाल माल भंजण मेवासा ।

गज थाटां गाहणौ गिलण गढ कोटां ग्रासा ।

सुरतांण रांण संकोडिया, सभि लीधा देसहि सहि ।

मालदे सीस छत्र मंडिथौ, माल हुवौ मंडलीक महि ॥२॥

रावल मेघराज (५४/८६)—यह महेवा के स्वामी मलोनाथ के वंशज हापा का पुत्र था। इसे संवत् १६४० में मोटा राजा उदयसिंह ने महेवा का अधिकार प्रदान किया। यह गुजरात की चढ़ाई में मोटा राजा के साथ गया था। इसके उपलक्ष में जोधपुर के उल्लिखित गाँव मोटा राजा ने और दिये थे। मुरारोदानजी की ख्यात में दुन्दाड़े का भलड़ों का वाड़ा नामक ग्राम भी इस अवसर पर देने का उल्लेख है। यह वीरमदे कलावत को महेवा सौंप कर मथुराजो चला गया था। वहीं संवत् १६४७ में उसका स्वर्गवास हुआ।

राव मालदे की राणियों (५५/८८)—मुरारोदान की ख्यात में मालदे की २४ राणियों के अतिरिक्त आठ पडदायत आठ वेश्याएँ तेरह गायिकायें भी थीं। मालदे का स्वर्गवास होने पर इनमें से अनेक उसके साथ सती हुईं।

शेरशाह पातशाह से युद्ध (५६/८८)—इसका विस्तृत वृत्तांत भाग दो में मेड़ना के इतिहास में देखो।

अखो सोनगरो (५६/८८)—अखैराज सोनीगरा अपने समय का जबरदस्त वीर हुआ। यह पालो का स्वामी था। इसने अनेक युद्धों में भाग लिया था। इसका लड़का मानसिंघ सोनीगरा भी राणा की ओर से लड़ता हुआ हल्दोघाटी के युद्ध में काम आया था। अखैराज के सम्बन्ध में यह किंवदन्ती प्रसिद्ध है कि इसकी दोनों पत्नियों में से उसके पीछे कोई सती नहीं हुई थी। कोई छः महीने बाद उनके गाँव में एक कवि पहुँचा, और बातों ही बातों में उसने एक दोहा सुना दिया—

जैतो तो कूंपे रं जीमै, पाळ है गोत पखो ।
सायधरण बिन दोरौ, सोनीगरौ हाथे रोटी करै अखो ॥

अखा को स्त्रियो के कानों मे इस दोहे की भनक पड़ गई और उसी समय उन्हे सत चढ़ आया । विधिवत ढग से तैयार होकर वे सती हुई । जोधपुर राजघराने की ओर से विशेष धरेलू अवसरों पर इनकी छतरियों पर पूजन सामग्री भेजी जाती थी^१ ।

तिलोकसो वरजांगोत आदि (५८/८८) —यह शेरशाह के हमले के समय जोधपुर का किलेदार था । रक्षा का कोई उपाय न जानकर इसने दुर्ग के द्वार खोल दिये और अपने कुछ साथियो सहित वीरगति को प्राप्त हुआ ।

उल्लिखित इन प्रसिद्ध वीरो के अतिरिक्त मुरारोदान की ख्यात में भाटी जयमल रूपसीहोत के काम आने का विशेष उल्लेख किया गया है । इसने जोधपुर के किले की रक्षार्थ प्राण देने का दृढ निश्चय कर रखा था । इसीलिये गढ़ पर पहले से ही छनरी बनवा रखी थी । इसके वीरतापूर्ण उत्सर्ग पर किसी कवि ने मार्मिक गीत कहा है—

जसवास जर जुग चार न जावै, दूदं जिम जेसाण दुभाल ।
जाइव नग हेम सुं जडाणौ, जोधनयर माथे जयमाल ॥१॥
नरबदहरौ बिया निकळतां, कोट राख गळहार किर ।
जग में भले कहाणो जयमल, सहित कनक जोधाण सिर ॥२॥
रूपसीह रौ छांड राठोडां, मछर दाख जयमाल मुवौ
भुरजां कमषां रं राव भाटी, हिरण कठीर जड़ाव हुवौ ॥३॥

ऊगो वरसिगरौ (६३/६३) —ऊगा व हापा महेवा से मालदे की सहायता के लिये आये थे । हापा के पास ८०० सैनिक थे । ये दोनों सगे भाई थे । ऊगा अपने समय का बड़ा प्रसिद्ध वीर था । मुरारोदान की ख्यात में उसका विरुद्ध 'कोरत पाल' लिखा है । हापा इस युद्ध में बुरी तरह घायल हुआ था । यहाँ दी गई सूची के अतिरिक्त उक्त ख्यात में भाटी तेजसी चणवीरोत का नाम भी है । इस युद्ध मे बहुत-सा खजाना भी राव मालदे के हाथ लगा ।

१. देखें, मारवाड़ रा परगनां री विगत, भाग दो, परिशिष्ट, पृष्ठ ४५१ ।

राव चन्द्रसेण गढ छोडियो (६६/१०३)—ख्यातों में लिखा है कि चन्द्रसेण जब गढ से उतरने लगा तब साही सेनापति हसनकुली को माँ ने उसे देखकर बड़ा स्नेह व्यक्त किया और उसे पुत्रवत् जान कर हसनकुली से कहा कि राव को सामान आदि लेजाने के लिये इसका यथोचित प्रबन्ध करो ।

विशेष—ख्यातों के वृत्तान्त से प्रता लगता है कि राव चन्द्रसेण जीवन भर इधर-उधर भटकता रहा और युद्ध करता रहा । परन्तु उसने अकबर की अधीनता स्वीकार नहीं की । यदि चन्द्रसेण के सहयोगी कुछ विशेष वीर निरन्तर सहयोग देते तो उसे अपने उद्देश्य में शायद कुछ सफलता भी मिलती । इस दृष्टि से निम्नलिखित गीत पठनीय है—

ग्रह न सके ग्रहै उग्रहै ग्रहिया, दावै चन्द दुडुंद दुवै ।
 सेखड़ा साम सनाह सरोखौ हेक कनै जो भौंच हुवै ॥१॥
 अघड़ गिले किम सुजण आपणा, कहै हिरणपत सोम कया ।
 एकाथ पह जिसो उदावत, हेक हुवे जो खडग हथ ॥२॥
 राह गिले किम कहै सोम रत्रि, मुड़ं असुर ग्रह तेम मुड़ं ।
 सुमट रियां रिणमाल सरोखो, जवण हार जो इसो जुड़ं ॥३॥
 ससिहर कहै संपेखो सूरज, अघड़ करै इम ग्रहण अनैक ।
 सूर कलह गुब सिखर सारिखो, आयां विहुं न मिलियो एक ॥४॥

कलाणदास रायमलोत (७५/१२०)—यह उन प्रसिद्ध शासकों में से हुआ है जिसके नाम के पीछे उसकी राजधानी भी गौरवान्वित हुई है । इसीलिये सिवाणा कला रायमलोत वाला कहा जाता है । सिवाने के वृत्तान्त में इस युद्ध का कुछ विस्तृत वृत्तान्त दिया गया है । प्रसिद्ध कवि राठौड़ पृथ्वीराज ने इसके वीरतापूर्ण युद्ध, अकबर के सामने न झुकने की प्रवृत्ति और प्राणोत्सर्ग से प्रेरित होकर बड़ी सुन्दर काव्य-रचना की है ।^१

भाटी गोयन्ददास मानावत (७७/१२५)—यह जैसा के वंशजों में मारवाड़ का प्रसिद्ध सामन्त हुआ । इसका पूर्वज नीम्वा जैता कूपा के साथ समेल के युद्ध में काम आया था । बाँकीदास की ख्यात में लिखा है कि गोयन्ददास सूरसिंह के कंवरपदे से ही प्रधान था । लवेरा ग्राम इसकी जागीर

१. अधिक जानकारी के लिये देखें मारवाड़ रा परगनां री विगत, भाग (२) का परिशिष्ट, पृष्ठ ४४०-४४३ ।

में था। फिर सूरसिंघ ने आसोप भी इसके पट्टे में दे दिया था। इसके ५ पुत्र थे जिन्होंने समय-समय पर राज्य की बड़ी सेवाएँ की और उन्हें स्वतन्त्र जागीर मिली। यह लम्बे समय तक सूरसिंघ का प्रधान रहा, और अनेक युद्धों में भाग लिया, जिसका उल्लेख इस ग्रन्थ में आगे किया गया है। गोयन्ददास की सबसे बड़ी देन जोधपुर राज्य के प्रबन्ध सम्बन्धी नियम बनाकर उन्हें क्रियान्वित करना है। इसने शाही ढंग के प्रशासन के आधार पर ३६ कारखाने (विभाग) कायम किये और परगनों में हाकिम, कारकून पोतदार, वगैरह अधिकारों रखने की व्यवस्था की व उनकी कार्य-प्रणाली निश्चित की। सरदारों व मुत्सद्दियों के परिवार के किले में आने जाने के भी नियम बनाये। इसने चार डावी और चार जोवणी मिसले भी बाँधी। जिवणी मिसल के सिरे पर आउवा के चाँगवतों को रखा और डावी मिसल के सिरे पर मेडतियों को। उनका कुरव आदि भी इमने निश्चित किया। दीवान और व्यास डावी मिसल में रखे गये और बक्सी तथा पुरोहित जीवणी मिसल में। इन नियमों में समय के अनुसार हेर-फेर भी होते रहे हैं। गोयन्ददास के वर्चस्व पर एक प्राचीन दोहा इस प्रकार है—

गोयन्ददास गरजियो सूर हवे वारै ।

ऊथापँ सो ऊथपँ मेवासा मारै ॥

यह अजमेर में किशनसिंह के हाथ से मारा गया था जिसका व्रतार्त आगे दिया गया है।

बारठ अखो भांणरो (७८/१२७)—यह डिंगल का प्रसिद्ध कवि था। इसका पालन-पोषण राज घराने की ओर से ही हुआ था और वह प्रायः राज-दरबार में ही रहता था। इसीलिये इस अवसर पर चारणों को समझाने के लिये उदयसिंह ने इसे भेजा था। परन्तु इसने परस्थिति को देखकर घरणों में शामिल होना ही उचित समझा। उसके इस आचरण से राजा उदयसिंह और अधिक नाराज हुआ।

चन्द्रसेण लोहावट वेढ जीती (८३/१३३)—मुरारीदान की ख्यात में लिखा है कि बिजय प्राप्त कर लेने पर चन्द्रसेण ने उदयसिंह का पीछा करना चाहा था परन्तु उसके सहयोगी सरदारों के कहने सुनने से उसने यह विचार त्याग दिया।

घोड़ों री दांण पगां उपाव हुआ (८४/१३४)—नैणसी ने अपने वृत्तान्त मे इस विवाद को प्रकट करते हुए यह नहीं बताया है कि वास्तव में घोड़ो की कतार पर दाण लेने का अधिकार फलोदी वालो का था या वीकुपुर वालों का । एक अन्य प्राचीन पोथी में ऐसा सकेत मिलता है कि वास्तव में दाण का अधिकार फलोदी वालों का ही था ।

आसकरण देवीदासोत (९०/१४५)—यह अपने समय का बहुत बड़ा प्रशासक व वीर हुआ । संवत १६४२ मे अकबर जब लाहौर से काबुल गया तो सूरसिंह के साथ यह भी शामिल था ।

सबलसिंह सूरजसिंघोत (९५/१४९)—राजा सूरसिंघ के दो ही पुत्र गजसिंघ और सबलसिंघ सूरसिंघ की मृत्यु के समय जीवित थे । इसको फलोदी व पट्टा दिया गया था । बाद मे इसको मोडासा का भी पट्टा दिया गया । यह अच्छा शासक हुआ और बादशाह की ओर से इसको राजा का खिताब मिला हुआ था । इसके सात राणिय थी । इसकी मृत्यु अहमदाबाद में हुई, जहां यह बादशाह की ओर से नियुक्त था ।

सगतसिंघ उदयसिंघोत (९५/१५४)—सगतसिंघ को राजाजी ने हून गांव का पट्टा दिया था । इसके अतिरिक्त प्रमुख चाकरों में धाय भाई गहलोत मोटा, मुहणोत, व्यास, गोयन्द, भडारी, कला भींवोत, ६ खवास-बीस दासियें, घोड़े पचास, घोडये दस, रोकड़ रुपये एक हजार एक १००१) दिये थे । फिर जब इसे शाही दरबार में प्रस्तुत किया गया तो इसे पंच सदी मनसबदारो मे रखा गया और नैणवाय तथा खेजड़ली यह दो गांव भी दिये । इसने आगरा में हाथियों की लडाई मे बड़ा वीरतापूर्ण चमत्कार बताया था, जिससे बादशाह ने खुश होकर इसका सम्मान बढ़ाया और फूलिया तथा केकड़ी का पट्टा दिया और सोजत की जागीर भी दी । इस अवसर पर उसे रावई का खिताब दिया गया । एक वर्ष बाद जब सोजत पुनः सूरसिंघजी को देदी गई तो सोजत में रावजी के प्रबन्धक रोठौड माण जैतमालोत ने सोजत का अधिकार सौपा ही नही और जबरदस्ती करता रहा । फिर बाद में सोजत की एवज में जैतारण मिला । इसने पंवार भूपत को हराया था जिसकी साक्षी का यह दोहा है—

गढ गिरवर गंजैह, पडै हवाई पांच सौ ।

ग्यौ भूपत भाजैह, सगता आगळ सांग रौ ॥

सागतसिंह के सात पुत्र थे—करण, हरीसिंह, प्रतापसिंह, मानसिंह, कानजी, देईदास और गिरधरदास । इन में करण डेढ हजारी शाही मनसबदार हुआ । गांव खरवा इसके पट्टे में था । अन्य भाई और उनके वंशज छोटे बड़े मनसबदार हुए ।

अमर चम्पू ने राजाजी वेढ दी (१६/१५६)—बादशाह ने जब सूरसिंह को अमर चम्पू पर चढाई हेतु विदा किया तब उसने हरावल में रहकर रायसल दरबारी के पुत्र गिरधरदास और खानखाना के पुत्र ईरिज आदि साथियों सहित जबरदस्त युद्ध किया और विजय प्राप्त की । अमरचम्पू का लाल निशान सूरसिंह ने छीन लिया । इस पर बादशाह बडा प्रसन्न हुआ और सूरसिंह को पुरस्कृत किया । मारवाड़ के भडे में लाल रंग को तब से स्थान दिया गया ।

जोशी चंडू, दामोदर (१८/१५६)—मूंदियाड़ की ख्यात मे लिखा है कि जब मालदे-पूंगल के भाटियों के यहाँ विवाह करने गया तब भाटियों ने अपना पुराना बैर लेने के लिये राव को मार डालने का षडयंत्र रचा । मालदे की नव-विवाहिता भटियाणी राणी को इसका पता लग गया । तब उसने अपने राजगुरु पुष्करणा पुरोहित राघव से विनती की कि वह किसी तरह मालदे को इस खतरे की सूचना देकर उपकृत करे । राघव ने ऐसा ही किया और एक बड़ा अनिष्ट होते-होते बच गया । राणी ने राघव की भावी सुरक्षा को ध्यान में रखकर उसे अपने माता-पिता से दहेज में मांग लिया और अपने साथ जोधपुर ले आई । राघव के दो पुत्र चंडू और दामोदर थे । ये दोनों ही ज्योतिष-विद्या के प्रकाण्ड पण्डित हुए । ये और इनके वंशज जोधपुर राज्य के जोशी वेदिया रहे और राजकीय पंचांग (चण्डू पंचांग) का निर्माण इन्हीं के द्वारा होता रहा है ।^१

राणी सौभागदे (१६/१७६)—यह शेखावत दुरजनसाल की पुत्री थी । इसका

१. मूंदियाड़ की ख्यात, प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर, पृष्ठ सं० ७२-७३ ।

विवाह १६४४ में हुआ था। इसके पुत्र गर्जसिंह का जन्म १६५२ में लाहौर में हुआ। संवत् १६६६ में बुरहानपुर में इसकी मृत्यु हुई। इसे महाराजा सूरसिंघ ने संवत् १६५२ की माहसुद ५ को राणीपदा दिया। दस्तूर की विगत—

पटो १ भावी, गागांणी १, देवातडो १, वासणी १, वामसणी १, वीलावस १, बोडुंरो १, थवूकड़ो १, चोखां १, औ पटो पावतां गाँव ६ रो।

२०२६) रुपीया मांणसां रै कणोता रा पावता, इतरी मोहरां पावै तिण री विगत—

- | | |
|-------------------------|---------------------------|
| १)) लूण उतारण री | १)) गैणा रा कोठार वाळा री |
| १)) रतनजी पोसाल वाला | १)) पोळियो पावै |
| ६)) पीरोयतजी पावै | १)) माळी पावै |
| १)) वेदीयो पावै | १)) फरासां नु |
| १)) गांछ्या नुं | ११)) सांणी नुं |
| १)) वारीया नुं | १)) कंदोई नुं |
| ११)) हाथी रा. मावत नुं। | ११)) कहार सुखपाळ रा नुं। |

बड़ा उमरावां री बहुवां ने भारी वागा ने मोर १)) अतलस १ परकाळो २ नाळेर दीजै।

उणांसु छोटा उमरावां री बहुवां ने वागो ५) रोकड़ नै मीसर १ परकाळो १ नाळेर १।

उणांसु छोटा उमरावां री बहुवां ने वागो २) रोकड़, मीसर १।

सासुवां नणदां नै पगै लागणी देवै तिण री विगत १)) मोर परकाळो लाल अतलस रो जणी दीठ राणीजी देवै।

सासवां, बायां, खवासां, पातरियां, पहैरावणी करै तरै वागा सासुवां नुं नणद नुं वेटियां नुं तथा कडूवै सुखमैल हुवै तठे मैलै।

घाय बडारण नु सांपट वागा देवै।

मोटा कामदारां नु दुसाला थीरमा मीसर दिरीजै नै बीजा सगळा मुसही

खवास पासवान नै साड़ी दीजै, पोल नुं सांपट औछाडीजै, पोळीया नुं साड़ी, पाग दीरीजै, ढोल दमाम दरआई सु औछाडीजै, इतरी मोर परत ७)) लेखै माया री दीवी ।

६००) श्रीजी दिराया रांगीजी नुं ।

७) पारचा जवान सांवा ।

७) जोसो पोकरणा सीरीमाळी समसतां नुं ।

७) वेदैग राय नै तिलक रा ।

७) पटवां नुं ७) सुथार नुं ।^१

सुरतांग मानावत (६६/१६०-६१)—यह भाटी गोयंददास का भाई था । महाराजा सूरसिंह की दक्षिण की चढ़ाई में यह भी साथ था । वहाँ से इसने मारवाड़ में आकर मुहता केसा को मार डाला । इस कसूर के बदले गोयंददास ने उसे देश से निकाल दिया । सुरतांग राणा सगर के पास जाकर उसका चाकर हुआ । गोपाळदास राठौड़ आदि ने वाद में इस पर चढ़ाई करके इसे मार डाला । इसके बदले में गोयंददास और कुंवर गजसिंह ने गोपाळदास को भी मार डाला । गोपाळदास किसनसिंह उदयसिंहोत का भतीज होता था । इसलिये वह अपने भतीजे का बँर लेने का मौका देखता रहता था । अजमेर में जब उसे यह अवसर मिला तो उसने गोयंददास को मार डाला, और स्वयं भी अनेक आदमियों सहित मारा गया । मारवाड़ की ख्यात में इस विषय में लिखा है कि उस समय वादशाह भी अजमेर में था इसलिये किसनसिंह आदि ने जाकर अर्ज की कि गोयंददास ने गोपाळदास को मार डालने का अपराध किया है । इस पर वादशाह ने कहा कि तुम इसे मार डालो । किन्तु ओझाजी ने जहाँगीरनामा में से इस संदर्भ का उल्लेख करते हुए मारवाड़ की ख्यात के कथन को ठीक नहीं माना है ।^२

राजसिंह खीमावत (१००/१६१)—राजसिंह खीमावत आसोप का स्वामी था ।

इसका जन्म संवत् १६४३ में हुआ । महाराजा सूरसिंह ने इसके बड़े भाई

१. रीत किरियावर री वंही जोधपुर री, पृष्ठ सं० ६६ ।

२ जोधपुर राज्य का इतिहास, प्रथम भाग, पृष्ठ ३८१ ।

कानसिंह से जागीर जब्त कर इसे अधिकार दिया । इसने महाराजा के प्रधान भाटो गोयंददास की देखरेख में रियासत की जानकारी प्राप्त की । महाराजा ने इसकी सेवाओं से खुश होकर मेड़ते का गाँव ईडवा इसे जागीर में दे दिया । महाराजकुमार गजसिंह ने जब जालोर पर चढाई की तब यह भी साथ था । इसको आसोप का अधिकार सन् १६७६ में मिला था । खुर्रम के साथ होने वाले युद्ध में यह भी गजसिंह के साथ हरावल में था । इस युद्ध में अच्छी वीरता दिखाने के कारण रडोद इसे जागीर में मिला । इस प्रकार अनेक युद्धों में भाग लेकर उसने राज्य में महत्वपूर्ण स्थान बना लिया था । महाराजा जसवन्तसिंह जब गद्दी पर बैठे तब उनकी आयु लगभग १२ वर्ष की थी । अतः बादशाह की आज्ञानुसार राजसिंघ कूपावत प्रधान के तौर पर मारवाड़ का कार्य देखने लगा और उसे शाही मनसब मिला । यह बड़ा स्वामीभक्त सेवक था । ख्यातों में लिखा है कि एक बार महाराजा जसवन्तसिंह जब रात को शहर में गश्त लगा रहे थे तो तापी वावडी में प्रवेश करने के कारण एक प्रेत उनके शरीर में प्रवेश कर गया और वे मूर्च्छित हो गये । जब अनेक मन्त्र तन्त्रादि का उपचार करने पर भी वे स्वस्थ न हुए तब वह प्रेत स्वयं बोला कि महाराजा के समान अधिकार वाला व्यक्ति ही अपनी जान देने को तैयार हो तो मैं इस शरीर से निकल सकता हूँ । तदनुसार एक जल का पात्र लाया गया और महाराजा के सर पर वार कर राजसिंह को दिया गया, क्योंकि वही महाराजा के समान अधिकार प्राप्त व्यक्ति था । कहते हैं कि पात्र का जल पीकर हवेली पर आते ही उनका प्राणान्त हो गया, और महाराजा जसवन्तसिंह स्वस्थ हो गये । राजसिंह का प्राणोत्सर्ग एक दोहे में इस प्रकार व्यजित हुआ है :—

भल जसवन्त वचावियो, भड़ निज तन कर भग ।

डुनियां सारी दाखवे, राजड़ तोने रंग ॥१॥

आसोप की हवेली में राजसिंह के महल में अब भी पूजा होती है । इसने आसोप में अनेक भवन-निर्माण आदि कार्य करवाये । इसके आठ ठकुरानियों से ६ पुत्र और २ लड़कियां पैदा हुई थीं ।

कुंवर गजसिंह जालोर फते की (१०२/१६६)—कुंवर गजसिंह के कुंवरपदे में किये गये सैनिक अभियानों में यह सब से महत्वपूर्ण है। गजसिंह की इस विजय के विषय में एक प्राचीन दोहा उल्लेखनीय है—

बारे वरसां अल्लाउदी, खप खूटो पतसाह ।

चढिया घोड़ां सोहनगढ़, थें लीधो गजसाह ॥१॥

भाटी गापाळशास आसावत (१०५/१७०)—यह पहले बादशाही चाकर था परन्तु १६७१ में मारवाड़ के शासक की ओर से गाँव दूधोड़ कई गावों सहित इसे मिला। यह १६७७ में जालोर का हाकिम नियुक्त किया गया था^१, खेजड़ा ग्राम इसको बादशाह के आदेश के अनुसार सूरसिंह ने दिया, क्योंकि इसने खीमकरण मांडणोत तथा चोंपावत महेशदास आदि के साथ बादशाही खजाना लूटनेवाली मेवाड़ की सेना को भाटी गोयंददास की अध्यक्षता में पराजित किया था।

सीसोदिया भीम अमरावत (१०६/१७१)—यह राणा अमरसिंह का पुत्र था। खुरम ने सवत् १६७६ में इसे जालोर का परगना दिया था। और बाद में इसे मेड़ता भी दिया गया था। खुरम जब बादशाह के विरुद्ध बागी हुआ तब टूस नदी पर यह खुरम की ओर से सवत् १६८१ में राजा गजसिंह के हाथ से मारा गया। यद्यपि यहां गजसिंह का हरावल में नियुक्त होना लिखा गया है परन्तु ख्याती में यह प्रकट किया गया है कि इस युद्ध में गजसिंह को हरावल में न रखकर जयपुर के मिर्जा राजा जयसिंह को हरावल में रखा गया था। इस कारण से गजसिंह रुष्ट होकर अपने पाँच हजार सैनिकों सहित एक तरफ खड़ा रहा। पर जब परवेज हारने लगा और भीम सीसोदिया ने अपनी विजय के गुमान में इसे ललकारा तब यह अपनी सेना सहित खुरम की फौज पर पिल पड़ा। भीम सीसोदिया ने इस युद्ध में अद्भुत पराक्रम बताया पर वह गजसिंह के हाथ से मारा गया। 'गज गुण रूपक' नामक ग्रन्थ में इन दोनों की वीरता का अच्छा वर्णन किया गया है। भीम की प्रशंसा में प्राचीन

१ बांकीदास ने इसके पुत्र दयालदास को भी जालोर का हाकिम नियुक्त करना लिखा है, बांकीदास की ख्यात पृ० १७७।

डिगल गीत भी उपलब्ध होते हैं।^१ गजसिंह के चाँदावत राठौड़ रामदास, राठौड़ किसनसिंह खीमावत, राठौड़ नारायणदास कलावत, राठौड़ माधोदास रतनसिंहोत आदि प्रमुख योद्धा काम आये।

मनभावती बाई (१०८/१७४)—यह कछवाही राणी सोभागदे की पुत्री और गजसिंह की सगी बहिन थी। इसका जन्म संवत् १६५५ में हुआ था।

कछवाही राणी सूरजदे (१११/१८२)—यह आमेर के राजा भावसिंह की पुत्री थी। इसका विवाह मिर्जा राजा जयसिंह ने किया था। यह आगरे में महाराजा गजसिंह के साथ सती हुई थी। इसके एक पुत्री हुई थी जो अल्प अवस्था में मर गई थी।

राठौड़ किसनसिंह खीमावत (११३/१८२)—यह आसोप के ठाकुर खीमकरण का तीसरा पुत्र था। नाहड़सर व वड़लू इसकी जागीर में थे।

राणी प्रतापदे (१२३/१९९)—इसका पीहर का नाम रुकमावती बाई था। इसके नाना केसवदास ने महाराजा से इसका विवाह किया। संवत् १६९० जेठ सुदी १३ को लाहोर में इसका देहान्त हुआ। महाराजा ने संवत् १६७९ में इसको राणीपदा दिया था।

महेशदास सूरजमलोत (१२५/२०३)—महाराजा के प्रधान राजसिंह खीमावत की मृत्यु के पश्चात् संवत् १६९७ में महेशदास को प्रधान बनाया गया।

रतन महेशदासोत (१२९/२०८)—यह बादशाह शाहजहाँ के प्रसिद्ध मनसबदारों में था। मालवा में रतलाम का राज्य इसी ने स्थापित किया था। बादशाह शाहजहाँ के पुत्रों के बीच गद्दी के लिए जो युद्ध हुआ, उसमें बादशाह की फौज में जसवन्तसिंह के अधीनस्थ शामिल होने वाले मनसबदारों में यह भी था। जसवन्तसिंह के युद्ध-भूमि त्यागने पर यह बड़ी वीरता के साथ लड़ता हुआ काम आया था। इस पर 'राठौड़ श्री रतनसिंह री वचनिका' और 'रतनरासो' नामक डिगल के प्रसिद्ध ग्रन्थ लिखे गये हैं।

१ एक गीत की दो पंक्तियाँ यहाँ उल्लेखनीय हैं—
खादी भीम अठारै खोयण,
सो भीमो खादो गजसिंह।

मिया फरासत (१२६/२०८) — यह महाराजा जसवन्तसिंह का बड़ा विश्वासपात्र अधिकारी था। कई परगनों की हाकमी करने के अतिरिक्त यह मारवाड़ का दीवान और मुसाहिब भी रह चुका था। जोधपुर की रीत किरिया-वर की बही से पता लगता है कि विशिष्ट घरेलू अवसरों पर जो दस्तूर बड़े से बड़े उमरावों का होता था वह इसे भी दिया जाता था।^१ यह महाराजकुमार का अभिभावक रहा।

पातसाही बहोर लूटो (१३५/२१३) — इतिहाम-ग्रन्थों में लिखा है कि यह बड़ी विचित्र घटना थी। इस अवसर पर औरंगजेब की फौज का मनोबल एकदम गिर गया था। परन्तु औरंगजेब ने धैर्य नहीं खोया और वह खुदा को याद करता रहा। बांकीदास की ख्यात में लिखा है कि इस अवसर पर २१ वाहन भरकर जसवन्तसिंह हुरम की लूट का सामान अपने साथ मारवाड़ ले गया था।^२

राठौड़ नाहरखां (१३६/२१५) — यह आमोप का मालिक और राजसिंह का पुत्र था। नाहरखा इसका नाम कैसे पड़ा इसका बड़ा दिलचस्प किस्सा ख्यातों में वर्णित है। बादशाह से किसी ने इमको शारीरिक शक्ति की बड़ी प्रशंसा की तब उसने महाराजा से कहा कि आपके शेर की मेरे शेर से कुश्ती होनी चाहिए। भरे दरबार में इसने शेर से कुश्ती की और उसे चीर कर रख दिया। बादशाह ने प्रसन्न होकर नाहरखां की उपाधि से इसे सम्मानित किया। वैसे इसका मूल नाम मुकन्ददास था और संवत् १६६८ में इसका जन्म हुआ था। यह महाराजा जसवन्तसिंह के प्रमुख सरदारों में से था। महाराजा ने जब कन्धार पर चढ़ाई की तब यह भी साथ था। राडघड़ा में महेचों के उपद्रव को दबाने के लिये मुहणोत जयमल के साथ यह भी चढ़कर गया था। सबलसिंह को जब जैसलमेर का अधिकार प्राप्त हुआ तब उसे जैसलमेर पर कब्जा दिलाने के लिये जो सेना गई, उसमें यह भी प्रमुख सेनाधिकारी था। उज्जैन के प्रसिद्ध युद्ध में यह वीरता से लड़ता हुआ घायल हुआ। इसने महाराजा की खूब सेवा की। इसकी मृत्यु विक्रमी संवत् १७१५ में हुई। आमोप में इसके स्मारक स्वरूप विशाल छत्री बनी हुई है।

१. मारवाड़ रा परगना री विगत (भाग २) परिशिष्ट ३, पृष्ठ ४५१।

२. बांकीदास री ख्यात, पृष्ठ ३२।

श्रीजो परणोजण नुं सिरोही पधारिया (१३८/२१६)—सिरोही में राव अखेराज की पुत्री अतिसुखदे देवड़ी से महाराजा की शादी हुई थी। जसवन्तसिंह की व्यस्तता के कारण से इस राणी को जोधपुर न ला सके। सिरोही के गाँव कालन्द्री में जब बालक अजीतसिंह मुकन्ददास खीची की देख-रेख में जग्गू पुरोहित के घर पाला-पोसा जा रहा था तब अप्रत्यक्ष रूप में इस राणी का संरक्षण उन्हें प्राप्त था, मूँदियाड़ की ख्यात में लिखा है कि जब अजीतसिंह ने जोधपुर पर अधिकार किया तब उन्होंने इस राणी को जोधपुर बुलाया। यहाँ सूरसागर में उसने सोने चाँदी का तुला-दान किया व ब्रह्म भोज दिया तथा दान-पुण्य किया। सूरसागर के बाग में स्थित कीर्तिस्तम्भ में यह वर्णन अंकित किया गया है।^१

देवी सांगवियां (१४०/२२३)—यह भाटियों को कुलदेवी मानी जाती है। किशोरसिंहजी वारठ के अनुसार काठियावाड़ के बल्लभीपुर (बला) नगर मे सांउवा शाखा के चारण मम्मट के घर इनका जन्म हुआ था। यह अपनी पाँच छोटी बहिनों सहित अपने पिता के साथ सिंध में आकर रहने लगी। वहाँ के शासक उमर सूमरा ने उनके साथ विवाह करने की इच्छा प्रकट की, जिम पर आवड़ ने अपने आपको महा शक्ति का स्वरूप घोषित कर उस राजा को कहलवाया कि अब तेरा अन्त निश्चय है। इसके पश्चात ये लोग जैसलमेर राज्य के अन्तर्गत तेमड़ा पर्वत की गुफा में आकर रहे। और उसने अपनी सांग (शस्त्र विशेष) के चमत्कार से उमर सूमरा का विध्वंश किया तथा सम्मा यादवों के राज्य की वहाँ स्थापना करवाई। सांग धारण करने के कारण ही इनका नाम सांगियां पड़ा।

कहते है कि सतलज नदी की एक शाखा उस समय सिंध में होकर बहती थी, जिससे वह प्रान्त बहुत-हरा भरा था। उमर सूमरा पर क्रुद्ध होने के कारण इस देवी के चमत्कार से उस नदी के पानी का हल बदल गया और वह मुल्तान की ओर बहने लगा। तभी से यह कहावत प्रचलित हुई कि 'वह पानी मुलतान गया'। जैसलमेर इलाके

१. मूँदियाड़ की ख्यात, पृ० १३६।

के तेणोट-स्थान के संस्थापक राव तरणु ने इस देवी की बड़ी भक्ति की और एक मन्दिर बनवाया । राव तरणु के पुत्र विजयराज की भक्ति से प्रसन्न होकर देवी ने अपने हाथ की सोने की चूड़ (चूड़ी) विजयराज को दी और उसे वरदान दिया कि अपने दाहिने हाथ में यह चूड़ पहन कर लड़ेगा वहाँ तेरी विजय होगी । इसीलिये विजयराज चूड़ाला कहलाया और उसने भटिंडा पर विजय प्राप्त की ।^१

कुंवरजी गौड़ों के परणीया (१५०/२३३)—कुंवर पृथ्वीसिंह का विवाह गौड़ों के यहाँ संवत् १७२२ को हुआ । संवत् १७२३ में दिल्ली में रहते हुए इस कुंवर को मृत्यु हो गई थी । इसके पीछे गौड़जी सती हुई । बांकीदास की ख्यात में लिखा है कि सती होते समय गौड़जी ने कहा कि महाराजा से अर्ज करना कि हमारे पीछे यादगार में यहाँ स्मारक बनवा दें, जैसा कि उन्होंने महाराजा गजसिंहजी के ऊपर आगरे में बनवाया है । कुंवरजी के स्मारक को सेवा के लिये वहाँ व्यास सोभा रखा गया था ।^२

श्रीजो रामपुरे परणीया (१५०/२३३)—यहाँ संवत् १७२१ वैशाख सुदी ४ को जसवन्तसिंह ने रामपुरा के रात्र अमरसिंह की पुत्री जैसुखदे (चंद्रावती) से विवाह किया था । इस राणी के गर्भ से संवत् १७२३ में कुंवर जगतसिंह का जन्म हुआ था । संवत् १७३२ में जब बालक जगतसिंह अत्यधिक बीमार हुआ तब राजा-प्रजा में गम्भीर उदासी छा गई क्योंकि कुछ समय पहले कुंवर पृथ्वीसिंह की मृत्यु हुई ही थी । मुरारीदान की ख्यात में लिखा है कि इस अवसर पर राजा और प्रजा की तरफ से जगतसिंह के स्वास्थ्य-लाभ के लिये खूब दान-पुण्य किया गया । दान-पुण्य की विगत उक्त ख्यात में इस प्रकार दी गई है—

५०१) पाँचसौ एक रुपया कौठार पुण्य के लिये भेजे गये ।

३००१) तीन हजार एक का चाँदी का तुला दान किया गया ।

१ कपड़े का तुला दान किया गया ।

१ घृत का " " " "

१ लोहे का " " " "

१. द्रष्टव्य—चारण : भा० १-अक-३-४ संपादक किशोरसिंह बाहंसपत्य ।

२. बांकीदास की ख्यात, पृष्ठ ३५ ।

- १ तिलों का तुला दान किया गया ।
 १ गुड़ का ,, ,, ,, ,,
 १ लूण (नमक) का ,, ,,
 १ कौहलों का ,, ,,
 १ सप्तधान्य का । इस तरह कुल ८ तुला दान किये गये ।
 १००) दादीजी ने पुण्य दिये ।
 २०१) महाराणीजी ने पुण्यार्थं दिये ।
 ५०१) भीतर से पुण्य किये ।
 २००१) उमरावों ने पुण्य किये ।
 १०१) पंचोलियों ने पुण्यार्थं किये ।
 २०१) प्रधानों ने पुण्यार्थं किये ।
 २०१) राजपूतों ने पुण्य किये ।
 १००) पंचोली केसरीसिंह ने पुण्य किये ।
 १००) राठौड़ आसकरण ने पुण्य किये ।
 १००) मियें फरासत व खोजों ने पुण्य किये ।
 १०१) राठौड़ संगरामसिंह ने पुण्य किये ।
 १००१) बनिये छीपे सावूगर वगेरों ने पुण्य किये ।
 १०१) ईंदा रघनाथदास ने पुण्यार्थं किये ।
 ८३११) इतना पुण्य तो यहाँ हुआ । और महाराज साहिब ने हजार मन अनाज गरीवों को दिलवाया । और जप दान अक्षय धारा-घट-सहल से पूजन आदि अनेक प्रकार से पुण्य किया गया और हाथी बहुत दान दिये गये । फिर भी जगतसिंह का देहान्त हो गया ।

यादवों रे परगोया (१५०/२३३)—करोली के राजा छत्रसिंह की पुत्री जसकृंवरी से उनका यह विवाह हुआ था । यह राणो काबुल में महाराजा की मृत्यु के समय जमरूद के थाने साथ थी । उसके गर्भ से अजीतसिंह का जन्म हुआ था ।

उज्जैन का युद्ध, शाही मनसबदार (१७०-१७५, २४२-२४३)—इस युद्ध में शामिल होने वाले मनसबदारों की जो सूची उनके सैनिकों सहित यहाँ दी गई है यह

कुछ अपूर्ण है। डॉ० रघुवीरसिंहजी ने पंचोली ब्रजलाल की जोधपुर हकूमत की वही से जो सूची प्रकाशित की है वह पूर्ण है। (मह भारती भाग ६ अंक १) अतः इस ग्रन्थ में छूटे हुए मनसबदारों के नाम उक्त सूची के आधार पर यहाँ अंकित किये जाते हैं—

१६२ रा० गोरधन चंपावत आसामी ३ १२६ रा० गोरधन ३० हजारी-पांचसौ असवार ।

२५ रा० रूपसी गोरधनोत च्यार सदी पचास असवार ।

११ रा० रतन गोरधनोत दोय सदी पचीस असवार ।

[पृ० २४]^१

८१ मेहमंद मुराद ३१ हजारी पंचसै असवार गौड़ ।

१२६ गौड़ भीव ३२ वीठलदासोत हजारी पच सौ असवार ।

२२४ झालो दयालदास नरहरदासोत आसामी ५ १२६ दयालदास ३३ हजारी पंच सौ असवार ।

६४ झालो राघोदास पंच सदी अढाई सौ असवार ।

१६ झालो इन्द्रभाण तीन सदी असवार ।

६ जगन्नाथ नरहरदासोत दोय सदी ।

६ उदेभाण जगनाथोत दोई सदी तीस असवार ।

६७ सैद असवार वेग आसामी २

८१ असवार वेग नव सदी च्यार सौ असवार ।

१६ साह कुली असवार वगेरो ।

१०१ सिसोदियो सुन्दरदास गोकलदासोत नव सदी च्यार सौ असवार ।

४५७ राजा वरसिंघदे वगेरे आसामी १७ ।

२२६ वरसिंघदे ३६ द्वारकादासोत अठ सदी आठ सौ असवार, दोइ सौ दोसपा सैसपा ।

३६ विजेसिंघ द्वारकादासोत तीन सदी ।

६४ जैचन्द दलपतोत पंच सदी अढाई सौ असवार ।

११ स्यामचन्द बलभदोत दोई सदी चालीस असवार ।

६ अभैचन्द भवनचंदोत सदी त्रिस असवार ।

५ अखैचन्द भवनचंदोत सदी पनरै असवार ।

७६ चौ० प्रतापसिंघ च्यार सदी तीन सौ असवार ।

२ चौ० मथुरादास प्रतापसिंघोत ।

६ चौ० किसनसिंघ प्रतापसिंघोत ।

[पृ० १५]

४ चौ० चन्द्रमंगल वाघजी री ।

१७ चौ० प्रतापसिंघ सबलसिंघोत, आसामी ४ ।

१०१ हाडो मोहणसिंघ ३६ माघोसिंघोत आठसदी च्यार सौ असवार ।

६१ सैद टपंदगरम (?) ३७ अठ सदी तीन सौ असवार ।

६६ चौ० बलु सवतसियोत आसामी ४—

७६ बलु ३८ सात सदी तीन सौ असवार ।

१६ चौ० तुलछीदास बलु री तीन सदी आठ असवार ।

७ चौ० नरहरदास बलुवोत दोय सदी तीस असवार ।

४ चौ० गौर्यदास अर्चलदासोत सदी पनरे असवार ।

६६ सैद कुली सात सदी तीन सौ असवार ।

५१ सैफुदिन ३६ तरवीयतखां री सात सदी दोय सौ असवार ।

४८ मेहमंद मुकीम ४० बेगसाह री ।

६३ अबदर सुलैवेग री हजारी तीन सौ असवार ।

४६ मेहमंद सैदवेग री सात सदी सौ असवार ।

४१ बाहादरबैग ४१, सात सदी ।

२६ रहमबैग पंच सदी ।

७५ सुरतण नाजर ४२ बगैरो आसामी २६ ।

५१ हाडो केसौरसिंघ ४३ माघोसिंघोत छे सदी दोइ सौ असवार ।

[पृ० १६]

३६ खोजो हसन वदी (?) बगैरे आसामी ४ ।

६२ इनातुला बगैरो आसामी २ ।

६४ वरसौ झाली ४४ पंचसदी अढाई सौ असवार ।

६७ मेहमंद शरीफ बगैरे आसामी ३ ।

५८ रा० श्याम [राम] सिंघ बगैरे आसामी २—

५१ रा० श्याम [राम] सिंघ ४६ बलुओत पंच सदी दोइ सौ असवार ।

७ उदेसिंघ ४६ रामसिंघोत सदी तीस असवार ।

११ चौ० हर्कमंगद प्रीथीराजोत पंच सदी दोय सौ असवार ।

२१ अब्दुल्ला नबी ४७ खान दौरा रो बिटो पंच सदी दोय सौ असवार ।

३४ नाहर बैग वगैरे आसामी ४ ।

२५ सुजा बैग वगैरे आसामी ४ ।

१५ खौजा इसहाल वगैरे ।

२०० रावत हरीसिंघ ४८ च्यार सदी च्यार सौ असवार । जमीदार

देवलीया रो, आधा जाबेता रो राखै ।

६४ माधोसिंघ चन्द्रावत वगैरे ।

५१ माधोसिंघ च्यार सदी दोय सौ असवार ।

१४ जगतसिंघ माधोसिंघ रो भाईग ।

[पृ० १७]

४२ मिरक मैहमंद वगैरे ।

५१ रा० कल्याणदास महेशदासोत ४६ च्यार सौ असवार च्यार सदी ।

५१ रा० महासिंघ केशोदासोत ५० च्यार सदी दोइसौ असवार ।

५१ कछवाही पृथीसिंघ भुंभोरसिंघोत ५१ च्यार सदी च्यार सौ असवार ।

३६ शिशोदियो मम (?) सिंघ ५२ मनसिंघोत च्यार सदी दोड सौ

असवार ।

साथ श्री महाराजाजी रो काम आयो (१७६-१८५/२४५) —

१. रा० वीठलदास गोपालदासोत—यह पाली का ठाकुर था । इसके साथ इसके सैनिक पत्नी वीनावत तथा भोजराज पातावत भी काम आयो ।

२. रा० गिरधरदास मनोहरदासोत—यह आउवा का स्वामी था । मुंदियाड की ख्यात में लिखा है कि काम आने से पहले इसने महाराजा से निवेदन किया कि मैं तो इस युद्ध में काम आऊंगा और आप आउवा महेशदास को दोगे परन्तु मेरे परिवार की इज्जत का भी खयाल रखना । महाराजा ने उसे कुछ आश्वस्त किया ।

१. काम आने वाली कुछ आसामियों का संक्षिप्त परिचय मुंदियाड की ख्यात (रा० प्रा० वि० प्र०) में दिया गया है, उसी के आधार पर यहां इनका परिचय दिया जा रहा है ।

३. रा० भीम गोपालदासोत—इसकी अवस्था उस समय १६ वर्ष की थी और यह महाराजा की चाकरी की उम्मीदवारी में था ।
रा० बलराम (उदावत) दयालदासोत—इसके २५ गांव सहित वदनोर पट्टे में था और कुल छतीस हजार रुपये की जागीरी थी ।
४. रा० कुम्भकरणा बलरामोत—इसके १६ गांव सहित रायपुर गांव पट्टे था, जिसकी रेख इकसठ हजार रुपये थी ।
५. रा० वीरमदे मुकनदासोत—इसके तेरह गांव पट्टे में थे जिसकी रेख आठ हजार रुपये थी ।
६. रा० सूरदास वेणीदासोत—इसके छः हजार की रेख के बारह गांव का पट्टा था ।
७. रा० आसकरण बलरामोत—इसके चार हजार की रेख के पांच गांव पट्टे में थे ।
८. रा० करण सुजानसिधोत (जैतावत)—इसके बीस हजार की रेख से बगड़ी गांव पट्टे था ।
९. रा० जुगराज कुम्भकरणाोत—इसके १३ गांव सहित घनला पट्टे में था ।
१०. रा० उदैभान भगवानदासोत—इसके दस हजार की रेख के चौदह गांव पट्टे में थे ।
११. रा० काना गोयंददासोत, इसके चार हजार दो सौ की रेख के चार गांव पट्टे में थे ।
१२. रा० (जोध) प्रतापसिध करमसिधोत—पट्टे गांव दो, रेख रुपया तीन हजार ।
१३. रा० रतनसिध गोयंददासोत—पट्टे गांव पांच, रेख छ हजार रुपया ।
१४. रा० ईसरदास महासिधोत—पट्टे गांव दो, रेख चार हजार रुपया ।
१५. रा० (भदावत) पूरणमल जसावत—पट्टे गांव दो, रेख रुपया दो हजार दो सौ ।
१६. रा० गोयंददास मानावत—पट्टे गांव एक, रेख रुपया एक हजार ।
१७. रा० गोरवन भगवानदासोत—चाकरी की उम्मीदवारी में था ।
१८. रा० विहारोदास केसवदासोत—चाकरी की उम्मीदवारी में था ।

१६. रा० (ऊहड़) भेघराज उरजनोत—इसके कोरणा आदि तेरह गाँव पट्टे में थे ।
२०. रा० नारायणदास गोयंददासोत—पट्टे गाँव दो, रेख दो हजार सात सौ ।
२१. रा० (पातावत) भगवानदास मांडणोत—इसके चोटीला गाँव पट्टे में था ।
२२. रा० नगो (तोगो) रामदासोत—इसके नौसर गाँव पट्टे में था ।
२३. रा० जगनाथ चाँदावत—इसके पट्टे में करणू की जागीर थी ।
२४. रा० (रूपावत) सबलसिंघ आसकरणोत—यह चाकरी की उम्मीदवारी में था ।
२५. रा० (वालावत) किसनदास वेणीदासोत—यह भगवानदास देवराज सहित काम आया ।
२६. भा० महेशदास अचलदासोत—पट्टे गाँव वीकुंकोहर १५ गाँवों से त० ओसियाँ ।
२७. भा० केसरीसिंघ अचलदासोत—पट्टे गाँव केलावा ।
२८. भा० विसनसिंह रामचंदोत—पट्टे गाँव खारड़ा ।
२९. भा० दुरगदास केसवदासोत—यह दुगोलिया (वदूक) की लगने से मरा ।
३०. भा० माधोदास केसवदासोत—पट्टे गाँव आवावस ।
३१. भा० नरसिंघ भाणोत—पट्टे गाँव जाटिया वास ।
३२. भा० मानसिंघ गोपालदासोत—पट्टे गाँव जालखो ।
३३. भा० भाँण मनोहरदासोत—पट्टे गाँव नांदिया वड़ा ।
३४. भा० उदेसिंघ माधवदासोत तथा कुंभा सुनताणोत—चाकरी की उम्मीदवारी में थे ।
३५. भा० रतनसिंह प्रागदासोत—पट्टे गाँव कोरणा ।
३६. भा० भींव प्रागदासोत—पट्टे गाँव कीटनोद ।
३७. भा० गोकलदास संकरदासोत—चाकरी की उम्मीदवारी में था ।
३८. भा० केसरीसिंघ वीठलदासोत—पट्टे गाँव विराई तथा तानोड़ा (जैतारण)
३९. भा० सुजाणसिंघ सुन्दरदासोत—चाकरी की उम्मीदवारी में था ।

४०. ईंदे सरदार छः गाँव बालेसर के काम आये ।

४१. पुरोहित दलपत मनोहरदासोत—इसकी अत्रस्था उस समय वाइस वर्षकी थी । उस समय यह नवविवाहित था । तिवरी गाँव

इसके पट्टे में था ।

विशेष—ग्रंथ में दी हुई सूची के अतिरिक्त युद्ध में काम आने वाले कुछ प्रसिद्ध मनसबदारों व अन्य छोटी-बड़ी आसामियों की सूची मूँदियाड़ की ख्यात में इस प्रकार है—

१. रावराजा छत्रसाल बूंदी का स्वामी व कुंवर भारतसिंह छत्रसालोत, वाप वेटा दोनों काम आये, जिनके पीछे चालीस सतियें हुई—

छः राणियें तथा चौतीस खवासें ।

२. राजा रूपसिंह भारमलोत, किसनगढ़ का स्वामी ।

३. राव रामसिंह चन्द्रसेणोत ।

४. राजा शिवराम बलराम, गोपालदासोत—सरवाड़ का राजा ।

अन्य ५. गौड़ भीम विठलदासोत ।

अन्य आसामियें—

१. राठौड़ केसरीसिंघ भगवानदासोत, जगरूप, जगनाथोत ।

२. राठौड़ सुजाणसिंघ गोपालदासोत मेड़तिया ।

३. रा० रघुनार्थसिंघ प्रतापसिंघोत मेड़तिया ।

४. रा० हरीसिंघ प्रतापसिंघोत मेड़तिया ।

५. रा० सूरजमल मनोहरदासोत मेड़तिया ।

६. रा० मुकनदास-किसनसिंघोत, गोकलदास वृंदावनदासोत ।

७. रा० किसनसिंघ दलपतोत-मेड़तिया ।

८. रा० किशोरदास सबलसिंघोत मेड़तिया ।

९. रा० महासिंघ रघुनाथोत-।

१०. रा० रेंवतसिंघ मानसिंघोत ।

११. रा० करण जगनाथोत और काना दोनो सगे भाई ।

१२. रा० उदेभाण बनमालीदासोत विहारी ।

१३. ठाकुरसी सादलोत मेड़तिया ।

१४. रा० केसवदास मोहणदासोत ।

१५. रा० भार्वासिध जगनाथोत ।

१६. रा० रुघनाथ भोजराजोत करमसोत ।

१७. रा० शुभकररा व मनोहरदास आसकररागोत करमसोत, दोनों भाई ।

१८. रा० माधोदास चतुरभुजोत ।

१९. कलांगदास जसवन्तोत ।

२०. रा० रूपो, तोशाखाना पर था ।

२१. रा० किसनसिध अचलावत वगैरे आसामी एक सौ पैतालीस ।

बाग कागो (१८६/२४६)—यहाँ के कुँए का पानी बड़ा उत्तम और स्वास्थ्य-वर्द्धक माना जाता है । महाराजा जसवन्तसिंह प्रथम ने यहाँ पर बाहर से मंगवा कर अनेक पेड़ लगवाये थे । वर्तमान में शोतला माता का मेला यहाँ लगता है तथा कई सामंतों की छतरियाँ बनी हुई हैं । किवदंती है कि यहाँ किसी समय काकभुषंड ऋषि ने तपस्या की थी ।

बहूजी सेखावत रौ तळाव (१८६/२४६)—यह तालाब महाराजा जसवन्तसिंहजी (प्रथम) की रानी अंतरंगदेजी (खंडेला की) ने बनवाया ।^१

बहूजी सरूपदे रौ तळाव (१८८/२४६)—यह तालाब मालदे की भालीरानी सरूपदे ने संवत् १५६७ में बनवाया । नाम स्वरूपसागर है ।^२

राईको हाडीजी रौ बाग (१८६/२४६)—यह बाग महाराजा जसवन्तसिंह (प्रथम) की हाडी रानी जसरंगदे ने संवत् १७३० में लगवाया ।^३ पहले इस स्थान को रातानाडा कहते थे ।

सूर सागर (१८६/२४६)—यह स्थान महाराजा सूरसिंह ने संवत् १६६४ में भाटी गोयंददास की देखरेख में बनवाया । ८ वर्ष में कार्य पूरा हुआ ।

पास ही अनेक सामंतों ने भी छोटे-बड़े बाग बनवाये ।^४

बालसमंद (१८६/२४६)—इसे नाहड़ागव पडिहार के भाई बालाराव ने बंधवाया था । यह बाँध मंडोर के पास है ।

१. द्रष्टव्य—इसी ग्रंथ का परिशिष्ट (ख) पृष्ठ ५८३

२. " " " " " ५८२

३. " " " " " ५८२

४. " " " " " ५८३

डौंगिया वास (२१६/२५०)—बीकानेर-से आकर डंगी शाखा के जाट यहाँ वसे जिससे इसका यह नाम पड़ा ।

रांमपुरी बिसाइण बास ६ (२२५/२५०)—यह गाँव रांम कुंभावत भाटी के द्वारा बसाया गया था ।^१

तिवरी (२३६/२५०)—यहाँ पर संवत् १५२२ में सस्थापित पार्श्वनाथजी का मन्दिर है ।

चावंडवा (२३७/२५२)—यहाँ पहाड़ी पर चामुण्डा का प्राचीन मन्दिर है । यहाँ राव चूंडा ने चामुण्डा की तपस्या की थी ।

बीठू मेहा (२४२/२५२)—इस कवि का लिखा हुआ “पावूजी रा छद्” डिगल का उत्तम काव्य है ।

पीपाड़ (२४४/२५३)—यहाँ का पीपलाद माता का मन्दिर, एक कुण्ड तथा ६ वीं शताब्दी का विष्णु-मन्दिर दर्शनीय है ।^२

कापरडो (२४६/२५३)—यहाँ का प्राचीन जैन मन्दिर द्रष्टव्य है ।

वेजड़लो (२४६/२५३)—यहाँ माताजी का प्राचीन मन्दिर पहाड़ पर बना हुआ है ।

वाघोरियो (२५२/२५३)—यहाँ पर भी पहाड़ी पर देवी का प्राचीन मन्दिर है ।

बड़लू (२५५/२५५)—यह गाँव बड़ला जाति के जाटों ने बसाया । भूतेश्वर पहाड़ में देवस्थान है जहाँ नंदावाणे सेवा करते हैं^३ ।

बीलाड़ो (२५६/२५६)—यह लूनी नदी के किनारे पर बसा हुआ एक प्राचीन नगर है । यहाँ शाहजहाँ का लगाया हुआ एक प्राचीन बगीचा (मारा-मोरा) प्रसिद्ध रहा है । यह स्थान सीरवी सम्प्रदाय के लोगों का प्रमुख स्थान है । यहाँ पर संवत् १५२१ में आईजी प्रगटो थी और तभी से वहाँ अखंड ज्योति जलती है । इस सम्प्रदाय का प्रधान आईजी का दीवान है, उसके बड़े महल बने हुए हैं । दीवान लोग किसी समय में बड़े सम्पन्न

१. बांकीदास री ख्यातः सं० नरोत्तमदास स्वामी, पृ. १२० ।

२. जोधपुर राज्य का इतिहास (प्रथम भाग) डॉ० ओझा पृ. ३१ ।

३. बांकीदास री ख्यातः सं० नरोत्तमदास स्वामी, पृ० २०१ ।

माने जाते थे। उनके वहाँ ऐतिहासिक महत्व के दस्तावेजों का भी महत्वपूर्ण संग्रह रहा है।^१

किसना दुरसावत (आढा) (२६२/२५६)—यह प्रसिद्ध कवि दुरसा आढा का पुत्र था। इसे दुरसा के जीवन-काल में ही पर्याप्त ख्याति मिल गई थी। इसकी स्फुट गीत-रचना भी उपलब्ध होती है।

पाली २६२/२६०—यहाँ प्रारम्भ में पलीवाल ब्राह्मण रहते थे। ये उदयपुर राणा के गुह थे। खेड़ पर अधिकार कर लेने के पश्चात् राठौड़ों ने पलीवालों को हटाकर यहाँ अपना कब्जा कर लिया। राठौड़ों के आगमन के पहले जोधपुर के आस-पास पलीवालों की अच्छी बस्ती होनी चाहिए क्यों कि यहाँ के अनेक गाँवों में उन पर बनी छतरिये विद्यमान हैं। यह उस समय यहाँ की प्रमुख व्यापारी कौम होनी चाहिए।

मानासिंघ अखैराजोत सोनिगरा (२६५/२६२)—यह मालदे के प्रसिद्ध सामंत अखैराज सोनीगरा का पुत्र था और राणा की ओर से लड़ता हुआ हल्दीघाटी के युद्ध में काम आया था।

भाद्राजण (२७३/२६५)—यह ग्राम पहाड़ी की ढाल में बसा हुआ है। राव मालदे के समय से यह राठौड़ों के अधिकार में आया।

कोढणो (२६३/२७३)—भारमल जोधावत की बैठक यहाँ थी। फिर उसका पुत्र जैसिंघदे यहाँ रहता था, पर उससे इस जागीर का बन्दोवस्त नहीं हुआ तब राव गांगा ने महेवा से ऊहडो को बुलाकर १२ गावों सहित यह जागीर उन्हें दी।

बाघावास (२६७/२६३)—चहुवान प्रथुराव के पुत्र वाघ ने यह गाँव बसाया।^२ बाद में दुर्गादास आसकरणोत के वंशजों की जागीर यहाँ रही।

नागाणो (२६६/२६३)—राठौड़ों की कुलदेवी नागणेचियाँजी की मूर्ति यहां पर स्थापित है।

१. राजस्थान में राजस्थानी साहित्य की खोज, (डा० हरप्रसाद शास्त्री) पृ० ७०-७६, रा० शो सं. जोधपुर।

२. बांकीदास की ख्यात, पृ० १६३।

बूदा आसिया (३०३/२७६)—इस कवि को बीकानेर के राजा रायसिंघ ने
एक हाथी अपने विवाह के अवसर पर प्रदान किया था ।^१

बहळवो (३०५/२७८)—ईंदा सरदारों का मुख्य स्थान है । यहाँ के जागीरदार क
राणा की उपाधि थी ।

धटोयाळो (३१०/२८०)—यहाँ पर प्राचीन शिला लेख हैं ।

सेतरावों (३१२/२८२)—यहाँ पर वीरम ने अपने पुत्र देवराज को महाजनों की
बस्ती के साथ बसाया था । फिर लूणा का अधिकार यहाँ हुआ और
तत्पश्चात् भाटियों का अधिकार रहा ।

केतू गोगादेवां रौ वास (३१५/२८४)—यह गोगादे वीरमदेवोत का मुख्य स्थान
रहा ।

सेषाळो बडौ वास (३१६/२८४)—यहाँ पर गुसाईंजी प्रगटे थे । यहाँ से फिर
खिरजां में प्रगटे । गुसाईंजी की घोड़े पर सवार मूर्ति गोगादे पूजते है ।

देहू (३१८/२८७)—देवराज के पुत्र चाहड़दे के वंशज जैमल धनराज आदि
स्थायी तौर पर यहाँ रहने लगे थे ।^२

ओसियाँ (३१९/२८९)—ओसवाल महाजनों की उत्पत्ति यहाँ से हुई । यह नगर
बहुत प्राचीन है । यहाँ पर प्राचीन कलात्मक मन्दिर विद्यमान है तथा
कई शिलालेख महत्व के है ।

हरभुसर (३३२/२८९)—प्रसिद्ध पीर हरभुजी का बसाया हुआ ग्राम ।

लवेरो (३४१/२९३)—महाराजा सूरसिंह के प्रसिद्ध प्रधान भाटी गोयन्ददास की
जागीर का ग्राम ।

बावड़ी (३४१/२९३)—यहाँ की बावली में दलथंभन से सम्बन्धित महत्वपूर्ण
शिलालेख है ।

खेड़ापो (३४९/२९४)—यहाँ रामस्नेही सम्प्रदाय की गद्दी है ।

१. डॉ० टैसीटरी का राजस्थानी ग्रंथ सर्वेक्षण : सं० डॉ० नारायणसिंह भाटी, रा०
शो० सं चौपासनी, जोधपुर ।

२. मुरारीदान की कथात, पृ० ३५१ ।

सांठू माला (३४६/२६४)—इस कवि द्वारा रचित 'रायसिंघ री वेलि' प्रसिद्ध काव्य-रचना है। इसमें ४३ छंद हैं।^१

गाडण चोला (३४६/२६४)—३१ छंदों में रचित 'सूरसिंघ री वेलि' इसकी सुन्दर काव्य-कृति है।^२

महेवा (३५३/२६६)—प्रारम्भ में रावळ मलोनाथजी की जागीर का स्थान रहा। रावळ मेघराज हापावत को संवत् १६४० में मोटाराजा ने यह गांव दिया और वह उनके साथ गुजरात चढ़ाई में गया। बाद में मेघराज ने यह जागीर वीरमदे कलावत को दी। संवत् १६६८ में मोटा राजा ने यह दूदा तथा पता को देदी। महेवा के तीसरे हिस्से के गांव आगे जाकर महेसदास पतावत की जागीर में आये। संवत् १६६३ में महेवा के गांव आधो-आध भारमल और महेसदास को आपस में बाँट दिये।^३

तलवाड़ो (३५६/२६६)—महेवा का प्रसिद्ध ग्राम। यहाँ बहुत बड़ा पशु-मेला लगता है।

षेड़ (३५६/२६६)—राठौड़ों ने प्रारम्भ में यही पर कब्जा किया था इसीलिये इन्हें षेड़ेचा कहते हैं।

परगना सोभक्त

सोभक्त (३८३/१)—सोभक्त अच्छा कस्बा है। प्राचीन ग्रन्थों में इसका नाम सुद्धदती मिलता है। इसे त्रवावतो नगरी भी कहते थे। यहाँ पर ताँवे की खान थी।^४ यहाँ की अजवायन तथा महुंदी प्रसिद्ध है। राव रिङमल को सोजत राणा की ओर से दी गई थी पर बाद में राणा का पुनः अधिकार हो गया। जब राव जोधा ने मण्डोर पर अधिकार करके जोधपुर बसाया तब उसने सोभक्त पर भी अधिकार कर लिया।

सोभक्त नाँवे बेटो (३८३/१)—कई ग्रन्थों में इसका नाम सेभल अथवा सोजल भी मिलता है।^४ इसका स्थान सोभक्त में अब भी पूजा जाता है। सोभक्त

१. परम्परा—भाग १४ पृ. १११।

२. ,, ,, ,, ,, ११३।

३. मुरारीदान री ख्यात २, पृ० ३१५-२३।

३. परम्परा भा० ११ पृ० १०५।

४. वही।

के शाप से त्रंसेन का राज्य गया तथा हुलों का राज्य यहाँ हुआ अतः उसी समय से इसका नाम सोभत पड़ा होगा ।

चारणी करणी (३८३/४)—चारण जाति में उत्पन्न देवियों में करणीजी का प्रमुख स्थान है । ख्यातों के वृत्तांतों से पता लगता है कि राव वीका और कांधलजी को वीकानेर राज्य की स्थापना करने में करणीजी ने बड़ी सहायता पहुँचाई थी । तभी से वीकानेर के राठौड़ इन्हें अपनी इष्ट देवी मानते हैं । देशनोक गांव में इनका बड़ा भव्य मन्दिर बना हुआ है । वारहट किशोरसिंहजी ने इनका समय वि० सं० १४४४ से १५६५ माना है ।^१

राव सता (३८६/५)—मुरारीदान की ख्यात में लिखा है कि राव शराव बहुत पीता था इसलिये राज्य का सारा कार्य-भार रणधीर पर था ।^२

इसकी साक्षी का एक गीत अवलोकनीय है—

रायांगुर रौद्र कळोघर रावण
बैठक वींद कळोघर वीर ।
सतो मंडोवर राख न सकियो
रावत तो पाखे रिणधीर ॥

हींगोला री बासण (४२०/४०)—यह गांव हींगोला पीपाड़ा का बसाया हुआ होना चाहिए ।

हींगोला पीपाड़ा (४२३/४२)—यह राठौड़ पृथ्वीराज का चाकर था । पृथ्वीराज ने इसे एक तलवार बक्सी थी इसका बड़ा दिलचस्प किस्सा ख्यातों में है ।^३

रामदास बैरावत (४२६/४४)—यह बड़ा दानी था । इसकी अखाड़ियाँ राजस्थानी साहित्य की सुन्दर रचना है ।

सहेवाज खान (४३१/४४)—यह अक्रूर का सेनापति था । राव चन्द्रसेन जब सिवाने में था तब वीकानेर के राजा रायसिंघ के साथ यह बादशाह की ओर से उस पर चढ़कर आया था ।

१. चारण, अण्ड १, अंक ३-४ ।

२. मुरारीदान की ख्यात २, पृ० ५६ ।

३. देखें, मुहता नैणसी री ख्यात भा. २, पृ० १२० ।

राव राम (४६७/४४)—यह राव मालदे का बड़ा पुत्र था । इसे यह आभास हो गया था कि मालदे के पश्चात् गद्दी उसे नहीं मिलेगी । अतः जब मालदे अधिक बीमार हुआ तो कुछ सरदारों से मिलकर उसने यह षड़यंत्र रचा कि मालदे को नजरबन्द कर स्वयं गद्दी पर बैठ जाय । पर भेद खुलजाने से ऐसा न हो सका और उसे देश छोड़कर जाना पड़ा । वह ऊमादे भटियाणी के पास जाकर रहा ।

डीघोड़ (४६७/४४)—राव राम के पश्चात् यह स्थान कला के अधिकार में रहा । यहाँ के गुढे में रहते हुए उसने मुगलों से मुकाबला किया ।^१

सौंचीयाई (४६६/४४)—ख्यातों में इसका नाम सचियाय मिलता है । यहाँ सचियाय माता का स्थान है । यहाँ की पहाड़ियों में (सचियाय री गाळ) राव चन्द्रसेन का देहान्त हुआ था ।^२

भाटी वेणीदास (४७३/४५)—यह भाटी गीयंददास मानावत का ५ वा पुत्र था ।^३

राधारी बासणी (४७६/४६)—यह गांव १७०६ में जसवंतसिंह के कुंवर पृथ्वीसिंह के जन्म की बधाई के उपलक्ष में ब्राह्मणों को दिया गया होगा ।

पांचेटियौ (४८३/४७)—यह गांव महाराज गजसिंह द्वारा संवत् १६७७ में आढा दुरसा तथा किसना दुरसावत को दिया गया । अर्थात् इसके पहले यह गांव इनके सांसण में नहीं था ।

सांकर बाहरेट (४८४/४७)—“दातर सूर रौ सवाद” इसकी प्रसिद्ध रचना है । ऐसी प्रसिद्धि है कि बीकानेर के राजा रायसिंह ने इसे सवा करोड का पुरस्कार दिया था । इसके रचे हुए अनेक गीत भी हैं ।^४

बारहट लखा नांदणोत (४८५/४७)—यह बड़ा प्रभावशाली व्यक्ति था । इसको पहुँच मुगल दरबार तक में थी । दुरसा आढा जैसे कवियों को भी ऊपर उठाने और मुगल दरबार तक ले जाने का श्रेय इसे प्राप्त है । इसने

१. ऐतिहासिक बातें (परम्परा) पृ० ८३ ।

२. वही, पृ० ८५ ।

३. बांकीदास री ख्यात, सं० नरोत्तमदास स्वामी, पृ० ११६ ।

४. राजस्थानी सबदकांस, प्रथम भाग पृ० १३५ ।

पावूजी की प्रशंसा में सुन्दर काव्य लिखा है, तथा इसकी अनेक स्फुट रचनाएँ भी प्राप्त होती हैं।

गाडण केसोदास सांडुवोत (४८६/४७)—महाराजा गजसिंह ने सं. १६८३ में यह गात्र लाखपसाव में इस कवि को दिया था। इस कवि की स्फुट रचनाओं के अतिरिक्त “गज गुण रूपक बंध”^१ नामक प्रसिद्ध ग्रन्थ मिलता है जिसमें मुख्य रूप से भीम अमरावत के साथ हुए गजसिंह के युद्ध का बड़ी ओजस्वी शैली में वर्णन किया गया है। “नीसाणी विवेक वार” भी इसकी महत्वपूर्ण कृति है। यह भक्त कवियों में भी अपना स्थान रखता है।

रामा सांडु (४८७/४७)—इसने संवत् १६१६ के लगभग उदर्यसिंह री वेलि नामक सुन्दर साहित्यिक कृति का सर्जन किया। इसकी स्फुट रचनाएँ भी मिलती हैं।^२

माधवदास दधवाड़िया (४८७/४७)—यह प्रसिद्ध कवि राठौड़ पृथ्वीराज का समकालीन था।^३ इसका ग्रन्थ “राम रामो” डिंगल की उत्तम कृतिय में गिना जाता है।

परगना जेतारण

जंतारण (४६२/१)—यह शहर १५२५ में राव जोधा के समय में बसा। यह मारवाड़ का महत्वपूर्ण स्थान रहा है। जोधा के वंशजों में यह ऊदावत राठौड़ों का मुख्य परगना रहा है। इसमें ऊदावतों के बड़े ठिकाने थे तथा यहा के ऊदावत जेतारणिया कहलाये।

रूण (४६२/१)—यह स्थान सांखला राजपूतों का प्रमुख स्थान रहा है। अपने अस्तित्व के लिये सांखलों ने यहाँ रहकर बड़े संघर्ष किये हैं। यह नगर पहले सम्पन्न था पर अलाउद्दीन खिलजी के साथ हुए युद्ध-संघर्ष में नष्ट हो गया।

१. सं सीताराम लालस, प्र: रा प्रा. वि. प्र० जोधपुर।

२. परम्परा, भाग १४ पृ ११०।

३. पृथ्वीराज ने इसके बारे में यह दोहा कहा है—

चूँडे चत्रभुज सेवियो, तत फल लागो तास।

चारण जीवो चार जुग, मरो न माधवदास ॥

ऊदा सूजावत (४६२/१)—यह सूजा की रानी सवरंगदे मांगलियाणी का पुत्र था । इसके वंशज ऊदावत कहलाये ।^१

गळणियो (५११/१२)—यह गाँव अखैराज सोनीगरा के वंशज मुकंददास के (१६०००) की रेख से पट्टे में रहा ।^२

लोटीधरी (५१३/१२)—हाजीखां और राणा उदयसिंह के बीच जो युद्ध हुआ उसमें मालदे ने हाजीखां की सहायता की थी, तत्पश्चात् हाजीखां इस गाँव में आकर रहा था । नैणसी की ख्यात में लिखा है कि इसी समय जब अकबर ने रुष्ट होकर अपनी फौज उस पर भेजी, तो वह वहाँ से भाग गया और फिर जैतारण पर रतनसिंह खीवावत से उस फौज की मुठभेड़ हुई ।^३

मालपुरियो (५२२/१२)—यह गाँव राव मालदे का बसाया हुआ है ।

रतनपुरी (५२३/१२)—यह गाँव प्रसिद्ध वीर राठौड़ रतनसिंह खीवावत का बसाया हुआ है ।

पृथ्वीपुरी (५२३/१२)—यह गाँव महाराजा जसवन्तसिंह (प्रथम) के राजकुमार पृथ्वीसिंह के नाम पर बसाया गया ।

महेसियो (५२७/१२)—यह गाँव भाटी सुरजन आसावत को संवत् १६७४ में जागीर में दिया गया था ।^४

हाजीवास (५२७/१२)—यह गाँव सूबेदार हाजीखां के नाम पर बसा होना चाहिए ।

काणूजो (५३६/१२)—यहाँ पर राव चन्द्रसेन ने अपने संकट का समय निकाला था ।

लाखावासणी (५५१/२४)—राठौड़ रतनसिंह खीवावत ने गाँव गळणिया के खेत चारण लाखा दासावत को दान दिये थे, वही पर बस्ती बस गई, जिसका नाम लाखावासणी पड़ा ।

१. गुरारीदान की ख्यात २ पृ० १०३ ।

२. मुहंता नैणसी की ख्यात भाग १ पृ० २११ ।

३. मुहंता नैणसी की ख्यात भा. १ पृ० ६२ ।

४. मुहंता नैणसी की ख्यात भा. २ पृ० १४६ ।

तेजा री बसणी (५५१/२४)—चारण तेजा यहाँ बसा था, उसी के नाम पर इस गाँव का नाम यह पड़ा ।

मानपुरी (५५२/२४)—मेर माना का बसाया हुआ गाँव ।

लालपुरी (५५३/२४)—यह गाँव मेर लाला का बसाया हुआ है ।

परगना फलोधी

(भाग २)

फलोधी (१/१)—इसका प्राचीन नाम फलवर्द्धिका है । इस स्थान पर अनेक शिलालेख महत्त्व के हैं, जिनमें कल्याणरायजी के मन्दिर का शिलालेख वि० सं० १२३६, तथा महाराजा जसवन्तसिंह के समय का लेख १६९६ का है, जिसमें मुंहणोत नैणसी तथा वहाँ की जनता द्वारा रंगमंडन बनवाये जाने का उल्लेख है । शान्तिनाथ के प्राचीन मन्दिर को दीवार पर महाराजा गर्जसिंह (जोधपुर) के समय के दो लेख—सं० १६८९ के हैं, जिनमें उक्त मन्दिर के जीर्णोद्धार करवाने का उल्लेख है । यहां के गढ़ में भी ५ शिलालेख महत्त्व के हैं, जिनमें एक शिलालेख सूजा के पुत्र नरा द्वारा सं० १५३२ में गढ़ की पोल के निर्माण करवाने से सम्बन्धित है ।^१

नरा सूजावत (१/१)—प्राचीन ख्यातों में इसका नाम नरसा भी मिलता है । यह भाटियों का भानजा था ।^२ डॉ० ओझा ने जोधपुर राज्य के इतिहास (भा० २) में इसका पूरा नाम नरसिंह तथा नरसिंहदेव लिखा है ।^३ इस ने सातलमेर के नाम से पोकरण की राजधानी बसाई, दुर्ग बनवाया तथा नरासर तालाब का निर्माण करवाया । इस तालाब पर उसकी छतरो बनी हुई है । मुरारीदान की ख्यात में लिखा है कि सूजा ने इसे गुजरात के बादशाह की सेवा में भी भेजा था । यह रानी लक्ष्मी का पुत्र था ।^४

जगमाल मालावत (२/२)—यह महेवे के स्वामी मल्लीनाथ का पुत्र था । यह बड़ा वीर योद्धा था । इसके वंशज जो पोकरण में हैं, पोकरण का कहलाये ।

१ विस्तृत वृत्तों के लिये देखें—जोधपुर राज्य का इतिहास (प्रथम भाग) डॉ० ओझा पृ० ४३-४५

२. बांकीदास री ख्यात, सं० नरोत्तमदास स्वामी पृ० ८ ।

३. जोधपुर राज्य का इतिहास पृ० ४४ ।

४. मुरारीदान री ख्यात २ पृ० ६७० ।

इसके सम्बन्ध में अनेक प्राचीन बातें प्रचलित हैं। राजस्थानी बात साहित्य में 'गणगोर में गीदोली गाई जै तिरारी बात' प्रसिद्ध है। इसका नायक जगमाल है। यह गीदोली महमूद बेगड़े की लड़की थी। बेगड़े का एक सेनापति हाथीखाँ जगमाल के राज्य में से १४० स्त्रियाँ हरण करके ले गया, जिसके बदले में जगमाल बेगड़े की लड़की गीदोली को उठा लाया। फिर युद्ध हुआ, जिसमें बेगड़े की पराजय हुई। इस युद्ध में जगमाल ने बड़ा पराक्रम दिखाया, जिसकी साक्षी का यह दोहा बड़ा प्रसिद्ध है—

पग पग नेजा पाड़िया, पग पग पाड़ी ढाल।

बीबी पूछे खान नै, जग केता जगमाल ॥

- गीदोली जगमाल से प्रेम करती थी, इसलिये उसे उसने नहीं लौटाया।^१ जगमाल ने एक विवाह सोलंकरियों के यहाँ किया था। सोलंकरणी से कुभा नाम का बड़ा प्रतापी पुत्र हुआ। उसने जगमाल से द्वेष रखने वाले वीर हेमा को मारा था और इसी द्वन्द्व युद्ध में उसकी भी मृत्यु हुई। साक्षी का दोहा—

डसे अहर जमदूत, मछर छिलंते मेलियो।

कूंभे वाळो कूंत, हेमे वप सांसर हुवो ॥^२

राव हमीर (३/३)—यह नरा का भाई था।

खोचो हद्दो (६/७)—यह केलहण का पुत्र था और इसी युद्ध में मारा गया।^३

मुंहतो जैमल (७/६)—यह मुहणोत नैणसी का पिता था। जालोर आदि कई स्थानों की हाकमी करने का अवसर इसको मिला। यह जसवतसिंहजी के समय में कुछ समय के लिये दीवान भी रहा।

जालावाडी (१४/२८)—इस स्थान पर जैसिध वीरमदेघ्रोत की बैठक थी।^४

१. राजस्थान में राजस्थानी साहित्य की खोज (हरप्रसाद शास्त्री) सं० डॉ० नारायणसिंह भांडो रा शो. सं चौगासनी जोधपुर पृ० ६०।

२. मुहणोत नैणसी की ख्यात (भा० २) रा. प्रा. वि. प्र, पृ० २६८।

३. मुरारोदान की ख्यात २, पृ० १५६।

४. वही पृ० ३५६।

वरजांगसर (१८/२८)—यह स्थान खीवा के पिता वरजांग के नाम पर बसा ।
जांभेळाव (२३/२८)—यह स्थान विश्‍नोई सम्प्रदाय के प्रवर्तक जांभोजी के नाम पर बसा ।

कोळू (२८/२८)—यहाँ प्रसिद्ध लोक देवना पावूजो धाँधल का देवस्थान है ।

परगना मेड़ता

मेड़तो (३७/१)—संस्कृत लेखादि में इसका प्राचीन नाम मेडतंक मिलता है । मण्डोर के प्रतिहार सामन्त वाउक के वि० सं० ८१४ के लेख में उसके ८ वे पूर्व पुरुष नागभट्ट का मेडतंक को राजधानी बनाने का उल्लेख है । यहाँ के मन्दिरों आदि में विद्यमान प्राचीन शिलालेखों का बड़ा ऐतिहासिक महत्व है ।^१

राजा मानघाता (३७/१)—पौराणिक युग में यह राठौड़ों का मूल पुरुष माना जाता है । जवनसत राजा के कोई सन्तान नहीं थी, अतः वह तपस्या के लिये अपनी रानियों सहित तपोवन की ओर चला । जब वह हरिद्वार पहुँचा, तो गौतम ऋषि ने कृपा कर उसे वरदान दिया, जिससे उसके एक पुत्र हुआ, उसका नाम उसने मानघाता रखा । यह लड़का बड़ा पराक्रमी हुआ और इसका राज्य बहुत दूर-दूर तक फैला । इसने मेहपाठ नामक स्थान को अपनी राजधानी बनाया जो बाद में मेड़ता कहलाया ।^२

कान्हड़दे (३७/१)—यह सोनगरा जाति का इतिहास प्रसिद्ध योद्धा-जालोर का स्वामी था जिसने आलाउद्दीन खिलजी के विरुद्ध बड़ा संघर्ष किया था । इसका विस्तृत वर्णन कवि पद्मनाभ ने डिंगल भाषा में लिखित 'कान्हड़दे प्रबन्ध' में बड़े सुन्दर ढंग से किया है ।

वरसिंघ, दूदो (३७/२)—ओझाजी ने इन्हें जोधा की रानी सोनगरी चम्पा का ही पुत्र माना है । मुरारीदान की ख्यात में इस रानी के पिता का नाम

१. विस्तार के लिये देखें—जोधपुर राज्य का इतिहास (प्रथम भाग) डॉ० ओझा, पृष्ठ ३३-३५ ।

२. राठौड़ वंश री विगत एवं राठौड़ां री वंशावली, सं० मुनि जिनविजयजी, रा. प्रा. वि. प्र. पृष्ठ १-२।

खीचा सत्तावत (नारलोर) लिखा है।^१ दूदा ने अपने भाई बरसिघ के साथ मेड़ता बसाया था और उसके वंशज मेड़तिये कहलाये। दूदा का परिचय देते हुए ओम्हाजी ने लिखा है कि नरसिघ सीधल के पुत्र को द्वन्द्वयुद्ध में मारकर दूदा ने महत्वपूर्ण कार्य जोधा के संकेत पर किया था और इस प्रकार राठौड़ों का पुराना बैर लिया।^२ नैणसी की ख्यात में लिखा है कि जोधा का राज्य जब मारवाड़ पर कायम हो गया, तो किसी ने ताना मारा कि नरबद तो नरसिघ की एक स्त्री सुप्यारदे को लाया था पर नरसिघ के साथी सीधल लोग बदले में यहाँ की १४० औरतों को ले गये और फिर विनय करने पर बड़जत्रत उन्हें लौटाया, अतः तब भी उनका पासा ऊपर रहा। इस अपमान का बदला लेने का बीड़ा दूदा ने उठाया^३ और उसने नरसिघ के पुत्र मेघा को घेर कर मारा।

सवाळख (३६/५)—नागौर के आस पास के छोटे से इलाके का प्राचीन नाम सपादलक्ष था, उसी का अपभ्रंश सवाळख हुआ। यहाँ पहले चौहानों का राज्य था, इसलिये उन्हें 'सपादलक्षीय नृपति' कहा गया है। ओम्हाजी ने इस प्रसंग पर टिप्पणी करते हुए लिखा है कि आधुनिक समय में उसे सवाजक या स्वाजक कहते हैं^४, परन्तु उनका यह मत भ्रामक लगता है। वास्तव में उसे आजकल सवाळख या स्वाळख ही कहा जाता है।

जायल (३६/५)—यह स्थान चौहान राजपूतों की एक शाखा खीचियों का प्रमुख स्थान रहा है।^५ यहाँ के खीची जीदराव का पावूजी के पवाड़ों में उल्लेख आता है, जिसके हाथ में पावूजी राठौड़ की मृत्यु हुई थी।

घडू को (४४/१५)—यह मुगलों का सेनापति था। राजस्थानी ख्यातों में इसका नाम घडूला मिलता है। इसके सम्बन्ध में यहाँ किस्सा प्रसिद्ध है^६

१. मुरारीदान की ख्यात, २, पृ० ६६।

२. जोधपुर राज्य का इतिहास (प्रथम भाग) पृ० २५२।

३. मुहता नैणसी की ख्यात, भाग ३ पृ० ३८।

४. ओम्हा निबन्ध संग्रह (प्रथम भाग) पृ० २० की पाद-टिप्पणी।

५. मुहणोत नैणसी की ख्यात, भा० ३ पृ० १७४।

६. ओम्हाजी ने इसे मीर घडूला लिखा है—

जोधपुर राज्य का इतिहास (प्रथम भाग) पृ० २६१।

कि तृतीया का पर्व मनाती हुई कुछ लड़कियों को यह उठाकर ले गया था, जिस पर सातल ने उस पर चढ़ाई की। उसके मारे जाने पर तीरों से छिद्रा हुआ उसका शिर उन लड़कियों ने शहर में घुमाया। यह रस्म अब भी मनाई जाती है और घड़े में छेद करके उसमें दीपक रखे हुए लड़कियाँ घुड़ला गीत गाती हैं।

अखैराज भादावत (४६/२३)—नैरासी ने अपनी ख्यात में लिखा है कि जब जैमल मेड़ता की गद्दा पर बठा तो एक बार अखैराज को मालदे के दरवार में यह आशय प्रकट करने को भेजा कि आप हमें क्यों तग करते हैं आप मेड़ता सदा के लिए हमें दे दें, हम भी दूसरों की तरह आपकी चाकरी करेंगे। परन्तु राव मालदे और उसके सामंतों ने अखैराज के इस निवेदन को हंसी में उड़ा दिया तब अखैराज गुम्से में आकर वहाँ से उठ कर चला आया और मालदे से कहा—हमें 'मेड़ता कौन दे और हमारे से कौन ले, तुम्हें जिसने जोड़ पुर दिया उसीने हमें भी मेड़ता दिया है'।

इसने जैमल की अनेक युद्धों में सहायता की और मालदे के प्रसिद्ध सामंत पृथ्वीराज को मारा था।^१

पंचार पंचायण (५०/२३)—यह करमचंद का पुत्र था। बांकीदास ने इसे मान कछत्राहा का नाना लिखा है। सन् १५५६ में विक्रमादित्य से चित्तौड़ छूटा तब यह काम आया।^२ मालदे की छोड़ कर यह राणा उदयसिंह के पास चला गया था। इसकी जागीर में जाजपुर था।

भदो पंचायणोत्त (५२/२६)—ये लोग उस समय रडोद के थाने पर थे। वहाँ से सूचना मिलते ही सहसा की मदद को लिए आये थे। राव वीरमदे को जीवित युद्ध से निकालने वालों में यह भी था। इसने इस युद्ध में बड़ा पराक्रम दिखाया। उसकी साक्षी का यह दोहा प्रसिद्ध है—

भिडते नादिज भांजिया, वीरत राइ विभाड़।

वीगड़ा वीसरसी नहीं, रीया वाळी राड़ ॥^३

१ मुंझता नैरासी की ख्यात, भाग ३, पृ० ११७, ११८, १२१।

२ बांकीदास की ख्यात, स० नरोत्तमदास स्वामी पृ० १३८।

३ ऐतिहासिक वातां : (परम्परा) भा० ११ पृ० ४१।

वीरमदे नुं अजमेर था ही परो काढियो (५४/२७)—मुरारीदान की ख्यात में लिखा है कि अजमेर से निकलने पर जैता की अध्यक्षता में मालदे की फौज ने वीरम का बहू पोछा किया। अन्त में वीरमदे मारने मरने को तैयार हो गया। युद्ध की स्थिति बनती देख जैता ने कहा कि वीरम बड़ा राजपूत है, इसका इस प्रकार मारना उचित नहीं, यह कभी बड़ा नाम करेगा। अतः वे लौट आए।^१

रणथंभोर री सोबादार (५४/२८)—नैणसी ने अपनी ख्यात में लिखा है कि वीरमदे की मुलाकात रणथंभोर के सूबादार से मलारणे के थानेदार ने करवाई।^२ मुरारीदान की ख्यात में वीरम का मांडव के सूबेदार से मिलना लिखा है और उसके मारफत शेरशाह से।^३

समेळ री नदी रै परै वेढ हुई (५७/३१)—विगत के प्रथम भाग में इस युद्ध में काम आने वाले कुछ ही वीरों के नाम इस घटना के प्रसंग में दिये गये हैं। मुरारीदान की ख्यात में ऐसे सरदारों की न केवल विस्तृत सूची ही मिलती है, अपितु प्रत्येक सरदार के अधीनस्थ योद्धाओं में से काम आने वाले योद्धाओं की सख्या भी अंकित की गई है। यह सूची निम्न प्रकार है^४—

१. राठौड़ जैता पंचाइणोत—१०
२. „ कूंपा महाराजोत—२०
३. „ उदैसिध जैतावत—१०१
४. „ खीवा ऊदावत—११
५. „ जोगा रावळ अखैराजोत का—११
६. „ पंचाइण करमसीयोत—५१
७. „ जैतसी ऊदावत—११
८. „ सुरतांण गांगाउत—५१

१. मुरारीदान री ख्यात २ पृ० ११७।

२. मुहणोत नैणसी की ख्यात, भा० २ पृ० १५७।

३. मुरारीदान री ख्यात २ पृ० ११७।

४. मुरारीदान री ख्यात २ पृ० १२०-१२२।

६. राठोड़ पत्तो कान्हावत (हाथो रै दात वढ़ियो) ७
१०. ,, वैरसी राणावत—२१
११. ,, वीदो भारमलोत बाला—११
१२. ,, कला भीत्रोत सुरजोत—२१
१३. ,, हापा सीहावत—११
१४. ,, रायमल अखैराजोत रिणमल—११
१५. ,, भोजराज पंचाइणोत अखैराजोत—१
१६. ,, भदा पचइणोत—५१
१७. ,, जमल वीदा परवतोत का—१
१८. ,, नीवा अणदोत—११
१९. ,, भोजा पंचाइणात—११
२०. ,, भानीदास सूरा अखैराजोत का—३१
२१. ,, महेश देदावत—५१
२२. ,, जैतसो राघाउत—५१
२३. ,, हरपाल जोधाउत—५१
२४. ,, हरदास खंगारोत—१
२५. सोनगरा अखैराज रिणधोरोत—१
२६. ,, भोजराज अखैराजोत—२१
२७. भाटी पंच.इण जोधावत—११
२८. ,, मेरा अचळावत—६१
२९. ,, गांगा वरजागोत—८१
३०. ,, केलहण आनमल हमीरोत का—११
३१. ,, हमीर लखाउत—२१
३२. ,, सूरा पाताउत—११
३३. ,, माधोदास रावोदासोत—२१
३४. ,, सूरा परवतोत—७१
३५. ,, नीवा पतावत—५१
३६. सोढा नाथा देदावत—३१
३७. देवडा अखैराज वनावत—११
३८. ऊहड़ वीरा लखावत—१

३९. ऊहड़ सुरजन नरहरदासोत—११
 ४०. सांखला डूंगरसी घामावत—११
 ४१. मांगलिया हेमा नींवावत—१
 ४२. ईन्दा किसना ।
 ४३. चारण भानो खेतावत दधवाड़ियो—१
 ४४. पठाण अलेदादखां—१
 ४५. जैमल वीदावत डूंगरेत, राठीड़ खींवा ऊदावत का नौकर ।

इसी ख्यात में आगे लिखा है कि उपरोक्त सरदारों के आदमी व घोड़े वगैरा १००० काम आये तथा राव की (निजी फौज के) २००० आदमी खेत रहे ।

रा० प्रथीराज-जैतावत (५९/३८)—यह प्रसिद्ध वीर जैता का पुत्र था । जैसा भैरवदासोत ने सिफारिश करके राव मालदे से इसे बगड़ी का पट्टा दिलवाया ।^१ इसने मालदे के लिये अनेक युद्धों में भाग लिया । मेड़ता के युद्ध में इसने बड़ी बहादुरी दिखाई थी, जिसकी साक्षी का दोहा उल्लेखनीय है—

फुल्ल कमंघ तेयाह, हुवा नर केई भळे ।

न को गहीर गुणेह, पै सारीखो पीथला ॥

वीदास जैतावत (५९/४०)—यह मालदे के प्रसिद्ध सामंतों में से था । यह प्रारम्भ में ऊदावत रतनसिंह खींवावत का सरदार था । इसके बांभा-कुड़ी ग्राम उस समय पट्टे था । राठीड़ पृथ्वीराज के काम आजाने के बाद राव मालदे उसकी पूर्ति के लिये किसी ऐसे ही वीर की खोज में था, अतः उसने देवीदास का अपने सामंतों में स्थान दिया । इसने हाजीखाँ और राणा उदरसिंह के बीच जो युद्ध हुआ, उसमें हाजीखाँ की ओर से लड़कर बड़ी वीरता दिखाई । राव ने प्रसन्न होकर इसे बगड़ी का पट्टा ८० गाँवों सहित दिया । इसके ऊपर राव ने मेड़ता की सुरक्षा का प्रबन्ध सौंपा था, जिसे उसने भली भाँति निभाया और अंततः उसके रक्षार्थ ही काम आया ।^२

१. ऐतिहासिक बातें (परम्परा) पृ० ४६ ।

२ " " " " पृ० ५५ ।

इसके वीरोचित कार्यों की प्रशंसा में ग्रन्थ भाणेत ने वीर रसात्मक रचन 'देवीदास जैतावत री वेल' डिंगल भाषा में लिखी है।^१

तेजसी हूंगरसियोत (६०/४०)—यह भी अपने समय का बड़ा वीर हुआ। प्राचीन बातों में इसके लिये 'असंख प्रवाड़े जैतवादी' विरुद्ध प्रयोग में लिया गया है। इसने चाटस् के पँवारों को लूट कर अपना बैर लिया था। इसने राव मालदे की ओर से सिवाने की रक्षा का प्रबन्ध भी किया था। इस अवसर पर खर्च के लिये एक लाख फदिया राव ने तेजसी को देना स्वीकारा था, परन्तु हुजदारों ने यह रकम कई दिनों तक नहीं दी। एक दिन जब राव भोजन कर रहा था और राव का कामदार अभा उससे मिलने को ड्योढ़ी में जाने लगा, तो तेजसी ने उसे रोक लिया और कहा—मेरी रकम देकर अन्दर जाओ। अभा ने जैसे-तैसे करके पीछा छुड़ाया और वह मालदे से मिलने अन्दर गया। जब मालदे ने उसे विलम्ब से आने का कारण पूछा, तो उसने तेजसी द्वारा किये गये तकाजे की बात की। राव ने तेजसी को अन्दर बुलवा कर पूछा तो उसने वही तकाजा राव के सामने भी किया। राव ने गुस्से में आकर भोजन का थाल (सोने का) पटका, तेजसी अपनी रकम की पूर्ति के बदले वह थाल उठा कर अपने डेरे पर चला आया। तब से यह कहावत प्रचलित हुई कि 'बंटाव में थाली तेजसी ली'।

इसने सिरोही को महमूद के आक्रमण से बचाया—'माडे राखी महमदे सरणे सिरोही' वाद में राव मालदे ने इसे अपनी सेवा से मुक्त कर दिया था, तब यह कुछ समय तक गुजरात के वादशाह की सेवा में भी रहा। फिर राणा उदयसिंह की सेवा में रहा। गाँव घूलोप इसके पट्टे में था। हाजीखाँ के विरुद्ध यह बहुत वीरता से लड़ा था।^२
साक्षी का दोहा—

आल्यां ताक्या आड़, सीसोद्यां सेरी करी ।

माणस नै मेवाड़, तने मळाय्या तेजसी ॥

^१परम्परा (भा० १४) पृ० १०६ ।

^२ ऐतिहासिक बातें (परम्परा) भा० ११, पृ० ६१-६८ ।

जगमाल (६३/४२)—यह राव वीरम का पुत्र था । यह राव मालदे की चाकरी करता था । प्रारम्भ में इसे राव ने खेरवा का पट्टा दिया था, फिर आधा मेड़ता दिया । जब अकबर बादशाह ने मेड़ता पर अधिकार कर लिया, तब यह बादशाह से जा मिला और जब जैमल चित्तौड़ को चला गया तब बादशाह ने फिर आधा मेड़ता इसे दे दिया ।^१ इसके वंशज मसूदा के जागीरदार हैं ।^२

राव रौ साथ काम आयौ (६५/४७)—सरफुदीन ने जब मेड़ता पर चढ़ाई की तब राव के आसामों ३४ सरदार और राजपूत चाकर ६६ काम आये ।^३

बीठलदास जैमलोट (६७/४८)—इसके पट्टे में गाँव आल्हणियावास और केकींद थे । फिर यह राणाजी के आश्रय में चला गया तथा हल्दीघाटी के युद्ध में अपने भाई रामदास के साथ काम आया ।

सादूल जैमलोट (६७/५०)—इसको जैमलजी ने जागीर में कुड़की ग्राम दे रखा था । इसके तीन पुत्र थे—परशुराम, राघोदास और चतुर्भुज ।^४

सुरताण जैमलोट (६९/५४)—यह सोलंकियों का भानजा था । जब चित्तौड़ के साके में जैमलजी काम आये, तब बादशाह ने इन्हे शाही सेवा में उपस्थित हो जाने की सूचना राजा मान कछवाहे के मारफत इसके पास भेजी । तब सुरताण ने यह उत्तर दिया कि सकट के समय अभी तो राणा को नहीं छोड़ेंगे । बाद में यह अकबर की सेवा में उपस्थित हुआ, तब आधा मेड़ता इसे दे दिया गया । एक बार मेड़ता के एवजाने में सोभत भी इसके पट्टे में रहा । यह जब राजा मानसिंह के साथ पूर्वी की ओर चढ़ाई में गया, तब गोकुल में सवत् १६४६ में इसका स्वर्गवास हुआ । यह कट्टर राजपूत था । इसके चरित्र पर निम्न दोहे से प्रकाश पड़ता है—

सुरताण आर्ष पतसाह सु, दो वातां न बणेह ।^५

धी दे धरा न भोगवा, महळ न देखण बेह ॥

१. मुरारीदान री ख्यात, पृ० ५२०-२१ ।

२. वही, पृ० ५२२ ।

३. वही, भा० ३, पृ० १९६ ।

४. मुरारीदान री ख्यात २. पृ० ४७० ।

५. मुरारीदान री ख्यात २, पृ० ४६२-६४ ।

केसोदास (६६/५४)—यह सोलंकियों का भानजा था । जैमलजी के काम आने पर यह अकबर के पास उपस्थित हुआ, तब बादशाह ने इसे आधा मेड़ता दिया । संवत् १६५५ में दक्षिण की लड़ाई में गोपालदास सुरताणोत के साथ काम आया ।

जगनाथ गोपालदासोत (७२/६०)—मुरारीदान की ख्यात में इसे राणा प्रताप का दोहीत्र लिखा है । संवत् १६५७ में जब आधा मेड़ता बादशाह ने इससे ले लिया तो नागौर की रूण की पट्टी इसे जागौर में दी । संवत् १६६६ में यह अहमदाबाद में काल-कवलित हुआ ।^१

कान्ह केसोदासोत (७२/६०)—केसोदास की मृत्यु के बाद वह आधे मेड़ते का हकदार हुआ । संवत् १६५८ में दक्षिण में रहते हुए इसका स्वर्गवास हुआ ।

इन्द्रभाण (७३/६२)—यह कान्हदास का पुत्र था । इसे बादशाह ने इसके पिता को जगीर न देकर केकीद का पट्टा २२ गाँवों से दिया था । बाद में यह जागीर भी उससे लेली गई और जोधपुर के राजा को देदी गई ।^२

अबू (७३/६३)—इसका पूरा नाम अबुमुहम्मद था । इसके साथ बलूँदा के ठाकुर रामदास सूरसिंघोत ने मुगदड़ा में युद्ध किया था इसका वृत्तांत विगत के प्रथम भाग में आया है ।^३ इस सम्बन्ध में कुछ अतिरिक्त जानकारी बलूँदा ठिकाने की तवारीख में मिली है । उसमें लिखा है कि नंदवाणे वोहरों को पकड़ कर अबू ले जाने लगा, तो उन्होंने बलूँदा के ठाकुर रामदासजी से फरियाद की, इस पर रामदासजी ने मुगदड़े में आकर लड़ाई की । पंचोली राघोदास बलुओत (जैतारण का अधिकारी) राठौड़ जैतसिंह कछावत (२१ आदमियों सहित) मुगदड़े का ठाकुर तथा माधवदास दधवाड़िया आदि ५२ आदमी काम आये । राठौड़ गोपालदास सुंदरदासोत (रीयाँ का ठाकुर) के घायल होने का उल्लेख इसमें है

१. मुरारीदान की ख्यात २, पृ० ५६५ ।

२. वही, पृ० ४७२ ।

३. मारवाड़ रा परगनां री विगत, भाग १ पृ० ११३ ।

रामदास इस युद्ध में बड़ी वीरता से लड़ा था और उसके काम आने पर उसकी ठकुरानी रभादे उसके पीछे संवत् १६७६, जेठ सुदो ६ को सती हुई। जिसका स्मारक (छत्रो) श्रीमालियों की बगीचे में संवत् १६६४ को जेठ सुदि १३ को बनाया गया ।^२

इस प्रसंग पर रामदास और माधवदास दधवाड़िया की कर्त्तव्यपरायणता को अमर करने वाला एक गीत महाकवि राठौड़ पृथ्वीराज विरचित उपलब्ध हैं । गीत इस प्रकार है—

बडो एक रजपूत नै एक चारण बडो ।
 बहु जां जलम लग होत बाधो ।
 महा गजसिंह छळ सूर रामो मरै ।
 मरै राम सुछळ म र माधो ॥ १ ॥
 सांसह मुरधरा काम खोसीजती ।
 मुरधरां तणी जुहरे भुजां मढ ।
 सूर सुत छळ जुड़ मरे रण चंद सुत ।
 चंद-सुत सुछळ जुड़ मरै सुत चंद ॥२॥
 हेत अमीज सध उबे सत्रवां जैत हर ।
 परठिया चीन वासक कमळ पाव ।
 राव कमधज तणी चाड कमधज रहै ।
 रहे विहु चाड दधवाड़ियो राव ॥३॥
 पल खड़ खेत जल चाड कुल आपरै ।
 राम मधकर दिन सार रसिया ।
 कवारी घड़ा वर चंद नावो करै ।
 वीरहर मयंकहर स्वर्ग वसीया ॥४॥^३

कान्हू र्षोवाधत (७५/६७)—यह आसोप के ठाकुर खींवरकां का पाटवी पुत्र था । यह जोधपुर के महाराजा सूरसिंह की सेवा में था । कुँवर

१. विप्र बचावण काररो बजे जुंभारू ढोल ।
 चढ र्चादा रा पारधी, बंदी जाय निबोल ॥
 रामदास जद राम भज, चढियो तुरकां लार ।
 तुरकां रा तंडल करे, विप्र छुडावण वार ॥
२. बलूंदा कुँवर मवानीसिंहजी के सौजन्य से प्राप्त ।
३. शोध विद्यार्थी माधवप्रसाद सोनी के सौजन्य से प्राप्त ।

गजसिंह के साथ इसने भी खुर्रम की सहायतार्थ मेवाड़ के घेरे में भाग लिया था ।^१

अजमेर में जब किशनसिंह राठौड़ आदि ने भाटी गोयंददास को मारा, तब इसने किशनसिंह का पक्ष लिया, जिससे राजा सूरसिंह नाराज हो गये और ग्रामोप का अधिकार इससे लेकर इसके भाई राजसिंह को दिया । सूरसिंह की मृत्यु होने पर यह गजसिंह की सेवा में उपस्थित हुआ । गजसिंह इसकी काबलियत से परिचित था, अतः उसने इसे मेडता के प्रबन्ध के लिये भंडारी लूणा के साथ भेजा ।^२ इसके ७ पुत्र थे, जिनमें से रामचन्द्र महाराजा जसवंतसिंह को सेवा में कांवल इलाके के ग्राम सुरखाव में काम आया ।^३

पडुखां री वासणी (११७/६२)—यहाँ के एक प्राचीन कुँए पर दिल्ली के सुल्तान अलाउद्दीन खिलजी के समय का वि० सं० १३५८ का एक शिला-लेख है, जिसमें मेडता में उक्त सुल्तान द्वार अपना फौजदार नियुक्त किये जाने का उल्लेख है ।^४

रामा चारणां री वासणी (११६/६२)—यहाँ का स्थान रामा चारणा ने बसाया, अतः इसी के नाम पर इस गाँव का नाम पड़ा ।

केकीदर (१२०/६३)—इसका संस्कृत लेखों में किस्कन्धा नाम मिलता है यह स्थान मेडता से १४ मील दक्षिण में है । यहाँ ११ वीं शताब्दी का एक शिव मन्दिर है, जिसके सभा-मण्डप में ४ शिला-लेख है । दूसरा मन्दिर पार्श्वनाथ का है, यह मूलतः १३ वीं शताब्दी के आस-पास का बना हुआ है, परन्तु अधिकांश भाग बाद का है जैसा कि महाराजा गजसिंह के समय के एक लेख से प्रतीत होता है ।^५

भवाळ (१२१/६३)—यह मेड़ना से १२ मील दक्षिण में है । यहाँ महाकाली का

१ मराठीजन री ह्यात २ पृ० ४७२ ।

२. कूपावत राठौड़ों का इतिहास राव शिवनाथ, पृ० १६२ ।

३. खींमर ठिकाने की ह्यात ।

४. जोधपुर राज्य का इतिहास (प्रथम भाग) डॉ० ग्रीष्म, पृ० ३३ ।

५. वही पृ० ३४-३५ ।

प्राचीन मंदिर है, जिसमें ११७१ संवत् का लेख है।^१ यह ग्राम ग्रास-करण मानसिंघोत मेड़तिया की जागीर में था।^२

नीलियों (१२१/६३)—यह ग्राम मेड़तिया जैमल के पौत्र बिहारीदास वीठल-दासोत को संवत् १६६७ में मिला।^३ यहाँ ऊदाजी और वीरम के बीच घोड़ियों के सम्बन्ध में युद्ध हुआ था। ऊदा ने वीरम की कटार खुलवादी, तबसे मेड़तिये कटार नहीं बाँधते।

सेहरियों (१२३/६३)—यह गाँव जोधपुर के राजा की ओर से संवत् १६६६ में कल्याणदास जैमलोत के पुत्र बिहारीदास को मिला और १६६६ में जव्त हुआ।^४ बाद में इस स्थान को संवत् १६६५ में चांपावत केहरखान ने आबाद किया।^५

देहरियों (१२८/६३)—यह गाँव ३ अन्य गाँवों सहित प्रयागदास हरीसिंघोत के पट्टे में था। इसके बाद वीराणी और रलावता उसके पट्टे में रहे।^६

हंदो (१३१/६५)—यह गाँव साँवळ कल्याणदासोत मेड़तिया को संवत् १६६४ में सात गाँवों से मिला।^७ बाद में संवत् १६८४ में गोपीनाथ गोकुल-दासोत को मिला। यह उज्जैन की लड़ाई में काम आने वाले योद्धाओं में से था।^८

खुवासपुरी (१३३/६५)—शेरशाह के सामंत खवासखाँ के नाम से प्रसिद्ध हुआ। यहां खवासखाँ की कब्र व उसके महलों के खण्डहर हैं।

सिरसलो (१४२/६७)—यह गाँव संवत् १६६६ में साँवळदास गोयंददासोत मेड़तिया को जागीर में मिला।^९

१. जोधपुर राज्य का इतिहास (प्रथम भाग) डॉ० श्रीभा ५० ३६।

२. मुरारीदान की ख्यात, २, पृ० ५१५।

३. मुरारीदान की ख्यात, २ पृ० ४८६।

४. वही पृ० ४८०-८१।

५. फुटकर ख्यात पृ० ६६।

६. मुरारीदान की ख्यात, २, पृ० ५४५।

७. वही ० ४८३।

८. वही ० ४७७।

९. वही, २ पृ० ५०१।

राहण (खास) (१५३/१००)—यह गाँव दूदा ने सीहा को जागीर में देकर मेड़ता अपने अधिकार में कर लिया था। रायमल दूदावत के पट्टे में भी कुछ समय तक रहा। फिर सुरताण जैमलोट की ओर से कल्याणदास जैमलोट के पट्टे में रहा। संवत् १६५७ में ४५ गाँवों से उदैसिध भगवानदासोत मेड़तिया को मिला।^१

छापरी बड़ी (१५६/१००)—सं० १६७२ में मोहणदास तेजसिहोत के पट्टे में थी।^२

ईडवो (१६७/१०४)—यह गाँव अर्जुन रायमलोट मेड़तिया के पट्टे में था। जब अर्जुन चित्तौड़ के युद्ध में राणा की ओर से लड़कर काम आ गया, तो उसके पुत्र नरवद को मिला।^३

पालड़ी बड़ी (१०८/१०४)—चतुर्भुज मनोहरदासोत मेड़तिया के पट्टे में थी।^४

सीरासणो (१०८/१०४)—संवत् १६६० में १३ गाँवों से हरोसिंह चाँदावत मेड़तिया को जागीर में मिला था।^५

डूगरवास (१७३/१०४)—यह गाँव संवत् १६८३ में ग्रमरा रायसिधोत मेड़तिया को दो अन्य गाँवों सहित जागीर में मिला।^६

फरासतपुरो (१७३/१०४)—इस गाँव का नाम महाराजा जसवंतसिंह के हाकिम मिया फरासत के नाम पर पड़ा।

अलतत्रो (१७६/१०५)—संवत् १६८३ में रणछोड़ गोनालदासोत को यह गाँव मिला था। फिर वनसालोदास विहारोदासोत को सं० १६८८ में १३ गाँवों से दिया गया। संवत् १६९६ में महासिंह जगनाथोत को दिया गया।^७

१. मुरारीदान री ख्यात २, पृ० ५५५, ४७३, ५६१।

२. वही पृ ५२३।

३. वही पृ० ५५६।

४. वही २, पृ० ४८७।

५. वही पृ ५४४।

६. वही पृ० ५३३।

७. वही पृ० ४८६, ५००।

मदीयांन (१७६/१०५)—संवत् १६८० में ३ गाँवों सहित भगवानदास परसरामोत मेड़तिये के पट्टे में था ।^१

भयो बडो (१७७/१०५)—संवत् १६८० में ५ गाँवों सहित हरीदास गोयंददासोत मेड़तिया को मिला था । तत्पश्चात् सवत् १६८२ में सबलसिंह सेखाउत को मिला ।^२

डोभड़ी बड़ी (१७९/१०५)—संवत् १६०० में यह मनोहरदास सुन्दरदासोत की जागीर में ४ गाँवों सहित थी । सवत् १६९० में सिंघ हरीदासोत को मिली ।^३

रतनसी दूदावत (१८५/१०६)—प्रसिद्ध भक्त कवयित्री मेड़तणी मोरा का पिता । यह राणा सांगा की ओर से लड़ता हुआ खनवा के युद्ध में काम आया ।

लसू बडी (१८८/१०७)—संवत् १६८० में उग्रसेन सुन्दरदासोत मेड़तिया को मिली । सं० १६८९ में अजबसिंह रामदासोत को ७ गाँवों सहित दी गई ।^४

तांबड़ोली (१८९/१०७)—संवत् १६८४ में यह ग्राम मुरारीदास गोयंददासोत को ७ गाँवों से जागीर में मिला था ।^५

रेवंत (१९१)—संवत् १६८० में सुजाणसिंह उग्रसेनोत मेड़तिया के पट्टे में थी ।^६

रेयां (१९९/१०९)—माधोदास जैमलोट का वतन था । उसके बाद सुन्दरदास और उसके पुत्र गोपालदास की जागीर में रहा । संवत् १७२४ में आणंदसिंह भीवसिघोत को मिला ।^७

कुड़की (२००/१०९)—भोज सीहावत से छुड़वाकर यह ग्राम वीरमदे ने रतनसी दूदावत को दिया था ।^८ यह स्थान मीराबाई का जन्म-स्थान माना जाता है ।

१. मुरारीदान री लघात, पृ० ५०३ ।

२. वही, २, पृ० ५३६, ५४१ ।

३. वही, पृ० ४८६, ५६८ ।

४. वही, पृ० ५६१ ।

५. वही, पृ० ५३८ ।

६. वही, पृ० ५६१ ।

७. वही पृ० ४८३-४८४ ।

८. वही, पृ० ५७३-५७४ ।

साडपुरौ (२०२/१०६)—सं० १६६७ में यह ग्राम हरीराम कलाउत को मिला ।
संवत् १६७१ में उसका पुत्र रामचन्द्र अधिकारी हुआ ।^१

केरियो (२०४/१०६)—रामचन्द्र रघुनाथोत को संवत् १६७५ में मिला था ।

नरसिंघवासणी (२११/१०६)—नरसिंघदास रायमलोत मेड़तिया की बसाई हुई ।

परगना सिवाना

सीवाणो (२१६/१)—सीवाने का गढ़ वीरनारायण पँवार द्वारा बनवाया हुआ माना जाता है । ख्यातों में इसे कुंभटा भी कहा गया है । मुरारीदान की ख्यात मे लिखा है कि यह किला सिंह-लंका होने से कड़तोड़ियल (जिसकी कटि टूटी हुई है) माना जाता है, अतः यह राजधानी बनाने योग्य नहीं है,^२ यहाँ पर कोई भी शासक पनप नहीं सकता ।

तीडो छाडावत (२१६/२)—इसकी उपलब्धियों पर लिखा हुआ एक प्राचीन गीत इस प्रकार है—

पिड़ सांचोर सौनगिर पास ।
सीहाहरै चढै रिण सोक ।
सातंगपुर मरु कटक मरावै ।
मुंह भजाइ गयो मछरीक ॥१॥
गौतमपुर हूँता ग्रह गाँजै ।
भिड़ सेन वळियो वंक भाळ ।
खाडा बळ जीतो खेड़ेचे ।
राव जाळोरो रिणताळ ॥२॥
छोडवियो मछरी छाडावत ।
मुणस घणा ग्रहै कमाण ।
भागो राव राठौड़ भिड़ते ।
चोरंग साँवतसी चहुवाण ॥३॥^३

जैतमाल सलखावत (२१६/३)—यह सलखा की पड़िहारी रानी (राणा रूपड़ा की लड़की) का पुत्र था । इसके १२ पुत्र थे । इनमें से खीवकर्ण बड़ा प्रतापी हुआ । इसने अपने पुत्रों को मृत्यु के समय यह निर्देश दिया

१. मुरारीदान री ख्यात २, पृ० ५२५ ।

२. वही, पृ० ६३० ।

३. वही, पृ० ५४ ।

कि सिवाना हापा के अधिकार में रहने देना और तुम सभी विदेशों में अपने-अपने ठिकाने कायम करना ।^१ इसके वंशज जैतमालोत कहलाये ।

रायमल मालदेओत (२१६/७)—यह मालदे की भाली रानी हीरादे का पुत्र था । संवत् १६२७ में बादशाह अकबर जब नागौर आया, तब मोटाराजा उदयसिंह के साथ यह भी बादशाह से मिला । इसे शाही नौकरी में रख लिया गया । इसके ५ पुत्र थे—कल्याणदास, प्रतापसी, कान्ह, बलभद्र तथा सांवलदास ।^२

राजा रायसिंघ भुरटियो (२१६/८)—बीकानेर का प्रसिद्ध शासक था । इसका नाम भुरटिया कैसे पड़ा, इसका बड़ा चिलचस्प किस्सा है । मुगलों की ओर से फरमान लेकर जो अहदी वगैरह आते थे, उन्हें मरुप्रदेश का लंबा रास्ता पार करना होता था । रास्ते में कांटेदार भरूँट घास बहुत होने से यात्रा कष्टदायक होती थी, फिर बीकानेर पहुँचने पर उनकी आवभगत न होकर उपेक्षा-सी होती थी, इसलिये उन लोगों ने राजा के नाम के साथ 'भरूटियों' शब्द कहना प्रारम्भ कर दिया और इस प्रकार यह नाम प्रचलित हो गया ।

थोभ बडोबास (२३६/१६)—यह प्राचीन नगर है । किसी समय में यहाँ जैनियों की अच्छी बस्ती थी । इस स्थान पर लिपिबद्ध अनेक जैन-ग्रन्थ उपलब्ध होते हैं ।

सूरपुरौ (२४१/१६)—महाराजा सूरसिंह के राज्य-काल में बसा, इसलिये इसका यह नाम पड़ा ।

बालोतरो (२४६/१६)—यह बड़ा गाँव लूनी नदी के पास बसा हुआ है तथा यहाँ की जमीन सरसब्ज है ।

पचपदरो (२४७/१६)—नमक की खानों के लिये यह स्थान प्रसिद्ध है । यहाँ नमक की खानों पर पुश्तैनी तौर से कार्य करने वाले खारवालों की बड़ी बस्ती है ।

१. बांकीदास की ख्यात, पृ० ५ ।

२. वही, पृ० १६ ।

गोपड़ी (२४८/१९)—यहाँ रावळ मलीनायजी का प्राचीन स्थान है ।

नेवाई (२४८/२१)—यह ग्राम सं० १६७९ में सोनगरा भाखरसी जसवंतोत के पट्टे में आया ।^१

पाटोधी (२५०/१९)—मारवाड़ में बड़िया नरल की घोड़ियों के लिये यह स्थान प्रसिद्ध रहा है । यह राठौड़ महेसदास मालदेओत को पट्टे में मिला था ।^२

गुधरट (२५५/१९)—हेमा सीमालोत के साथ जगमाल की जब अनवन हो गई, तो यहाँ के पहाड़ों पर रह कर हेमा ने महेवा की धरती में खूब नुकसान किया था ।^३ विखे के समय मालदे भी यहाँ कुछ समय तक रहा ।

नाईली (२६२/१९)—नाइली नामक पहाड़ी के पास बसा हुआ होने से इसका यह नाम पड़ा ।

परगना पोहकरण

पोहकरण (२८६/१)—यह स्थान पुष्कर ऋषि द्वारा बसाया हुआ माना जाता है । पूरा परगना मरुस्थली है, पर जहाँ पोकरण शहर बसा है, वहाँ पानी की कमी नहीं है । जैसलमेर को सीमा पर होने के कारण इस स्थान का विशेष महत्व है, क्योंकि यहाँ जैसलमेर वालों का भी अधिकार रह चुका है । उनके द्वारा किले में करवाये हुए कार्य तथा याचकों को सांसण में दिये हुए गाँवों का उल्लेख इसके स्पष्ट प्रमाण हैं । यहाँ पर बसने वाले राठौड़ पोकरण राठौड़ कहलाते हैं ।

रांमदे पीर (२६१/५)—मारवाड़ के प्रसिद्ध पाँच पीरों में इनका स्थान है । रांमदे ने जनता के कष्ट निवारणार्थ अनेक कार्य किये थे, जिसके कारण आज दिन भी राजस्थान और गुजरात के लोग उनमें श्रद्धा रखते हैं, तथा बहुत दूर-दूर से मनौती के लिए लोग आते हैं । संत हरजी भाटी की लिखी 'रांमदे री वेल'^४ में इनकी उपलब्धियों का उल्लेख है । वैसे

१. सुरारीदान री ख्यात, २, पृ० २५६ ।

२. वही, पृ० २५२ ।

३. मुंहता नंगसी री ख्यात भा० २, पृ० २८८ ।

४. परम्परा भा० १४ पृ० १०५ ।

इनके गीत मेघवाल जाति में अत्यधिक प्रचलित हैं ।

नरै आपरो आँण कैरी (२६२/६)—मुहता नैणसी ने अपनी ख्यात में इस प्रसंग का बड़ा दिलचस्प किस्सा लिखा है । पोकरण पर खीवा का अधिकार था और नरा फलोधी पर शासन कर रहा था । एक दिन जब नरा अपनी माँ लक्ष्मीवाई के पास बैठा भोजन कर रहा था, तो पोकरण पर विजली चमकती हुई दिखाई दी । लक्ष्मीवाई ने उस ओर देख कर निश्वास लिया । नरा ने इसका कारण-पूछा तो अधिक आग्रह करने पर उसने बताया कि खीवा ने किस तरह निदात्मक भाव से किसी समय उसके साथ शादी करने के प्रस्ताव को ठुकरा कर एक कुँआरी लड़की का अपमान किया था । इस पर नरा ने इसका बैर लेने का निश्चय किया और अपने पुरोहित को गुप्तचर के तौर पर पोकरण भेजा । उसने कई दिनों तक वहाँ रहकर सारी स्थिति का पता लगाया और एक दिन खीवा की अनुपस्थिति में उपयुक्त अवसर समझकर नरा को सूचना दी, जिससे नरा ने आकार सहज ही में गढ़ पर अधिकार कर लिया ।^१

नरौ बाहर चढियौ (२६२/६)—वारह वर्ष बाद नरा से बैर लेने के लिये खीवा और उसका पुत्र लूँका अपने सैनिकों सहित पोकरण पर चढ़ आए और वहाँ की गाँवों को घेर कर ले गये । नरा ने उनका पीछा किया और पोकरण से ५ कोस दूर नादणहाई ग्राम के पास युद्ध हुआ, जिसमें लूँका के हाथ से नरा का मारा गया । वहाँ एक जाल के पास उसका सिर कट कर पड़ा ।^२

पोकरण रा दुय बांट किया (२६३/७)—खीचा के वंशज गोयंद के राज्य में बराबर लूट-पाट करते रहे, जिससे तंग आकर उसने लूँका को ३० गाँवों का वंट दिया^३ और जिस जाल के पास नरा का सिर कट कर गिरा था, वहाँ सीमा कायम करदी । लूँका ने अपनी राजधानी भुणियाणा ग्राम में कायम की ।

१. मुहणेत नैणसी की ख्यात, भा० ३ पृ० १०३-१२ ।

२. वही, पृ० ११४ ।

३. वही ।

- राव बरगंग (३११/३)—यह पोकरण का शासक और खींवा का पिता था ।
- बाळनाचजी (३११/३)—खींवा के शासन-काल मे यहाँ यह योगी रहता था ।
फिर वह रूष्ट होकर वहाँ से चला गया । जाते समय उसने शाप दिया,
जिससे खींवा को राज्य खोना पड़ा ।^१
- देहीयां री वास (३३०/३६)—यहाँ बसने वाले राठौड़ दोढिया राठौड़ कहलाये ।
- चांदसमो (३३५/३६)—यहाँ के राठौड़ चांदसमेचा कहलाये ।
- ढंढ री सरेह (३३६/३६)—डूढ पडिहार अडवाल^२ का खुदवाया हुआ यहाँ तालाब
है, अतः उसीके पीछे इस गाँव का यह नाम पुकारा जाता है ।
- साकड़ो (३४०/४०)—यह पोकरण के प्रसिद्ध गाँवों में से है । भूमितल में अब
भी पानी ८-१० पुरस पर खूब उमलवध होता है ।
- पडिहार राणो रूपड़ो (३४३/४०)—यह रूपड़ा मारवाड़ी गीतों मे गाया जाता
है । इसके १२ पुत्रिये थी । इसने प्रण कर रखा था कि वारह ही
लडकियाँ वह रावों (राव की पदवी वालों) को व्याहेगा । ११ लडकियाँ
तो उसने रावों को व्याह दी पर १२ वीं के लिये वर न मिलने पर उसने
भाटी राव केलण को व्याही । तब से केलणों और पडिहारो के सम्बन्ध
होने लगे ।^३
- भुणियांणो (३४४/४१)—लूँका पोकरण पोकरण के आवे गाँव ३० की ठकुराई
यहाँ रहकर करता था । इसके खडहरों से ज्ञात होता है कि यह गाँव
प्राचीन समय में सम्पन्न था ।
- वांभरू (३४६/४५)—यहाँ के राठौड़ वांमणुवा कहलाये ।
- रांमदेहरो (३४६/४२)—रानदेवजी ने जब पोकरण हमोर जगमालोत को दे दो,
तब वे यहाँ आकर रहे । यह पोकरण का महत्वपूर्ण स्थान है क्यो कि

१. मुहसोत नेणसा री ख्यात ३, पृ० १०७ ।

२. यह अडवाल कोई प्रसिद्ध व्यक्ति होना चाहिए । सानोड़ी ग्राम के पास अडवाल
नामक बड़ा पहाड़ है । संभव है, इसी के नाम पर इस पहाड़ का नाम भी रखा
गया हो ।

३. मुरारीदान की ख्यात ३ पृ० १७५ ।

वर्ष में दो बार यहां रामदे पीर का मेला लगता है, जिसमें लाखों लोग आते हैं ।

म्हड़ जीवण रौ बास (३५१/४३)—महड़ जीवण ने पोकरणों और गोयंदोतों का बैरभाव प्रयत्न करके समाप्त करवाया, तब पोकरणों ने उसे यहाँ जमीन दी । उसकी बसी का यही नाम पड़ गया ।

रतनू रूपसी रौ बास (३५२/४३)—यह ग्राम रतनू रूपसी को जैसलमेर के रावळ भीव द्वारा उस समय दिया गया जब पोकरण जैसलमेर के अधिकार में थी ।

म्हड़ू षीदा रौ बास (३५२/४३)—यह ग्राम जैसलमेर के रावळ मनोहरदास द्वारा महड़ू षीदा को संवत् १६८८ में दिया गया । यहाँ पर म्हड़ू खीदा की बसी थी इसलिये उक्त स्थान का नाम यह पड़ा ।

रतनू भारमल रौ बास (३५३/४३)—इस स्थान का अन्य नाम कीलाणपुर शायद जैसलमेर के रावळ कल्याणदास के नाम पर पड़ा हो । कल्याणमल ने यह गाँव रतनू भारमल को दत्त में दिया तब पोकरण के अधिकारियों ने आकर शासक के आदेशानुसार इसकी सीमा निश्चित करदी । अतः इससे ज्ञात होता है कि पूरा ग्राम दत्त में न देकर उसका कुछ भाग ही उक्त चारण को दिया गया होगा और उसकी बसी उक्त नाम से प्रसिद्ध हुई ।

नांदणहाई रौ बास (३५४/४३)—यह ग्राम लूंका के पुत्रों द्वारा चारण लूंभा और सादा मेघावत को दिया गया । इससे पता चलता है कि कभी-कभी शासक के पुत्रों द्वारा सामूहिक रूप से भी ग्राम दत्त में दिये जाते थे ।

गाँव केलावौ आधौ (३५५/४३)—यह ग्राम राव गोयंद नरावत द्वारा चारण नाल्हा को इस उपकार के बदले में दिया गया कि जब षीवा बरजांगोत गाये घेर कर लेजाने लगा तब नरा उसके पीछे बाहर चढा और नरा ने युद्ध करके वीरगति प्राप्त की परन्तु उसके बहुत से साथी बुरी तरह घायल हुए, इनकी सेवा सुश्रुसा चारण नाल्हा ने खूब अच्छी तरह की ।

केलावा ग्राम उस समय सूना पडा था उसका आधा हिस्सा उक्त चारण को और आधा भाटी वोरम जोवावत को दिया गया तभी से इसके दो वास अलग-अलग वसे ।

बाकी २५ गाँव भांडणा (३५५/४३)—लेखक ने पोकरण के पूरे गाँवों की विगत प्रस्तुत न करके ६१ गाँवों की ही विगत प्रस्तुत की है । संभवतः उसने यह विगत पोकरण परगने को हाकिमो करते समय तैयार की^१ परन्तु शीघ्र ही उसका स्थानान्तरण हो जाने से इसे वह पूरी नही कर पाया ।

—

विगत में प्रयुक्त विशिष्ट शब्दों का अर्थ

अडांगी—रहन रखना

अफीण—अफीम पर कर ।

अणी—फौज की टुकड़ी, फौज का एक भाग ।

अमीन—मुगल साम्रज्य का बड़ा राजस्व अधिकारी जिसको पशुधन आदि सम्पत्ति कुड़क करके भी वसूली करने का अधिकार होता था ।

अनड़—बड़ा पहाड़, ऐसा पहाड़ जो किसी के कब्जे में न आ सके ।

अरट—रहट ।

अवल ऊनाली—प्रथम दर्जे की रबी की फसल ।

असुष—वैमनस्य, मनमुटाव ।

अहधी—वह मुगल राज्य-कर्मचारी जो विशेष सदेश लेकर राजा आदि के यहां पहुंचता था ।

आंग दांग—शासक के नाम की दुहाई ।

आईठांग—निशान, शेष चिन्ह ।

आषा—अक्षत ।

आषारिया—वह कु आ जिसमें से एक बार पानी निकालने के बाद कुछ समय के लिये ठहर कर पानी निकाला जा सकता है ।

आघ बंटाई—जमीन की पैदावार का आधा हिस्सा बाट कर लगान स्वरूप लेना ।

आरण—रणस्थल, युद्ध भूमि ।

आवदान—आवाद ।

ओठी—सुतर सवार, ऊंट पर चढ़ कर सदेश ले जाने वाला व्यक्ति ।

ओदी ठौड़—विकट जगह ।

ओलगण—प्रेमिका, गायिका ।

ओनाड़—किसी के बन्धन में न आने वाला । वीर प्रकृति का पुरुष ।

इजाफो—अधिक, अतिरिक्त ।

उछाह—उत्सव, किसी विशेष उपलब्धि के निमित्त प्रसन्नता व्यक्त करने के लिए किया जाने वाला आयोजन ।

उदक—चारण अथवा ब्राह्मण आदि को जमीन आदि दान में देने का सकल्प ।

उधरांगो—पहले की सालो का उधार (बकाया) रहा हुआ कर ।

ऊतन—वतन, जन्म स्थान ।

ऊनवा—वह स्थल जहा आसपास का पानी बह कर भर जाता है और सूखने पर उसमें गेहूँ चने आदि की फसल होती है ।

ऊनाली—रबी की फसल ।

ऊरी ताली—हल्की ताली, वह खलिहान जिसमें बहुत कम या नही के बराबर अनाज निकला हो ।

एका—भाटियों की एक शाखा ।

कांवल-पूजा—देवी अथवा महादेव की तुष्टि हेतु शीश समर्पण करके पूजा करना ।

कड़व घास—पशुओं के लिए विशेष प्रकार की घास पर लगान ।

कटक—फौज ।

कणवारिया—वह अधिकारी जो गांव की सीमा में खेतों तथा वृक्षों आदि की रखवाली करता है ।

कमठौ—भवन-निर्माण कार्य । दुर्ग महल आदि बनवाने का कार्य ।

कमेत घोड़ो—गहरे तम्बाखू रंग का घोडा ।

करवरे बरस—फसल के हिसाब से हल्का वर्ष ।

कांकड़—सीमा ।

कांठे—किनारे पर, सीमा पर ।

कुंवरपदौ—राजा अथवा ठाकुर के जीतेजी समाज में उसके कुंवर के लिये मान्य पद, जिसके अधीन उसे कुछ अधिकार प्राप्त होते थे ।

कुकाऊ—पुकार करने वाला व्यक्ति जो किसी संकट की सूचना देने पहुंचता था ।

कुमया—वैर भाव ।

कोरत-थंभ—किर्ती-स्तंभ ।

कोरोड़ी—करोड़ रुपये तक की वसूली करने का अधिकार रखने वाला राजस्व अधिकारी ।

कोसीटा—वह कुँआ जिसका पानी ज्यादा गहराई पर न हो और हाथी की सूंड के आकार के चरस (सू डिया) से पानी निकाला जाता है ।

कोहर—गहरा कुँआ ।

घरड़ो—उस व्यक्ति से वसूल किया जाने वाला कर जो गांव में घर बसा कर रहता था ।

षडचर लोग—जानवर चराने वाले लोग ।

षडोण—वह जमीन जो बोई जाती हो ।

षरक कूरण—वायव्य उत्तर और पश्चिम के बीच की दिशा ।

षानाजगी—भगड़ा, युद्ध ।

षारचिया—विशेष किस्म के गेहूँ जो सावारण खारे पाने से पकाये जाते हैं ।

षाटी—जीती हुई, कब्जे में की हुई ।

षारोल—इनका पेशा नमक बनाना रहा है । मारवाड़ में जहाँ नमक की खाने हैं वहाँ प्रायः ये पाये जाते हैं । ये शाक्त मत को मानते हैं ।

पालसै—वह भूमि जो किसी जागीरदार के अधिकार में नहीं है ।

षासी दोढ़ी—उस महल का मुख्य द्वार जहा शासक विश्राम करता था ।

षिजमत—नौकरी, सेवा ।

षीचड़ौ—मृत्यु-भोज पर लिया जाने वाला कर ।

घोहल—गोद, पुत्र के अभाव में अपने गोत्र के नजदीक रिश्तेदार के लड़के को दत्तक पुत्र बनाना ।

गढ़री रांग—किले की नींव ।

गलत कोढ़—गलित कुष्ठ ।

गांवेती—गांव में बसने वाले लोग ।

ग्रासी बेध—जीवन यापन के लिये जमीन प्राप्त करने को किया जाने वाला संघर्ष ।

गुढ़ो—पहाड़ आदि में रहने का सुरक्षित स्थान ।

गुमट—गुंबजदार स्मारक ।

गूघरी—कुँओं पर बंधे हुए रूप में निश्चित माप में लिया जाने वाला लगान ।

गोढ़वाड़—पाली व कुछ जालोर परगने का इलका ।

गोसवारी—सार रूप में हिसाब ।

गोरां—कन्न ।

गोवली—ग्वाले ।

गोरवौ—गांव के नजदीक का वह स्थान जहाँ गायें आदि रखी जाती हैं ।

घांगो—तेल या सरसो की घागी निकालने वाले से लिया जाने वाला कर ।

घासमारी—पशुओं की गिनती के अनुसार उन पर लिया जाने वाला कर ।

घीआई—जिसके घर में गायें भैंसें होती थी उससे घी के रूप में लिया जाने वाला कर ।

घूघरी—फसल में से लिया जाने वाला (कर के तैर पर) विशेष हिस्सा ।

चंवरी—चौरी । विवाह की विधिवत रश्म सम्पन्न करने के लिये जहाँ वर वधू को बैठकर ब्राह्मण द्वारा मंत्र आदि बोले जाते हैं ।

चक—जमीन का एक बड़ा हिस्सा ।

चांच—साधारण कच्चा कुआँ, जिसमें से पानी निकालने के लिये एक लठे लठ्ठे के पीछे पत्थर बांध कर अगले हिस्से में बरतन लटका कर हाथों से उसको ऊपर नीचे करने पर पानी निकाला जा सकता है ।

चोढो—कम पानी ।

चोतरो—परगने का मुख्य स्थान जहाँ परगने का हाकिम या बड़ा अधिकारी रहता था ।

चौरासी—चौरासी गांवों का समूह ।

छत्तीस पवन जात—प्राचीन ग्रंथों में इनके नाम इस प्रकार हैं—

सीसगर, दरजी, तवोली, रंरवाल, गवाल, वाढेई, सिणगतरा, सुनेली, घोवी, धूनिया, कदोई, कहार, काछी, कुलाल, कलाल, माली, कुदीगर, कागदी, किसान, पटवूनिया, चतेरा, ववे रेवारी, लषेरा, ठठेरा, राजपटवा, छपरबध, नाई, भरभूनिया, सोनार, लोहार, सकलीगर, हवाइगर, धीवर, चमार,—ऐ छत्तीस पवनीया ।

छाली—बकरी ।

छोरू—वशज । छोरका । वड़े आदमी के अधीन व्यक्ति ।

जमीयत—जमा सामान ।

जात—जाति । धर्म-लाभ के निमित्त की जाने वाली किसी स्थान की यात्रा ।

जाव—कुंए के पास की वह भूमि जिसमें सिंचाई करके फसल ली जाती है ।

जुआरी—फसल के सिट्टे की कटाई प्रारंभ करते समय लिया जाने वाला कर ।

जीव सिलै—युद्ध के समय अगों की रक्षा के लिए पहिना जाने वाला लोहे का अंग-त्राण ।

टीकायत—राज्यतिलक का अधिकारी, बड़ा लड़का ।

टीको—राज्य-रोहण के दस्तूर की रश्म, जिसके अनुसार ललाट पर तिलक किया जाता है । मगनी का प्रस्ताव । मगनी के प्रस्ताव के समय किया जाने वाला तिलक ।

ठरड़ो—कठोर जमीन ।

डाक चौकी—राज्य की डाक आगे पहुंचाने के लिये नियत चौकी ।

दायजो—दहेज । प्रचीन प्रथानुसार कपड़े व गहनो के अतिरिक्त हाथी घोड़े, दास - दासियां पुरोहित व अन्य नौकर आदि भी दहेज में दिये जाते थे । इन्हें दायजवाल कहा जाता था ।

डावड़ा—लड़का ।

डोलौ—वह रश्म जिसके अनुसार लडकी को शादी के लिये उसके (होने वाले) पति के घर अथवा निश्चित स्थान पर पहुंचाया जाता था ।

डोहली—ब्राह्मण, साधु, भाट आदि को दी गई दान की भूमि ।

ढंढ—वह नीचा स्थल जहां स्वतः पानी शामिल हो जाता हो ।

ढीमड़ा—एक प्रकार का कुंआ ।

ढोघा—छापामार हमले ।

तहवारी—विशेष अवसरों पर दी जाने वाली लाग ।

तलहटो—पहाड़ी आदि पर वने दुर्ग के नीचे का स्थान ।

तला—गहरा कुंआ ।

तकिया—सन्ध्यासी के समाधि-स्थल पर बना चबूतरा ।

तागीर—जव्त ।

तागीरात—जागीरदार से गांव जव्त होने पर लिए जाने वाला कर ।

तातो बाहर—शीघ्रता से, उसी घड़ी चढ़ने वाली बाहर ।

ताली—खलिहान बुहारा जाता है उस समय लिया जाने वाला कर ।

तीरवा—तीर की मार पहुंचे उतनी दूरी ।

तुरकाण राज—मुसलिम राज्य ।

थड़ो—सम्माननीय व्यक्ति का स्मारका ।

थल—रेतीली भूमि । स्थल ।

थाणो—वह स्थल अथवा दुर्ग, कोटड़ी आदि जहा राज्य की ओर से सुरक्षात्मक प्रवन्व के लिए सिपाही आदि रखे जाते हैं ।

थाणोदार—थानेदार, परगने की सुरक्षा का जिम्मा रखने वाला अधिकारी ।

दत्त—दान में दिया हुआ गाव या भूमि ।

दरगाह—मुगल दरवार, वह स्थान जहाँ बादशाह बैठकर आदेश देता है ।

दहब—द्वैव ।

दांग—विसाती (मनिहारा) आदि से माल का अनुमान करके एक साथ लिया जाने वाला कर ।

द्राव—पशु ।

दांती—सिट्टे काटने के लिये दांत (काटने का औजार) लेकर जाने पर कर ।

परसंग—सम्बन्ध । रिश्तेदारी ।

परकोटो—शहरपना ।

पट्टी—जमीन का चक विशेष ।

पलीवाल—पाली के मूल निवासी होने से पलीवाल कहलाये । ये लोग उदयपुर के राणा के गुरु रहे हैं और किसी समय में व्यापार आदि भी करते थे तथा सम्पन्न थे ।

पगवाय—वह बावली जिसमें सीढ़ियों के द्वारा उतर कर पानी भरा जा सकता है ।

पटेल—एक खेतीहर जाति ।

पसायता—निम्न जाति के लोगों को दिये गये खत जो राजा की सेवा-टहल करते थे । जैसे नाई, दर्जी, ढोली, कुम्हा आदि, इनसे कोई कर नहीं लिया जाता था ।

परधान—राज्य का प्रधान मंत्री, प्रमुख अधिकारी, प्रमुख प्रतिनिधि (देखो-प्रथम भाग की भूमिका)

प्रतसही—प्रति सैकड़ा ।

प्रवाड़ा—वीरता पूर्ण कार्य ।

पाही—जागीरदार को कुछ चाकरी देकर उसकी एवज में खेत बीना ।

पायगा—अस्तबल ।

पाठा कागल—राजस्व आदि का हिसाब लिखने के लिये खर्च होने वाली लेखन-सामग्री के निमित्त लिया जाने वाला कर ।

पालेज दूध रा—दूध पर रोकड़ पैसों में लिया जाने वाले कर । मुफ्त में आये हुए जानवरों पर लिया जाने वाला कर ।

पातसाही मारग—शाही मार्ग । वह मार्ग जिससे होकर शाही सामान जाता हो ।

पारका घाड़ा—बहुत दूर तक लूट पाट करना, लुटेरों को भी लूट लेना ।

पानचराई—ऊंटों की चाराई के निमित्त लिया जाने वाला कर ।

पितर—पित्र योनि ।

पीरोजी—एक मुगल कालीन छोटा सिक्का ।

पीछे रौ बेरो—वह कुंआ जिसमें से केवल पीने के लिये पानी निकाला जाता है ।

पीयल—वह फसल जो सिंचाई द्वारा होती है ।

पुकार—पुकार करने वाले, फरियादी ।

पेंडौ—यात्रा ।

पेटवाणी—केवल पीने लायक पानी ।

- पेसकसो** — सरकार को दी जाने वाली वेगार आदि, चाकरी ।
- पेट्टियौ** — घर के नौकरो को निर्वाह के लिये दी जाने वाली खाने-पीने की निश्चित सामग्री ।
- पोतरा**—पौत्र, वंशज ।
- पौल रा चाकर**—राज्य विशेष की रक्षार्थ नियुक्त नौकर ।
- फदिया** — मुगल समय का सिक्का विशेष ।
- फलसो**—ग्राम का मुख्य द्वारा, मकान आदि को रक्षित करने के लिये बनाई गई बाड़ या दीवार का मुख्य द्वार ।
- दावै**—वदले मे ।
- द्राह**—गहरा गड्ढा जिसमे वर्षा का पानी कई दिनों तक रहता है ।
- दीवांण**—उदयपुर के राणा की पदवी । राज्य का प्रमुख राजस्व अधिकारी (देखो प्रथम भाग की भूमिका पृ० १४)
- दीवांनगी**—मुगल राज्य-व्यवस्था मे सबसे बड़े राजस्व अधिकारी का पद, देखो दीवाण ।
- दीवांण खांनों**—वह स्थान जहाँ दीवान अपना दरवार लगता है ।
- दुकाल**—अकाल । दूसरे वर्ष फिर पड़ने वाला अकाल ।
- दुगाणी**—मुगल कालीन छोटा सिक्का ।
- देवचो**—देवता के आगे वचन-निर्वाह की शपथ ग्रहण करना ।
- देहरो**—मदिर ।
- देसौत**—देशपति, राजा ।
- दोढी**—राजा के निजी निवास स्थान का मुख्य द्वार ।
- दोत पूजा**—दवात-पूजा के निमित्त लिया जाने वाला लगान ।
- दोहीता**—दुहिता का लड़का, दोहित ।
- देसोटो**—देश निकाला, किसी व्यक्ति द्वारा बड़ा अपराध किये जाने पर उसे देश से बहार चले जाने की सजा ।
- दौम**—दोयम, दूसरे दर्जे की जमीन ।
- धरणो**—चारणो आदि की जागीर जब्त करने पर अथवा किसी अधिकार को समाप्त करने पर उनके द्वारा सम्बन्धित शासक के द्वारा या जागीर के मुख्य स्थान पर असंतोष व्यक्त करने के लिये धरना देकर बैठना ।
- धरमदुआर**—धर्मद्वार । युद्ध के समय चारों ओर से घिर जाने पर प्राणों की भिक्षा मांगकर निकलने वालो के लिये कहा जाता था कि वे धर्मद्वार से निकले ।
- धुमालो**—कर विशेष ।
- धोंकल**—भगड़ा, फिसाद ।
- धोराबंध खेत**—वह खेत जिसके किनारे पर रेत की पाल बांध कर पानी खेत मे रोका जाता है ।
- नंदवाणा बोहरा**—बोहरों की एक शाखा ।
- नटषट**—नट आदि जातियें ।

नाल—संकरा कुंआ ।

नाल—विशेष प्रकार की तोपे ।

नाल-बंदी—कर विशेष ।

नालैर—नालियर । नालियर का फल भेज कर लडकी की मगनी का प्रस्ताव किसी योग्य व्यक्ति को भेजने का रिवाज राजस्थान में रहा है । नालियर का लौट जाना दोनों पक्षों के लिये अपमान—जनक समझा जाता था ।

पंडव—घोड़ों का सेवक ।

पांतया—पक्तिवद्ध करके अतिथियों को भोजन कराने की व्यवस्था ।

फारकती—कुल हिसाब का निपटारा ।

बड़ी नैपे—खूब उपज ।

बंधवौ कोहर—वह कुंआ जो अन्दर से पत्थर आदि द्वारा पक्का बंधा हुआ होता है ।

बधारा—किसी की सेवा को-पुरस्कृत करने के उद्देश्य से उसकी जागीरी में विस्तार करने के लिये अतिरिक्त गाव या जमीन आदि देना ।

बरसोंदियो—वह तलाव जिसमें वर्ष भर के लिये पानी रहता है ।

बरठो—भैसा ।

बसीटाला—बीच बचाव करने वाले । सदेश वाहक ।

बापोती—पुरखो द्वारा अधिकृत स्थान-राज्य, जमीन आदि ।

बाब—रेशमी कपड़ा व किनार गोटें आदि पर लिया जाने वाला कर ।

बावसु—गुप्त रूप से खबर लाने वाला व्यक्ति ।

बाहर—चोर अथवा डाकू का पीछा करने का कार्य । प्राचीन समय में गावों की बाहर के लिये चढना बड़ा पुण्य-कार्य समझा जाता था ।

बित्त—गायें आदि पशु-धन ।

बिश्नोई—इस सम्प्रदाय के प्रवर्तक पंवार राजपूत जाभाजी थे । इनके अनुयायी जाटों को इन्होंने २६ (बीस तथा नौ) प्रकार के नियमों का पालन करवाया, इसलिये यह बिश्नोई कहलाये । इनका मुख्य पेशा खेती करना रहा है ।

बीछाहीत—विसाती ।

बेठ—जागीरदार अथवा शासक द्वारा बेगार में लिया जाने वाला कार्य अथवा वस्तु ।

बोह सीवो—बड़ी सीमा वाला ।

भरोती—कर भरने के पश्चात् रसीद करते समय लिया जाने वाला कर ।

भरेत रा घेत—वह खेत जिनमें वर्षा का पानी भर जाता हो ।

भांणोज—भानजा, वहिन का लड़का ।

भाई बांटे—सम्पत्ति को भाईयो में बांटने की क्रिया । वह सम्पत्ति जो भाइयो में बांटी जाने पर किसी एक भाई को प्राप्त होती है ।

भाखर री षुड़े—पहाड़ की मोडदार ढाल ।

भाखर री गाल—दो पहाड़ों के बीच का सकरा गहरा स्थान ।

भाषरी री षांभ — पहाड़ी की मोड़ में ।

भुंजाई—भुना हुआ खाना । बड़े ठाकुर अथवा शासक के यहां नोकरो तथा आने जाने वाले लोगों के लिये तैयार किया जाने वाला पुष्टिदायक भोजन ।

भोग — राज्य द्वारा जमीन की उपज से लिया जाने वाला लगान ।

भोगलावै — खेत को इस हिसाब से रहन रखना कि उसके पेटे ली गई रकम का व्याज खेत के मालिक को नहीं देना पड़ता और खेत का कोई लगान वह रकम देने वाले से वसूल नहीं कर सकता ।

भोगशील—भोगिशैल । ऐसी किंवदन्ती है कि यहां सर्प बहुत अधिक मात्रा में पाये जाते थे इस लिये इस शैल का यह नाम पड़ा ।

भोमिया—शासक से जिसे चौकसी रखने के लिये जमीन मिली हो वह व्यक्ति ।

भांगो — वारह मन के बराबर का माप ।

भापो—गांव से खरीद कर जो चीज बाहर ले जाई जाती थी उस पर यह कर लगता था ।

मिलणो—भेंट के निमित्त (सम्मान स्वरूप) लिया जाने वाला लगान ।

मिरजो—उच्च मुगल अधिकारी को मिलने वाली एक उपाधि ।

मुकाती—रूपयो के रूप में प्राप्त होने वाला जमीन का लगान ।

मुसला — मुसलमान लोग ।

मुहम—सैनिक अभियान ।

मूक — एक दिशा का नाम ।

मेर—मारवाड़ की एक प्राचीन जाति ।

मैहरेलण — महि को रैजने वाला । द्रव्य-दान द्वारा समस्त लोगों को तुष्ट करने वाला ।

रसत — फौज की खुराक के लिये लिया जाने वाला लगान ।

राजलोग — राजा के परिवार के लोग ।

रातीबाहो — रात के समय किया जाने वाला हमला ।

राह वेधी—हर एक समस्या की उलझनों को वारीकी से समझने वाला । भविष्य की गति विधि का सही अनुमान लगा लेने वाला ।

रिण — अनउपजाऊ भूमि, वह भूमि जहां खारा पानी शामिल होता हो ।

रोड़ी — छोटी पहाड़ी, पठार ।

रेल—दूर से बहकर आने वाला पानी जो खेतों में फैल जाता हो ।

रंत — प्रजा ।

लिखावणी — हिसाब किताब लिखने के पारिश्रमिक स्वरूप लिया जाने वाला लगान ।

लूण रौ दरीबो — नमक की पैदावार का स्थान ।

बडो रजपूत—प्रसिद्ध राजपूत । अनेक गुणों से सम्पन्न अपने समय का जाना-माना वीर राजपूत ।

वणी—खेती की खेती ।

वदावणी—वन्दना करना ।

नामानुक्रमिकाएँ :

पुरुष व स्त्री नामानुक्रमिकाएँ

अ

अंबाल श्रीमाली व्यास २५७
अंबी मालावत भाटी ६४
अकतयार खान १७६
अकवर पातसाह ६६, ७१, ७६, ७७, ८७,
८८, ९७, १६३, ३८६, ३९०, ४६५,
४६६, दो. ६८, ७३, २६७
अखा बारहट ७६
अखीया-सोढावत सीढायचा चारण
दो. ३५१
खैराज आसकरनोत जैतमाल राठीड़
१८४
खैराज ऊर्दसिघोत राठीड़ ८८
खैराज कू पावत राठीड़ ८६
खैराज खीची ८८
खैराज चरडा ३८
खैराज दलपतोत २३६
खैराज दलपतोत प्रोहित ३३४
खैराज पचाइणोत सीघल १४२
खैराज मादावत राठीड़ ६०, ६५,
दो. ४६, ५०, ५२, ५४, ५६
खैराज राठीड़ १५३ दो. ५४, ५५
खैराज रिणघिरोत सोनगरा ५६, ८२,
१६६, दो. ५७
खैराज रोईंद री चारण दो. २७५
खैराज गमालोत राठीड़ ६२
खैराज फाणी हरबू री राठीड़ दो. ३४३
खैराज बारहट ७८

अखी भाणावत बारहट ८२
अखी वणवीर री ३१४
अडवाल ढंढ पडीहार दो. ३३६
अडसी नरावत जगहट ३५०
अचलदास खीची भोजावत २८, ८, ३८७
अचलदास बीकामाइतोत राठीड़ दो. ८
अचलदास भगवानदासोत पातो राठीड़
दो. ३०६
अचला रायमलोत दो. १६५
अचलदास राईसलोत प्रोहित ५४३
अचसदास सुरतांणोत भाटी ११६, दो. ८
अचला चदरीया बारहट ३६६
अचला धरणपालोत रोहड़ीया बारठ दो ३५०
अचला पीथानोत पेथड़ दो. ३३२
अचला लालावत चारण दो. २७४
अचलो वीकावत राठीड़ २६३
अचलो पेथड़ दो. ३०१
अचली चांदावत २४०
अचली घरमावत गहलोत ८६
अचली घांघल दो. ३४६
अचली पंचायणोत राठीड़ ४६, ५५
अचली भांणोत राठीड़ ६२, ६५
अचली भाटी ६६
अचली लखसेण री चौहाण १८५
अचली सिवराजोत राठीड़ दो. ५७, ५८,
६५
अचली हदावत साखली १८५
अज ८, १०, ११, १२

गोपीनाथ रामचंदोत ४७९
 गोपी मेर ४६२
 गोपो दुर्जनसाल री राठोड दो. ३४०
 गोमो मेर ४६९
 गोयद उर्दसिधोत राठोड ४१९ ४७२
 गोयद चोला री २५५
 गोयंद भाखरसीयोत राठोड दो ३४६
 गोयद सढायच २४३
 गोयद गोपाल जगहट दो. १५२
 गोयददास चापावत मांगलीया ५४८
 गोयददास भाटी ७८, ९२, ९३, ९९
 गोयंददास मानावत भाटी
 ७७, ९६, ९७, १०३, १०४
 गोयददास मानावत रावलोट भादावत
 राठोड १७९
 गोयददास राणावत पातावत राठोड ९९
 गोयददास राधावत साडू ४८७
 गोयंददास सामदासोत २३७
 गोरखदास मेघराज री वारठ ५४९
 गोरघन जगती राठोड ३२४
 गोरघन माधावत राठोड १८५
 गोरघन माधोदासोत करमसीयोत राठोड
 १७८
 गोरघन साडू री प्रोहित ४७९
 गोरघनसिध चादासोत भीवाणी पचोली
 १८३
 गोरी पातसाह ४२४, ४७६
 गोवरघन चादावत राठोड १७६
 गोवरघन जगनाथोत राठोड १४१
 गोवरघन भगवानदासोत भदावत
 राठोड १७९
 गोवल मेहावत रतनु दो. २८
 गोसल सुराणा दो. ११६
 गोहलणी (आसथान री वहु) १४

ग्यंनसर मयारीव गोवाल वाल ११०

घ

घड़सी भारमलोत राठोड ४४
 घड़सी हेमा री सिढायच चारण दो ३५१
 घदुको मुगल दो. ४४
 घमट खेतपाली ग्रा. दो ३३९
 गीढा सोढा वामण ३०२
 घेरू ११९

च

चडीदास जोशी २३७
 चंडु दमोदर जोशी ९८
 चंद ढाढी ३६
 चंदण मुंहता दो. ३०२
 चंदरसेन सारण ८३
 चंदो अमरा री चारण दो. ३५३
 चंदो खगरोत २४१
 चंदो भोजराजोत दो. ३४९
 चंदो वीरमोत राठोड ९४
 चांदो वीरमदेओत राठोड ४७, दो. ६३
 चंद्रसेन राठोड १३९
 चंद्राव जोधा री राठोड दो. ५९
 चकोर अमरावत थेहड़ २४१
 चक्रपाण वीठलोत प्रोहित दो. ११०
 चतरभुज कानावत बकुलीया प्रोहित
 दो. २७३
 चतरो चारण दो. ५८
 चतरी जैता री चारण दो. २७५
 चतुरा जैमलोत वारहट दो. १०९
 चत्रभुज भगवान री व्यास ५४८
 चरड़ी अरडकमल चूंडा री ५८
 चवंडदास कलावत २४०
 चवडदास मेहराजोत २३९

गोपीनाथ रामचदोत ४७६
 गोपी मेर ४६२
 गोपो दुरजणसाल री राठोड़ दो. ३४०
 गोमो मेर ४६६
 गोयद उदैसिघोत राठोड़ ४१६ ४७२
 गोयद चोला रो २५५
 गोयद भाखरमीयोत राठोड़ दो. ३४६
 गोयद संढायच २४३
 गोयद गोपाल जगहट दो. १५२
 गोयददास चांपावत मांगलीया ५४८
 गोयददास भाटी ७८, ६२, ६३, ६६
 गोयंददास मांनावत भाटी
 ७७, ६६, ६७, १०३, १०४
 गोयददास मांनावत रावलोत भादावत
 राठोड़ १७६
 गोयददास राणावत पातावत राठोड़ ६६
 गोयंददास राघावत सादू ४८७
 गोयंददास सांमदासोत २३७
 गोरखदास मेघराज री वारठ ५४६
 गोरघन जगतौ राठोड़ ३२४
 गोरघन माघावत राठोड़ १८५
 गोरघन माघोदासोत करमसीयोत राठोड़
 १७८
 गोरघन सादूल री प्रोहित ४७६
 गोरघनसिंघ चांदासोत भीवांणी पचोली
 १८३
 गोरी पातसाह ४२४, ४७६
 गोवरघन चांदावत राठोड़ १७६
 गोवरघन जगनाथोत राठोड़ १४१
 गोवरघन भगवानंदासोत भदावत
 राठोड़ १७६
 गोवल मेहावत रतनु दो. २८
 गोसल सुराणा दो. ११६
 गोहलणी (आसथान री वहु) १४

ग्यंनसर मयारीव गोवाल बाल ११०

घ

घड़सी भारमलोत राठोड़ ४४
 घडसी हेमा री सिंढायच चारण दो. ३५१
 घदुको मुगल दो. ४४
 घमट खेतपाली आ. दो. ३३६
 गीढा सोढा वामण ३०२
 घेरू ११६

च

चंडीदास जोशी २३७
 चडु दमोदर जोशी ६८
 चद ढाढी ३६
 चदण मुंहता दो. ३०२
 चंदरसेन सारण ८३
 चंदो अमरा रो चारण दो. ३५३
 चंदो खंगरोत २४१
 चंदो भोजराजोत दो. ३४६
 चंदो वीरमोत राठोड़ ६४
 चांदो वीरमदेशोत राठोड़ ४७, दो. ६३
 चंद्रसेन राठोड़ १३६
 चंद्राव जोधा री राठोड़ दो. ५६
 चकोर अमरावत थेहड़ २४१
 चक्रपाण वीठलोत प्रोहित दो. ११०
 चतरभुज कानावत वकुलीया प्रोहित
 दो. २७३
 चतरो चारण दो. ५८
 चतरी जैता रो चारण दो २७५
 चतुरा जैमलोत वारहट दो. १०६
 चत्रभुज भगवानं री व्यास ५४८
 चरडी अरडकमल चूंडा री ५८
 चवंडदास कलावत २४०
 चवंडदास मेहराजोत २३६

चवडदास हरराजोत चारण दो. १०८
चवडी माडणोत घघवाडीया दो. ११२
चवडी पचाईणोत वारट १०८

चां

चागवाला मेर २
चाडीदास जोसी ७७
चादण खिडिया ८२
चांदण खडीयो लु वट चारण ३७
चांदण लुंणावत खिडीया २६२
चादवीवी दो. ७२
चादराव अरडकमल चूंडावत ३१
चादा सीसोदणी ७०
चादसिध रामचंदोत राठोड
दो. २१०, २११
चांदी देवडी ११८
चांदो अचलावत ईंदो १८२
चादो ईसरदासोत ७७
चादो प्रिथीराजोत देवडो ११७
चादो रतनुं मेर ४६८
चाद्राराव जोघावत राठोड ६०
चांद्रीयी वीदावत १५
चापा अणदोत गाडण ३५०
चापा खीवावत सोनगरा दो. ३७
चांपा चूंडावत प्रोहित ३३४
चापा मैणावत सीघल २८६
चापा सोनगरा ३६
चापो गेला ३०४
चापो सुराणा दो. ११६
चापो करमसी रौ दो. ७१

चा

चागी ५३

चाचग कन्हड लीलावत ५५, ६४
चाचा सीसोदिया २७, २८, २९, ३८७
चाचा हाडा ४४५
चाचा बांमण दो. ३५६
चाडा मांडणोत घघवाडीया दो. १६५
चावडदास किलाणदासोत वारट ४८४,
४८८
चावंडदास देईदास रौ ५४६
चावडै मेघराजोत मोटोला ईसरोत ३१२
चाहड माडणोत खिडीया दो. १७६

चि

चिरमखानं ८६

ची

चीत काठोत मेर ५३६
चीत गोडात मेर ५३७
चीता किसनात ५३५
चीता गोडात मेर ५२७
चीता मेर ४१६, ४७२
चीता मेहरा ५३५
चीता मेहरात ५३५
चीताखानं मेर ४६६, ४६७
चीती कांठोत मेर ५५२, ५५३
चीती मेर ४७०, ५३६
चीवी ७८
चीलीयत महेस मेर ४६१
चीवा देवडा ११८

चु

चुतरंग चंद्रमण रौ बुंदेली १७३
चुतरभुज दुवारकादासोत दसुंधी दो. ११४
१७८

चुतरभुज भावसिधोत ६४
 चुतरभुज मनोहरदासोत राठोड़ दो. १८३
 चुतरभुज लखमणसेन रौ पोती चौहाण १७५
 चुतरभुज विहारीदासोत दसौंधी दो. १६८
 चुतरा जैमलोत वारठ दो. १८५
 चुतरौ आलेचो १८४
 चुतरौ साजनोत पंवार १८२
 चुवडदास कलावत वारट ४८४
 चुहल सुतरार ४५०

चू

चूंडा २६, ३०
 चूंडौ अखावत वारट ४८५
 चूंडौ लखावत सीसोदीया ३८७

चू

चूडां हरभु पाचाउत तोला रौ पोतरौ २३
 चूहड़ कालर दो. ३३७

चे

चेराई आस रा चारण दो. ३५०
 चेहथ अडवल वाधावत राठोड़ ४१
 चेहरा खीवड़ प्रोहित २३८

चो

चोखी घायभाई ७२
 चोला मेहावत गाडण ३४६
 चोली खेतसी रौ सिढायच चारण
 दो. ३५१
 चोलो वारठ ६२ दो. ६६
 चोसंघ वीजावत संढाईच दो. २७६

छ

छतरसिध दो. ८७

छाजु दो. ४१
 छाडी १५

छी

छीतर दो ४१
 छीतर सा० ४४०

ज

जगत गोपाल रौ पीडत दो. ३५०
 जगतसिध अमरसिधोत कछवाहो १७५
 जगतसिध देईदासोत जोधा राठोड़ १७८
 जगतसिध राठोड़ ११५
 जगदे रामदेव रौ व्यास श्रीमाली
 दो १६४
 जगदेव नरहरदास रौ १७३
 जगनाथ ३६५
 जगनाथ किल्याणदासोत राठोड़ १००, ५४०
 जगनाथ गोपालदासोत राठोड़
 दो. ७२, ७३
 जगनाथ गोपीदासोत ब्रा० ४८२
 जगनाथ चांदावत राठोड़ १७६ दो. ३०७
 जगनाथ चांपावत प्रोहित दो. १०६
 जगनाथ चांपावत ब्रा० दो. १७५
 जगनाथ जसवतोत सोनीगरा दो. ७
 जगनाथ ठाकुर गोपी ३१०
 जगनाथ दलपतोत टाक १४२
 जगनाथ धारावत साखली ११७
 जगनाथ ब्रमदे रौ श्रीमाली व्यास दो. १०६
 जगनाथ भाटी ११७
 दो. २६६, ३०१, ३०५
 जगनाथ भेरुदासोत भाटी १८०
 जगनाथ मनोहरदासोत घघवाडिया
 दो. ११२, १४०
 जगनाथ मु० ११६
 जगनाथ लिखमीदासोत प्रोहित दो. २७१

जगनाथ लुणावत भाटी ११६
जगनाथ वाघोत राठीड ४२१, ४७४
जननाथ सदाफलोत श्रीमाली दवे दो. २१२
जगनाथ सादूल रौ प्रोहित ४७६
जननाथ ऊ० १३८
जगपाल मालावत राठीड दो. २६१
जगमल पोकरणा जोसी ८१
जगमाल १७, १८, ३५३
जगमाल अखावत ३६७
जगमाल आसावत भाटी ६६
जगमाल उदैकरणोत राठीड ५६ दो. ५६
जगमाल खिडीयो १८४
जगमाल हू गा रौ मेर ५५४
जगमाल पचायणोत भाटी ५५,
जगमाल पचायणोत जोघावत भाटी ६४
जगमाल पवार दो. ५०
जगमाल मालवैस रौ दो. ३०५
जगमाल मालावत पोहोकरणा
दो. २, ३४०
जगमाल मालावत राठीड दो. ३२४,
३४०, ३४४
कदीय जगमाल मालावत रौ पोत रौ दो.
२३
जगमाल मेडतीया ६२
जगमाल राठीड १३६ दो. ३५७
जगमाल वरसलोत राठीड दो. ३०६
जगमाल वीरमदेवोत राठीड ६०, ६५
दो. ५६, ६१, ६३, ११०, १३८,
२१२
जगमाल वेसा १८३
जगमाल सभोबी मेर ५५४
जगमाल सुरावत ५६
जगमाल सूजावत चारण दो. ३५४
जगराज कुंभकरनोत राठीड १८५
जगरूपरांम सादुलोत राठीड २८२

जगसी दो. ४१
जगसी छाजु रौ जाट दो. ४१
जगहथ दीपावत दो. ३, ४, ५
जगीया सीवराज बामण दो ३१२
जगो खेतसी रो रतनू दो. ३५२
जगौ ३६६
जगौ जाडेचौ दो. ७०, ७१
जगौ दूदावत दो. २६
जगौ पिरागोत आसायच १८४
जतमाल भैरूदासोत भाटी १८०
जबदलखां ६३
जमन टाकणी (किसन कल्हणोत
री बेटी) ५५
जमना हुलणी ३६
जसकरणा अमरावत राठीड दो. ३०७
जसड (मालदे री बेर) ५६
जसमादे हाडी राणी ३६
जसवत ४७१
जसवंत अखैराजोत राठीड १०२, २३६
जसवत ईसरदास रौ घांघल १८२
जसवंत ऊगरावत सीसोदिया ५५४
जसवंत कला जेसावत रौ राठीड ६८
जसवंत जोगावत माडणोत राठीड ७३
जसवंत हूंगरसीयोत राठीड ८०, ८३,
४६८, ४६९, ५४७
जसड देवडौ १४१
जसवंत मानसिघोत सोनगरौ ६३
जसवंत राठीड ११८, ५३७
जसवत सादुलोत राठीड ११८
जसवत सूरजमलोत भाटी ११६
जसहड भाटी दो. ३०१
जसवतसिघ हूंगरसोत राठीड ४६५
जसा कलावत राठीड ४७७
जसा गोईदोत वारठ दो. २७५
जसा मेहर ५३५

जमी करमसी रो प्रोहित दो. २७१
जसी कलावत राठोड़ ४२३
जसी जाडो २६२
जसी नराईणोत खिड़ीया दो. १२६
जसी पीथी आसीयो २८७
जसी भाटी दो. ३०४
जसी भोजराजोत दो. १०६
जसी भोजराजोत रतनु दो. १८६
जसी मानावत २४३, ५३६, ५३६
जसी मेर ४६६
जसी रूपी २७२
जसी लुणयांण २०
जहांगीर पातसाह ६३, ६७, १०६,
१०७, ११०, १११
दो. ७४, ७५, ७६

जा

जागेसर किसनदासोत जागेसर व्यास
२६२
जाजा दो. २६०
जाभो सुजा री गाडण ३५०
जादम (मालदे री वेर) ५६
जादवदास दो. ८७
जानीवेग १७१
जांमणी मांणकपुर पुरवीयी चंदोत ८६
जामवाली (जगमाल सुरावत री वेटी) ५६
जाममवेग ८०
जालप दो. ४१
जालप वारठ ६३ दो. ६६
जालमसिध राठोड़ ८१
जालर नरवद री राठोड़ दो ३४७
जालोरी री विहारी दो. ५३
जाल्हण १५

जि

जिगुं हल ४७६

जी

जीण वंघ २
जीमी हरावत ३०३
ज'वण करमसीहोत म्हेडु चारण
दो. ३५१, ३५२
जीवण जसावत ब्रामण ४८२
जीवण भोजावत दो ३५१
जीवण सांवल ४८१
जीवराज कानुगो दो ८८
जीवराज रूपसीयोत मुहता दो ३०७
जीवराज मारणोत पचोली १०४
जीवा नेहलड़ा दो २५०
जीवा नेतावत मीसण २४१
जीवा सीहड भाटी दो. ३३३
जीवी किसनावत २६८
जीवी खगार दो ३०
जीवी टीकम री प्रोहित दो २६८
जीवी वारठ ६२ दो. ६६
जीवी भाटी १०० दो. ३०१
जीवी सुरतांणोत प्रोहित दो १०६, १७५

जु

जुगत १

जू

जूंकारसिध हररामोत राठोड़ दो. ३०७

जे

जेठो ठाकुर री पीटल दो. ३५०
जेतमाल राठोड़ ४४
जेता ५५ दो. २२६
जेती प्रियमराव री हल दो. ४५
जेती राठोड़ दो. ५७

जैती ७८
 जैती खीमा रौ ८०
 जैती जसावत २६६
 जैती पचाइणोत राठोड दो. ५७
 जैती पचाइणोत अखँराजोत राठोड ५६
 जैती राठोड ६५
 जेसघर राठोड दो २७
 जेसगा दो २६
 जेसा परवतोत दो. १०७
 जेसा सीहावत राठोड दो. १४१
 जेसिघदे करमसीयोत बीकावत राठोड ६७
 जेसी भैरूदासोत राठोड दो. ५३
 जेसो राठोड दो ५३
 जेसो जगमालोत राठोड दो. २२१
 जेसो राहड भाटी दो. ३३५
 जेसो सीहावत वरसिघदेवोत राठोड
 दो. ११२
 जेसी ६४
 जेसी जगमालोत राठोड ७६
 जेसी चहुवांण ३८८
 जेसी पीवी मानावत २८६
 जेसी भैरवदासोत राठोड ६३ दो ४,
 ५, ५२
 जेसी सीघल ३६
 जेहली डाभी परघानं १२, १३, १४

जै

जैचंद भाटी दो. ३, १
 जैचंद राजा ४
 जैत भालौ ४७, ४८
 जैतमल जैमल रो ऊहड ७३
 जैतमाल २८५ दो ४१, २६६
 जैतमाल ऊदा रा राठोड ५६
 जैतमाल खाखावत राठोड ३०४
 जैतमाल चापी दो. २६३

जैतमाल जसवतोत राठोड ८०
 जैतमाल चेसावत राठोड ६०, ६७,
 दो. ५६
 जैतमाल पचाइणोत दो. ६३
 जैतमाल पंचाइणोत दूदावत राठोड
 दो. ६६
 जैतमाल राठोड ६३, ८०, दो. ३७, ६८
 जैतमाल सलखावत राठोड १६ दो. २६८
 जैतमाल सिंघवी दो. ८
 जैतसिघ ८२
 जैतसिंह राजावत राठोड दो. ७
 जैतसिंघ राठोड ४२३, ४७७
 जैतसिंघ रामदासोत राठोड ११४
 जैतसी ईमरोत रूपावत ४७७
 जैतसी ऊदावत राठोड ४४, ४६७,
 ४६८, ५४३, ५४४ दो. ५७
 जैतसी उदैसिघोत राठोड २४३, ४७७
 जैतसी नगावत राठोड दो. २५५
 जैतसी वाघावत राठोड ५७, ४५५
 जैतसी भाटी ५६
 जैतसी मुकंददासोत करमसीयोत राठोड
 १८८
 जैतसी राठोड ७६
 जैतसी बीदावत दो. २२१
 जैतसी सेहसमलोत चौवाण १८१
 जैता मनणा सोहड प्रोहित दो. २७१
 जैता राऊ दो. ३११
 जैता राठोड ४६, ६३ दो. ३, ४८, ४६, ५१
 जैतु गूजर ४६३
 जैतौ चो० दो. २६५
 जैतौ माहर दो. ३३७
 जैतौ सदावत मांडणोत राठोड ८३
 जैता रामावत श्रीमाली व्यास ५४७
 जैपाल दो. ३३६
 जैमल ४३, ५२

जैमल ऊदावत ४६
 जैमल ऊहड़ ५०
 जैमल एका रो भाटी दो. ३३७
 जैमल कछवाहो दो. ३०४
 जैमल चारण दो. ५८
 जैमल जेसावत मुंहता ६४
 जैमल जेसावत राठोड़ ८३
 जैमल तिलोकसी भाटी ८४
 जैमल तेजसीयोत राठोड़ ६२ दो. ६५
 जैमल तीलोकसोत परवतोत राठोड़ ८१
 जैमल नैतसोत ऊहड़ ७३, ३०३
 जैमल नैतसीहोत ऊदावत ७० दो. २१६
 जैमल पचाइणोत राठोड़ ६२
 जैमल भाणोत दो. ६
 जैमल भाणोत राठोड़ ८४
 जैमल मनावत भाटी ६४
 जैमल मुंहता १०७, ११० दो. ७
 जैमल राघवोत वारट ५४
 जैमल राठोड़ ५६, ६०, ६१
 जैमल रामदासोत चारण दो ३५४
 जैमल बीदा परवतोत डूंगरोत राठोड़ ५७
 जैमल बीरमदेवोत राठोड़ दो ५६, ६५,
 ४६५ ५८, ५६, ६०, ६४, ६५, ६६,
 ६७, ६८, ६९, ११०, ११६, १६३,
 १६४
 जैमल सी० १३६
 जैसल खेमणोत राठोड़ ४६८
 जैसिघ सोलंकी १८५
 जैसी भैरूदासोत चांपावत राठोड़ ५७

जो

जोग भाणोत रूपावत राठोड़ ८८
 जोग सीहड़ दो. ३३४
 जोगराज १

जोगराज कुंभकरणोत जैतावत राठोड़
 १७८
 जोगाइत टीकायत राठोड़ दो ३४७
 जोगाइत देवीदासोत राठोड़ दो. २७२
 जोगाइत हमीर जगमालोत राठोड़ २, ३४७
 जोगी कलेवचा भाटी दो ३०१
 जोगीदास दो. ८७
 जोगीदास कलावत खीची १८४
 जोगीदास कालर दो. ३३७
 जोगीदास गुणोसोत प्रोहित दो. १०७
 ११०, १३८, १३६,
 जोगीदास भैरूदासोत भाटी १२०
 जोगीदास सोनगरा दो ३०५
 जोगी वना री दो. २६
 जोगी दासावत मांडणोत राठोड़ ८३
 जोगी भाणोत रूपावत राठोड़ ८४
 जोगी रावलोत अखैराजोत ५७
 जोगो सादावत राठोड़ ५५
 जोगी सादावत मांडणोत राठोड़ ८०
 जोगो सेसमलोत २६३
 जोगा सारंगोत मेहड़ ५५०
 जोगी श्रासावत भाटी ६६
 जोगी मुंहता ६४
 जोगी रेणीयो ३४

भां

भांभरण काना री वामण दो. ३२६
 भांभरण खीची ५१२
 भांभरण चौ० दो. ६२
 भांभरण पुंजा री दो. ३०
 भांभरण महेराजोत प्रोहित दो. २३७

भा

भाली सरूपदे ६६, ८३

भुं

भुंजारसिंह हाडी १६३
भुंभारसिंह महेसदासोत राठोड १७५
भुंठा बीकावत आसीया २४२

टी

टीकम गीथावत कवीया ३११ ३१२
टीली ८६
टीली सिबदास ३११

टो

टोहा खेतावत पालीवाल प्रोहित ३०३
टोहौ राणो २४

ठा

ठाकुरसी चतरावत कनीया ४८८
ठाकुरसी डाहा रो चारण दो. २७४
ठाकुरसी वारट ३६७
ठाकुरसी राईसलोत प्रोहित ५४३
ठाकुरसी रामदासोत साहाणी ६८
ठाकुरसी रिणधीरोत राठोड ७०
ठाकुरसी वीठल, २६७

डा

डागा कठोती रो, दो ३६
डाहो खीवा रो प्रोहित दो. २७१

डुं

डुंगर दो. ४१
डुंगा बागलणीया रा ५४८

डूँ

डूँगर खालत दो ३३८
डूँगर दयाल रो ब्रा. ५४४
डूँगर नाथावत विरांमण ४८२

डूँगर पदमावत राजगुर ब्रानण ५४४
डूँगर वीणसोत धांधल १८५
डूँगरसी ६३
डूँगरसी चौ. ४२
डूँगरसीजी दो. ५.
डूँगरसी ऊदावत राठोड ४६५, ४६७,
४६८, ५४७, ५५०

डूँगरसी करमसीहोत राठोड दो. २७२
डूँगरसी खिड़िया ८२
डूँगरसी जसावत प्रोहित २३८
डूँगरसी दुजणसलोत राठोड ८४
डूँगरसी देईदासोत राठोड दो. १६२
डूँगरसी नेतावत प्रोहित दो. २७२
डूँगरसी नेतावत भाटी ८५
डूँगरसी बागरीयो ४२
डूँगरसी मालावत राठोड ७३
डूँगरसी भाटी ८६
डूँगरसी राठोड ४४, ५६
डूँगरसी सादुलोत आढा दो. २१२
डूँगरसी सीसोदीया ४४० दो. ५६
डूँगरसी हमीर रौ दो. ३, ४
डूँगरसी हेमावत पीडत दो. ३५०
डूँगो-पातलोत मेर ४६६

ढो

ढोली ऊदा रो बेटौ ७२

त

तगो ४४३
तणवर ११८
तरबीयतखान १७१

तां

ताबल दुजणसाल रो राठोड दो. ३४०
ताजु अछु रौ ६३
ताराईत ब्रामण ३०१

ताराचद नाराणोत भाटी दो २४०
 ताराचद नाराणोत भाटी भूपेलाव रा
 ४५७
 ताराचद भाटी १८४

ति

तिजली साकरोत चारण दो. १०८
 तिलोक सिवराजोत राठोड दो. ५७
 तिलोकसी कूपावत राठोड ६८, ८०, ८३
 तिलोकसी गांगावत प्रोहित दो. २७२
 तिलोकसी भाटी दो. ६६
 तिलोकसी म्हेसोत राठोड ६८
 तिलोकसी वरजागोत राठोड ६५
 तिलोकसी वरज्यगोत उदावत राठोड ५८

तीकम साढायची ३३५

तीडो १५

तीलोकसी परवत अणवोत भाटी ६२

तीलोकसी सूजावत राठोड १००

तीलोकसी कांन्हावत ७०

तु

तुलछी किसनदासोत श्रीमाली दवे दो. २१२

ते

तेजमाल नाराईण रो प्रोहित दो. २७०

तेजसी ईसरोत राठोड ४७७

तेजसी दुरजन पचाणोत राठोड ६१ दो.

६५

तेजसी झंगरसियोत राठोड ६०, ४६५

दो. ६०

तेजसी पोमा ३०३

तेजसी दणवीरोत भाटी ४४

तेजसी भोजुवोत ६२

तेजसी भोकलोत प्रोहित दो. २७२

तेजसी वरसिघोत राठोड दो. ५२

तेजसी वीरसलोत वारड ४१८

तेजसी वीसलोत रोहडीया वारहट ४८८

तेजसी सांकर री रतनू दो. १३५

तेजसी सा दो. ६६

तेजा करमसीयोत आसीया चारण ५५१

तेजा खीवा प्रोहित ३३५

तेजा चाहडोत वारट ४८५

तेजा मेर ५५४

तेजा राढवत पाचलोडा अचारण २३७

तेजो आसकरनोत मेर ४६७

तेजो किसने उदावत री मेर ४६६

तेजो नरसावत ४६६

तेजो पाचावत गोडात मेर ५५४

तेजो रतनु मेर ४६८

तो

तोगी रामदासोत राठोड १७६

तोगी सावतसोत ८०

तोगी सिवदान रो चारण दो. ३५५

तोडर गोरवत ११६

तोलो सुराणा दो. ११६

थ

थका भोपा ५४२

थली उदावत ४७८

था

थाढा गुदवच प्रोहित २८५

थान रावल जोगी ५५२

थी

थीरराज दो. ३६, ४१

थीरा दुदावत रोहडीया वारहट २४०

थीरा वरसघोत भादा चारण ३५०

थीरो सेहलोत १०१
थीरो रामा रौ सांइ ४८७

द

दईदास रांमदासोत २४०
दमां रावत रा ५५२
दमां हरपाल प्रोहित ४०
दमा राठोइ ३६०
दमान रूपसीयोत दसींधी दो. १६८
दमोदर वांमण ३०१
दयाल मानमिघोत २३६
दयालदास १०२
दयालदास गोपालदासोत्र राठोइ १०२
दयालदास जगनाथोत ईंदो १८१
दयालदास जसवतोन राठोइ ११६
दयालदास नराणदासोत राठोइ २८०
दयालदास भोपतीत राठोइ १४१
दयालदास राघोदासोत भाला १७६
दयालदास राठोइ ४७२
दयालदास लाडखानोत राठोइ ४६१
दयालदास लिखमीदास गोवददासोत भाटी
१८०
दयालदास लिखमीदासोत चौवांण १८१.
दयालदास सूरजमलोत चपावत राठोइ
१७७
दलथभण १०७
दलपत आसकरखोत राठोइ दो. ३०५
दलपत उदैसिघोत राठोइ ७४, ४६८,
५५१
दलपत भोजराजोत राठोइ २६६
दलपत मनोहरदासोत सिवड प्रोहित १८४
दलपत मुजावत भाटी १८५
दला चोभावत आसीया २६२
दलेलखान पठाय १७०

दलेल हीमत बड़ा महवतखान रौ १७२
दलो जोया २०
दलो सेहसा रौ २५५
दवारकादास गोयददासोत ३४६
दवारकादास जगनाथोत सीघल १४१
दवारकेसर २३८
दहीयो दो २२०

दा

दाऊंदखान कुरेसी १३५
दानसाह साहजादा १०३
दाना किसनावत चारण दो. २७७
दाना गागावत मीसण दो. १८५
दाना मोकल रा रतनुं चारण २६३
दाना रतनु वाहरठ ८२
दाना हरदासोत रतनुं दो. ११३
दाना हरराजोत रतनुं दो. १६४
दांनो ईसरोत २४१
दानौ सादुलोत, प्रोहित ३३४
दामा हरपालोत प्रोहित २३६, ३४०
दामो हरखावत रोहड़ीया २७२
दारासाह साहजादा १३२, १३६,
१५८, १७०
दासा ५२
दासा राठोइ ५२
दासौ राठोइ दो. २५२
दासौ पातलोत राठोइ ४६, ५०
दो. २४६, २६८
दासौ पातलोत राजावत राठोइ दो २७२

दि

दिल दलेल १७२

डु

दुजणसाल ४४

दुजणसाल मालावत राठीड़ दो. ३४०
 दुणली वारहट आढा ७८
 दुदा वीदावत वीठु २५५
 दुदो गोरघनदासोत चौवाण १८१
 दुदो झंगरोत ३०४
 दुनीच द पडित दो. १७४
 दुपी जसपाल ३०३
 दुपी जीवावत ३०२
 दुरगदास केसोदासोत भाटी १८०
 दो. २६
 दुरगदास भाटी दो. ३५२
 दुरगासी. ४७५
 दुरगो नादावत दो. १७६
 दुरगो सुरताणोत चारण दो. १०८
 दुरगो सोल की दो. ३०५
 दुरजन गुडालो १८२
 दुरजण जोधावत भाटी ५५
 दुरजनसाल वीजावत प्रोहित ३३४
 दुरजणसाल राठीड़ दो. ३४०
 दुरजनसिध गोयंददासोत राठीड़ १८२
 दुरसा मेहावत आढा ७८, ८२, ४८३,
 ५५० दो. १११, ११२
 दुलेहराव दो. ४१
 दुवारकादास केसा री प्रोहित दो. २६८
 दुवारकादास जैमलोत दो. ७२
 दुवारकादास लाडखानोत कूपावत राठीड़
 १७७
 दुह कचरावत १००
 हू
 दूदा अमरावत आसीया ३०३
 दूदा कानावत ३०१
 दूदो भायल दो. २६४
 दूदो मुंहता ६८

दे

देईदान जगमालोत आढो दो १११, २१२
 देईदान झंगर री सिढायव चारण
 दो. ३५१
 देईदान सावलोत पोकरणो व्यास १८४
 देईदान हापावत चारण दो. ३५४
 देईदास देवराजोत राठीड़ दो. ३१
 देईदास नराणदासोत राठीड़ दो. ३३३
 देईदास प्रतापमलोत वारहट दो. ११३
 देईदास रामदासोत वारट दो. १६४
 देईदास सगतसिधोत राठीड़ १४१
 देदा वीजावा सोढा प्रोहित दो. २७१
 देदा चारण ७९
 देदो खेता री भाटी दो. ३०१
 देदो भंरउत सोहड़ दो २९६
 देदो मा. दो. ६६
 देदो सावलोत सावल रो भायल १८२
 देदो सिधवी गोपी रो बंटो १८२
 देदो मागलीयी ६२
 देदो सीहड १५२
 देपाल जीया १६, १७, १८
 देपाल लुणयाण १६, २०
 देपू ५३, ५४
 देलू दो. ४१
 देवकरण गोईदोत पीडत दो ३४६
 देव जगनाथ सदाफलोत श्रीमाली
 दो ११०
 देवदत्त जोसी पोकरणा ६४, १०३
 देवदत्त सुराणा दो. ११६
 देव पवार दो. १
 देवराज १६ दो. २६०, २६६
 देवाराज गोगादे १४
 देवराज थनेचो दो. २६५
 देवराज भारमालोत करमां री २४२

देवराजोत सीधल ७७
 देवराज सुराणा दो. ११६
 देवलिगा आढी (वेरा आसीया री वेर) ४८८
 देव वीणो श्रीमाली ३४१
 देवसी भोपा ३०४, ३०५
 देवसेन वैस ८६
 देवा करमावत मेर ४६६
 देवा केलण राजगरवाल प्रोहित ३०३
 देवा गाडण ३३६
 देवाण द वीठु २५५
 देवा मेहरोत मेर रावत ५५२
 देवीदान गुणावत वारठ दो २७६
 देवीदान गोयंदोत भाटी १२३
 देवीदास १८०
 देवीदास कुलघरात री दो ६३, ६४
 देवीदास जीवण री म्हेडु चारण
 दो. ३५२
 देवीदास जैतावत राठोड ५२, ६०, ६१,
 ६४, ६५, ४६७, ४७६ दो. ५६, ६०
 ६१, ६३, ६४, ६५, ६६
 देवीदास भादावत राठोड ८८
 देवीदास भैरवोत ब्रा. ४१८
 देवीदास भैरवोत बारहठ ४८५
 देवीदास राठोड ४७, ६०, ६१, ६७
 देवीदास रामदासोत बारठ ४८४, दो. ११३
 देवीदास सुराणा दो. ११६
 देवीदास ऊदावत राठोड १७७
 देवो सूजावत सीधल १०४
 देवी मेहरावत ४६८
 देवी मेहरोत मेहरावत ४६६
 देवो मेहाजल रो चारण दो. २८
 देस पातलोत राठोड ६६

दो

दोलतसा. जलेबदार १८४

दोलीया १७
 दोलीयो गेहन रौ गेहलोत १६, २०
 दोवो करमावत गोडात मेर ४६७

दौ

दौलतखान १७५
 दौलतसिध सुजाणसिधोत सीसोदीयो १७४
 दौलतीया दो. ४६, ५०

घ

घनराज तिलोकसी प्रोहित ४८०
 घनराज भणसाली ७१
 घनराज भारमलोत राठोड ५६
 घनावाई ८६
 घनौ आसावत भाटी ५४, ६४
 घनौ किसनावत प्रोहित ४८०
 घनौ पीतावत ब्रा. ५४४
 घनौ भाटी ६६, १०१
 घनौ भारमलोत राठोड ४६, ५०, ५२,
 दो. ५६
 घनौ रतनावत पंवार १८३
 घनौ लाला री दो २८
 घनौ सीरवी ४७२
 घरणीवराह पवार दो. २१५
 घरणीवाराह राजा १
 घरमघोषसूरि दो. ६६, ११५
 घरमा खाती दो. २६
 घरमा चांदणोत खिड़ीया ३०, दो १०७
 १२८
 घरमा सादू ८२
 घरमो लाला री ३०३
 घाघल करमसी भोपा ३३५
 घरवाई (भाटी प्रीथीराज री बेटी) ५६
 धो

धीरण माला कचरावत रो ३०३

वीरांगणा किसना जीजावत ८२
बुधली माल दवटीयो दो. २५३

धु

बुहड १५, २६१
बुहड आसथानोत राठोड़ दो. २६७,
२८६

न

नगराज खेतोसी २४१
नगा राठोड़ ४६, ५०
नगो गोपाल रो चारण दो. २७६
नगौ भारमलोत ५१, ५२, ५६, ६५
नगौ मु. दो. ५६
नणराज नराईणदासोत देवड़ी २७६
नरदेव दो. ११६
नरपत सांक्रोत जोसी श्रीमाली २३७
नरवद (सता रो बेटौ) २६, ३७, ३८६,
४६३, ४६४
नरवद ३८७, ४६३
नरवद जोगाइत रो राठोड़ दो ३४७
नरसंघदास पा. १६४, दो ३५६
नरसा चीता री मेर ५३६
नरसिंघ ४६३, ४६४
नरसिंघ चोयोत सीवड प्रोहित ४८०
नरसिंघ भाणोंत भाटी १८०
नरसिंघ सिढाडच २४१
नरसिंघदास सुरजनोत चापावत
राठोड़ १७७
नरसिंघदास किल्याणदालोत राठोड़ ६६
नरसिंघदास जगावत आसीयो ४८८
नरसिंघदास भोपतोत राठोड़ ११२
नरसिंघदास रामदासोत प्रोहित ५४६
नरसिंघदास लिखमीदानोत चौवांण १८१
नरहर पिरागोत चौहाण ६६

नरहट भोजराजोत खिड़ीया दो. १६७
नरहर सुजावत खिड़ीया दो. १०६, १११
१६७
नरहरसांन राजसिंघोत राठोड़ १२८
नरहरदास ईसरोत राठोड़ दो. ६६, ११२
२११
नरहरदास कलावत राठोड़ ११६
नरहदास गोयददासोत जैसावत रो भाटी
१००
नरहरदास जगावत आसीयो ४८८
नरहरदास भांनीदासोत भाटी ११६
नरहरदास भैरू दासोत भाटी दो. ३०६
नरहरदास राठोड़ ७०
नरहरदास लखावत वारट
५४८, दो. २०३
नरा दो. ४, ५
नरा सूजावत राठोड़ दो. २६२, ३१२
नराईण अखावत खिड़ीया दो. १६८
नराइण अखावत पंवार दो. २६४
नराईण खेता री चारण दो. २७७
नराईण जैराजोत दो ११६
नराईण पवार दो. २६५
नराईण पतावत १००
नराइणदास कलावत राठोड़ ११४
नराइणदास चांदराव री दो. ५६
नराइणदास रावोदासोत राठोड़ दो. ३०६
नराइणदास श्रीवातरां ४८१
नरो अजावत हभीर रो भाटी दो. ३०१
नरी गोयद री राठोड़ ५७
नरो चतरभुज री चारण दो २८
नरी जैतमालोत दो. २६
नरी मालावत पलाणीयो १८४
नरी मेर ५५३
नरी वछा री व्याम ५४७
नवमेरीसांन खानदोरा री १७२

नवाब आसफखान दो. ७६, ७७
 नवाब खानखाना ७७, ७८, १०७, ११०
 ३६०, ४८७, दो ७०
 नवाब बाहादरखान १३६, १३७
 नवाब महावतखान ६६, १०७. १०८,
 १०९, ११०, १७१, १७२ दो. ७४
 ७५, ७६

नां

नांदी ८६
 नागाश्ररजन पडीहार २,४
 नाढा दामावत प्रोहित ३०२
 नाढो चांदा रो प्रोहित दो. २८७
 नाथा अखावत सांडु ४८६
 नाथा कानड़ रो दो. १६५
 नाथा रतनसीयोत रोहडीया बरिट ४८४
 नाथू सुराणा दो. ११६
 नाथो गोगादे राठोड़ दो. ३०१
 नाथो भाटी दो. ३०१
 नाथो लिखमीदासोत भाटी दो. ३०६
 नाथो साकर रो रतनू दो. १६५
 नाथी ७१, ८६
 नाथी अखावत साडू ४८७
 नाथी चहुवाण ५८
 नाथो जैतावत ईदो १८१
 नाथी टीकम रो प्रोहित ३०२
 नाथी दासावत २४२
 नाथी मालावत भाटी ५८
 नाथी रतनसिघोत २३६
 नाथी रूपावत २५४
 नाथी साडूलोत पिडिहार १४२
 नादो करनोत २४२
 नानग दो. २६०, २६१
 नाना रोहडीयोत राजगुर प्रोहित दो. २६६

नापी दहीयो १०१
 नापी माणकरावजत ३१
 नायक खान मेहमद फुल रो ६४
 नारंगदे सांखली, (बीका बीदा रो मां)
 ३१, ३६
 नारण अखावत खिडीया दो. १७६
 नाराण वाघावत १८०
 नारण सिवराज रो राठोड़ दो. ३१
 नारणदास चाद्रावत रो राठोड़ ६०
 नाराइण तिलंगा रो मट्ट ४६३
 नाराइण मुहता दो. ३५१, ३५२, ३५३
 नारायण राघोदासोत राठोड़ दो. ३०५
 नारायणदास अखावत खिडिया दो १०८
 नारायणदास गोयंददासोत ऊहड १७६
 नालो सुराणा दो. १२६
 नाल्हा वछायत रतनू चारण दो. ३५५
 नास नाराईण तेजावत आचारज २३७
 नासीरदी मुगल ८७
 नाहडराव नागारजन रो बेटी
 २, ३, ४, ५
 नाहडराव पंवार ३८६
 नाहडराव पडीहार २४१
 नाहरखान ईसरोत आसायच १८२
 नाहरखान गजसिघोत राठोड़ दो. २६६
 नाहरखां भाखरसीयोत सोनगरा १८१
 नाहरखान राजसिघोत राठोड़
 १३६ दो. २६६
 नाहरखान राठोड़ १३६
 दो. ३०२, ३०३, ३०५

नीं

नीवा करमावत चारण दो. २७७
 नीवा खेतावत कविया चारण ५४६
 नीवा जोघावत राठोड़ ३६०

नीवा राठोड़ ८६
 नीवा राधावत राठोड़ ३६३
 नीवो अणदोत जेसो राठोड़ ५७
 नीवो जोधावत ३६
 नीवो दुरजणसालोत राठोड़ ८७
 नीवो दुजणसालोत मांडणोत ८४

नी

नीजरवली दो. ११६
 नीलकठ किसनदासोत २३६
 नीलकठ गिरघर रौ २३७

ने

नेता मानावत चवडीया ३३५
 नेती ३६७
 नेती कोठारी १८४
 नेती घनी भारमलोत बालाउत राठोड़ ५६
 नेती पा० दो. ५६, ६३
 नेती पातावत ८६
 नेतो पेयड़ दो. ३०१
 नेती प्रोहित ६४
 नेती वीजावत भाटी ८५, ८६
 नेहमास महावतखान रौ १७२

नै

नैणसी जैमलोत मुंहणोत दो. ३२३
 ११६, १२०, १२१, १२३,
 १२७, १३६, १३७, १३८, १४२,
 १४३, १४४, १५७, १६४
 दो. १, ८, ८३, ९२, ९४,
 ९५, १३२, २९६, ३०२, ३०३,
 ३०५, ३०६, ३५६
 नैतगी काजावत ऊहट्ट ३०४

नैतसी जनावत २५५
 नैतसी जैसिघोत ८८
 नैतमी महेसमलोत राठोड़ दो. ३४१
 नैतसी सीहावत राठोड़ दो. ६५
 नैतसी सीहावत अखैराज राठोड़ ६२

नो

नोखो ऊजलोत सिंढाइच चारण दो. ३५४
 नोरंगदे (कनकावती) ५२, ५५

पं

पंचाईण अखैराजोत राठोड़ ७६, २४३
 पंचाईण ऊदावत ६२
 पंचाईण करमचंद रौ पवार दो. ५०
 पंचाईण करमसीयोत राठोड़ ४८, ५७ दो.
 ५७
 पंचाईण जोधावत भाटी ५७
 पंचाईण टोहावत थायरीयो राठोड़ ८०
 ८४
 पंचाईण भटारक सीसोदीयो ११३
 पंचाईण वरसंघोत राठोड़ दो २८६, २८८
 पंचाईण वरसिघोत महेवचा राठोड़ दो.
 २७५
 पंचाईण वीसावत भाटी ७६ दो. २२०
 पंचायण ४३
 पंचायण पवार दो. ४६

प

पती उरजनोत मुंहला ७० दो. २१६
 पती कलावता देवडी १०४
 पती कान्हावत अर्गंराजोत राठोड़ ५७
 पती गानावत राठोड़ २८५ दो. २७५
 पती गांगावत टूंगनेत राठोड़ दो. २७४
 पती दुरजणसालोत राठोड़ ५८

पती देवाइत वारठ दो १८४
पता देवाईचोत रोहड़ीया वारठ दो. १०८
पती नगावत राठोड ६८, ७०, ८०, २६२
दो. २१६

पती नेतावत ६७

पती भादावत हुल ६६

पती महेराजोत री राठोड ६२

पती मुंहता ६७, ७०

पती राठोड ८०

पती रायमलोत चारण दो ३४६

पती वरसावत रतनू चारण दो. ३५०

पती सुरतांगोत भाटी दो. ३३६

पदमा देवडी ४२, ७६

पदमा पोकरणा ब्रामण २३६

परतापमल नादणोत वारठ दो. ११३

परतापमल सिंघवी दो ३०५, ३०६

परतापसिंघ करमसीवोत जोधा राठोड

१७८

परतापसिंघ नांदणोत वारठ दो. १५२

परतापसिंघ सुरताणोत भाटी दो ३०३,

३०४

परतापसी भाटी दो ३५३

परवत किसनाणी राठोड दो. ३४१

परवत कुसलावत राठोड दो. ३३५

परवत देवराज री पोकरणा दो. ३२४

परवत देवराजोत राठोड दो. ३४८

परवत सादावत लूणोत प्रोहित दो २७३

परवतसिंघ चद्रमण री १७३

परवतसिंघ मेहाजलोत दाहवी ७६ दो.

२२१

परवतसिंघ सीसोदीया ११८

परवत मेर २

परवेज साहजादा १०६, १०७, १०८,

१०९, ११० दो ७४, ७५, ७६

परसराम गौड १७३

परसु १३५

परसोजी दिखणी १७३

परसोतम जोसी ७७

पां

पाचु वीरमदेयोत मांगलीयो ४१

पाचो नदावत साहाणी ६८

पा

पातल ५२

पातल राजावत राठोड दो. २५१

पातली मेर ४६५

पातसाह री घाई दो. ७०

पातु गू १२ ५२२

पातो कूपो मेहराजोत राठोड दो. ३५

पातो वारठ दो. ५७, ५८

पाला ऊदावत रतनू दो. १६५

रतनू पालीह उदावत दो. १०८

पाहडखान ६३

पि

पिरथीराज कानुगो दो. ८८

पिरथीराज दलपतोत करमसीयोत राठोड

१७८

पिरथीराज सुदरदासोत घघवाडीया दो

११२, १४०

पिराग ईसर री ब्रा. ५४४

पिराग बाघावत सोहड दो. ३०१

पिराग भाटी ८७

पिराग भारमलोत भाटी ६२ दो. ६६

पिराग मुकदोत व्यास ५४८

पिरागदास चांपावत घायभाई १८३

पिरागदास सुरतांगारामोत राठोड १००

पिरागदास हरिसिंघोत राठोड़ दो. ३०७

पी

पीजल वीवल रा प्रोहित २३६
 पीतांबर पिरागोत ४८२
 पीतांबर वागदे श्रीमाली २३८
 पीथड़ प्रोहित ३०२
 पीथी ८६
 पीथी अणदोत भाटी ६२
 पीथी खेतसीयोत पातावत राठोड़ १४१
 दो. ३०७
 पीथी जगावत सीहड़ ५६
 पीथी जेसावत सोहड़ दो. ५६
 पीथी टोहावत रतनुं चारण दो. २७७
 पीथी देदावत केसरिया प्रोहित ३०२
 पीथी नरसंघ री वीठु दो. १११, १६४
 पीथी नरा रो प्रोहित दो. २७३
 पीथी नाराईण रो प्रोहित दो. २७३
 पीथी भाटी दो. ६६
 पीथी भाणावत गाडण ३०४
 पीथी रूपसीहोत रतनुं दो. ३५२
 पीथोड़ सोढावत सोढा प्रोहित दो. २६७
 पीपलीया वीढा री ५२७
 पीपो पडिहार ३
 पीर जमजेद दो. २१५
 पीरजादा दो. ११४
 पीरजादा खुजमहमद नी ाम दो. ११६
 पीरजादा नीजरवली निजाम दो. ११४
 पीरसेद मारू दो. २१५
 पीरोज खान पातसा रो वेटी ३८८

पुं

पुंजो सुराणा दो. ११६
 पुनराव आसीया २४०

पुनी आहेड़ी २०

पूं

पूंजी चाहड़ हरभू री दो. ३०
 पूना अखावत रायगुर प्रोहित २६७
 पूना दोलीयां री गहलोत २६
 पूनी वीसलदे री ३२
 पूरण जीवावत २४१
 पूरणमल जसावत रावलोत भादावत
 राठोड़ १७६
 पूरणमल प्रीथीराज जैतावत राठोड़
 ६१ दो. ६५
 पूरो भाण री दो. ३४६
 पूरा मटीयांगी ४०
 पूरां सोत्तगरी (सोनगरा अखैराज री
 वेटी) ५६

पे

पेयड़ राजी दो. २६५, २६६

पो

पोकरणो ईदो ३१
 पोटल सामराव दो. १७५
 पोटलो समरावत री वारठ दो. १०८
 पोहकरण रपीसर दो. २८६, २६०
 पोहकरण वांभण दो. २८६
 पोहपावती (मालदे री वेटी)

प्र

प्रतापमल करमसीयोत पातावत राठोड़
 दो. २६६
 प्रतापसी गोहल १२, १३
 प्रतापसी सुरतांणोत रावलोत भाटी
 दो. ३०१

प्रि

प्रिथीमल सीसोदीया १२६
 प्रीग माङ्गोत राठोड् ८६
 प्रिथीराज करनोत भाटी ६६
 प्रिथीराज करमसोत दो. १३४
 प्रिथीराज कूंपावत राठोड् ६१, ७१,
 ८०, ८२, ८३, ४१८, ४८५, ४८७,
 ४८६, ४६२ दो. ६३
 प्रिथीराज खीवराजोत दधवाडीयो ४८६
 प्रिथीराज गिरघरदासोत वारेट
 ४८५ दो. १४०
 प्रिथीराज गोईदोत नरावत राठोड्
 दो. ३५३
 प्रिथीराज जेतसियोत केल्हण भाटी ३४
 प्रिथीराज जैतावत ५६, ६४, ६५
 दो ४, ५, ५६
 प्रिथीराज दयालदासोत चौवाण १८१
 प्रिथीराज दलपतोत राठोड् १८५
 प्रिथीराज देवलीया राठोड् ४२३
 प्रिथीराज देवीदासोत राठोड् ४६६
 प्रिथीराज बलुवोत राठोड् १११ दो ७४
 प्रिथीराज भाटी ४३
 प्रिथीराज राठोड् ४७५
 प्रिथीराज सीधण अखैराजोत राठोड् ६३
 प्रिथीराज सूजावत देवडी १०२
 प्रिथीराज चहुवाण सोमेसर री बेटी
 २, ३, ४

फ

फते अली ११६
 फतेखान बलोच १२२
 फतैसिध दो. ३०४
 फतैसिध का० १३६
 फतैसिध नरहरखानोत राठोड् १५६

फतैसिध महेशदासोत राठोड् १७४
 फतैसिध सुजाणसिधोत सीसोदीयो १७४
 फतैसिध हाडी १७३
 फदर ८२
 फदाईखान दो. ७६ १०६ दो. ७३
 फरसराम कचरावत सारंगसमजी रो व्यास
 दो. १६४
 फरसो घनराजोत चौहाण १८४
 फरीद हुसेन १७१
 फलू बाभण दो. १
 फलूषी (फलू बांभण री बेटी) दो. १
 फलो सीधू दो. १

फा

फाजल मुहमद ११५

फु

फुलनायक ५८

फू

फूल विणजारो ४७०

फो

फोकट'दो. ४१

ब

बद्धा गुगली बांभण २६०
 बरावीर ११८
 बरावीर धारावल देवल ११७, ११८
 बरावीर पुनावत भाटी ३२
 बरावीर भाटी ३४
 बरावीर भोजावत हुल ३६
 बना बाधेली ३६
 बरजांग भीवोत राठोड् ३१, ४०

वरसल पातलोत राठोड ६८
 वरसल पातावत राठोड ६६
 वरसल प्रीथीराजोत राठोड ८०
 बलराम दयालदामोत ऊदावत राठोड
 ११७
 बलभदाम मुरतांणोत राठोड दो. ११२
 बलभद्र मुरताणोत राठोड
 दो. ७२, १४०

बलु ईसरदासोत राठोड ५१६
 बलु गोरधन री प्रोहित दो. ११२
 बलु गोरधन री व्यास दो. २१२
 बलु जगनाथोत राठोड दो. ३०८
 बलु परतापोत राठोड ५२४
 बलु पा० ११६
 बलु पांचलो २१५
 बलु वीकावत राठोड ५२५
 बलु वीजावत लूँका री दो. ३४४
 बलु सहेलावत री सीवल २८५
 बहूजी अहाड़ी (राजा मूरजसिध
 री राणी) ६५
 बहूजी सेखावत २८६

वां

वांघरी हुल ३८३, ३८४

वा

वाई नीग (राय गोयद री बेटो)
 दो. ३२२
 वाई श्री मननावतीजी दो २६८
 वाग्यल चांदणोत जगहर दो. १५२
 वाघो भवदार २३४
 वाघो नेतरांत ३०२
 वाघट अलावत री लाघा रोहटीया ३०४

वावर हीड़ागर दो. ४२
 वावल चांदणोत दो. १०७
 वारू हीगोला २४०
 बालनाथजी दो. ३१५
 बालाह वाई (मालदे री बेटो) ५२
 वालीसो सूजो सावतोत दो. ६०
 वाहादर पातसाह ६७

वीं

बीजा ५१
 बीजा देवड़ा ७३
 बीजा जैतमाली राठोड ५७
 बीजा भारमलोत राठोड ५०
 बीजा वीकमादित राजगपाल ३०
 बीजा वीरमोत राठोड ६६

वी

वीकी देईदान री खिड़ीया ५४६
 बीजा सिवराजोत राठोड २५४
 बीजा राम हरीदासोत गोपालदासोत चांपावत
 राठोड १७७
 बीजा ८०
 बीजा भारमलोत बालावत राठोड ५७
 बीजा राइवरी ८०

बु

बुटो मेहसा री २५५
 बुरद ४६५

बे

बेगम-गातगाह री मा दो. ६८
 बेगो कूंपावत ४७१
 बेटवासीयो हुल १०१

वेणी इंदी ७३
 वेणी घरमावत इंदो ६६
 वेणी घायभाई ८६
 वेणी सहेसो तेजसोत वरसिघोत राठोड ४२
 वेणीदास चोपड़ा ४७३
 वेरसी जेसावत राठोड दो. ६
 वेरी माईदासोत ४७१
 वेनी कोचर ८६

बो

बोचा चारण १३६
 बोगीयी मेर ४६६
 बोहड़ीया (कठोती) दो. ४०
 बोहीगुण मालावत खिड़ीया ५५१

भ

भगवान ईसर री खिड़ीया दो. १२६
 भगवान कमावत सा० १८५
 भगवान करमचदोत दो. २२
 भगवान गोपालदासोत दो. ११०
 भगवान जसावत खिड़ीया दो. १०८, २०६
 १७६, १६८
 भगवान देईदासोत प्रोहित दो. ३५०
 भगवान मांना री राठोड दो. ३४७
 भगवानरांमोत २८१
 भगवान लिखमीदास राठोड दो. ३३२
 भगवान सि० २२७
 भगवान सीरग री २३७
 भगवानदास ८२
 भगवानदास मांडणोत राणावत राठोड
 १७६
 भगवानदास मानसिघोत २३६
 भगवानदास रायमलोत भाटी १८१
 भगवानदास वाघोत राठोड ११२, ११५,

११६

भगवानदास वीरमदोत भाटी ७३
 भगवानदास सकतावत राठोड १७६
 भगवानदास सुरताणोत राठोड ११६
 भगसिव रूपसीयोत ११०
 भटीयांणी (अखैराज री वेर) ८८
 भणकलावत भाटी ६८
 भदो पंचायणोत राठोड दो. ५२, ५३
 भरमा रूपावत रतनुं दो. ११२, १४१
 भलौ चांदा री प्रोहित दो. २७०.
 भवणी रांभावत जेतसेपाउ आचारज
 प्रोहित ३१०
 भवानीदास तेजसीहोत सीवड दो. १३८
 भवानीदास राठीड ५५१
 भवानीदास मुरावत अखैराजोत राठोड
 ५७

भां

भांण १
 भांण (मालदे री रांणी) ५६
 भांण भोजराज सादा रूपावत री राठोड
 ६१ दो. २६५
 भांण मनोहरदासोत भाटी १८०
 भांण राठोड ६६
 भांण ससारचदोत राठोड ६६
 भांण सकतावत सीसोदीया १२३
 भाण सैहसमलोत मा० १४२

भा

भाइ पज जीपाल दो. २६०
 भाखरसी कूपावत भाटी ७६ दो. २२०
 भाखरसी जैतावत राठोड ६१ दो. ६५

नाखरसी हूंगरसीहोत राठोड़ ६२ दो. ६५
 भाखरसी दासावत राठोड़ दो. २६८
 भाखर नरहरोत श्रीमानी व्याम ५४८
 भाखर बारट ३६६
 भाखर भागलीया ५२४
 भाखर सादूल रो. प्रोहित दो. २७३
 भाखर सीहेडा रो घावल दो. २६
 भाखरसी हरराजोत भाटी ८८ दो ७,
 २६६
 भागचद करमचंदोत रो दो. ७
 भागां (करमसी जोधावत री बहन) ४०
 भाडी सूजा जागरवाला ब्रामण ८१
 भाणो ८७
 भादो नराइणदासोत भाटी १००
 भादो मोकलोत राठोड़ दो. ४८
 भादो लाखा री ३५०
 भादो हेमावत दो. २२०
 भाना जैतसिहोत खिड़ीया ७६
 भाना नेतसीयोत खिड़ीया ८२
 भाना नेतावत खिड़ीया ८२
 भाानो भारमल रो चारण दो. ३५५
 भाानो माडण रो प्रोहित दो. २७३
 भाानो सिवरज री राठोड़ दो. ३१
 भाानो मुजावत बरकदाज चौहाण १८३
 भाानीदास (राव हूंगरसी री भाई)
 दो. ६
 भाानीदास ईमरदामोन भाटी ११६
 भाानीदास खीवावत राठोड़ ४६८,
 ४६६, ५५१
 भाानीदास चडीदास री २३७
 भाानीदास तेजसीहोत सीवड़ दो. ११०
 भाानीदास दुजरुमानोत भाटी ८४
 भाानीदाम प्रोहित दो. ६३
 भाानीदास मुतहार ६२ दो. ६६
 भारमल दो. २८६

भारमल कानुगो दो. ८८
 भारमल किसनावत प्रोहित ३३४
 भारमल जोधावत राठोड़ ३०२, ३०४
 भारमल दलपतोत राठोड़ ५८८
 भारमल देवीदासोत राठोड़ ५६
 भारमल घारावत रतनू चारण दो. ३५३
 भारमल मना रो चारण दो. २७७
 भारमल सांखला ८०८
 भावसिध कसोरदासोत कूपावत राठोड़
 १७७ भीव ६८

भी

भीव ऊदावत वाली राठोड़ ६३
 भीव किल्याणदासोत राठोड़ १००, १०४,
 १११, १२४, ४६६, ५४० दो. ७४
 भीव गोपालदासोत राठोड़
 १३८, १४१, १५६
 भीव कसोदासोत गाडण ४८६
 भीव चूंडावत ३१
 भीव पडीहार ४४१
 भीव पिराघदासोत भाटी १८०
 भीव बरमलोत राठोड़ दो ३०६
 भीव बाधावन मुजावत राठीड
 २३८, २४२
 भीव वीठलदामोत गोड १७६
 भीव वीठलदामोत गोपालदामोत चापावत
 राठोड़ १७७
 भीवा लहुवो दो. १७
 भीव बरमनोन आभीया ३६६
 भीवो भोजो दो ३५६
 भीवोत बनु मेघराजोत ११६
 भीवो मुहुता ६७
 भीवो रायत ६३
 भीवराज पेघड़ दो. ३०१
 भीवसिध ह्याडा १३५
 भीवराज बनुवाग ५८

भीवा थाहरोत प्रोहित दो. २७०
भीवां वांभण दो. २७०
भीमदे ३
भीमा ८६

भुं

भुणकमल दो. ३०१
भुणकमल ८६
भुणकमल देपौ गांगावत ८८

भू

भूघर काना रौ वांभण दो. १५२
भूघर कांन्हावत प्रोहित दो. १०८
भूघर गोईद रौ व्यास दो. २१२

भै

भैरव रासद दो २६०, २६१
भैरव ६५
भैरव नीबावत ब्रा. ४१८
भैरव नीबावत रोहड़ीया बारेट ४८५
भैरव भाटी ६६
भैरव भीवराज सीहावत सोहड ५८
भैरव हरखावत खिडीया २४१
भैरवदास कीतावत मुं हता १२८
भैरवदास जाडो २६२
भैरवदास भादावत राठीड़ दो. ५०
भैरू भीवराज राजप्रोत २६८
भैरूदास जोसी ७७

भो

भोजराज १
भोजराज ५५
भोजराज २८६

भोजराज कलुटा राठीड़ ७३
भोजराज चापावत राठीड़ १७७
भोजराज पातावत राठीड़दो. ३०५
भोजा कूंपावत सीवड़ प्रोहित ५४३
भोजा जेसावत मीसण २४३
भोजु पोहकरण मा. दो. ७
भोजु भाटी ७०
भोजु मांगलीयी दो. २६७
भोजो मुंहता दो. ३५१
भोजी जसवंतोत पवार १८३
भोजी जोघावत भाटी ५८
भोजी पचाईणोत अखैराजोत राठीड़ ५७
भोजी मंडलावत राठीड़ ६३
भोपत उदैसिघोत राठीड़ ७५, ६६
भोपत जोगावत रावळोत राठीड़

१००

भोपत काना रौ पडित दो. ३४६
भोपत गुणेश भारमलोत प्रोहित २३८, २८५
भोपत जैसिघोत राठीड़ दो. ३०५
भोपत देवीदासोत राठीड़ १०२
भोपत मांडणोत पीडत दो. ३४६
भोपत मानसिघोत मोहता ६८
भोपत राठीड़ ६७
भोपत रांणावत राठीड़ ६८
भोपत व्यास दो. ३१४
भोपत हीगोलावोत राठीड़ ६८
भोपा आसायच ३३५
भोपो नाई २१, २२, २३

भं

भड हुल १८५
भदोदर दईत १
भंदोदर री बेटी १
भकवाणो हुल १०१

मदन जात सोयर्ड प्रोहित ३१०
 मदा श्रीमाली दवे २४३
 मदी ११६
 मदी फर्तअली वलोच दो. ८
 मदी मेरावत राठोड़ दो. २१६
 मदी लुणयाण २०
 मधुदेव पंवार दो ११५
 मघो लहर ३८६
 मनभावती वार्ड १०८
 मनरूप राजा जगन्नाथ री कछवाहा
 दो. ७२
 मनी पटेल भा. दो २३७
 मनोहर अणवोत ४७६
 मनोहर ईंदो १८४
 मनोहर जैमल री प्रोहित दो. २६७
 मनोहर पीथावत २४०
 मनोहर भाटी १८२
 मनोहर राभावत ६८२
 मनोहर सादुलोत चौहाण दो. ३०७
 मनोहरदास जकील १४४, १५७, १५८
 दो ६३, ६५
 मनोहरदास केसोदासोत मुहेचा राठीड
 १८०
 मनोहर गुणोसोत ईंदो १८२
 मनोहरदास जसवतोत वीदो राठोड़
 दो. ३०६
 मनोहरदास पचोली १२८
 मनोहरदास पडित १५३
 मनो रूपसोत नाट २५५
 मन्हीर ५२
 ममारक खान ५८
 मलकअली मेर ५२
 मसूमान ४०, दो. ४२, ४३, ४४, ४६
 मवेसा १०२
 महणसी २

महणसी अल्ह ३
 महरात मेर ५३५
 महरवलीखान पातसाह १८, १६
 माहावतखान साहजादा ११०
 महीधवल दो २६०, २६१
 महेपी पवार ३०
 महेस अखावत चारण दो. २७४
 महेस ईंदो १०१
 महेस कूपावत राठोड़ ७१
 महेस घडसीहोत राठोड़ ४३, ५७, ६२,
 २५५ दो. ५४, ६६
 महेस चारण दो. ५८
 महेस चुतरावत वारठ दो. १८४
 महेस चुतरावत मीसण दो. १८५
 महेस चुतरावत मेड़तीया दो. ४७
 महेस दुदावत रोहडीया वारहट २३६
 महेस नाथोत ३३५
 महेस पचाइणोत राठोड़ ६२, ३३६
 दो. ६५
 महेम मोहलोत २३६
 महेस सागावत राठोड़ दो ३४१
 महेस सादू ४८७
 महेमदास २६२
 महेसदासजी १३५
 महेसदाम अचलदामोत भाटी १८०
 दो. ३०५
 महेसदास कानुंगो १६४
 महेमदास किसनावत आन्दा ४८३, ४८४
 महेमदास चुतरावत वारठ दो. १०८, १०९
 महेमदास दलपतोत राठोड़ दो. ७४
 महेमदाम राठोड़ १३७ दो. २६५
 महेमदाम नूरजमलोत राठोड़ ११५, १२५
 १७५, १७६, ४३४
 महेराज गुंमाणोत राठोड़ दो. ३४०
 महेराज टोकरी २६७

महैराज भोजा रौ प्रोहित दो. २६६
महैराज सीहावत बांमण ३०१
महो जगहथोत पाती ६३

मां

मागलीयांगी (वीरम री बँर) १६. २०,
२१,
मागलीयी सरणावत ६३
माडण करन प्रोहित ४७७
माडण खीवसरा दो. १०६,
१६८
माडण खेतावत प्रोहित ८१
माडण गोपालदासोत ऊहड ३०३
माडण हरदासोत ३०२
माटलप दो. २३०
माडा सीहावत बांमण ३०१
माडा हुल १८४
माणो दो. ३३४
मानसिंघ सोनगरा ६८, ८० =३, दो.
६३
मानो मागलीयी ६७
मानो डावगेन भडारी १०१
मानो देवराजोत भाटी दो. ३३८
मानो परवत मेर ५४१
मानो भडारी ६६, १०१, १०२, दो. २६७
मानो भाटी ७०, ७३, ६६, ११२, ११३
दो २४३
मानो मनोहरदास गोमंददासोत भाटी
१००

मा

मागा बुध रोहड़ीयो चारण १५
माजबी लाडखां १०१

माडी जसा रौ ५५३
माणक हरीयो गेहलोत १६, २०,
माणोत अचली सूजावत ७३
माधवदास गोपालदासोत राठोड ६८
माधवदास चू डावत दघवाडीया ११३,
११४, ४८७
माधोदास ३४६
माधोदास केसोदासोत भाटी १८०
माधोदास केसवदासोत सोनगरा १८१
माधोदास गाडण ३४६
माधोदास जसवतोत राठोड दो. ३०८
माधोदास पूरणमलोत राठोड १०४, ११०
माधोदास मोहणसोत ३४६
माधोदास रामदासोत राठोड १००
माधोदास सादुलोत मागलीयी ६८
माधोदास सोनगरा दो. ३०२
माधोसिंघ ऊर्दसिंघोत राठोड ७५
माधोसिंघ भोज रौ राठोड दो. २१०
माधोसिंघ सीसोदीया (रांणा ऊर्दसिंघ रँ)
१०४
माधो घायभाई गोड १००
माधो तेजा रौ कछेला ५५१
याधो रामदासोत ३१६
माधो रामावत प्रोहित दो २६८
मान खिजमतीया राठोड १०५
मानघाता चक्रवती दो. ११५
मान रामावत आसीया २४३, २८७
मानसिंघ अखैराजोत सोनगरा ६१, २६८
मानसिंघ किल्याणदासोत जैमलोत भाटी
१०१
मानसिंघ गोपालदासोत भाटी १८०
मानसिंघ ठाकुरसोत भादावत राठोड
१८५
मानसिंघ मुरारदास राठोड दो. १४६
१५०

मानसिंघ राजावत राठीड़ दो २६५
 मानसिंघ रूपसिंघोत राठीड़ १५६, १५७
 मानो मालावत मेर ५५२
 मानो रायमल ३१८
 मानो सिवदासोत हमीर भाटी दो ३०१
 मानो सुजावत बरकदाज चौहांण १८३
 माल १३५
 मालदे बणावीरोत काधल राठीड़ दो ७
 मालराव चूंडा २५
 माल लखमणोत १०१
 मालवदे दो. ११६
 माला ऊदावत सादु ८२, ३४६ दो. १६७
 माला चारण ४३६
 माला चांदावत मेर ४७१
 माला तेजावत वीठू दो. १६४
 माला नेजावत नुं दो. १११
 माला परवत देवराजोत राठीड़ दो. ३५१
 मालुजी १७२
 मालो जगमाल १६,७
 मालो देवराज री (पोकरण) दो. ३२४
 मालो नरवद री राठीड़ दो. ३४७
 मालो समुरता री वारठ दो. ३५०
 मालो दो. २३०
 मालो उदेसोत सांदू चारण १०५
 मालो जोधावत भाटी ५८
 मालो दिदावत २६८
 मालो देवराज राठीड़ दो. ३४८
 मालो सलखावत १६
 माहव आसा री सिंघायच चारण
 दो. ३५१
 माहाव राजगुर प्रोहित २६८
 माहसिंघ वीहारीदासोत राठीड़
 दो. १८४
 माहारीख दो. ४१
 माहासिंघ जगनाथोत राठीड़ दो. १८०

मी

मीरजा दो. ५५
 मीढो रांदो १६, २०
 मीया फरामत १२६, १३६, दो ६२
 मीर आसावत भाटी ८८
 मीर इसमाल १७२
 मीरजा मुहमद अमी १३०
 मीरजी मेहमद अमीमीया १५०
 मीर सकार दो. ७३
 मीरसफा १०६

मु

मुकंददास किसनसिंघोत राठीड़
 दो. ३०२
 मुकंददास भाणोत राठीड़ दो. ३०७
 मुकुंदसिंघ माघोसिंघोत हाडो १७३,
 १७६
 मुकंदसी किसनसिंघोत राठीड़ २७७
 मुकलस खान १७४
 मुगराजसी ६३
 मुगल लखणीयां २४२
 मुगल खान १२१, १२२, १३
 मुगलखान बलोच दो. ८
 मुगलखान समांयलखान बलोच ११८
 मुगलखान सरोई १२०
 मुथरादास रांठोड़ दो. २०६
 मुदफरखां पातसाह ४२, ७७, ७८, ८६
 मुदफरखान मदा री बलोच ११६
 मुदफर हुसेन १७१
 मुरादवगस साहजादा १७०, १७६
 मुरार खेतावत जोसी श्रीमाली ४८१
 मुरार राठी दो. ३११
 मुरारदास गोयंददासोत मेहतीया राठीड़
 १७८

मुलवाणी सोढी ३३
मुहड ठाकुर सोनावत चारण ३६७
मुहमद अमी मुगल १३०
मुहमदखा विहारी ७३
मुलराज सोलंकी ५, ६, ७, ८

मू

मूला कूपावत सीवड़ प्रोहित ३३४,
३४६, ४७६, ४८०, ५४६
मूला प्रोहित ५२३
मूलो हुल ५३६
मूलो नीवावत राठीड़ ५५
मूलो नीवावत भाटी ६४

मे

मेणराज चंड ३११
मेघराज ७३
मेघराज उरजनोत ऊहड़ १७६
मेघराज किसनावत आढा ४८४
मेघराज केवल री ब्रा ४८२
मेघराज गेहावत रतनुं २४२
मेघराज झूगरसी २४२
मेघराज देवल ११८
मेघराज भाटी दो. ३५१, ३५२
मेघी सागावत राठीड़ दो ३४१
मेघी सीवराजोत लहुवा दो २२
मेघी चौहाण दो. ५६
मेघी पतावत चारण दो. ३५१
मेघी भैरुदासोत ५६
मेरी आपा ४६६
मेरी देवीदास री राठीड़ दो. २१६
मेरी सीसोदीयी २७, २८, २९, ३८७
मेहका सोलावत सिद्धाडच दो ३५३
मेहमद मुदाद उमराव ११२

मेहर १८२
मेहरात मेर ५३३
मेहराता चीता मेर ५३६
मेहा ६४
मेहा ऊहड़ ४३६
मेहा दुसलोत वीठु २४२
मेहा रोहडीया वारट ३६६
मेहाजल ५३
मेहो रूपा री प्रोहित दो. २६७
मेहो रावजी ४७
मेहो झूगरसोत खिडिया ८२
मेहो सुरजनोत चु० १८५
महेमंद पातसाह ५२
महेरा कु मार दो. ३१२

मै

मैहद भाला ८
मैहद कालर दो. ३३७

मो

मोकल कचरोत री प्रोहित दो. २७२
मोकल गगादासोत थाथीया राठीड़ ८४
मोकल वारट ३६६
मोका माडणोत घघवाडीया दो. ११२,
१४०
मोटस सारंगोत मीसण २३६
मोटाल माडणोत खिडीया दो. १११,
१६७
मोटी जोग री राठीड़ ५६, ६०
मोटी तेजावत घासीया ५५१
मोणदास जंतसीयोत ४७८
मोणदास जंतसीयोत प्रोहित ४८०
मोलण पंवार दो. ११५
मोहण किसनदासोत प्रोहित दो. ११०

मोहणदास उदैसिघोत राठीड़ ७५
 मोहण नाई १८५
 मोहणदास पीपाड़ी दो. ३०५
 मोहणदास माधोदासोत वधवाड़ीया
 ४८७ दो. ११२, १६४
 मोहणदास सजावत प्रोहित दो. २७१
 मोहणदास हरदासोत भाटी दो. ३०७
 मोहणसी पड़ीहार ३
 मोहिलारणी (राव चू डागी वेर) २५,
 ३८५
 मोहील उडीट ३८५
 मोहैप पवार ३८७

र

रभावती हाड़ी (हाडा सूरजमल री बेटी)
 ५३, ५५
 रजु बाहदर १११
 रणधीर कोभावत २६३
 रणधीर सुराणा दो. ११६
 रणमल अणदोत पुरणायचा आचारज
 प्रोहित ३०२
 रणमल सुराणा दो. ११६
 रणवीर दो. ११६
 रतन केसरीसिघोत भाटी १४२
 रतन गोपालदासोत राठीड़ १७८
 रतन पिराघदासोत भाटी १८०
 रतन महेसदासोत राठीड़ १२६., ३७१
 १७५
 रतन रायमलोत राठीड़ दो. १११
 रतनसी ५५
 रतनसी ८७, २३१
 रतनसी ऊदावत राठीड़ ५२३
 रतनसी करमां रावल री राठीड़ ५५२
 रतनसी चो० १३६
 रतनसी खीवावत राठीड़ ५६, ६३, ६६,

७०, ४६५, ४६८, ४६६, ५४३,
 ५५१, ५५२
 रतनसी डू गमीयोत आढा ५५०,
 दो. १११ -
 रतनसी दूदावत राठीड़ दो. १०६, १८५
 रतनसी देहू री सांहु ४८७
 रतनसी पीथा री भाटी ८८
 रतनसी प्रीश्रीराज री बेटी) ३, ४
 रतनसी भाटी दो ६४
 रतनसी म्हैकरणोत चापावत ८४, ८७
 रतनसी राठीड़ ४६५, ५४२
 रतनसी सेखावत ५५
 रतनसी स्यामदासोत भाटी १८१
 रतना चाचावत सदायच २५४
 रतना चीता री ५३६
 रतना मेरडत ४६५
 रतनावती बाई (मालदे री बेटी) ५२
 रतनुं रामसिघ दो. १११
 रतनो गागावत सोहड दो. २६५
 रतनो जगी दो. ७१
 रतनो डाहाखत मीसण चारण दो. १०६,
 १८५
 रतनो रावलोत प्रोहित दो. २६६
 रतो अर्भ री ५६
 रतो पा० दो ५६
 जगहटरला गोय दोत २४२

रा

राइचंद सुरताणोत प्रोहित १०७, ११०,
 १५२, १६३
 राइमल खेतावत प्रोहित २८५
 राइसल राठीड़ दो. ५२
 राईसल राजावत प्रोहित ३१०
 राईसिघ २८६
 रापाईच (मूलराज री भाई) ८

राघो सेहलोत १०१
 राघव ५३
 राघवदास पा. ११३
 राघवदे बरसलोत ऊदावत राठीड़ ५६
 राघो केसोदासोत साहाणी १८३
 राघो कोभावत जंतमालोत दो. २७२
 राघो नरणोत प्रोहित दो. २७१
 राघो महेस री दो. १३८
 राघोदास ३०४
 राघोदास किसनावत प्रोहित ४८०
 राघोदास पंचोली ११४
 राघोदास महेसोत दो. ११०
 राघोदास सादुलोत अबदार चौहाण
 १८३
 राघोदास सुरताणोत भाटी १४१
 राघोदास हुल दो. १८१
 राघोसिंघ भोजीतेज राठीड़ दो. २०७
 राजकंवर (मालदे री बेटी) ५३
 राज डंगो दो. ३६
 राजधर सीहावत सोहड़ दो. २६५
 राजसिंघजी १०८
 राजसिंघ खीवावत राठीड़ १०१, १२४,
 १२५, ४६६ दो. ७४, ७५, ७६
 राजसिंघ घड़सीहोत राठीड़ ६२ दो. ६६
 राजसिंघ दयालदासोत भाटी दो. ३०७
 राजसी परतापमलोत रोहड़ीया वारठ
 दो. ११४
 राजसिंघ भगवानोत राठीड़ १८५
 राजसिंघ महेसदास राठीड़ १११
 राजसिंघ राघोदासोत राठीड़ २७८
 राजसिंघ राठीड़ १०६, ११०, १४४
 राजसिंघ विसनदासोत राठीड़ ११५
 राजसिंघ वेणीदासोत भाटी दो. ३०६
 राजसिंघ सांवलदासोत राठीड़ ११४
 राजसिंघ सादुलोत दो. ११०

राजसिंघ सुरजमलोत राठीड़ १३२,
 १३८, १४३
 राजसी अखावत राठीड़ ४१८
 राजसी अखावत रोहड़ीया बारहठ
 २६८, ४८८
 राजसी परतापमलोत बारहठ २५४
 राजसी प्रिथीमलोत रोहड़ीया वारठ
 दो. १४१
 राजसी भाटी दो. ६४
 राजसी सादुल री दो. १३८
 राजसी सूजावत भाटी दो. ६३
 राजसीघ सुराणा दो. ११६
 राजा उदीत प्रोहित ५४४
 राजा चौहथोत सीवड़ प्रोहित ४७८,
 ५४३
 राजा देला दो. ३६
 राजा सीवड़ प्रोहित २३६
 राजौ अखई री सीढायच चारण
 दो. ३५१
 राजौ उदावत ३३४
 राजौ देवराजोत राजावत ३३
 राजौ पातावत भाटी ५४४
 राजौ वालवता प्रोहित ७८
 राजौ भानी री सोहड़ दो. २७४
 राजा अमरसिंघ कछवाही १७४
 राजा आसकरण भारमलोत ६२
 राजा उदैसिंघ ७६, ८३, ६२. १०२,
 १६३. २३७, २३६, २४०, २४१,
 २५८, २८७, ४८१, ४८३, ४८७,
 ४८८, ५२४ दो. ३१, २२१, २७४
 राजा करन बीकानेरीया १४३, १४४
 राजा काछेला ४६४
 राजा गजसिंघ ६५, १०३, १०५, ११०,
 १११, ११५, ११६, १२४, १६३,
 २५४, २६२, २६८, ३०४, ३८६,

३६०, ४००, ४८३, ४८६, ४८६,
 ४६१, ४६६ दो. ७, १०, ७३, ७४,
 ७७, ८८, ६२, ६५, ११४, १४१,
 २२१, २६५

राजा जगनाथ कछवाहा ४७८

राजा जसवंतसिंघ १२३, १६३, १७०,
 १७१, १७५, ३३५, ३४१ ३८६,
 ४००, ४७६, ४८४, ४८६, ४८६.
 ४६२, ४६६, ५४८ दो. ७, ७७,
 ८६, ६२, ६५ ११४, १६६, १६८,
 २२१, २६८, ३१४, ३२२,

राजा जैसिंघ १२६, १३०, १३५, १३६,
 १३७, १३६, १४६, १५०, १७०

राजा दगरथ २

राजा देवसिंघ बु देली १७४

राजा देवसिंघ मारथसाह री १७४

राजा पुरुरवा दो २६०

राजा प्रथीराज चहुवाण ३८६

राजा भीव ६५, १०८

राजा भीवदे सोलकी ३८६

राजा भीम अमरावत सीसोदीया १०६,
 ११२ दो. ७३

राजा भोज दो २१५

राजा मानघाता दो. ३७, ४१

राजा रथ २

राजा राजसिंघ १२८

राजा रामदास उदावत कछवाहा दो ७३

राजा रायसिंघ वीकानेरीयो ६७, ६८,
 १६३, १७१, २१६, दो ७, २८,
 ३१, ३२

राजा रायसिंघ भीवोत सीसोदीयो १७२,
 १७६

राजा रुघनाथ १७०

राजा रुघनाथ दीवान दो ६४, ६५

राजा रुपसिंघ दो. ३००

राजा वरसिंघ १७३

राजा वामदेव दो. १५

राजा विक्रमादीत वामण १०७ दो ७४

राजा वीकमादीत १७५

राजा सिवाराम १७३

राजा सुजाणसिंघ बुंदेला १७३

राजा सुरजाणसिंघ १७६

राजा सूरसिंघ ७७, ११०, १६३, दो.
 १२५

राजा सूरजसिंघ ६२, ६३, ६४, ६५, ६७,
 ६६, १०२, १०३, १०५, १०६,
 १०८, ११०, २४१, २८७, २६२,
 २६३, ३३५. ३८६, ३६०. ४००,
 ४१८, ४३६, ४८५, ४८७, ४८८,
 ४८६ ४६१, ४६६, ४६८, ४६६,
 ५४४, ५४८, ५५४,

राजा सूरजसिंघ दो. ७, १०, ७३, ७५,
 ११३, १३६, १४०, १५२, १६४,
 १६७, १६८, २२१, २४२, २६६,
 २६७,

राजा अमरसिंघ १०३

राणा आसकरण ५२

राणा उदयसिंघ ४८, ४६, ५२, ६०,
 ६६, ७०, ६५ दो ५६, ६०, ६६

राणा करण १११

राणा करमसी जोगा री दो २१६, २१८

राणा किल्याणदास ७७ दो. २२०

राणा कुंभा २६, २६, ३१, ३२, ३५,
 ३६, ३७, ३८७, ३८८, ४६४

पट्टिहार जेराल राणा ३८

राणा जैमल लू कावत दो. ३४८

राणा जोगो देवीदास री दो. २१३, २१८

राणा टोहू इंदो ३११

राणा हूंगरसी करमसी री दो. २१६,
 २१८, २१६, २७२, २८६, २८७

राणा हू गरसोत ४३
 राणा देवीदास ३६
 राणा देवीदास बीजावत ३०१, दो. २१६,
 २१७, २१८, २६७, २६८, २७०,
 २७१, २७२, २७३, २७४, २७६,
 २७७, २८६.
 राणा देवीदास विज्रपालोत ३०३
 राणा पीथा ३१
 राणा मडा जेतसोत ३६
 राणो मालावत राठोड दो. २२१
 राणा मोकल २६, २७, २८, २९, ३७,
 ३८५, ३८७
 राणा सागा ४२
 राणी प्रतापदे १२३
 राणी मनरगदे कछवाई ६२
 राणी लिखमी दो ३१५
 राणी अखैराजोत राठोड दो ५२, ५३
 राणो चौहाण ४४३
 राणी जगनाथोत ६२, ६६
 राणो भारमलोत रतनू चारण दो. ३५३
 राणो रूपोड पड़िहार दो. ३४२
 राणो सुदर पेमोत सीधल २८१
 राणो पचायण ४४
 राणी मालावत राठोड ७५
 राणी वीरमदेवोत राठोड ६६, ५८
 राम अचलदासोत प्रोहित ५४३
 राम खेडा रो दो ६०
 राम गढावत दो. ३०
 राम चादसीवोत भाटी दो. २६८
 राम टीलावत ईंदो १८२
 राम हू गरावत जागरावल प्रोहित दो.
 १०६, २७५
 राम टीलावत गुजरगोड दो. १५२
 राम दासावत दो. २६८
 राम धरमावत जगहठ दो. १११, ११६

राम पूनावत प्रोहित दो. २७१
 राम माघोदासोत ४८१
 राम मालदेवोत ७१ दो ६
 राम मुहता ६४
 राम मुरार श्रीमाली ब्राह्मण २५४
 राम पीपाडो रजपूत दो ३०५
 राम रतनसी रौ राठोड ४६५
 राम लेहावत गुजरगोड दो. १०८
 राम सारदुलोत आढा ५५०
 राम सादु ८२, ४८६
 राम हमीर रौ दो ३
 रामजी हरनाथोत ४७६
 रामकरण रावत चहुवाण ४१
 रामचद गोईद रो वारठ दो. २७६
 रामचंद गोपालदासोत राठोड १४१
 रामचद गोपालोत २५८
 रामचंद डावरोत दो. १६३
 रामचद डाबर रौ प्रोहित दो. ११०
 रामचद नरहरदासोत चापावत राठोड
 १७७
 रामचद भगवानदासोत राठोड दो. २३
 रामचद मुंघडा १८८
 रामचद रायचदोत भाटी दो. ३२३
 रामचद सावलौत व्यास ५४७
 रामचद सादुलोत भाटी १८१
 रामचद सुजाणसिधोत सीसोदीयो १७४
 रामचद सुरताणोत दो. १३६
 रामचद सेखावत वालावत राठोड १८२
 रामदास करन रौ वारठ दो. १८४
 रामदास खेतावत प्रोहित ७८
 रामदास गुंगो १८४
 रामादास चादावत राठोड ६६, ११३
 रामदास चापावत राठोड ६८
 रामदास पाचावत अवदान चौहाण
 १८३

रामदास पीथा रो चारण दो २७५
 रामदास बैरावत ४२६
 रामदास बामण दो. ३३५
 रामदास मांडण कविया ५४६
 रामदास राठोड़ ११३
 रामदे अर्जैसिहोत नु वर दो. ६१, ३१२,
 ३१५, ३४८
 रामपोरा कचरावत व्याम दो. ११४
 रामसिध कचरावत मुठल भायल १८२
 रामसिध गोपालदासोत प्रोहित ५४६
 रामसिध जैमलोत राठोड़ दो. ३४२
 रामसिध दलपतोत राठोड़ २७८
 रामसिध पंचाईणोत भाटी १४२ दो ८
 रामसिध भाटी १४४
 रामसिध राठोड़ १३०, १८५
 रामसिध वीरमोत भाटी दो. ३२२
 रामसिध सावलोत सु डा १८२
 रामसिध सादुलोत दो ११२, १४१, १६५
 रामसिध सुजांणसिधोत राठोड़ दो. १८७
 रामो जैतमलोत उदावत ८२
 रामो भांभणोत चहुवाण दो. २६४, २६५
 रामी किसनावत मु० ११४
 रामी खींवाडी ५६
 रामी घरमसीयोत सांडू ४८७
 रामी वरसलोत गौड़ दो. ३०४
 रामो भैरवदासोत राठोड़ ६२ दो. ६५
 रामो भैरवोत देवड़ा ११८
 रामो मागलीथी ८८
 रामो मु० ११०
 रामी रतनसीयोत राठोड़ ८४
 रामी राठोड़ ७६
 राय परमाणंद १२७
 राय रिण्णवीरा २७
 रायचद जोधावत भाटी ८८
 रायघवल जगवडावत २४

रायपाल १५
 रायपाल जोधावत ४०
 रायपाल सेवो दो ३०
 रायमल ८७
 रायमल अखैराजोत राठोड़ ५७
 रायमल खेतावत ४२, ३८६
 रायमल जसवंतोत नरावत राठोड़ दो.
 ३३१
 रायमल दूदावत राठोड़ दो. ११०
 रायमल प्रोहित ६४
 रायमल भाटी ६६
 रायमल मांडणोत, राठोड़ ४४
 रायमल मालदेवोत राठोड़ दो. २१६
 रायमल राजावत प्रोहित ४७८
 रायमल सिधवी १३०
 रायसल दुजणसलो न राठोड़ ८७
 रायसल महेकरण री चांपावत ८७
 रायसल राजावत प्रोहित ४७८, ४८०
 रायसिध १०२
 रायसिध अमरसिधोत १३०
 रायसिध ईसरदासोत राठोड़ ६८
 रायसिध चंद्रसेनोत ७८, ८६, १०१
 रायसिध जेसावत भाटी ६८
 रायसिध झाला ५५
 रायसिध भरनीदासोत चापावत राठोड़,
 ७३
 रायसिध राठोड़ ८६
 रावण दईत १
 राव अखैराज ११७
 राव अखैराज राजसिधोत ११७
 राव अखैराज रिण्णमलोत ३८
 राव अमरसिध चंद्रावत १७५
 राव अमरसिध हरीसिधोत चंद्रावत १७४
 राव उदयसिध दो. २७६
 राव उदैसिध दो. ६

राव उर्दसिंह जोधावत ३७
 राव उर्दसिंह (भाली सरुपदे रौ बेटा)
 ४८६, ४९१ दो. ५
 राव ऊदौ सूजावत ४९८
 राव कंवरो माणकराव रौ दो ३५१
 राव करन ७१
 राव करण रिणमलोत ३८
 राव करमसेन उगरसेनोत ३६०
 राव कलौ ७१, ७२, ७८, ३८६
 राव कल्याणमल ६० ६५ दो. ५८
 राव किलाखुदास रायमलोत ७५
 राव कीलाण दो. ६०
 राव कानडदे सोनगरा २६६, २६७ दो३७
 राव कान्हा चूंडावत ३८५, ३८६
 राव केलण २६
 राव खीवो वरजांगोत राठीड २६२,
 ३४५, ३५५
 राव गांगी बाधावत ४१, ४२, ४३, ७६,
 ८१, १६२, २३८, २४१. २५४,
 ३१०, ३११, ३३४, ४१८, ४७७,
 ४७६, ४८०, ४८१, ४८२, ४८५,
 ४८८, ४८९, ४९० दो. २८, ३१,
 ३२, ४७. ४८, ३५०
 राव गोईद दो. २, ३, २६२, २६३,
 ३१५, ३४४, ३४५, ३४८, ३५०,
 ३५३, ३५४, ३५५
 राव गोपालदास माडणीत ७७
 राव चद्रसेण ५२, ५५, ६५, ६६, ६७,
 ६८, ६९, ७०, ७२, ७३, ७६, ८०,
 ८३, ८७, १६२, २६२, ३८६,
 ४९५. ५३६ दो. ५, ६, ६६, २१५
 २१६, २६६, २७६, २८६, २८८,
 २९४, २९५, २९६, २९७
 राव चद्रसेन सबलसिधोत दो. ३५६
 राव चरडौ ३१

राव चांपौ रिणमलोत ३८
 राव चांवडौ लूका रौ दो. ३५४
 राव चूंडा २१, २२, २३, २४, २५, २६,
 २७ ३८, २३६, २३७, ३०१,
 ३०३, ३०४, ३११, ३१२, ३१८,
 ३३५, ३८४, ३८५, ३८६ दो. १
 राव जगमाल ७६
 राव जगमाल रिणमलोत ३६
 राव जगमाल लखणौत ४२
 राव जगमाल लूकावत दो. ३४८
 राव जसौ दो. ४८
 राव जैतामाल गोईदोत दो. ३, ४,
 २६३, २६४, ३४६
 राव जैमल दो. ३५४
 राव जैमल वीरमदेवोत दो. १३६, १७६,
 १९७
 राव जैसौ दो. ४७
 राव जैसौ पुंगलीयौ भाटी ५४, ६४
 राव जोगाइत हमीरोत दो. ३५१
 राव जोगो जोधावत ३६
 राव जोधा ३०, ३१, ३२, ३३, ३४, ३५,
 ३६, ३७, ३८, ३९, ४०, ४२, ६४,
 ७६, ८१, ८२, १६२, २३६, २३६,
 २४०, २४२, २६२, ३१०,
 ३११, ३३४, ३३५, ३४०, ३८६,
 ४१७. ४४८, ४६४, ४७८, ४८१,
 ४८५, ४८८, ४८९, ४९०, ४९३,
 ४९५ दो. १, २६, ३०, ३१, ३२,
 ३७, ११६, २१६, २१७, २१८,
 ३५४
 राव हूंगरसी ८५, ८६, ८८, दो. ६
 राव हूंगर रिणमलोत ३८
 राव हूदौ जोधा रौ ३६, ४०, दो. ३७,
 ३८, ३९, ४१, ४५, ४६, ४७,
 १०८, १५२, १६५, १७५, १८४

राव दुरगौ दो. ६०
 राव दुरजणसाल ५८, १०५
 राव दुरजणसाल हमीर रौ दो. २६२
 राव नरबद सतावत ३२
 राव नगाणदास पातावत ६३
 राव नरायणदास दो. ६०
 राव नरौ सुजावत ४० ४१, ८५ दो. १,
 २, २६३, ३३३, ३३७, ३४४,
 ३५४, ३५५
 राव पती घड़सीयोत २७२
 राव पती नगावत ८३
 राव पती बाली ६४
 राव पाता रिणमलोत ३८
 राव बलु तेजसोत ६३
 राव वाला भाखर ३८
 राव वीका जोधावत ३६ दो. ४५, ४६
 राव भाण कूंपावत ७७
 राव भारमल जोधावत ३६
 राव भोजो दो. ४७
 राव मंडलीक ८६, ८८ दो. ६
 राव मंडला रिणमलोत ३८
 राव मनोहरदास १२१
 राव माघोसिध हाडा ११५
 राव मालदे ३७, ४२, ४३, ४५, ४६,
 ४७, ४८, ४९, ५२, ५३, ५४, ५५,
 ५६, ५९, ६०, ६३, ६४, ६५, ६६,
 ६७, ७२, ७९, ८१, ८३, ८४,
 १६२, २३७, २३८, २४२, २४३,
 २५४, २५७, २८५, २८६, ३०३,
 ३१०, ३३४, ३४६, ३८६, ४७८,
 ४७९, ४८०, ४८१, ४८२,
 ४८४, ४८७, ४८९, ४९१, ४९५,
 ४९८, ४९९, ५२२, ५४६, ५४७
 राव मालदे दो. ३, ५, ४७, ४८, ४९,
 ५१, ५२, ५३, ५४, ५५, ५६,

५७, ५८, ५९, ६०, ६४, ६५,
 ६६ ११०, १२६, २१६ २५१,
 २५२, २५३, २६५, २७२, २७३,
 २७४, २७५, २७६, २८६, २८८,
 २९४, ३०६, ३४८,
 राव मोहणदास १२०, १२१
 राव रतन हाडा ११५
 राव रतनसी खीवावत ५४६
 राव राघवदे सिंहसमलोत ३२
 राव राजसिध सुरताणोत १०२
 राव राणगदे ३८
 राव राम ५५, ६७, ६८, ७०, ७१, ७८,
 ८२, ३८६, ४६७, ४७८, ४८६,
 ४९१
 राव रामसिध ८२
 राव रामदास ऊदावत ६३
 राव रायमल मालेवोत ५५
 राव रायसिध ८१, ८२, १०१, १३०
 राव रायसिध चद्रसेनोत ३८६, ४७८
 राव रिणधीर सुरावत ३०
 राव रिणमल (रिड़मल) २५, २६, २७,
 २८, २९, ३०, ३१, ३२, ३६, ३७,
 ३८, ८२, १४०, २४०, २४१, २५८,
 २६७, २६८, ३८५, ३८६, ३८७,
 ३८८, ३९२, ४३३, ४८४, ४९५
 दो. १
 राव रूपी रिणमलोत ३८
 राव लूंको खीवावत दो. ३४५, ३४८
 राव वरजांग दुरजणसाल रौ दो. २६२
 राव वरजांग पोकरणा दो. ३११
 राव वरजांग भीवोत दो. ४३, ४४
 राव वरसल प्रीथीराजोत ७८
 राव वरसिध जोधावत ३६, ४०, ७६
 दो. ३७, ३८, ३९, ४१, ४२, ४३,
 ४४, ४५, ४६, ४७. १०६, १२८,
 १२९, १३६, १५१, १५४

राव वीरमदे दूदावत ४२ दो. ४७, ४८,
 ४९, ५०, ५१, ५२, ५३, ५४, ५५,
 ५६, ५७, ५८, १६४, १७५, १८५,
 १९८
 राव वीरमदे वाघावत ३८९, ४८९, ४९१
 राव वैरसील चाचावत भाटी ४०
 राव वैरा रिणामलोत ३९
 राव सकतसिंघ १११, ११२, ४५०, ५३९
 राव सगतसिंघ उदैसिंघोत ४९९
 राव सती चूडावत २५, २६, २७, २३९,
 ३८५, ३८७
 राव सवलसिंघ प्रागदासोत दो. ३५६
 राव सांगा लूकावत दो ३४८
 राव सागो दो. ३५४
 राव सातल जोधा रो ३९, ४०, १६२,
 २४३ । दो. ४२, ४३, ४४, ४६,
 ४७, २९२, ३५४
 राव सारण दो. २९७
 राव सिवरज जोधावत दो. २१८
 राव सिंघ जेतसीयोत ६३
 राव सीहो वरसिंघोत दो. १०८
 राव सीहो सेतरामोत ३७
 राव सुरजन दो. ६०
 राव सुरताण ९२, ९८, ९९ । दो. ७०
 राव सूजी ३९, ४०, ४१, ४३, १६२,
 ३४९, ३५०, ३८९, ४९५, ५१३,
 दो १, २, ३२, ४३, ४४, ४६,
 २९२, २९३, २५४
 राव सूरजसिंघ ३४९ । दो. ७
 राव सेखो सूजावत ४१
 राव हमीर दो ३
 राव हमीर जगपालोत दो २९१, २९२
 राव हमीर जगमालोत दो. ३५१
 राव हमीर नरावत दो. ३०, ३१, ३२
 रावत अभीअड़ भीवड री ६३

रावत अभीअड़ भीमोत देवराजोत
 दो. ३५०
 रावत करन हापावत दो. २१६
 रावत किलाणदास हरदासोत दो. ३५०
 रावत खीवी वरजागोत पोहोकरणा दो २
 रावत गोई द रतनावत दो. ३४८
 रावत चाचा ४७१
 रावत जीव थलेचो दो. २९५
 रावत जैतमाल दो ५३
 रावत हू गो ४७०
 रावत तीहणो करनोत दो. २१६
 रावत तेजो दो. ६०
 रावत नरार्इणदास ५३६
 रावत पचायण ७०
 रावत पिंडत दो. ३४८
 रावत भीवी दो. ४, ५
 रावत भोजी गागा री दो. ५३
 रावत माडणोत पीडत दो. ३४९
 रावत माला दो. ३५१
 रावत राघवदास सहससलोत ३४, ३८८
 रावत रासी ३१६
 रावत राठोड़ रायवदे सहसमलोत ३२
 रावत रिणधीर २७
 रावत रिणधीर चूडावत ३८५, ३८७
 रावत लूणी ३३, ३४
 रावत वीजो तीहणोत दो २१६
 रावत सगती सागावत ६०, ६५ । दो. ५९
 रावत हापो जैतमालोत दो. २१६, २३७,
 २६६, २८६
 राव तीडो छाडावत दो. २१६
 रावल आपी वरसिंघोत ६३
 रावल आसकरणा दो. ६०
 रावत कला ३३६
 रावत कानडदे ३८८
 रावल कानडदे दो. २१५

रावल किलांगदास हरदासोत भाटी
 दो. ३०६, ३५२, ३५३
 रावल गोईंद नरावत दो. ३५४
 रावल जगमाल मालावत ३६५, ३६६,
 ३६७ । दो. ३४२
 रावल जैतमाल सलखावत दो. २१६
 रावल तेजसी दूदावत १०३
 रावल पता ३६५, ३६६
 रावल परताप दो. ६०
 रावल बलराम दयालदास दो. ३०२, ३०३
 रावल भारमल १३६, ३५३, ३५४,
 ३५५, ३५६, ३५७, ३५८, ३५९,
 ३६०, ३६१, ३६२, ३६३, ३६४,
 ३६५, ३६६, ३६७, ३६८, ३७१
 रावल भारमल जगमालोत १५३ ३६६,
 रावल भीव ५२ । दो. ३०६, ३३३, ३३७,
 ३३८ दो. ३५२
 रावल मलीनाथ ३६६
 रावल मनोहरदास किलाणोत भाटी
 दो. ८, २६८, ३००, २४, ३३२,
 ३५२
 रावल मालदे दो. ४, २६३
 रावल माला १६, १८, २१, २३, २४,
 ३६६ । दो. २१६, २५३, २६१, ३४२
 रावल महेसदास १३६, ३५३, ३५४
 ३५५, ३५६, ३५७, ३५८, ३५९,
 ३६०, ३६१, ३६२, ३६३, ३६४,
 ३६५, ३६६, ३६७, ३६८, ३६९
 रावल महेसदास पतावत ३५३
 रावल महेसदास भारमलोत १४२
 रावल मेघराज ५४, ६०, ८०, ८३, ३६७
 दो. ५६, २२०, २६६, २७५
 रावल रामचन्द्र दो. २६८, ३००
 रावल रामचंद सोलंकी दो. ६०
 रावल श्याकरण ५५

रावल करसी दो. ३३६
 रावल वीदो ३५३
 रावल सबलसिध १४४ । दो. ३०७,
 ३०३, ३०४
 रावल समरसी १७५
 रावल सातल सोम दो. २१५, २१६
 रावल हरराज ५२, ८३, दो. ७, ८२६
 रावल हाण ६३
 रावल हापा ३६७
 रावल हापी नरसिघोत ६३
 रासधर 'धनेश्वर' सुराणा दो. ११६
 रासल प्रीथीराजोत राठोड़ ७३
 रासी कंवरावत राठोड़ दो. ३१२
 रासी जगावत ईदो ६६

रि

रिङमल पेथड़ दो. ३३२
 रिणछोड़ नीलकठ २६२
 रिणछोड़ बिहारीदास भाट २५५
 दो. १६८
 रिणछोड़दास बिहारीदासोत वसुंधी
 दो. ११४
 रिणघोर नूंडावत २६
 रिणघोर राईसीघोत राठोड़ दो. ६६
 रिणमल ४६, ६७, ७३, ८३, दो. ६६
 रिणरायसलोत राठोड़ ६२

रु

रुग वारट ३६७
 रुधनाथ भांग्णावत १४४
 रुधनाथ भाटी १४४
 रुधनाथ लिखमीदासोत राठोड़ १४१
 रुधनाथ सादुलोत दो. ११०
 रुधनाथ सुंदरदासोत राठोड़ १३६
 रुधनाथ सुरतांणोत भाटी दो. ३०५

रूपचद हरवंस कानुगो दो. ७७
 रूपा पूनावत पुरोहित दो. २७१
 रूपा बामरा दो. ३२८
 रूपा सांवलदासोत प्रोहित ४८०
 रूपसी आसकरणोत राठोड़ दो. ३०६
 रूपसी कवरावत रतनूँ दो ३५२
 रूपसी केलणोत भाट दो. २७७
 रूपसी गोपालोत २६७
 रूपसी चतरावत कनीया ४८८
 रूपसी जगनाथ मु० ११६
 रूपसी जगावत भाटी दो. ३०४
 रूपसी बलदलोत कूपावत राठोड़
 दो ३०६
 रूपसी सूजावत भीवोत राठोड़ १८०
 रूपसोत भाटी ८६
 रूपो राजा रो चारण दो. २७६
 रूपो सांकर रो चारण दो. २७४
 रूपो हमीरोत भाटी दो. ३०१
 रूपी ८४
 रूपी तोगावत प्रोहित दो. १०६
 रूपी सुजावत रतनु दो. १०६, १८६

रे

रेखो पीतांबर रो प्रोहित दो. ११२
 रेखो पीतांबर रो व्यास दो. २१२
 रेणायर मुहता ३२, ३४, ३८८
 रेण चाहंडोत रोहडीया बारठ ४८५

रो

रोहीतास वीदा रो प्रोहित दो. २६८
 रोहीतास सदारग समदडीयो मुहता ८६

ल

लखधीर वीठलदासोत राठोड़ १३८

लखमरा केसव रो प्रोहित दो. २७२
 लखमरा नारणोत राठोड़ १०४
 लखमरा भादावत राठोड़ ६०, ६८
 दो ५६
 लखमरा भीवोत राठोड़ ८०
 लखमरा सांवलदासोत रामोत राठोड़ ६८
 लखमरा सादुलोत राठोड़ २८२
 लखमरादास गोपालोत पिडीयार १४२
 लखा जैनमालोत राठोड़ दो २६५
 लखा नादणोत रोहडीया बारठ
 ४८५ दो १४०
 लखावत सीसोदीयो ३०
 लखी ऊदा रो ३६६
 लखी ऊदसिघोत दो. १०७, १५२
 लखी चहुवाण दो. ३०१, ३०४
 लखी दुरजणसाल रो राठोड़ दो. ३४०
 लखी नादणोत रोहडीया बारठ दो ११३
 लखी नरा रो प्रोहित दो. २७१

ला

लाखा करमसीयोत कनीया चारण
 दो. २८
 लाखा दासावत काछेला चारण ५५१
 लाखा नादणोत रोहडीया बारठ ५४८
 लाखी फूलांणी जाड़ेचो ५, ६, ७, ८
 लाछा आहाडी (आहाडा प्रीथीराज
 गांगावत री बेटी) ५५
 लाछळदे कछवाही (रतनसी सेखावत
 री बेटी) ५५
 लाडखान चतरावत मीमराण दो १८५
 लाडखान जैसिघोत कूपावत राठोड़ १७७
 लाडखान भैरुदासोत मा० १४२
 लाडखान मेघराजोत हुल १८५
 लाडखान रायसिघोत सीधल १४२

लाडखानं सुरताणोत देवीदासोत राठोड़
४६१

लाहू सालत दो. ३३८

लाछो उदावत प्रोहित ४८०

लाछो किसनदासोत २५८

लाल परवत रो ३०४

लालचन्द भाटी १३६, १४२

लाला ७६

लाला पुनसरोत रोहड़ीया वारठ
दो. २७५

लालो भायल दो. २२०

लालो सुरताण सुजावत ३११

लालो सुराणा दो. ११६

लालो ८६

लाली पातलोत मेर ४७१

लाली भाईल ७६

लाली मूलपसाव भाटी दो. ३०४

लाली मेर ५५३

लाहापा रसरीयां री जाट ५२४

लाहोरीगर ससतरा १७२

लि

लिखमा प्रोहित दो. ३३३

लिखमीदास ३६५

लिखमीदास इन्दरदासोत भाटी १८१

लिखमीदास कानुगो दो. ८८

लिखमीदास जसावत दो. १६४

लिखमीदास जोगीदासोत चांपावत

राठोड़ १७७

लिखमीदास देवीदास री प्रोहित

दो. २६६

लिखमीदाम भंरूदासोत खिड़ीया

दो १११, १६७, १६८

लिखमीदास मेघराजोत २६३

लिखमीदास वीठलोत ब्रा० ५४४

ली

लीखमी राणी (राव गोइन्द री दादी)
दो. ३

लीला (बडावत री वेटी) २५

लीला मनाणी प्रोहित ३६५

लीलावती वाई (राव सकर्तसिध री वेटी)
१११

लु

लुंका ४१

लुणकरण सेखावत ५२

लुणा १६

लुंभा चांदणोत खड़ीया ३७
दो. १०७, १२६

लुंभा खारी ५२५

लू

लूंका दो. ३५१

लूंको खीवावत दो. २६२, २६३

लूंभा मेघावत वीठू चारण दो. ३५४

लूणा १०१

लूणा भाटी १०५

लूणी दासावत राठोड़ ६४

लूणी भंडारी १०८ दो. ७५

लो

लोदीखां बाहावदी री वेटी ११४

लोला भायल ४५७

लोलो नोखावत सिढाइच चारण
दो. ३५४

लोहटां ७६

लोहरास खानं १७१

व

वछराज दलपतोत राठोड १८५
 वडोवेण २
 वणवीर देवराजोन ३१३, ३१४
 वणवीर धारावत देवल ११६
 वरसल थलेचौ राठोड १२१
 वरसल प्रिथीराजोत जैतावत राठोड
 दो २७४, २८६, २८८
 वरसल साकरोत राठोड ८१
 वरसल सांवलोट वांकुलीया प्रोहित
 दो. २७०
 वरसल सिवराज रौ राठोड दो. ३१
 वरसिध नेतावत राठोड ८६
 वरसिध पीथावत राजगुर ब्रा. ५४४
 वरसिध सोढा ५२
 वसडो हरावत लाधौ ३०३
 वसत वुकण भाटी वेरसीयोत २०
 वसता भाखरोत बारट ३६६
 वसतौ अणुंदा रो प्रोहित दो. २६६
 वाकुलीयो. वाभण २२८
 वाघ जगमलोत राठोड दो. ६३
 वाघ प्रिथीराजोत राठोड ७७, १०२
 वाघ वीदावत सीधल १२६
 वाघा राठोड ४३८
 वाघा सीसोदीया ४३७
 वाघौ आघोलीयो कानावत १८४
 वाघौ को० १०१
 वाघौ खेतसीयोत राठोड १०१
 वाघौ सुरताण रौ मेहडु ५५०
 वाणोपाल लखावत पारीख दो. ११२
 वामदास पा० ३६१
 वालीयो दो. ४१
 वाहड सुराणा दो. ११६

वि

विकमदीत झालौ ३८८
 विणौ भाटी दो ३०१
 विजैपाल २
 विजै वीरमोत राठोड दो ३३५
 विमलसी पटरणी ७०
 विसनदास मथुरादासोत ४८१
 विसनसिध रामचदोत भाटी १८०
 विसनदास सामदासोत दधवाडीयो ४८७
 दो ११२
 विसनो केसा रौ प्रोहित दो ११०
 विहारीदास ईसरदासोत राठोड १३८
 विहारीदास किसनसिधोत दो. १८१
 विहारीदास कुसलसिधोत २७६
 विहारीदास केसोदासोत भादावत राठोड
 १७६
 विहारीदास दयालदासोत भाटी १४२
 दो. ८
 विहारीदास राघोदासोत राठोड दो. २६८
 विहारीदासजी राठोड १३८, १४३, १४४

वी

वीजो गदाघार रो श्रीमाली व्यास ५४७
 वीजो भारमलोत राठोड ५२
 वीजो माडणराज दो २१७
 वीजो राठोड ४६
 वीकमादीत ५५
 वीको दो ४१
 वीको किलाणदासोत राठोड दो ३०७
 वीको नरावत प्रोहित दो २१२
 वीको मेर ४७०
 वीजड वीमला रा प्रोहित ३१६
 वीजेराम पिराग रौ व्यास ५४८

वीठल गोपदोत भाटी १००
 वीठल बाणदार १८४
 वीठल भाटी दो. ३०१
 वीठलदास गोपालदासोत राठोड़ १७७ दो.
 २६६, ३०५
 वीठलदास सीधल राठोड़ दो. ७१,
 ७२
 वीठलदास जैमलोत राठोड़ दो. ६७, ६८,
 ७०
 वीठलदास भगवानदासोत राठोड़ दो. ३०६
 वीठलदास भाखरसीवोत हुल १८४
 वीठलदास भोगलावत दो. ११६
 वीठलदास भाटी दो. ३३७
 वीठलदास राठोड़ दो. ३०२, ३०३,
 ३०४, ३०५
 गोडाता वीठी परवत री ५३७
 वीदा जोधावत ३६
 वीदा बी० ४३१
 वीदाघर किसनदासोत २५८
 वीदौ भारमलोत राठोड़ ४८
 वीर सीधल २८६
 वीरदास महेसोत २६७
 वीरनाराइण पंवार दो. २१५
 वीरम ३०४
 वीरम ऊदावत चहुवांण ६३
 वीरम कलावत राठोड़ ३१६
 वीरम गौड़ ५४०
 वीरम जोधावत भाटी दो. ३५५
 वीरम देवावत मांगलीयो ६२
 वीरम मांगलीयो दो. ६२, ६३, ६६
 वीरम सलखावत १६, १७, १८, १९,
 २०, २१
 वीरमदे ४३
 वीरमदे उदावत ५६
 वीरमदे तु वर दो. २६१
 वीरमदे मुकंददासोत ऊदावत राठोड़ १७७

वीरमदे मोहणदासोत राठोड़ १७६
 वीरमदे रामावत भाटी ७०
 वीरमदे वाधावत राठोड़ ४१, ३६०,
 ४८०,
 वीरा अमरावत रो दो. २६८
 वीरा नखद रो चारण दो. २७५
 वीरा हेमावत ३०१
 वीरा आखा तेजावत दो. १११
 वीरो ४५
 वीरो खेतसी री ब्रामण ५४४
 वीरो भारमलोत राठोड़ दो. ५७
 वीसलदे रायल दुदा री ३२
 वीसलदे वीरावत सीधल २८६
 वीसा दुरजणसाल रो राठोड़ दो. ३४०
 वीसा मांडणोत थेहड़ २४१
 वीसो वणविरोत भाटी ६३

वू

वूलो महतो दो. २६५

वे

वेणीदास कलावत भाटी दो. ३०४
 वेणीदास चुतरा री खिड़ीया दो. १२६
 वेणीदास चोपड़ा ४२०
 वेणो मांडण री चारण दो. २७६
 वेरा करमसीयोत आसीया ४८७
 वेरी जसावत राठोड़ ८४
 वेला मुंहता दो. ७४
 वेलो खेतसी रो प्रोहित दो. २७२

वै

वै कुठ जोसी दो. ३१५
 वैरसल प्रीथीराजोत राठोड़ दो. २१६

वैरसल प्रीथीराज जंतावत राठोड २५५
 वैरमी राणावत राठोड दो ५२
 वैरसी राणावत अखैराजोत राठोड ५७
 वैरसी रायमलोत भाटी ६६
 वैरसोल सकरोत भाटी ८३
 वैरी जसावत चांपावत ८७
 त्रिदावन राठोड १५३

श्री

श्रीदेव आचारज २५८
 श्रीनिध सुराणा दो ११५
 श्रीमल साह जारोड दो ३६

सं

सकर गोपालोत प्रोहित दो. १०८, १५२
 संकर तेजश्रीहोत बारठ दो. ११३, १६४
 संकर दुरजनसलोत भाटी ८१, ८३
 रतनू संकर मैरावत ३३५
 जोसी सकरदास ७७
 सतो हमीरोत भाटी दो. ३०१
 सम दो ४१
 ससारचन्द ३२१

स

सआर खगार ११४
 सकतसिध ऊर्देसिधोत राठोड ७३, ६५,
 ६६, ३६०, ४६८, ५५०
 सकतसिध खेतसीयोत भाटी ११६
 दो. ८
 सकता उतरावत नारणादास री
 सीसोदीया १७६
 सकतौ राडबरी ८०
 सगता ताराचन्द सुराणा १८४

सगतावत बाकुलीया ऊजल ७६
 सगतो धारावत दो ३५१
 सजना (रावल हरराजजी बेर) ५२
 सता लूणकरणीत भाटी ३०
 सतीदास २५८
 सतो चूडावत ३२
 सतौ भानावत सोहड १८५
 सदमन रूपसीहोत भाट दो. ११३
 सदा ऊछतोत श्रीमाल ४८१
 सदाराम गौड १७३
 सपरसको (दारा रो बेटो) १३६
 सबरगदे मागळीयाणी (कुंवर बाघी
 सूजावत री मा) ४१
 सबरात मेर ४७१
 सबलसिध दो. ३००
 सबलसिध आसकरण पूरावत री
 रूपावत १७६
 सबलसिध उर्देसिधोत रोहणीयो मेडतियो
 राठोड १७८
 सबलसिध कानावत राठोड दो. ३०७
 सबलसिध किसनसिधोत राठोड दो ३०५
 सबलसिध दयालदासोत भाटी दो. ३००
 सबलसिध नापी राठोड १०६
 सबलसिध प्रागदासोत राठोड १३८, १४१
 सबलसिध बाघचन्द सीसोदीया १७३
 सबलसिध राठोड ६५, १०८ दो. ३२३
 सबलसिध सूरजसिधोत राठोड ६४
 समुरतौ पता रो वारट दो. २७६
 समुरसो ३११
 सरणी सारंग री दो. ३०
 सरफदीन मुगल ६०, ६१, ६५ दो ६३,
 ६४, ६५, ६७, ६८, ६९
 सरूपदे भाली (भाल जेता री बेटो)
 ४७, ४८, ५५, ६५
 सरूपदे भाली दो ५

सलेखा १५
 सलेम दो ५७
 सलेमखान २६
 सलेमास साहजादा १७०
 सल्हैखान ४०
 सहपाल वाघउत ४२
 सहबाजखान कांबोलीयी ६७
 सहलो हरीदासोत दो ३०७
 सहसकरण ७१
 सहसो अखावत चारण दो. २७४
 सहसो तेजसीयोत राठोड़ दो. ५२, ५३,
 ११२, २१२
 सहेसमल चूंडावत ३२
 सहेसा सीनल कुतव वा: २८५
 सहैवाज खान तुरक ४३१

सां

साईदास कांघलोत सोलको १८५
 साईदास कीसनै री दो २६
 सांकर वारट ४१८
 सांकर नेतसीयोत वारट ४८४
 सांकर भैरावत नरवदोत वोकसी
 चारण २६३
 सांकर रांमसिध रौ प्रोहित दो. ११३
 सांकर सुरावत भाटी ४४, ४८, ५७
 साकर हरहरा रायगुर ब्रा० २६६
 साकर हीगोलखत रतनुं दो १११, १६५
 साकरदास भाणोत राठोड़ १०५
 सांगा दूदावत प्रोहित दो. २६७
 सांगा सूजावत राठोड़ ४२७
 सांगो उरजनोत राठोड़ ७३
 सांगो भोजावत राठोड़ ६० दो ५६
 सांगो रणधीरोत राठोड़ ६२ दो. ६६
 सांगो हरखावत दो. १०७

सांडु दूदावत लाघी गाडण ३४६
 साधो भोकलोत दो. ४८
 सांमसिध गोईन्ददासोत राठोड़ दो. ३०७
 सांमीदास हुल दो. २०६
 सामो कुंभावत भाटी दो. ३०७
 सामो जोगा री प्रोहित दो. १०७, ११३,
 १४०, २१२

सावत १

सांवत देदा रो चारण दो २७४

सावत मुहता ३६३

सावतसिध पती तोगी सुरावत देवडो ७८

सावतसिध माला री सादु दो ११३

सावतसी आसकरणोत सांढू दो. १६७

सावतसी नारायणदासोत सोनगरो १०४

सांवतसी नाहरखानोत दो १८१

सावतसी प्रोहित ८१

सांवल १०२

सांवल भांभणोत भैरदास दो. १२८

सांवल तूंवर १८५

सांवल नंदावत चारण दो ११३

सांवल पंवार दो. ११५

सावल भाटी १०२

सांवलदास २६० दो. १३६

सांवलदास उदैसिध राठोड़ दो. ६४

सावलदास कांनावत दो १४१

सावलदास कांन्हडासोत दो. ११२

सांवलदास किलाणदासोत राठोड़ ६४

सांवलदास दानावत दो १६४

सांवलदास भाटी ५४५

सांवलदास मांनावत सीघल

सावलदास राणावत राठोड़ ६८

सांवलदास रासावत राठोड़ १०१

सांवलदास लिखमीदासोत प्रोहित

दो. १०७

सा

साजण ३६५
 साजण भीव री २४३
 साजण भेरावत रोहडीया वारठ ५४८
 साजण सीवावत चौहाण १००
 सातल रामदरसोत ३३४
 सातल सोम १५
 साढा सुमाणोत राठोड दो. ३४०
 सादत वेग दो ७४
 सादा मेघावत बीठु चारण दो. ३५४
 सादूल १२३, १८२
 सादूल आसावत प्रोहित दो. २६८
 सादूल गोपालदासोत राठोड दो. २६८
 सादूल चकरपांण व्यास दो. १३६
 सादूल जैमलोत राठोड दो. ६७, ६८
 सादूल पंवार ११४
 सादूल वैरसालोत थलेचो राठोड
 दो ३०१, ३०४
 सादूल महेसोत राठोड ७२
 सादूल मानावव भाटी ७८
 सादूल मालदेवोत पंवार ११२
 सादूल राठोड ४७७
 सादूल रामसीहोत सुलसीहोत राठोड ६६
 सादूल रायसलोत हंगरोत राठोड ७२
 सादूल रूपा री ३०३
 सादूल सूजावत राठोड दो. ३०८
 सादूल सोर भाटी ८६
 सादूल हमीर री प्रोहित दो. २७३
 सादूलसिंघ मालदेवोत पंवार ६६
 सादो अमरावत केलण भाटी दो. ३०४
 सादो भीवा नादावत री सांहाणी १८३
 सारग ईसर री दो. ३०
 सारग गिरघर री प्रोहित दो. १०६

सारंग जैतमालोत २५८
 सारग डुढा ४६६
 सारग नरहरदासोत ई दो १८२
 सारग सोनावत सोहड चारण दो. २७४
 सारंग हीगोलावत घाघल १८२
 सारगघर २३८
 सारण ६६
 सायर (राव रिङ्गमल रो वेटो) ३८७
 सालण सुराणा दो. ११५
 साहजहां पातसाह ११०, १११, ११५,
 १२३, १२६, १२८, १३०, १३३,
 १४४, १५७, १७० दो ७७
 साहण खालत दो. ३३७
 साहणी ८६
 साहणी करमो जेसावत री ८१
 साहणी रायसी पाचावत ६३
 साहबखान केसोदासोत राठोड ११६
 साहबखान मनोहरदासोत राठोड दो. १६८
 साह राणी दो. २६३
 साहिबदी पातसाहि ३

सिं

सिंघ रूपसीवोत भाटी १०८
 सिंघ १
 सिखरी चौ० दो. ७
 सिवदास सोभावत वणसूर २८७
 सिवराज जोघावत ३६, ५८
 सिवराज सुराणा दो. ११६
 सिवराम गौड १७६
 सिवराव जोघावत री बहू ४५८
 सीघराव बोडाणां ८६
 सीघल ४६३, ४६४
 सीघल हुला ४५५
 सीघां वांमण पोकरणा दो. ३१२, ३१४
 सीधण खेतसीयोत राठोड ५८ दो. ५७

सीघप जोसी दो. २७२
 सीघो मोकलोत राठोड दो. ५२, ५३
 सीवदे साकरराय रायगुर ब्रा० २६७
 सीवराज ३१
 सीवराज देवराजोत राठोड दो ३१
 सीवराज मुंहता दो. ३०२
 सीवा कलावत राठोड दो ३४८
 सीवाधौ अमरावत १०४
 सीवो नरवद रो राठोड दो ३४७
 सीलारखां ६३
 सीहा आचारण ब्रा० ३६५ दो. ३०
 सीहा चादणोत खड़ीया ३७ दो १०८
 सीहे रामदासोत भाटी दो ३३८
 सीहो गोर्डोत सावतसी भाटी दो ३०१
 सीहो चदरावत दो १७६
 सीहो पीथावत प्रोहित ४८०
 सीहो वरसिघ री दो ४६, ४७, ४८,
 १७६
 सीहो सेतरांभोत राठोड ५, ६, ७, ८, ९,

सुं

सुदर खीवावत जगहट दो ११२, १८५
 सुदर गुणोस री २४३
 सुंदर भाटी १२८
 सुंदरदास जैमलोत मुहता १२६, १५६
 दो. ३२३
 सुदरदास नराइणदासोत राठोड ११६
 १४१
 सुदरदास प्रथीराजोत राठोड २८२
 सुदरदास प्रोहित ३४४
 सुदरदास माघोदासोत वधवाड़ीया दो
 ११२, १६५
 सुदरदास राठोड ११५
 सुदरदास सूरसिघ नरसिघदासोत राठोड
 ६६

सुदरदास सूरसिघ रामदासोत राठोड
 ६६
 सुंदरा २८६

सु

सुकरात १५०
 सुखमल सा० ११०
 सुखमल मी० ११८
 सुजानसिघ केसरीसिघोत राठोड १८२
 दो ३०५
 सुजानसिघ भगवांनदासोत राठोड ४६८,
 ४८६
 सुजानसिघ रायसिघोत राठोड ११५ दो.
 ३०७
 सुजानसिघ वीठलदासोत चंद्रावत १७४
 सुजानसिघ सुंदरदासोत भाटी १८१
 सुजानसिघ सूजमलोत सीसोदीयो १७४
 १७५
 सुजो सावल री पवार १८३
 सुपीयारी साखली (नरसिघ री बर)
 ४६३, ४६४
 सुवरत मेर ४७०
 सुरताण गांनावत झंगरोत राठोड ५७
 सुरताण केसवदासोत राठोड दो. ६६
 ७०
 सुरताण खेतसीयोत राठोड ३१२
 सुरताण जालप री वारठ दो ३५०
 सुरताण जैतसीयोत राठोड ४६८, ४६६,
 ५४८
 सुरताण जैमलोत मेड़तीया राठोड ३८६
 दो. ६६, ७०, ७१, ७२, १०६,
 १११, १६५, १८५, २१२
 सुरताण डुरजणोत भाटी ८७, ८८
 सुरताण देवीदास री प्रोहित दो. २७०
 सुरताण नेतावत भाटी ८८
 सुरताण वेग १३६

सुरताण भाटी ३१०
 सुरताण भीवोत राठोड १८०
 सुरताण मानावत भाटी ६६, ६६
 सुरताण सौ दो. ३०५
 सुरताण हाडा ५३
 सुरदेव पवार दो. ११५
 सुरनर नोरतोत को० १००
 सुरा अचलावत खिडीया चारण
 दो. ११०
 सुराचद ३७
 सुरो कलावत दो. १६५
 सुलतान म्हेमद १३४, १३५

सू

सूजा घना रो प्रोहित दो २७३
 सूजा प्रोहित दो. २७१
 सूजा माडरागत राठोड दो. ७
 सूजा साहजादा १३५, १७०
 सूजा हाडा ५४४
 सूजी कलेवचा भाटी दो ३०१
 सूजी गगादासोत प्रोहित ७६
 सूजी तेजसीहोत राठोड दो ६०
 सूजी बालीसौ ४८, ४९, ५०, ५१, ५२,
 ६०, ६५
 सूजी भैरवदासोत भाटी ६६
 सूजी माधा री प्रोहित दो. २७१
 सूजी मेर ४६५
 सूजी वरजांगोत ईंदो ६६
 सूजी हरदासोत सिवराजोत राठोड ११४
 सूरजदे कछवाई (राजा गजसिधरी बेर)
 १११
 सूरजमल किसनावत भाटी ८८
 सूरजमल केलरागत भाटी दो. २६५, २६६
 सूरजमल खीवसोत सोनगरा १०५
 सूरजमल खीवावत राठोड ८६

सूरजमल जैतमालोत राठोड ६७
 सूरजमल जैमालोत चांपावत राठोड ६७
 सूरजमल प्रीथीराजोत राठोड ७१
 सूरजमल सिवराम गौड १७३
 सूरजमल हाडा ५५
 सूरदास दधवाडीयो ४८७
 सूरदास बैणीदासोत ऊदावत राठोड १७७
 सूरसाह पातसाह ५८, ६३, ६५, दो. ५८
 २५२

सूरसिध गौड १७४
 सुरा अचलावत खिडीया ३७ दो. १२६
 सुरा घायभाई ४४६
 सुरा मालावत राठोड दो ३४४
 सुरा राठोड दो ३४६
 सुरे नादावत भाटी दो ३३६
 सुरो ३०४
 सुरो गागावत राठोड ६६
 सुरी गोंडासोत प्रोहित ५४३
 सुरी चारण ५४१
 सुरी नरसौ री मेर ५२७
 सुरी प्रोहित दो. २६८
 सुरी माना री राठोड दो. ३४७
 सुरी रतनावत बरकदाज सोलंकी १८३

से

सेख इमरायम ७२
 सेखु साहजादो दो. २२०
 सेखै मेहावत प्रोहित दो. २७२
 सेखौ परतापोत सीसोदीयो १०४
 सेखौ सेहलोत १०१
 सेयरी दो. २२०
 सेरखान पातसाह दो. ११५
 सेरखान दो. ७२
 सेरसा पातसाह पठाण ५६

सेसी परतापोत १०४
 सेहवाजखां कन्हो दो. २१६
 सेहलोत ५१
 सेहसमल सुराणा दो. ११६
 सेहसो उरजन पचाईणोत ६१
 सेहसो रतनावत पेस १८४
 सेहसो रामावत राठीड ६२
 सेहसो सावलदास पंचाईणोत रो घांघल
 १८२

सै

सैद दो. ७५
 सैद अहमद १७१
 सैद महमद वेग चादवेग १७५
 सैद मेहमद १७१
 सैद मुदफरखान सुजायतखान री १७५
 सैद सीलार १७५
 सैद सेरखान १७३
 सैद हासम कोसम दो. ५७

सो

सो तीकम री थाहादु रा पोतरा दो. २६
 सोभल (भंभसेन री वेटी) ३८३, ३८४
 सोढा वांमरण ८१, ३०५, ३६६
 सोढी (मालदे री राणी) ५६
 सोढो दासावत जगहट ३५०
 सोढी भाटी ११३
 सोनगरी (राव जोधा री राणी) दो ३७
 सोमागदे रांणी ६६
 सोभागदे रांणी कछवाही (गजसिंहजी री
 मां) १०५
 सोम जैतमालोत सलखावत राठीड
 दो. २७१, २८६
 सोम साहिबखानोत राठीड १३८
 सोमार्दित ब्रामण ३६५

सोमो सोथडें नाघी प्रोहित ३१०
 सोलकणी ८, ६

सौ

सौकर चाहोडोत प्रोहित दो. २७१
 सौनग ८, १०, ११, १२

र

रयामदास सुन्दरदासोत राठीड १४१
 रयामसिंघ गोयददासोत राठीड १३८
 रयामसिंघ जसवन्तोत राठीड ११६

ह

हंसाबाई (पडिहारा री वेटी) ३८
 हंसाबाई (मालदे री वेटी) ५२
 हदु बुरहडोत प्रोहित दो. २७०
 हदी कान्हावत दो. ३५१
 हदी केलणोत खीची ८०, ८३
 हदी खीची ८६ दो. ६
 हदी चरवादार सोलकी १८३
 हदी चौथ रो वीरू दो. १६५
 हदी वागड़ीयो १८२
 हमजौ तुरक ६२ दो. ६६
 हमीर ३६६ दो. २६१
 हमीर ऊदावत वालावत ६२
 हमीर कुंभावत राडवरी ८०
 हमीर देईदासोत राठीड १४१
 हमीर नरावत ४१
 हमीर पुनावत आसीया ३०४
 हमीर माना रो राठीड दो. ३४७
 हमीर मालावत राठीड दो. ३४०, ३४४
 हमीर राहड़ दो. ३००
 हमीर संकर री भाटी ८७

गीर सीहावत अखँराजोत राठौड़ ५७
 किसन पा० १८६, १८८
 खवन खेचखन जोगी ४८६
 खा रतनावत खिडया ५४६-
 खा सीरवी ३६४
 खो गगावत प्रोहित दो २७२
 चन्द मुहता १३६ दो ३२३
 चन्द राजसिंघोत राठौड़ दो ३०२
 चन्द सी० ३६३
 र्जा कलावत २३६
 र्जा किसनोत ४७६
 र्जा जनावत व्यास ५४७
 दास खीदावत म्हैडु चारण दो ३५३
 दास राघोदास रौ ४८१
 रमा माला लखमणोत आचारज प्रोहित
 २६८
 रमो सीघल ३८८
 रभु महैराजोत साखलो ३३
 रम पीर साखला दो १२, ३०
 रभूम मेहरजोत दो. ३०
 रराज राणोत राठौड़ ११६ दो. ८
 रराजीयौ मेणौ ८६
 रराम गवाल रौ व्यास ५४७
 रराम गोइददासोत राठौड़ दो. १४८
 रराम दमनोत दसु घी दो ११४
 रराम मदमन दौ दसोघी दो १६८
 रराम रुघनाथोत प्रोहित दो १०६,
 १६४
 रराम सीरंग रा २३७
 ररवस दमा रौ ४८२
 ररवंस मारणक भंडारी दो ८७
 ररी पाठक बीरामण १८४
 ररीदास गोपालदासोत राठौड़ १४१
 ररीदास ठाकुरसीयोत कान्होत राठौड़
 ५४६

हरीदास नरहरदासोत राठौड़ दो. ३०७
 हरीदास नरा रौ प्रोहित ५४३
 हरीदास नाहरखानोत राठौड़ दो. १७२
 हरीदास रांखावत मोहता १००
 हरीदास राघवदासोत राठौड़ १२८
 हरीदास लुणावत मेहडु ५५०
 हरीभाण गौड़ १७२
 हरीया माली ३६४
 हरीसिंघ चादावत राठौड़ ६८
 हरीसिंघ बलुवोत राठौड़ १०४
 हरीसिंघ रामचदोत राठौड़ दो ३०७
 हरीसिंघ सकतमिघोत भाटी १२०, १४२
 हलसर राठौड़ ३३६
 हसनकुली ६७

हा

हासा हाडा ४४६
 हाजी आलीफतैखान ६३
 हाजी इतबारी दो. ७३
 हाजीखान ५२, ६०, ६५ दो. ५६, ६०
 हाजो घोरणीयौ ३८८
 हाडी (सुरजन री वेटी) ६६
 हाथी आसीया ५५१
 हापो किसनावत ३०२
 हाफज नासर दीवान दो. ६५
 हालो सुराणा दो. ११६
 हासु १
 हासी सीघल ४२३, ४७५

हीं

हीगोलो अहाडी ३२, ३४, ३८८
 हीगोलो नीबावत पातावत राठौड़ ८३
 हीगोलो नेतावत राठौड़ ८१

हीगोलो राठीड ७२
 हीगोलो वरसोत राठीड ८८
 हीगोलो वैरसियोत राठीड ८४
 हीगोलो सेहलोत १०१

ही

हीरवा जंतमलोत राठीड ३०२
 हीरां भाली (भाला रायसिंघ री बेटी)
 ५५
 हीरामणि किरपाराम गौड़ १७३
 हीला काजावत री सीहा प्रोहित दो. ३०
 हीसा री वीरम री दो. ४८

है

हेमदास ऊगरो सुंदरदासोत मेड़तीया
 राठीड १७८
 हेमराज अंगगो भाटी दो. ३०१
 हेमराज खीवा री वारठ दो. ३५०

हेमराज गोईं ददासोत राठीड १४२, ३२५
 हेमराज गोईं ददासोत राठीड
 दो. ३०६
 हेमराज गोगली दो. ३०२
 हेमराज देवराज री सुराणा दो. ३६,
 ४१, ११६
 हेमराज सूरा री प्रोहित दो. २६६
 हेमा किसनाणी राठीड दो ३४१
 हेमा सीरवी ४५४
 हेमो दो. ४१
 हेमो चौमावत रोहड़ीया चारण दो. २७५
 हेमो मेहरजोत पंचोला री प्रोहित
 दो. २६८

है

हैईयानखान अहैदी १०१
 हैदरअली ११६
 हैदरअली समीयांणी दो. ८

नामानुक्रमिकाएँ :

ग्राम, नगर, देश आदि

अ

वास ४०८, ४१८, १८१, ४६१
ढो दो. ३२०, ३२१
ढी ३५७, ३७०
री वाड़ी ३७८
स ४६ दो. २२२

अ

१ १६४
वास ८२, २४३, ३३७, ४०४
वास दुधवर री ४६४
वास रूधोर री ४१४
यां री वास ३१४
सर दो. ३२१
ग जसड़ री वास १४१
ग री खेत दो. १११, १६५
ग १, २, ३, ४, २६, ३५, ४०,
४३, ४५, ५६, ५८, ६६, १०१,
१०६, १०७, १०८, ११०, १११,
११२, ११४, १२७, १३२, १५४,
१५६, १५७, ३८३, ४६६, ५०५,
५०८, ५०९, ५५४, ५५५, दो. ४१,
४२, ४४, ४५, ४६, ५१, ५२, ५३,
५४, ५७, ६०, ७४, ७५, १०२,
११६, १८४, ३५३.
स ३३१ दो. ६, ३३
वड़ी ६१, ३७४, ४०५, ४०६, ४२६,
४४०, ५५६
खेड़ी १५२, १५५

अणद पढीयांरी वास १४१
अणदपुर ३७, ३७२, ५५५ दो ७३, ७४,
७८, ७९, ८७, १०१, १०२, १०७,
११०, १२०, १२६, २१३.

अणगरी ३३८
अणदोरी १०३
अणवाडी ६०
अणवाणी ३४३
अणहल वाड़ी पाटण ५
अणीयालो दो. ४०
अनतवासणी ४०७, ४१६
अनहल २००
अनावास २५०
अबदार राधारी वासणी २२८
अमरकोट ५२
अमरचपु ६६
अमरपुर ५५५
अमरपुरी दो १०२, १२७,
अमरसर ५२
अरजीयांणी दो. २२२, २२७, २५५,
२८३
अरटनड़ी २६२
अरटीयो २०१, २७०
अरटीयो खुरद १६६, २५१,
अरटीयो बड़ी २५०
अरटीयो मोरडी ३७४
अरणीयालो १५६, २३५ दो. १६६
अरबद १
अरव ३७०
अरहटवाडी १०३
अरागीयाली २३६

अलतवो दो ६१, ७४, ७८, ८०, ८१,
८३, १०८, १०९, ११२. १७६,
२१३

अलहवास ४१०

अलुरै १४९

अममो दो ३२०

असला ५. ६

अहप १४०

अहमदनगर ४२, १४६, १४८, १५२

अहमदाबाद ७०, ९८, ९९, १०३, १४४,
१४७, दो. ७०, ७१.

अहरोई १५२, १५५

अहनला चारणा री ३७७

अहीनला ३७७

आं

आखल दो. २८०

आगणवोवडी २०६

आंत रा गुढी दो. ३३

आतरोली दो. १०३

आंतरोली सागा दो १७९

आंवभर ३६१, ३७०

आंवला दो. १०, ११, १७, २८

आंवा रो बाड़ी दो २२६, २३५, २४०,
२७८, २८३

आवावास ३३८

आत्रेर १११ दो. ७०

आंवो ४०३, ४३४ दो. २८१

आ

आईची ९०

आईसां १६९

आऊ ३८०, दो. ९, १६

आऊवा १०४, ४२७

आकडवास ७९

आकड़ावास २६५, ३७४

आकदडो ३७७

आकलडी (आकेलडी) २६७, २८४

आकलो खुरद ३३९

आकलो बडो ३३७

आकहली (आकेहली) ५०३, दो १३३

आकीलो ३८२

आकेली ३००, ३७८, ५२१ दो ६१, ९४
९९, १००, २७८, २७९

आकोदीये दो. १२२

आकोवणी ३६६

आकोली खुरद दो. १७४

आकोली वडी दो. १६९

आखलावास दो १४८

आखली वडी ४२२

आगरा १८, ५६, १०३, १११, ११५

१२६, १२८, १३०, १३२, १३३

१३४, १३५, दो. ५६, ५८, ७०

आगेवो ७४, ५०१, ५१०

आगोलाई १०३, ३०८, ३१०

आचीणो ३३६

आचीणी-मांडपुरीयो ३८२

आछेजाई दो. १६७

आटरड १९८, २६३

आठेवाली ३८०

आणदपुर ५४९ दो. १२८

आथण २४३

आनीली दो. ६२

आवू ३८३ दो. २१५

आयची २६१

आलणीयावास दो २०१ २०७, २०८

आलाहवम ४२८

आलेचडी दो. २३१, २८५, २८८

आलोपी १०३

आल्हावास ६२, ४०४
 आवणीयो दो. ३१६
 आवणोसो दो. ३१६, ३४५
 आवलेज दो. २८०
 आवो ४१०
 आसणीकोट १४०, १४३ दो. १
 आसरलाई ७०, ७४, ४६५, ५०२, ५०७,
 ५१८, ५४१
 आसरवा रौ वास ३०४
 आसरन डौ ३४५, ३८२
 आसरानडो २१७
 आसरारौ २६८, ३०२, ३७८, दो. २३०,
 २६७, २७८, २८२, २८३, २८७,
 आसरारो वामाण ३७८, दो. २७८
 आसादो ३५४, ३७१
 आसा रौ वासणी ३४४
 आसायचां रौ चौरासी २३
 आसायचां रौ वासणी २३४
 आसायचां रौ वास ३०६
 आसोढी दो २७६
 आसोतरो दो. २२१, २२५, २३६, २७६,
 २८१, २८२
 आसोप ४०, ७७, ७८, १०२, १४६,
 १५४, १६४, १६६, १६०, १६१,
 १६७, २०४, ३५०, ३५२, ३८२
 आसोर ८७
 आहू दो. १०, ३३
 आहोर दो २८०

इ

इकडाणी खुरद दो. २३१, २८८
 इकडाणी बडो दो २३१
 इकडाणी रावास दो २८५
 इकडाणी - आसीयां रौ वास दो २७७
 इकडाणी- बडोवास दो २७५, २८८

इकडाणी- बारेट रोहडीया रौ दो २७६
 इकडाणी- सढाईचां रौ वास दो २७६
 इसदु ३२३ दो ३३
 इसदु- खेता रौ वास ३२३
 इसदु- मेरवा रौ वास ३२३
 इसदु- वरजांग रौ वास ३२३

ई

ईटाले २८५
 ईटावो दो ६१, १०४
 ईटावो- खीचीया रौ दो १६५
 ईटावो- खींया रौ दो ६१
 ईटावी- बामणां दो १६१, १६५
 ईटावा- भोजु दो १६१
 ईटावो- लाखा दो १६२
 ईटावो- लाडखान दो १६३
 ईडर १२, ४१ ४२, ६०, १११ दो ६०
 ईडवो दो ४०, १६७
 ईदराणो दो २२३, २२७, २५०, २८३
 ईदावट वहलवी १४५
 ईदावटी वहलवो १६४
 ईदावटो १५४
 ईद्रोखो २१३
 ईदाणो ११०
 ईदावड दो १३२
 ईलागार खडीया १११
 ईसर नांवडी ३४४
 ईसरू ३८० दो ६
 ईसाली ४०३, ४१०, ४१६

उ

उखलीयो ५०४, ५२६, ५५६
 उचीया हेडो २०६
 उटावर ३०८

उछतरावास २१५
 उजीण (ऊजीण, उजीणी, उजेण) १२८
 १३०, १३१, १३२ १३३, १३४, १५७,
 १७०, १७५, १७६ दो ११५
 उदरा २७७
 उदीवास ३०८
 उदैपुर ३६, १०७, १११
 उदैसी कुवाँ (ऊदैसी कुवाँ) ५०४, ५२७
 ५५६
 उधरासर दो ३३२
 उधरासर-पेथड जीवौ अचला रो वास
 दो ३३३
 उधरावास-पेथड भलो नाथा रो वास
 दो ३३३
 उधरासर-हरदास कांलाणी रो वास
 दो ३३३
 उधरासर-हे सराज करमणद रो वास
 दो ३३३
 उनाली दो ७३
 उमकली २८४
 उमरलाई (ऊमरलाई) दो २२३, २२६,
 २४७, २८३
 उमरलाई-खुरद दो २३१, २७१, २८४
 २८८
 उमरलाई बडो दो २७१
 उमादेसरीयो ३४५
 उलढां दो ११
 उगीवस ३७१
 ऊं
 ऊंचा हेडो दो ११३
 ऊंची हेडो दो १४०
 ऊंचीया हेडो २५६
 ऊंचीया हेडो खुरद दो १३७
 ऊजलां दो ३५३, ३५४
 ऊजलीयो ७६, २२८

ऊंट वालिया दो ३२१
 ऊठवाला दो २८०
 ऊठवाली दो ३२१
 ऊणागाव ३७५
 ऊतवण २६३, ३७५
 ऊदलीयावास २५८, ३६३, ५५५
 ऊदारीनाई ५५३
 ऊदा रौ वास ३०१
 ऊदेपुरी २५७
 ऊदेही १२७, १३६, १७०
 ऊदेही पचवार रौ १२६
 ऊधरास दो. २, २६२, २६६, ३१७,
 ३५६
 ऊधीयावस दो ६२, १७४
 ऊनावस खुरद ५२१
 ऊनावस बडो ५२०
 ऊपाधीया री बासणी २३६
 ऊलटां दो. २५, ३३, ३४
 ऊसतरां ३४३
 ऊहडा ३६

ए

एका दो. ३५७
 ओहलाणी दो. २८०

ऐ

ऐटो दो. ३२१
 ऐढो दो ३२०
 ऐदलां २७२

ओ

ओढुवास दो. १०२, १२५
 ओलवी ६१, २६०, ३७५

ओलादगा दो. ६६, १००, १५६, १६१
ओलो दो. ३२०
ओसिया ७८, १६०, १६१, १६२, १६३,
१६४, १६६, १६६, २०४, ३१६,
३२०

औ

औरगावाद १४६

क

ककसी दो २२३
कजगाऊ वड़ी ३४२
कटालीया ४०३, ४०६, ४१०, ४७०,
४७६
कठमोर ५५५
कठमोटर दो १०२, १२५
कवारडो २८५
कडवड ७६, २०१, २२७, २४३
कडवड रौ वास ७६, २३५
कचु बरो ३७
कचोलीया ४७५
कछवाहां री वासणी दो. १३४
कटारडो २३३
कटाहडो ५१४
कणीवाडो दो २२२, २२६
कदेही दो ३३६
कनवज ४, ५, ६, ८
कनोज ३
कपूरीयो ३३०
कवा ३७७
कवोडीयो दो. २०६
कमठाई ३६३, ३७०
कमा रौ वाडी ३७८
कमेडीया दो. ४०
करजा ३७०

करगा री वासणी २०७
करणीयाली २०२
करगा ३८, ३२४, ३८१
करगा नगावत रौ बड़ीवास ३२४
करनाल ३३, ११३४
करनो ५५५
करमा रौ बाडी २०२ दो. २७८
करमा गुजर रौ वास २२७
करमावास ७४, ६१, ४०३, ४१२, ४४२,
४४६, ५०२, ५०६, ५१८, ५४१,
५५६ दो. २२२, २२५, २२६,
२३६, २६४, २८१, २८२
करमावासणी दो ११४, ११६
करमसीसर ३२६
करमसीसर खुरद ३२६
करलाई ४६६
करसा दो १६४
करसा गाव ३६४
करहेडो दो ६६
करहो दो. १००, १५४
कराणी ३०३
करोलीयो ४११, ४६४, ४६६
करगा रौ वास रतनुं रौ दो. २७७
कलरो (कलरु) दो. ४०, ७८, ७६, ८७,
१०७, १०८, १४१, २१३
कला पीपाडा रौ वास दो १०४, १६२,
कलाऊ ३१५, दो. ३२२
कलाऊ रा वास ३१३
कलाली २०१, ३७५
कलावसीयो ३७१
कलावास ३५४
कलु दो. ११३
कलोऊनो दो. ३४
कवलली ३६५ दो. २७६
कवला ३७६

कवलीया दो. १०७
कसणा दो. ४०
कसवी जेठ ४२२
कसवारीयाँ २३०

कां

कांकडखी दो. ४१, १३०
काकरालो दो २२३, २२७, २८४
काकरी रौ तलाव १४६
काकसी (काकसी) दो. २२६, २८०,
२८५
कांकाणी १३७, २२४ दो. ३४
कागडी दो. २२२, २२४, २२८, २४५,
२८३
कांटीयो ३३७
कांठद्रहो २६५
कांठाडी दो २७६
कांढण दो. ३२६
कांढीहलो दो. २७६
काढु ४५३
काघला री तलाई दो. २७६
कापलीयो दो. २७६
कांर ३६७
कांरो दो. २०५
कांवलीया ३७, दो. १२८
काकराली दो. २५६
कांकरेचा २४६

का

काकरेची २५२
काकसी दो. २६५
काकाला २२२
काकेलाव २६७
कागनडो २६२

कागल, ६२
कागलो २५३
काठणी २६४
काठघरो ३७६
काठाडी दो २२६
काढनीयाँ ४३०
काणवो ५०५
काणाणा (काणाणो, काणाणौ)
दो २२५, २२६, २३३, २६३,
२६५. २७७, २८१, २८२
काणीवाडो दो २६६, २८५
काणुजा, कणुजे, काणुजे, काणुजो)
६६, ४६५, ५०५, ५०७, ५३६,
५३७, ५४५
काणेचो ३७२, ५३४, ५५५, दो १०१,
२०२, १२२
काट्टु ६६, ४०४
कानडवास २६५
काना गोवा रौ वास ३०२
काना रा वास ४०७
काना रौ वाडो दो. २८५
कानावास १६८, २३८, २५४, २६०,
३७३, ४१७, ४८१, ४६१, ५५६
दो. २०२
कानासर ३६४, ३६६ दो. २२
कानुसर दो. २६
कानुडीयो ३१६
कानौटीयाँ ३१८
कापडीयो ५५६
कापरडा री वसणी २५३
कापरडो ३८, २६२, २४६, दो. ३४
कावरो ५३६, ५५७
कावल १७२
कामडी १६६, ३३०
कारो दो. १०६

कामडौ खुरद १६७
 कामा रौ वाडी २६०
 कामथवास दो. १३०
 कायलाणा ३२, ४६३, ४६४
 काराडी ३७५, ३७६, ४१०
 कारू ४१४
 कारोनीयो ४०६, ४४३, १०७, ५४७
 कालड गाव २०
 कालकी कलानी २७०
 कालभर ४६६, ४६७, ५५२
 कालरा रो वास दो २८७
 कालराी दो. ६२, २०७
 कालराो दो २२२
 कालराो कान्हानडो दो. २२२
 कालराो-पीडा ढढ दो. २२२
 कालराो-वाहु रो वाडो दो. २२८
 कालराो-रसोलाव दो. २२२
 कालराो-वेदु रो वाडो दो. २२२
 कालव ४१५, ४६७, ५०५, ५३५, ५५६
 कालर १२० दो ३३७
 कालरू दो १५१
 काला दो ६१७, ३२६
 काला रौ पादर २७६
 कालाऊ दो. ३२१, ३२२, ३५०
 कालाऊना ६ , २४५, ३७३, ५५५
 कालागुढा १३६
 कालाडी ३७८
 कालाणा (कालराी, कालराो) दो.
 २४२, २५६, २६०, २६४ २७८,
 २८३, ३७८, ३७६
 कालाणा रो वास दो. २३१
 कालाणा रौ वास रतनुंवा रौ दो. २८५
 काला वामरा दो. ३२०, ३५७
 कालीजाल २२६
 कालीभर ५५७

कालीयाठडी दो २०५
 कालीया वासराी दो २३०, २६६, २८५,
 २८८
 कालुवा रौ वास ३०७
 कालू दो. १२, ३२
 कालू बडी ३६५
 कालोकोट ४०७, ४१६, ४७१
 कालो वडगाव दो. ४०
 कावनीयो दो. १०७
 कावाणा ३७६
 कासडो दो ३१६
 कासराीया दो ४०
 कासमीर ६२, १२५
 कासली ४४
 कासवो ४०६
 काहथवासराी दो १३६
 काहु (गाव) ३१
 काहुनी ३८८

कि

कितलसर दो. १७८
 किराडु १
 किसनगढ दो ३००
 किसनपुरी दो १८१

की

कीभरी ३३३
 कीटराेद दो. २२१. २२४, २३३, २८१,
 २८२
 कीतपाल ३६१, ३७१
 कीतलसर १५७
 कीरखंड री दो ६
 कीरडा (कीरड, कीरड, कीरडी) ११८,
 १२०, १४३, १४४, दो. ३, ३३,
 १६२

कीराडी ६२, ४०३, ४३३
 कीराड्ड ३८३
 कीलाणपुर ३३७, ३४० दो. ३५३
 कीलाणो दो २२१
 कीहृषां दो. २८५

कुं

कुंडल ४५, ५२, ६०, ८८, ११६, दो.
 ३, ६, ८, ९, २६, ५८, २२२,
 २२७, २३०, २५१, २५६, २६०,
 २६६, २६६, २८०, २८२

कुंडलीयौ २२७
 कुडा द्रहे २३४
 कुपडावास २५७
 कुपडावास दो. १००
 कुपावस दो. २२१
 कुभटो दो. २१६
 कुंभलमेर ४८
 कुंभारी ३५१
 कुंरणो २७२
 कुंवडो २८६

कु

कुई रौ वास ३०६
 कुलआणो २७७
 कुकड़दो ३८२
 कुकड़ढो ३५२
 कुकड़नडो २१७
 कुड़की दो. २००, २११
 कुडछी ३४४
 कुडाहडी ७४
 कुडी दो. २७४
 कुचील ५६, १३२
 कुचेरी १३०

कुजणाउ खुरद ३४५

कुटाणो ५०१

कुठली दो. २२७

कुडणो ३७६

कुडाणा १५०

कुडली २७६

कुडलीवा दो. ३४

कुताणी दो. ६६, १००

कुलथाणो दो. २८१

कुवडी दो. २२३, २२८, २६६, २६६
 २७६, २८५

कुभावास ३३८

कुरडा १२६, १३५

कुरडे घाट १३५

कुरलाई ३७२ दो ६१, २०१, १३०

कुरवाडो दो. १०४

कुरवाडो-वाहल रो दो. १०३

कुलत दो १८३

कुलाज ४१५

कुवडी २०६, २५०

कुवरडो खुरद २८३

कुवलीयो ३०६

कुवी रुंदीयो ३४६

कुसमतरो ३५८

कुसमलो ३६६ दो ३१६, ३४४

कुसमसरो ३६६

कुसलवै दो. ६

कुसलांणो ३७२

कुसलावो ३१६, ३८१ दो. ३३

कुसाणा (कुसांण, कुसाणो) ४०
 दो. ४४, ४८, १०१, २४५

कुहड़ १६६

कुहीप दो. २२६

कुहीयप दो. २२३, २२७, २५०,
 २६३, २८३

कू

- कू पडावास ५५५
 कू पडावास सुरद दो: १५०
 कू पडावास बड़ी दो. १४९
 कू पाखेड़ी ५१२
 कू पावास ३२२, ३७३, ५५४
 दो. २२५, २४०, २८१
 कू पावास-ससारचद री, ३२१
 कू पावासणी दो. १०६

के

- केकीद दो. १३७
 केकीदडो दो. १२३
 केकीदर दो १२०
 केकीदरी दो १२२
 केतु १६४, १६५, १६६, १६०, १६३,
 १६४, २६४, ३१५
 केतु री वास ३१७
 केथल १३४, १४७
 केरलो २००, २३४ दो. ११, २४
 केरा री खेडी ४१५
 केरां री खेडी ४०७, ४६७
 केराडी १४१
 केरीयो ४३६ दो. ६२, १७१
 केरुवास २११
 केलणकोट ३००, ३७८ दो. २३१,
 २७३, २७६, २८४, २८७
 केलणसर ३८० दो. ११, १६, ३३
 केलणां री खरड दो. ६
 केलरीयां री वासणी ३१०
 केलवाल ४०४, ४११
 केलाकोट ५
 केलावास दो. १५१

- केलवो (केलावा, केलावै) ४७, ५४,
 ७८, ३४४ दो. ४३, ३१७, ३३६,
 ३५५, ३५७
 केलावो खुरद ३४३
 केलावो बड़ी ३४७
 केल्हरण री खरड दो. २००
 केल्हरण सर ८६

को

- कोडवी ३७७
 कोजा तलाव ३७०
 कोजा री तलाई १३६, १४०
 कोभव री गांव १४०
 कोट १२१, १४१, १७०
 कोटडी ६०, ५०५, ५५३ दो. ३८, ३६,
 २७८, २८१, ३४४
 कोटडी चारण री १४०
 कोटडो (कोटडा कोटडी) ४१, ४४, ६३,
 ७४, ७६, १५४, २१३, ४०६, ५५७,
 दो. २, ३२०
 कोटडी खेडी ४२२
 कोटडी सुरावसती ४७६
 कोटणी ३०१
 कोटा ७७
 कोटेडी ५५३
 कोठार दो. ६६
 कोड दो २०१
 कोडारदेसर ३२
 कोढणा (कोढणा, कोढणी) ३६, १४६,
 १६६, १८६, १६०, १६१, १६२,
 १६३, १६४, १६६, १६८, २०३,
 २०४, २६३, ३०१, दो. २६३,
 ३२०
 कोरोडो ३५८
 कोनरी ३०८

कोपीला १३५
 कोवरो ५०५
 कोरडा ५५४
 कोरटा (कोरटै, कोरटी) ७०, ९२ ९८,
 १०२, १०३
 कोरणा २८२
 कोरीयाठडी दो २००
 कोरीयो दो २०४
 कोलर ३६०, ३७१
 कोलीलाल ९७
 कोलू ३१९, ३५८, ३८०, ३८१ दो. २८,
 ३२, ३२१
 कोढुपा दो. २३१, २७४
 कोसाणा ३४ दो. ३९
 कोसीथल ४४
 कोहड २५१
 कोहडी ५३६
 कोहर-दूदासर दो २६
 कोहरडा री वासणी ३४४

खं

खडप ९१ दो २७८
 खडप दहलो १३७
 खडाडी ३७
 खड्डु ३६८
 खडो १४७

ख

खडहरी गाँव २४
 खडहाडी ३७२, ५५५
 खचीहाय दो. ३२०
 खजवाणी ४६
 खट्टु ३६२
 खटोड़ी ३३०

खडाला २२५
 खणीया दो. २२८
 खणीयो दो २२३
 खनवा ११५
 खफाहडी दो. १०१
 खरक दो ९
 खरड केलुणा री दो. ३३
 खरडी ३७९
 खरडो दो ३३
 खरहाडी दो. १०७
 खराटीयो ५०४
 खराटीयो खुरद ५०४
 खवासपुरी दो ५८

खां

खाखटी दो १०१
 खांखटो २४७, ३७२
 खांडप ३७७
 खाडो १५२, १५५
 खांतोलाहा दो. ११४
 खांनपुर दो १०८, १७५
 खांनवी १३५
 खाप सुमेल री ५५५
 खांमल ४०४
 खामी २७८, ३७७

खा

खाखदरलाई दो. २२३, २२७, २४९ २८३
 खाड़ी दो. १०२
 खाडो १३४
 खाचरोद १७६
 खाहू ४४, १२९
 खाहू री गढ ४५
 खाडाला २४०

खाडी २०१
 खाढावस २४०
 खातीवास ५०३, ५२६
 खातेलाई दो. ६२
 खातोलाई दो १६६
 खामेल ४०६
 खारखदो १३२
 खारड ४०३
 खारडा ४०६
 खारडी ३८, ४११, ४४३, दो. १२६,
 २२७, २५७, २६८, २६९, २७६,
 २८२
 खारडीवास दो. २२२
 खारडो २३३, ३०६, ३२६, ३५८
 खारडो टापर मे ३६६
 खारडो रिणधीर री २०८
 खारची ८१, ४०४, ४१४, ४२४
 दो १२४
 खारची प्रोहतां री ४०६, ४७७
 खारचीयी ४५२
 खारटीयो ५०७ दो. २७८
 खारल १४५
 खारला (खारलो) १५४, १६४, १६८,
 २७१ दो. ३५
 खारवाहो दो. २२३, २२६, २४४, २८३
 खारा दो. ३००
 खारी ३४७ दो. २
 खारी खुरद ३५०
 खारी चारणां री ३७४
 खारी थीरावस २४०
 खारीवास २३६
 खारीया री वासणी दो. १०१, १४८
 खारीयो (खारीया) ८१, ८२, ६२, २४६,
 ४७६, ५५५ दो. १२, ३४, १४३,
 १५१

खारीयो खंगार ३७२ दो १०१, १४५
 खारीयो खुरद दो. १६२
 खारीयो जगहथ री दो २३
 खारीयो नीबा री ४०३, ४१०, ४२७
 खारीयो फदरा री ४१२, ४४६
 खारीयो फदारी ४०४
 खारीयो बडी ४०४ दो. १५८
 खारीयो भाणा री २५६, ३७३
 खारीयो सीढा री ४१४
 खारीयो सोढा री ४५३
 खारो दो ३२१, ३५७
 खारो डाहीभर ३६१, ३७२
 खारी बेरो (खारा बेरा) २३८ दो. ३५
 खारी बेरो खेडा २३१
 खारी बेरो बडी १६७
 खारी बेरो भीवोतां री १६७
 खारौ लुणावौ १६५
 खारौ लुणाहो (मागलीया री कदीम गाव)
 २२५
 खारी वीमनोयां री दो ३१७
 खारोवास दो ३३३
 खारोवास-खीमा री सरेह दो. ३३३
 खारोवास-वीसनोया री वास दो. ३३३
 खारोवास-सातलमेरीया री वास दो. ३३३
 खारोवास-सीहडा री वास दो. ३३४
 खालतसर दो. ३३७
 खालत सरवण री सरेह दो ३५७
 खालावासणी २१८
 खावाणीयो ३४७
 खासो वीलाडो दो ३४

खि

खिनावडी ५२३, ५४८
 खिनावडी चारणा री वास ५४८
 खिचल ५४१

खीं

खीपलो ३००
 खीवावास ३४० दो १५८
 खीवलागो दो. ३१६, ३२०, ३४२
 खीवसर ४०, ५६, १४६, १५४, १६४,
 १६६, १८६, १६०, १६१, १६३,
 २०४, ३३६, ३३७, ३३८, ३३६,
 ३४०, दो. ३२७

खी

खीचवद १२०, १७० दो १, ११, १२,
 २१, २५, ३०
 खीचवद-थानका दो. ३१
 खीचवद रा वास दो. ३२
 खीडालो २०१
 खीदावडो दो. ६१, २२३, २२६, २६३,
 २८५
 खीदावास दो. ६२, १०६, १७५, २११
 खीदासर दो. ३४
 खीदाकोहर १६६, ३३३
 खीनारडो ४६६
 खीनावडी ५०३
 खीनावडो ३०३
 खीमल ४१२
 खीरडी दो. ३३
 खीरज रौ वास-वेढिया रौ ३१७
 खीरजांवास ३१६
 खीरणी खेडी ४०७, ४१६, ४६८
 खीरणेहटी ५०६
 खीरवा ८५
 खीरवो ८५
 खीरहटी ५३७
 खीराटीयो २०३, २८८, ३७१, ३७८
 खीराटीयो भाखर ३५७

खीवल ५०७

खु

खुडद बूटेळाव रौ खेडी ४७५
 खुटल ४०६
 खुटली ४०५, ४१३, ४५०
 खुटांगी २०२, २७
 खुडीयाला (खुडीयालो) ३०७, ३०६,
 ३२६
 खुढालो ३४६
 खुतावटी दो. ६६
 खुरदवास भीवोतां रौ २३१
 खुरहल दो. २८०
 खुवासपुरी दो. १३३
 खुसी ३७६
 खुहडी दो. ६२
 खुहडी खुरद दो १५४
 खुहडी वडी दो १५४
 खुहडी दो. ३२०, ३४१

खे

खेड १२, १३, १४, ३५६, ३६८,
 दो. २८२
 खेडा २८३
 खेडी २३०, २४२
 खेडी अन्नराज दो. १८१
 खेडी चापा दो १०६
 खेडी ललीया दो. १८०
 खेडी सीला दो. १८२
 खेडो अन्नराज दो. १०३
 खेडो भोजासर री दो. २०
 खेजडली ६१, २२०
 खेजडली खुरद २२३
 खेजडली वडी १६५, २२१

खेजडंली २४६
 खेजडीयाँ १०३
 खेजडीयाळी २०३, २६१
 खेजडीयाली रा वास २६२
 खेड़ापी ३४८, ३४९
 खेडुलीयो ३५९
 खेडुली दो १४४, १५६
 खेतपाळीयां री सरेह दो. ३१८, ३३६, ३५७

खेतावास ७४, २६५, ५०६, ५४२
 खेतावास सापी ३७४
 खेतासर ३२२, ३२६
 खेतासर री वासणी ३२३
 खेतासर वास १६६
 खेनावास ४१०
 खेपाली २४७
 खेरला ३८
 खोरालु ६३, ६४
 खेरवै थळी दो १६३
 खेरवो (खेरवा; खेरवौ) ३७, ४७, ४८,
 ४९, ७१. ६०, १०२, १४६, १५४,
 १६४, १६८, १६९, १८६, १९२,
 १९३, १९४, २००, २०४, २६०,
 २६१, ३७६, ५१४, ५३०, दो. ३५
 १००

खो

खोखरसर ३६०
 खोखरा ४२०
 खोखरी २१२
 खोखरीयाँ २५३
 खोखरी ४०३, ४१०, ४३२, दो. ३५
 खोडीयाँ ४१५, ४६६
 खोनावडी ५०८
 खोहडासी ४१२

खोहरी १३२

गं

गंगादास री वास दो. १०६
 गठीयो दो. १४५
 गंधारो २१०

ग

गगडाणो १५७
 गगराडी दो. १५०
 गगराणो दो. ३७, १३३
 गडौ ३१७ दो. २२२ २२७, २८३
 गजणाई ४०६, ४६८
 गजणाई दाधी ४०७, ४१५, ४७०
 गजणाई बडी ४१५, ४६६
 गजणाई रा० कनीयारी ४०७
 गजणाई-सारंग खाती वाली ४१६
 गजसिंघपुरो (गजसिंघपुर) १०२, १२५,
 १३१, १४६, १५१, १५५, १६४,
 ३८२ दो. १२८
 गडसुरीयो दो. १०२, ११२
 गढी दो. २५३
 गलणी ५०६
 गलणीयो (गलणीया) ७४, ३७३, ५०३,
 ५११, ५१२, ५२३, ५४२, ५४२,
 ५५१

गलता री सरेह दो. ३१८
 गलरा री सरेह दो. ३५७
 गलीयीकोट ७२
 गवारडी खुरद दो. १०६
 गहेढो बडी दो १०२

गां

गागादास री वास दो. १३६

गांगा पडिहार री वास दो. २२४
 गांगावासणी ३४१
 गांगारडी दो. १४६
 गांगारडी दो. १५०
 गांगाह री वास-वाहालो री ३०१
 गाठीयां दो. १५२
 गागुरड़ ६२
 गागुरड़ी ४०३, ४१०, ४३१ दो. १००
 गाजण कालर री सरेह दो. ३५६
 गाजण री सरेह दो. ३१८, ३३७
 गाढपुर दो. ७५
 गादसरो ३६३, ३७०,
 गादाहलो ४०३
 गादेहरी ३४३
 गाघांणी बड़ी २१७
 गाधी दो. ११
 गारावासणी ४६
 गालां री सरेह दो ३३६, ३४०

गि

गिरवरीयो २८२
 गिररी ७३, ५०६, ५०७, ५१७, ५३०,
 ५३१, ५३२, ५३३, ५३४, ५३८,
 ५३६, ५४४, ५५० दो. ५७
 गिरी ५०२

गी

गीगाथल २३४
 गीगावडी ४६६
 गीगाहो १६८, २६७
 गीघालो ३३३
 गीड़ागडो ३७६
 गीड़ाघडो २६३
 गीड़सुंरीयो ३७३

गीरावसणी ३८२
 गीरावडी ४६, ३८२
 गीलाकोहर ३१६

गु

गुगडी ३६२, ३६८
 गुगली ३७१
 गुघरट दो २२३, २२७, २५५, २८३
 गुडली ३६७
 गुडी दो. ३१६, ३४४
 गुडौ दो. ३१६, ३४३
 गुजरवास ३७४
 गुजरात १०, १८,
 गुजरावस २०५, २२०
 गुजरावास ८२, ४०४, ४१२, ४५८
 गुजरावास वीराहमी री १६७
 गुढा २२६, ५५१
 गुढां रा वास गुसाई री २३६
 गुदरडो (गुदरडे, गुदरडो) ७५, ५०७,
 ५३७, ५४५
 गुदवच (गुदोच. गुंदोच) ३६, १४६,
 १५४, १६४, १६८, १६६, १६०,
 १६१, १६२, २००, २०४, २७२,
 ४५३
 गुदवी ४५
 गुदी २२६
 गुदीसर खुरद दो. १००, १६७
 गुदीसर बडो दो. १६२
 गुदुवी १६३
 गुदेसर दो. ११३
 गुरलाई २६४
 गुलछरो ३७
 गुल्ली ३५५
 गुवरडी दो. २१०

गुवारडी खुरद दो. २११
गुवारडी बडी दो. २०१
गुवालेर ७७

गू

गूजरा री वास २२७
गूलर-बाहल री दो. १०३

गे

गेनरडी दो. १९४
गेमावास दो १६४
गेमलीयावास दो १२२
गेलावास २०२ २७४, २९२
गेहडो खुरद दो. १०६, १८५
गेहडो बडी दो १८०
गेहडाणो दो १०५
गेहावास ३७३, ४६६, ५०८, ५४६,
५५५, ५५६ दो. १०२
गेहावासणी ४६८, ५०८, ५४६

गो

गोग्राण ३७०
गोगटी दो ३१६, ३४३
गोगादेवा री वास ३०५, ३१५
गोगारडो दो. १४४
गोधेळाव ८२
गोडगडी ८१
गोडा री वास दो. २२३, २२६, २६३
२८५
गोडां री वासणी ३४०
गोभारो ३६६
गोठण ३७२ दो. ६२, ६८, १४५
गोठडो २८४ दो ८१, १०४, १८६
गोडगडी ४०३ दो. ३१६

गोडगडो दो. ३२२
गोडागडी ४१२, ४५५
गोडागडो ३६४ ३६६ दो. ३४२
गोढवाड ३६, ३७६
गोदमांवास दो ११३
गोदारो दो. ४०
गोधणली दो. ११, २१, २३
गोधणलीं दो. ३६
गोघवाल ८१
गोघां री वाडी २८६
गोघावास (गोघावस) २२७, २८४,
३७४, ३७५, ३७६, ४०८, ४१७,
४७७, ४८४, ४६२ दो. २८१
गोघावासण २७७
गोधेळाव ३७, ४०५, ४१२, ४४८,
४७६ दो. ३५
गोनरडो दो. ६१, १८७
गोपडी दो. २२२, २३६, २४८,
२७६, २८२
गोपालपुरो दो. १०५, २१०, २११
गोपालवस (माढा री वास) ४६१
गोपालसर ३०७, ३०६
गोपांवास ४०४, ४१३
गोपावास साडीया री ४०५
गोपावासणी २६६, ४२२, ४७४
गोपासरीयो ३३३
गोमट दो ३१८
गोमटीया मोहर कालर दो ३५७
गोमढ दो. ३३७
गोयदपुर (गोइदपुर) ३४२, ३५२,
४०५, ४१६, ४२७, २४७
गोयद री वाडी २८६
गोयंदलाव (गोईदलाव) २०२, २८०,
२८४
गोरडीयो ३६८

गोरमी दो. २२२
 गोरवी दो. २३०, २६६, २८५
 गोरहरी दो. ६२
 गोरा दो. ४१
 गोरेहरी करणां दो. १६४
 गोरेहरी चांचा दो. १६५
 गोलकुंडा १०३
 गौवदगढ दो. १०५, १०६
 गौवल ३८६ दो. १०४, २८०
 गौवलवास ३६२
 गौवलियो २१६, ३७५
 गोहडा बडा दो. १८४
 गोहला वसणी २११

घ

घघडणो दो ६१
 घडोई दो. २३१, २७७, २८५, २८७
 घडोई कालाणा री वास दो. २७७
 घडोई-धरमदास री वास दो. २७८, ३६६
 घडसी री वाडो दो. २२३, २२८, २६१
 घडसी री वास ३०६ दो. २८४
 घडाय २१६
 घटटी री घाटी ५३८
 घटीयाली ११६, ४०५, ४७२
 दो. ८, ९, १०, १५, २३
 घटीयाली (सुरांडता माहे) ४१६
 घटीयाळो ३१०
 घणाणा दो. २७६
 घणोडी १०२
 घनहडी ३६५
 घवलरीयो बडो २०२
 घवनेहरो ४४४६
 घवलरीयो २७६

घां

घांघाणी दो. ५, ३५, २१७

घांघाणो, दो. २२२
 घांणा २७६, २८१ दो. १८५
 घांणेरी दो. २८१

घा

घाघरि दो. २३
 घाघावडी १६६, ३२४
 घाटमपुर १२६
 घाणाणा दो. २२७, २३०, २३७, २६६
 घाणा मगरी २४८
 घाणौराव ३६
 घातरठ १५५
 घातरठ १५२
 घीगांणो २८०

घी

घीघालो दो. १०४

घु

घुघरट दो. २१८
 घुघरा री घाटी ५६
 घुघरीयाळी ५३
 घुघरोट दो. २१८

घे

घेवडी प्रोहतां री १३८
 घेवडी बडी ३३४

घो

घोड़कंपी दो. ६
 घोड़ारड़ ३७२, ३७३, ३७४ दो. १०१
 घोड़ारडी २५६
 घोड़ारट ५५६

घोड़बल ५४६
घोड़ाहट दो. १३७
घोठारीयां दो. १०४
घोसारीया २८३

घौ

घौसू. १६६

च

चंगावड़ो आडु ३११
चंगावड़ों खुरद २१५
चंगावड़ो तीजी २४१
चंचळाव ३११
चंटासीया ३४२
चंडा २८५
चंडालीया ३२६
चंडावळ ६१, ४१०, ४३६, ५३६
चंडावस ४०३
चत ५५७
चंदरोही ३००
चंदलरो ३७२
चंदसमी ३७६
चदसरो ३८०
चंदावड़ ४०६
चंद्रासर ३३१
चंपा १०९
चंपा खेड़ी दो. १७५
चंपला वेरो दो. २७६
चंपला वेरी सूनी ३७१
चंपासर ३८१
चंबड़ीयाक ४११
चंबडाय २६६
चंबाघा घीया २०१

च

चड़ीयाहारो ७३

चमारी ७७
चखड ४७
चरड़ावस दो. १००, १६६
चरचड़ो ३७७
चरडीयो २६१
चरपटीया ४४६
चवडवा २३७
चवानडी ४१२
चवा घांघीयां २२३ दो. ३४
चवावडा २२२
चवावडी २०१, ४०४
चहुवाणां री वासणी २०५

चां

चांखवास २२७
चाग ५०५, ५०६, ५३३, ५३६, ५३६,
५४५, ५५२, ५५३
चांग मानपुरा ११३
चागल २००
चांच दो. ३२८
चांचळवा ३११
चांचा दो ३१७
चाचोड़ी दो. २८१
चाठला २७५
चाणवो दो. २८१
चांदण खुरद दो. १६६
चांदणी दो. ३१६, ३२०. ३४१
चांदणी खुरद दो. ६६
चांदणी वड़ी दो. १००, १६५
चादरख ३४७
चांदसमो दो. ३१७, ३२१, ३३५, ३५७
चादसमो-चामणां रो वास दो. ३३५
चादसरो ३५६
चांदा री घाटी ८८, ११२

चांदारुण दो. ६१. ६४, १७७
 चांदा री वास २६६, ३७८, दो. २७८
 चादाळाव २४७
 चादावासणी ४०५, ४०६, ४१२, ४५७
 चादेलीया चुरो दो. ४०
 चावण १४०
 चापला वेरी ३६१
 चांपावसणी २०६, २४२
 चापासर ३३१
 चावंडीयो ४७२
 चावंडीयो आधी दो. १३८
 चावड १०२
 चावडीया १३६ ५५० दो. ११०
 चावंडीयो गिररी रो ५०४, ५३१
 चावडीयो बडी ५०१
 चावडीयो बीठा री ५३१

चा

चाखु दो. ८, ११, १७
 चाचा री पांनी ३२१
 चाटसु ४४, १०७, १३६ दो. ५४, ७४
 चाडाल ३८
 चाडी ३२८, ३८० दो ६, ३३
 चाणु ११६
 चाणोद ३७६, ३७७
 चापुडी ५४१
 चावडीयाक ३६५, ४०३, ४७६
 चावी ३१५
 चांमु दो ६, ३३
 चांमु-किसन री ३२०
 चांमु-जाटा री ३२०
 चांमु-हृगसी री ३२०
 चांमु-घडोवास ३२०
 चांमू री वासणी ३२६
 चारणथल १३६

चारण महीया री वास दो. २७४
 चारण री वाडी २०३
 चारणवसणी २३४
 चारणां री वासणी १३६, २४१
 चावडीयो ७४
 चावडीयो बडी ५१६
 चाहड़वास ४०८, ४१६, ४७६, ४८०,
 ४६०
 चाहली बडी ७४

चि

चिड़वाइ खुडीयाली १६६
 चिड़वाई मेली ३०७
 चिडीयावास ४२२
 चिरडाणी २४६
 चिरपटिया ४०३, ४१२, ४२१, ४७४

चीं

चीचडली २६५, ३०१

ची

चीखी ३६७
 चीडीयो ३५६, ३६८
 चीडीयाहेरा ५३६
 चीडीयोहेरो ५०७
 चीतार ७५, ५०५, ५३३, ५५४
 चीतावी दो १०३
 चीतावो दो. १०३
 चीभाली ३०८, ३१०
 चीभाली-प्रागोलाई ३१०
 चीतोड़ २६, ३१, ३६, ३८७
 दो. ६८, ६६
 चीनडी ४६
 चीनडो ३४५

चीमड़ावो दो. १०, १८
 चीराई दो. ६
 चीहराणी ४२८
 चीहाली दो. २२३, २२५, २४२, २४५,
 २७८, २८३

चुं

चुंघीया दो. ६२, १३३, १३८

चु

चुलटलाई ४०६
 चुलेलाई ४५०
 चुल्हलाई (चुल्हैलाई) ४०५, ४१२
 चुहड़ीयावास दो. १५४

चू

चूंडा री कोरड़ी १४१

चे

चेचीयावास दो. १७१, १७३, १७६
 चेनईचो ३७१
 चेराई १३८, १४४, १६६
 दो. ३३, २६६
 चेराई-आसायचां री ३२०
 चेराई-खीचीयां री ३२०
 चेराई-गेसीया री ३२०
 चेराई-नाहरवो ३२०
 चेदाई-वडोवास ३२०
 चेराई-भोजां री ३२०
 चेराई-रजपूता री ३२०
 चेलावास ४०३, ४१२, ४२७, ४८४
 चेलेलाई ३०१
 चेहड़ी २०२, २७६
 चेहनडी ४३१

चे

चेनपुरा १३८, १४३, २२६

चो

चोइथ री वास वणसीसर री १६६
 चोक दो. ३१६, ३४१
 चोकड़ी खुरद दो. १३२
 चोकड़ी बडी दो. १३४
 चोकी ११७
 चोखां वासणी दो. ११८
 चोडी सिकारपुर २२३
 चोचीयावास दो. ६२
 चोटीले भांवर (सीघला री चौरासी) २३
 चोटीलो २०१, २६६
 चोढो २१६
 चोपड़ो १३६, ४०५, ४११
 दो. ३५

ची

चीमुं ३८१

चो

चोलरा ४८८
 चोहथ री वास ३०६
 चोहलांवास दो. १५५
 चोहोला संवो दो. ४१

ची

चीचावड़ी ४६२
 चीववड़ी ६१
 चीसली दो. ६६

छ

छायाणी दो २२६, २४७, २८३
 छडी २८४
 छायां री वास दो १३६
 छडणी दो. २२३
 छतरीयो ४११
 छपण दो. ३३५, ३३६

छां

छाया री वास दो. १०७
 छावणी-नवी हवेली १४६
 छांहण दो. ३२१, ३३६
 छाहण दो. ३१७

छा

छाछेलाई ३७६, २७३, २६४
 छाछोलाई १६६ दो २७८
 छाढीयो ३१८
 छापरी दो. ६२, ६६
 छापरी खुरद दो १६०
 छापरी वड़ी दो १५६
 छापलो ६६, ३५१
 छापण दो ३५६
 छालावारो १५२
 छाहली २४३

छीं

छीकणवास (छीवणवास) ४६, ३०६
 दो १६
 छीतरीयो (छीतरीयो) ६१, ४०४,
 ४४०, ५५६
 छीपीयो ७४
 छीपीयो मुस्याल ५०२

छीपीयो कुस्यालपुर ५१०

छी

छीडीयो ३४६
 छीला दो. ११, २५

छै

छैतममंद ६४

छो

छोडी (देवडो री गांव) १४०
 छोम ३३४

ज

जइतरी ७६
 जगड़वास दो. १८६
 जगनाथपुर दो. ११०, २१२
 जगमाल री वाडी २६२
 जगसा ३६८
 जगहट दो १०७, १०८
 जगहथीयो ५०६, ५३८, ५५५
 दो. १२, १०२
 जगा सीघल री वासणी दो. २१०
 जगीया १४३
 जगीसां दो. २७८
 जगीसा कोटडी ३७८ दो २२२
 २२५, २३५, २४०, २८१, २८२
 जसीयाणो दो. २३७
 जमालपुर १५२, १५५
 जलगाव ११०
 जलगांव-खेराड री १०६
 जलगाव-वरड री १०८
 जलावरी दो. ३३७
 जवडी २६३

जवणादेसर २६३
जवावासणी बामणां ७५
जसवतपुरो ४६४ दो ३१७, ३३३, ३५७
जसवतावाद दो. १२२
जसोल (जसवल ३५४, ३६८ दो २७६,
२८२
जसहरडा री उत्तन १४०

जां

जांगलु १६, ३१, ३८, ३६, ३८५
जाणीयांणो दो. २६२, २६३, २८१,
२८२
जाणीवाणी दो. २२१
जानोदो ४०३, ४१२
जामलावो दो २३
जामेलाव दो. २७, २८, ३३

जा

जाईल दो. १०३
जाक ३०३
जाखण १६७, ३२४
जाखण-काना वास ३२४
जाखण-जेता तोगा री वास ३२४
जाखण-साईदास री ३२४
जाखणसर २६४
जाखणसर री वास ३०२
जाखोडो ११०
जागसवास ३६०
जागसी दो. २७६
जाजपुर ४४ दो. ६०
जाजवो ३५६, ३६८
जाजीवाल ७६, २३१
जाजीवाल ईंदां री २३२
जाजीवाल कोटेचां री २३२

जाजीवाल खोवा री २३५
जाजीवाल जोलुवां री २३२
जाजीवाल नाथु री १६७, २३२
जाजीवाल नीबा री २३२
जाजीवाल पीथा री २३५
जाजीवाल बाणीया री २३१
जाजीवाल भीवा री नादारी २३२
जाजीवाल भीवा वाली ३७
जाजीवाल राजघर री २३५
जाजीवाल राठौडां री २३१
जाजीवाल साकर री २३१
जाजीवाल सोलकीया री २३१
जाजोत १५७
जाटसु नानग दो. १७३
जाटीया वसणी २३३
जाटीयावास बडौं २२१
जाडोतरी दो. २८१
जानावासणी ५०७
जानीदो ८१
जायल ४६
जारोडो खुग्द दो. १६०
जारोडो गुजरा दो. १५६
जारोडो वेणा दो. ११२, १६५
जासेडो बडौं दो. १५६
जाल घर १
जालको २५०
जालवाडी दो. १४
जालसु खुरद दो. १६१
जालसु बडी दो. १८८
जालीडो दो ३२४
जालीवाडो १३६, ३८१ दो. १२, २५,
२६६, ३१६, ३२०, ३२४, ३४२,
३४८
जालीवाडो खुरद २५४
जालीवाडो बडी २५१

जालेलाव ५०८
जालेली २३०
जालेली खुरद २०८
जालेली बड़ी २०६
जालोर १८, ४३, ६४, ६७, ६३, ६४,
१०२, १०५, १०६, १०७, ११६,
१२४, १२७, १२६, १३१, १३४,
१३६, १३७, १३८, १४६, १५१,
१५४, १६४, ३७७, ४४३ दो २१५
२१८, २२८, २२६, २३०, २४६,
२५१, २६०, २६३, २६५, २६६,
२७६

जांवतो दो. १०५

जावतरी ३४३

जावली दो. ६२, १५६

जावलो दो १०३, १०४, १०५

जावो सीसोदीयां री दो. ३५, १६०

जासती २०३, २६४

जाहडवास ३४५

जाहानावाद १२८, १३०, १३३, १३४,
१३५, १५६, १५७, १७० दो. २६८

जी

जीडोलरी दो. २२५, २३६

जीडोतरी दो. २२१

जीणपुर दो. २२२, २२८, २५२, २६०,
२६६, २८४

जीणयाणो दो २३७, २२५

जीणीयांणा दो. २२१

जीद १५२, १५५

जीनीदी ४४४

जीमलाव दो. ११

जीवंद १४० -

जीवाणो दो. २८०

जीवासी ३७०

जीवं री वास ३०५

जु

जुभांव आरी घाटी १७६

जुढ ३७६, १६६

जुठो ५०२, ५१६

जुठो रायपुर ५१३, ५१४

जुढि २१३

जुढियो आदु ३११

जुनेर ११०, १११

जुलाणो दो. ६२, १६८, १६६

जे

जेठाणीयो ३१४

जेठा री वास ४१४

जेतावतां री वास ३०५

जेतावास दो १६१

जेलोतरो दो. २८२

जेथोवस ३७४

जेरलां ३६८ दो. २७६, २८२

जेरलाव ३५४

जेलु रँ तलाव १४२

जेसलमेर १४, ४७, ५५, ६३, ६४, ६६,

६६, १३६, १४०, १४३, १४४

दो. १, ४, ६, १२, २७३, २६३,

२६४, २६७, २६८, ३००, ३१५,

३२०, ३३८, ३३६, ३५१, ३५२

जेसलवस २५७, ३७५

जेसला दो. ११, २०, २४, ३३

जेसलावासणी २०६

जेसावास ३०६, ४०६, ४२१, ४७४

दो २०८

जेसावास अखैराज दो. १५६, १६३

जेसावास तोगा दो. १५६, १६३
जेमावास भेगा दो १६३
जेसावास रौ खेडी ४३६
जेसुरणी १४०
जेह री तलाई दो ११
जेहा री तलाई दो २०

जे

जेचन्द रौ वास ३३८
जेतपुर २०२, २८०, ५०७, २४२
जेतसी री वासणी ४०६ ४२३ ४७७
जेतसी री थानी ३२१
जेतारण ३६, ३८, ४१, ४३, ६०, ६५,
६७, ७३, ८३, ९५, ९७, १०५,
११२, ११३, ११४, १२४, १२५,
१२७, १३१, १३३, १३६, १४६,
१५१, १५४, १६०, १६३,
२४३, ३७३
४७२, ४९३, ४९४, ४९५,
४९६, ४९७, ५००, ५०१, ५०८,
५०९, ५१०, ५११, ५१२, ५१३,
५१४, ५१५, ५१६, ५१७,
५१८, ५१९, ५२०, ५२१, ५२२,
५२३, ५२४, ५२५, ५२६, ५२७,
५२८, ५२९, ५३०, ५३१, ५३२,
५३३, ५३४, ५३५, ५३६, ५३७,
५३८, ५३९, ५४०, ५४१, ५४२,
५४३, ५४४, ५४५, ५४६, ५४७,
५४८, ५४९, ५५०, ५५१, ५५२,
५५३, ५५४, ५५५ दो. ३५, ६०,
१०२

जेतावास ३४५
जेतीवास २५६ दो ९९
जेतावासणी ५४७
जेमलोत रौ वास ३२४

जेमलोता एका रौ गाव दो. ३३६
जैलुवास ३२३
जैलु-बीजासर ३२३
जैसिघ रौ गाव ३१८, ३३६, ३५७

जो

जोगण ३७७, ३७८
जोगणीहेत १४०
जोगरावास ८२, ४०४, ४६३
जोगीया वासणी २३४
जोजावर ४८
जोधडावास ४०५, ४२०, ४७३
दु. ६२, १५७
जोधडावास खुरद दो. १६४, २०९
जोधडावास दुधवड ८२
जोधडावास बडी दो. २०५
जोधपुर ३२, ३६, ३७, ३८, ३९, ४०,
४१, ४२, ४३, ४५, ४७, ४८, ५२,
५३, ५४, ५५, ५६, ५७, ५९, ६३,
६४, ६५, ६६, ६७, ६८, ७०, ७१,
७६, ७७, ७८, ८३, ८७, ८९, ९०,
९२, ९३, ९५, ९७, ९८, ९९,
१०२, १०३, १०५, १०७,
१०९, १११, ११८, ११९, १२०,
१२४, १२५, १२७, १३१, १३२,
१३३, १३६, १३७, १३८
१४२, १४३, १४५, १४७,
१५०, १५४, १५६, १५७, १५८,
१६२, १६३, १६४, १६५, १६६,
१६८, १६९, १७९, १८५, २०३,
२०४, ३५३, ३७२, ३७३, ३७४,
३७६, ३७७, ३७८, ३७९, ३८०,
३८१, ३८३, ३८४, ४२५, ४९३,
४९५, ५०९, ५४३, ५५१, ५५५

दो. १, २, ३, ५, ६, ७, ६, ६,
 ३२, ३४, ३७, ४२, ४३, ४६, ५५,
 ५६, ५७ ५८, ६४, ७७, १००,
 १५१, २१५, २१६, २१७, २१६,
 २२०, २३२, २७८, २६२, २६४,
 २६७, २६६, ३००, ३०५, ३०६ ३१६,
 ३२०, ३२१, ३२७, ३५०, ३५४

जोधावास ४६८, ५०८, ५५०

जोधावास खुरद दो. १११

जोधावास २५०

जोराकुवो ३५६, ३७२

जोलीयाली १६६, २६४

जोलुवा री वासणी २२५

जोलीवाड़ी १४३

भं

भंभणवास ३७३, ५५६

भंवर २२५ दो. २१८

भ

भडाऊ दो. ४०, १६६, २०८

भलारीयो दो. ३५३

भलारीया रा वास दो. ३५२

भलेलाई १४३

भलोड़ी दो. ३४६

भां

भांक ५५५, ५५६

भांभणवास ५०१, ५१२

भांभणीवाली ३०६

भांभीलो दो. १०३, १०४

भांवर ५४

भा

भाक २४५

भाइढढ ४०३, ४११, ४३५

भाडाकोतू ६७

भाभुण वासणी दो. २०२

भावरो ३७६, ३८० दो. ३१६, ३२१,
 ३४३

भायल १३६

भालरीयो ३७६ दो. ३१७, ३३१, ३५०,
 ३५७

भालरीयो-कालरां रो वास दो. ३३१

भालरीयो-बडो वास दो ३३१

भालरीया री वास दो. ३१८

भालाडी दो. ३१६

भालामल २०६, ३७२ दो. ३४१

भालमलीयो २५२ दो. ३१६

भालावार वारम १४८

भावरवास २०१

भी

भीका वासणी २२८

भीभणीयाळो ३०५

भीभारडो ४१५

भीका रो पाद्र दो. २२८, २६४, २८५

भीथडो ३७४, ३७५, ४०४, ४०६,
 ४११, ४४३

भी

भीथीया दो. ४०, २०३

भीलला ५५७

भीलेलाव ४६६, ५३६, ५३६, ५५२

भीलसीली ३५६

भुं

भुंभणदो ५०१, ५१२, ५५०

भुंभणदो खुरद ५०७, ५३६
 भुंभणदो बड़ी ५३६
 भुंड ३५८
 भुपेलाव ४०५, ४०६, ४११, ४३५

भु

भुडली २५२
 भुठा रो वासणी २४२
 भुढि ३६६
 भुलीयो माढा रो ४०५

भे

भेर वडो दो. ३१६
 भेरावड दो. ३४२

भो

भोटांणो २८४

टां

टांकड़ी ५०६
 टांकु ३५७, ३७०
 टाटीया रो वास २०२
 टांपरा ३५४

टा

टावरीयालै १२१
 टायरा ३६८

टी

टीकड़ी ७४, ५३६
 टीको ५३
 टीबड़ी ३१६ दो. १२६

टु

टुक ४४
 टुकड़ी १५१
 टुकड़ो ५०४, ५३०
 टुकलो ३८२
 टुफली दो. १०७

ट्र

ट्रंकड़ी ७४

टे

टेटो दो. ३२१

टै

टैहलो दो. १०६, २०३

टो

टोटी दो. ३२०
 टोहणी १५२, १५५

ठ

ठहीयावड़ी दो. १०५

ठा

ठाकुरला ३७६
 ठाकुरवास ७५, २८४, ४०४, ४६०,
 ५०३, ५२२

ठी

ठीहली दो. १०५

ढं

ढंढाली ३६३

डवचो २३५

ड

डहरा १११

डहूकीयी दो. १३१

डां

डांगावास दो. ३६, ४०, ११७

डागीयावास २१६, ३५७, ३७०

डांवरै री वासणी ३३६

डावरो १६७, ३२६

डा

डागसूरीयो दो. १४०

डागोळाई दो. ६७

डावडी ३७१

डामडी बडी दो. ६६. १०२

डामणी-सोवलदास री दो. ६६

डामली २०३, २६०, ३७६ दो. २७८

डायटो ५५४

डाहां री वास ३६६

डाहावासणी ३०१

डाहीभर दो. २७६

डी

डीगराणो ३७२, दो. १०१, १३६

डीगा दो. ३६

डीघडी ३७६

डीवाढ ४६७

डीघाड़ी खुरद २०६

डीघाड़ी तीजी २०७

डीघाड़ी वड़ी २०६

डीघोड़ ७२, ४०७, ४६७

डीडवाणो २५, ४३, ५६ दो. ५४

डीडेल दो. ४०

डीरी २८४

डीहड़ो ३७६, ३७७

डुं

डुंगर १६६

डुंगरवास दो. १७३

डु

डुगर अचला दो. १६७

डुगर छीकणवास दो. १६७

डुवरखीयी ३८२

डुमाणी दो. ६२, १७०

डुलीयो ४७२

डू

डूंगरपुर ६०, ७२, २०१, २७०, ३८६

दो. ६०, २१६, २६७

डूगरसर १४३ दो ३००

डूगरसी री वासणी ४०६, ४३७

डूंगरसी री वास २५५

डे

डेघाणो (देघाणो) दो. ७४, ७८, ८१,

८३, ८७, १०६, १११, ११३, ११४

१८६, २१३

डेहड़ो ३७६

डेहरीयो ३०६

डो

डोडीयाणो दो. १८७

डोडीयाल ३४१

डोडीयो दो १०३

डोमड़ी खुरद दो. १००, १८३
 डोमड़ी बडी दो. १७६
 डोमड़ी सढ री दो. १८१
 डोमड़ी सावलदास री दो. १८१, १८३
 डोयनडी (डोईनडी) ६१, ४०४, ४१२,
 ४४६, ५५६

डोलासर १४०
 डोहली १६६, २२३, २६४, ३७८, ४५१,
 ५४२
 डोहली खुरद ३०१
 डोहली २००

ढं

ढंढ दो. ३५७
 ढंढकाव ३७७
 ढंढणीयो ४७३
 ढंढ री सरेह दो. ३१८, ३३६, ३५६
 ढंढु १३६
 ढंढुवास दो. ३३१
 ढढोरीयो ३४६

ढ

ढढरवाली दो. ११
 ढसुरो ५०६, ५४५
 ढही वावड़ी दो. २१०

ढां

ढांढणीयां री वास-कुलरीया री ३०१
 ढांढणीयो २६६
 ढांढणीयो खुरद ३०३
 ढांढरवाल दो. २२, ३३

ढा

ढाढीयां री वास २८६

ढां

ढांढीया वासणी दो. १४३
 ढांणी २३०, ५५७

ढा

ढाढोलाई दो. १५६
 ढावर ३७५
 ढावरवास २६७
 ढाही दो. ६६, १४४

ढीं

ढीकाई २१४

ढी

ढीढस २०३, २८८
 ढीलंणो दो. १२
 ढीहलीयो २१८

ढुं

ढुंढड़ी (ढुढड़ी) १६८, २७१
 ढुंढाड़ दो. ६०
 ढुंढो ४०३, ४१२

ढुं

ढुंढ दो. ३७१

ढे

ढेलांणीयो दो. ३२
 ढेलांणो दो. ३१

ढो

ढोला वासणी २२६

ढोलावासणी गुडर रौ वास १६५

त

तंणावडी ७६

तखतगढ ६७

तणावडो बडो २०६

तपा ३७७

तरली ३५८, ३६६

तलवडी २०

तलवाडो ३५६, ३६८ दो २८२

तलसर दो. ३१६

तां

तांतीतलाई ३७१

तावडीयो खुरद २३६

तावडियो बडो १६६, २१५

तांवडोली दो. ४१, १८६

ता

ताठीयो दो ३३

ताडावास ३३८, ३३९, ३८२

तातुंवास ३३२, ३८१

तापु ३२४

तापु-खेपाली ३२४

तापु-घडसी रो वास ३२४

तापु-भलडा रो वास ३२४

तारावसणी २१५

तालकीयो ४१६, ४८२, ४६८, ५०७,
५४३

तालणपुर ५४३

तालोडो खुरद दो. १४६

तालोडो बडो दो. १४७

ति

तिवरी ४०, २३६, ४७८ दो २६६

तिणवासणी २४७

तिलवासणी १६६

तिला पुंवार री मेडी ५३७

ती

तीघरी २०१ दो. १७०

तीघरीयो २४१ दो. ६२

तीघरो २६६ दो. १२६

तीडीया वास दो. २८७

तीणावडो खुरद २०८

तीतरगडी ३७८

तीतरी दो. ४०

तीमरणी १०७

तीरजाली २६२

तीरवां १२०

तीलवाणी ६१

तीलांणोस दो १८८

तीवण दो. १३५, १४२

तीसंगडी (तिसीगडा, तीसीगडी) ३७८,

३७६ दो. २३०, २७८

तीसमारीयो ४७६

तुं

तुंवर दो ३४८

ते

तेजा भाखरी दो ११, २८

तेजावासणी ४६६, ५०८, ५५१

तेतरवाल दो. ४०

तेनावास ३१६

तेमावास ३६०, ३६८, दो. २८२

तेखाटी ६४, १०५, १४८, १५२

तेलवाडो दो. २२२, २२७, २५८, २८०,
२८४

तेहरीयो १६८

तो

तोगावास २७३
तोडडीं दो ६०
तोडवी २७६
तोडीयाणी ३४८
तोलीसर १६८, २६८
तोलीसरं खुद ३०२
तोडी ४४

त्र

त्रबावती नगरी ३८३
त्रापु १६६

त्रि

त्रिगठी दो. २२३, २२६, २४४
त्रिभट्टे दो. २८१

त्री

त्रीभारडी ४०७
त्रीपमारीयो (त्रिसमारीयो) ४०६
त्रीसीगडी २११ दो. २२७, २८२, २८३,
२८६
त्रीसीगडी-बल्ही री वास दो. २३०
त्रीसमारीयो ४२२

थ

थपणी दो. २२३
थटोहरा दो. २६२
थवूकडो २१७
थल ४१५, ४६६, ४७०
थलुडो दो. २८०
थहीया वासणी २०८

थां

थांणा री बडी ३४७
थापण (थापण) १८०, २८३ दो. २२७
२५६, २८४
थावला १३२ दो १०५, १०६

था

थाट दो. २०४, २६०, २६१, ३३६,
३५६
थाटि दो. ६२
थाठो दो. १०५
थाढीयो ३८०
थानकी री वास दो. ३२
थारावासणी ४०४, ४०६, ४१२
थावर ५५७
थाहरवासणी ३७४, ३७५, ४१८, ४५०
दो. ६२

थी

थीरोदा दो. ४१
थीरोदाथीरो दो. ४०

थु

थुवली ३०४

थो

थोभ ३७६ दो. २३०, २७६
थोभ-कान्हा री वाडी दो. २२८
थोभ-कांना री वास दो. २६२
थोभ-केलणकोट दो. २६६
थोभ-ची. जैतावस री दो. २२२
थोभ-चीहाणां री वास दो. २२८, २८४

थोम-तिसीगड़ी दो. २२२
 थोम-तिसीगड़ी वाल्ही रौ दो २६७
 थोम रो तिसीगड़ी वडो वास दो. २५७
 थोम-बडोवास दो. २२२, २२५, २३६
 थोम-वरसिंघ री वास दो. २२२, २२७,
 २५८
 थोम-वाल्ही रो वास दो. २८६

द

दताला दो. २६५
 दडीयो दो १२
 दताला दो २२६
 दताली दो. २२६
 दत्तणी दो १६०
 दत्तल ३७६
 दमोई खुग्द दो. १८१
 दमोई वडी दो १८१, १८२
 दयालपुरो ५३८ दो. १०२
 दरगाह दो. ६७, ६८, ६९, ७३, ७६, ९३,
 २१९, ३५६
 दसोर १६५ दो. ३४
 दसोर वडो वास २०५
 दहणोक (देहणोक) दो. १०, १४, ३३
 दहावडी ३८२
 दहीपुडो २०१, ३७६ दो. २२१, २२५,
 २४२, २७८, २८१, २८२
 दहीपुडो चीहाणा री २२६
 दहीपुडो जोर री २२६
 दहोपुडो वाघा री वास ३७६
 दहीवडी दो. २३७
 दहीयां दो. २४६
 दहीया री वाडी २६२
 दहीयाकोहर ३८१ दो. ६, ११, १३, ३२

दां

दातणीयो ३२७

दातल दो. ३१६, ३४६
 दातालो दो २२३, २२७, २५४, २८३
 दांता सुई दो ३१६
 दातीणौ ३८२
 दातीवाडो ६०, २१७, २१८, २५३

दा

दागड़ी दो. ६६
 दागड़ो दो. ६६, १००
 दागुलो ७४, ५०८, ५५०
 दाधी दो २७०
 दाहमी ३५२, ३८२
 दाती २८३
 दातीलो दो. ३२१
 दाती २०२
 दाधी गजगाई ४६८
 दाधीयो ४०३, ४११, ४३६, ४४०
 दावडीयांणी दो ६२, १५६, १६२, १७३
 दावडीयाणी खुग्द दो. ११०, १६३
 दावडीयो दो १०३
 दावडीयां चौरासी री दो. १०२
 दामा वाघल री वासणी ४०४,
 ४१३, ४४७
 दासावास २६६ दो. २०३
 दासाणीयो दो. ३२२
 दासालीयो ३१५
 दासोड़ी दो ३४

दि

दिल्ली (दिली) २, ३. १३४, १५०
 दो. ७४
 दिङ्गरीयो २२६

दी

दीगावडीं दो. १२

दीपावास ५४५-

डु

दुगर अचला दो १५७

दुगरा ३०८

दुगरावास ३०९

दुगसता दो. ४०

दुगोर अबल दो १००

दुगोर-छीकरावास दो. ९९

दुगोरदास दो ९९

दुधली २७०

दुगालो ४०३, ४१०, ४३२

दुदडावास दो ९९, १५७

दुदा १४९

दुदा ओलगण री वासणी २३४

दुदा रो वाढी २०२, २८८

दुदावास ५५५

दुदाविरौ ३००

दुदीयी ४०५

दुधली २०१

दुधवड ३९, ४०३, ४१०, ४२०, ४२६,
४६२, ४६५. ४७३, ४८८

दुधवडी ४०९

दुधव रा वास ४०५

दुधवो ३६१, ३६८

दुनाडो (दुनाडा) ३९ ४१, ४५, १०३,
१३७, १३८, १४६, १५४, १६४,
१६८, १६९, १९०, १९१, १९३,
१९४, २०२, २०४, २८७, ३२८
दो २१८

दुपली ३६०

दुपावास २६८

दुभरी २८२

दुरगादास थली दो. १५४

दुरगावास ४०६, ४२३, ४६१
दो ३१

दुरगावासणी ३४०

दुरजणसल री वास ३१३

दुसताऊ दो ४०

दुहडोया वासणी ३७५

डू

डूणपुर ३९

डूधीयो (डूधीवयो) ९२, २०३, २८१,
२८९, ३७५, ३७७, ४०५, ४०९,

४१३, ४५९ दो. ३१८, ३१९,

३२०, ३३८, ३५६ दो. ३४३

डूदासर ५९

दे

देऊ ३८१

देग १४० १४१

देगावडी दो. २७, ३३

देगांणो (देखो डेघाणो) दो. १८६

देछु १३७, १६४, १६५, १६९, १९०,
१९३, १९४, २०४, ३१८, ३७९,
३८० दो ३२

देणो २६२

देदा भायल री वास दो. २२४

देघडो दो ३१९, ३४३

देपालपुर १२९, १३०, १३१, १३२,
१३४

देपालसर दो. ३१६, ३२७

देपासर ३३२, ३८१

देभला दो. २२२, २२८, २६४, २८५

देभावतां री वास ३०५

देभावस ३७७, ३७८

देराणीयो ३१५

देरांवर दो. ९, ३२०

देवडा री वास २३४

देवढो २४०, २२२, २२४, २३२, २८३

देवतसर दो. ६६

देवराजां वाली थल २०

देवराणीयो दो. ३३

देवलमाघा दो १७२

देवला दो २८१

देवलाई दो. ३४६

देवली ४२३, ४२७, ५०७, ५४५,

५५०, ५५६

देवली अखा री ४०३

देवली आवा री ४१०, ४३२

देवली पिराग री ५०१, ५१३

देवली पीरां ७४

देवली मांडा दो. १७२

देवली हुलां री ७३, ४०४, ४११,

५०५, ५३३

देवलीया (देवलीयो) ११०, २०७,

२७३, ४७५ दो. ६०

देवलीया री नाडी दो. ३५५

देवलीयाली ४७४ दो २२२, २२५,

२३८, २८२

देवलीयावास ४०५, ४२०

देसाल दो. ३२०

देसवाल दो. ६६

देवाणंदी २०२

देवातड़ो २१६

देवातु ३०७

देवाघ दो. २२२, २२७, २५४, २८३,

३३७

देवाय ५०७

देवावास दो. १६२

देवा वासणी ३३४

देवासण दो. २२३, २२८, २६२,

२८४, २८५

देवासणदी २७३

देवीखेड़ा रा वास २३५

देवीखेड़ो २३०

देवीभर १३८, १४३, २०५

दो. २६६

देसुं दो. ३२१

देहणोक ३८०

देहरा दो. ३००, ३०२, ३०३,

३३६, ३४०

देहु ३३२

देहूरीयो (देहूरीया) ७५, ३००, ४६६,

५६१, ५०७, ५१३, ५१५, ५४३,

५५५ दो १०२

देहूरीयो जात्रा री दो. १२६

देहूरीयो प्रोहतां री ३७४, ५५६

देहूरीयो रजपूतां री ५५५ दो. १२८

देहूरी १४४ दो. ३०४

दो

दोतड़ीयो २६३, ३७०

दोलू ४५

दोसीडी दो २७

दोहालाई दो. १७३

दौलतावाद १०३, १५०

द्वालां दो. २७६

द्वारकाजी ५, ६, ८,

घं

घंघुको १५२

घंगड़वास ४१४

घंणरी २८५

घंणलो (घणलै) २६, २७, ३५, ३८६,

३८७, ४०३, ४१०, ४३३

घंणां दो. ११२

घ

घणांणो दो. २४६

घघवाडो दो. ६६
 घनवो १४०, ३६१, ३६८
 घनाज ४०६, ४२२
 घनाज री खेड़ी ४७५
 घनापी दो. ६१
 घनावासणी गुढा री १६५
 घनेड़ी ४११ दो. १३८
 घनेरीयो नील दो. १२२, १३२, १३८,
 घनेरीयो सुक्र दो १२३
 घनेहड़ ४०३
 घनेहड़ी ४४०
 घमणीयो दो. १०५
 घरणी ४७८
 घरघाट १
 घरमद्वारी २६८
 घरमलणो ३७१
 घरमातपुरी १७६
 घरमावासणी ३४१, ४६०
 घरमावासणी-अनत री वासणी ४८०
 घरीया ४६६
 घवलसर दो. ११, १६
 घवलहरो ४०४, ४१२
 घबलेरा दो. ३५
 घवां-देवड़ां री २३५
 घवां रा वास २३५
 घवां २२६
 घवारी दो. २७८
 घबलेरीयो २८५

घां

घाण २०२
 घाघलवास दो. ६२
 घाघलवास ऊदा दो. १७४
 घांघलवास जालप दो. १७४

घाघलां दो. ३३१
 घाघुकी १४८
 घानीयो दो. १४७
 घांमणीयो दो. ६२, १७०, १७१, २०६
 घामपुरी ५०७
 घामल ३७६
 घामली ६०, २६०, २६१

घा

घाफडी ४३१
 घाकडो ४१०
 घाकली ४०३
 घाखा ३७०
 घागडवास ४०५, ४५२
 घागड़ावास ८२
 घाणाणो दो २८३
 घाणारी खुरद ३४४
 घाय री बावड़ी १५७
 घायल दो. ३२०
 घायसर १४० दो. ३२०, ३२१
 घारणवाय ४६
 घारावासणी दो. २२१
 घारीयावासणी दो. २२६, २६२, २८५
 घावो २०१

घीं

घीगांणो २०२, २२२ दो. २८१
 घीगावास ४६

घी

घीरा दो. २२२, २२७, २२८, २५६,
 २६०, २६१, २६४, २८०
 घीरावास दो. २८४

धु

धुंधकी १४६
 धुड़हाया वासणी ४०८
 धुलपुरीयी ५४५
 धुवलीयो दो. ११४
 धुहडसर दो ३१६, ३१७, ३३१, ३५६
 धुहडीया वासणी ४१६, ४७६, ४८०,
 ४६० दो ३६
 धूलकोट ५०४, ५३१

धे

धेनावास ३६३, ३६५, ४०३, ४२८

धो

धोकेलाव खुरद दो. २०५
 धोरू २४६
 धोलीयो दो. १६८
 धोलेलाव बड़ी दो. १६६

धौ

धौनपुर १३२
 धौलपुरीयी ५०६
 धाखा ३५५

नं

नंदवाण ५४, २२४
 नमी १०३

न

नगा री वाम ३६५
 नटाणो दो. ३२०
 नथावडी दो. १७२

नथावडो दो ६१
 नथावेडी दो १६६
 ननेऊ ११६
 नवेरी दो ११, २५
 नरवदे री वास ३०५
 नरभुवास ३३८
 नरमो-हरसोर री दो १०४
 नरसिधवासणी ४०७, ४१७, ४८१,
 ४६० दो. १०६, १५०, २११

नराईणगांव १७६
 नराणो ४४
 नरारी जाल ८५
 नरात्रस २२२
 नलीयाद १४६
 नवाई दो २२६
 नवेनगरीयो २१७
 नवोनगर दो. ६३
 नवोपुगी १४६
 नवसर ६६, ७६, ३२५, ३६२, ३६६,
 ३६८, ३७७, ३८० दो. ३४४

नवसर-गोगावास ३२५
 नवसर-जाटावास ३२५
 नवसर-जमलवास ३२५
 नवसर-तुवगवास ३२५
 नवसर-भीवावास ३२५
 नवसर-मालुणां ३२५
 नवसर-बीसलवास ३२५
 नवसर-सारगवास ३२५
 नवसर-मुरावास ३२५
 नवसर-सममल ३२५
 नवसर-सोभा री ३२५
 नवसरो २०२, २७६
 नहरवो २१२
 नहवर दो. ३२०
 नहवाई दो. २२५

नहवाहि दो. २२२
 नहारणी दो ५४
 नहुदड़ो दो. १००
 नहेड़वी ५४
 नहेरवो २८४
 नहेरवो बड़ी २८५

नां

नांदण २४७, ५३३
 नादणहार्ई दो. २, ३४०
 नादणहार्ई री वास दो. ३५४
 नादणी गिररी री ५०५
 नादीयो ३४८
 नादीयो बडो २१६
 नांदीयो भाहर री ३४८
 नाबरो ४७१
 नावद १२६

ना

नाखरो ४०६, ४१५
 नाई ऊदारी ५३६, ५३७, ५५७
 नाईली दो. २२८, २६२, २८५
 नाई सूजा री ५३६, ५५७
 नाकोडो ३६३, ३७०
 नागड़ी ३३६
 नागलवाय ३४६
 नागलाव दो. ७०
 नागणा री वास ३०२, ३०५
 नागाणी १५, २६६
 नागोर २४, २५, २६, २६, ४०, ४१,
 ४३, ४५, ४६, ४७, ५२, ५३, ५४,
 ५५, ६६, ८७, ८६, १०२, ११०,
 १२६, १३०, १३१, १३२, १३४,
 १५५, ३३२, ३८१, ३८४, ३८७,

दो ३७, ३६, ४०, ४१, ४६, ६७,
 ६८, १४६, १५०, १६१, १६५,
 १६६, ३२०

नाडीयां ८६
 नाहुल ४५, ४६, ५०, ७२
 नाडोल ४८
 नाडोलाई ४४
 नाथड़ाउ ३१२, ३८० दो ३३
 नाथ री वास १४०
 नाथल कुडी (नाथलकुंडी) ८२, ६२,
 ४०७, ४१७, ४२० ४७४, ४८३
 ४६१,
 नाथु री वासणी दो. २०७
 नाथु री पानी ३२२
 नादणी ७४
 नादीया ३४८
 नादीया बडो ३४५
 नादीवडो १६५
 नापावास ४०८, ४१७, ४८७, ४६१,
 नावरा ४७६
 नारनडी २०१
 नारनोल १३४, १४७
 नारायणी १०३
 नालवी ४१
 नालावास ३३६, ३३८, ३४०
 नाहुडसर ४, ३५२
 नाहटो ४१६, ४६८
 नाहनडो खुरद २०८
 नाहरनडी २२४
 नाहरसो २१२
 नाहरसुवा ३३७, ३३८
 नाहरसुवा री वास ३४०
 नाहाडो ४०७
 नाहाडसर ४०

नीं

नीवलांणो दो. २८०
 नीवाडी काला १५६
 नीवाज (नीवाज) ५०१, ५०६, ५०६,
 ५४०
 नीवा री वास ३०५

नी

नीनाउ दो. १३
 नीनेउ दो ११, २३
 नीवडी (नीवडी) ४१५, ४६५ दो. ६१
 ६६, १०४
 नीवडी कला दो १०५ १०८
 नीवडी कोठारीया री दो. १६०
 नीवडी ४०६
 नीवली (नीवली) ८६, ८७, १६८, २७०
 ३७७
 नीवली ऊहडागी ४११, ४३६
 नीवली मढा री ४०३, ४२६
 नीवली माढा ४१०, ४६१
 नीवली री वास २०१
 नीवलीया ८६
 नीवले ५०६
 नीवलो (नीवलो) ७६, २२४, २६६,
 २७८, ५११, ५५५, ५५६ दो. ३,
 नीवलो ऊहडां ४०४
 नीवहड ५५१
 नीवहडी ५०६
 नीवहलो गगादास री दो. १०६, १६३
 नीवहेडो गीररी री ५०४, ५२८
 नीवला री तलाव ३८०
 नीवाहरी ५३८
 नीवाहेडी ४०५, ५१४
 नीवीयाहेडी २६४

नीवीया हेडो १६८, ४१६, ४७३
 नीवोडो ७४
 नीवोल (नीवोल) ७४, ११३, ३७३,
 ५०२, ५४६ दो १०२
 नीवोली ५५१
 नीवोहलो खुरद दो १६०
 नीवोहलो बडो दो १५३
 नीलकठ २०२, २७४
 नीलवो खारी दो. २६२
 नीलावो ७५, ५०४, ५२७, ५४०
 नीलावास ३६५
 नीलीया दो ४१, ६१ १२१
 नीवाई ११५

नु

नुडुल १०३

नुं

नु हन खुरद दो. १६४
 नु हन तीजो दो. १६६
 नुहन बडी-१६६

नें

नेखेडा दो. १०
 नेडणा रा वास १४१
 नेडाणो १४० दो. ३२१
 नेढली १६८, २६६, ३७८ दो. २७८
 नेणावास दो १६२
 नेतडा ३६, ३४७
 नेतडी दो. २०१
 नेतडो ७६
 नेता री तलाई १४१
 नेता री वासणी दो. १००, १११, १६५
 नेवरी १६८, २६७

नेसडो २८६
 नेहड़ री सरेह दो. ३५७
 नेहवाई (नैहवाई) दो. २४८, २६६,
 २८२
 नेहडी नडी री सरेह दो. ३१८
 नैणी पुरीयो दो. १०६
 नैणपुरी दो. २०७
 नैहडी री सरेह दो. ३३८
 नैहवर १२३
 नोखडो आहू री दो. २१
 नोखडो जेसलारौ दो ११, १६, ३३
 नोखडो भोजासर-रौ दो ११
 नोग्वा ८५, १२०, १२१, १३०
 नोजावत २००
 नोसर दो ३३, १००
 नोहदडो दो. ६६
 नोहन दो. ६६,
 पचनडा ४२०, ४७३
 पचनडो ३६५
 पचनडो टाक ४०४
 पचनडो दुनारौ ४१२
 पचनडो लाला ४०४
 पचायणपुरो (पचाईणपुरो) ५०५, ५३५,
 ५५६
 पचायणसर ३३१
 पचीयाक दो ३५
 पचेटीयो ४१७, ४८३
 पवारा री गढी ११६

प

पगथारी २७८
 पगघारी २०२
 पडबालो दो १६०
 पडीयाल दो. ११, २६

पचपदरो (पचपदरा, पाचपदरो) २०२
 दो. ३६, २२१, २२६, २४७, २४८,
 २७५, २७६, २८२, ३१७, ३२१,
 ३२८, ३५७
 पचरंडो दो. १०४
 पचीपली दो. १०२
 पचीपलो दो. ६२
 पचीयाक २५७
 पचुना ११५
 पटलाद १४६, १४८, १५१
 पटाऊ दो २२७, २६६, २७०, २७६
 पटाऊ खुरद दो २२३
 पटाऊ-देवडां रो वास दो. २५८
 पटाउ बड़ी दो. २२३
 पटाऊ-बड़ी वास दो. २५८
 पटाऊ रा वास दो २३१, २८४
 पटाऊ रो वास तीजो दो. २८७
 पटाऊ रो वास मनणा रौ दो. २७१
 पटावा देवली ५४८
 पटेलां री वासणी २३५, २६६
 पटधी रो वास दो. २८७
 पड्डुणा री वासणी दो. ११७
 पतासर १६८, २६७
 पथराणो ३६४, ३६६
 पदमावती खुरद दो २०२
 पदमावती बड़ी दो १६६
 पद्राडो दो ३१६
 पद्रोडो ३७६ दो ३२६
 पपिलीयो ७५
 परडोद ११०, १२६
 परवत रा खेत दो. १०८
 परबतवास दो. २०८
 परवतसर दो १०३, १०४
 परवतसर रा खेत दो. १६५
 पलालीयो ३६५

पलासलो ८२, ४१६, ४७३, ४६२
 पलासलो आसा री ४६०
 पलासलो खुरद ३७६, ४०४, ४१३, ४६१
 पलासलो चासरे ४०७
 पलासलो बडी ३७५, ४०४, ४१३, ४४८
 पलासलो वांमणा री ३७४
 पलासलो वासा री ४१६, ४८१
 पलासलो रामा री ३७४, ४०८, ४१८,
 ४८६

पली ३८०

पलीगी दो. ११, १७

पलीयावास ५५५

पलीवाल दो. २२५

पलीवाल-गागा री दो ३३०

पलीवाल-झंगरे रो वास दो ३३०

पल्ही दो. ११

पां

पाचडोली छांछा दो. १४०

पांचडोली भाना दो. १३६

पांचडोली रा वास दो. १०६

पांचनडो टाक री ४१३, ४५६

पांचनडो लाला री ४५६

पांचनडो हुलां री ४०४, ४४७

पांचरूडो दो. १६४

पांचलो ३४४

पांचलो खुरद ३२६

पांचलो सीघा री ३३८

पांचवो ४०५, ४१२, ४८०, ४६१

पांचवो खुरद ४५०

पांचवो बडो ४०७, ४१६

पाचा अवदार री वासणी २०७

पांचीयावस दो. ६२

पांचोहियो ४०८, ४६१

पाचोडी ३२५, ३८१

पांचोडी-रायसल री ३२५

पांचोडी-वैरा री वास ३२५

पांचोडी-सिवराज री ३२५

पाचोडोली दो १३६

पांचोटी १२६

पांडो री दो ४०

पाणाऊ ३६६

पासु (पासु) दो. २२८, २६३, २८०,

२८५

पासु सुनो दो. २२२

पा

पाईतखतगढ १०५

पाटण ३, ६, ७, ८, ९, ७०, ११२

पाटमोगढ ४०६, ४२३, ४७६

पाटलीयो ४०६

पाटवो ७४, १४६, ३७३, ५०१, ५१५,

५५६

पाटाऊ दो. २२८

पाटेलीयो ४०४

पाटोघी ३७६ दो २२२, २२७, २५०,

२६८, २७३, २७४, २७६, २८३

पाटोघी रो वास दो. २३१, २८५

पाटोघी रो वास सीघीपा री दो २७२

पाडलाऊ दो. २२३, २२६, २८२

पाडली ४०७

पाडसाऊ दो. २४३

पाडुवडी दो. ६२

पाडुपी दो. २८८

पातां री वाडी २०३, २६०

पातावास २७३

पातावास हुनावासणी २७२

पातीवास २८०

पातुवास ७४, २८३, ४०५, ४७३, ५०३,
५२२

पातुवाम जीड मै ४२०

पादडी बडी दो २२३

पादरडी खुरद दो. २२२, २२८, २६१.
२८४

पादरडी बडी दो. २२७, २५४, २८३

पादरडो दो ३२२

पादरलां २७३

पादरू दो २२७, २२९, २६३, २८३

पादरू खेडो दो २२९

पादरूजु दो. २४९

पाद्र दो. २६८, २८०

पाद्रडो दो ३३७

पाद्रोडो दो ३४७

पाडु दो. २२२

पाडुबडी दो. ४१

पानडो लाला री ४१३

पारकर १

पाल २०८

पालडी १०३, ३५१, ३७२, ४६८ दो.
१४, ६१,

पालडी खुरद २११

पालडी तीजी २१०

पालडी बडी २१०, दो. १६८

पालडी महेस दो १८०

पालडी राजा दो. १७९

पालडी री खेडो ४१६

पालडी बजी री वासणी २११

पालडीसिध दो. १०१, १४३

पालडी सीधले दो. ६१

पालडीयां २९५

पालडीयावास दो. १६९

पालणपुर राघ ३९५

पालयावास ५३० दो. १०२

पालाडीयो १९८

पालावासणी ९०, १३७, १९९, २१८

पाली ९, १०, ११, ३५, ७९, १४५,
१५४, १६४, १६८ १६९, १८९.

१९०, १९१, १९२, १९३, १९५,

१९८, २००, २०१, २०४, २६२

दो ३३

पालीताणे १४

पालीवाल दो. २२६

पालीयावास रासे री ५०४

पालीहवासेणी १३६

पासा कोलर २८३

पाही दो ११

पिरथीपुरी दो. ११९

पीं

पीपली २८८

पीपलोदो ५५४

पीडता री वास ३३६

पीपाड ४५, ९१, १३७, १४५, १५४,

१६४, १६८, १६९, १८९, १९०,

१९१, १९२, १९४, १९२, १९९,

२०३, २४४, २५४, ४७५, दो. ४३,

४८

पी

पीचाक २००

पीछौली ३६

पीडढढ कलाणो रो दो. २२७

पीडाढढ दो. २५९, २८४

पीथलपुरी ४०६, ४२३, ४७५

पीथलवास १९६

पीथावास २२१ दो. ६२, ११४, १४१

पीपलण ६३ दो. ५८, २२३, २२७,

२८३, २९५

पीपलली २०३
 पीपला दो. ३५
 पीपलाउ ४११
 पीपलाज ४०३
 पीपलाणो दो. २५१
 पीपलीयो ५५६ दो. १०६, २०६
 पीपलीयो काडीया ३७३
 पीपलीयो कापडिया री ५१६
 पीपलीयो कावडीयां री ५०१
 पीप्रलीयो वीठा री ५०३
 पीलवण ४७
 पीलवो (पीलवा) ३१४, ३८१ दो. ३२,
 २६६

पीलायथा ८४
 पीसांगण ६३, ६४, १०१ दो. १०५,
 १०६

पुं

पुंगल (गढ) १, ३१, ३८, ३८३
 पुगलीयो (पूंगलीयो) ३१३, ३८०
 दो. ३२१, ३२२
 पुंदलीवास २०४

पु

पुडीयाल दो. ६
 पुचीपलो दो. १७७
 पुनडाऊ ३६६
 पुनलतो दो. ३५
 पुनलां री वासणी २६८
 पुनलो दो. १३१
 पुनलोतो दो. १८८
 पुनाईता २६७
 पुनाकर ४६०
 पुनाखर २६८, ४४८, ४६१

पुनावटी दो. ६८
 पुनावडी ३६५
 पुनासर (पुनेसर) ३२७, ४८२, ५३६,
 ५५७
 पुनासर-अरडकमल री ३२७
 पुनासर-गोपाल री ३२७
 पुनासर-पाहुवां री ३२७
 पुनासर-भाटीयां तुघा री ३२७
 पुनासर-सांखलां री ३२७
 पुनीयावास दो. १४६, १५५, १६१,
 १७१
 पूना १४६, १५०

पे

पेडि ३६०
 पेसावस २२२
 पेणाऊ ३५६

पो

पोऊ जसोल रा ३६६
 पोकर ४५
 पोकरजी १३२
 पोकरण (पोहकरण) ४१, ४४, ४५,
 ६३, ६७, ७०, ७७, ८६, ६४,
 १२७, १३१, १३३, १३७, १३८,
 १३९, १४१, १४२, १४३, १४४,
 १४६, १६४, ३७६ दो. २, ३, ४,
 ५, ७, ६, ३०, ३६, २८६,
 २९०, २९१, २९२, २९३, २९४,
 २९५, २९६, २९७, २९८,
 ३००, ३०२, ३०५, ३०६, ३०८,
 ३१०, ३११, ३१२, ३१५, ३१६,
 ३२०, ३२१, ३२२, ३२४, ३२५,
 ३२७, ३२८, ३२९, ३३१, ३३२,

३३३, ३३४, ३३५, ३३६, ३३७,
३३८, ३३९, ३४०, ३४१, ३४२,
३४३, ३४४, ३४५, ३४६, ३४७,
३४८, ३४९, ३५०, ३५१, ३५२,
३५३, ३५४, ३५५, ३५६

पोटलीयी ४१२, ४५६, ४७९

पोपावास २९८, ३०८

पोलावास ४६५ दो. १५८, १६२

पोसाणी १०३

प्र

प्रथीपुरी ५०३, ५५६

प्रिथीपुरी ३७३, ५२३

प्रबतसर दो. १००, १०२

फ

फतैपुर ७६, १३५

फरासतपुरी दो. ११४, १७३

फलदु दो. ७३

फलसूड १०३, ३७९ दो. २७९, ३२०,
३२१, ३२२, ३४२

फलोधी १८, ३३, ४१, ४४, ४५, ६३,

६४, ६६, ८०, ८३, ८४, ८५, ८८,

९२, ९३, ९४, ९५, १०६, १०८,

११८, ११९, १२०, १२१, १२४,

१२५, १२७, १३१, १३३, १३९,

१४२, १४३, १४४, १४६, १५१,

१५४, १६१, १६४, १६९, ३८०

दो. १, २, ३, ४, ५, ६, ७, ८,

९, १०, १२, १३, १४, १६, १७,

१९, २०, २१, २२, २४, २५, २६,

२८, २९, ३०, ३१, ३२, ३३, ३६,

७५, १४२, १४९, १५९, १६१,

२९२, २९६, ३००, ३२०, ३२१,

३५०, ३५४

फलोधी पारसनाथ दो. ३९

फा

फारोलीयी ४०३

फालकी दो. १२२

फालको ३७२ दो. ६१, १०१

फालको आकोधीया री दो. १२७, १३१

फालको पीपाङ्ग री दो. १२७

फालको बड़ी दो. १२४

फासाणीयो ३८०

फी

फीच १९५, २२३

फीटका वासणी १९५. २२२

फु

फुलगा दो. २२२, २२७, २५३

फुलाज ४७०

फुलाद ४०७

फेकारीयो २७६

बं

बधवो दो. ३२०

बबसेण दो. २२५

बंवाल (बवाल) १५३, १५६ दो १०५,
१०६

बसवाल ६०

बहगठी दो. ३२१

ब

बकरालादी ५५५

बगडी ३८, ११२, २५१, ४०३, ४०६,

४०६, ४१०, ४२२, ४३०, ४३१,
 ४५६, ४६१, ४६६, ४६७, ४७४,
 ४७५, ४८८
 बधीयाहेड़ी खुरद ५३६
 बधेवो दो ३१६
 बडगूजर ११०
 बडनगर ६३, ६४, १४६, १४८, १५२
 बडनावो ३७६ दो. २७८, २७९, २६५
 बड़ री वासणी ४०४ ४१३
 बड़ली २३६ दो. ३२७, ३५७
 बडली झंगरा री दो. ३२७
 बडली पीथला री दो ३२७
 बडली माडा री दो. ३२७, ३२८
 बडलू २४७, २५५
 बडली ३२६
 बडली-सांडु गेंहलोता नु ३२६
 बडहडी ५५५
 बड़ा नीवला ५०६
 बर्डी ४४१
 बडीयाली ४१७
 बडीयालो ४६१
 बडोवास २२६, २३१
 बडोवास माला री ३०७
 बडोवास माळीया री २२७
 बडोवास वसीयावाली ४३७
 बचीहाय १३६
 बछवाय दो. ११३
 बछवारी दो ६६, १००
 बडगाव दो. १३२
 बडरी वासणी २२७
 बडाली दो ७४
 बडानो दो १२३
 बणाली २६५
 बणालीयो २४२
 बणाड ३८

बतो ३७६
 बनसी ५५५
 बनाडवास २०७
 बनेवडो दो. २२६, २६४, २८५
 बरझाणो दो ३१८
 बरजागसर दो. २४
 बरणावोथली दो. १६१
 बरणाऊ दो ६
 बरणायो दो ६६
 बरणोल दो १०३
 बरणो ६२, ३७४, ४१० दो. ६१
 बरनोल-बाहल री दो १०२
 बरबडा री वासणी २४०
 बरबटो ३४८
 बरवां दो. २८१
 बराड ११०
 बरांटीयो ५४२
 बरांटीयो खुरद ५२६, ५४२, ५५७
 बराटीयो बडो ५२६
 बरि (बर) ५०४, ५०६, ५२७, ५४१,
 ५४२
 बरीयां ७६
 बरीयो ३६०
 बलडी खुरद ५०६
 बलदमारा री वासणी ३४८
 बलाड ५४६
 बलायडो दो १०२
 बलाहडी (बलाहडा) ७४, ३७३ ५०२,
 ५०६, ५१६, ५५५, ५५६
 बलुपुरो ५०३, ५२५, दो १०२, १८४
 बलूंदो (बलुंदो, बलुदा) १०२, ११३,
 १६६, २५६, ३७२, ३७४, ५५६,
 दो १०१
 बलु दो बाहली १६४
 बवललें दो. १८८

बवली ४२ दो. ५५
 बवलै दो. १७१
 बवलो दो १०६
 बसतवा ३०६
 बसराल-बडीथबस दो. १४
 बसराल-लेहूवी रौ वास दो. १४
 बसीयो ७४
 बहगटी सोवरज दो. ६
 बहगटी हरमम ८७
 बहड़ो दो. ३१६
 बही कामड़ी री ३३५
 बहुगुणां री वासणी ३७३
 बहेड ३७३, ५१५, ५५५
 बहेड़ो ५०२
 बहेलवा (बहलवो) १६६, १८६, १६०,
 १६३, १६४, १६६, २०४, ३०५,
 ३०६
 बहेलाव (ईंदा री चौरासी) २३

बां

बांकली दो. २८१
 बाकीवाहो ३७६ दो. २७८
 बांघणी ५०४
 बाघाणी ५३२
 बाभाकुड़ी ३७४, ५०२, ५११, ५२१,
 ५५५, ५५६ दो. ५०, १०२
 बांणीया दो. ३२८
 बाणीयां बांमण दो. ३५७
 बाणीयामालो ४७०
 बांणीयावास १६७, २२०, ३०६
 बाणीयावास खारोला री ४७४
 बादु रो वाड़ो दो. २३१, २६४, २७७,
 २८५, २८७
 बांघडो २१५

बांनेवड़ो दो. २२२
 बांमण दो ३३
 बांमणवाली ३३२
 बांमणवास ३२०, दो. १०८, १५२
 बांमणायो दो. १००
 बांमणीयो दो ६६, १००
 बांमणू दो ३१७, ३१६, ३२१, ३३४,
 ३४६ ३५६
 बामणू - बड़ोवास दो. ३३४
 बामणू- बामणा मनाणां री दो ३३४
 बामसेण दो. २२१, २२८, २३५, २६२,
 २८१, २८२
 बावल ४३
 बांसीयो ५०१, ५१४
 बांहगडी दो. १२

बा

बाईड दो. १३५
 बाकरा लालपुर ५३३
 बाकरी ३१३
 बाकीवाहो खुरद ३०३
 बागाकुडा ७५
 बागावास दो. २२३, २२८, २६२, २८५
 बाघबसीयो ३७४
 बाघल दो २४३
 बाघलप दो. २२३, २७७
 बाघलवस दो. २२६
 बाघावास २६०, २६५, २६६, ३७६,
 ४०६, ४११, ४३८, ४६२ दो, २७६
 बाघीयाहेड़ो ५१५
 बाघीयाहेड़ो खुरद ५०६
 बाघु ४६
 बाघेवी दो. ३४२
 बाघोर २८

बाघोरीया १६६
 बाडल दो. ६६
 बाजोली चारणां री दो १८४
 बाजोली जाटां दो. १७८
 बाटारू ३६६
 बाडवा दो. ३४७
 बाडाली १६२
 बाणासर दो. १०
 बाती बाडीयो ४०३
 बादलीयांणो दो. २५१
 बादलु दो २२४
 बापड़तरो दो. २८०
 बाप (बाप) १२०, १२१, १२३ दो. ६
 ११, १२, २३, २७, ३३
 बापी ३८७
 बापुनी ६०, २६१, ३७६, ३७७
 बावरा (बावरो) ५०२, ५०६, ५१६,
 ५३३, ५४५
 बावरी ५५५
 बाभरवासणी ४६८
 बाय दो. २३३, ३२०
 बाये दो. २२२, २२४
 बारणाउ दो. १५
 बारणी खुरद ३५१
 बारणी बड़ी ३५१
 बारर ५३४
 बारियो ५५६
 बालपुरी ५५५
 बालवस ५२१
 बालरवो (बालरवा, बालरव) १३८
 १४२, १६६, २१३
 बालसर दो १२
 बालसमन्द ३४, १३६
 बाला ३०४

बालाकुवो २१४
 बालाबारी १४६
 बालासर दो २८.
 बालाहेडा ५४६, ५४६
 बालुवास २६८, ५०७
 बालोतरा ३६५ दो. २२१, २२६, २४७,
 २७०, २७६, २८२
 बाली ३७८
 बाली घुलेट री ५१०
 बाली भाखरां री ५११
 बालहरवा केलंग कोट (कौटेचां री चौरासी)
 २३
 बावड़ी २०२, २८१, ३४१, ८७८, दो.
 २, ६, १२, २६
 बावडी- कचरा री वासणी ३४२
 बावडी- कछवाहा री वासणी ३४२
 बावडी- जगनाथ री वासणी ३४२
 बावडी- जैता री वासणी ३४२
 बावडी- थाहारू आसावत री दो. २६
 बावडी- वना आसावत री दो. २६
 बावडी- रा वास दो. ३२
 बावडी- रैवारियो रो वास ३४२
 बावडी सुमेल री ५५५
 बावडी - हेली ३४२
 बावलली ५४, १६८, २६७, ३०८
 बावललो दो ६४. १७२,
 १७५
 बावलवी २१८
 बावली (बांवली) दो. ५४ ५६
 बावलु दो २२३, २२६, २३३, २६४
 बाविद २०२
 बावीमेण ३५३, ३७०
 बाम चौथी २३८
 बास पांचमो २३८

बासडो १०३
बासणी ६२
बाहडसो (बाहडसा) ८१, ३७५, ४०३,
४३८, ४६४, ४७७
बाहडमेर १ १५, १६ ४१, ४५, ६३.
२१५ ३२०, ३५६, ३५७, ३५८,
३६५ ३६३, ३६४, ३६६ दो १, २
बाहरी ५५७
बाहल १५६
बाहलगाव १५३
बाहला दो २३६
बाहली ४०५, ४१३, ४६४
बाहली खुरद ७४
बाहलीयाणो दो. २२२, २२७ २८३
बाहाला ६१
बाहालो (बाहलो) ६१, १६८, १६६
१६०, १६१, २००, २०४, २५६.
३७४, ४४६, ४६५, ५५२ दो ३५
बाहालो खीवल रौ ५३२
बाहालौ वलुंदौ १४५, १५४
बाहालो सुरायत रौ ४५७

बि

बिरहानपुर ६५
बिराई १४३

बी

बीजवाडीयो ५५६
बीजा रौ वास २५५
बीजीयावासणी ६१
बीझवाडीयो ५५६

बी

बीकमपुर दो. ६

बीकरलाई ७४, ३७३, दो १०२
बीकानेर १८, १६, ३१. ३८, ३६ ४४,
४५. ८४, १०२, ३२७, ३८१
दो. ६, ७, ८, १५, २५, २६, २७,
३३, ४०, ४१. ४५, ४७, ५६, ५८,
६०, ३२०
बीचपुडी ४०५, ४०६, ४१३, ४५३,
५०४, ५०६, ५०७, ५३२, ५४१,
५५६ दो १५८
बीजलीयावास ४८७, ४६१
बीजलीयावास सहे ४०८
बीजलीयो दो २२२, २२८, २५५
बीजलो २७६
बीजाथल दो. २०१
बीजापुर १०३, १०७, १४८, १५२,
दो. ७६
बीजायावासणी ३७५
बीजारुण दो. १८२
बीजावास ३५५
बीजोली दो. १०८
बीझा २०२
बीटरण दो. १३४
बीटवस ५२८
बीठावास दो. १७८
बीठोरो खुरद ३७, ८२, ४१३,
बीठीजो दो २८१, २८२
बीड सहर दो ७२
बीबाहलो ७५
बीबीबघ ३४५
बीरडावास १६७, २२०
बीरणी १६७
बीरलोखी ७८
बीराटीया ५३८
बीसनपुर दो. ७६
बीरावास ६२

वीरोल ५२२
 वीलणवास ४०७, ४१६
 वीलाडा ७७, ६१, १३६, १४५, १५४,
 १६४, १६८, १६९, १८६, १९०,
 १९१, १९२, १९३, १९५, २००,
 २०३, २५६ दो. ३४

वीलावास ३६३, ४३०
 वीलीयावास ४०४
 वोल्हीयो दो ३१८
 वीसलनगर १४७, १४८
 वीसलपुर २१७
 वीसांण रा वास २३५
 वीसीयावास ५०६
 वीसीयावास खुरद ५०६
 वीहड़नड़ी वडी २२४
 वीहार ५५७
 वीहू नीवा री तलाव दो. ३३

बु

बुगडी ३३२, ३८०, ३८१ दो. ४०
 बुडकीयो दो. ३२१
 बुड़ीवुड़ी ३७१
 बुचकलो १५७, २४६
 बुजावड़ २१२
 बुटीवास ५३८
 बुठीकीयो ३१२
 बुढांवाई २८०
 बुतावाटी दो ६८, ६९, १००
 बुधवास ३३८
 बुध री वामणी दो. १००, १५१
 बुधा री वास २३५
 बुधवाडा (बुधवाड़ो) ६०, ११४, २६१
 बुधवाड़ २००
 बुरछा १६६, २४८

बुरीवाडो ३५६
 बुसीयाथल ३७८
 बुसीयाथली २०२
 बुहरानपुर ६६

बू

बूंदी ३६, ५३, ६० दो. ६०
 बूटेलाव ८२, ४०६, ४०८, ४१८, ४५१,
 ४७५, ४८८, ५०४
 बूटेलाव वडो वास कान्हीयावालो ४१३
 बूटेलाव री वास ४६०

बे

बेगडीयो ३२८
 बेडीयो ३७७, ३७८
 बेणीयावास ८१
 बेदरलाई ३५५
 बेदु दो. ३३
 बेदु री वास दो. ३३
 बेघण २१६
 बेमगली ७७
 बेराई ३८०
 बेराव खुरद ३८२
 बेरावास ३८२
 बेरावाम वडी ३३७
 बेरावास मटेरारी ४६
 बेराही २१४ दो. २६७
 बेरी २७३
 बेरी तीवड़कीया री २०६
 बेरू ३८०
 बेसरोली दो १०३
 बेहडावास दो १७०
 बेहडावास खुरद दो. १७१
 बेहडी ७४

बेहुगटी दो. ३३

बेहेलवा ३०६

बै

बैरसलपुर दो. ६, ८

बैराथल खुरद ३३६

बो

बोघाणी ७४

बोड़वी खुरद २१६

बोडा री वासणी ३४०

बोडीया ४०६

बोरगढ दो. ६६

बोरडी ५०६

बोरनाडी (बोरनडी) ८५, ४०३, ४११

बोरवात ११२

बोराड़ ५३७, ५४२, ५४५

बोराड़ा री केर ५५२

बोरानाड़ी दो २७६

बोरीमादा (बोरीमादो) ४१५, ४१६,

४६६, ४७१

बोरू दो ३७२ दो. १०१, १३१

बेरूवास २१०

बोल ८२, ६२, २४५

बोलमारीयो ४३६

बो नमाला ४०३

बोललो दो. ६१

बोलो १४०

बोहड़ानडी ४८०

बोहड़ा नडी तीजौ २२५

बोहरावास (बोहोरावास) ६८, २०५,

३०६, ३५३, ३६८, दो. २८२

बोहोगटी दो. ३०

बोहोगटी—इसर रायपालोत री दो. ३०

बोहोगटी—किसना भांभणोत री

दो. ३०

बोहोगटी रा वास दो. ३२

बोहोगुण री वासणी ७४, ४६६, ५०८,

५५०, ५५६

बोहीडा नडी ७६

बौ

बौलवी २००

ब्र

ब्रह्मी २२०

ब्रह्मी सीघा वासणी ३७४

ब्रह्मपुर पाटण दो. २५३

ब्रा

ब्रामूपुरी ५४४

ब्री

ब्रीमवासणी २०६

ब्रीहानपुर (ब्रीहनपुर) १०७, १०८,

१०६, ११०, १११

ब्रह्मापुरी ४६८

भं

भवरी २०२, २७७

भंवरणी १३७, ३७७, ३७८

दो २७६, २८०

भ

भईयो दो. ६२

भईयो खुरद दो १७८

भईयो बड़ीं दो. १००, १७७

भगतां वासणी २२१

भगया दो २२३

भगवा दो. २२७
 भडौच १४६
 भटकोहरीयो ३४६
 भटनडै रा वास ४०६
 भटेरो ४६
 भरीयो ३७४
 भदाणी १३०
 भदोणो ११०
 भदोरी ३८२
 भरहड़ दो. २२३

भरहावास ४०४, ४१४
 भलडा री वाडी २६०, ३७८
 दो. २७८
 भवरड़ा री वास २३६
 भवाद ३४७
 भवाल दो. १२१
 भवाली दो. १०६
 भवि १०३

भां

भांडवलाव २०२
 भांडवली २७४
 भांडवी २७१
 भांडाव रो वास ३०५
 भांडीयावास दो. २३१, २८३
 भांडुवास २६६
 भांडु री वास ३१८
 भांडेवी १६८
 भांणीयो ३७५, ४०४, ४०६,
 ४१३, ४५८
 भांनावास दो. १३८
 भांना री वास दो. १०७
 भांना री पानी ३२२

भाना री वाडो २०३, २६१, ३७६
 दो. २७८
 भाभीतलाई ३५८
 भांभिलाई १६८
 भांवडा ४६
 भांवली चारणोरी दो. १६८

भा

भाखरवास ५०३, ५२४
 भाखर वासणी ७४, २०७, ५०७, ५४७
 भाखरी १५६, २०३, २८३ दो. ३५,
 ३५०
 भाखरी हरसोर री दो. १०४
 भागवा दो. २८०
 भागवी दो. २६०, २८४
 भागावसणी २५३
 भागेसर ६३, ३७५, ४०५, ४०६, ४११,
 ४२१, ४३६
 भाचरणो २६०
 भाचराणो २०३
 भाट री वास २३६
 भाटां ३२६
 भाटा री खुरद ३२७
 भाटी गोपालदास री वास ४०६
 भाटीया री वासणी २०६
 भाटीवास २२८
 भाटेलाई खुरद ३०१
 भाटेलाई वड़ी ३०४
 भाटेलाव ४५७
 भाटो ३५५, ३७१ दो. २७६
 भाडली दो. १६३
 भादल ३८१
 भादली ३८१
 भादवो दो. १०३
 भादावस खारलां री २०५

भादावासीयो २०५

भादु दो ४०

भादुकुवो दो २८२

भादुवसणी दो. ६२

भादुवसी दो. १५८

भादेडी ४३६

भाद्रवो दो. ३२०

भाद्रसा ५४६

भाद्राजण (भाद्रराजण) ३८, ४५, ६७,

६८, ६९, ७६, ८७, १३८, १४५,

१५४, १६४, १६८, १६९, १६०,

१६२, १६३, १६४, १६५, १६६,

२००, २ २, २०४, २७३, २८४,

३७६ दो. २१८, २४१, २६४

भाभुवासणी ३३०

भाभेलाई २६३, २७५

भायल लावी १६८

भारमल रो वास २६७

भारमलसर १२१, १२२ दो. ८

भालसरीयो ३२६

भालु ३०६

भालु जैता री वास ३१०

भालेलाव २६४

भाल्हीयौ ८२

भावी ४०, १३६, २४४ दो. ३४, ४३

भावी-लटण ११३

भावीवास १६६

भि

भिडखाली २१४

भीगोडी ५५७

भीडर २८२

भीवड़ीया ३२८

भीवरलाई ३५५, ३७०

भीव रो गुढोदो. २२६

भीव रो गोडो दो. २६३

भीवा दो. ३२६

भीवा भोजा दो. ३१७

भीवालीयौ ३७५, ३७६, ४०५, ४१२,
४४१

भीवासर दो. ११, १२, १६, १६, २८

भीवासीयो ६२

भी

भीखोला ३७६

भीचरडी ५०६

भीचराडी ५४१

भीछालो ३०१

भीडाय २३५

भीणाय ४४

भीदाकुवो दो. २३१, २८७

भीदाकुवो-कीटणोद रो वास दो. २७०

भीनमाल ११६. ११७, १३७

भीमलीयो दो. ६१

भीरडाकोट ३५६, ३६६

भीरडा री वास ३४८

भीलमाल १५

भीला वास दो. ११३, १५२

भीवरडी पहली वीरसल री वासणी २०७

भुं

भुंकी ३५४

भुं गरी ३१६

भुं डु खुरद २३३

भुं डु बडोवास २३३

भुं डु री वास ३०४

भुं डुवास २३३

भुं डेल ३८२

मुंमादडी २६६

:मु

मुका ३७१

मुगडां री वास ३१७

मुडहड दो. २८१

मुजनगर ५

मुडांणी २४६

मुणीयाणी दो. ३५१

मुणीयाणो दो. ३१६, ३२४, ३४२,

३४४, ३४५, ३४६, ३४७

मुतवो दो. १८०

मुती दो. २२३, २२५, २३८, २४१,

२८२

मुपेलाव ६१

मुमलीयो दो. १२७

मुभदडो ३७५

मुयालो दो. ६६

मुरड दो. २२६, २४०, २४४, २८२

मुरहर दो. २८१

मुरावासणी दो. १३७

मुरीयावासणी २६५, ३७५

मूहरी १४२, २२६

भे

भेसडेचरी १४०

भेसडो दो. ३२०, ३२१, ३५५

भेसडो खुरद दो. २०८

भेसडो वडो दो. २०८

भेनेणो ४१२

भे

भेह ३८०, ३८२ दो १३, ३३

भेह री तलाई १४३

भेटनडो ३७५, ४०५, ४०६, ४१०,

४२३, ४३७, ४७७

भेरीया वासणी दो ११८

भेलावस २१६

भेलु ३८१ दो. ७, ६, २५, ३३

भेलु नाथूसर ३८१

भेवली ६१, ४०३, ४१०, ४३४

भेवलीयो ८१

भेसलाणो १३२

भै

भैरुवास दो. १५१

भैसांणी ६१, ४०४, ४४६

भैसेर ३३४

भैसेर खुरद ३३४

भैमेरवास ३३५

भै

भैरुदा ३५

भैसापो ५५४

भैसावी ५५७

भो

भोऊडा ३८२

भोजक रीतलाव १४०

भोजग री वास ३२०

भोजहरो ३६३, ३६६

भोजाकोहर ३१४, ३८१ दो. ३२

भोजावाद ५६

भोजावास २८५, ३२७, ३८१, ४०४,

४१४, ४५३

भोजासर ३८० दो. ११, १८, ३३

भोपतवास दो. १२

भोपी री सरह दो ३१८, ३६६ ३५६

भोरडी ३७५, ४११
 भोरडो ४०४
 भोरूँदा १२८, १३६ दो. १०४
 भोवादि २१६
 भोवाली दो. ४०

मं

मगला दो. २२८
 मंगलो दो २२५
 मंगलीयावास दो. ६६
 मंगरीयी ३८२
 मचाल १०३
 मंडलावस ४७४
 मडापडो १०३
 मडायही ३३३
 मडाव २६
 मडोवर १, २, ३, ४, ५, २२, २३, २४,
 २५, २६, २७, ३१, ३२, ३४, ३५, ३६,
 ५६, ६४, ६८, ३८५, ३८६, ३८७,
 ३८८, ३८९ दो १, ५१, ५८
 मंडली २६५, ३४२, ३८०
 मढलीखुरद ४०४
 मंडली वडी १६८
 मढली वीका री २०२, २६४, ३७४
 मंडलो ३७६, ४१२, दो. ३२१, ३५७
 मंडलो खुरद ४४४
 मढलो वडो ४०३, ४११, ४४०
 मढो दो. ४६, ४७
 मढीयो २६५, ३१४

म

मकड़ाणो १५७
 मकल री ढांणी २६८
 मगेरीयो ३४५

मजल २०३, २८७, ३७६ दो. २७८,
 २८१
 मधावलो दो ३५०
 मडावरो दो. ६२
 मडोवरो दो. १०५
 मणोहरँ १३७
 मतोडो १६७, ३३२ दो ३३
 मथाणीयी ४०, २३६, दो. २०८
 मथुरा १७०
 मदनसोर ११०
 मदा दवे री वासणी २४३
 मदारीयी ४४
 मदासर दो. ३२०, ३२१
 मदीयांन दो. १७७
 मनाणो दो २७०
 मनावडो दो. ६६
 ममुराबाद १५२
 मराजर ४०७
 मलसा बावडी ४०३, ४१२, ४४५
 मलाणी ४२
 मलार २५०
 मलारणा १२६
 मलारणा दो. ६६
 मलारणो १२७
 मलावस ४३७
 मसजरौ भाखर रो ४१६
 मसूदा ११२
 महांगडो दो. २४८
 महडासी ४०४
 महारावस ४५४
 महलणी ५३४
 महीलावाई खुरद २८६
 महेडावाम दो १२४
 महेवारी दो २६८

महेमदावाद १४६
 महेरारवाण री वास ३०६
 महेलडा दो. २२३
 महेलड़ी दो. २२६, २६५, २८५
 महेलवो ७४, २२६
 महेलाणो ३४६, ३५०
 महेलाण ४०४, ४५४
 महेली ६६ दो. २२३, २२६, २८३
 महेव ४०४, ४०६, ४१२, ४५७, ४७५
 दो. ३५
 महेवडो ४०६, ४२१, ४७६, दो ४०,
 १६७, १७०
 महेवरीये दो २४४
 महेवा (महेवो) १५, १६, १८, २१, ५४,
 ६३, १४५, १५४, १६४, १६६,
 २०४, ३५३, ३५७, ३६२, ३६८,
 ३७४, दो २१५ २४६, २४७,
 २५३, २६३, २६६, २७६, २६१,
 ३२०, ३४४
 महेसपुरी ३३६, ३४०
 महेस री वाडी २८६
 महेसीयो ५०४, ५२६
 महंकर ६५, ६७
 महंकर री वास-रोहाडा री दो २७२
 महंकरना ३५७, दो. २८४
 महंकरना-रोहाडा री दो. २३०
 महंणीयो ३०८

मां

मानड्यानी ५०५, ५३४
 मागल दो. २१७
 मागला दो २६२
 मागनीयाथान दो. १४३, १५२
 मागनी दो २२१, २३४, २८१, २८२
 मागीसा दो ६७५

मांगीयो दो. २७४
 माभी दो. ६६
 मांभेवलो ५५३
 माडणसर ८४
 माडणो ३६४
 मांडपुरी ३८२
 मांडरी दो ७३
 मांडलप दो २५७
 माडल जोधा दो. १६०
 मांडल देवां दो. १८६
 मांडलावास ४०५, ४२०
 मांडव २८, ३०, ४०, ६७, १७६, ३८७
 दो ४२ ४४
 मांडवा १०६
 मांडव १०७, ११५
 मांडवो दो. ३४७, ३५१
 मांडवो-नरवद जोगाडत री वास दो. ३४७
 मांडवो-राठोड उरजन री वास दो. ३४७
 मांडहाई २१२
 मांडाली ३७०
 मांडावास ३६०, ३७० दो. २८२
 मांडी दो ६६
 मांडीयो दो. ३१६
 माडगढ १८
 मांडलो दो. ३१७
 मांडा दुधवर ४६४
 माडो ४०६, ४१०, ४३०
 माणपुरी देरांसगीयां री ४१७
 मांमुरावाद १४६
 मांहगड दो २७६
 मांहणी दो. २२२, २६०, २८४
 मांहणी दो. २२७

मा

माऊटे ३६६

माडपुरीयाँ ३३८, ३८२, ४०४, ४०६,
४१३, ४५१ दो १४७
माडापड़ा दो. २७६
माडापड़ी दो. २४६
माडापुरो दो. २८२
माडापो दो. २२६
माडावरी दो. २०५
माडाहाई २३६
माणकपुर ३८२
माणकलाव २१२, २३५
माणकीयावास दो ६२
माणकीयावास बडौ दो. २०७, २०६
माणवो दो. १०३, १०४
माणेवा २२६
माणेवडी १६६, ३२८
मादडी २६६, ३७६
मादलीयो ३७३ दो. ३६, १०१
मादसीयाँ २४८
मानपुरा (मानपुरो) ३४०, ५०५, ५३०,
५३६, ५५२, ५५४
मानसिध री वासणी ४०४, ४१३
मामावास ४०४, ४१३, ४५१
मामुरावाद १४८
मालको ४२१ ४७४
मालकोट ६०, ६१, ११४, दो ६३, ६४,
७२, ७३
मालकोसर्णी २५६, ३७५
मालगढ ४५, ६५, ११३, ११४, २८३,
३७७ दो ६१
मालगो ३२६
मालणा ७५
मालपुरीयाँ ३७३, ३७४, ४०७, ४५०,
४८२, ४६०, ४६१, ५०३, ५२२,
५५६
मालपुरीयो (प्रोहता री) ४६३

मालपुरा ४३, ६५, ३६०
मालपुरी प्रोहता री ४१७
मालावस २४८, ४०६
मालवी ३६६
मालासरीयो १६७
माली ३८१
माल्हणी ५०५
माल्हको ४०५
माहगडो दो. २२३, २२६, २८३
माहरोठ १५७
माहल वावडी २८२
माहव दो. ३१७, ३५७
माहवा दो. ३२६
माहवारी दो. २८५, २८८
माहवारी—पाचलोर दो. २३०
माहाजन १६
माटावा दो. ३३६, ३४०
माटीढढ छुरद दो. १५६
माटीढढ वडौ दो. १५६

मी

मीठडीयो दो. ११, ६६, २०६,
३१६, ३४३
मीठडो ३६४, ३६६ दो. २२२, २५३
मीठवालीयो दो, १०३
मीठीयो दो. २२
मीठीयो (मीठडयो) दो १८२
मीठोडा दो २७६
मीठोडो दो २२७, २८३
मीठो डाहीभर ३५५, ३६८
मीठोली ३४६
मीणीयारी ३७७

मुं

मुंगलो २६६
मुडावाय २७३

मुता रूपसी की वासणी ३६३
मुहता मानसिघ की वासणी ४५५

मु

मुसेरी दो, ११
मुगदडो दो. १३१
मुगल की सराय १३६
मुगलो १६८
मुड़ीयारडी २००
मुजासर दो ११, १८, २१
मुटालीयो ४१०
मुठली दो. २२३, २५७, २७६, २८४
मुडलोई दो. ३३
मुडाढी ६७, ७०
मुडावाई २०२
मुडेलई दो ३३
मुडेलोई मागलीया की ३८०
मुडली वामण पलीवाला की वास
दो ३३५
मुडली सोहडा की वास दो. ३३४
मुरकावसणी २५३, ३७३, ५५६
मुरडाहो ७४, ४०५, ४१२, ५०३, ५५६
मुरटीयो २०२, २७४
मुरडाहा ४७५
मुरदावो ४४५
मुरदाहो ५२५
मुरहाडी ३७३
मुराडे दो. २६६
मुरीयारटी २५७
मुनटी १४१
मुनतान २६, १३४
मुनांजूरीयो ६२
मुनीयाबाग २६६, ४०८, ४१८, ४८८,
४६०
मुनेघ २८३, ३७६, २७८

मुनेव माया की ३७७
मुसतावाद १३२
मुहमजु १३४
मुहाडीयो दो १८६
मुहालीयो ४०३, ४२५
मुहीम १४७, १५२, १५५

मे

मेडली १६८
मेघाढेढ दो. ११८
मेघलावास २६६
मेघलावास खेडर ३४०
मेघावास ३०२
मेडता ३५, ३७, ३८, ३९, ४०, ४३,
४५, ५६, ६०, ६५, ६६, ६७,
१०१, १०६, १०८, १०९, ११२,
११३, ११४, १२४, १२५, १२७,
१२८, १३१, १३२, १३३, १३६,
१३८, १४६, १५१, १५५, १५६,
१५७, १५९, १६३, ३७२, ३६४,
५५५
दो ६, ३५, ३७, ३८, ३९, ४३,
४४, ४५, ४६, ४७, ४८, ४९, ५०
५१, ५२, ५४, ५५, ५६, ५७, ५८,
६०, ६१, ६३, ६४, ६६, ६७, ६८,
६९, ७०, ७२, ७३, ७४, ७५, ७६
७७, ७८, ८३, ८६, ८८, ९२, ९३,
९५, ९८, १०६, ११४, ११५, ११६,
११७, ११८, ११९, १२०, १२२,
१२३, १२४, १२७, १३३, १३५,
१३७, १३९, १४१, १५२, १६३,
१६६, १६७, १६८, १७५, १७६,
२११, २१३, २२६
मेडता की कोटही ४५
मेरठ ११४

मेरवाड़ी १४८, १५२
 मेरी ३७७
 मेरी वास दो २२४
 मेरीयावास दो १४७
 मेरो वावड़ी ५४३
 मेलावास ४०३, ४११, ४३८
 मेवरो ३४४
 मेहकर ६२, १०५
 मेहकरना ३७०
 मेहडासी ४४५
 मेहडाणो दो १६०
 मेहरीयावास दो १८६
 मेहली दो २४४
 मेहाकोहर दो. ११, २६, ३३, ३४
 मेहाकोहर कसवै री दो ११
 मेहावसणी २२०

मो

मोरुदा दो १०६
 मोकलनडी ४७६ दो २२३, २२५, २४१,
 २८३
 मोकलवासणी ४५४
 मोकलावस २१०
 मोकलावासणी ६१, ४१२ दो ३५
 मोकलावेरो दो २८५
 मोहलीया वेरो दो. २२६, २६३, २६४
 मोकाले दो. ४०, ११०, ११२, ११३,
 ११४, २१३
 मोकालो दो ७४, ७८, ७९, ८८
 मोकालो वास दो. १३०
 मोखेरी दो १६
 मोखी दो २६
 मोगडो २०१, २२३
 मोगडो खुरद २४१
 मोगावास दो. ११३, १६८

मोजावाद १३६ दो. ५७
 मोट्टुवास दो. ६८, १४६
 मोटेही दो. ११, १६
 मोढडा दो. २७६
 मोडरडी ३६६
 मोडरा दो. १०८ १७३
 मोडरीयो ३७, ५०५, ५३५, दो १०८,
 १७६
 मोडरै ३७ दो १०८, १०६
 मोडरो ७४, ५०३ दो. ४१, ७८, ८०,
 ८१, ८३, ११४, १६६, २१३,
 २२६, २६५, २८५
 मोडरो गोडा री दो. १७४
 मोडी ७७ दो. २२२, २२७, २५२, २८३,
 मोडी खुरद २३७
 मोडी चारणा री-चौरासी री दो. १०३
 मोडी बड़ी २३७
 मोडी वामण री दो ३४
 मोडी मेटनडो ३७४
 मोडी वीका दो १०३, १८३
 मोडीयली खुटीयली २६७
 मोढो ४०३
 मोतां री वासणी ३६५
 मोतीपुरा २८०
 मोतीसरी २८७
 मोतीसरी चारणा री ३७८
 मोतीसरी ३७६ दो २२१, २२५, २३६,
 २७८, २७६, २८२
 मोदवो दो. ११
 मोरडी ३७४
 मोरट्टुको ३७४, ३७५, ४०८, ४१७,
 ४८४, ४६२
 मोरढढ २७१
 मोरना बडी ३४२
 मोरवी ५५०

मारवी खुरद ४६८, ५०७, ५४४
 मोरवी बडी ४६८, ५०७, ५४४
 मोरीया वास ३७२ दो १०१
 मोरेवी ५४४
 मोलावास दो. ११७
 मोहथल १७५
 मोहणपुरी १६८
 मोहलवास दो १२६
 मोहलावास ३७ दो ११०
 मोहलां री वासणी ३४०
 मोहलो १०७
 मोहालीया ४१२
 मोहेडा ८२
 मोहौला १४४
 मोरड़वी ३६४

म्हे

म्हेरामणी दो. ६१
 म्हेह्न खीदा री वास दो ३५२
 म्हेह्न जीवण री वास दो. ३५१

रं

रडवाल ५५६
 रतु ३६६
 रमलावास दो. १४१

र

रडकुली २१६
 रडोद ३५१, ३५२, ३८२
 रजणी ६५
 रजनाणी ३५०, ३७२, ३८२
 रदुग्गान रां तगो दो ४०
 रदुग्गान ३३८
 रतकूडीयो ६१, २४६, ३७२, दो. १०१,

१५१

रतनकुडीयो ३३८
 रतनपुरो १०५, ५०३, ५२०, ५२३
 रतना री पानो ३२२
 रतना री वास ३०६
 रतनावास दो. १०६, १८५
 रतनावासणी ३३८
 रतनू भारमल री वास दो. ३५३
 रतनू रूपसी री वास दो. ३५२
 रतलाम ६३, ६४, १२६
 रताकरा दो. ४०
 रता री तलाव दो ३३ -
 रता री तलाव मांगलीयां री ३८०
 रनीया कुवा ४१६
 रनीयो ३३०
 रवारीयां री वास २२७
 रवारी वासणी ५०७
 रयडा री वास ४०८
 रयेडा री वास ४०८
 रलावमे २४२
 रलीआवतो चारणां री दो. १०५
 रलीयाई तो दो १७०
 रलीयावतो खुरद दो. १११, १६७
 रवणीयी दो. २२५
 रसाड ४०७, ४१५, ४६६
 रसीद २०८
 रनीदो १६६
 रहचाडो १०३
 रहाणो २०२
 रहांमो २०२
 रहेलडो (रहलडो) ७४, ५३२, ५३४
 रहेनडी (रहानडी) ८१, २०३, २८८,
 ४१७, ४८५
 रं
 रांगणी ४०४, ४१३, ४६३

रागपुर ५०२
 रामदेरे १६१ दो. ३३६
 रामदेहूरो दो. २६१, २६३, ३२३, ३४६,
 ३५०

रा

राकसी दो. २२५, २७८
 राखडायथो ७५
 राखसी दो २२२, २३५, २८२
 राखाणो २७८, २८१
 राघेलाव ४२८
 राघोडो ४१५
 राजगीयावास ८२, ३७४, ४०८, ४१४,
 ४१७
 राजगीयावास' खुरद ४०४, ४६४
 राजागीयावास बड़ी ४८६, ४६१
 राजपीपले ७७, ८६
 राजपुर (राजपुरा, राजपुरो) ४४, ४५,
 २२६, ३१७, ५१६
 राजपुरो गुढा रौ १६७
 राजलवो ६१
 राजलवो तेजा ४०३, ४४१
 राजलवो बड़ी ४०५, ४४३
 राजलवो बडो चौपडो ४११
 राजलोतो दो १०५
 राजवो (राजवा, राजवै) २६६, २६८,
 २६६, ३०१
 राजा ढंढ ५२०
 राजाढढी ५०३
 राजावसणी २३८
 राजोद दो. १००, १५५
 राजो रौ ६५
 राजोरीया ४६७
 राठोड़ जसा रौ वास ४०६
 राढीयो ३८० दो. ६, १०, २५, ३३

राणासर ३७०
 राणावास ३३६, ४०३, ४०७, ४१२,
 ४२१, ४४२, ४७१, ४७४

राणावास रौ खेडो ४१६
 राणीवाल ५०१, ५१७
 राणीवाला ७५
 राणीसर ६८ दो. ८, २४
 रातडी २०३
 रातडीयो (रातडीया) ७४, ३७६, ३८०,
 ५०५, ५३३, ५३४, ५५५, दो.
 ३१६, ३२२, ३४७, ३४८

रातानाडा खेत २३५
 राता रौ तलाव दो ११, २४
 राडुसी ३७६
 राघणपुर ४४
 राघा रौ वासणी ४०७, ४१७, ४७६,
 ४६२
 रानीयो ३१७
 रावडी २६६
 रावडीयाक १३६, ५०१, ५१०, ५४६
 दो १०२
 रावडीयो २३५
 रामलावास दो ११२
 रामड़ावास २१८
 रामड़ावास खुरद १६६
 रामड़ावास बड़ी १६६, २४८
 रामचंद रौ वास २५८
 रामपुर (रामपुरा, रामपुरो) ७४, ६१,
 १५०, २३५, ३५२, ४०५, ४२०,
 ५०२, ५१६, ५५१ ५५६ दो ६०
 १०५, २११
 रामपुरो-कालाऊना रौ २५२
 रामपुरो रांमासडी रौ २००

रामपुरो-रावासडी रो २५२
 रामपुरो बिसाईण २२५
 रामसरी दो. १७१
 रामसरी ढढसरी दो. १४३
 रामसेण दो. २२२, २२६, २४६, २७६,
 २८२
 रामसीयो दो. १०२, १०३
 रामसीसर-कोहर ३१७
 रामसीसर-नीलवा री वास ३१७
 रामा चारणा री वासणी दो. ११६
 रामावट ७६, २३४
 रामावास ७३, ७४, २६६ ५३८
 रामावास खुरद ५०३, ५२१
 रामावास बड़ी ७४, ५०२
 रामा री वासणी ४०८, ४८७, ४६२
 दो १११
 रामावासणी ८२, ६२, ३६३, ३६५,
 ४०३, ४१०, ४१७, ४२६, ५०७
 राय कोहरीयो ३४४
 रायथल दो. २७६, २८०
 रायघनपुर ४३
 रायपुर ४५, ४७३, ५०६, ५०७, ५१७,
 ५३, ५३४, ५३५, ५४१, ५४५
 रायमल बाडो ३३०
 रायमल री वासणी ४०४, ४०६, ४२२,
 ४४८
 रायमल री पानी ३२२
 रायरी ४१५, ५५६
 रायरी खुरद ४०७, ४६७
 रायरी बडी ४१४, ४६१
 रायसलवास ४६ दो. ४०, ६२, १४१, २०३
 रायसल री वासणी ४१२
 रायसल दो ५०
 रावणसरी पलासलो ३३३

रावणा दो ४०
 रावणीयो दो. २४२, २७६, २८२
 रावणीयाणी २४७
 रावर ६१
 रावर हासलवडो ३७५
 रावलवास २६७ दो १८२
 रावलवो जैत री ४११
 रावली अल ६१
 रावसीसर ३१७
 रावासडी २४४, ३७५
 रावीर २५६
 रास ५०२, ५०६, ५०७, ५१८, ५२५,
 ५३०, ५३७, ५३८ दो. १०२
 रासाणीयो ८२
 रासेलाव दो. २६०, २८४
 रासेलाव-कालाणां री दो. २२८
 राहड री सरेह दो ३२०, ३२१
 राहड रो गांव दो. ३१७, ३५७
 राहड रो वास दो. ३३५
 राहड (राहेण, रेहण) २७३
 दो. ४०, ४७, ४८, ६१, ७३, ७८,
 ८०, ८१, ८३, ८७, १०८, १०६,
 ११०, १११, ११२, ११३, ११४,
 ११८, १५३, २१३, २८१
 राहयो दो. ३७७
 राहामी २७५
 राहीण दो. ६४
 राहेयो दो. ३१८
 रि
 रिडकली १६५
 रिडमलसर ३३१, दो ३३
 रिछमाली दो. १०६
 रिण दो. ३६

रिणथंभोर (रणथंभोर, रीणथंभोर) ६६,
१११, २६८, १२७, २६८ दो. ५४,
६६, २६८
रिणसी दो. १०१
रिणसी गांव २४४, ३७२
रिणीसर (रीणीसर) दो. ११, २०

री

रीछमासी दो. १०५
रीछोली (रीछोली) दो. २३१, २७४,
२७५, २८३, २८८
रीणधीर रो पांती ३२२
रीछड़ी ४१४
रीयां दो. ६८, ११२
रीसाणीया ४०३, ४११

रु

रुणकीयो २५१
रुदीयो ४१२
रुलीयो ४१६

रू

रूढाथल ३३६
रूणलो ८२
रूपसर दो. ६
रूपाराम ५३४
रूपा री तलाई १३६
रूपा री नाग ल १३२
रूपावास (रूपावस) ४०७, ४१७, ४१६,
४७६, ४७८, ४८८, ४९१
दो. २८२

रे

रेपडावास ४१७, ४१८, ४८५

रेपडावास खुरद ४८५, ४६०
रेपडावास तीजी ४८५, ४६२
रेपडावास वडौ ४८५, ४६०
रेया (रैया) दो. ४०, ५२, ५३, ५४,
७४, ७८, ८१, ८३, ८७, ११०,
१११, ११२, १६६, २१३, २४४

रेयां कोटड़ी ४५

रेयां खुरद दो. १४६

रेया तीजी दो. १५१

रेवड़ा २८१, २८२

रेवड़ी ४०४, ४६२

रेवड़ीया दो. १४८

रेवंत दो १६१

रेवाड़ी १२६, १२६, १३१, १३४, १४७

रेवासी ४४

रेहनडी (रैहनडी) ४०८, ४६१

रेहडलो गिररी रो ५०५

रै

रैवारियां री ढांणी ५५१

रैवारीयां री वासणी ४०५, ४१६, ४७२,

५३८, दो. ११६, १६२

रो

रोईचो २०३

रोहडा दो २३१

रोहडा-आसीया री दो. २८३

रोहडा-महीयां री वास दो. २८३

रोहडा री वास दो. २७३

रोहडावास दो २८८

रोहडा-सढायचा री दो. २८३

रोहडी रो वास दो. २८७

रोहडीया री वास दो. २८८

रोहडीयो दो. २८७

रोहडे दो. २५७, २५८, २७६
 रोहडो मेकरण री वास दो. २८८
 रोजा री वासणी ७४
 रोहट १४५
 रोढवा १६८
 रोढवा का वास ३०१
 रोढवी ३००
 रोहणयी ३३१
 रोहणवो ३८०
 रोहतक १२८, १२९, १३०, १४७,
 १५२, १५६
 रोहल दो. ६८, ६९, १४९, १५०
 रोहल केसो दो. १००
 रोहलो खुरद २११
 रोहलो बडो २१०
 रोहाडो—बारेटा री दो. २८५
 रोहीचो जाटां री २६०
 रोहीठ (रोहठ) १५४, १६४, १६५,
 १६८, १६९, १८६, १९१, १९२,
 १९३, १९८, २०१, २०४, २६६
 रोहीणवो ३८१
 रोहीयो दो ४०, ३३८
 रोहीसडो दो १०४, १६५
 रोहीसो दो ७४, १२१, २११
 रोहीचो पटेलां री २८८

ल

लखमणी ११०
 लखमणीयावास दो. १२६
 लखा री वास २३५
 लटीयाल दो ४१
 ललारणी दो १८४, २२६, २८३
 ललांणी बडो दो १०३, १८०
 लवादर दो ३५, १०५, १८७
 लवेरो (लवेरा, लवेरै) ७७, ७८, ६०,

६४, १६४, १६५, १६६. १८६,
 १९०, १९१, १९३, १९४, १९५,
 १९७, १९९, २०४, ३४१
 लवेरो-खीचीयां री वास ३४१
 लवेरो-गागावासणी ३४१
 लवेरो-जाटां री ३४१
 लवेरो-घरमावासणी ३४१
 लवेरो-घाघला री ३४१
 लवेरो-लहुवा री वास ३४१
 लहरीहण हेडो ४१७

लां

लाखीया ६०
 लांगोड़ दो १६४
 लापोलाई १११, १३६ दो ४१, १६८
 लाबडो २०२ २७६, ४१५
 लाबा २६० दो १४८
 लावी ३७६
 लावीया २००, ५४६, ५५१ दो. ४०,
 १०२, १२०, १२५, १२७
 लावो ६१, १६६, २४५ दो. ६१
 लावो जाटा री दो. १४६
 लावोडी ४६६

ला

लाखणकोहर १३६, ३१४, ३८१
 लाखण छुंभ २६२
 लाखावासणी ४६६, ५५१
 लाखुवास ५३८
 लाखोडी सेहल ४०६
 लाछा री वासणी २४३
 लाटणहेडो ४०८
 लाटावासणी ७४
 लाठी १३६ दो. ३२०, ३२१

लाडणु ३६, ११०, १३०
 लाडपुरा (लाडपुर, लाडपुरो) ४१४,
 ४६१, ४७५ दो. १०५, २०२, २१०
 लाडवो दो. १२१
 लाणुवास ५०६
 लातरयो ५५५
 लातरीयो ७५
 लापुनडो ३६६
 लापुवास ५३८
 लालकी १६८, २७०
 लालपुरो ४०४, ५०५, ५५३
 लालणा दो. २६३
 लालणो दो. २२३
 लालव ४०७
 लालसोट १३६ दो. ५४
 लालाणो दो. २४३, २८१
 लालीयां ३७६ दो. २४०, २७८, २८१,
 २८२
 लालीयो दो. २२३, २२५
 लाहण हेडा ४५८, ४८८
 लाहणहेडो ४४६, ४६१
 लाहावासणी ५०३, ५२४
 लाही दो १४२
 लाहीणहेडा ४१८
 लाहोर २०, ७७, १०२, १२४, १२५,
 १३४, ४६६ दो. ७६, २६७
 लातरयो ५२४ दो १०२

लुं

लु गीयो (लुंगीयो) दो. ६२, २१२
 लुंमडावास ७५, ५०३, ५२५
 लु भा री वास २३६
 लुंभासर दो. ११, २२
 लुंभासरीयो ३२४, ३३२

लु

लुगादेवत री वास २०७
 लुगेयो दो. १११
 लुढावास ४०, ३६५, ४०७, ४१६, ४७६,
 ४७८, ४६०
 लुणसडी (लूणसडो) ३५८, ३६६
 लुणावास ३८, २२५, २६२, २६७, ३३७
 दो. १०५
 लुणावास करनोतां री २२६
 लुणावास घाघाणी री २१६
 लुणावास तीजा २४३
 लुणावास वडो १६७
 लुणीयावास दो. १३२, १३४, १४१
 लुणो दो. २२
 लुदरडो (लुईवा) ३८३ दो. २५६
 लुद्रवी १
 लुद्रडो दो २२२
 लुद्रा दो. २७६
 लुद्राडो दो. २२७, २८३
 लुलकोट ७५
 लुहारी ३५२

लू

लूणकरणी री वासणी दो. ११२, २१२,
 ३६५
 लूणसर ३६४
 लूणा दो ११
 लूणी ६६, ३१५, ४५६, ४८४
 लूणीया दो. २६५
 लूणीयाणो दो. २६३
 लूणो दो. ३१६, ३२१, ३४०

ले

लेच ३५६, ३६६

लेयाणो ११८
लेलावासणी २६३
लेसवो दो. १०५

लो

लोटोघरी (लोटाघरी) ७५, ३७३, ५०२,
५१३, ५४६, ५५१, ५५६

लोयाणो ११८

लोरडी २००, ३२४

लोरडी खुरद ३०३

लोरडी बडी १६८

लोलटा १४२, ३१३

लोलटां-देवडा री ३१४

लोलटां-पीथा री ३१४

लोमटां री वाम ३१५

लोला रो वास ३०६

लोलावास ८२, ३३६ ४८८ दो २३१,
२७०; २८५, २८७

लोलावास खुरद ४०४, ४१३, ४५२

लोलावास बडी ४०५, ४०६, ४५६

लोलावास सलैदी री ४१३

लोहडी ३७१

लोहडोयाह दो ४०

लोहचो ५०५, ५३४

लोहणहेडो ४८४

लोहरडी (लोटारडी) ६०, २१६, २६८,
३६१

लोहरडी वास ३०१

लोहरी धरती ३१३

लोहवा १४२, दो. ३३६, ३५७

लोहवा-आसायचों रो वास दो. ३३०

लोहवा-देढीयां रो वास दो. ३३०

लोहामाली (लोहमाली) ७३, ५०४,
५३०

लोहामो दो. ३१६, ३१७

लोहारी २४६, ३७२, दो. १०१

लोहावट (लोहीयावट) ८०, ८३, ३८१
दो ६, ११, १३, ३१

लोहीड ३७०

लोहीयाण ११६

लोहीयाण री तलेहटी ११७

लोहीयावास दो. ५०

वं

वणाडो दो. ३२०

वभौर २६४

वसवाल दो. ६०

व

वगड दो. ६१, १६७

वधीयाहेडो ५०१

वड री वासणी ४६२

वडली दो ३१७

वडो दो १४६

वजनी वासणी ४६८

वड री वासणी ३६५

वडली री वास दो. ३१८

वडलु री वास १६६

वडां खुरद २५४

वडाली दो. ४०

वडी ४०३, ४१२

वडीयालो ४०८, ४७८

वडीयालो प्रोहतां री दो. ३५

वडी रा वास २५८

वडीवारा दो. ४०

वडेरण गांव १६

वडोली दो. १७०

वणासर दो १८

वणीया १३६ दो. ३१७
 वणीयामाल ४१५
 वणीयामाली सोहल ४०६
 वणीयावास ४१४
 वघनोर (वघनोर) ४४, ६०, ६८, ६९,
 ७७, ११२, १२८, १३१, १३२,
 १३४, ५५३. ५५७
 वरजागसर (वरजांगसर) दो ११, १८
 वरडाणो दो ३२०, ३५७
 वरडाणो खालतां री दो. ३३८
 वरणाऊ ३८० दो. ११
 वरगोल १५३
 वरणो ४०३, ४०६, ४३३, ५५६
 वरमाकड़ ५४२
 वरवा १३७, २०२, २७४
 वरसघ रो वास दो. २८४
 वरसलपुर ८६, ८८
 वरांटो खुरद ७४
 वराटीयी बड़ी ७३
 वरीयी ३७१
 वलदु १३०
 वलहीयो दो. ३५६
 वलीवडी ५०६
 वसी २८७
 वसीयावास खुरद ५४०
 वसीयावास बड़ी ५४०
 वहणीवाल १५५

वां

वांकनेर दो. ३२७
 वाकली २८१
 वांकावास दो १२४
 वांकुली २०२, २५१
 वाणाडो ३६६
 वाणावास ४०५

वांदु नरहर रा खेत दो. ३३
 वांसा ११४, १२०

वा

वाअेतम ३६६
 वाकीवाही ३००
 वाखलवस दो. ६२
 वागड़ीयी १६८
 वागड़ीयी नीवली ऊहडां री ३७४
 वागोर ३८७
 वाघरै १३७
 वाघल ६०
 वाघलय दो. २८२
 वाघार १०३
 वाघावतों रा वास ३०५
 वाघावास ६१, २६७, ३००, ३६५,
 ४०४
 वाघुंदो २७८
 वाघोड़ी ३६६
 वाघोरीयी २५२
 वाडीयो ४३७
 वाडावास २४६
 वाणण २०२
 वातो ४१०
 वाती नैवाडीयी ४३७
 वानरसर ३६४, ३६६
 वानरा री वास ३२०
 वानसी दो १०२, १२५
 वापारी (वापरी) ४०३, ४१०, ४३२
 वाबड़ी प्रोहत री दो. ३३
 वाय ८५, दो. २७६, २८३
 वारणाऊ ३८१ दो. ३३
 वाराथल ३८२
 वालवारो १४८

बालसीसर ३०५
 बालसीसर री बास गोगादेवा री ३१०
 बालाउ २६४
 बालु खुरद ५४२
 बालुबास ५४६
 बालूवाडी ५४०
 बालेर दो. २८०
 बालेरा (पालेरा) दो. २८०
 बालेलाव २६४
 बालै १३७, १३८
 बालो २७२, २७५
 बाल्हणवास ४६८
 बाल्हरवा १४३
 बावडी ८५
 बावडी बड़ी बास १६६
 बावल्लो दो. ६१
 बावल्लु दो. २८३
 बावद्री २७५
 बासटकीये ४०७
 बासण दो २८०
 बासणपी दो. २८०
 बासणपी पीर १४०
 बासणी ७७, ३८२
 बासणी भवाडी कान्हा री ३६३, ३६५
 बासणी (राईमल री) ८१
 बासणौ ४०३
 बासणो ४१०, ४२७
 बासमकापा दो. ६१
 बासर १४६
 बासलपुर ४८
 बासीओ ५५६
 बाहड़सौ ४१०
 बाहतखड ४४
 बाहल दो. १०३, १०४, १०५
 बाहलौ दो. ३२१

वि

विषइकुवी ३३४
 विजैनगरी दो. १
 विरलोखी ३२५
 विरोल ५२१

वीं

वीजावस ३७०
 वीजै री तलाव दो ३४
 वीभूपै दो. २८१
 वीभवाडीयी २५७
 वीभ्ना २७५
 वीभीयावसणी २५७
 वीठोरा ४७३
 वीठोरा बड़ो ४७२

वी

वीकड़ाबास ३३८
 वीकमपुर दो ३२०
 वीकरलाई ५०३, ५०७, ५२२, ५२३,
 ५४६, ५५६
 वीकुपुर (वीकुपुर) ८४, ८५, ८६,
 १२१, १२२ दो. ८, २७, ३३
 वीकुंकोहर ८८, ३८१ दो. ३३
 वीकुकोहर रा बास १६६
 वीकु कोहर-कामड़ा री बास ३१२
 वीकुंकोहर-गोपाबासणी ३२१
 वीकुंकोहर-जैसिघ री बास ३२१
 वीकुंकोहर-डामड़ी ३२१
 वीकुंकोहर-देवराजा री ३२१
 वीकुंकोहर-पवार री १६६, ३२१
 वीकु कोहर-बड़ोबास ३२०, ३२१
 वीकुंकोहर-भीवा भोजा री ३२१

वीकु कोहर-माधला रौ वास ३२१
 वीकु कोहर-बडला रौ ३२१
 वीकु कोहर-विसनीयां रौ ३२१
 वीकु कोहर-सरमंडीयो ३२१
 वीखरणीयो खुरद दो १८८
 वीखरणीयो बड़ो दो १०४, १८७
 वीगड १४४
 वीगडी ३७६
 वीछुवास दो १६४
 वीजाथन दो. १०५
 वीजली २०२
 वीजलीया वास ४१७
 वीजलीयो दो २८३
 वीभावाडीयो २१३
 वीभावडीयो ३७३
 वीटडीया दो. ३२१
 वीठवालीयो ३१८
 वीठुल २६९
 वीठू २०१
 वीठोजो दो. २२१, २२६, २४५, २७९
 वीठोरो खुरद ४०४, ४६०
 वीठोरो बड़ो ४०३, ४१०, ४२७
 वीढावासणी २३७
 वीरण २८०
 वीदरलाई दो. २७९
 वीनाइकीयो २०८
 वीनावस खुरद २५२
 वीनावस बडो २५०
 वीरगा ९५
 वीरदास जसहड रौ वास १४१
 वीरछवलपुर २०
 वीरमदेहूरो दो. ३४९
 वीरपुर १४६, १४८, १५१
 वीरमगाव १४६, १५१
 वीरमपुर नगर ३५३, ३६८

वीरम री वासणी ५४०
 वीरम रौ वास २२८
 वीरमवासणी ५०६
 वीरलो ५०३
 वीराणी ३४६
 वीरावास ८१, ९०, २४९, ४०४, ४११,
 ४३५
 वीराहमी १९७
 वीरोल ५४६
 वीलड़ीयो दो. ३३७
 वीलावास ४०३, ४१०
 वीलासर ३६५
 वीसलनगर १५२
 वीसलपुर ४४, ६८, २१९ दो. ४३
 वीसालो दो. ३२०
 वीसीयावस २४१
 वीहाली ३७८, ३७९

वु

वुजड़ी २५५
 वुढकीयो ३८०
 वुसियाछली २८१

वे

वेउडौ १३७
 वेरवुवास ३२१
 वेगड़ीयो १९६
 वेठवास ३३३
 वेदरलाई ३७१ दो. २७९
 वेदावडी दो. १४२, १४३, १४४, १४६
 वेदावड़ी खुरद दो. १४५
 वेदु ३२३
 वेदु-कडवा रौ ३२३
 वेदु-कलावतां रौ ३२३

वेदु-जोधं रो ३२३
 वेदु-नीवा रो तलाव ३२३
 वेदु-राणा री वास ३२३
 वेदु-वापीणी ३२३
 वेदु-सावत री ३२३
 वेदु-सुरजन रो वास ३२३
 वेरांगीयी ३८१
 वेरावास खुरद ३४०
 वेराही ३११
 वेसरोली दो. १०२
 वेहगठी दो. ३२१
 वेहणीवाल १५२

वै

वैणावास दो. १३६
 वैरसलपुर ८६

वो

वोढणीयो दो. ३५०
 वोरीमादो ४०७
 वोलमाली ४११

वौ

वौड़वो ४६
 वौल दो ३५

सं

संकर वासणी ३२४
 संखड़ी ३७
 संखवाय ४६
 संखवाली ३७७, ३७८
 संखावास ६१
 संगवणी १४०

संगा दो. १०३
 संभाडो २२२, ३७५
 संथाणो खुरद दो. २०४, २०५
 संथाणो सारगवा रा दो. २११
 संथोड़ो खुरद ३०८
 संथोड़ो वडो ३०७
 सघाणो खुरद दो ११२
 संवरला दो. २२५

स

सखखर ५५५
 सचीआय दो २६७
 सचीयाय ४१५
 सडालो ११०
 सषोघार १२
 सलावतां री वास ३०६
 सलोसण ३७८, ३७९
 सतोसीण ३७६
 सथांणो दो. ६२
 सथलाणो १३७ दो. ४३
 सथलांणो १६६, २२२
 सनरूपा री तलाई १४१
 सनावडो दो. ३२०
 सनेही दुनाई मे २६२
 समोगर १३५
 समदड़ी दो. २२१, २२५, २२६, २३४,
 २६२, २६४, २८१, २८२
 समदडी दो. १२, ३४
 समदडी ईडीयी दो. २७
 समदोलाव खुरद दो. १३५
 समदोलाव वडी दो. १३७
 समसावाद १५७
 समावली ७७, ८६
 समीसरी ३६२

समुजो २०३, २६१
समुहाडीयाँ २४८
सभेल ५५५
समोरवी ५२६
सर ८५, २००, २२३
सरगीयाँ ६१
सरगीयाँ बडी २५२
सरणावाडी दो. १००
सरणुं दो ६२
सरनवडो दो ६६
सरवडी दो. २७१, २८४
सरवडी-मनाणो दो. २३०
सरवडी सीघलारी २६३
सरमहीयाँ १६७
सरवण री सरेह दो ३१८
सरवाड दो. ४६, ७०
सरसो १५२, १५५
सरेचा २००, २२४
सलणु ३७०
सलांणो खुरद दो. १०४
सलेमावाद ४५, ५४, १३६
सवडाल १३८
सवराड दो. २६७
सवालख दो. ३६
सहलवी खुरद २५३
सहवाज ४१०
सहसराम दो ५६
सहुपुरी ४०६
सहेलडी २८४
सहेरावाद ३५४, ३५५, ३५६, ३५७,
३५८, ३६१, ३६२, २६३, ३६४,
३६५, ३६६, ३६७
सहेसडो दो. ४०
सहैजा री वासणी दो. १४७
सहैदरी २०२

सहैदरीयाँ २७८
सहैवाज ४०३

सां

साईदास री वास २६७
साईसर दो. ३३
साउपुरी ४०३
सांकडीयाँ ३७६
साखडो ६०
सांखला री वास ३०६
सांखीडो २६२
सागरीया २०७
सागावसणी २२१
सांगावास ७५, ५०१, ५१२, ५४७
सांचोर ४३, ६४, १०६, १०७, १२४,
३८८ दो. २१८
सांभावास दो. १५७
साभी २०१, २७१
सांभी याली ३६१, ३७१
साडवास २६६
सांडावास दो. ६८
सांडी २६६
सांडीयो (साडीया) ६२, ४०३, ४१०,
४२२, ४२६, ४७४
सांडीली १३०
सांदुडी २६, ३८, ३२७
सांदुवां री वास २५५
सांपो ४०५, ४१३, ४६०
सांबरो ३६६
साभर ४०, ४३, १२६, १३२ दो. ५४
११५, ११६
सांमसीसर दो ३५३, ३६८
सांवडाक ३८०, ३८१, दो. ६ ११, १५,
३३, २६६

सांवणधी दो. १२
 सांवतकुवी ५२
 सांवतकुवो खुरद ३४६
 सांवतकुवी बडी ३४३
 सांवत री वास १४१
 सांवरलां दो २२३, २३८
 सावराज १४३
 सावरा री वासणी २३५
 सांवलतो खुरद १६८, २६३
 सांवलती बडी २०२, ३७५, दो. ३५
 सावलीयावास दो. १०६, १६२
 सांवलीयावास खुरद दो. १६३
 सांसर ३७७

सा

साकडीयो दो. ३२१, ३४८
 साकडो (साकडे) १४१, दो. ३१६.
 ३४०, ३५४
 साकदडो ३७६, ३७७
 साजन गांव १४१
 साडारडो ४०३, ४३५
 साठीको खुरद ३३५
 साठीको बडो ३३५
 साढरी खारीयो ४०४
 साणोसणी दो. २३१
 सातलमेर ४१, ४५, ६३, ७७, ६४,
 १०५, १२४, १४६, १५१, १५४,
 १६४ दो. २, ४०, ६५, २६३,
 २६४, २६७, ३००, ३१२, ३४५,
 ३४६, ३५४, ३५६
 सातलवास ६१ दो. १४४
 सातसेण २४४
 सातोसण दो. २७८, २८७
 सातोसणी दो. २६८, २८४
 सादडी दो २८१
 सादा री वास दो. ३४६

सानेही २६१, ३७७
 सापो ३७५ दो. ३५
 सामोखी ५०४
 सायरवस दो. ६२
 सायेली दो. २२३
 सारंग खानीया री खेडी ४६८
 सारंग री वास २५८
 सारगवास ४०४, ४१४, ४५६, ५०६,
 ५३५ ५४५, दो ११२
 सारंगवासणी दो. ६२, ११७, ११६
 सारगीयो तीजो २५४
 सारण ४०६, ४१५, ४६५ दो. ६
 सारसड दो १५३
 सारोडी पटाऊ दो. २६१
 सासडी ३८१
 सालवडी १६५, २१२
 सालवो २३०
 साला ४०
 सालावास १३६, १३८, २२४, दो. २६७
 सालेर मालेर १४६
 सालोडी २२, २४, २५
 सावराज ३८१
 सावरीज दो. ११, १५, ३२
 सावरीजी दो ३२१
 सावरेज दो ३२
 सात्तरदंद २८३
 साहली ३८, २७२, ३७७
 साहावाद १५२, १५५
 साहीवाग १४४, १४६

सि

सिंढाइच मेहका रा वास दो. ३५३
 सिंणगारी १६६, २७४

सि

सिकारपुर २००

सिणधरी ३५७, ३६३, ३६६, ३७०
 मिणली २३५, ३५३, ३६१, ३६८
 सिणली पवारा री २१४
 सिणलो २४६, ३७२, ४०३, ४११,
 ४६३, ५५६, दो ३६, १०१
 सिणेर दो २५६
 सिधपुर दो. २८६
 सिरमालीयौ ३७१
 मिरहारी ४५६
 सिरीयारी ४०३, ४०७, ४११, ४५४,
 ४६७, ४७०
 सिरीयारी महीली ४१५, ४७१
 सिरीयारी-सोभत री दो ६२
 मिलारी २४६
 मिवराज री वास दो. २२४
 सीचणी (सीचाणो) ४०४, ४१४, ४५६
 मीचीयाई ४६६

सीं

सीधला ३८ दो ४८
 सीधला नडी ४६६, ५०८, ५४८
 सीधलावटी दो. २३५, २३६, २३७,
 २३८, २४०, २४१
 सीधवा ६४
 सीहथली दो २३०, २७३, २८४, २८७
 सीहनद १३३, १३४

सी

सीकदार ७६
 सीकारपुर २७०
 सीचीयाई ४०६
 सीणतरी ३५६
 सीणपा ३६२
 सीणना ३७३

सीधपुरी ५५६
 सीधसर ५३६
 सीघा वासणी ३७५, ४०४, ४५५
 सीनावडीयो दो ३१६, ३४६
 सीनावडो दो. ३१६, ३४१
 सीपावास ३६८
 सीमालीयौ ३५४, ३७१
 सीयल भखरी दो १०४, १८१
 सीरगीयौ खुरद २५३
 सीरड़ दो. ६
 सीरढ दो १२, ३३
 सीरणी दो २२५
 सीरसलो दो ६८, १४२
 सीरहड ८५
 सीरहड दो २७
 सीराडुरो ४११
 सीराणो दो. २२२, २३७, २८१, २८२
 सीरावणो ५०५, ५५३
 सीरासणो दो. १६८
 सीरियारी वासणी ४७२
 सीरीयावास दो. २०४
 सीरेण दो. २२७
 सीरोड़ी २१३
 सीरोही ७०, ७८, ७६, ८६, १०१, १०२,
 ११७, ११८, १३७, १३८ दो. ८,
 ६६, ७०
 सीलको ६२
 सीलां री वाड़ी २८३
 सीली ३३३
 सीलोर दो. २८१, २८२, २८६
 सीलोर र वास दो २३०, २६६
 सीवणीयो ३७३
 सीवरखीयो २६६, ३७६, दो. २७८
 सीवराड ७३, ४०३, ४०६, ४२५,
 ४५५

सुराणी खुरद ३१०
 सुराणी बड़ी ३०८
 सुराईतो (सुरायतो) ७१, ९१, ४०३,
 ४०६, ४१०, ४१६, ४२८, ४७२,
 ४८१
 सुरातो ४४७
 सुरावास ४२२ दो. १०४, १०५
 सुरीयावास ५०७, ५४१
 सुलीयो ३७७
 सुवाणीयो दो. १०१
 सुवेरी ३११
 सुहरीया दो. २०७
 सुहली (सुइली) दो. २४१
 सुहीयो दो २२६

सू

सू डायल ३८२
 सूरजमल री वास २३८
 सूरजवासणी २१७
 सूरत १४६
 सूरपुरो (सूरपुर, सूरपुरा) १६६, २०६,
 २३०, ३५०, ३५२, ३७८, ३७६
 दो. १०४, १२५, १६३, २२३, २२५,
 २४१, २७८, २८३
 सूरीयावासणी ४०५, ४१६

से

सेखसर दो ६, ३००
 सेखालो ३१६
 सेखालो- धावड़ास ३१७
 सेखालो- देवड़ा ३१७
 सेखावास ६५, ४०३, ४१०, ४३४
 सेखावासणी दो १३७, १४३
 सेखास ८७, १४३ दो. ३३

सेरौ १३७, १३८
 सेतरावा (सेतरावो) ३३, ३४, १६५,
 ३१२, दो. ३२०, ३५०
 सेत्रावा (सेत्रावो) १६, १६४, १६६
 १६०, १६३, १६४, २०४, ३१४
 दो. ३२

सेमुजो १४
 सेपाउवा री वासणी ३१०
 सेवी ३६७
 सेरडीयी ३३६
 सेरडी ३१२
 सेवकी ४१
 सेवकी बड़ी २१५
 सेवडी ८५
 सेवरखीयो ३६०
 सेवाउ ३६५, ३६६
 सेवाली ३७८, दो. २२३, २२६, २४५
 सेवालीयी ३१५
 सेवालो २३० दो. २८३
 सेहड़ी ३६४, ३६६
 सेहवाज (सहैवाज) ४२२, ४३१
 सेहरीयो (सेहरीया) दो. १२३, १२५,
 १२८

सेहरीयो वास दो १८३
 सेहलो दो. २२२, २२७, २५२, २८३
 सेहवासी दो. १०३
 सेहसराम ५६
 सेहरियो दो. १०२
 सेमर दो. ४२, ४३
 सैदा ७१

सो

सोउपुरौ ४११
 सोई ३१७
 सोभत २, ३, २६, ३२, ३५, ३६, ३७,
 ३८, ३९, ४१, ४२, ४३, ४५, ६७,
 ६८, ७१, ७२, ७७, ७८, ८१, ८३,

८६, ८८, ८९, ९३, ९५, ९६,
 १०१ १०२, १०५, ११८, १२४,
 १२५, १२७, १३१, १३३, १३६,
 १४६, १५१, १५४, १५६, १६३,
 ३७४, ३८३, ३८४, ३८५, ३८७,
 ३८८, ३८९, ३९०, ३९१, ३९२,
 ३९३, ३९४, ३९७, ४००, ४०२,
 ४०३, ४०८, ४०९, ४१८, ४१९,
 ४२३, ४२४, ४२५, ४२६, ४२७,
 ४२८, ४२९, ४३०, ४३१, ४३२,
 ४३३, ४३४, ४३५, ४३६, ४३७,
 ४३८, ४३९, ४४०, ४४१, ४४२,
 ४४३, ४४४, ४४५, ४४६, ४४७,
 ४४८, ४४९, ४५०, ४५१,
 ४५३, ४५४, ४५५, ४५६ ४५७,
 ४६१, ४६२, ४६३, ४६४, ४६५,
 ४६६, ४६७, ४६८, ४६९ ४७०,
 ४७१, ४७२, ४७३, ४७४, ४७६,
 ४७७ ४७८, ४७९, ४८०, ४८१,
 ४८२, ४८३, ४८४, ४८५, ४८६,
 ४८७, ४८८, ४८९, ४९५ ४९६,
 ५५६ दो ६, ३५, ६६, २६७

मोहन री भागरी ऊपरली कोट ३६

मोभारी ३५८

मोहपुरी ५५७

मोदां कोहर दो. १२, २७, ३३

मोदां री मरेह दो. ३१८, ३३६,

३४०, ३५७

मोदा रामल मो वाम ३००

मोदावाम (मोदावाम) ३३६, ३७७

दो. १४८, २०६

मोदावाम दो ११३

मोदावाम दो ४१६

मोदावाम २६६

मोदावाम ३३१

मोकटो २१४

मोवली ३४१

मोभडावास ४१८, ४८६, ४९२

दो. ३५

सोम चांदर री मरेह १३२

सोमांगी ३८१

मोभावास ३५६, ३६८, ५०७

सोमडावाम ४०८

मोमढी दो. ४०

मोमढंर २६१

सोमडवाल दो. ४०

मोमसीसर ३१६

सोमावाम (मोमावाम) २६६, ५०३,

५२०, ५२१, ५४६, ५४७

मोवतरी २६६

मोवली दो. २२६

मोवालौ ३४२, ३४५

मोणठ २४

मोरम १५७

सोरमजी १३५

मोरंगमा १५२, १५५

मोरकोया री कोहर ३१५

मोवलुदी दो. ३२

मोवलुदीवो (मोमाम्मोवो) ३७२, ३७५,

४०४, ४०९, ४५७ दो. २८

मोवरनां दो. २८०

मोवरा १६

सोहवी दो २८२

सोहवी ३२६

मोनेवी ६०

३

हं

हंसार १५१, १५५
हसावस ४०६, ४७५

ह

हयुंड़ी ३४८
हमरलाई ५५४
हमावस दो ३५
हमीरवास ४०४, ४१३, ४५८
हमीरसर दो. ३
हमीराणो ३३६, ३८२
हमीराणो खुरद ३४०
हरचद री वासणी २३५
हरढाणी ३४३
हरढाणी ५५७
हरढावास ४०३, ४१२, ४४२
हरनालो-वाहल रो दो. १०४
हरनावो दो. १०३
हरनावो-वाहल रो दो. १०२, १०३
हरवाई री वासणी २५४
हरभु री वासणी दो. १३६
हरभुवासणी दो. ११०
हरभुसर ३३२
हरमाडा ५२, ६०, ६५, दो ६०
हरयापुर ५३४
हरलाई ३३५ दो ३३
हरस ६१, २५६
हरसवरणो ३७५
हरसाल ३८२
हरसाला ३८२ दो. ६८
हरसीयाहेडो ४०५, ४११, ४४४, ४७३
दो. ३५
हरसीयाहेडो खुरद ४०५, ४२०

हरसोर दो १०४, १०५
हरसोलाव ४६
हरानास १६८, २७१
हरीयाडाणो २४५, ३७२ दो १०१
हरियामाली ४०३, ४११, ४६८, ४७६
हलवद ५२, ५५
हवेली ७६, ६०, १२६, १४५, १५४,
१६४, १६५, १६८, १६९, १८६,
१६०, १६१, १६२, १६३, १६४,
१६५, १६६, १६७, १६८, २००,
२०३, २०४ २३६ दो. ७३, ७८,
७९, ८७, १११, ११४, ११६,
२१३
हसलपुर ३७४, ३७५

हां

हामावाम २६२
हांसल खुरद ४१३
हांसावास दो. १५०

हां

हांई हारावास ५०६
हांजावास २८४, दो. २८१
हांजावासणी २८१
हांजीवाल ७४
हांजीवास ३५७, ३७०, ५०४ ५२७
हांपत ८२, ४४७
हांपाली दो. ३२१
हांयत ४०५, ४१४
हारावासणी ४८५
हासलपुर दो. ३५
हासलपुर वडी ४०४, ४१०, ४४६
हासलपुर खुरद ३७४, ४०४, ४४७
हसावस ४२३ दो ६२

हि

हिमार ७१

हिरणखुरी दो. १३०

हिरणपुरी दो. १३७

हीं

हीगाणीयो ५०६

हीगावास (हीगावास) ८१, ४०४,

४१२, ४४८

हीगोला ४७५

हीगोला री वासणी ४०५, ४२०, ४७३

हीगोली १६७, ३५०, ३५२

हीगोलो २००, २६६, ३७५

हीगोलो खुरद ६०, २६२, ३०१, ३७७

हीगोलो वडौ ६०, २६१

हीगवाणियो (हीगवाणियो) १६६,

२५१, ५४६ दो १०३, १२७, १८४

ही

हीडवाण १२६, १३५, १७० दो ५६

हीदावास दो. ६२

हीदावास गुरडी री दो. २१०

हीदावास चौधरीया री दो. २०६

हीमावास २०२

हीयादी रा वास ५४५

हीरकी री ढाणी ३६६

हीरकीसणी ३६४

हीरादडी दो ६१

हीरादेसर २१४

हीरावस ४१६, ४८६, ४६२

हीरावस जोगीयानुं ४०८

हु

हुनावास खुरद २४३, ५०३

हुनावास वडा ५५०

हुनीयावास वेडा ५०२

हुपार्ली दो. ११

हुवा ३८

हू

हूगागाव ४११

हूगागाव खुरद ४०४, ४१२, ४४६

हूगागाव वडौ ४०४, ४०६, ४५६

है

हेमलीयावास ४५४

हेमलीयावास खुरद ४०४, ४१४, ४६४

हेमलीयावास वडौ ४०४, ४१३

हेमावास २६७

होठलु दो. २२१, २२५, २२६, २३६

२८१, २८२

हो

होडु ३७१

होडु खेडो ३५७

होटलू दो २६२, २६३

होपाली दो. १६

परिशिष्टों की नामानुक्रमिकाएँ

स्त्री व पुरुष नामानुक्रमिका :

[नोट—३५६ से ५०१ तक पृष्ठ सं० द्वितीय भाग की तथा ५५६ से ६०२ तक की प्रथम-भाग की है !]

अं

अतरगदे खंडेला री कछवाही
(म जसवंतसिंघ री राणी) ५८३

अ

अकबर पातनाह ४२१, ४२२, ४३२,
४३३, ४७३, ४६०
अकबर साहजादा ४६६
अखैराज सि० ४५३
अखैराज राठोड ४१६, ४६८
अखैराज रिडमलजी रा राठोड ४७५
अखैराज वीठलदासोत ४६६
अखैसिंघ अमरसिंघोत देवडा ३६५
अखैसिंघोत सिरदारसिंघोत चवाण ३८६
अखो जोसी ४४७
अगरा मुग ४२०
अडमल 'अडमलोत' रिडमल रा राठोड ४७५
अचलदास राठोड ४६८
अचलसिंघ गुलाबसिंघोत चवाण ४०२
अचलसिंघ राठोड ४६५
अचलो दो ४३३
अचलो राठोड ४७२
अजबसिंघ चवाण ४०६
अजबसी भटारी ४७६
अजीतसिंघ राठोड ४७३
अजीतसिंघ वीठलदासोत ४६६
अजीतसिंघ सोमसिंघोत चवाण ४०४
अजीराय ४६४

अडकमल चूंडार्जा रो राठोड ४७६
अणदसिंघ दीलतसिंघोत चवाण ४०६
अणदसिंघ राठोड ४७३
अतमाहात दीला ४१३
अनरुधसिंघ हाडो ४६८
अनाडसिंघ पवार ५७७
अनाडसिंघ राठोड ४६५
अनाडसिंघ वीठलदासोत चाणवत ४६६
अनोपसिंघ किसनगढ रो ४६८
अनोपसिंघ सावलदासोत चवाण ३६२
अनोपसी भटारी ४७६
अब्दुल कासम ४१३
अमा मानवत चारण ४०७
अभैकरण राठोड ४६६
अभैराज कानोजी रो राठोड ४७४
अभैराज राठोड ४७१
अभो भाखरसिंघोत चारण ४१०
अभो पचोली ४७६
अमर केसवदास भाटी ३६२
अमरसिंघ चन्द्ररावत ४६७
अमरसिंघ दुरगादासोत चवाण ३६७
अमरसिंघ राठोड ४७१
अमरा राईसिंघोत रामदासोत रा राठोड
४४६
अमरो चौधरी ४१६
अमानसिंघ राठोड ४६६
अमीजी नूरमहेमद रौपडी ४१४
अरण रखेसुर ५६०
अलसिंघ भोजराजोत चवाण ३६७

अलाउदीन पातसाह ३६०, ४१३, ५००
 अलावगस ४५३
 अलीवल मुरीद चु ४५८
 अलीसेर बिहारी ४०८
 अलुखा ४१६

आ

आंजणादास खिडिया चारण ३८६
 आईदान दलपतजी रा राठोड़ ४७७
 आईदान राठोड़ ४६५, ४६६
 आईदान चारण ३६४
 आईदान वीठलदाम रा राठोड़ ४७५
 आणादकवर बाई ४५०
 आणाददे (राव अमरसिंघजी री बहू)
 ४५१
 आणांदसिंघ ४२६
 आतमारामजी बाबा ५७०
 आतमारामजी महाराज ४७०
 आयस देवनाथ ५७३
 आयस भीवनाथ ५७४
 आलमसा जलाल ४५७
 आल्ह पाल्ह पंवार ५००
 आसकरण बभूतसिंघोत चवाण ४०४
 आसकरण भंडारी ४७६
 आसकरण राठोड़ ४६६
 आसकरण सूरतसिंघोत चवाण ४००
 आसनाथे री मा (पोहोकरणा वामण)
 ५६५
 आसी छोकरी ४५२
 आमो जैमावत भाटी ४३४
 आसौ गौड ४३३

इं

इदरकरण राठोड़ ४६६

इदरभाग राठोड़ ४७१
 इदरसिंघ राठोड़ ४६६, ४७०, ४७१

इ

इमरतराम नाजर ५४७

ई

ई दग्कृ वर (राजा दूरसिंघ री बेटी)
 ५८७
 ई दरमणी जवेडा रो बू देलो ४६६
 ई दरसिंघ ४२२
 ई दरसिंघ अमरसिंघोत राठोड़ ४७३
 ई दरसिंघ राठोड़ ४६८, ४७३
 ई दरसिंघ सीसोदीयो ४६६

ई

ईदरदम उडीसा रो ४६२
 ईनायतखा ५८४
 ईसर चवाण ३८८
 ईसरजी राठोड़ ४७२
 ईसरदास कुसलसिंघ जोधावत चवाण ४०६
 ईसरदास सोभावत ४४७
 ईसरीसिंघ राठोड़ ४६८

उ

उत्तमचन्द कानू गा ३७३
 उदड़ो कूंता रो ३८५
 उदैचन्द व्यास ५६६
 उदैभाग राठोड़ ४७१, ४६७
 उदैभाग लखधीरोत ४६६
 उदैभाग वीठलदासोत चापावत ४६६
 उदैराम दीवली ४६५
 उदैसिंघ उरछी रो बू देलो ४६६

उदैसिध कीलारणसिधोत चवांग ३९६
 उदैसिध राठोड ४७०, ४७३
 उदोतसिध भदोरीयो ४९८
 उमेदजी खीची ५७६
 उरजणसिध राठोड ४६८

ऊं

ऊडा ४७६

ऊ

ऊगरसेण ४४०
 ऊजीरवगस नाजर ५७६
 ऊदडीयो कूंतो ३८४
 ऊदब्रमी सीभूजी रो ४९९
 ऊदावाई (राव वागा री व्हू) ५९१
 ऊदैभाण मुकनदामोत राठोड ४१९
 ऊदैराज राठोड ४७१
 ऊदो वोव ५९२
 ऊमादे भटीयाणी (राव मालदे री राणी)
 ४८०
 ऊमा भाट ४४९
 ऊमेदकरण राठोड ४६९
 ऊमेदसिध राठोड ४७१
 ऊमो भाखरसिधोत चवांग ४०९
 ऊमो लालावत चवाण ४०९
 ऊहड जोनसाजी रा ४७७

ओ

ओदुजी दिखणी ४९३
 ओपसिध चवांग ४०६
 ओरंगजेव पातसाह ५९२ दो ३६१, ४१५,
 ४१९, ४२५, ४३७, ४५४,
 ४६९, ४९६

कं

कवर अबुखा सिरदारसानोत ४००
 कवर अभैमिध ४१२
 कंवर अमरमिध ४२२
 कंवर उदैसिध ५८२
 कवर करण उदैपुर रो सीसोदीयो ४९४
 कवर कीरतसिध ४८६
 कवर गजसिध ४१४, ४१८, ४७८
 कंवर चंद्रसेन ५८२, ४३८
 कवर जगतसिध ४५२, ४५४
 कंवर जगतसिध मानमिधोत कछवाहा ४२२
 ककर जसवंतसिध ४४६
 कवर जैसिध ४४४
 कंवर पिरथीसिध ५८३
 कंवर प्रथीमिध जोधा ४७०
 कवर प्रीथीसिध ४४७
 कवर फतैसिध ५८५
 कंवर वागा ५६०
 कवर भातसिध ३९०
 कवर भोपत ४३५
 कवर रामसिध जैमिधोत ४८६
 कवर वखतसिध ५६५
 कंवर वेणीदास अरजणा ३७०
 कवर समरथसिध ४६९
 कवर सूरजसिध ४३५

क

कछवाई राणी (कल्याणदास राठोड री
 राणी) ४४३
 कनीराम राठोड ४६८
 कनीराम विजैसिधोत चवाण ४०९
 कमालखां ३६८, ३८९
 कमालखा दीवाण ३६२, ३६३, ३६८,
 ४१४, ४१५

कमालखा विहारी ४२०
 करण (घायभाई) ४५१, ४५२
 करण राठोड ४६६
 करणसिध विजैसिधोत राठोड ३६१
 करणाजी ४५३
 करणा घायभाई ४५७
 करणायची खोजी ४५३
 करणीदान बागठ ४८७
 करणीदान राठोड ४६६
 करणो सोलकी ५८७
 करणो राठोड ४७२
 करणोजी 'करणोत' रिडमलजी रा
 राठोड ४७५
 करता खुबदान नारखानोत चारण ४०८
 करता जमावत चारण ४ ७
 करनीजी ५५६
 करमसी जोधाजी रो राठोड ४७५
 करमसी राठोड ४६२
 कला रायमलोत ४७०
 कलु ४५३
 कलो कछवाहो ४६१
 कलोजी 'कलावत' पचाण रो राठोड ४७५
 कल्याणमल राठोड वीकानेर ४६०
 कसरौ ५७६

कां

कांघल ईंदो ४३३
 काजमखान नवाब ३६१
 कांनडदे सोनगरा चवाण ३६०. ४१३,
 ५००
 कानजी राठोड-४७१, ४७२
 कांसिध राठोड ४४०
 कानसिध रामसिधोत चवाण ३६७
 कांसिध सूरजमलोत चवाण ४०२

काना त्रिवाडी ४५३
 कानी माली ४०८
 कानोजी चूंडाजी ग राठोड ४७६
 कानो जैतसीहोत राठोड ४३३
 कानो मानावत चवाण ४१०
 कानोजी रायमल रो राठोड ४७४
 कामरेखा प्रातर ५८६
 कालूजी दिखणी ४६८

कि

किलाणदाम जोधा ४७०
 किलाणदास राठोड ४४०, ४४१,
 ४४२, ४४३
 किलाणसिध भदावा रो ४६६
 किलाणसिध राठोड ४६५, ४७२
 किलाणसिध सगतीदानोत चवाण ४००
 किसनचन्द मूता ४१५
 किसनदाम जैतसीहोत राठोड ४३३
 किसनदास तु वर ४६१
 किसनदास दुरजणसलोत राठोड ४३४
 किसन रामसिध रो जैपुर कछवाहो ४६८
 किसनसिध चांदा रो ४६६
 किसनसिध तु वर ४६७
 किसनसिध मोटा राजा रो राठोड ४६३
 किसनसिध राठोड ४६६, ४७०, ४७३
 किसनसिध हाडो ४६८
 किसना भांवर देवराजोत राठोड ५८६
 किसोरदास मनोरदास गौड ४६६
 किसोरसिध ५६३
 किसोरसिध राठोड ४७३

की

कीकी चारणी मोहंदा री ४५१
 कीटक ऊना ४७६

कीरतसिंघ अनोपा रो ४०८
कीरतसिंघ जैसिंघजी रो कछवाहो ४६७
कीलाण जोसी ४४७
कीलाणदास रायमलोत राठोड ४७४
कीसना राठोड ४३४

कुं

कु भकरण ३६६
कुंभकरण राठोड ४६८
कुंभो जैमलोत राठोड ४३२
कुंभोजी सोनगरा ३६०
कुवरसिंघ कलवार कसमीरो ४६६

कु

कुतव मोरछल ४५३
कुमलराज सिंघवी ४६६
कुमलसिंघ ४२६
कुसलसिंघ जोधावत चवाण ४०६
कुमलसिंघ नाराणदासोत चवाण ३६८
कुसलसिंघ राठोड ४६५, ४६८
कुसालसिंघ राठोड ४६५

कू

कू पोजी मँराज रो 'कू पावत' राठोड ४६६
४७५

के

केलण ४७६
केसरकवर (म. रुघनाथसिंघ री मा) ४२५
केसरकरण राठोड ४६६
केसरखान ४१४, ४१८
केसरखान बाजखानोत करवीया ५६५
केसर पूरवीयो ५६१

केसरीचन्द कानूंगा ३७३
केसरीसिंघ अखसिंघोत चवाण ४०८
केसरीसिंघ अभैराजोत ४७०
केसरीसिंघ कबीरामोन चवाण ४००
केसरीसिंघ जोधा ४७०
केसरीसिंघ नरसिंघदास रो राठोड ४७४
केसरीसिंघ प० ५८४
केसरीसिंघ भुरटीयो ४६६
केसरसिंघ माधोदास रो राठोड ४७४
केसरीसिंघ राठोड ४६८, ४६६
केसव गोरावत मुंसी ५८३
केसव सुग ५६४
केसूसिंघ सवाईसिंघोत चवाण ४०२
केसोदास जैमल रो राठोड ४६१
केसोदास दफतरी मूता ४८०
केसोदास राठोड ४७२, ४६२
केसोदास राव कला रो वेटो ४६४
केसो पासवान (म. गजसिंघ री
पासवान) ५८६

कै

कैवास दायमा ४२१

खां

खांगार जोगावत राठोड ४७५
खानखाना नवाब ४१३
खानजादा ४२१
खान समसुखान ४२१

खीं

खीवकरण राठोड ४६८
खीवलदे चारणी ४४६
खीवा भारमलोत ४३५

खी

खीमकरण राठोड़ ४१९
खोमे कु भार ५८५
खीयो सीदल ४१८

खु

खुरम माहजादा ४१४
खुमा (राजा कीरपाल पवार री बेटी)
४४४

खू

खूचन्द सिधवी ४७०

खे

खेतसी नायक ४३३
खेतसी परवतोत राठोड़ ४३३
खेतसी राठोड़ ४७७
खेता बजा रै चारण ४०७
खेतो वामण ५८९
खेतो याचग करमसी रो पवार ४४८
खेतो राठोड़ ४३३
खेमसिध चतुरसिधोत जसोलियो ३९९

ग

गंगदास गदाघर साह ५९१
गगादास महेसरी ५९२
गगाराम जसरामोत भंडारी लूणावत
५९२

गंगाराम सीरवी ५८०
गगाविसन जोसी ५८७
गगोईदास भूपत चवाण ३७८

ग

गजमल पवार ५००

गजसिह ४१०

गजसिह चवाण ३८८

गजसिध वीठलदासोत ४६६

गजनीखा नवाव ४१३

गजनी खा विहारा ३९४

गजीयो केसरीसिधोत ४०९

गजो टेडरोयो ४३३

गणपत ऊपादीया पोकरणा वीरामण
४८०

गनीखा ४२०

गां

गागो नीवावत भाटी ४३४

गाछा कुमार ४४९

गा

गाजी वरखुरदार ४५७

गि

गिरधरदास ४९६

गिरधरदास गौड़ ४९७

गिरधर रायसाल दरवारी रो ४९४

गिरधर व्यास ४३७

गिरधरसिध बलूजोत ४६६

गु

गुमनो समदहीया मूता ४७९

गुमानसिध राठोड़ ४६८

गुमानसिधोत प्रेमसिध व्यारीदासोत चवांण
४०९

गुमानीखां सिरदारखानोत ४००

गुलावकवर राणावत (म. जसवंतसिध
री मां) ४८९

गुलाबचंद मुण्णोयत ४१६
गुलाबराय पासवान ५८४, ५८५, ४१६
गुलाबसिंघ मूलसिंघोत चवाण ३६६

गो

गोकलदास मूता ५६६
गोकलदास सुंदरदासोत ५६५
गोगादे वीरमजी रो राठोड़ ४७६
गोपालदास ऊहड़ ४३५, ५६१
गोपालदास माडलजी रा राठोड़ ४७७
गोपालदास राठोड़ ४६५, ४६७, ४७२,
४७४
गोपालदास रामदासोत ४४७
गोपालसिंघ जोधा ४७०
गोयददास जैतसीयोत राठोड़ ४३२
गोयददास जोधा राठोड़ ४७०
गोयददास भाटी ५८६, ५६४, ५६४, ५८३
गोयददास राठोड़ ४६६, ४७२
गोयद सिरमाली ५८२
गोयददासोत भगवानदास रा जोधा राठोड़
४७३
गोयनदास सेरसिंघोत देरासरीया भाटी
५८५
गोरधनदास राठोड़ ४६८
गोरधन नरहरदासोत चवाण ३६२
गोरा राठोड़ (म. जसवतसिंघ री घाय)
५८६
गोवदचंद देवगढ रो ४६७
गोवा सुतरार ५८२

३

ग्यानसिंघ वीठलदासोत ४६६

घ

घनस्यामकरणा राठोड़ ४६६

घी

घीचना तोतापीर री बेढो ५६१
घीरतसिंह राठोड़ ४६७

चं

चहू दामोदर रो जोसी ४८१
चदकवरबाई ४४६
चंदरसेण हलोद रो झालो ४६५
चद्रजीत ४५६
चद्रमती (रूपसिंघ राठोड़ री बेटी)
४५४
चंद्रसेण जोधा ४७०
चंद्रावत बाघेली ४५६
चंद्रावती बहूजी ४५२

च

चक्रपाण जोसी ४४७, ४५३
चतुरदास कानूंगा ३७३
चहुवाणजी राणी ५८३

चां

चांदकवरबाई ४४८
चादवाई ४५०
चांदाजी राठोड़ ४७२
चांपाजी राठोड़ ४७७
चापो रिडमलोत राठोड़ ४६५, ४७५

चा

चाचक राठोड ४७७
चाहड़ दे देवराज रो राठोड ४७६

चि

चिड़ियानाथ जोगी ५६०
चिमनजी खडगगढ रो मरेठो ४६८
चिमनसिंघ चवांण ३६८
चिमनसिंघ सगतीसिंघ ऊमावत चवाण
४०६

ची

चीवो भारमलोत ४३५

चु

चुतरभुज चहुवांण ४६७
चुतरसाल चवांण ३८६
चुतरसिंघ दुरजणसिंघोत चवांण ४०६
चुतरो पचोली ४३३
चुहड़मल सिंघवी ५६५

चू

चूरण मानावत चारण ४०८

चे

चेला खिड़ीया ३६४

चौ

चौनसिंघ वूंदेलो ४६३
चौनसिंघ राठोड ४६८

छ

छत्रसाल हाडा ४६२

छा

छाडाजी राठोड ४७६

जं

जगी घाय (भगवान कुसलावत री वहू)
४६१

ज

जगजी घायभाई ४३६
जग व्यास ४५३
जगतसिंघ करण रो वेठो सीसोदीयो
४६४
जगतसिंघ चवांण ४०६
जगतसिंघ मानसिंघ रो कछवाहो ४६०,
४६१
जगतसिंघ मेघसिंघोत चवाण ३६८
जगतसिंघ रामदासोत मेड़तीया चादावत
राठोड ५८६, ५६२
जगतसिंघ हाडो ४६६
जगदेवराय जादुराय रो दिखणी ४६८
जगदेवसिंघ ४६३
जगनाथ नरहरदास रो राठोड ४७३
जगनाथ राजा भारमल रो कछवाहो
४६०
जगनाथ राठोड ४६५, ४७२
जगमाल कछवाहा ४२२
जगमाल कछवाहो (राजा भारमल रो
भाई) ४६०
जगमाल पवार ४६१
जगमाल राठोड ४७६
जगमाल मूता ४१३
जगमाल चारण ३६७

जगु ओसवाल ५८६
जगुनलवामी साह ५९२
जबदलखां ४१४, ४१७
जबदलखां बिहारी ४१८
जमालखां अमदखां रो ४१८
जमालखा सायबखां रो ४००
जवानसिंघ अमरसिंघोत चवारा ३९७
जवानसिंघ उर्देसिंघोत चवारा ४०९
जवानसिंघ जीवराजोत चवारा ३९८
जवानसिंघ दानसिंघोत चवांण ३९७
जवानसिंघ प्रथाराजोत चवारा ४०५
जसकरण प्रोहित ५७७
जस देवडा ३८५
जसरगदे हाडी (म. जसवंतसिंघ री) ५८२
जसवतदे हाडी (म. जसवतसिंघ री
राणी) ४६२
जसवतसिंघ बलूओत ४६६
जमवतसिंघ वृन्देलो ४९८
जसवतसिंघ राठोड ४६५
जसो मांड ४३३
जसो भादरसुर ५९४
जसोजी भैरूदासजी रा राठोड ४७७
जहागीर पातसाह ४२२, ४७९, ४९२

जां

जान मेहमद मोरछल ४५३
जाभाजी ४७१

जा

जाड़ेची राणी ५७७
जाड़ेची (महाराजा अजीतसिंघ री राणी)
५६७
जाड़ेंचीजी (म. तखतसिंघ री राणी)
५७३

जाड़ेजी (राणा भोजराज री बहू) ४१०
जादुराय दिखणी ४९६
जादे ऊमा रै चारण ४०७
जाफरखां ४१५
जाफरखा नवाब ४४५
जामवेग नवाब ४३४, ४३५
जालप मुता ५८७
जालमसिंघ ४९७
जालमसिंघ अजबसिंघोत चवांण ४०९
जालमसिंघ अजीतसिंघोत चवांण ४०३
जालमसिंघ जैतावत चवारा ४०६
जालमसिंघ बलूओत ४६६
जालमसिंघ राठोड ४७०, ४७१
जालमसिंघ रामसिंघोत चवारा ४०८
जावदीन पठारा ४२२
जीतमल पंचोली उकील ३९९
जीतमल मुणोयत ऊकील ३७३
जीवण केशरीसिंघोत चवांण ३९२
जीवदान राठोड ३८७
जीवसिंघ जोगराजोत चवांण ४०५
जीवा मालावत चारण ४०८
जीवो सोलकी ४५७
जीवो चौधरी ३७४
जीवो सीभुदानोत चारण ४१०

जुं

जुंजारसिंघ राठोड ४६८

जु

जुगतसिंघ रामदासोत ५९५
जुगल किसनसिंघ रो राठोड ४९५

जूं

जूंभारसिंघ जोधा ७४०

जे

- जेकां सीघल ४३८
 जेठकरण कनीरामोत करणोत ३९९
 जेठकरण जीवराज चवांण ४०४
 जेठकरण रतनसिंघ रो चवांण ४०६
 जेठा भूता रो वारठ ३९९
 जेतेजी राठोड़ ४६८
 जेती मुंहता ५९२
 जेतै वदे मूंत ५८५
 जेसल रावल ५०१
 जेहु जोसपाजी रा राठोड़ ४७७

जै

- जैतकरण राठोड़ ४६९
 जैतमाल चवांण ३८८
 जैतमाल जसोजी रा राठोड़ ४७७
 जैतमाल सलखावत ४३८
 जैतमाल सलखावत राठोड़ ४७६
 जैतसिंघ ४३५
 जैतसिंघ बून्देली ४९६
 जैतसिंघ राठोड़ ४५३, ४६५, ४६८
 जैतसिंघ रूपसिंघोत चवांण ४०९
 जैतो 'जैतावत' पचायण रो राठोड़ ४७५
 जैतो भारमलोत ४३५
 जैतो राठोड़ ४६८
 जैदेव ५८४
 जैदेव व्यास ४५३
 जैमल ५९५
 जैमल आसावत भाटी ४३४
 जैमल डेडरीयो ४३३
 जैसाजी भाटी ४७९
 जैसिंघदे रामसिंघोत चवांण ४०८
 जैसिंघ वीरमजी रो राठोड़ ४७६
 जैसेजी भैरूदासोत राठोड़ ४६८

जैसो राठोड़ ४६५

जो

- जोगराज पवार ५०१
 जोगीदास राठोड़ ४६३
 जोगो आसावत भाटी ४३४
 जोगो आसावत राठोड़ ४७५
 जोगो मु० ४३४
 जोतगराय जोसी ४५३
 जोधसिंह राठोड़ ४६७
 जोधा सुजांणसिंघ राठोड़ ३६२
 जोधो पड़ियार ५७८
 जोधो उपाधियो ४४७
 जोधो भीवोत ४३३
 जोपसाजी आसथानजी रा ४७७
 जोया चवांण ३८७
 जोरावरमल सिंघवी ४१६
 जोरावरसिंघ राठोड़ ४६८

झा

- झाली राणी (बहूजी राव मालदे री)
 ५९१
 भवहरदास ४५०

टो

- टोहा दाई (जगा री बहू) ४४७

डां

- डांगी ४७७
 डांगो जाट ४३७

डू

- डू गरसी रिडमल रो राठोड़ ४७६

डे

डेडीयो ४४३

ढं

ढंढारराव ४१४

त

तंगसिंघ धीरसिंघोत चवाराण ४०५

ता

ताजुक सीयानी ४१८

ताजुजी ४१४

ताजूखां अजवानी ४१८

ताजो खवास ४५८

तापी तेजावत व्यास ५८३

ताराचन्द भण्डारी ५७९

ती

तीलोकसी ४२६

तीलोकसी कृपावत राठोड ४३४

तु

तुलछीदास जादु ४९१

तू

तूवरजी राणी (म. अजीतसिंघ री ५८४

ते

तेजमल भोजराजोत चवाराण ३९७

तेजमाल दुरजरामिंघोत वावेचा चवाराण

३८३

तेजसिंघ ५८४, ५८५

तेजसिंघ उदैसिंघोत राठोड ४७०

तेजसिंघ चांपावत राठोड ४१९

तेजसिंघ राठोड ४६५

तेजसिंघ हातीसिंघोत चवाराण ४०३

तेजसी चूडो ४३८

तेजो ४४३

तेबरवेग नवाव ५९२

तेलग सायब ५७८

तो

तोंगा री मा ४४३

तोगो सुरावते ४४५

त्रि

त्रिभवणदे (राव रिडमलजी री राणी)

४७८

था

थानसिंघ हीदूसिंघ सखावत चवाराण ४०९

थासू राजा तोडरमल रो ४०९

थि

थिरराज ४२५

द

दमोदर सेठ ५९५

दलथामराजी (दल थभन) ४६८

दलपत ४३५

दलपत मोटा राजा रो राठोड ४९२

दलपत राठोड ४६५, ४६८, ४७७

दलपत रायसिंघ री राठोड ४९१, ४९३

दलसिंघोत चवाराण ४०६

दा

दादी जादमजी ४५०

दादी भटीयाणीजी ४५०

दादी सोढीजी ४५०

दामोदर जोसी ४८१

दारासिकोह ४२५

दि

दिलीपसिंघ वृंदेलो ४६८

दीलावर खोजो ४४८

दु

दुर्ग रावत रो पीपाड़ो ५७६

दुदो वेद मुता ४४३

दुरगदास आसकरणोत राठोड़ ४४५, ४६६

३६६, ४६६

दुरगावती बाई ४५०

दुरगो नाईक ४३३

दुरगो सीधी ताजु रो ४१८

दुरजणसिंघ राठोड़ ४६७

दुरजणसिंघ सबलसिंघोत जोघा ३६२

दुरजनसिंघ मानसिंघ रो कछवाहो ४६१

दुवारा सेवग ४४७

दु

दूदा डेढरीयो ४३३

दूदा सांखला ४३३

दे

देराव भटियाणी (भीवसिंघ री राणी)

५७२

देरासर पोकरण कोलाणी वीरामण ४८०

देवकरण राठोड़ ४६८

देवनाथ ५७३, ५७४

देवराज वीरमजी रो राठोड़ ४७६

देवराव भाटी ५०१

देवीचन्द गवां ४६५

देवीदास भाटी ३६३

देवीसिंघ राठोड़ ४६६, ४६७

दो

दौलतखां अलखफखां कायमखानी ४२२

दौलतराम नाजर ५६७

दौलतसिंघ केसरीसिंघोत चवाराण ३६७

दौलतसिंघ मांसिंघ रो भदोरीयो ४६८

दौलतसिंघ रांठीड़ ४६८, ४६९

द्वारकादास राठोड़ ४७२

ध

धनराज भडारी ४७६

धनराज सिंघवी ४३७

धनो गदाधर मोहणदास साह ५६२

धनो पोरवाल ५६३

धरणीवाराह ५००

धां

धानु ४७६

धाघल उदैकरण खवास ४६२

धी

धीरसिंघ चवांण ४०५

धीरा मानावत चारण ४०८

धीरो कोचर मूता ४७६

धीरो भगो गोयल ४०१

धूडां ४७७

न

नगराज गांगावत राठोड़ ४३३
 नथकरणा राठोड़ ४६६
 नथमल राजा किसन रो राठोड़ ४६५
 नेपालखाना माखुओत ४१०
 नवावखाना ४१३
 नरसिंघदास किलाणदास रो राठोड़ ४७४
 नरसिंघदास जोधा ४७०
 नरसिंघदास पा० ४२८
 नरसिंघदास राठोड़ ४७२
 नरसिंघदेव वृंदेलो ४६२
 नरहर सारण रो पंचोली ५७६
 नराइणदास सांगावत राठोड़ ४३३
 नराईण सादूल रो घोवी ४५८
 नराणदास कछवाहो ४६३
 नराणदास बोड़ो ४१४
 नरायणदास राठोड़ ४७२
 नराजी ४६७
 नवलराम मुनीम ४३२
 नवलसिंघ वीठलदासोत ४६६
 नवलसिंघ पवावत करणोत राठोड़ ४१०

ना

नागोजी गुसाई ४३६
 नाथ पोकरणा व्यास ४८०
 नाथा १४१
 नाथा चारण ३७४
 नाथाजी रिडमल रा राठोड़ ४७६
 नाथी रोहडीयै ४०७
 नाथो तुरक ४४३
 नाथो घनो गौड़ ४३३
 नानजी मलार चांदा रो ४६७
 नाभल (राव रिडमल री बेर) ४७८

नारखां लाडखांनोत चवाण ३६२
 नारखान खेतसी गोपालदासोत रा राठोड़
 ४४६
 नारणदास अमावत चवाण ४१०
 नारणसिंघ मलूसिंघ चवाण ३६४
 नारद भोजग मुथरीयो ५६३
 नारसिंघ राठोड़ ४६८
 नाराईण ४३४
 नारायणदास वागावत बोडा ४१८
 नारायणदास बालोत ४१४
 नारायण वेद मुता ४४३
 नासिर ४५३
 नाहडराव पड़ियार ५६०
 नाहरवेग नवाब ५६२, ५६३
 नाहरवेद ५८७

नी

नीब रखेस्वर ५६०
 नीवै जोधावत ५६०
 नीवै गुजराती कारीगर ५८०
 नीवै सिरमाली ५८६
 नीवोजी कछरो जाडेचो ४६७
 नीबो राठोड़ ४६६
 नीलकठ ४६१
 नीहालखाना माखुखानोत मेरडीया ४०७

नू

नूरमेल पातसाही ४१३, ४१४

ने

नेकापुरी गुसाई ४३७
 नेवाजी सोनगरा ३६०

नै

नैरासी मुहणोत ५६५, ४२८, ५८८
नैना पंचोली ५८७

पं

पंचाण अखैराज रो राठोड ४७५
पंचाण वीरामण ३९०
पंचाण बीजेराजोत ४१०
पंचायण वालोत ४१४
पंचायण महारक ५९४
पंचायण रठोड ४६८

प

पडदनखां ४४४
पडदायत मगराजनी ५७६, ५७७, ५७८
पडदायत लछरायजो ५७६ -
पती नगावत ४३४
पती सूरवत दो. ४३५
पदमसिंह नायक सीकर रो ४९९
पदमनाम व्यास ४४७, ४४९
पदमानाम नाथी व्यास ५८३
पदमसिंह जोधा ४७०
पदमा देवड़ी (राव गांगा री राणी)
४८०

पदमोपारसोत सिंधी ५९२
पनुखा ४१९
परताप उरजनोत वेदमुता ४३८
परतापकवर (तीजामांजी) ५८५
परतापसिंह जोधा ४७०
परथीराज करमसोत ५९१
परदार पाड़खां ५८७
परमावती बाई ४५०
परभुलाल भिकदार पंचाल जोसी ५८७

परमाद खोजो ४१३
परमानद खतरी ४९१
परसुजी दिखणी ४९७
पहाडमिध राठोड ४६८

पा

पाड़खा ४१३
पाडखान ४१४
पाडसिंह गौड ४९९
पाड़सिंह राठोड ४६८
पातोजी रिडमल रा राठोड ४७६
पावूसिंह जीवसिंहोत चवांण ४०४
पामसी भडारी (पेमसी) ४२०

पी

पीतावरदास खतरी ४९२
पीरमेहमद ४५७

पू

पूनमचद मूता ५७६
पूनाजी रिडमलजी रा राठोड ४७६
पूरां (घाय भागां री वेन) ४५१, ४५२
पूरा देवदान रो चारण ४०८

पे

पेमकरण राठोड ४६९
पेमनारायण राजगढ रो ४९५
पेमसिंह कीलारादासोत देवडा ३९५
पेमसिंह वीठलदासोत ४६६
पेमावती जाडेची (म गजमिध री)
५८४

पो

पोमसी भडारी ४२२

प्र

प्रतापदे राणी ४४६, ४५२
 प्रतापसिंघ ५७१
 प्रतापसिंघ ऊदावत ४६६
 प्रतापसिंघ भालो ४६७
 प्रतापसिंघ दासपा राठोड ४२०
 प्रतापसिंघ देवडा ३६५
 प्रतापसिंघ नवलसिंघोत चवारा ४०५
 प्रतापसिंघ भगवान रो कछवाहो ४६१
 प्रतापसिंघ राठोड ४४०, ४६८, ४६९,
 ४७२, ४७३
 प्रतापसिंघ सूरजसिंघोत चवारा ३८८
 प्रथमजी गौड ४६७
 प्रथमादीत वाघेलो ४६३
 प्रथीचद मनोहर रो कछवाहो ४६४
 प्रथीराज कवीरामोत चवारा ४००
 प्रथीराज केसरीसिंघोत चवारा ४०६
 प्रथीराज चवारा ४२१
 प्रथीराज जसराजोत चवारा ३६७
 प्रथीराज देवडा ४३५
 प्रथीराज भाटी ४६६
 प्रथीराज राठोड ४६८, ४७२
 प्रथीराज सुरताणसिंघोत चवारा ४०८
 प्रथीसिंघ जवू रो ४६८
 प्रथीसिंघ जगतसिंघ रो कछवाहो ४६८
 प्रथीसिंघ श्रीनगर रो ४६७
 प्रवत सा ४४८

प्री

प्रीथीराज दलपतोत राठोड ५६५
 प्रीथीसिंघ राठोड ४६८
 प्रेमसिंघ हेमराजोत चवारा ४०६

फ

फतसा ४५७

फतेखां ३६४
 फतेखां जरडीया ३८५
 फतेसिंह प्रथीराजोत ३७०
 फतैकरण राठोड ४६६
 फतैखा ४२०
 फतैखा ऊसूखा सुजेरडी ४०१
 फतैखान जालोरी ३६१
 फतैखान दीवांण ३६२, ४१५, ४१६
 फतैखां माखुखानोत मेरडीया ४०७
 फतैमेहमद सुरणायची ४५३
 फतैसिंघ राठोड ४६८
 फतैसिंघ विजैकरणोत भीवाणी पंचोली
 ५८७
 फतो कोचर मूता ४७६
 फरासत खोजा ५७६, ५८०, ५४८
 फरो दहीयो ४५८

फा

फाजुलाखां खांजी ५६६

फू

फूला भटियाणी राणी ५८२

ब

बखतसिंघ राठोड ४६८
 बखतावरसिंघ ४६८, ४७१
 बगतावरसिंह बलुओत ४६६
 बगतावरसिंघ ४६५
 बडा राणावतजी (म. तखतसिंघ रो राणी)
 ५६३, ५७३
 बडा लालजी ५७६
 बनेसिंघ नवलसिंघोत चवारा ४०५
 बभूतसिंघ करणोत ३६६
 बभूतसिंघ आंमसिंघोत चवारा ४०६

वभूतसिंघ सालमसिंघोत राठोड़ ४६६
 वभूतसिंघ सुरतसिंघोत चवांण ४००
 वलभदर राठोड़ ४४०
 वलभद्र राठोड़ ४६१
 वल्लू गोपालदासोत ४६६
 वल्लू रागोदासोत पंचोली ५६१
 वल्लूजो राठोड़ ४७७
 वल्लू री वल्लू ४५२
 वल्लू सांवलदासोत घावड ४५२
 वल्लूजी चंदावतजी (म. गजसिंघजी री
 राणी) ५८२
 वल्लूजी मनभावतीजी ४५०, ५८६
 वल्लूजी सेखावतजी (म. जसवंतसिंघजी री)
 ४६०, ५८२

वां

वांकीदास चवाण ३८८
 वाको कच्छवाहो ४६१

वा

वाई चादजी ४५६
 वाईजी भटियाणीजी ५७५
 वाईजी भिरैकवर ५७५
 वाघसिंघ राठोड़ ४७१
 वाघो दरजी ४५८, ४६०
 वाजखां सेख ४५७
 वादर ४६३
 वादरखां हसनखानोत मेर ४१०
 वादरसिंघ गौड़ ४६६
 वादरसिंघ भदेरीयो ४६६
 वादरसिंघ राजसिंघोत सीसोदीयो ४६६
 वावू मगलीराय ४६०
 वागे रांणा सोनगरा ३६०
 वालकिसन भंडारी ४७६

वालाराव पडीयार ५६०
 वाला अखैराजजी राठोड़ ४१६
 वाला भोपत ४४२
 वाना भोपतोत ४४०
 वाला मघसिंघ ३६६
 वालो अमरदास कामदार ४१६
 वालोजी भाखरसी रो राठोड़ ४७६
 वालोलखां सेराणी ३६२
 वाहदरसिंघ राठोड़ ४६७
 वाहादरसिंघ ठाकुर जोधा ४७०

वी

वीडी मुगल पातसाह ४१७
 वीदो कनावत सेवड़ी प्रोहित ५६३
 वीदो राठोड़ ४६६

बु

बुदसिंघ भवानसिंघोत चवांण ४०८
 बुदसिंघ वखतसिंघोत चवाण ४०६

वे

वेणी तंबोल ४५८
 वेणो तंबोली ४५६
 वेलो कोचर भूता ४७६
 वेलोलखां पठारा ४१५
 वेजनाथ प्रोहित ४३६

वो

वोगरा पातसाह ३६०

न

नग वाघो गौड़ोत ४५८

भगवतसिंघ राठौड ४६५
 भगवतसिंघ हाडो ४६७
 भगवान कुसलावत ५८७
 भगवानदास ४३५
 भगवानदास उर्दिसिंघोत राठौड ४६६
 भगवानदास कुसलावत सिकदार ५६२
 भगवानदास चापावत राठौड ४१६
 भगवानदास जोगीदासोत राठौड ४२०
 भगवानदास राठौड ४६६, ४६७
 भगवानदास सोभावत ५८८
 भगवानदास सोभावत सिकदार ५६५
 भगवानपुरी ४०७
 भयटारणी (कल्याणदास राठौड री वेर)
 ४४३
 भदोजी भदावत पंचाण रो राठौड ४७५
 भदोसिकदार ५७६
 भभूतसिंघ मोड़सिंघोत चवाण ३६८
 भभूतसिंघ राठौड ४६७
 भवानीसिंघ फतसिंघोत भाटी ५८०

भां

भाण ऊड़ ५८४
 भाण पंवार ५०१

भा

भाखरसिंघ ४०७
 भाखरसी रिड़मल रो राठौड ४७६
 भागा घाय (बलू सावलोत री बहू) ४५१,
 ४५२
 भागीरथ राठी ५६२
 भादर गोपनोत ४६१
 भादो वणसूर चारण ४०७
 भानसिंघ राठौड ४६८
 भाना चारण ४०७

भाना भोजग ५७६
 भानीदास खीवावत राठौड ४३२
 भारतसिंघ जीवसिंघोत चवाण ४०३
 भारथसिंघ जोघा ४७०
 भारमल राठौड ४७५
 भारसिंघ मानसिंघ रो पोतो कछवाहो
 ४६२

भी

भीया चारण ३६२
 भीया किलाणदास रो सीसोदीयो ४१४
 भीव गोपालदासोत राठौड ४५३
 भीव चूंडाजी रा राठौड ४७६
 भीव सबलसिंघोत ४६७
 भीवपुरी ४०७
 भीवराज सीगवी ४३६, ४३७
 भीवसिंघ राठौड ४६८

भी

भीम चूंडावत ४७८

भू

भूतसिंघ वीरमदेवोत चवाण ३६७
 भूता जीवावत चारण ४०८
 भूपतसिंघ कुसलसिंघोत चवाण ३६८

भं

भंरुदास चापाजी रा राठौड ४७७
 भंरुदास राठौड ४६५
 भंरुसिंघ सिरदारसिंघोत राठौड ३६६

भो

भोज पवार ५००

भोज विक्रमादीत रो भदोरीयो ४६५
 भोजराज कछवाहो ४६६
 भोजराज कौरतसिघोत चवाण ४०६
 भोजराज नवलसिघोत चवाण ४०४
 भोजराज परवतसिघोत चवाण ३६०
 भोजराज राठोड ४७४
 भोपत गोपालदासोत राठोड ४६७
 भोपत पतवत राठोड ४३५
 भोपतजी राठोड ४७४, ४७७
 भोपतराम ४११
 भोपालसिघ अजीतसिघोत चवाण ४०३
 भोपालसिघ चवाण ४०१
 भोपतसिघ जांवतसिघ चवाण ३६८
 भोमजी सोनगरो ३६०
 भोमसिघ विजैसिघोत चवाण ४०५

मं

मंगलसिघ जोधा ४७०
 मंगलसिघ प्रतापसिघोत चवाण ४०३
 मंगलो रिडमल रो राठोड ४७६

म

मकरदसिघ मरेठो ४६८
 मजु फरास ४५८
 मदनसिघ पचोली ४७८
 मदनसिघ मिभूजी रो मरेठो ४६६
 मदारक खोजा ४६३
 मधु(घायभाई) चहुवाण ५६२
 मनछाराम ४३७
 मना पंवार ५८६
 मना भडारी ५८५, ४७६
 मनोरदाम ४६६
 मनोर सनावत ३६०
 मनोहर पीरोमत ४४७

मरदान अलीखां दीवाण ४७८
 मलकअली सेरखा विहारी ४०७
 मलकअली सेरदी ३८६
 मलकखान नवाव ४१३
 मलकखान वडा ४१८
 मलुवो वीकमसिघोत चवाण ३६०
 मलू दफतरी मूता ४८०
 महंमदरवान मीरघो ४५७
 महाखान दीवाण फतेखान विहारी रो
 ४१६
 महामिघ ४२०
 महीगर वीरामण ४०८
 महेस घडसियोत ५६२
 महेस सिरीमाली ५८१
 महेसदास ४३७
 महेसदास ग्राढा ५६१
 महेसदास कानूगो ४२८, ४३०
 महेसदास कू पावत ४६८
 महेसदास दलपतजी रो राठोड ४७४
 महेसदाम राठोड ४६८, ४७४
 महेसदास रामदासोत ४४७

मां

मा चोहाणजी ४५०
 मां जाडेची ४५०
 मा मटीयाणीजी ४५०
 मा वाधेलीजी ४५०
 माडसा डेडरीयो ४३३
 मांडण नायक ४३३
 मांडण राठोड ४६५
 माडणजी रिडमलजी रा राठोड ४७६
 मांडल जसोजी रा राठोड ४७७
 मांडलजी राठोड ४७७
 माडसा कू पावत ४६८
 माणक जोगी ५६४

माधवसिंघ कलावत चवांग ४०६
 माघो कछवाहो ४४८
 माघो वेदीयो ४४७
 माघोदास राठोड ४७५
 माघोसिंघ भगवानदास रो कछवाहो ४६०
 माघोसिंघ भगवानदासोत कछवाहा ४२२
 माघोसिंघ मानसिंघ रो कछवाहो ४६२
 माघोसिंघ ठोड ४६५, ४७२
 मानखा मेगो डोसावत भेरडीया ३६२
 मानघाता ४६६
 मानसा पीर पसातमारी रा वेटा ४६४
 मानसिंघ कछवाहो ४६१
 मानसिंघ किसनगढ रो ४६८
 मानसिंघ कीरतसिंघोत बाला राठोड ४१०
 मानसिंघ नगराजोत राठोड ४३३
 मानसिंघ मुकनसिंघोत फतैसिंघोत चवाण
 ३६१
 मानसिंघ रावत सीकर रो सीसोदीयो
 ४६५
 मानसिंघ सोनगरो ४३४
 मानसिंघ हीमतसिंघोत चवांग ४०६
 माना पसेरी ५८६
 मानो अमरावत भडारी ५६४
 मालसिंघ जोधा ४७०
 मालसिंघ राठोड ४६८
 मालूजी ४६७
 मासिंघ ४६७
 मासिंघ किसनगढ रो ४६८
 मासिंघ मानसिंघ रो पोतो कछवाहो
 ४६४
 माहसिंघ भगवानदासोत ४६७
 महासिंघ राठोड ४६६
 माहसिंघ रूपावत चवांग ४०६

मि

मिरघावती बाई ४५०

मी

मीठी ४५३
 मीया तालीमखां ४२०
 मीया फरासत ५८६, ४५१, ५८८,
 ५८६
 मीया मीदूखा मादुखानोत ४०७
 मीथा सवाईखां मादुखानोत ४०७
 मीया सिरदारखा मादुखानोत ४०७
 मीर अब ४५३
 मीरखान ४६६
 मीरखान नवाब ३६१, ४१५,
 ४६७
 मीरजाफर ५६१
 मीरांबाई ४७१
 मीरूखां नवाब ४१८

मु

मुकनदास खीची ४४४
 मुकनदास चापावत ४६६
 मुकनदास राठोड ४६८, ४७१, ४७२,
 ४७३
 मुकनसिंघ राठोड ४६८
 मुकनो सोबो गगादास चारण ४०८
 मुकेसी किलेदार ४५६
 मुतरादास ४६२
 मुतरादास खतरी ४६१
 मुदफरखान ४३३
 मुरलीधर गुसाई ५६३
 मुरादवगस साहजादा ४२५
 मुहु जोपसाजी रा ४७७

मू

मूणदास पंचोली ५६१

मूणसिंघ गिरधरदास चवारा ३६२
मूळी प्रोहित ५६२

मे

मेकरजी सोनगरा ३६०
मेगु चारणा ३६२
मेदनीराय चहुवाण ४६०
मेदनीसिंघ प्रथीसिंघ री ४६७
मेलतीत्रखां जवदलखां रो ४१८
मेवो मुग ४२०
मेहमूद खान ४५७
मेहमेद परदार ५८८

मै

मैराज अखैराज रो राठोड ४७५
मैसदास ५६५
मैहकरण राठोड ४६६

मो

मोकमसिंघ ४६६
मोकमसिंघ ई दरसिंघ रो राठोड ४७३
मोकमसिंघ लालसिंघोत सखावत चवारा
३८७
मोकलसिंघ वभूतसिंघ चवारा ४०२
मोघसिंघ लालसिंघोत चवारा ४०३
मोतीवाई (म. वखतसिंघ रे खवास री
वेटी) ५८०
मोती भाट ३६६
मोतीसिंघ बीसा ५७१
मोवतसिंघ चवारा ४०१
मोवतसिंघ वागसिंघोत चवारा ४०६
मोवतसिंघ मेघसिंघोत राठोड ३६५
मोयणदास राठोड ४७३

मोवरा ४७६
मोवरादास पंचोली ५६५
मोवणसिंघ राठोड ४७३
मोहणदास ४६३
मोहीणदास पंचोली ५८८

या

याकूब ४५३

र

रघुनाथसिंघ किलासिंघोत चवारा ४०५
रणधीर चूंडाजी रा राठोड ४७६
रणधीर महैकावत ई दो ४३४
रणसिंघ मोखमसिंघोत ५८६
रतनकवर बाई ४५६, ४६०, ४६१
रतनकरणा राठोड ४६६
रतनराजजी सीगी ३७३
रतनसिंघ पाडसिंघोत राठोड ४१०
रतनसिंघ मालदेसोत राठोड ४७१
रतनसिंघ महैसदास रो राठोड ४४७
रतनसिंघ राठोड ४६८, ४७०
रतनसिंघ हरीसिंघ रा जोधा राठोड
४७४
रतनसी ४५७
रतनसी खीवावत राठोड ४३२
रतनाजी ४६४
रतनावती बाई ४५१
रतनो खाती, ४६०
रतनो डेडरीयो ४३३

रा

रागोदास सोमावत निकदार ५८६
राघुजी चवारा ४१०
राघू परवतसिंघोत चवारा ३८८

राघवदास राठोड़ ४७७
 राघवदास सिकदार ४५०
 राघोदास भालो ४६८
 राघोदास राठोड़ ४७०
 राज अमैराज मेरू ४११
 राज खमन भदोरियो चहुवाण ४६१
 राज श्री गिरधरदासजी ४१२
 राज देवीदास ४११
 राज रामसिंघ ४१५
 राज सगतसिंघ ४११
 राजसिंघजी ४१४
 राजसिंघजी री बहू ४५०
 राजसिंघ ईसरदासोत चवाण ३८६
 राजसिंघ कूपावत ५८५, ५८६, ५८६
 ४६७
 राजसिंघ खीमावत राठोड़ ४१७
 राजसिंघ राठोड़ ४६५, ४६८
 राजसी मु० ४१८
 राजसी मूता ४१४
 राजा अजीतसिंघ ५६५, ५६७, ५६६,
 ५७०, ५८४, ५६२, ३६३, ३६८,
 ३७०, ३६२, ३६५, ४०७, ४०८,
 ४११, ४१२, ४१५, ४१६, ४२०,
 ४४४, ४६५, ३६६, ४६७, ४६८,
 ४६६, ७४३, ४७८, ४७६
 राजा अमैसिंघ ५६७, ५६८, ५६६,
 ५७१, ५८०, ५८१, ५८४, ५६३,
 ४१५, ४१६, ४२२, ४२३, ४३६,
 ४३७, ४६७
 राजा उदैसिंघ ४४०, ४४३, ४७८,
 ४७६, ४८०, ४६०
 राजा उदैसिंघ सेवा रो भाई दिखणी
 ४६६
 राजा करण आसकरण रो कछवाहो
 ४६०

राजा किल्याण ईडर रो राठोड़
 ४६५
 राजा किल्याण वगधारी ४६४
 राजा किल्याण भाटी जेसलमेर रो
 ४६४
 राजा किल्याणसिंघ ४६४
 राजा किसनचंद नगरकोट रो
 ४६४
 राजा किसनराय ४६४
 राजा कैलास तोडरमल रो खतरी
 ४६५
 राजा गजसिंघ ५६३, ५६४, ५६६,
 ५८२, ५८३, ५८५, ५८६,
 ५८७, ५६१, ५६२, ५६४।
 ३६१, ३७८, ३८३, ४१४, ४१८,
 ४३०, ४३१, ४७३, ४७६, ४८०,
 ४६३, ४६४
 रा० गजसिंघजी री पात्र ४५०
 राजा चांपो प्रलवारो ४६५
 राजा जगतसिंघ कछवाहो ४६३
 राजा जगनाथ कछवाहो ४६२
 राजा जगमल ४६४
 राजा जगसिंघ वासु रो ४६५
 राजा जसवन्तसिंघ ५६३, ५६५, ५६६,
 ६७०, ५७१, ५७२, ५७४, ५७५,
 ६८२, ५८३, ५८४, ५८६, ५८७,
 ५८८, ५६१।
 ३६१, ३६४, ४१५, ४१८, ४२२,
 ४३७, ४४६, ४६२, ४६७, ४७६,
 ४८१, ४६३
 राजा जैसिंघ कछवाहो ४६३, ४६६,
 ४६५, ४८६, ४६३
 राजा जैसिंघ विशनसिंघ रो कछवाहो
 ४६६

राजा जोगराज माराज नरसिंघ रो
 वू देलो ४६६
 राजा टेकचन्द कुमांक रो ४६४
 राजा टोडरमल वजीर ४६०
 राजा टोडरमल ईटासी रो ४६७
 राजा तखतसिंघ ५६०, ५६१, ५६३,
 ५६६, ५६८, ५६९, ५७२, ५७३,
 ५७५, ५७७, ५८२, ५८५, ५८७,
 ५८९
 राजा दलपतरायसिंघोत ४२२
 राजा देवीसिंघ वू देलो ४६७
 राजा नथमल पंचोली वू देलो
 ४६२
 राजा प्रताप बगला रो ब्राह्मण
 ४६५
 राजा प्रतापसिंघ ५७६
 राजा फतसिंघ ५७२
 राजा वासु पजाबी ४६२
 राजा वू देलो ४६६
 राजा भगवानदास ४६०, ४६३
 राजा भारत रामचंदर रो वू देलो
 ४६४
 राजा भारमल कछवाहो ४६०
 राजा भावसिंघ ४६३
 राजा भीवसिंघ ५७२, ५८५
 राजा भीव सीसोदिया ४१८
 राजा भोजराज पंवार ४४४
 राजा मनोर कछवाहो ४६१, ४६२
 राजा महेसदास ३६१
 राजा महेसदास रतनसिंघ रो
 ४१५
 राजा मानसिंघ ५५९, ५६१, ५७१,
 ५७३, ५८१, ५८५ ।
 ४१६, ४३७, ४५८, ४५९, ४६५,
 ४७०, ४६४

राजा मानसिंघ कछवाहो ४६०, ४६२
 राजा राजरूप जंबू रो ४६६
 राजा राजसिंघ कछवाहो ४६४
 राजा रामचद उडीसा रो ४६१
 रान्ना रामचद वू देलो ४६२
 राजा रामचद वधेखो ४६०
 राजा रामदास राजसिंघ रो कछवाहो
 ४६५
 राजा रामसिंघ रतनसिंघोत ३६२
 राजा रामसिंघ राठोड वीकानेर ४६०
 राजा रामसिंघ हाडो ४६९
 राजा रायसिंघ ४२२
 राजा रायसिंघ नागौर ४६६
 राजा रायसिंघ राठोड वीकानेरीयो
 ५८८
 राजा रायसिंघ सीसोदीयो ४६६
 राजा रुघनाथ ४६७
 राजा रुघनाथसिंह ४२५, ४२६
 राजा रूपचद गुवाल्लेर रो ४६५
 राजा वखतसिंघ ५६०, ५६२, ५६३,
 ५६७, ५७०, ५८०, ५६२, ५६९,
 ५७० । ४१६, ५२३, ४७०
 राजा विक्रमसी पगुवा ४६७
 राजा वीरवर विरामण ४६०
 राजा विजसिंघ ५६२, ५७०, ५७१,
 ५७२, ५८०, ५८५, ५८७, ५९०,
 ५९२ । ४१६, ४३६, ४६७ ४७०
 राजा समरसी ऊदसिंघ विसवागरी
 सीसोदीयो ४६५
 राजा सलेदीन भारमल रो कछवाहो
 ४६१
 राजा सामसिंघ श्रीनगर रो ४६५
 राजा सारंगदेव ४६५
 राजा सुजाणसिंघ ४४४, ४४५
 राजा सुरल वामुमन रो ४६४

राजा सूरसिंघ (सूरजसिंघ) ५६०, ५६२,
५६३, ५७६, ५८०, ५८३, ५८६,
५८७, ५८८, ५९४ । ३६१, ४१४,
४१७, ४१८, ४३६, ४४४, ४५०,
४७२, ४६३, ४३०, ४३१, ५६०

राजा सूरसिंघ वीकानेरीयो ४२२, ४६४

राजा हरजी ४४४

राजेश्वर जगतसिंघ ५७५

राजो लखो गोयल ४०१

राणा ऊधरराण ३६६

राणा उमेठसिंघ सिरदारसिंघोत ३०७

राणा केसरीसिंघ सिरदारसिंघोत
३६६

राणा गणसीदे ३६६

राणा चद ४१०

राणा चनरासिंघ सिरदारसिंघोत ३६७

राणा जीवण लख सा० ३६८

राणा जसिंघ राजसिंघोत रो सीसोदीयो
४६८

राणो जोगराज ४१०

राणा ठाकुरसी ३६६, ४११, ४१२

राणा डू गरसी ३६६

राणा तेजमाल ४१०

राणा दीपाली चवाण लखजी ३६६

राणा देपाल ३६६

राणा देवीदास वीजावत ४३८

राणा पंचाण ४११

राणा प्रगता वागावत चारण ४०७

राणा भीम राजसिंघ रो सीसोदीयो
४६८

राणा भोजराज ३६६, ४१०, ४११

राणा मलु सिरदारसिंघोत ३६६

राणा मानो ३६६

राणा राजसिंघ उदपुर रो सीसोदीयो
४६८

राणा राजसिंघ सीसोदीयो ४६३

राणा वीसल ३६६

राणा वीसलदे ३६६

राणा सकर राणा प्रताप रो भाई
सीसोदीयो ४६२

राणा सा पठाखान, गुढारा ३६०

राणा साहूल ३६६

राणा साखद ३६८

राणा सिवराज ३७०, ३६५

राणा सुजारासिंघ सिरदारसिंघोत ३६६

राणा सूजो ३६६

राणा सैगर ऊदसिंघ रा सीसोदीयो ४२२

राणा सैसमल ३६६

राणा हापोजी चवाण ३६८, ३६६

राणी राणावत ५७६

राणो 'राणावत' पंचाण रो राठोड़
४७५

राणो वीरमोत ऊदावत राठोड़ ४३४

रादा ४७६

रामकवर (जसवत दे हाड़ी) ४६२

रामकरण पचोली ४१६

रामधण सुरदी दीला वालो ४६५

रामचद ४६६

रामचद कछवाहो ४६१

रामचंद पंचोली ४७८

रायसिंघ सोहाणोत राठोड़ ४२२

रायसिंघ विजसिंघोत चवाण ४०६

रायसिंघ लाहसिंघ चवाण ४०६

रायसल दरवारी सेखावत ४६०

राव अनोपकरण ४६७

राव अमरसिंघ ४२२, ४२३, ४५१

राव अमरसिंघ राठोड़ ५७०,

४७३, ४६३

राव आसथान ४७७

राव इंंदरसिंघ ४६६, ४६८

राव उदैसिघ ४७४
 राव ऊदो सूजा रो ४७४
 राव करण भुरटीयो ४६७
 राव कानडदे ५६३
 राव गागा ५६०, ५७६, ५८२, ५८४,
 ५६१, ५६२। ४८०
 राव गांगा री राणी ५८१
 राव चन्द्रसेन ५६२, ४३३, ४३४, ४३८,
 ४३९, ४४०, ४७४
 राव चूंडा ४२१, ४७६, ५०१
 राव छतरसाल ५८२
 राव छत्रसाल वूंदेलो ४६३
 राव जगदे केलण भाटी ५००
 राव जगमाल ४७२
 राव जालमसिघ मोकमसिघोत
 ३८६
 राव जैमल राठोड़ ४७२, ४७३,
 ४७५
 राव जैसिघदे सोनगरा ३६०
 राव जोधा ५५६, ५६०, ५६१, ५६४,
 ५७६, ५८१, ५८४, ६८१, ५८४,
 ५८५, ५८६, ५८८, ५८९, ५९१,
 ५९२, ४२५, ४७१, ४७८, ४७९,
 ४८०
 राव दुरगो सीसोदियो ४६०, ४६३
 राव दूदा ४३३, ४३७, ४७१, ४७४
 राव घांघल ४७७
 राव भारो जाडेचो ४६५
 राव घूहड़ ४७७
 राव पदमसिघ अणुदसिघोत ४०६
 राव पातोजी सोनगरा ३६०
 राव पीताम्बरदास खतरी ४६०
 रामचंद मधुकर रो वून्देलो ६६१
 रामजसो जाडेचो ४६५
 रामजी जैमलोत ऊहड़ ४३५

रामदास कछवाहो ४६१, ४६२
 रामदास खवास सोभावत ४४६
 रामदास दीवाण राठोड़ ४६१
 रामदास रा० सूरतसिघ रो ४६५
 रामदास राठोड़ ४७२
 रामपाल जोधाजी रो राठोड़ ४७५
 राम मूता ५८८
 रामसिघ ४६४, ४६६
 रामसिघ अनोपसिघोत चवाण
 ४१०
 रामसिघ कछवाहो ४६६
 रामसिघ कुंभावत भाटी ५६२
 रामसिघ चुतरसिघोत चवाण ४१०
 रामसिघ मोकलसिघोत राठोड़
 ३६२
 रामसिघ राठोड़ ४१६, ४६८
 रामसिघ राठोड़ बीकानेर रो ४६२
 रामा माली ५८७
 रामा मुंहता ५८७
 रामाराव तिलोकचंद चदरावत
 ४६६
 रामेश्वर वेदीयो ४५२
 रामोजी राठोड़ ४७४
 रायसिघ ४६३
 रायसिघ अमरसिघोत ५२२
 रायसिघ कावा ४१८
 रायसिघ गठोड़ ४७३
 रायसिघ रिणमल रो जाडेचो ४६७
 रामो वेद मुता ४४३
 रायकरण दीवाण गुजरान ४६४
 राय खीवसी भंडारी ४७६
 रायपाल राठोड़ ४७६
 रायमल ४४०
 रायमल मालदेओत ४७१
 रायमल सिघवी ५८१

राय लालचन्द कावल रो ४६८
 राव बलूजी सोनगरा चव्वाण
 ३६०, ३६१, ३६६, ३८४, ३८६,
 ४०८, ४१०, ४११
 राव वागोजी ४७६
 राव वीकोजी जोधाजी रो राठोड
 बीकानेर ४७५
 राव भगवत भदोरीयो ४६४
 राव भागधिस हाडो ४६६
 राव भोजराय सुरजन रो हाडो बू दी रो
 ४६०
 राव मलीनाथ ४७६
 राव मालदे ५५६, ५६०, ५६१, ५६३,
 ५७६, ५८०, ५८१, ५८२, ५८४,
 ५८६ ५८७, ५८८। ४३६, ४३८,
 ४६७, ४७१, ४७२, ४७४, ४७६,
 ४८०, ४८१
 राव मौकमसिध लालसिधोत चव्वाण
 ३८६
 राव मोतीसिध पदमसिधोत ४००
 राव रतनसिध महेसदासोत ४१८
 राव रतनसिध राठोड ४७१
 राव रतन हाडो बू दी रो ४६३
 राव राम ४३३, ४३४
 राव रायमल ४७१
 राव रिडमल ४७८
 राव लालसिध अणंदसिधोत ४०६
 राव लालसिध पदमसिधोत ४००
 राव वनमालीदास मुसरफ ४६५
 राव वजरग सोनगरा ३६१
 राव वरजांगसिध ४०७, ४०८
 सब वरसल प्रथीराजोत ४३५
 राव वरसिध ४३६, ४७१
 राव वरसिध जोधा रो ४७४
 राव वीदा जोधाजी रो राठोड ४७५

राव वीरम ४७१
 राव वीरमदे मालदावोत चव्वाण
 ४०८
 राव सगरामसिध सोनगरा ३६०
 राव समैजा सा० वाहादुर ३७६
 राव सलखाजी ४७६
 राव सांवलदास ४१२
 राव सातल ५६०, ५८२
 राव सीहो ४१७, ४७१
 राव सुंदरदास ४६४
 राव सुजाणसिध ४१५
 राव सुपुड ४६३
 राव सुरजन हाडो बू दी रो ४६०
 राव सुरताण ४३४, ४३५
 राव सूजा ५६०। ४७४, ४७६
 राव सैसमल ३६२, ३६३, ३६० ३६१
 रावल भीम भाटी जेसलमेर रो ४६१
 रावल भोजदे ५०१
 रासो चहुवाण ५८८
 रासो जोगावत ईंदो ४३४

रि

रिडमल राठोड ४६८, ४६६
 रिणछोडदास गीयनदासोत राठोड ४५३
 रिणछोडदास पुसकरणो विरामण ५६७
 रिणछोडदास राठोड ४६५, ४६६
 रिणजीतसिध जोधा ४७०
 रिणधीर डेडरीयो ४३३
 रिणमल जामनगर रो जाडेचो ४६७
 रिणमल नीवावत भाटी ४३३

रु

रुगनाथ भंडारी ५६७, ५६६।
 ४३७, ४७६

रुघनाथ बाघोत भाटी ४४६
 रुघनाथ हकीम ४६५
 रुघनाथदास मीसोदीयो ४६८
 रुघपत पाचो ४४७
 रुदरसिंघ मार्सिघोत भदोरीयो ४६८
 रुसतम मीयां ४५७

रू

रूपदे चारण ३६३
 रूपसिंघ अमरसिंह देवड़ा ३६५
 रूपसिंघ देवड़ा ३६५
 रूपसी वैरागी कछवाहो (भारमल रो भाई)
 ४६०
 रूपा देवड़ी (चांपा गेलोत री बहू)
 ५८६
 रूपो वंचायत छीपो ५८४

रे

रेखो माली ५८५

रै

रैणायर मूला ४७६

ल

लखधीरसिंह नोधा ४७०
 लछमीनारायण कछ रो ४६५

ला

लाखा ४५३
 लाडा फरास ४५८
 लालजी पटित ४५७
 लालदास सेखावत ४४७
 लालसिंघ मेघसिंघोत चवाण ४०१

लालसिंह मोड़सिंघोत चवाण ४०६
 लालसिंघ राजसिंघोत चवाण ४०६
 लालसिंघ सिरदारसिंघो चवाण ४०२
 लाबू हलालखोर ६५८
 लालो खोजे ५६१
 लालो वीरसर रो ब्राह्मण ४६१

लि

लिखमीचन्द राजा कमा रो ४६५
 लिखमी राणी (राव सूजा री पत्नी)
 ४७६
 लिछमणसिंघ राठोड ४६८, ४७१

ली

लीखमीचन्द ४४३

लु

लुणकरण भंडारी ५८३, ५६४
 लुणकरण वीरमदेवोत चवाण ४०६

लू

लूणो भंडारी ५६८ । ४७८, ४७६
 लूणो राठोड ४६६

लो

लोलो श्रीधर कानुंगो ३६६, ३७०

व

वछराज गोड़ ४२५
 वछराज भंडारी ४७६
 वनेसिंघ सगतीदानोत चवाण ४००

वसुदेव चन्दनखेडा रो ४६६
 वरजाग भीमोत ४७८
 वरदीन खोज ४१३
 वरसाल पातलोत राठोड ४३४
 वसत नाजर ५८८
 वाला धवेचा ४४४
 वालीगो रजपूत ४४३

वि

विक्रमादीत राजा वधेला ४६२
 विजैसिंघ देवीया राठोड ३७६
 विजैसिंह मूँता ५७६, ५८५
 विठलदास राठोड ४७२
 विठलराय गुसाईं ५७१
 विसनसिंघ किसनसिंघ रो कछवाहो
 ४६८
 विसनसिंघ राठोड ४६७, ४६८
 विहारीदास राठोड ४६५, ४७१

वी

वीकमसिंघ सोनगरा ३६०
 वीकससिंघ चवाण ३६८, ३६९
 वीजा दौ० ४३५
 वीजोजी राठोड ४७२
 वीजो वीरराजोत राठोड ४३
 वीठल विणजारा ५६५
 वीठलजी राठोड ४७७
 वीठलदास कुसलायत ४५३
 वीठलदास भडारी ४०६
 वीठलदास राठोड ४६६
 वीदो खीची ४३३
 वीदो साकरोत राडवरो ४३५
 वीनाबाई ४४४
 वीरदान केसु रो चारण ४०८
 वीरनारायण पंवार ४३८
 वीरमदे ५६१

वीरमदे जसराजोत, धवेचो ३६६
 वीरमदे देवडा ३८७
 वीरमदे ववीचा चवाण ३७८
 वीरमदे सोनगरा चवाण ३६०
 वीरमदेव सीसोदीयो ४६६
 वीरमसिंघ चवाण ३६८
 वीसनदास हातीसिंघोत चवाण ४०६
 वीहारीचद ४६३

वृ

वृ दावन सतोखीदास जोसी ४५३

वे

वेणा दवे सिरमाली ४५०
 वेणीदास सिवराजोत चवाण ३६०
 वेदगराय व्यास ४५३
 वेला मूँता ५८५

सं

सकर वारट ४२२
 सकर व्यास ५८१
 सकरपाण जोसी ५८४
 सगराम ४२६
 सगराम सुखदानोत चारण ४०८
 सगरामसिंघ आईदानोत धवेचा राठोड
 ४१०
 सगरामसिंघ जँवू रो राजा ४६५
 सगरामसिंघ राठोड ४६८, ४७१
 सपत राजा ५६४, ५६५
 सभोजी सेवाजी रो दिखणी ४६८
 संवरसी सोनगरा चवाण ३६०

स

सईद कासम ४१६

सकतसिंघ मानसिंघ रो कछवाहो ४६१

सगतसिंघ जोघा राठोड ४७४

सगतसिंघ मोटा राजा रो राठोड ४२२

सगतसिंघ राठोड ४६५

सगतसिंघ वेणीदासोत चुंग ३६१

सगतीदान देवीसिंघोत चवाण ४०६

सगतीदान मानावत चवाण ४०६

सगतीदान राठोड ४६५, ४६८

सगतीदान रायसिंघोत चवाण ४०७

रुगर राणा प्रतापसिंघ रो भाई

सीसोदीयो ४६१

सता भोजराजोत चवाण ४११

सतोजी चूडाजी रा राठोड ४७६

सत्रुसाल रिणमल रो जाडंचो ४६७

सवलसिंघजी री बहू ४५०

सवलसिंघ ठाकुरसिंघोत देवडा ३६५

सवलसिंघ मानसिंघ रो कछवाहो ४६१

सवलसिंघ राठोड ४६६, ४६७, ४६८

सवलसिंघ सीसोदीयो ४६६

समन टाटीया ४६४

ससन टाटीया ५६४

समरो भडारी ४७८

समावली मेहलीया (अखैराज जी री
बहुवा) ४५१

सरदारसिंघ मालदेवोत ३६१

सरूपदे भाली (राव मालदे री) ५८२

सरूपी घायवेन ४४८

सलेमखा पातमाह ४२१

सलेमसा पातसाह ५६२

सवाई जैसिंघ ४२२

सवाई रैमतखा जैरडीयो ४१०

सवाईसिंघ पदमसिंघोत चवाण ४०२

सवाईसिंघ राठोड ४६६, ४६७, ४६६

सहदेव सोलंकी करणा रो ५८८

सहेसो मागलीयो ४३३

सां

सांकर जैसिंघोत राठोड ४३२

सांगो पवार ४६२

साभरण ४१०

सामकरण राठोड ४६६

सामदास कानूंगो ३७०

सामी इन्दरपुरी ४०१

सामी किसनपुरी ४०१

सामी जैतपुरी नरपुरी रा चेला ३६२

सावत पवार ५०१

सांवतमल सिंघवी ४१६

सांवतसिंघ मुणोयत ४१५

सावतसिंघ राठोड ४४०, ४६८, ४६६,
४७०

सावतसिंघ सोनगरा ३६०

सांवतसी दहीयो ४३४

सावतसी सुरावत दो ४३५

सावलदास जादव ४६१

सावलदास नरहरदासोत चवाण ३६२

सावल रो वेटो ४५२

सा

सातल देवडा ४३३

सादी कासम गुजराती ३६२

सादुल चौधरी ४४८

सादूस घा० ४४८

सादूलजी राठोड ४७२

सादूलसिंघ राठोड ४६८, ४७१

सादूलसिंघ वीठलदासोत चांपावत ४६६

सादूलसिंघ हीदूसिंघोत चवाण ४००,
४०६

सामदास राठोड ४७२

सामदास सुजाघत देवडा ४३५

सामसिंघ ४६२

सार घूहडजी रा ४७७
 सारगदे (राव रिडमल री वेर) ४७८
 सारंगदे राठोड ४७२
 सालगराम नाजर ५७७
 सालमसिध चवाण ३६८
 सालमसिध राठोड ४६७, ४६८, ४६९
 सालमसिध सोनगरा चुंग ३६०
 सालवान ४९२.
 साहजहा पातसाह ४२५, ४९३, ३६१,
 साहासू साहजादा ४२५
 साहू दिखणी ४९३
 साहूजी मरेठो ४९९

सि

सिभूसिध जालमसिधोत राठोड ४६६
 सिधकरण राठोड ४६९
 सिध पवार ५०१

सि

सिरदारसिध मालदेवोत चवाण ३८८,
 ३८९

सिरदारसिध राठोड ४७०
 सिरमल साह सखवालेचा ५९२
 सिवदान फतसिधोत, चवाण ३९१
 सिवदान हरावत चवाण ४१०
 सिवदानसिध जोधा ४७०
 सिवनाथसिध राठोड ४६८, ४६९, ४६०
 सिवनारायण जोसी ५७५
 सिव्वारायण पवार ४३८
 सिवपुरी ४०७
 सिवराज चवाण ३६८
 सिवसिध ४९९
 सिवसिध इ दरसिधोत चवाण ४०९
 सिवसिध राठोड ४६५, ४६७

सी

सीदल जोपसाजी रा ४७७
 सीभूसिह राठोड ४६८

सी

सीपा लालां ५९५
 सीया रगा ५७९
 सीयो वेद मुता ४४३
 सीलारखान ४१४
 सीलारखा ईसरखा रो ४१८
 सीलु बोग व्यास पोकरण ४८०
 सीवसिध राठोड ४६९

सु

सुंदर उडीसा रो ४९२
 सुंदर सिरमाली ४४५
 सुंदरदास सीसोदीयो ४९७

सु

सुकनो भडसाली मूता ४७९
 सुखदेव जोसी ४४७
 सुकदेव तीवाडी सिरमाली बीरामण
 ४८१
 सुखदेव सिरमाली त्रिवाडी ५६७, ५८४
 सुखमल सिधवी ४८०
 सुगमन ५९५
 सुग राजसिधोत ५९४
 सुगबे ५७९
 सुजाणसिध केसरीसिधोत जोधा राठोड
 ४७४
 सुजाणसिध चवाण ३८७
 सुजाणसिध नथसिसोत चवाण ४०२
 सुजाणसिध राठोड ४१९, ४९६

सुजातखा ५८७
 सुजायत खा नीवायत ५७६
 सुपरूदास ४६४
 सुपलराव पवार ५६४
 सुभकरणा वू देलो ४६६
 सुरणायची ४५३
 मुरताण पवार ४३३
 सुरताणजी राठोड ४७२
 सुरताणसिध दोलावत चवांण ४०१
 सुरा री वर ४३५
 मुलताग माजम सायबजादा ४५४
 सुखतानसिध चापावत ५७६
 सुलमखान सोवादार ४२१
 सुहड सेठ ५६४
 सुजा पिरागदासोत भाटी ४६०

सू

सूजो वरजांगोत ईंदो ४३४
 सूजो सूरतसिधोत चवांण ३६१
 सूरजमल गौड ४६६
 सूरजमल चवाण ३६२
 सूरजमल जेसा सादूलसिधोत चवांण ४०४
 सूरजमल देवीदास राणावत चवाण ३८८
 सूरजमल राठोड ४७७
 सूरजमल राव वलूजी रो चुंग ३६१
 सूरजमल सगतसिधोत चवाण ३६४
 सूरतनाथ ५७३
 सूरतसिध ओपसिधोत चवाण ४०२
 सूरतसिध चापावत ३६१
 सूरतसिध जवानसिधोत चवाण ३६६
 सूरतसिध नारखानोत भाटी ३६१
 सूरतसिध वलूओत ४६६
 सूर सलेमसाह ४७१
 सूरसा पातसाह ५८१

सूरसिध उर्दसिध रो राठोड ४७३
 सूरसिध चवाण ३६६
 सूरसिध वेणीदासोत चवाण ३६१
 सूरु गागावत राठोड ४३४

से

सेऊ वोग व्मास नाथावत ४८०
 सेखोजी राठोड ४७२
 सेरकरणा पवार ५६६, ५८७
 सेरखा ५६१
 सेरसिध ४१६
 सेरसिध राठोड ४६८, ४७०, ४६७
 सेरो जगलोत ४०६
 सेसजी चारण ३८४
 सयद मीर कासम खा ४१५

सै

सैसमल चवाण ३६२

सो

सोडो मई चारण ४०७
 सोनसिध चवांण ३८८
 सोभसिध जसराजोत घवेचो ३६६
 सोभागदे राणी ४४६
 सोभागदे राणी (म. सूरसिध री) ५८८, ४३५
 सोभो भौरावत चवाण ३६२
 सोभो सलखारो राठोड ४७६

रु

रुयामकंवर (राणीजी री वेन) ४५०

ह

हठीसिध दुरगदास मानावत चवांण ३६७

हंवरुदी जामुवेग ४१३
 हमीर कुंभावत राडवरो ४३५
 हरकगण नाजर ५७६, ५७७
 हरकावाई ५६६
 हरजी खाडा ४१४
 हरदयालसिंघ मुनसी ५७८
 हरवोला राजा उर्दसिंघ री ओलगणी
 ५००
 हरवसी वाई ६६२
 हरसीघ. ४०१
 हरसुखदास हरराजोत पंचोली ५७६
 हरी ई दो ५६१.
 हरीदास आईदासोत पंचोली ४७८
 हरीदास राठोड ४७२
 हरीसिंघ छतरसिंघ रो ४६८
 हुरीसिंघ जैतसिंघ रो जोघा राठोड ४७४
 हरीसिंघ वलुओत ४६६
 हरीसिंघ राठोड ४६८, ४७०, ४७७
 हसनकुली खां ४३३, ४३४
 हसनकुली खां री मा ४३४

हां

हासू पवर ५००

हा

हाजी मैकदखां मुनसी ५७८
 हाडीजी (किलाणदास राठोड री वेर)
 ४४२, ४४३
 हाडीजी बहू ४५६
 हाडी राणी ४४६

हाडी राणी (राव जोधारी) ५८१
 हातीसिंघ चुतरसिंघोत चवाण ४०५
 हातोसिंघ भोजराजोत चवाण ३६७
 हाथीजी राठोड ४७७
 हापोजी सोनगरा ३६०

हि

हिम्मतसिंघ राठोड ४६६

हीं

हीगोलो अहाडी ४७६
 हीगोलो आसाश्च ४३३
 हीदूसिंघ राठोड ४६८
 हीदूसिंघ रामसिंघोत देवडा ३६५
 हीदूसिंघ वनराज देवडा ३६५

ही

हीमतमल गेनीराम लोढा ४३७
 हीमतसिंघ प्रथीराजोत चवाण ४०५
 हीरदैनाराण हाडो ४६५

हु

हुकमसिंघ राठोड ४६७
 हुमायु पातसाह ४२१

हे

हेतु सीधी (हतुसंदी) ४१८
 हेमसिंघ लालसिंघोत चवाण ४०४

ग्राम, नगर, देश आदि

नोट:—पृष्ठांक ५५६ से ६०० तक प्रथम भाग के परिशिष्टों के पृष्ठांक हैं और ३५६ से ५०१ तक के दूसरे भाग के परिशिष्टों के पृष्ठांक हैं ।

अ

अकबराबाद ४८८
 अगडावो ३७२, ३७४, ३६२, ४०७
 अगराली ३७३
 अगलोई ४३६
 अगार ३७४, ३६०, ४०३
 अड़वालेसर ३७१
 अचलागढ ५००
 अचलपुर ३७४, ३७६, ४०२
 अचलपुर गुडो ३६०
 अजमेर ५६२, ५६८, ४१४, ४१६, ४२२,
 ४२६, ४२८, ४३०, ४६७, ४७०,
 ४७१, ४७४, ४८७, ५०१
 अजासर ४२३
 अजोध्या ५८६
 अटालीयो ४७३
 अनववाडो ४८८
 अरठी ३७१
 अरठो ३७१
 अरडुयो ३७४
 अरणावो ४०६
 अरणाय ३८७, ३६१, ३६४
 अरणाव ३७४
 अलेटी ३७४

आं

आटली ३६३
 आंतरोली ४७०
 आंतरोली खुरद ४४६
 आंतेरो ४८६
 आंवभरो ४७१
 आंवली ३७४, ३८८, ४१२

आंवलीयां ३६२
 आवेर ४२५, ४८७
 आमटकुई ३७१

आ

आऊओ ४६५, ४६७
 आकली ३७१, ३७२,
 आकोली ३७४, ३६१, ४२४
 आखरीया वाव ३७०
 आखो ३७०
 आगरा ४२२
 आवू ५००
 आमली ४०३
 आयो ४७७
 आयोर ४७७
 आलणीयास ४७५
 आलेठी ३७२
 आसणयो कोट ५७५
 आसुभुपो ३७१
 आसोप ४२६, ४३०, ४३१, ४३६, ४६७,
 ४६८
 आहोर ४६५

इ

इदोड़ ४८८

ई

ईंदाणो ४२४
 ईंदावटी ४२६, ४३०, ४३१

इडर ४७३
 ईरावडी ३८६
 ईसमालपुर ४८८
 ईसलो ३७४
 ईसरोघ ४१०
 ईसरोल ३८७, २६२, ३६६

ऊ

उदैपुर ४७८

ऊं

ऊंचाहेडो ४३२

ऊ

ऊखावराणो ४७०
 ऊणहडी ३७२
 ऊणहडो ३७१
 ऊदेही ४८६
 ऊमरकोट ४७०, ५०१
 ऊमाडा ४१८

अ

अमदाबाद ४१६, ५६३, ५६८
 अवाद ४२३

अं

अमदपुर ४७३

अो

अोगाली ३७१
 अोसियां ४२८, ४२६

अौ

अौरंगाबाद ४६२

कं

कंठालीयो ४६८

क

कटोल ३६५
 कठमोर ४७४
 कठोती ४२४
 कडमेर ४८८
 कडीयावास ३७०
 कमालपुर ४०६
 कमालपुरो ३८७, ३६४, ४००
 करावडी ४०५, ४०६
 करीयो ४१०
 करोली ५७५, ३६१
 कसूमी ४७०

कं

कांगोडा ३७२
 कांटीयो ३७१
 कांटेल् २७५, ३८७, ३६०
 कांणणो ४६६, ४७५
 कांपलीकोट ३६३
 कांमलीकोट ३६०
 कांमा ४८८

का

काचेलो ३७५
 कानावेरी ३७०
 कापडीकोट ३७३

कापरडो ४६७
काबल ३६१
काथलाणा ५७७
कारणा ३६१
कारोलाई ४०२
कालवा ३६०
कालू ४६५

कि

किसनगढ ४४१, ४७३, ४७४
किसोरी ३७५

की

कीड़ ४१०
कीटणोद ४६६
कीरावडो ३७५
कीरोल ४०८
कीलवा ४१२, ३७५
कीलाणो ४८८
कीलीयोहर ३७१
कीसुंरी ३६१, ४०१

कुं

कुंडकुई ३७२
कुंडल ५६१, ५६२, ४३६
कु भटीयो ३७३

कु

कुईप ४३६
कुइकी ४७१
कुडकुई ३६३
कुडी ३६५, ४३२
कुडी देवडां री ३७५, ३६१

कुचांमणा ४२७
कुतरकुवो ३७१
कुसीप ५८६

कूं

कूंभीयो ३७१, ३७२

के

केकड ३७२
केतू ४२८, ४२६
केराडू ५००
केरीयो ३७५, ३८७, ३६२, ३६३
केलावा ५६३

को

कोड कालमां री ३७५
कोचेलो ४१०
कोजो ३७२
कोटडो ४८८
कोटपुतली ४८६
कोटा ५७१, ५६३
कोठडी ४७०
कोडमदेसर ४७८
कोढणा ४२६, ४३०, ४३१
कोणोचो ४२३
कोरणा ४३६
कोली ४०६
कोलीयांणो ३७२
कोट मुजाहद ४८८

ख

खटुकडी ५६५, ५६७
खजवाणो ४२४

खरथल ४८८
खरवो ४७४
खलहलीऊ ३७१

खां

खांमराई ३६६
खांभल ४६८

खा

खाखरलाई ४३६
खाजरडी ३८८
खाद्द ४२३, ४६७, ४७७
खाद्द खुरद ४२३
खाद्द बडी ४२३, ४२४
खारडा ४६६
खारलां ४२८, ४३०, ४३१
खासे २७१, ४७४
खारी बाव ३७०
खारिया ४६७
खावड़लो ४०६
खासरवी ३७३, ४११

खीं

खींसर ४२८, ४२६, ४३०, ४३१
खीवाडो ४६६
खीयास ४७३

खी

खीरणी ४१४

खे

खेड ५६५
खेजडीया ३७०, ३६६, ४३६

खेतासर ५८०
खेरवा ४२८, ४२६, ४३०, ४३१, ४७३
खेरवो ४६६
खेराट ४६६
खोखरो ४६८, ४६६
खोड़ीया रो गढ ४६६
खोहरी ४८८

गं

गंगाकूवो ३७१
गंगावस ३७८, ३६०
गंगावास ३७६, ३६३
गगासर ३७०, ३७३
गगासरो ३७१
गंधवा ४१२

गं

गडासो ३७६
गडी ४३६
गजीफीकी ३७६
गरढाली ३७६, ३८७, ३६४
गलीको ३६१
गलीफो ४००, ४०६

गां

गांगाणी ४२६
गांधरावास ३६६
गाणेतो ४०२
गाधव ३७६, ३८८

गा

गाडलीऊ ३७१

गी

गीघड कूवो ३७२
गीडां ३६६
गीडो ४३६

गु

गुगड़ी ३७३
गुडा ३६६, ३६९
गुढा ४६८
गुदरे ४१७
गुदवच ५६२ । ४२८, ४२९, ४३०,
४३१

गुदाहर ३७२
गुमठेट ४३६
गुरड ४३६

गू

गूदाऊ ५०१
गूदी ३७२
गूलर ४७५

गे

गेनाल ४०३
गेलासर ४७४

गै

गैनांणी ४७७

गो

गोळं चारणां री ३७०
गोगावाला ४३६
गोडा ३७०

गोठो ३७०
गोघावासीयो ४३२
गोपी ४०७
गोमी ३७६, ३६२
गोयंदगढ ४७०
गोराऊ ४७०
गोलास ३६२
गोलासण ३७६, ३६३, ३६४
गोवां खुडद ४२४
गोहली ३७१
गोहूवो ४३१

घ

घडसो ३८७, ३८६, ३६६, ४१०, ४११,
४१२
घमांणो ३७६
घरणावस ३८०, ४०६
घसाणी ४०६

घा

घाटीयाद ४७०
घाणतो ३८०, ३७१
घाणेराव ४७३, ४७५
घाणो ४७५
घासण ४७१

घी

घीगाणो ३७०

घू

घुलेराव ४७३

घू

घूढावो ३७१

घो

घोरीमनो ३७२

चं

चंडावल ४३६, ४६८

चंपावेरी ३७२

च

चजरायो ४०५

चजार ३६०

चजीरो ३७६

चडीवाव ३७०

चमली ३७२

चरटवो ३६१

चवां ४६६

चां

चांचवाडी ३८४

चांदसमो ४६६

चा

चाटसु ५६२ । ४८७

चाडी ४७६

चाणोद ४६५, ४७३, ४७५

चारणी ४०५

चारणीव ३७७, ४०६

चाल ४८८

चालकनी ३७१

चाहली ३७२

चि

चिढी ४७७

चिरपटीयो ४६७, ४७७

ची

चीणवी ३८६

चीतरडी ३७१

चीतलवांगी ३६१

चीतलवांगो ३७७, ४००, ४०७, ४०८,
४१२

चीतोड़ ४२२, ४७१, ४७३, ४७८

चीबड़े ४६६

चीमडो ३७२

चूं

चूंटीसर ४२३

चे

चेलानंडी ४३६

चेलगवस ४६८

चो

चोकेलाव ५७३, ५७५

चोखां ५६८ । ३७०, ४३१

चोटील ३७१

चोढां ३६१

चोरण ३६६

चोरां ३७७, ३६३, ४०६

चोहराणा ३८६

चौ

चौपड़मेड़ी ३७१

चौपासणी ५६३

छी

छीजर ५८८

छोपीया ४६६

छ

छूटाकुई ३८६

छू.

छूंदावेरी ३७२

ज

जड़फों ३७३

जलदरा ४०६

जलघरा ३९०

जलघरी ३८०

जलालपुर ४८८

जवघरा ४१०

जहांनावाद ४५४

जाँ

जांगोलड़ी ३८०

जांणठी ३८८

जांणवी ३७७, ३९०, ४०२

जाह

जाखड़ ३७२, ३९३

जाखण ५८५

जाखल ४०२

जाखेल ३९१

जाडवो ३७८

जादण ४६८

जाव ३९१, ४०२

जालप ५८७

जालसु ४७५

जाले वेरी ३९६

जालोर ५६२, ५६५, ५७५, ५८९।

३६०, ३६१, ३६३, ३६८, ४

४१३, ४१४, ४१५, ४१६, ४

४१८, ४१९, ४२०, ४३४, ४

४४५, ४७८, ५००

जाव ४१०

जावलो ४७५

जावस ४७०

जी

जीखेल ३७७

जीजासण ३७७

जीजोसण ४०८

जीवणपुरी ३८९

जु

जुजाले ४२४

जू

जूडण ३७२

जे

जेजीयावाव ३७१

जेठतरी ४६७

जेरोल ३९२

जेसलमेर ४४०, ४४१, ४७९, ४८१,

५००, ५०१

जै

जैतारण ४३२, ४६९

जो

जोड़ादर ३९८, ४१०

जोटड़ी ४०६, ४१२

जोटड़ो ३६२

जोडादर ३७८, ३८८, ३९०

जोतडो ४०६

जोधपुर ५५६, ५६०, ५६१, ५६२,

५६५, ५६६, ५६७, ५६८, ५७२,

५८०, ५८१, ५९०, ५९१, ५९२,

५९५ । ३६१, ३६६, ४१०, ४१५,

४१६, ४१७, ४२२, ४२३, ४२८,

४३०, ४३१, ४३२, ४३३, ४३४,

४३५, ४३८, ४४१, ४४५, ४४६,

४४१, ४६०, ४६७, ४७३, ४७४,

४७८, ४८०

जोलवाडा ४७८

भं

भवर ४६६

भा

भाडखंड ५६०

भाड़ोद ४७३

भाफ ४८७

भालामंड ४३२

भाव ३७७

भाँ

भाँतड़ी ४११

भे

भेरोल ३७७, ३६४

टां

टांपी ३६६

टा

टालगीया ४७०

टालपुरा ४७०

टु

टुकछा ४२१

ठा

ठालड़ी ३८३

डं

डंडोसरा ३७८

डंमाल ३७८, ३६१, ४०३, ४०६

डंसाल ४१२

डडोसरा ४०४, ४०६

डां

डांगरा ३८७, ३६५

डांगरो ३७६

डांगावास ३८६, ४३७

डा

डाडोसरा ३६२, ३७८

डाबली ३७०, ३६१

डाबाली ३७०

डावल ४०४, ४०६, ३७८

वे

डीघाडी ४३२

डीघोप ३७८

डीडवाणा ४६६

डीडावाव ३७०

डीभोग ३६१, ४००,

डीसा ४१६

डू

डुगरोट ४४३

डू

डूंगरी ३७१, ३६६

डूंगरीयाली ३७३

डू

डेढरो ३६१, ४००

डेडवो ३७८, ३६१, ४०२

डेढरो ३७८

डो

डोडीयाल ४१४, ५१०

डू

डूयी ३६७

डू

डेलडी ४८०

त

तड़ली ३७१

तणावडो खुरद ४३२

- तणावडो बडो ४३२

तलाचार ३७०

तां

तांतड़ी ३८८, ३८६

तांतड़ो ४०८

तांवड़ो ३७६

ता

ताऊसर री गढी ४२३

तारीसरो ३७१

तावड ४८८

ती

तीखो ४३६

तीतरोल ३७६, ३८७, ३६५, ४०६

तीलाणी ३६७

तु

तुटड़ो ३७८

ते

तेजपुरी ३८६

तेजीयास ३७०

तो

तोडेठक ४८६

तोरांहन ४३६

थ

थटा ५०१

थीराद ४०६

दं

दंताला ४३८

द

दधुडो ३७९
दघुडा ४०२
दयालपुरा ४७४

दां

दांतीया ३७९, ४०५, ४०९
दांरीयो ३८९

दा

दाघलो ३७९
दादरी ४८८
दादलो ४०४, ४०९
दादलोत ३९२
दासपा ४६६, ४७७
दासीणीयो ४६६

दि

दिली ४२१, ४२५, ४३७, ४४०, ४४१,
४४२, ४८०

दी

दीलोदर ३७९, ३८८, ३९०
दीलोघर ३९८, ४११

दु

दुख ४८८
दुगवां ३८८
दुगावो ३९५
दुगोली ४२३, ४७०, ४७४
दुगोरे ४८९
दुघड़ ३९५

दुठवो ४११
दुनावो ३८७

दु

दुठवा ३७३, ३९७, ३९०
दुणीयो-४२४
दुदोड़ ४६६
दुनाडा ४२८, ४२९, ४३०,
४६७, ४३१

दे

देखू ४२८, ४२९
देरावर ५०१
देवदी ४३९
देवरालो ४३९
देवलीयाली ४४१
देवलीयो ४७४
देवीभर ५९०
देहरीयाली ३७३

दो

दोसा ४८८

ध

धमांणो ३९१
धमीणा ४०६
धरणावस ३९२

धां

धांघीयां ४६६
धांमली ४६६
धांगड़वास ४४७

धीं	
धींगपुरो ४११	
धींगपुरो बडो ३८८	
धीगापुरो ३६८	
धी	
धीगांणो ४३२	
धु	
धुडवां ३८०	
धुनाडो ५६२	
धू	
धूडवां ४०१, ४१२	
धूडवो ३६०	
न	
नहार ४८८	
नां	
नांनडो ५७२	
ना	
नागोर ५७०, ५७४, ४२१, ४२२, ४२३, ४२४, ४६६, ४६७, ४७०, ४७३	
नागोलड़ी ३६१, ४०३	
नाडोल ५६२, ४७८	
नाडोलाई ४७३	
नाडौरगढ ५६२	
नानोल ३६५	
नारणीत ५७६	
नाल ४३८	

नि	
निवाई ४८७	
नी	
नीगणांणी ३७१	
नीवज ३७०, ३६६	
नीवी ४७१, ४७४	
नीवाई ४७४	
नीवाली ४८८	
ने	
नेणावाई ४८७	
ने	
नैसहसो ४८८	
नो	
नोघड़ो खुरद ४३२	
नोड़ी ३७०	
प	
पटेलड़ी ३७०	
पडाले ४६६	
पथूडा ३६३	
पनीरीयो ३७१	
परबतसर ४७१, ४७३	
परावा ३८१, ३६२, ४१२	
परावी ४०६	
पलादर ३८८, ३८६, ४०६	
पलाघर ३८०, ३८६	
पां	
पांचलो ३८७, ३६०, ३६७	

पांडखेरी ३७०
पांगाली ३७२
पांनलो ३८०
पांसरली ३७३

पा

पाडपुरो ३८०, ३८७, ३८९, ३९९,
४१०

पाटवो ३९७

पाटोदी ४७४

पादरडी ३९७, ४०७, ४४३

पादरडो ३८१

पादरणी ३९२

पादूवेरी ३७२

पाबोलाव ४२४

पारकर ३६८, ३७०, ३७३, ५००

पारवाडीया ३९४

पारावा ४०६

पारीवासु ४११

पालडी ५९०, ३८७, ३९०, ४०१

पालडी खुरद ४४७

पालडी देवडां री ३८१, ३९५

पालडी सोलंकीयां री ३८१, ३९१

पालणपुर ४१४, ४१९

पाली ५९४, ४२८, ४२९, ४३०। ४३१,
४७७

पाहडी ४८८

पीं

पीपाडुं ५६२, ४२८, ४२९, ४३०, ४३१

पी

पीचलो - ९५

पीणाली ३९३

पीथाबेरी ३७१

पीपलूण ४३८, ४३९, ४४४

पीलवौ ४६६

पीसांगण ४७४

पु

पुजाहर ३७२

पुर ३८०, ३९१, ४०३, ४०९

पुष्पमाल ४१७

पूं

पूंगल ५००

पू

पूरसा ३७२

पै

पैसावास ४३२

पो

पोकरजी ५६८

पोकरण ५६०, ५६१, ४२९, ४३०,
४६६, ४६७, ४७७

प्र

प्रतापपुरो ३९४

फ

फतैपुर ४२२

फरणो ४०१

फलसुंड ४३०

फलोर्घा ५६२, ५६४, ४२६, ४७६,
४८०

फा

फाग ४८७
फागलीयो ३७६
फारखो ३८१

फी

फीचेलो ४०८
फीरोजपुर ४८६
फीलवां ४०१
फीलवां खेड़ा ३६४

फु

फुलेलाव ५६१

फो

फोगरडवो ३६८
फोगरवो ३७०

व

वगड़ी ४६८, ४६६
वगरु ४२५
वगसडी ३८१, ३८८, २६०, ३६६
वडूसम ३८५
वडोद रांगारा री ४८६
वडोदो मेवात रो ४८६
वडोद फतेखां ४८८
वरडीयो ३७३
वरी ४७१
वलाडो ४७०

वलांसो ३८४, ३६१, ४०७, ४०६
वलूंदो ४२८, ४३०, ४३१
बहलवो ४२६

बं

बांबूडी ३७०
बांभाकुडी ४७०
बात ४६७, ४७७
बाभीणरु ३७२
बांभणलो ३७२
बांमणरु ३७१
बांकरी ४१४

बा

बाकरो ४६६ ४७७
बाकलीयो ४७०
बाखासर. ३७१, ३७३
बागावेरी ३७२
बाघावास ४६६
बाघुडी ३७०
बाडमेर ३६६
बावरो ४७०
बामणावास ३७०
बालदडो ३७१
बालसमद ५७२, ५७७, ५८०
बालेरा ३६२, ४१२
बाबडली ३८१
बाकरलो ३८६, ४०६
बावल भोजा री ४८८
बासण ४०६
बाहडुमेर ५००
बाहवर ४८८
बाहादरपुर ४८८

बि

बिसनपुरा ५८०

बी

बीकानेर ४२२, ४२३, ४४१, ४७१,
४३८, ५००

बीजापुर ४२३

बीलाड़ा ४२८, ४२९ ४३०, ४३१,
४६६, ४६७

बु

बुगरडो ४२४

बुटी ४७०

बुडसु ४७५

बुरानपुर ४१३

बुहल ३७२

बू

बूंदी ५८२, ४४१, ४४२, ४६२

बू

बूडसु ४६९

बे

बेडीयो ३९७

बेराई ४८०

बो

बोजी ३९७

बोठा ४०३

बोरू दो ४७५

बोहली ३७१

भ

भडवल ३९०, ३९४, ३९९

भडोद ४७४

भडाणा ४६७

भदसउ पालावास ३८२

भदाणा ४२३

भयोगेडो ४७५

भरकुवो ३९१, ४०४, ४०९

भरखोल ४८८

भरतपुर ५६८

भलगाव ३७२

भवातडो ३८२, ३८३, ३८८, ३९०,
३९८, ४१०, ४११

भां

भांदरूण बाभीयां री ३८२

भामरो ४८९

भह

भाऊडी ३७२

भाकु ३७०

भाखरी ४६९

भाटवस ३७०

भाटावस ३९९

भादराजण ५६२, ४२८, ४२९, ४३०,
४३१, ४७१, ४७४

भादरू ४०९

भादरूड ३८८, ४०२

भादसडी ३९२, ४००

भादसुड ३९१

भाभरलाई ४३९

मि

भिडक ५७७

मी

मीणाय ४७४

भीतरोट ४३५

भीनमाल ५६६ । ४१७, ४१६, ४२०,
४६७

मु

मुगीयावाला ५७६

भू

भूटीओ ३७१

भूपार ३७१

भूहेरो ३७१

भे

भेखडी ३७२, ३६७

भेराण ४८७

भो

भोजीयावेरी ३७१

भोड ४७३

भोणां ३६२

भोवांणो ४०८

मं

मंडारीयो ३७१

मंडाली ३८३, ३८८, ३६०, ३६७, ४११

मंडावर ४८६

मंडोर ५६०, ५६४, ५६५, ५६६, ५६८,

५७४, ५७६ । ४३१, ४३३, ५०१

मडोवर ५७६, ५८६, ५९० । ४७८,

४७६

म

मख ४०६

मथानिणीया ५६४

मदावाव ३७०

गरटवो ४०४

मरठवो ३८३

मलांणी ३७२

मलारणो ४८७

महामिंदर ५७३, ५७४

महेवो ४२६, ४३०, ४३१, ४७६

मां

मांगलोद ४२३. ४२४

मांझी ४२४

मांद्दी ३७१

मांडणावस ३७१

मांडपुरीयो ४२३

मांडव ४२१

मांडावस ४६६

मांघव ३६०

मा

माठा गुजर री ढांणी ४२५

माणकपुर ४२४

माणकी ३६७

मामोजावाद ४८७

मारोठ ४२५, ४२६, ४२७, ४७५, ४६३

५००

मालकोट ५६१ । ४३६, ४३७

मालगढ ५६२ । ४६६

मालपुरो ४८७

मालवाडो ३८२, ३६०, ४०३

मालसरो ३६६

मालाणी ३६७

मालोलाई ४१४

मासरबी ३८७

मासी ३७१

माहालाणी ३७२

मी

मीजल ४४२, ४६७

मीठडी ३७१

मीपल ३८२

मीपाल ३६४

मु

मुजी ३८२

मुणावेरी ३७१

मुदीयाड ४२४

मुलतान ४२१, ५००

मुली ४०६

मू

मूडवा ५७० । ४१३, ४२४, ४६६

मूदयार ५८७

मू

मूणीयासर ३७३

मूदलुउ ३७१

मूली ४०५

मूली चवाणां री ३६१

मूलीयांणी ३७३

मे

मेगावी ३७१

मेघावी ३६३

मेड़ता ५६१, ५६२, ५७२, ५८०, ५६४।

४२४, ४३६, ४३७, ४४४, ४४६,

४७१, ४७२, ४७३, ४७४

मेजापुर ४८६

मेठो ३८७

मेडो ३८३, ३६०

मेलाप ३८३

मेलारस ३७०, ३६१, ३६६, ४१०

मेहाजाजीऊ ३७१

भो

भोकलवास ५६०, ४३२

भोड़ी ४३६

फ

फ्हेलीया ४१४

या

यावतलावडी ३६६

रं

रंगाऊली ३७१

र

रडवल ३८३, ३६०, ४११

रणथभोर ४८७
 रणसीगाव ४६७
 रणोदर ३८३, ३९०, ४००
 रतनमाल ४१७
 रतलाम ४७४
 रताई ४८८
 रतासरी ३७०
 रतोड़ी ३८७, ३९२, ४००, ४०९
 रतोडो ३८३

रां

राणावास ३९४

रा

राईकावाग ५७६, ५८२, ५८४
 राऊवसर ३७२
 राडघड़ी ४१३
 राडघरी ५०१
 राजऊवो ३७२
 राजगढ ४७३
 राजपुरो ३९८
 राजूडी ३७२
 राणापुर ५९३, ३६८
 राणासर ३७३
 रातड़ीयो ४६६
 राघणापुर ५००
 रामपुरो ४००
 रामसरी ४७३
 रामसेण ५०६
 रायण ४७१
 रायपुर ३६९, ३९६
 रायपुर सीधला री ५६२
 रायोतसर ३७२
 रावड़ीयो ४७०

रि

रिणसी गाव ४६६

री

रीयां ५६२। ४३६

रे

रेवाडी ४८९

रेवारी हीरा वेरी ३७१

रो

रोएसो ४७०

रोडो ४७०

रोयट ४६५, ४७७

रोल ४७३

रोलयो ३७३

रोहठ ४२९, ४३०, ४३१

रोहलो ३७२

रोहलो मालाणी ३७२

ल

लेवेरो ४२८, ४२९

लां

लांवो ४२६

ला

लाखावास ३७२

लाचडी ३९०, ४००, ४१०

लाडणू ४२३, ४२४, ४७०, ४७१

लालावास ४२६

लासड़ी ३८७
लाहौर ४१३, ४३५, ४५२

ली

लीणरवाहु ३७२
लीपादडो ३६०
लीपादरो ३८३, ४०४
लीसाणो ४८८

लु

लुणसर ३७३, ४२४, ४७५

लू

लूणवा री देवली ४२६
लूणियावास ४०८
लूणा पाणण ३८४
लूणीयास ३६२

ले

लेडी ४७०

लो

लोटीसर ३७०
लोटोतो ४७०
लोहालीयो ५८४
लोहीयाणो ५०१
लोद्रवी ५०१

व

वडसम ३६२
वडसस ४०७

वड्डु ४७५
वणपुरी ४१२
वणो देव ३६५
वदनोर ४७३, ४७५
वरडवल ३८८
वरडवाली ३६८
घरण गांव ४२४
वरणपुरी ३८५, ४०४
वरणवी ३८८
वरणवो ३८४, ४११
वरणवो ३६०, ३६७
वरणासर ३७२
वसवांणी ४२४
वसवो ४८८

वां

वांक ३७२, ३८४, ३८६, ४०५
वांमटीयो ३७१
वांसरली ३७१
वाख ४१२
वागरी ४१४
वागास ४३६
वाचलो ३७२
वाटकी ३८२, ३८८, ३९०, ३९८,
४११
वाडसां ४६७
वाडीयो ४६७
वाराही ४८६
वालर ३६५
वालेरा ३८१, ४०४
वासण ३८४, ३६५, ४००
वासणी ३६२
वासणी देवडां री ३८४, ३९०
वाहली ४२८, ४३०, ४३१

वीं

वीटली ५६२

वी

वीठोरी ४६७

वीरमपुरी ३८७

वीराऊ ३८५

वीराऊवो ३७२

वीरावो ३६३

वीरोल ३६१, ४०६, ४१०

वीसलकुवो ३७२

वीसलपुर ४३३, ४५१

वीसासर ३७२, ३७३

वीसीयावेरी ३७०

वीहोल ३८४

वे

वेडीयो ३७०

वेचवाडी ४०१

वेचीपाडी ३६०

वेजपुरी ३८७

वेणपुरी ३६०

वेरी ३६३

वेसालको ४०१

वेसालां ३८४, ३६०

वो

वोडवो ४२४

वोड़ा ३८५

धी

श्रीमाल ४१७

स

सगतीपुर ३५६

सगरवाव ३७१

सड़वल ३८१

सथलाणो ४६६, ४७७

समदड़ी ४७५

समदरडी ४६६

सखांणो ३८६

सरगोठ ४२७

सरचीणां ३६४

सरवाणो ३८६, ३६१

सराघणा ४७१

सवांण ३८२

सां

सांगड़वो ३८५

सागानेर ४४६

साचौर ३५६, ३६०, ३६१, ३६३, ३६४

३६८, ३६९, ३७०, ३७३, ३८७

३८६, ३९०, ३९१, ३९३, ३९४

३९६, ४०८, ४१०, ४१२, ४१७,

४१६

सातेरीयो ४०५

सांभर ४२५, ४२७

सांमी री वेरी ३७१

सावरीडरी ४७१

सा

साऊ ३७२

साकरस ४८८

साकरीयो ३७०, ३६६

सागड़वो ४०४, ४०६

सातरीयो ३८५, ३६०

सातलमेड़ ५६०, ५६१, ४२६
 सातो चारणा री ३७१
 सादड़ी ४६५
 मायली ३६६
 सालावास ५६५
 सालाहर ३७२
 साहाळ ३७२
 साहारलो ३७२
 साहली ५६३

सि

सिणला ४६६, ४७७
 सिधपुर ३६०
 सिनाई ४८६
 सिरीयारी ४६८
 सिव ४०६
 भिवाणा ५६२, ४१४, ४७०

सों

सीदवाडो ३७३
 सीवसेडो ४३६

सी

सीकर ४२३
 सीणाणीयो ३७१
 सीदेपुर ३८५
 सीधेसुर ४०१
 सीमारड़ी ३७१
 सीया ४७३
 सीरोही ४१७, ४३४, ४३५, ४३८,
 ४३९, ४८०
 सीसू ३८६, ३९०
 सीसूको ४०३
 सीबोसण ३८६, ३९२, ४०८

सीवाणा ५८६, ४३०, ४३८, ४३९,
 ४४०, ४४१, ४४२, ४४३, ४४४,
 ४४५, ४५०, ४५६

सीहमूल ३७२

सुं

सुतले ३६२

सु

सुटाकुई ३७२
 सुतडी ३६७, ४११
 सुनेर ४८८
 सुनेहर ४८६
 सुमेल ४२१, ४७१
 सुरवो देवडा री ३६१
 सुरावो ३६५
 सुवागी चारणा री ३७१

सूं

सू घाळ ३८३
 सू टाकुई ३६३
 सू तडी ३८६, ३८८, ३९०
 सू रावो ३८५

सू

सूरपुरा ५७६
 सूराचद ३६०, ३६८, ३६९, ३७०,
 ३७३, ३६५, ३६६, ४१५, ५००
 सूराबद (सूराचद) ३६८
 सूरावाव ३७१

सैं

सैंसाळवो ३७२

से

सेडवो ३७१
 सेतरावो ४२८, ४२९
 सेमारडी ३९६
 सेली ४०२
 सेवाडी ३८५, ३९१, ४६६
 सेवाडो ३६०, ३६८, ४०५
 सेवावो ३९७
 सेहणो ३७२
 सेहेली ३८५, ३९१

सै

सैनारणो ४०१

सो

सोजत ५६०, ५६२ ५७२, ५९४, ४६०,
 ४७८, ४२९, ४३३

सोनारडी ३७२
 सोनेली ४२४
 सोहोताणो ३९०

सौ

सौकडा ४८०

ह

हड़मताई गढ ३६२
 हड़ीतर ४०२
 हडेवर ३८६
 हदवो ३७२
 हरपालीयासर ३७२
 हरसाणो ४८८
 हरसोलाव ४६६, ४७७
 हरीयाडाणो ४६६

हरीयाली ३८६, ३९१, ४०९
 हरीयालो ४०३
 हवेली ४२८, ४२९, ४३०, ४३१,
 हसतुडी ३७३
 हसनपुर ४८८, ४८९
 हसम ४१०

हा

हाडेचा ४०७
 हातर ३९१
 हातलो ३७३
 हातीगाव ३८६
 हारेचो ३८९, ३९२
 हाली वावडी ३७२
 हालीया वावडी ३९३
 हालु ३७२

ही

हीगलो ४६९
 हीडवाडा ३९४
 हीडवाडी ३८७, ४१२
 हीडवाडी ३८९
 हीरावसी ३७०

हु

हुतीगांव ४०१
 हुवरणी ४८८

हो

होकज ३७२
 हेमावाव ३७१

हो

होटली ४४४
 होतीगाव ३९१, ४०८

पर्वत और पठार

अवाई री भाखरा १०३
 काणुंज री भाखर ८७
 खुमराड़ीयो भाखर ५५३
 गीररी समेळ बीच भाखरी ५६
 चिड़ीया दूक भाखर ३८, १६२
 भीका री भाखर दो. २६४
 तोडा रा भाखर ४६५
 देवल रा भाखर १०२
 देवीजी री भाखरी ३८३, ३८४, ३९३
 पई री भाखर ३८७
 पई री मगरै २७, २९
 पीपलण री भाखर ४५, ६९, दो. ५८,
 २९४, २९५
 भोगसील पर्वत १
 मसाजी गी भाखर ४७१
 माता री डूगरी ५४४
 मेर १
 रूपजी रा भाखर दो ६९
 वासैघो भाखर ५५३
 वोलीया री भाखर २८५
 सेवली री भाखरी ३०१

तीर्थ मंदिर मसजिद आदि

अजमेर खुवाजा ६९ दो. ११४
 आदेसुर जैन देहरा दो ३०९
 आरांभा री थान दो. २५०
 इन्गार दरगाह १०९
 ऐकलिंगजी २७
 कपालेसुर महादेव री देहरो ३९२
 कल्पणारायजी री देहरो दो. १
 काजेसर महादेव ७८
 कीरतथम दो. २१५
 कुवेजी री असतल ४४३

कोटासण देवी री थान ४८२
 खीवजजी देवी री देहरो दो. ३११
 खोडीयाल री थान ४२०
 गया ३९ २३६, ३३४, ४७८, दो ३५४
 चतरभुंजजी री देहरे ३९०, ३९२ दो.
 ३१४, ६९, ११९
 चतरभुजायजी री देहरो दो. ३११
 चावडा देवी (स्थान) २२, २३
 जानारायजी री देवरो ४४३
 जैन देहरो दो. १
 जैन रा देहरा ३९२
 जोगेसुर महादेव री (देहरो) ३९२
 झाली री बड ४८
 तीलोकसी बरजागोत उदावत राठोड री
 छतरी ५८
 देवी री थान (भाखर कमल माल रा
 ऊपर) ५३६
 देवीजी री थान ५४२, दो ३०९
 द्वारकाजी ५४४
 घारेस्वर महादेव ४७६
 नरा राठोड री छत्री दो. ३१२
 नीलकठ महादेव ३९२
 पातालेसुर महादेव ३९२
 पाबू री थान ३९३
 पारसनाथ री देहरो दो. ३९
 पीर रांमदे री थान दो ३१५
 पुनली देवी २६८
 फलोधी महामाया री देहरो दो. ६२
 फलोधी महामाया री देहरो दो. ४१,
 ११५, ११६
 बालनाथ जोगी री थान दो. ३११, ३१६
 विद्रावन-मदनमोहनजी दो. ११४
 भद्रकाली देवी ५
 भाटी साकर सुरावत जेसी री छतरी ५८
 मदनमोहनजी री देहरो दो. १७३

महादेव री थान ४७१
 माडलेस्युर महादेव १
 माता री थान ४२२
 मावादेवी ४७६
 माहादेवजी री थान दो. २५४
 माहादेवजी री देहरो दो. ३११
 माहावीरजी रा देहरा १८८
 मुलनायकजी री देवरो ३६२
 मेडता चतुरभुजजी दो. ११४
 रामदेजी री छत्री दो. ३१२
 रामदेजी री थान दो. ३११
 रामदेजी री देहरा दो. ३५७
 रामदेव री १४४ दो. ३०८
 रामेश्वर माहादेव ३३५
 रिणछोड़जी ७, ८
 लखमीनारायण री ठाकुरद्वारो ३८८
 लखमीनारायणजी री देहरो ३२
 लिखमीनारायणजी ३६२
 लिखमीनारायणी री देहरो दो २६०
 वाराहजी री देहरो ५
 सगवीयां री देवी १४०
 सन्यासी गीतमगिर री देहरो ३६१
 सहेसलीग री कुड ४६०
 सामी सूरजनाथ री गुमट दो. ३३०
 सिव रा देहरा ३६२
 सिवराज जोधावत री छतरा ५८
 सुरेसुर महादेव री (वाघेलाव) ३६२
 सूरजजी री देहरो दो. ३११
 सूरसाह पातसाहा री मसीत ५८
 सोमाली देवी ३६३
 सोमेश्वरघाट ३१
 हणवत री थान ३६३

नदी तालाव कुंड आदि

अखरणी नाडी ४७२, ४७५

अखाईसर तलाव दो ३५१
 अजायव कोहर दो १६
 अवदेलाव तलाव ४५८
 अहवाची नदी-१२२
 आपानडी तलाव ४५६
 आसा रा तलाव ११६
 ऊलावाय दो. ३१५
 कुंडल तलाव दो. ६३
 कुंडल वेजपो तलाव दो. ३८
 कचोल्डी नाडी ४२८
 कचोलीया तलाव ४८८
 कचोलीया नाडा ४१६
 काणुजा भाखररी नदी ५२१
 काणुजावाली नदी ५१५
 कालभर नदी ५५०
 कालरा वाली नदी ५४४
 काकरीयो तलाव ६८, ६६
 कापडीयो ३६३
 कालाभरणा वाला री नदी ५१६
 कालीभर नदी ५४३
 कालीयानडी तलाई दो. २६६
 किसनेलाव तलाव ४८३
 कुंभारवाय (वावडी) दो. ३१३
 कुंभालाव तलाव ४१६, ४७२
 कुंसो तलाव (कील्याणसर) दो ६३
 कूपासर तलाव ४८२
 केरली नाडी ४१६, ४७२
 कोहर-वीघालीयो दो. २२
 कोहर-भीवासर दो. १७
 कोहर-भोजासर दो. १८, २०
 कोहर-लूणो दो. २२
 कोहरीयो वावडी दो. ३१३
 खांडीवाय वावडी दो. ३१३
 खांखो री वाव दो. ३१४
 गगाजी ४, ३७, ४८७, ५४७

गभीर नदी १७६
 गीररी नदी ५२६
 गीलड़ी नदी ३६४
 गोपेलाव तलाव ४२१, ४७४
 घडासर तलाव १२०
 वांग नदी मानपुरा वाली ५१८
 चागवाली नदी ५३२, ५३३,
 ५३६, ५००
 चू डासर चरडावताँ री तलाव ४३३
 चोहथेलाव तलाव ४३८
 जमना नदी १३५
 जवणका तलाव दो ३२०
 जवण री तलाई दो. ३००
 जाखणनडी (तलाव) ५२१
 जाजुसर तलाव दो. २६०
 जुठावली नदी ५२७, ५४०
 झनरखी तलाव ४४६
 झाझण नदी ५१२
 झाझण री तलाई दो. ३३१
 दुस नदी १०८
 तापती नदी १४६
 भीवाय कुड दो. ३१६
 थडी बाव दो. ३१४
 दलपत वाली बावडी १२०
 दारीयार नदी ४७५
 दुधेलाव तलाव ४५०
 देवनीमी झील दो. २५०
 देवलीयाली री नदी २६२
 देहाऊपगवाय बावडी ३१४
 धरणासर तलाव दो. ३१२
 धवललाव तलाव ४४६
 धाराजी री नदी ४६८
 धरेसरी नदी ३६४
 घूहडसर तलाव दो. २६१

नदण्हाई सलाव दो. २६२
 नरवदा १४६, १७६
 नरासर तलाव दो. २६६, ३००, ३१२
 नवासर री कोहर दो. २५
 नागात्रीह नदी १
 नाथे री तलाई दो. ३२१
 नीवली नाडी ३६३
 नीवली बावडी दो. ३१३
 पचोल नडी ३६३
 पडीहारां वाली तलाव ४७६
 पदमसर १८६
 परमेलाव ३६३
 पाबू नडी ३६३
 पाबूसर तलाव दो. २६
 पोहोकरजी रो कुड ५
 फुलेसो तलाव ५४६
 बहूजी सरूपदे री तलाव १८८
 बाधेलाव तालाव ३८४, ३६२, ४२८,
 ४३५, दो. २४३
 वाली बावडी दो. ३१४
 भलवाय बावडी दो. ३१४
 भांडेलाव तलाव दो. २१५
 भाखग्वा बावडी दो. ३१३
 भीवनडी तलाव ४४१
 भीरव नदी ४८५
 मंदागगा बावडी दो. ३१३
 मांडलप तलाव दो. २३०, २६८
 मांणवरावसर तलाव दो. ३४६
 मानपु । वाली नदी ५२६, ५२७, ५५८
 मालव । तलाव दो. ३५३
 मेहाव । बावडी दो. ३१३
 मीहर । ई तालाव दो. ३१२
 मोरु । तलाव दो. ३१२
 मोरु । बावडी दो. ३१४
 मोरु । नाडी ४७७

मोहणवाय बावड़ी दो. ३१३
 मीरेई नदी ५२६
 रखासर तलाव दो. १४
 राणीसर तलाव १४३
 राजू री तलाई दो. ३३२
 रामदेसर तलाव दो. ३१२, ३४६
 रामसर तलाव दो. ३
 रामेलाव तलाव ४२७
 रामपुर वाली नदी ५२६, ५३५,
 ५३६, ५४५
 रायलाव तलाव दो. २५२
 रासेलाव तालाव दो. २६०
 रावतसर तलाव दो. ३४६
 रासगीर वाली नदी ५१३
 रासवाली नदी ५२८, ५३१
 रिङ्गमेलाव तलाव ३६२
 रीछमाली तलाई दो. २७५
 रूखी री तलाई दो. ३१२
 रूपणीसर तलाव दो. ३३६
 रूपा री तलाई दो. ३१५
 लीगासर तलाव दो. ३१२
 लूणी नदी ३५७, ३५६, ३६०, ४५५,
 ५११, ५१३, ५१६, ५२१, ५२२,
 ५२४, ५४३, ५४४, ५४५, ५४६,
 ५४७, दो. २३३, २३५, २३७,
 २३६, २४०, २४३, २४६, २५६,
 २६२, २७०, २८१
 लोलोलख तलाव ४५२
 लोहावा री बावड़ी दो. ३३०

वछेसर बावड़ी दो. ३१३
 ववनोर री नदी ५१२, ५४७
 वीरावाय बावड़ी दो ३१३
 वीसलमडी तलाव ४८५
 संघरलाई तलाव दो. ३१२
 समरवती नदी दो. ७१
 सतलज नदी १३२
 रातावाय बावड़ी दो. ३१४
 समेल री नदी दो. ५७
 सहसमेलाव तलाव ४७१
 सहेजलाव तलाव ४२२
 साडेव तलाव ४८७
 सांडेलाई तलाई ४३५
 सादेलाव तलाव दो. २५६
 सापेलाव तलाव ४६०
 सारगवाय कुओ दो. ३१३
 साहणीया वाली नाडी १८६
 सिपराजी (नदी) १७६
 सिघपुरा नदी ५२६
 सुदाताघी री तलाई दो ३१२
 सूकडी नदी ४८४, ५२६, ५३८ ।
 दो २३५, २४०, २४१, २८१
 सूजामर तलाव ५१३
 सोहड़सर तलाव दो. ३३४
 सोहाईवाय बावड़ी दो. ३१५
 सौभोलाव तलाव दो. २५६
 हणवत नदी ३६३
 हमोरसर तलाव दो. २६१
 हीरावाय बावड़ी दो. ३१३

विविध नामानुक्रमिकाएं (परिशिष्टों की)

नोट—३५६ से ५०१ तक पृष्ठ सं० द्वितीय भाग की तथा ५५६ से ६०२ तक प्रथम भाग की ।

पर्वत, पठार

कागा री भाखरी ५६६
 कैलास ३५६, ३६०
 कौयला परवत ५८६
 कोला री भाखर ४४०
 चावडाजी री बुरज ५५६
 चिडीया टूंक ५५६
 दताला रा भाखर ४३८, ४३६
 पीपलुणा री भाखर ४३८
 पीपलूद रा भाखर ५६२
 भेखा भाखर ५७६
 गाचीये भाखर ५७७
 मावडीया री घाटी ५६८
 सिध जलंधर वावजी रा भाखर ५००
 सीगोरीया री भाकरी ५७३, ५७६
 सोजत री भाखरी ५६०
 हड्डमानजी री भाखरी ४६१
 हरा भाखर ४३६

मन्दिर, छतरी, थान आदि

अचलेश्वर महादेवर ५००
 अचलो सिरराजोत जोधवत
 री छतरी ५८१
 अरण्ये तीरथ ५६०
 आणदधनजी री मंदिर ५६४, ५६५,
 ५६७, ५६६, ५६१, ४४८,
 ४५६, ४६३
 आदेसुरजी री देहरो ५६३
 आयम देवनाथ री समाध ५७३

उदमिदर ५६७, ५७४
 ओसियां महावीरजी री देहरो ५६४
 ओसियां सिचीयाजी माता री देहरो ५६४
 कालकाजी री मंदिर ५७५
 काण्ये पारसनाथजी री देहरो ५६५
 कापडी देवी ४३६
 कापरडा पारसनाथ री देहरो ५६४
 कुंजबिहारीजी री मंदिर ५७१
 कुंतनाथजी री देवरो ५६३
 कुसालसिध ठाकुर आउवा री
 छतरी ४३७
 ख्वार्जजी री दरगाह ५०१
 गंगस्यामजी री मंदिर ५६६, ५७१,
 ५६१, ५६२
 गढ री पाळ रा खेत्रपाळ ४४६
 गांगाली-अरजनपुरी पदमनाभजी री
 देहरो ५६४
 गोपीनाथजी री देवरो ५६२
 चतुरभुजजी री देहरो ५६१, ५६३
 चतुरभुजराय री मन्दिर ४३६
 चांवडा माताजी ५५६
 चांवडाजी री मंदिर ५६६, ५७५
 चावडा देवी री थान ५८७, ५६१
 चौरासी मीनो री मंदिर ५७४
 जगनाथजी री मंदिर ५६२
 जालोर महावीरजी री देहरो ५६५
 जीणमाता री मंदिर ५७६
 जैतियां री मंदिर ४३७
 जोगीतीरथ ५६०

ठाकुरजी रो देहरो ५७६
 तिवरी पारसनाथ रो मिंदर ५६४
 तिलोकसी सिवराज भीयोत राठोड़ री
 छतरी ५८१
 दाऊजी रो मिंदर ५६७, ५७१
 देवतावां री सालां ५६६, ६६८, ५७४
 नटवरजी रो मिंदर ५७१
 नरसिंघजी रो मिंदर ५७२
 नवनाथो रो मिंदर ५७४
 नागणेचीयाजी ५६०, ४४६, ४५५
 नागणेचीया रो मिंदर ५६३
 जाडोलाई महावीसी रो देहरो ५६४
 नाथजी रो मिंदर ५७४
 नीवोतीरथ ५६०
 पचदेवरो ५६६
 पच मींदर ५७०
 पारसनाथजी रो देहरो ५७६, ५६२,
 ५६४
 पिरागदास री छतरी ५८६
 पीर तारकीन री दरगा ४२४
 बालकिसनजी रो मिंदर ५७१
 भीडभजन रो थान ४३६
 भीव पांडव रो गोडो ५८६
 भैरुजी रो थान ५६०, ५६६, ५७३
 मडलेश्वर महादेव ५८७
 मडोवर क्षेत्रपाल ४५५
 मदनमोहनजी रो मिंदर ५७१
 ममसोन्नजी रो देहरो ५६३
 मलीनाथजी रो मिंदर ५६८
 महादेवजी रो देहरो ५७६, ५८६
 महादेवजी रो मिंदर ५७१, ५८१, ५८७
 महादेव पतालेश्वर रो देहरो ४२४
 महादेव पारवती री मूरत ५६५
 महादेव रामेश्वर रो देवरो ५८७
 महादेव वीरभजन रो थान ४४४

महादेव साहलेसुर ५६३
 महादेव हलदेश्वर रे भाखर ४३८
 महार्प्रभुजी रो मिंदर ५७१
 महाराजा अजीतसिंघजी रो देवल ५६८
 महाराजा गजसिंघजी रो देवल ५६५
 महाराजा जसवंतसिंघजी रो देवल ५६६
 महाराजा सूरसिंघजी रो देवल ५६४
 महाराजा सुजाणसिंघ री छतरी ४४५
 महावीरजी रो देवरो ५६३
 महेशदास री छतरी ४३७
 माताजी रो मिंदर ५६८ । ४३७
 माताजी हीगलाज री मूरत ५६५
 माता हीगलाज रो देवरो ५८७
 मीरासाजी री दरगाह ५०१
 मुरली मनोहरजी ठाकुर ५६५
 मुरली मनोहरजी रो मिंदर ५७०
 मूलनायकजी रो देहरो ५६६, ५६६
 मूलनायकजी रो मिंदर ५६२
 मेवा नगर-जैन देवरा ५६५
 राजराजेश्वरी माता रो मिंदर ४३७
 रामदेव रो थान ५८४
 रामेश्वर महादेव ४५०
 रामेश्वर महादेवजी रो मिंदर ५६७
 राव अमरसिंघ री छतरी ४२३
 रावत री छत्री ५६८
 रियाछोडजी रो देहरो ५६१
 लालबावे रो मिंदर ५७४
 लोटो मिंदर ४३७
 वटजी रो मिंदर ५७४
 वराह भगवान रो देवरो ५६३
 वीरू-महादेवजी रो देहरो ५६५
 वैननाथ महादेव रो देवरो ५६०
 श्री नाथजी रो मिंदर ५७३, ५७४
 सकरदास सूरु भैरवशाम जैमादन रो
 भाटी रो रानगी ५८१

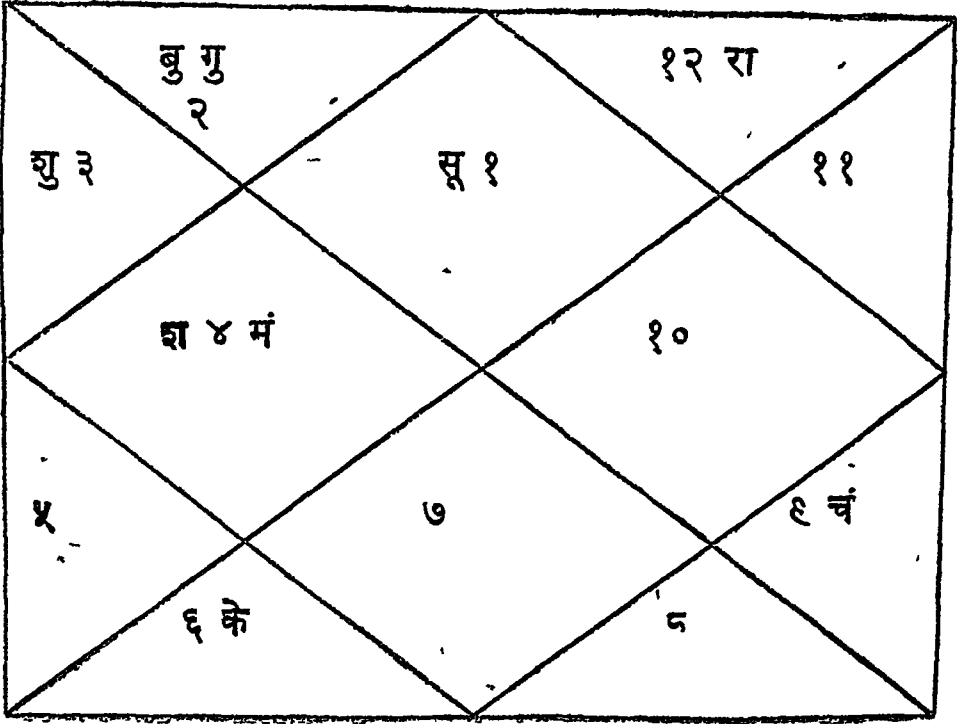
संतनाथजी रो देवरो ५६२
 सांमजी रो मिंदर ५७१
 सांमी हरराम रो देहरो ५६२
 सांवलजी रो देवरो ५६२
 सिभूनाथ रो देवरो ५६३
 सीताराम रो देवरो ५६२
 सीतलां रो थॉन ५६०
 सूरजजी रो मिंदर ५७१
 सेरसिध ठाकुर रीयांरा री छतरी ४३७
 सोनासागर रो देवपाळ ४४६
 हरमिंदर ५८३
 हरसती माता रो मिंदर ५८८
 हीगळाज माता रो थान ४३६
 हीगळाज रो मिंदर ५८०

तालाब, कुंड, नदी

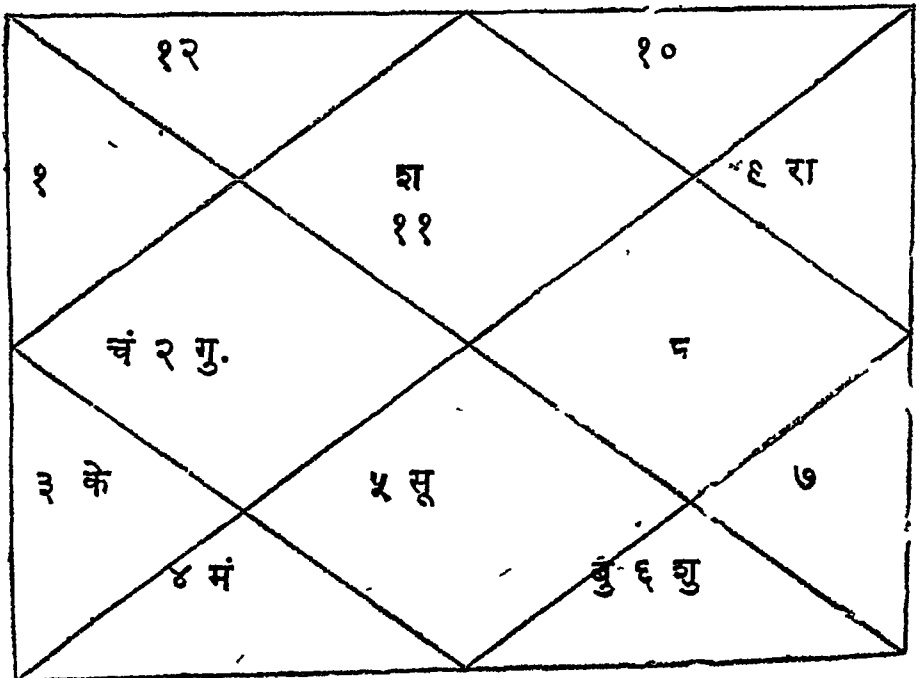
अवतलाब तलाब ४४४
 अमैसागर तलाब ५७८
 आनासागर तलाब ५०१
 ऊदेलाब तलाब ४३८
 कसुमदेसर तलाब ५८४
 कागो कुंड ५६०
 किलाणसागर तलाब ५८२/४६२
 गागावास तलाब ४३७
 गागेलाब तलाब ५६०, ५८२
 गुलाबसागर तलाब ५७२, ५७३, ५७४,
 ५७६, ५८५
 चाकेलाब तलाब ५६१, ५८१
 डांगोलाई तलाब ४३७
 तेजसागर तलाब ५७२, ५८४, ५८५
 दुधेलाब तलाब ५६४
 दूदासर तलाब ४३६
 देवकुंड ५६७, ५६६, ५८०
 धंघू तलाब ८३६
 घायसागर तलाब ५८०
 नवसरो (मेलावाव) ५८१

नवलसागर ४३७
 नागादडी ५६५, ५६६, ५८६
 नाडेलाव तलाब ५७७, ५८४
 नीबासर तलाब ५८०
 पदमसर ५७४, ५८१, ५८२
 फतैसागर तलाब ५७३, ५८४, ५८५
 फरासत सागर ५८८
 फलासर तलाब ५८४
 फुलेलाव तलाब ५७४, ५८२
 वगतसागर
 बइजी रो तलाब—सरूपसागर ५८२
 बालसमन्द तलाब ५६०, ५७४, ५६०
 बीजोलाई तलाब ५७७
 वेजपो तलाब ४३६
 भवानीकुंड तलाब ५८०
 भणिसर तलाब ५८४
 मानसागर तलाब ५७४
 मालासर तलाब ५६१, ५८४, ५८६
 मीठीनाडी तलाब ५७७
 मोतीकुंड तलाब ५८०
 राणीसर तलाब ४३४, ५६१, ५७३,
 ५७५, ५८१, ५८२
 रासोलाई तलाब ५८८
 लाञसागर तलाब ५७६
 लूणी नदी ३७४, ३७६, ३७७, ३७८,
 ३८०, ३८२, ३८३, ३८४, ३८६,
 वसतसागर ५८८
 वीरमकुंड ५८३
 वोसोलाव तलाब ५८४
 सरसती नदी ३५६
 सूकडी नदी ३७७, ३८०
 सूरजकुंड ५८३, ५८७, ५८२
 सूरसागर तलाब ५६३, ५६४, ५६५,
 ५८३, ५८६, ५८६, ५६१
 सेखावतजी रो तलाब—जानसागर ५८३
 सोभागदेसर तलाब ५८८

राव श्री जोधाजी री जन्मकुंडली
 सम्बत १४७२ वैशाख सुदि ४ बुधे उदयात घटी १ मूल नक्षत्रे
 राव श्री जोधाजी री जन्म



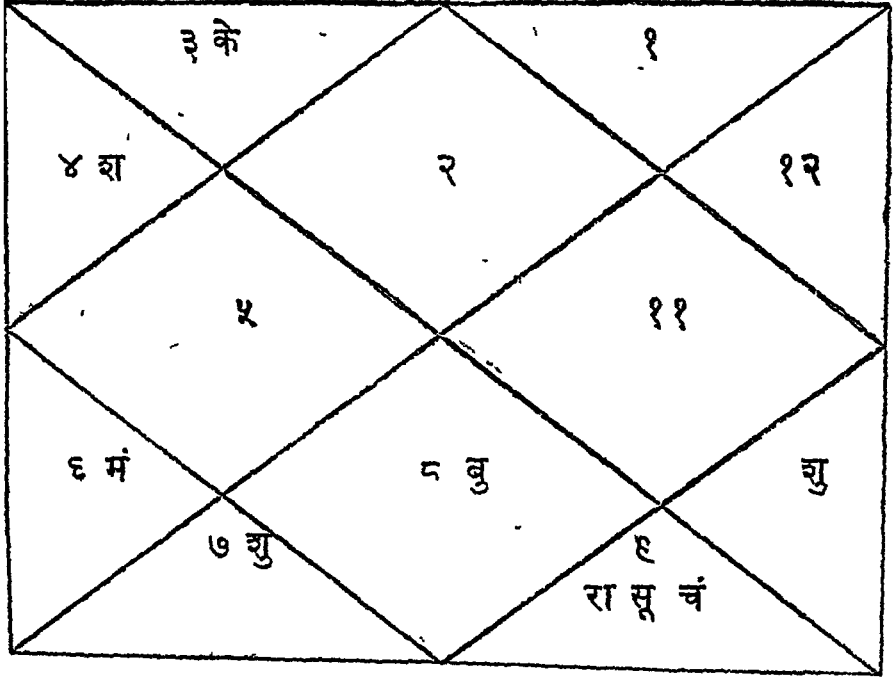
राव सूजाजी राठीड़ री जन्मकुंडली
 सम्बत १४९६ भाद्रवा वदि ८ गुरी (रवि० अगस्त २, १४३९ ई०)
 उदयात ३४/१५ राव सूजाजी जन्म सुत जोधाजी गृहे पुत्र ।



कुं० बाघजी राठीड़ री जन्मकुंडली

सम्बत १५१४ पोह वद ५५ उदयात घटी २४/४४

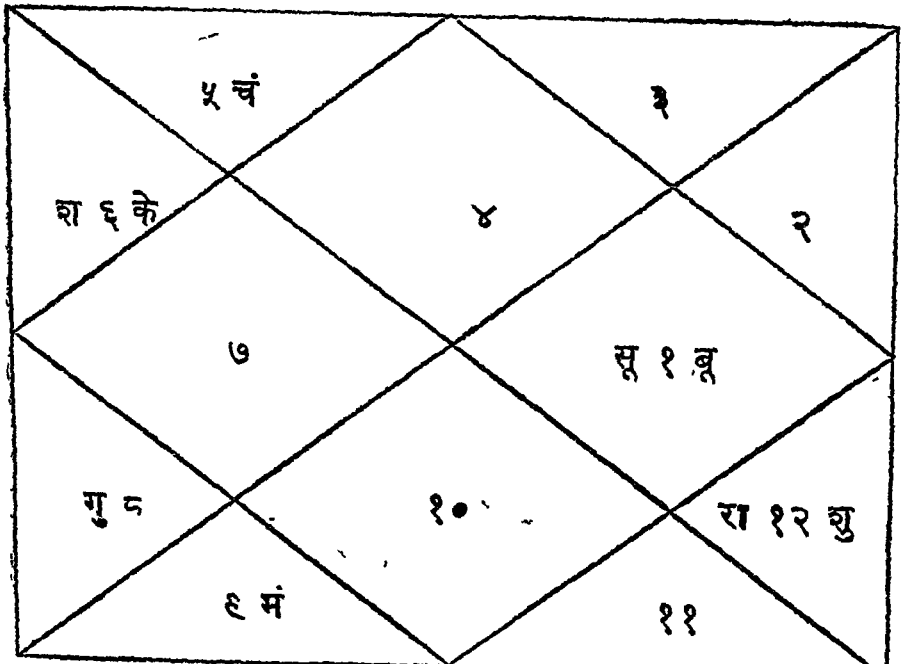
(शुक्र., दिसम्बर १६, १४५७ ई०) राव सूजाजी गृहे बाघाजी जन्म



राव गांगाजी राठीड़ री जन्मकुंडली

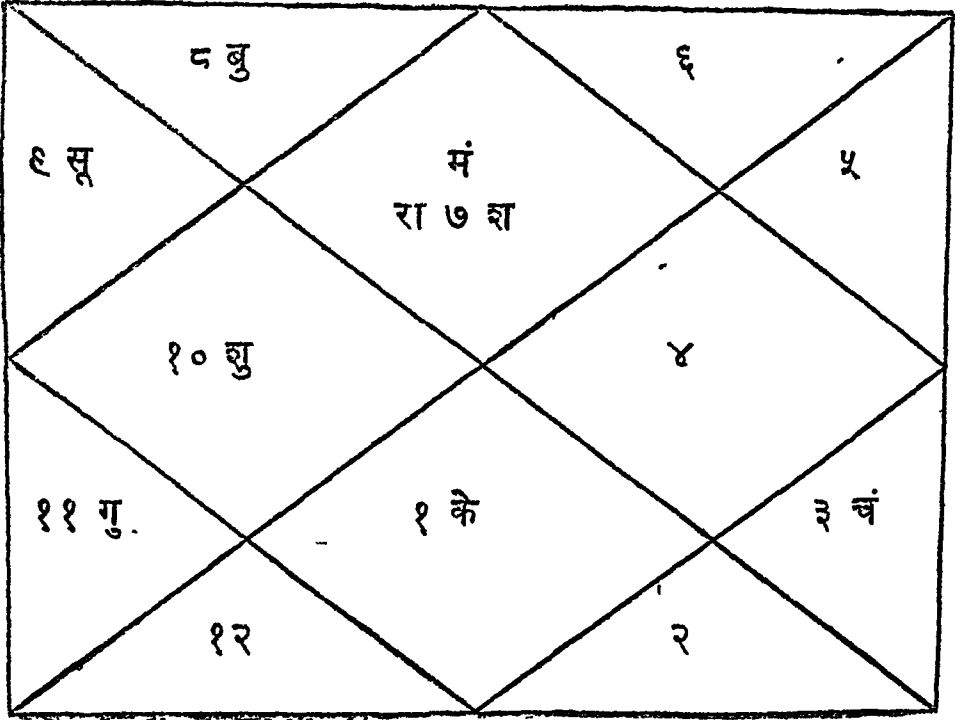
सम्बत १५४० बैशाख सुदि १० गुरी उदयात १५/१२ स.

(गुरु, अप्रैल १७, १४८३ ई०) राव गांगाजी री जन्म



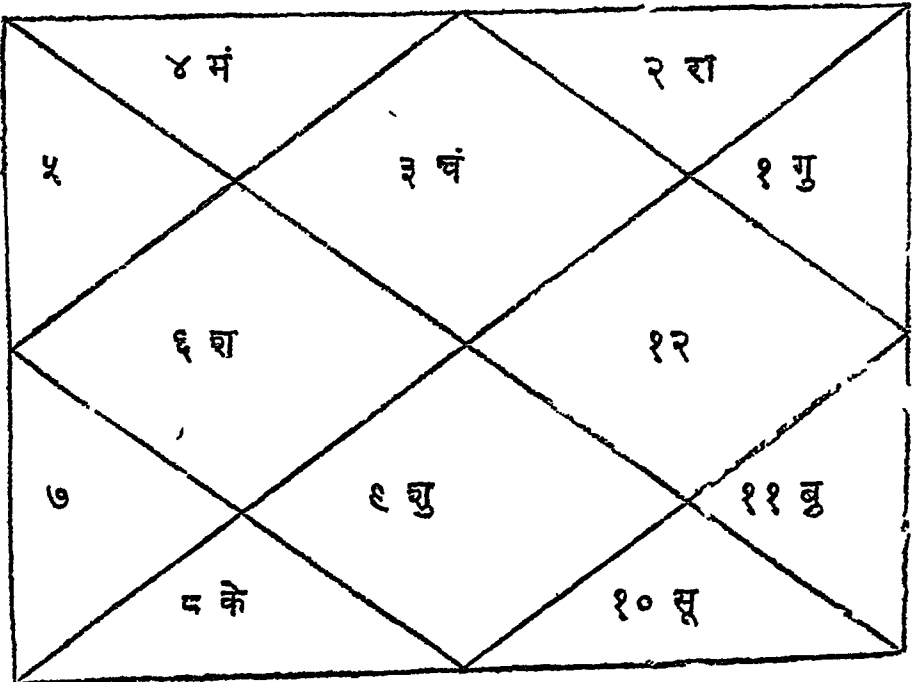
राव मालदेजी राठौड़ री जन्मकुंडली

सम्बत १५६८ पोह वद १ शुके रात्रिगत घटि २४/२२
 (शुक्र०, दिसम्बर ५, १५११ ई०) समये रावजी श्री मालदेजी री जन्म



राजा उदयसिंह मालदेश्रोत री जन्मकुंडली

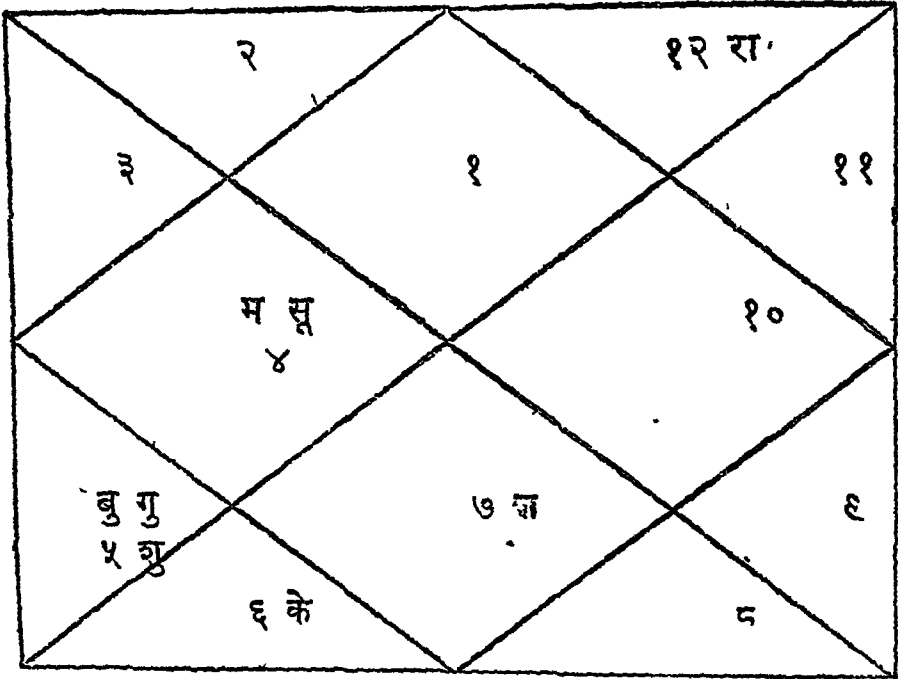
सम्बत १५६४ माघ सुद १३ रवौ उदयात् २१/३२ (रवि०, जनवरी १३, १५३८ ई०)
 समये राजा उदसिंह जन्म मालदे गृहे पुत्र



ऐतिहासिक व्यक्तियों की जन्मकुण्डलियाँ

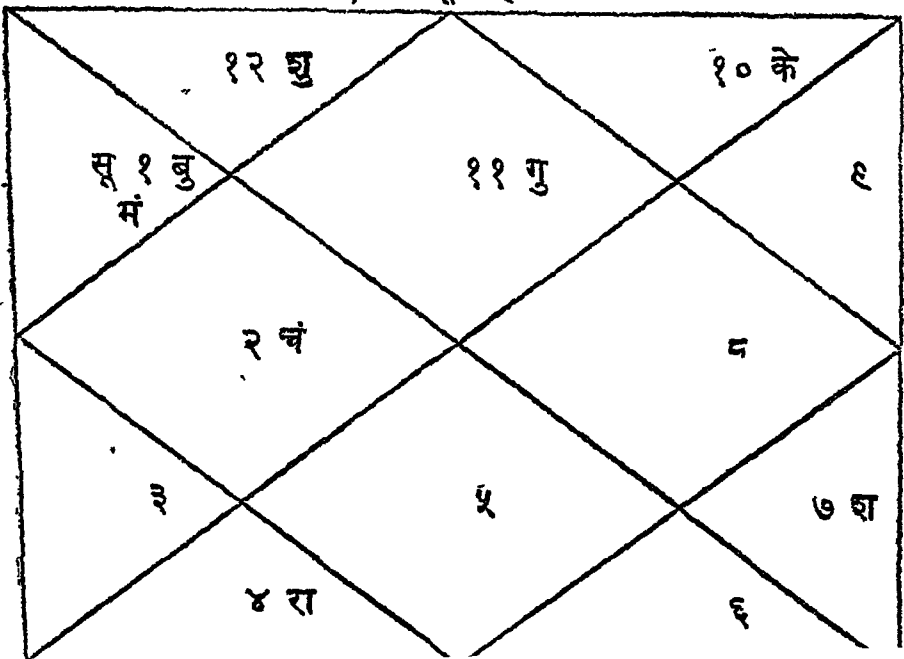
राव चन्द्रसेन री जन्मकुण्डली

सम्बत १५६८ श्रावण सुद ८ रात्रि गत घटी १०/२६ (शनि०, जुलाई ३०, १५४१ ई०)
 राव मालदेजी गृहे चन्द्रसेन री जन्म



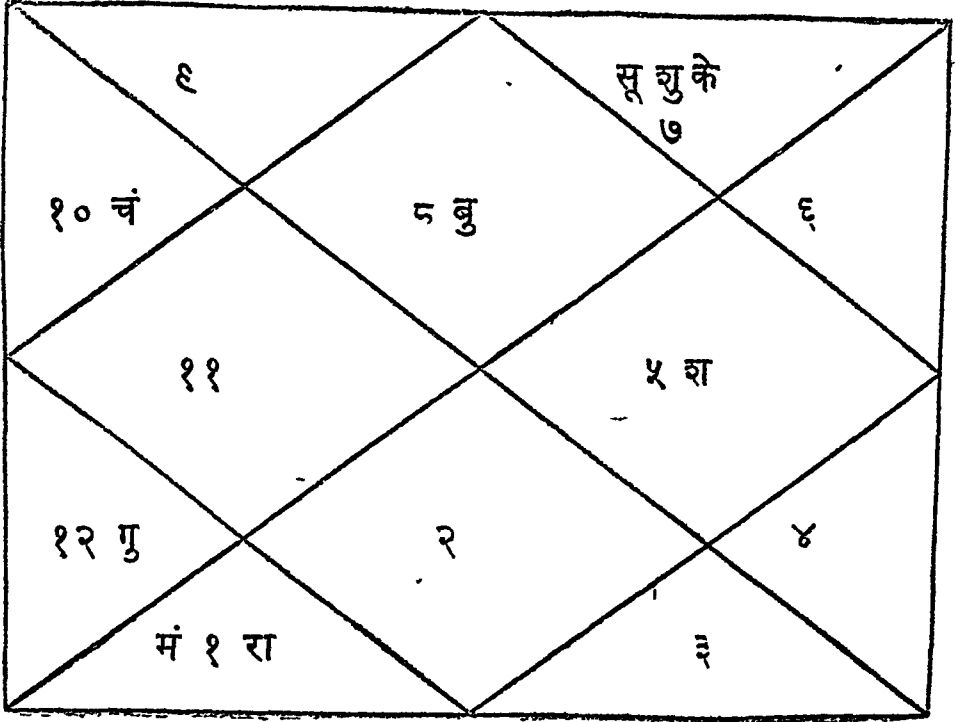
राजा सूरसिंह उदयसिंघोत री जन्मकुण्डली

सम्बत १६२७ शाके १४६३ वैशाख वदि ३३ उदयात् ५०/३२ स. (मंगल०, अप्रेल २४, १५७१ ई०) राजा सूरसिंहजी उदयसिंघोत री जन्म



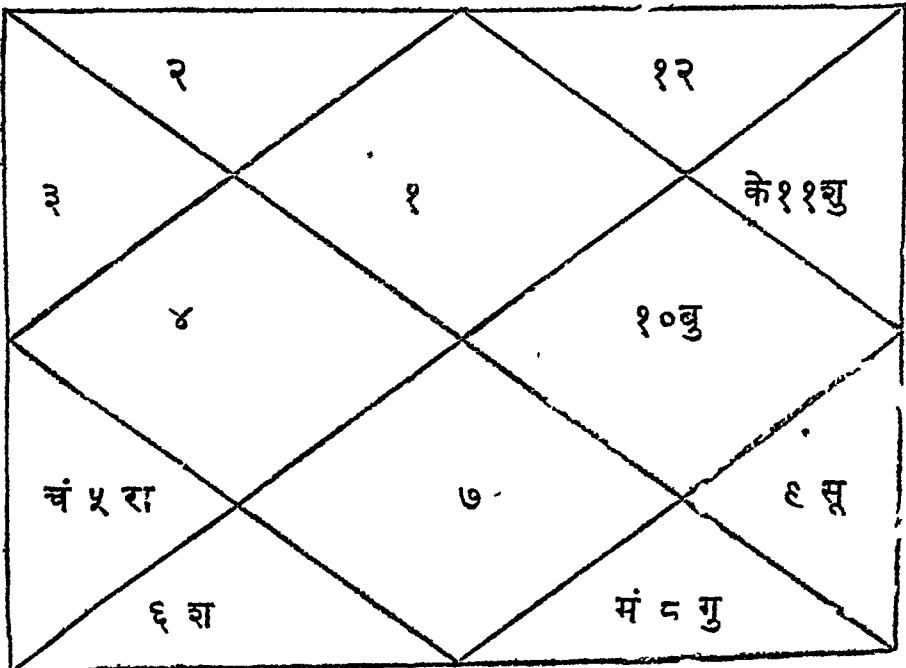
राजा गजसिंह राठीड़ रो जनमकुंडली

सम्बत १६५२ शाके १५१७ काती सुद ८ गुरी उदयात १/७ (गुरु०, शक्रह्वर ३०,
१६६५ ई०) समये महाराजा गजसिंहजी रो जन्म



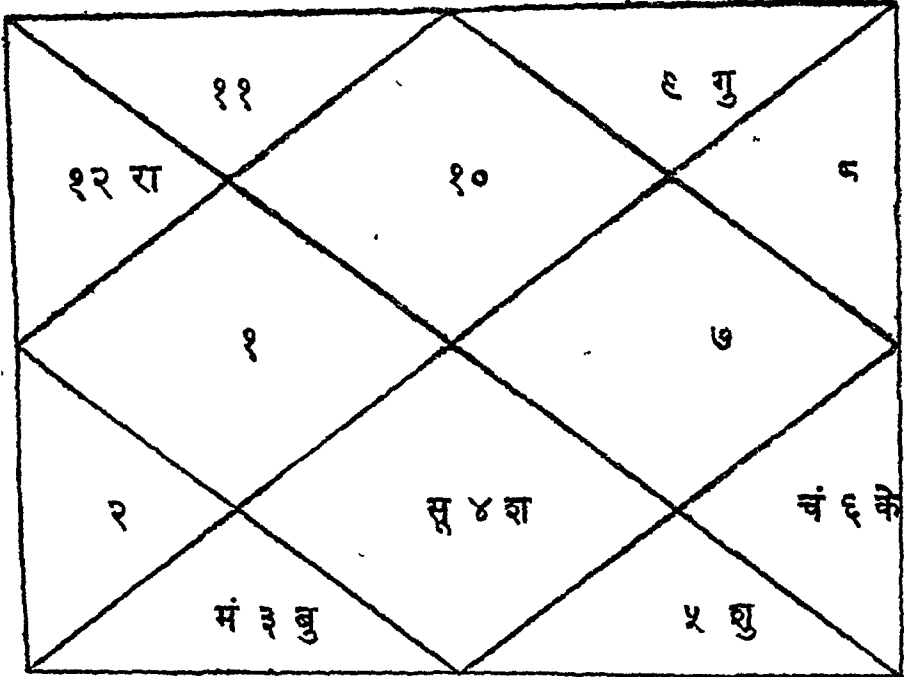
राजा जसवंतसिंह राठीड़ रो जन्मकुंडली

सम्बत १६८३ शाके १५४८ माघ वद ४ भीमे उदयात १३/३२ (मंगल०, दिसम्बर २६,
१६२६ ई०) समये महाराजा जसवंतसिंहजी मघा नक्षत्रे सूर्य ८/२६/५०/१



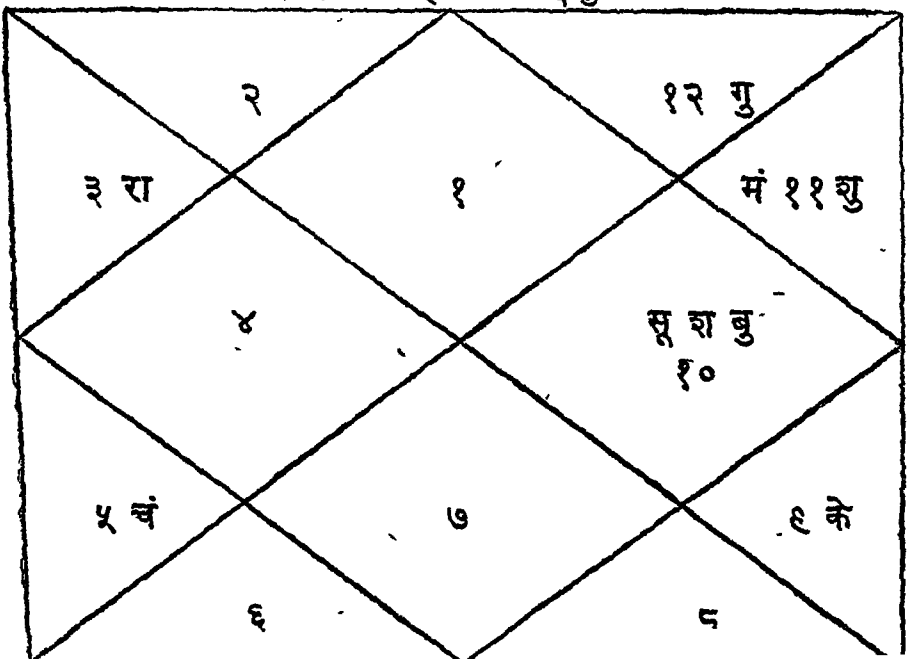
कुं० पृथ्वीसिंह री जन्मकुण्डली

सम्बत १७०६ आसाढ सुद ५ गुरी (गुरु०, जुलाई १, १६५२ ई०) उदयात महाराज
जसवन्तसिंहजी गृहे पृथ्वीसिंहजी जन्म



कुं० जगतसिंह राठौड़ री जन्मकुण्डली

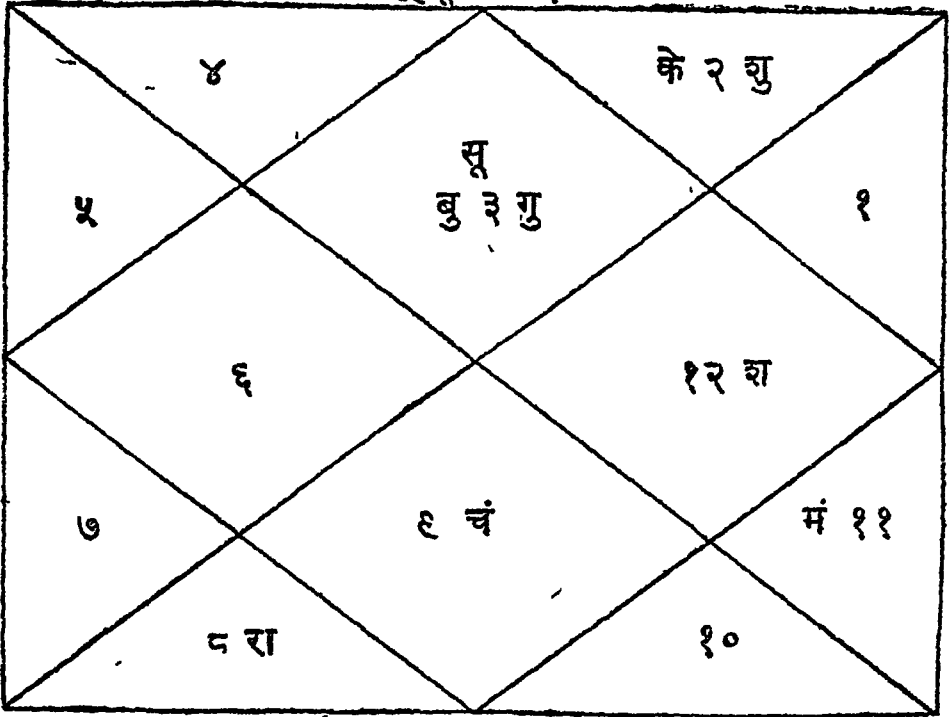
सम्बत १७२३ शाके १५८८ माघ वदि ३ गुरी उदय १३/१२ (शनि०, मार्च ४, १६७६ ई०)
कवर जगतसिंहजी चन्द्रावत् कुक्षी जन्म



दूदा मेड़तिया री जन्मकुंडली

सम्बत १४६७ आसाढ सुद १५ उदयात २/१३ सा (बुध०, जून १५, १४४० ई०)

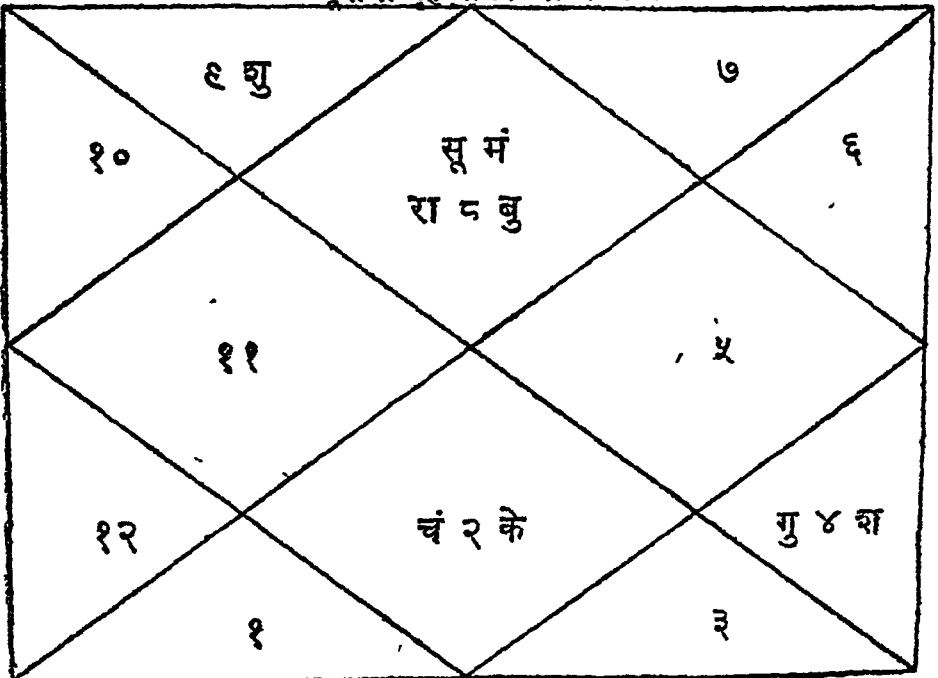
राव जोधाजी गृहे दूदाजी मेड़तिया री जन्म



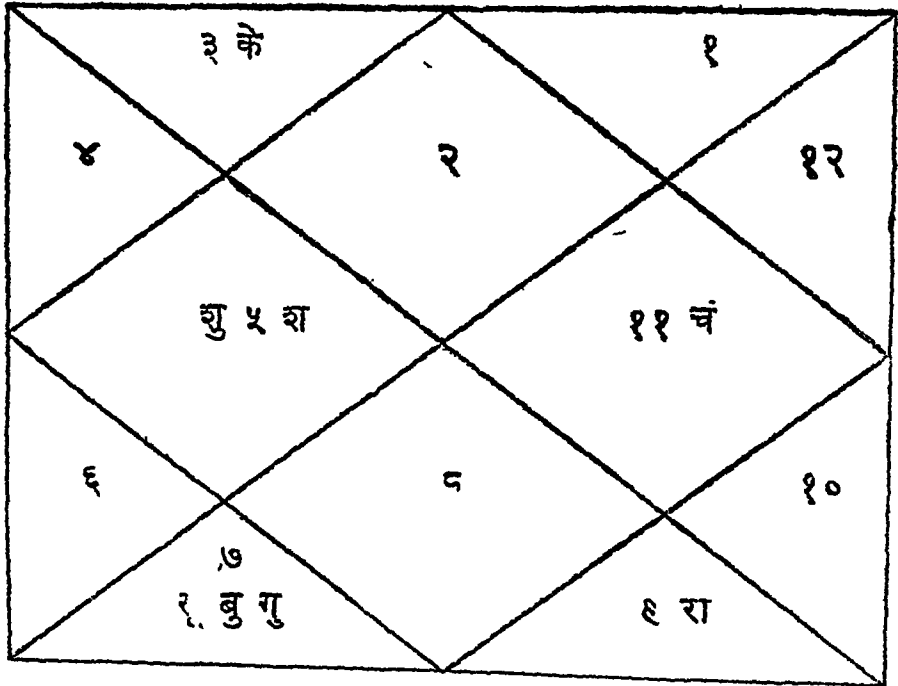
वीरमदेजी दूदावत री जन्मकुंडली

सम्बत १५३४ मिंगसर सुद १४ (बुध०, नवम्बर १६, १४७७ ई०)

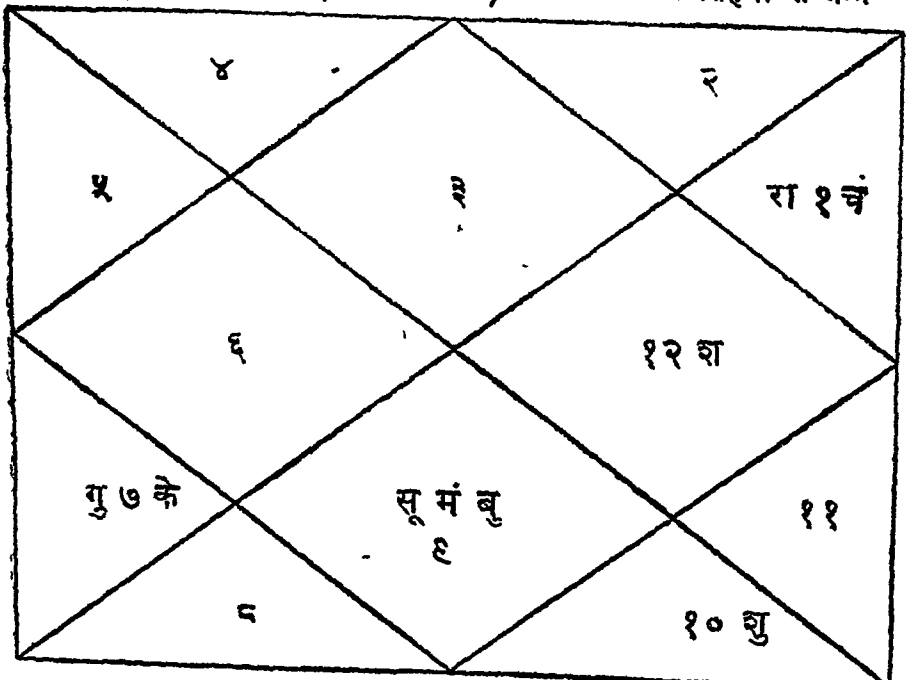
दूदाजी गृहे वीरमदेजी री जन्म



जैमलजी मेड़तिया री जन्मकुण्डली
सम्बत १५६४ आसोज सुद ११ (सितम्बर १७, १५६४ ई०)
वीरभदेव सुत जैमलजी मेड़तिया री जन्म

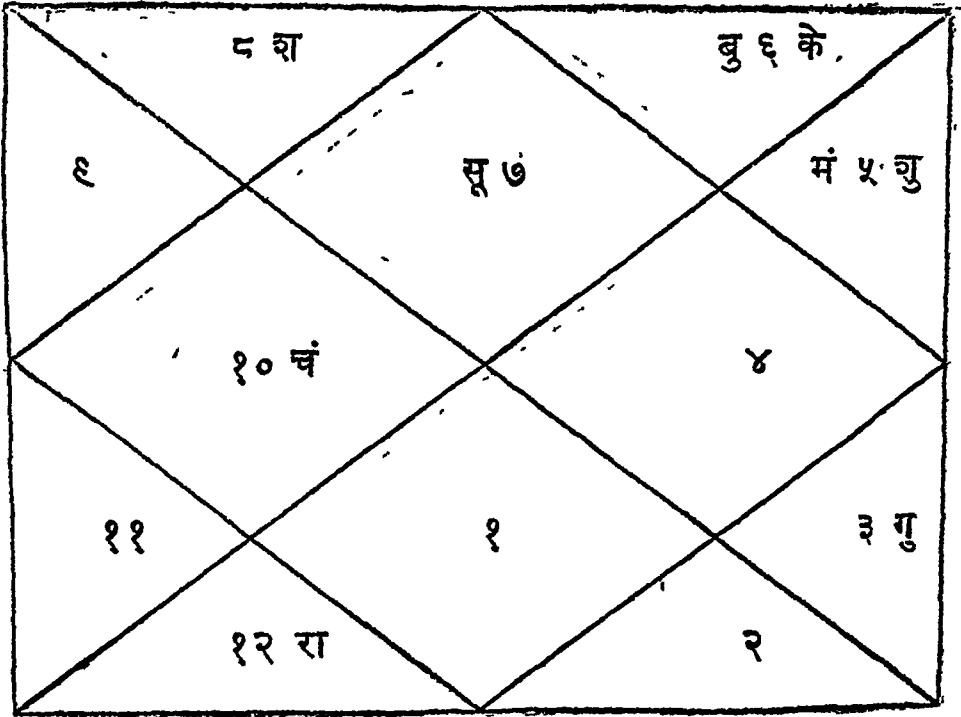


राव अमरसिंहजी राठीड़ री जन्मकुण्डली
सम्बत १६७० शाके १५३५ पोह ५/५ सुद ११ रवी ३ रात्रिगत घटी
२८ (रवि०, दिसम्बर १२, १६१३ ई०) रावजी श्री अमरसिंहजी री जन्म



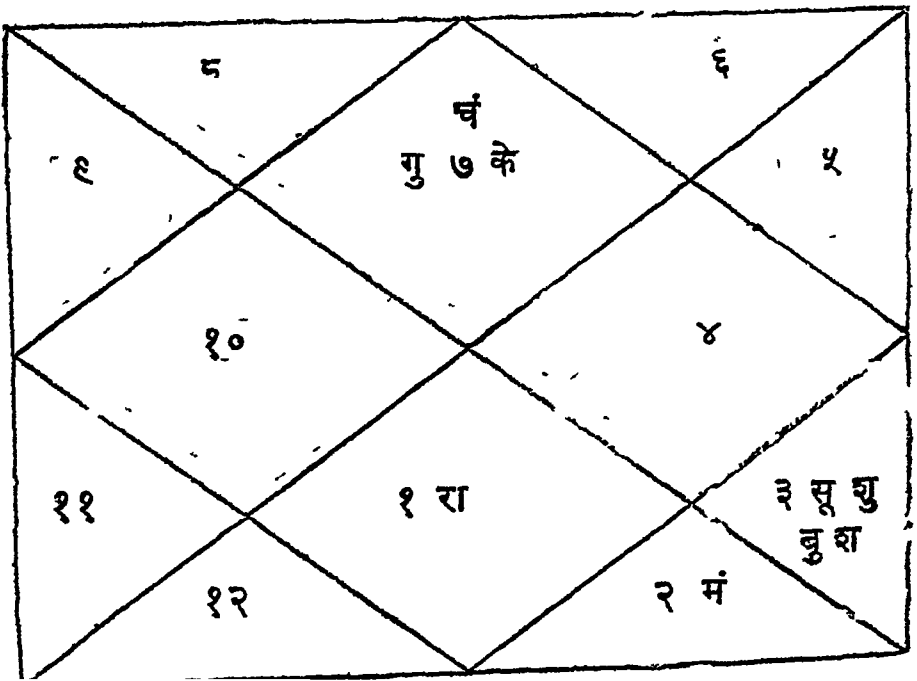
राव रायसिंहजी राठौड़ री जन्मकुंडली

सम्बत १६६० आसोज सुद १० बुध उदयात सू १/४१
 (बुध०, अकह्वर २, १६३३ ई०) समये राव.रायसिंहजी री जन्म



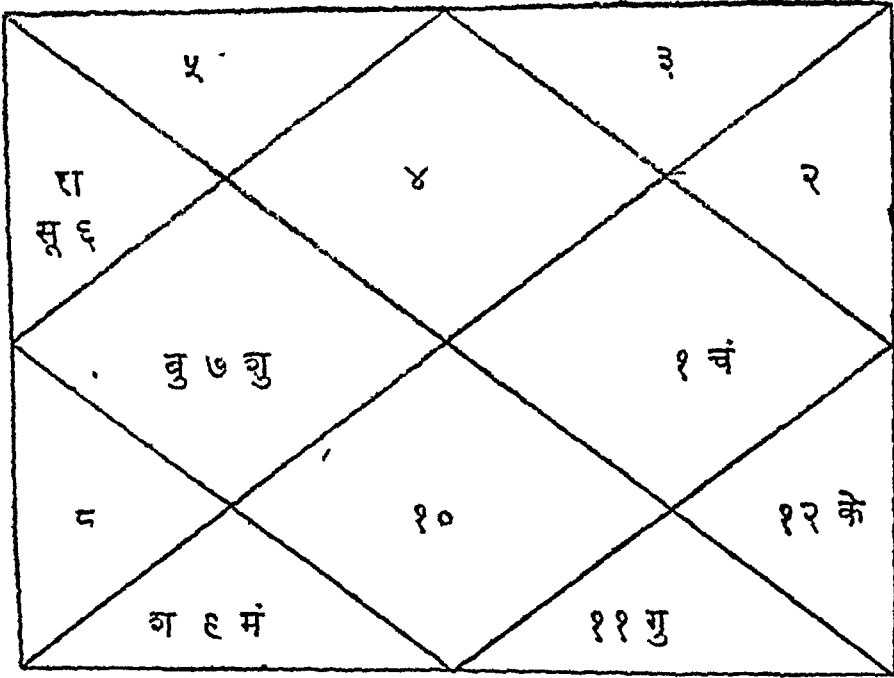
इन्द्रसिंहजी राठौड़ री जन्मकुंडली

सम्बत १७०७ जैठ सुद १२ शनी विशाखा ५३/८ उदयात २१/३८ (शनि०, जून १,
 १६५० ई०) समये रायसिंहजी गृहे इन्द्रसिंहजी जन्म सू २/३



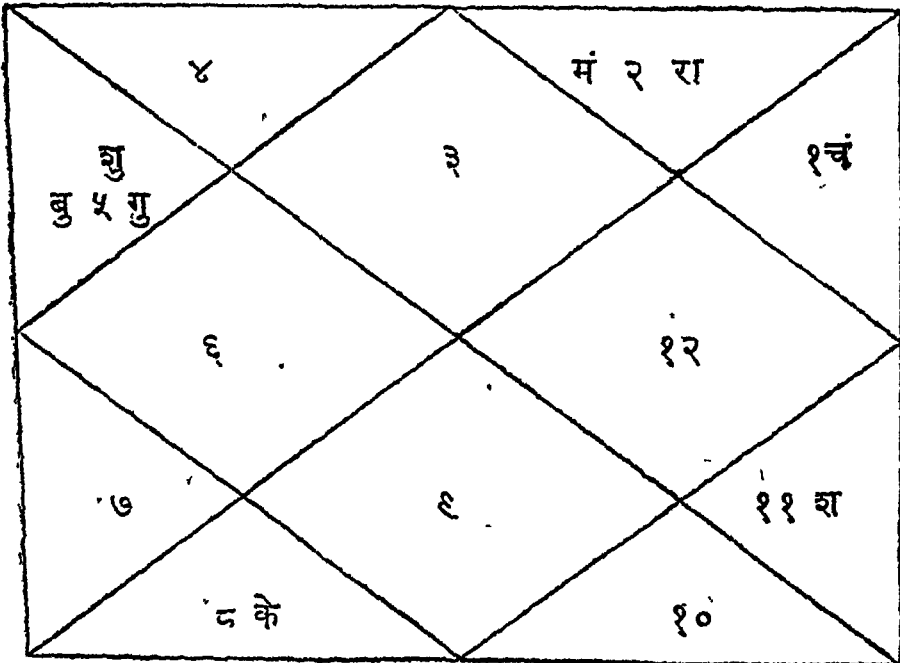
कु० रामसिंघ री जन्मकुण्डली

सम्बत १६३० आसोज वदि २ उदयात् ५२ (रवि०, सितम्बर १३, १५७३ ई०)
कर्मसेन पुत्र रामसिंह री जन्म



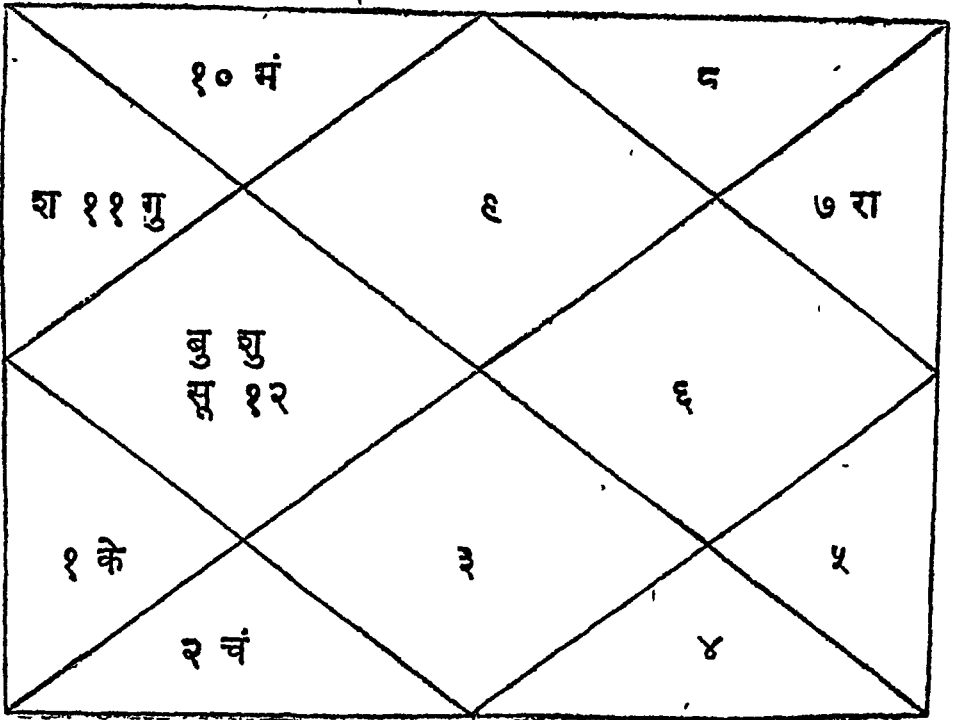
कु० सत्रुसाल री जन्मकुण्डली

सम्बत १६६६ भाद्रवा वद ५ उदयात् ५०/१२ अश्विनी (गुरु०, अगस्त ६, १६१२ ई०)
राजा सूरसिंहजी गृहे सत्रुसान री जन्म



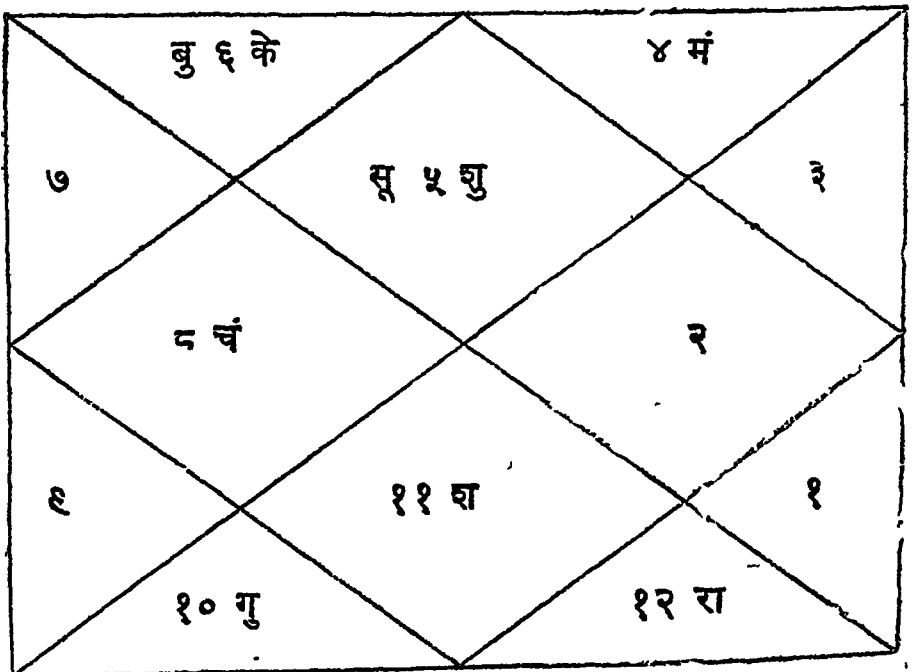
वनमालीदास की जन्मकुंडली

सम्बत १६९६ चैत्र सुद ३ बुध घटी २ भरणी ७ आयुष्मान रात्रगत
घटी (बुध०, मार्च २३, १६४२ई०) कु. वनमाली दास की जन्म



राणा उदरसिंघ की जन्मकुंडली

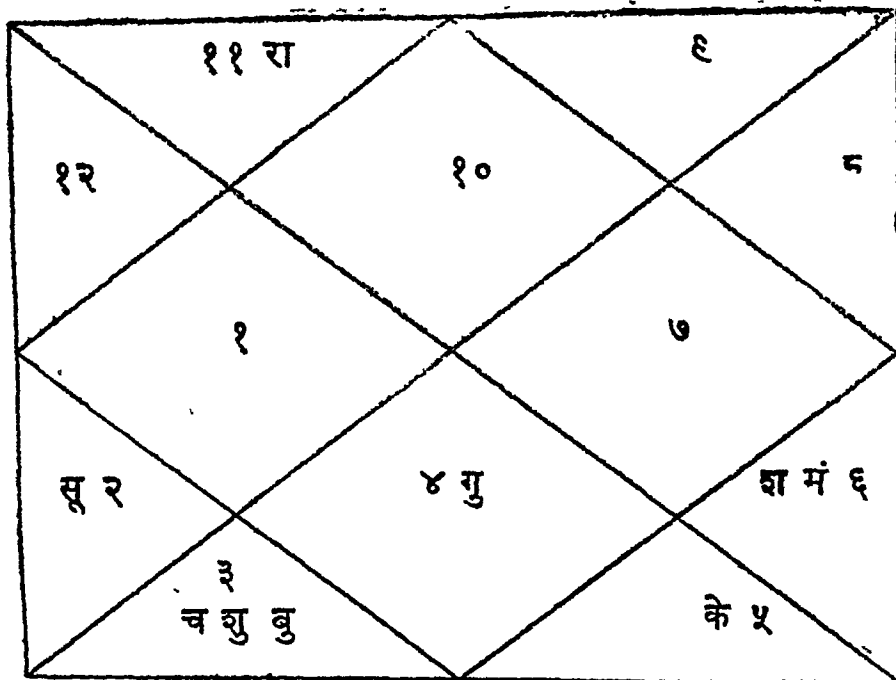
सम्बत १५७८ भाद्रपद सुद १२ बुधे सूर्योदयात्
(बुध०, अगस्त १४, १५२१ ई०) राणा सांगा पुत्र उदरसिंघ की जन्म



राणा प्रताप की जन्मकुण्डली

सम्बत १५६७ जैठ सुद ३ रवि उदयात् ४७/१३ (रवि०, मई ६, १५४० ई०)

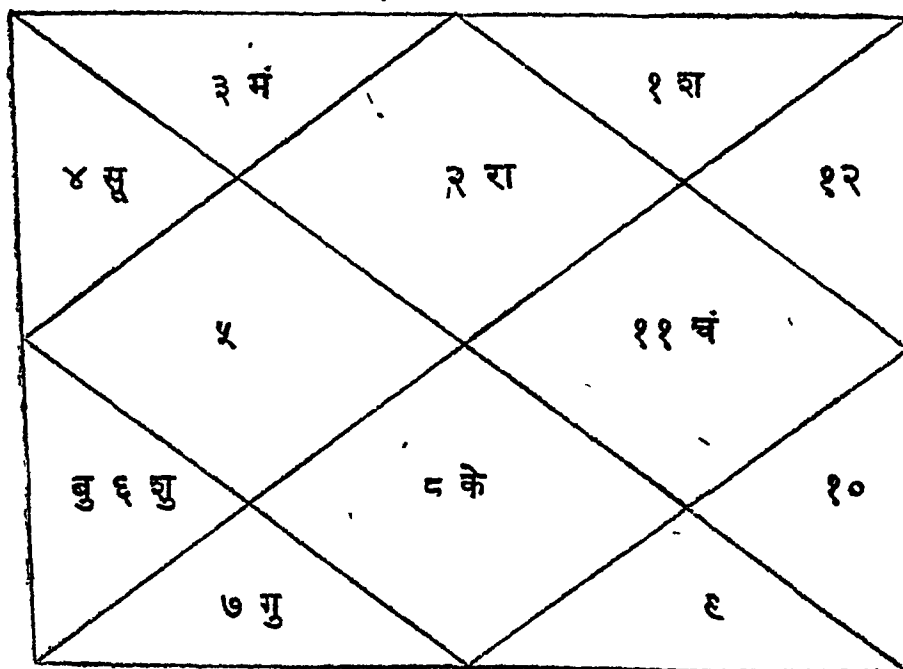
राणा प्रताप की जन्म



राणा सगर की जन्मकुण्डली

सम्बत १६१३ भाद्रवा वद २ शुक्र उदयात् ४७/३३ (शुक्र० जुलाई २४, १५५६ ई०)

राणा सगर की जन्म

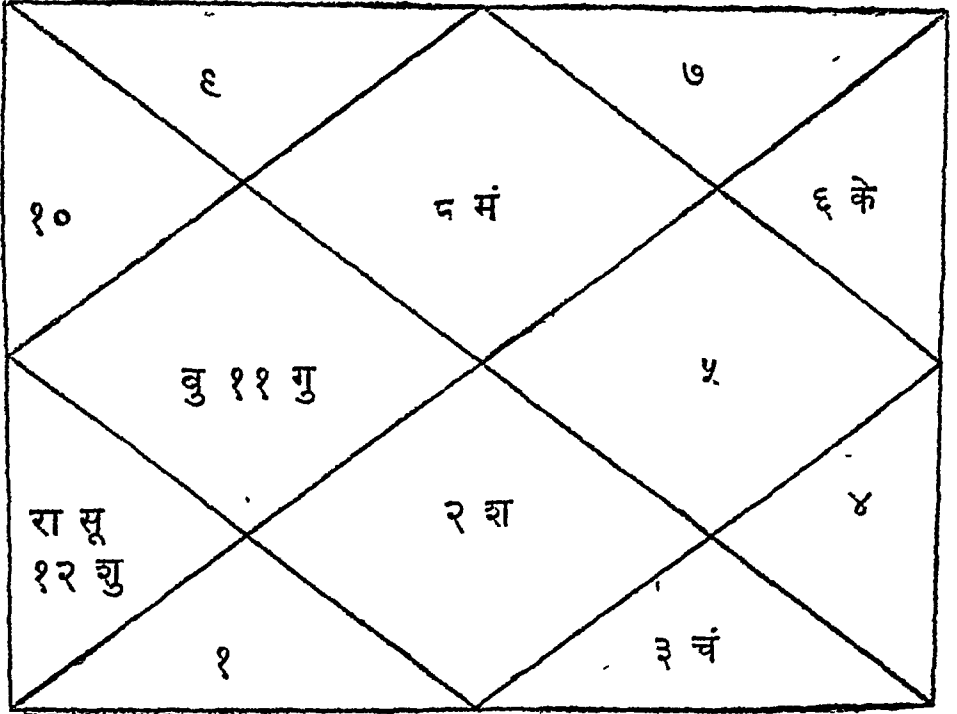


मारवाड़ रा परगनां री विगत

राणा अमरसिंघ री जन्मकुंडली

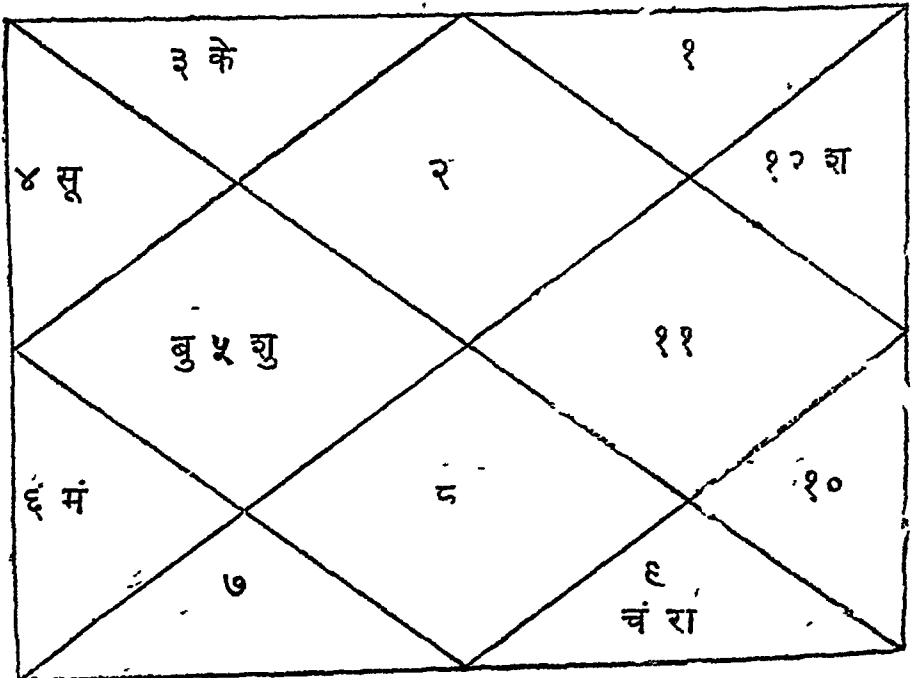
सम्बत १६१६ चैत्र सुद ७ (गुरु०, मार्च १६, १५५६ ई०)

राणा अमरसिंह री जन्म



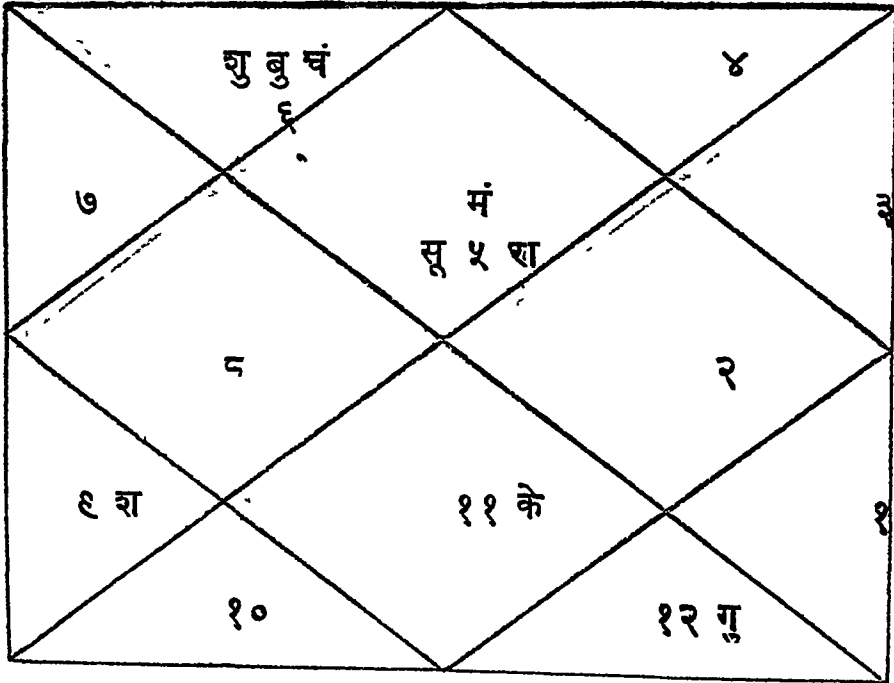
राणा करणसिंघ री जन्मकुंडली

सम्बत १६४० श्रावण सुदी १२, उदयात ४६ (रवि०, जुलाई २१, १५८३ ई०) राणा करण
सिंघ री जन्म (मंगल०, जनवरी ७, १५८४ है।) वीर विनोद मे माघ सु० ४



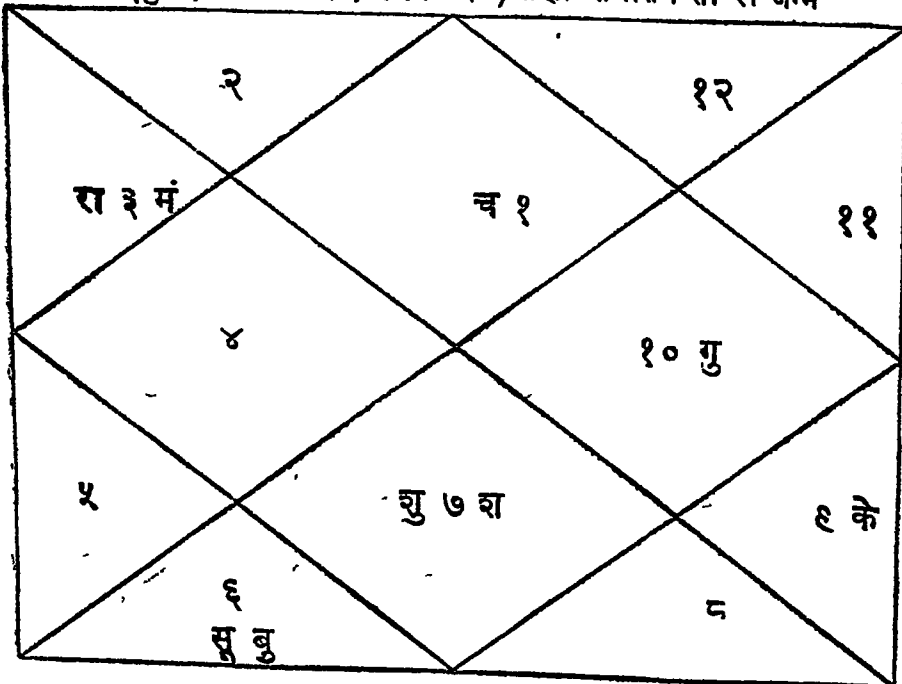
राणा जगतसिंघ की जन्मकुण्डली

सम्बत १६६४ भाद्रवा सुदर शुके हस्त नक्षत्र रात्र शेष घटी २ (शुक्र०, अगस्त १४, १६०७ ई०) राणा जगतसिंघ की जन्म



राणा राजसिंघ की जन्मकुण्डली

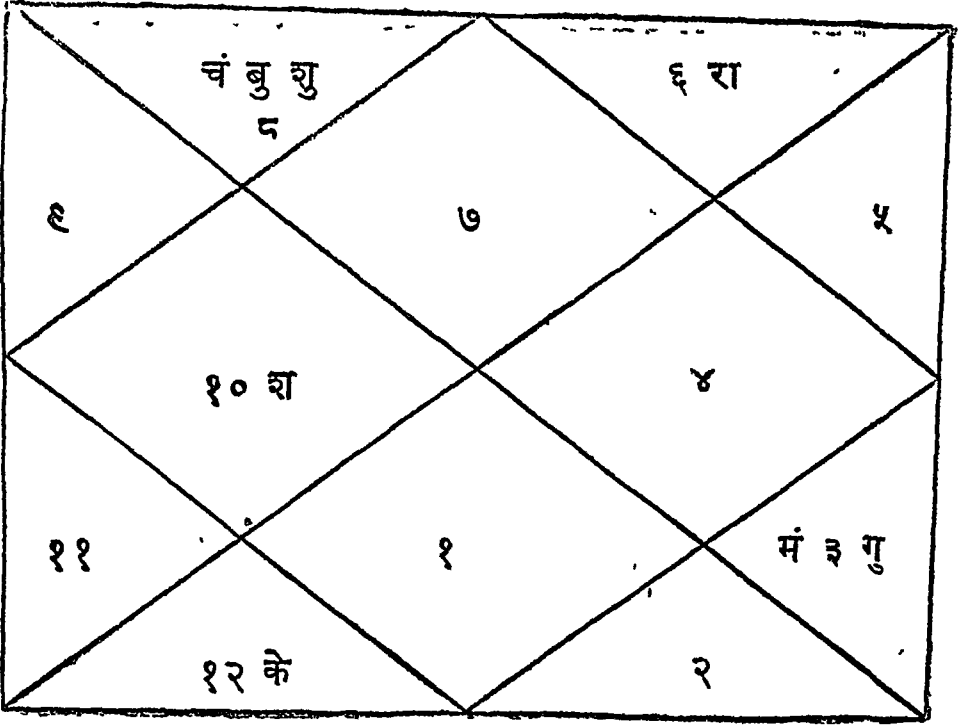
सम्बत १६६८ काती वदी २ गुरी उदयात २४ रात्रगत घटी २/५१ अ ७ हर्षण १२ (गुरु०, सितम्बर २४, १६२६ ई०) राणा राजसिंघ सा की जन्म



राजा मानसिंघ कछावा री जन्मकुंडली

सम्बत १६०७ पोह वदी १३ शनी उः ४८ (शनि०, दिसम्बर ६, १५५० ई०)

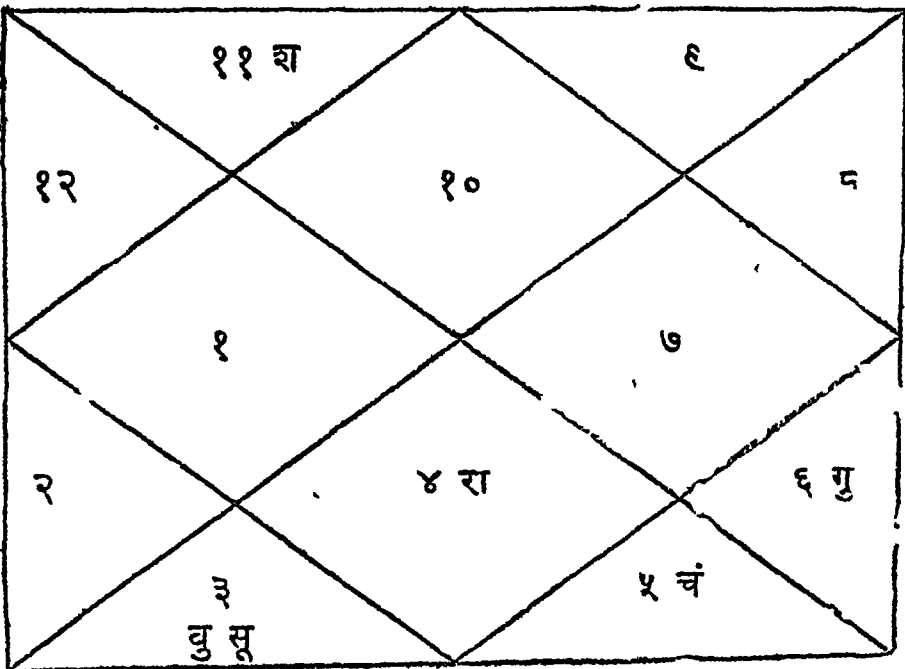
राजा मानसिंघ री जन्म



राजा माधोसिंघ कछावा री जन्मकुंडली

सम्बत १६१० आसोज सुद ५ (मंगल०, सितम्बर १२, १५५३ ई०)

माधोसिंघ सा री जन्म



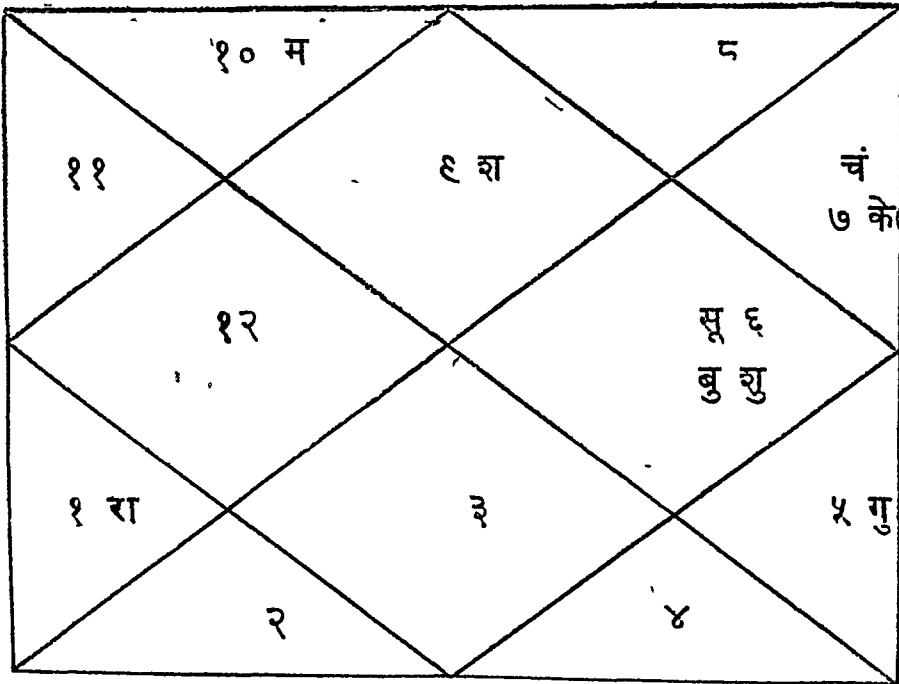
ऐतिहासिक व्यक्तियों की जन्मकुण्डलियाँ

[३४५]

राजा भार्गसिंघ कछावा री जन्मकुण्डली

सम्बत १६३३ आसोज वद २ उदयात १३ (सोम०, सितम्बर १०, १५७६ ई०)

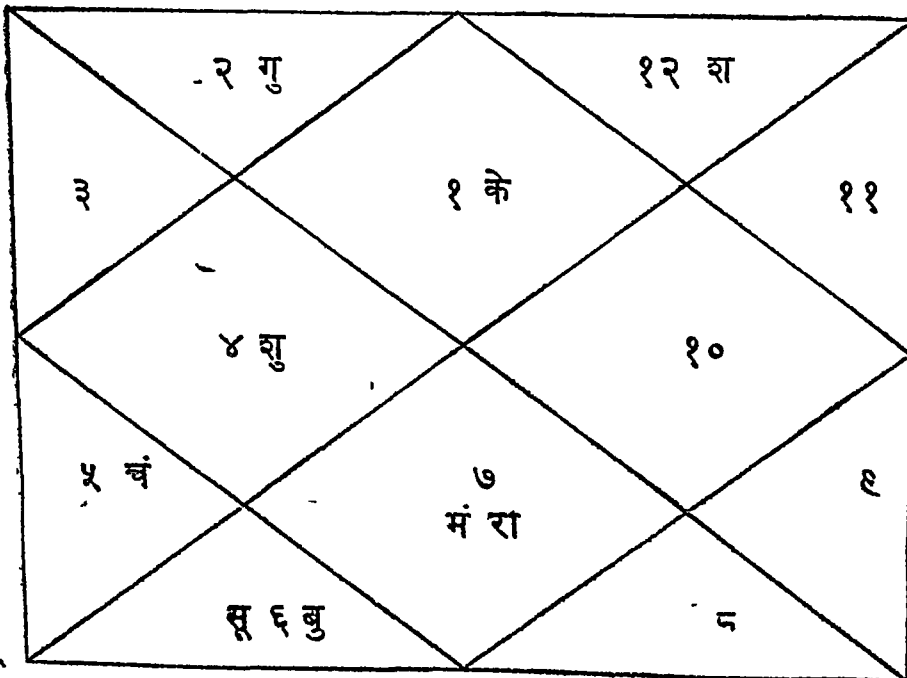
राजा भार्गसिंह री जन्म



राजा महार्गसिंघ कछावा री जन्मकुण्डली

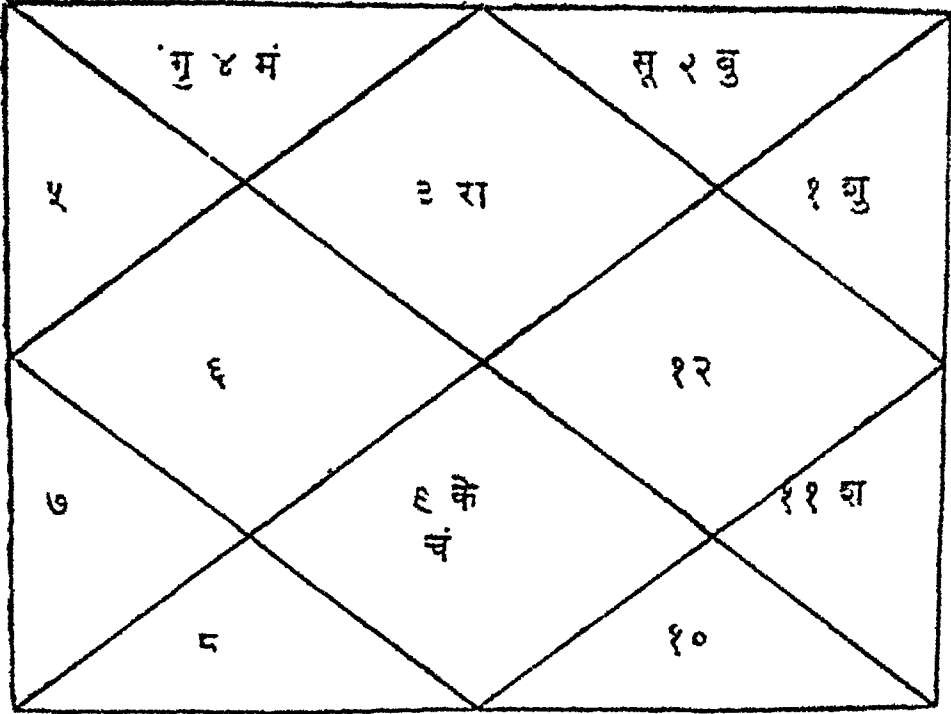
सम्बत १६४२ आसोज वद १२ शनी उदयात ३५/४६ सू ५/१०/५२/५४ ल०/२७/१२/६

चं. ४/१६/४३/४५ (शनि०, सितम्बर ११, १५८५ ई०) राजा महार्गसिंह री जन्म



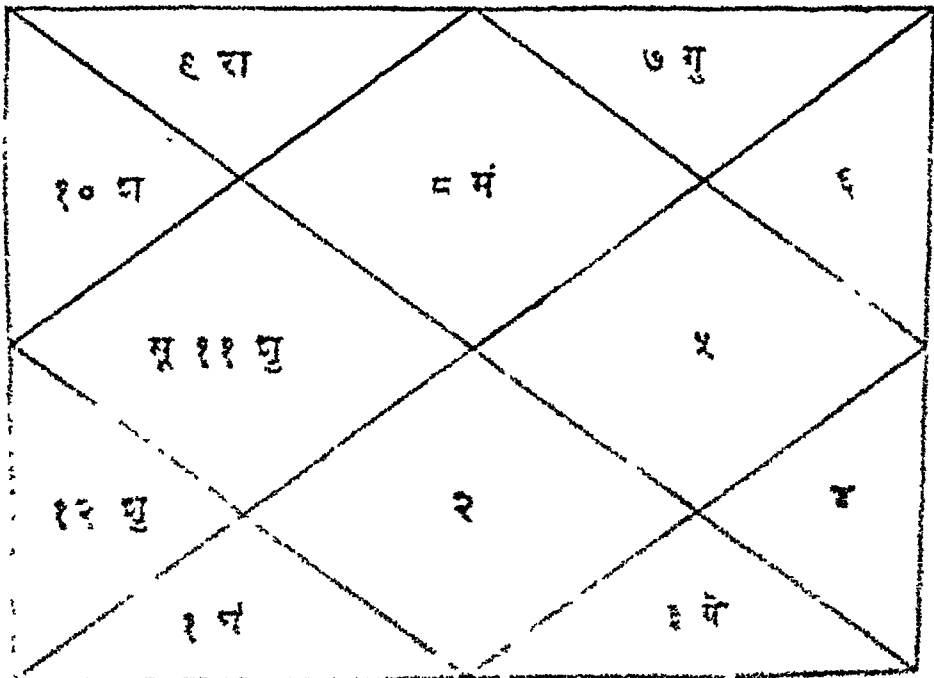
मिरजा राजा जैतिघ री जन्मकुंडली

सम्वत् १६६८ प्रथम घाघाट वद १ शुक्रे ज्यैष्ठा नक्षत्रे उदयात् ३/२० सू १/१७/४०/६०
म २/७/२८/४ (शुक्र०, मई १७, १६११ ई०) राजा जैतिघ री जन्म



राजा कीरतसिंह री जन्मकुंडली

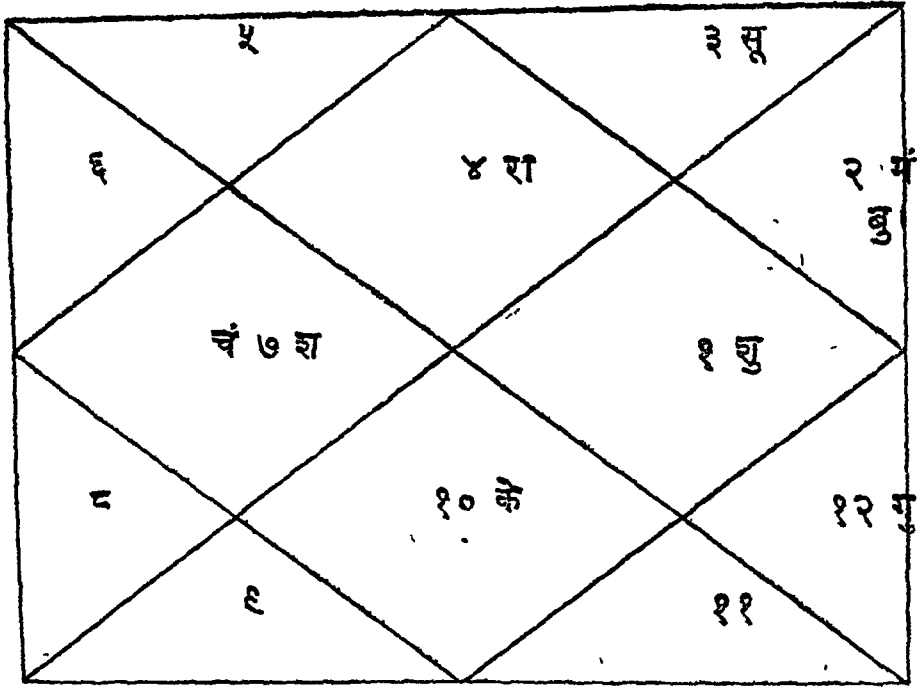
सम्वत् १६६४ फाल्गुन शुधी ५ शुक्रे उदयात् ४५ (शुक्र०, फरवरी ६, १६३८ ई०) मिरजा
राजा जयसिंह द्दहे पुत्र कीरतसिंह री जन्म



राव रतन हाड़ा की जन्मकुण्डली

सम्बत १६२८ जेठ सुद १० रवौ उदयात ११ (रवि० जून ३, १५७१ ई०)

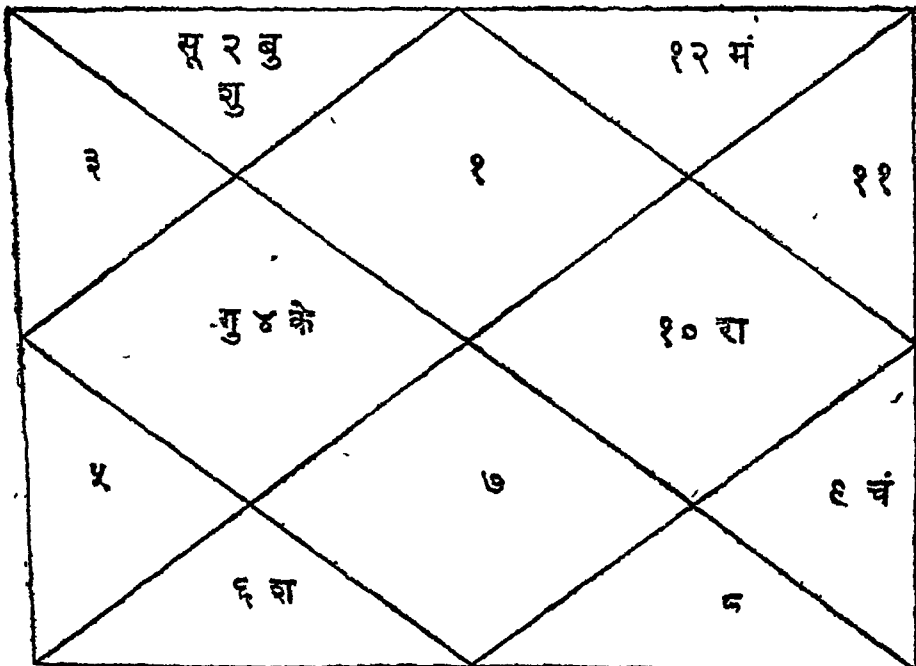
राव रतन की जन्म



राव माधोसिंह हाड़ा की जन्मकुण्डली

सम्बत १६५६ जेठ वद ३ गुरी उदयात ५५ (गुरु०, मई ३, १५९९ ई०) रावरत्न गृहे

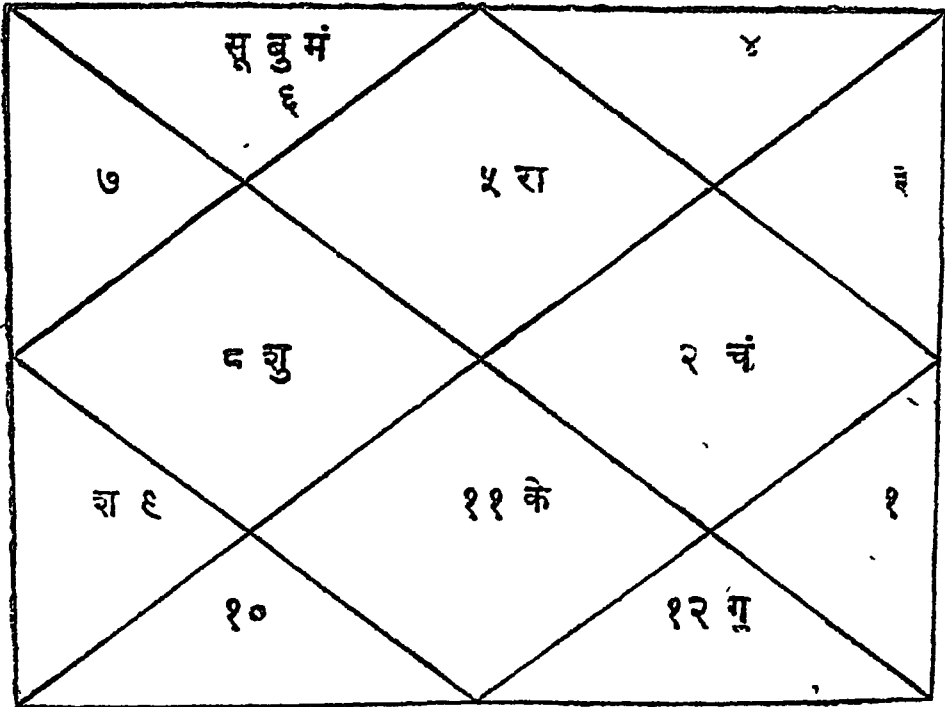
पुत्र माधोसिंह हाड़ा की जन्म



हाड़ा सत्रुसाल की जनमकुंडली

सम्बत १६६४ कातीवद ३ सोमे उदयात ५/५७ (सोम०, सितम्बर २८, १६०७ ई०)

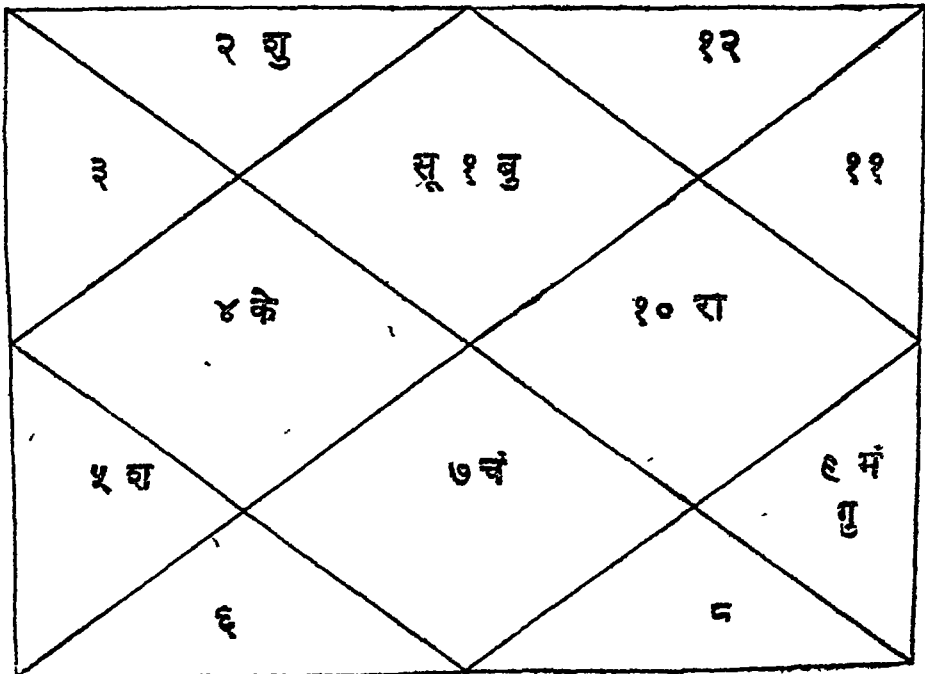
राव सत्रुसाल हाड़ा की जन्म



रावल लूणकरण की जन्मकुंडली

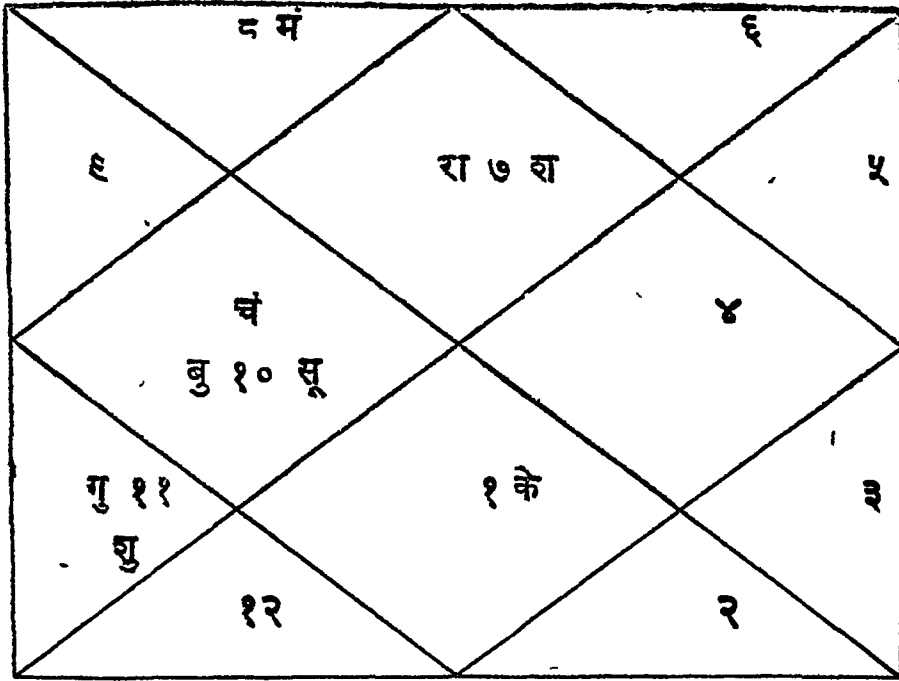
सम्बत १५२४ वैशाख सुदी १४ (गुरु०, अप्रैल २८, १४८५ ई०)

रावल लूणकरण भाटी (जैसलमेर) की जन्म



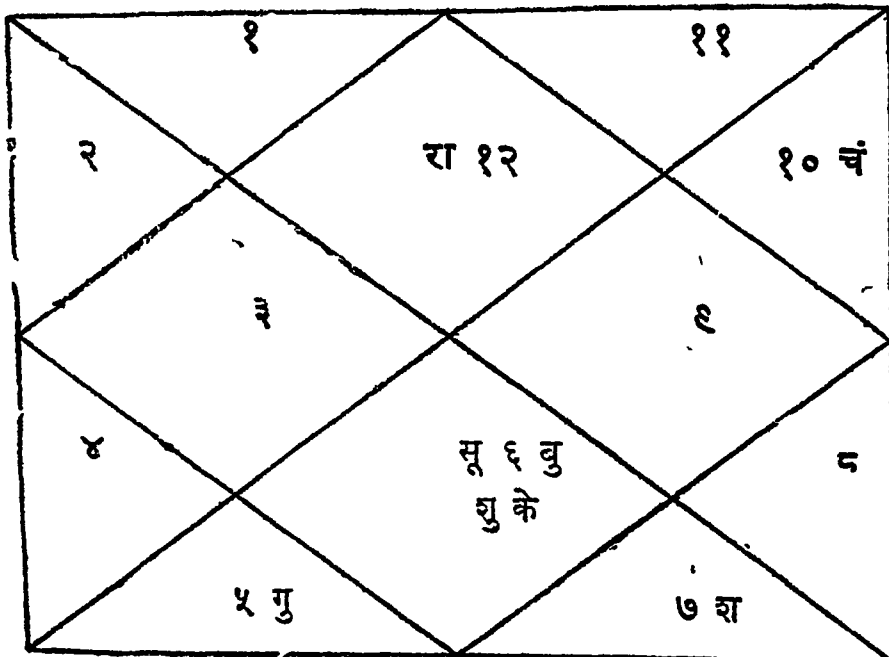
रावळ मालदे री जन्मकुंडली

सम्बत १५६८ माह वद ७ रात्रिगत १७ रा (शनि०, जनवरी १०, १५१२ ई०)
मालदे री जन्म



रावळ हरराज री जन्मकुंडली

सम्बत १५६८ आसोज सुद ८ (मंगल०, सितम्बर २७, १५४१ ई०)
रावळ हरराज भाटी री जन्म

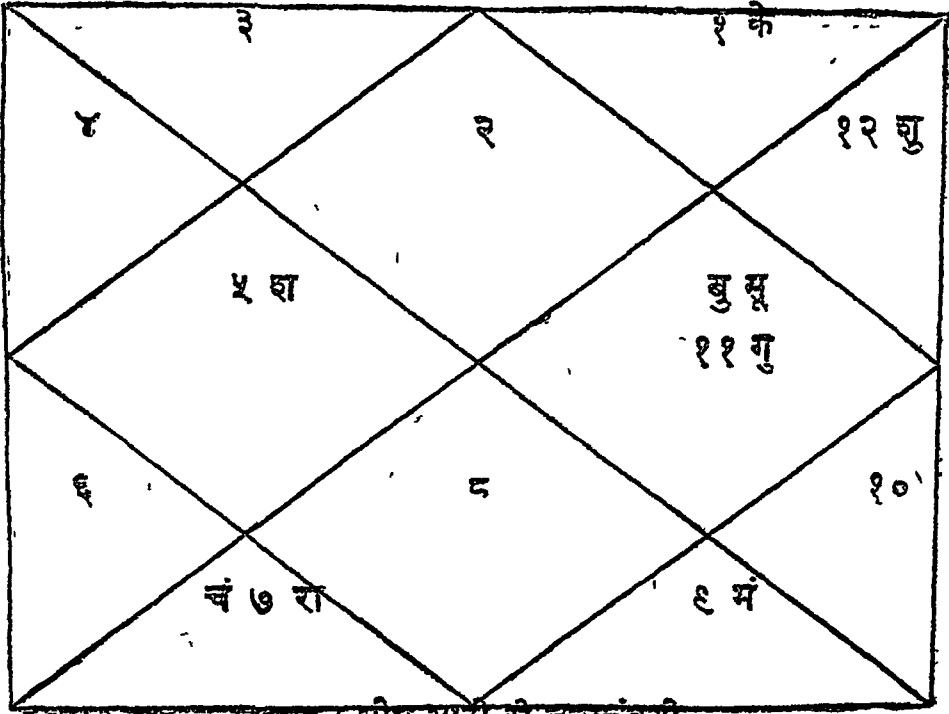


भारवाड़ रा परगनां के विगत

रावल मनोहरदासरी जन्मकुंडली

सम्बत १६५१ चैत्र वद ६ बुधे (बुध०, फरवरी १६, १५६५ ई०)

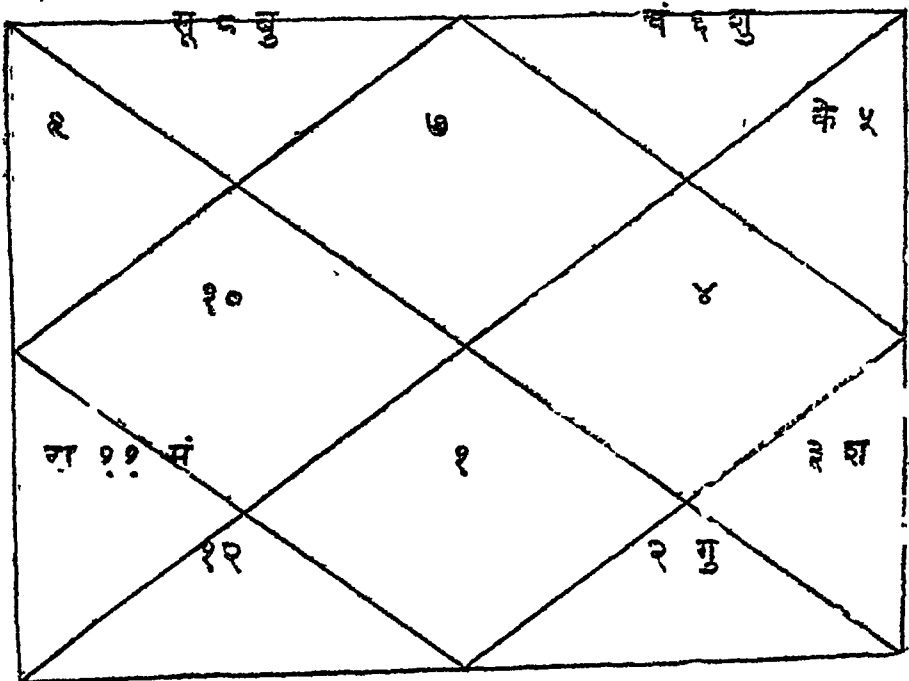
रावल मनोहरदास री जन्म



रावल भीम भाटी री जन्मकुंडली

सम्बत १६१८ मार्गशीर्ष वदि ११ (सोम०, नवम्बर ३, १५६१ ई०) रावल

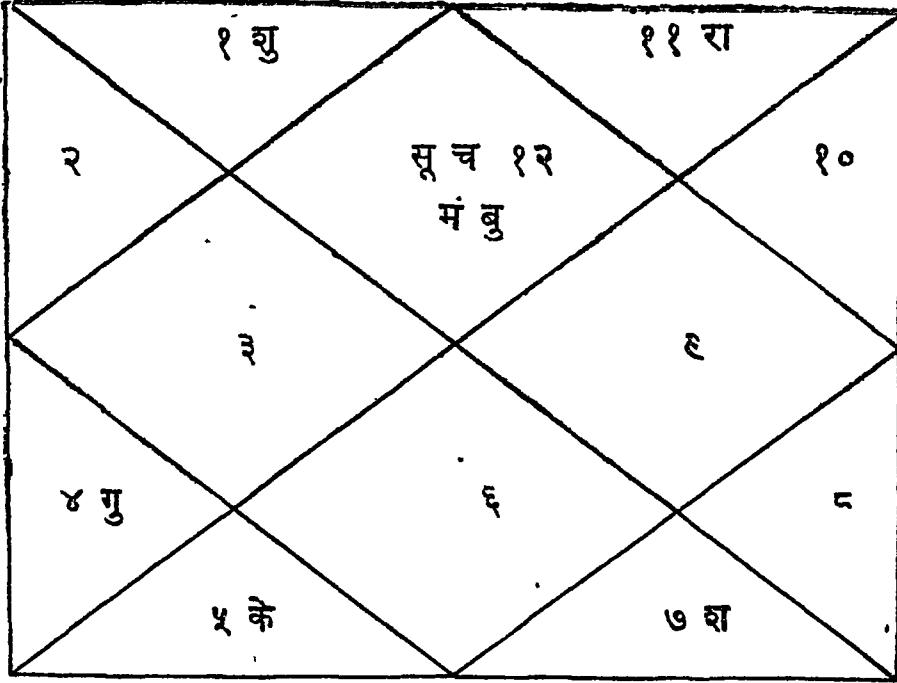
भीम भाटी री जन्म



साहजी भोंसल री जन्मकुण्डली

सम्बत १६५५ फाल्गुण वद १४ गुरु रात्रिगत २७ सूर्य ११/.....ल ११/०

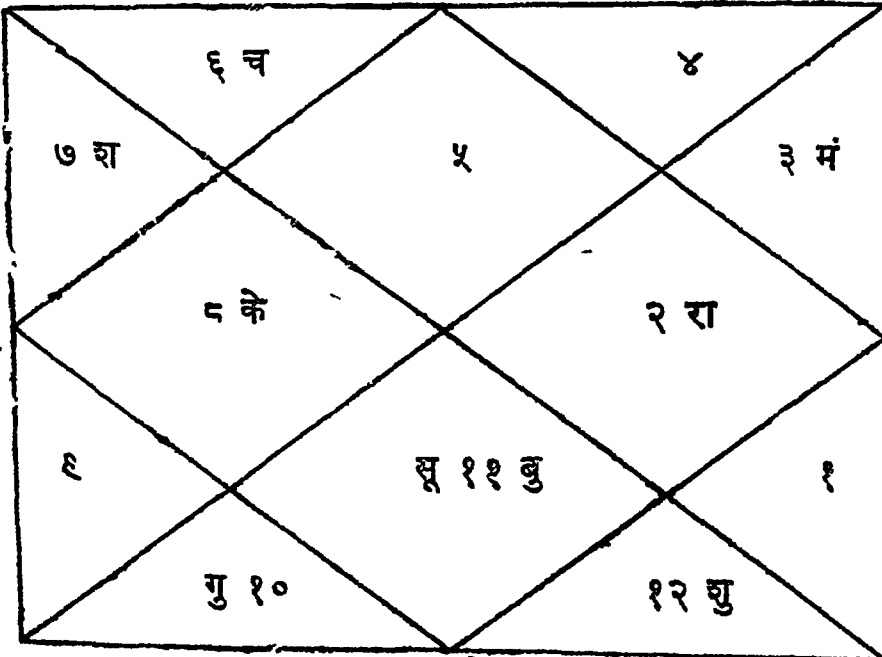
(गुरुवार, मार्च १५, १५९९ ई०) साहजी भोंसला री जन्म



शिवाजी मराठे री जन्मकुण्डली

सम्बत १६८६ फाल्गुण सुद ३ रात्रिगत घटी १ पल समये (शुक्र० फरवरी ५, १६३० ई०)

शिवाजी री जन्म

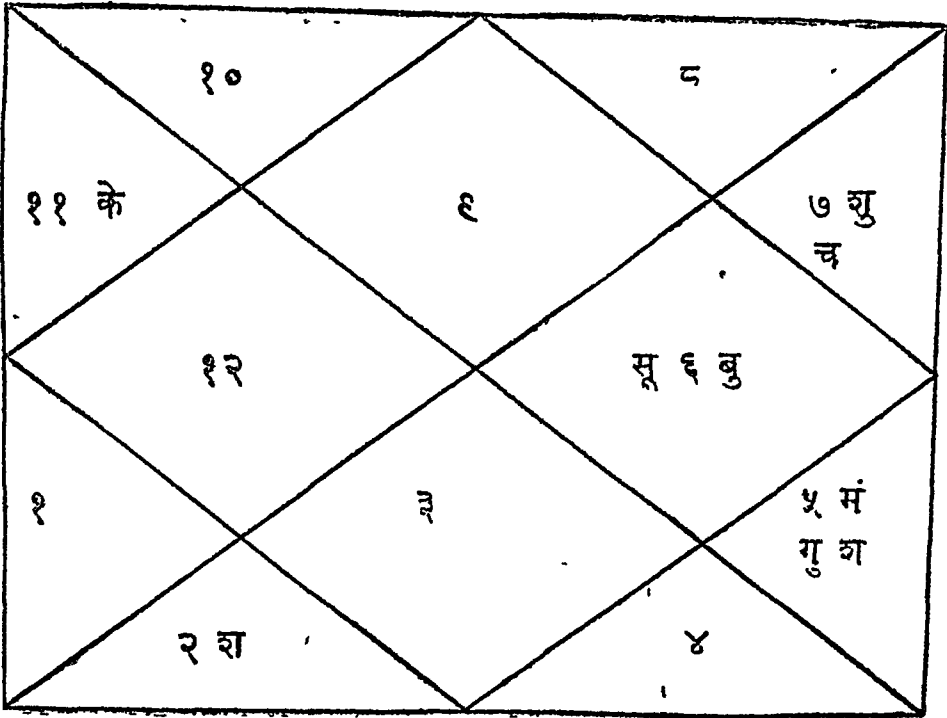


मारवाड़ रा परगनां रो विगत

बुंदेला जोगराज रो जन्मकुंडली

सम्बत १६४५ आसोज सुद ७ उदयात (मंगल०, सितम्बर १७, १५८८ ई०)

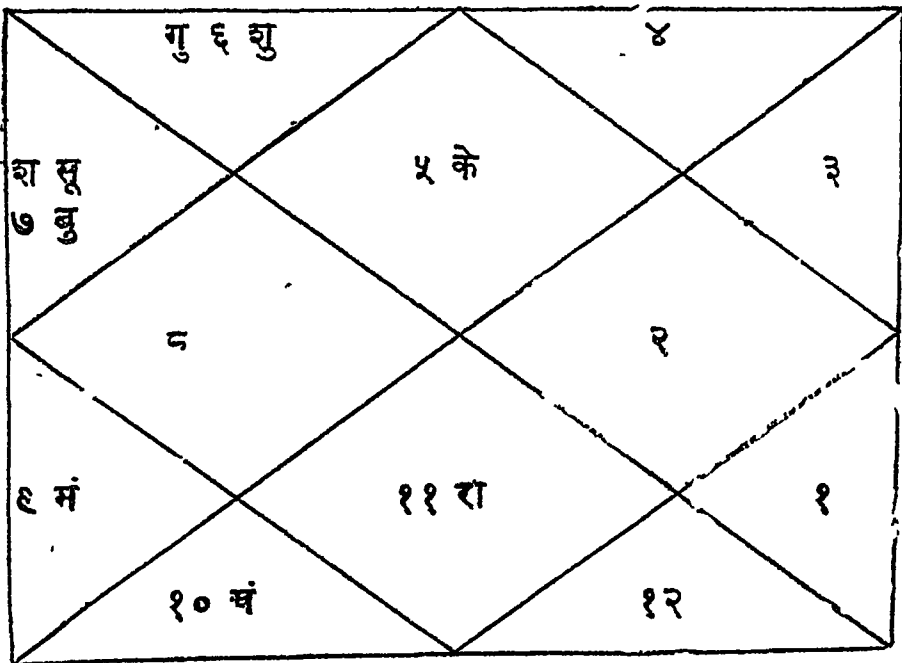
बुंदेला जोगराज रो जन्म



बादशाह अकबर रो जन्मकुंडली

सम्बत १५६६ काती सुदी ६, शनी रात्रिगत घटी २१/६ सूर्ये (शनि०, अक्टूबर १४, १५४२ ई०)

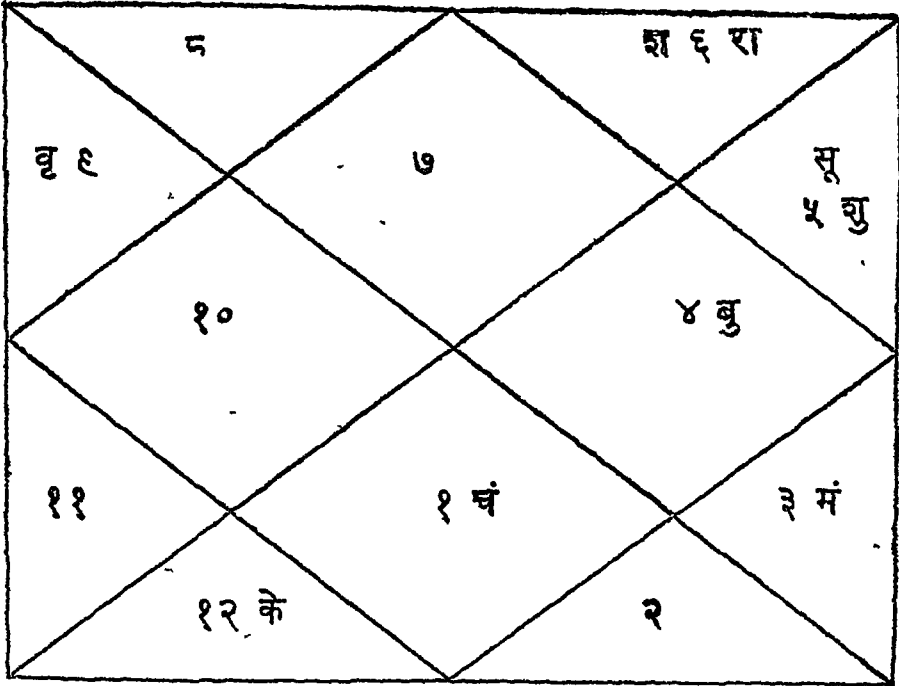
बादशाह अकबर रो जन्म



बादशाह जहांगीर की जन्मकुण्डली

सम्बत १६२६ आश्विन वद ५ बुधे (बुध०, अगस्त ३१, १५६६ ई०)

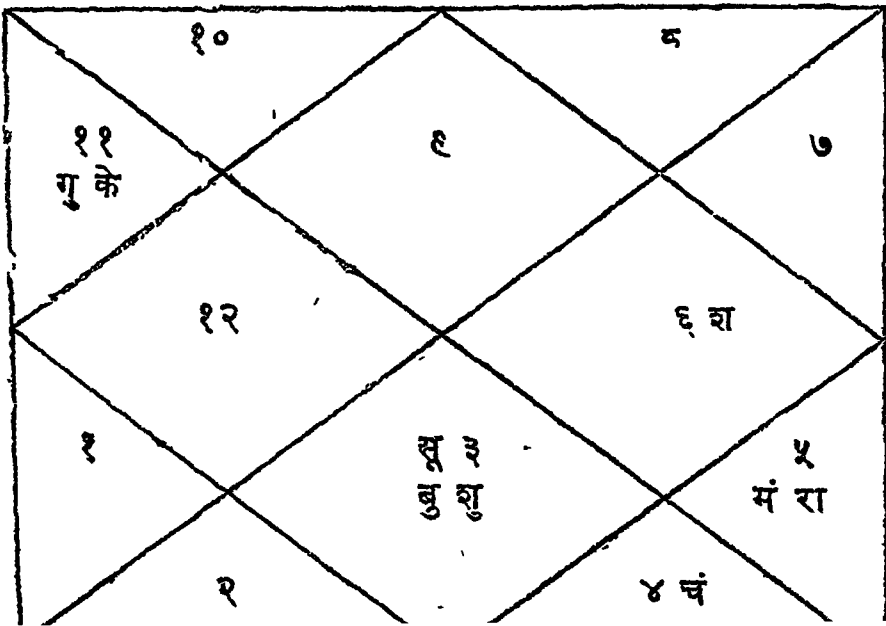
पातसाह जहांगीर की जन्म



शाह मुराद की जन्मकुण्डली

सम्बत १६२७ आसाढ सुद ४ बुधे पुष्य नक्षत्रे उदयात (बुध०, जून ७, १५७० ई०)

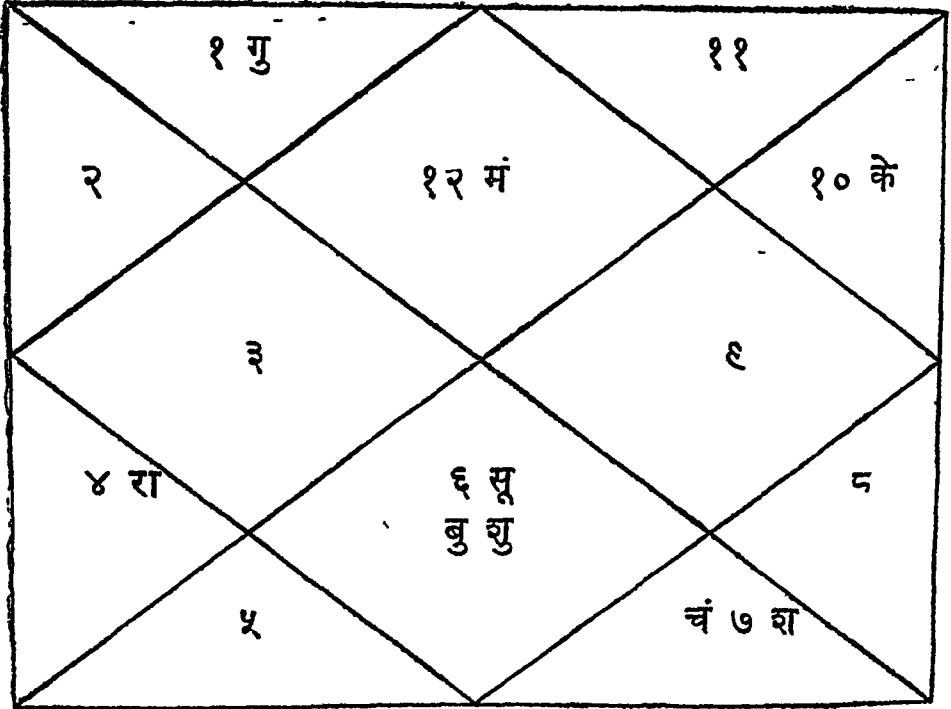
शाह मुराद की जन्म



दीनशाह री जन्मकुंडली

सम्बत १६२६ आश्विन सुद २ भौमे (मंगल०, सितम्बर ६, १५७२ ई०)

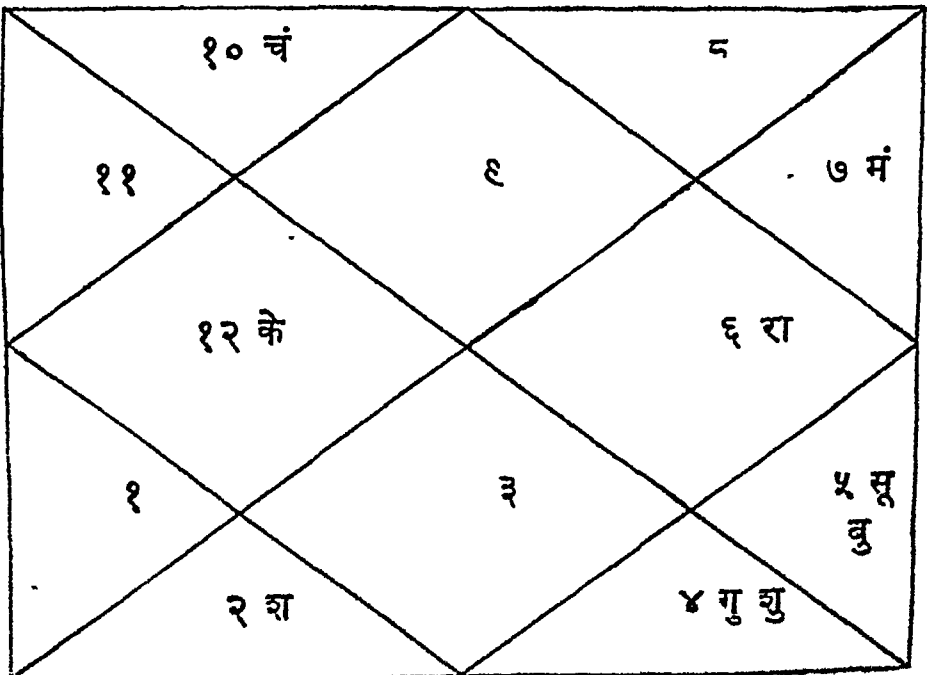
दीनशाह री जन्म



सुरताण खुसरू री जन्मकुंडली

सम्बत १६४४ आश्विन सुद १२ (रवि०, अगस्त ६, १५८७ ई०)

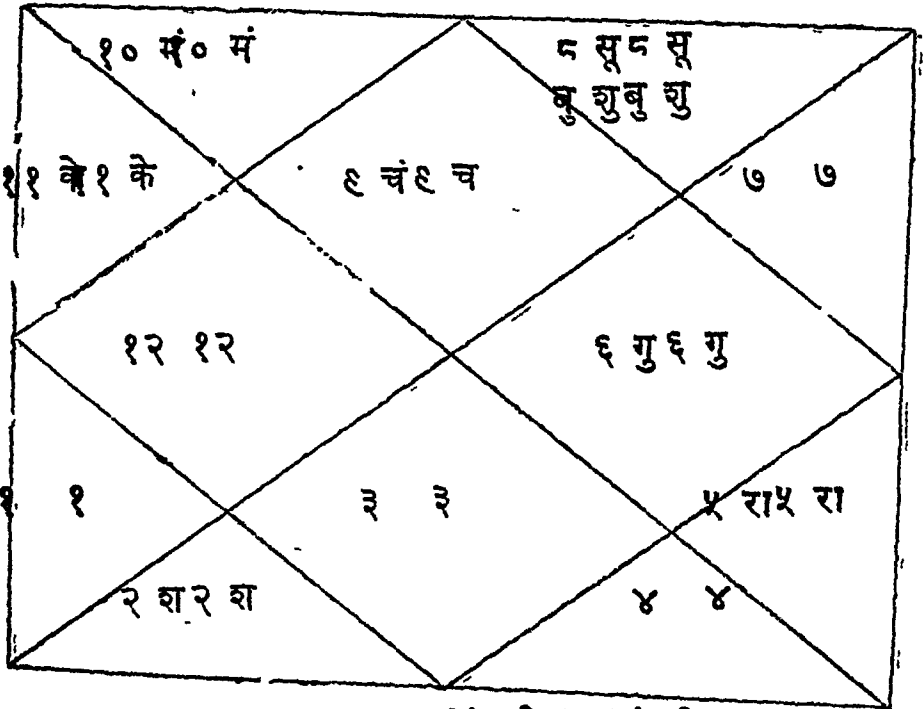
खुसरू सुरताण री जन्म



सुरतां सुरसंज्ञे जस्यै जजयी कुण्डलकुंडली

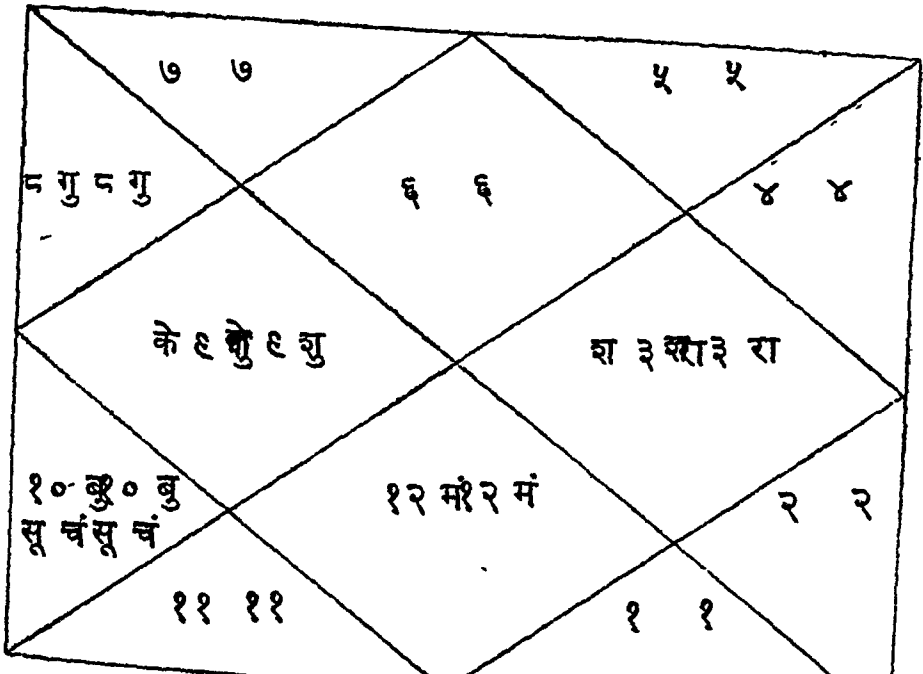
सम्बत १९६१ के ११ कुन्ती ४ सुका भि व स नि क व प र श क र ५ १ ५ ६ ९ ई०)

सुरतां सुरसंज्ञे जस्यै जजयी जन्म



बादशाह का जन्म जहाँ जहाँ कभी कुण्डलकुंडली

सम्बत १९६१ के ११ कुन्ती ४ सुका भि व स नि क व प र श क र ५ १ ५ ६ ९ ई०) की प्रयोगशाला कुल्लुबुलिया जहाँ रो जन्मी (इस जन्म का लक्षण, २५ वर्ष की आयु तक मृत्यु, ५ वर्ष की आयु में जीवित रहना, कुल्लुबुलिया में ही है)

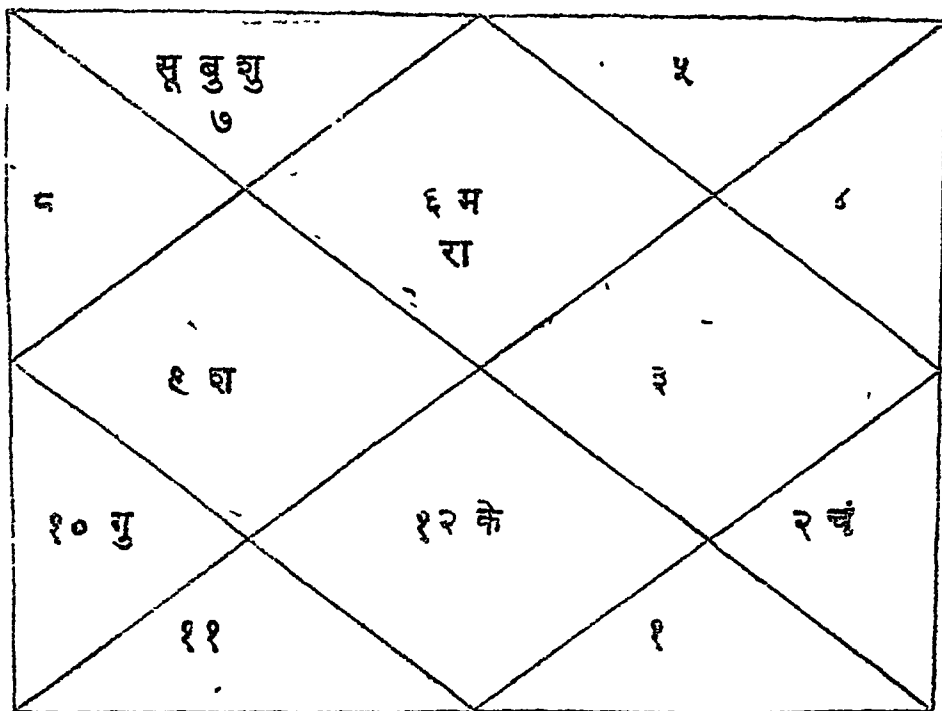


मारवाड़ रा परगनां री विगत

शहरयार री जनमकुंडली

सम्बत १६६२ मार्गशीर्ष वद ३ शनै (१६०५ ई०) जहांगीर गृहे

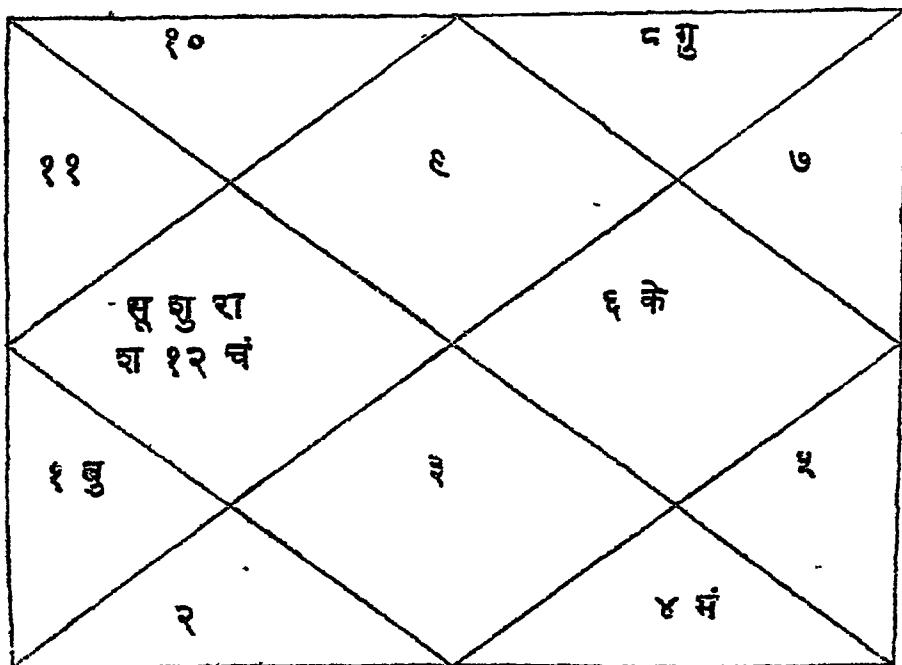
सहरियार री जन्म



बादशाह दाराशिकोह री जन्मकुंडली

सम्बत १६७१ चैत्र वद अमा० रवौ (रवि०, मार्च १९, १६१५ ई०)

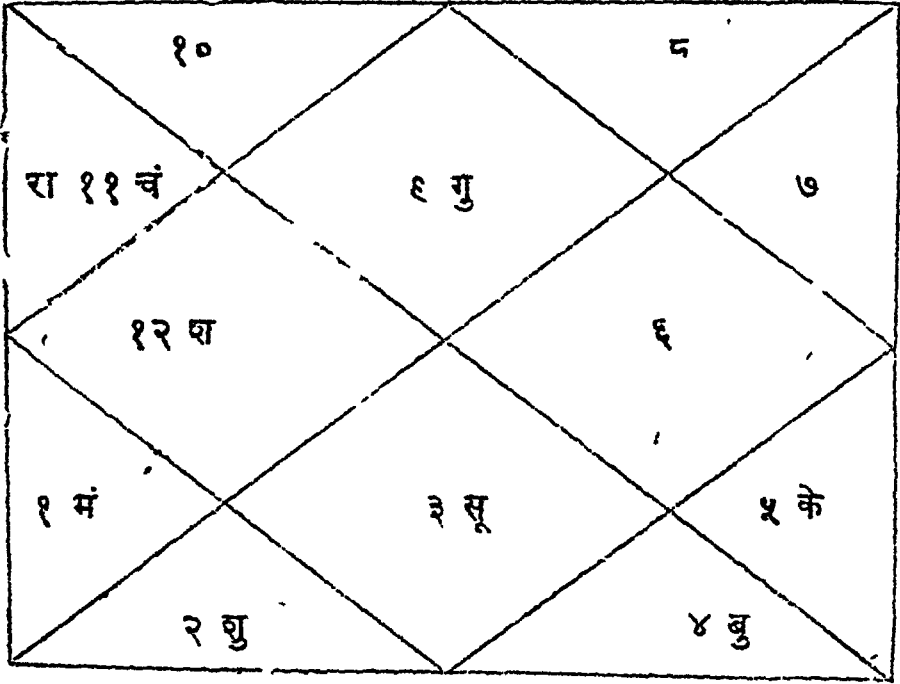
बादशाह दाराशिकोह री जन्म (उस दिन सूर्य ग्रहण हुआ था)



शाह सूजा री जन्मकुंडली

सम्वत् १६७३ श्रावण वद ३ शनी (शनि०, जून २२, १६१६ ई०)

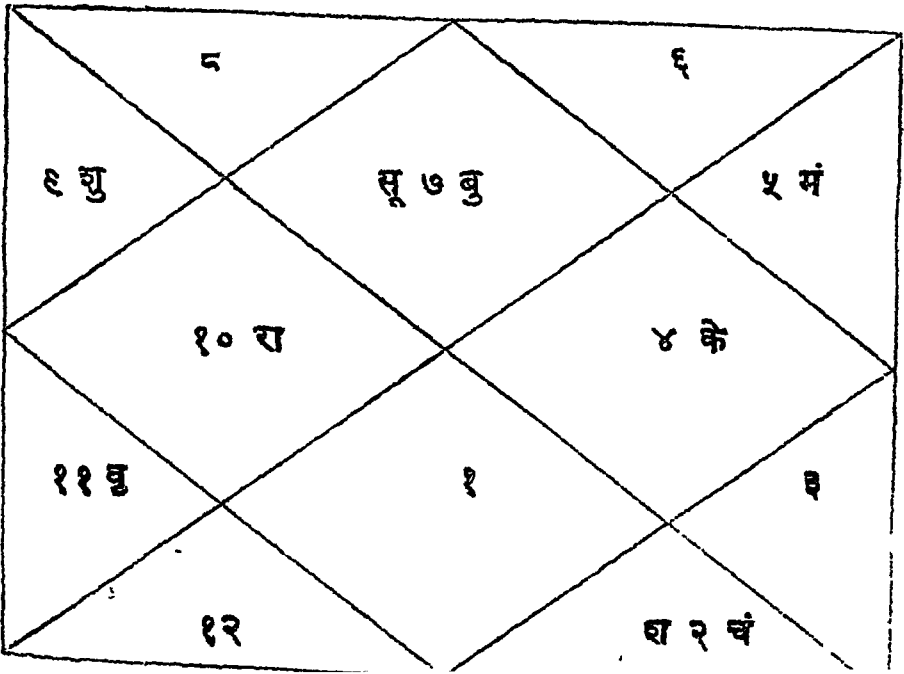
शाह सूजा री जन्म



बादशाह औरंगजेब री जन्मकुंडली

सम्वत् १६७५ मार्गशीर्ष वद १ शनी ५६/६ सू ६/२४ ल ६/१५/२०

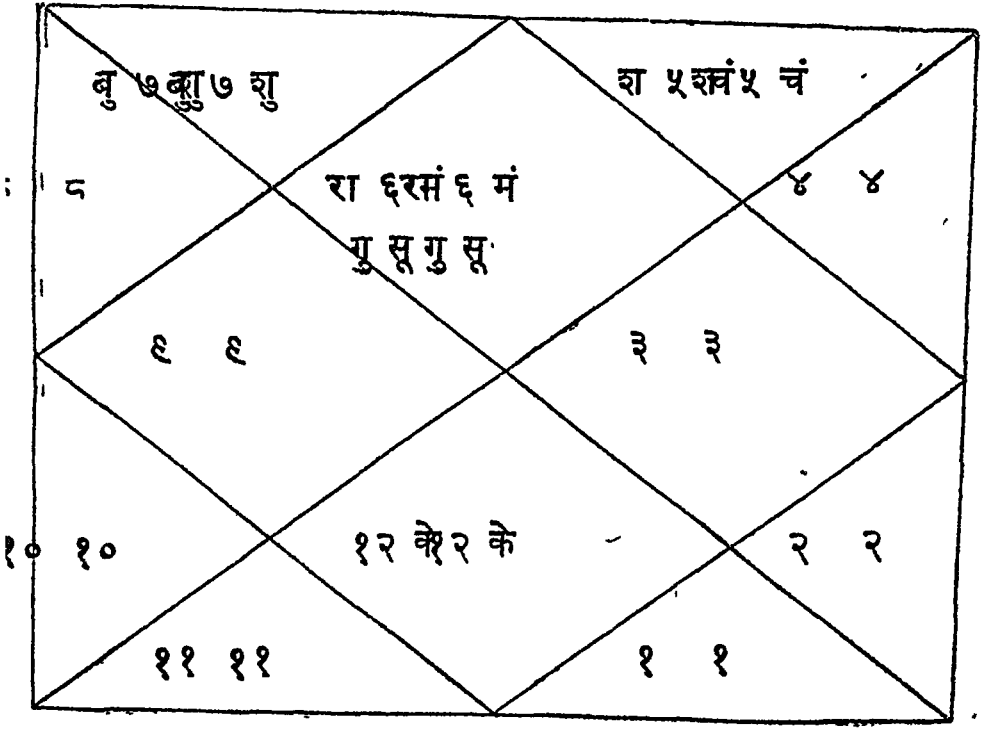
(शनि०, अक्टूबर २४, १६१८ ई०) बादशाह औरंगजेब री जन्म



मुरादवमुस्तादसैवस्तान्त्री कुंडली

स ११ काशी कवती सदाशैव रसाभिगदाधितीतरब्धी (मंगल ७ प्रं सितम्वसितम्बर १ ६३, ४१ ई०) ई०)

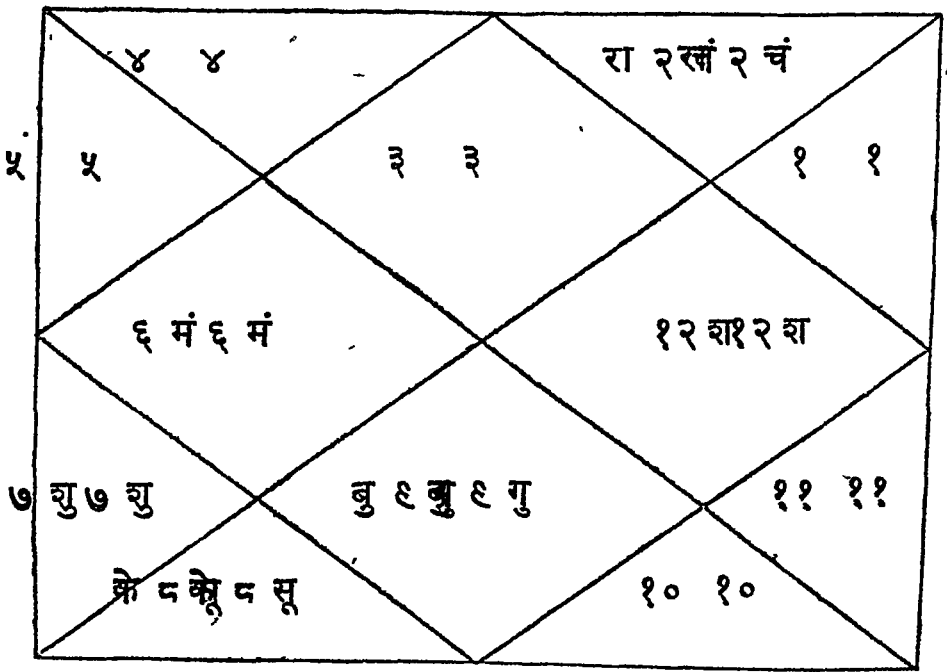
मुरादवमुस्तादसैवस्तान्त्री जन्म



नवावनवास्तान्त्री खानमं खीनविशीतविगत

संस्कार २१ महाशदीर्घा सुदीर्घ शुक्रो रो ४ उज्ज्वोमेतउदर्यासोम ० (सोमस्वस्तवस्वर १ १६, ६ ई०) ई०)

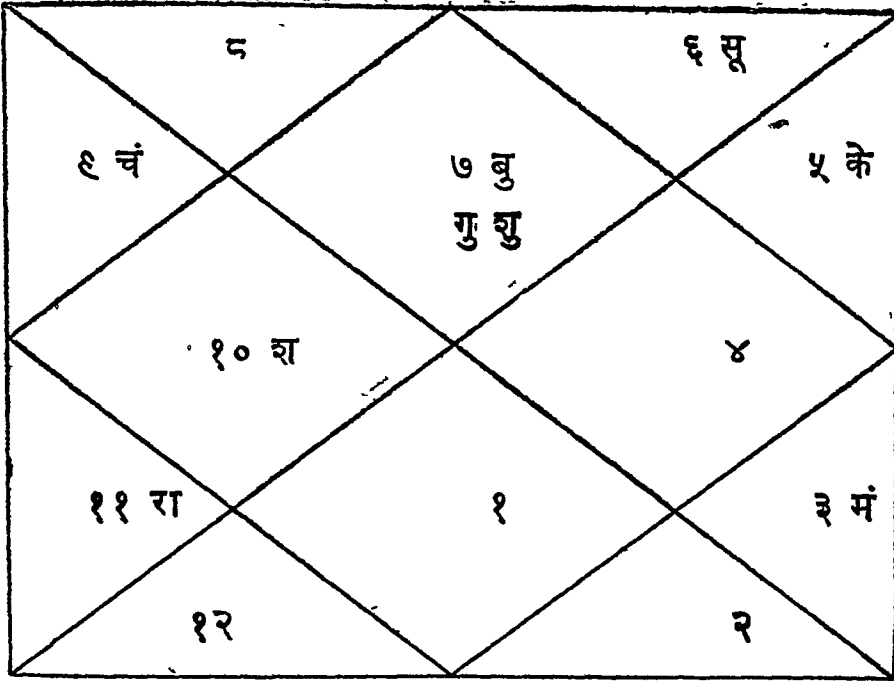
खानमं खीनविशीतविगत खानमं खीनविशीतविगत मे। सप्तमे इति ३ छदी १ ७ ७ १ १ (सिंह १ सुफ) १२६)



खानेजहां पठाण री जन्मकुंडली

सम्बत १६३१ आश्विन सुद ३ शनी उदयात घटी ४ सू ५/२१

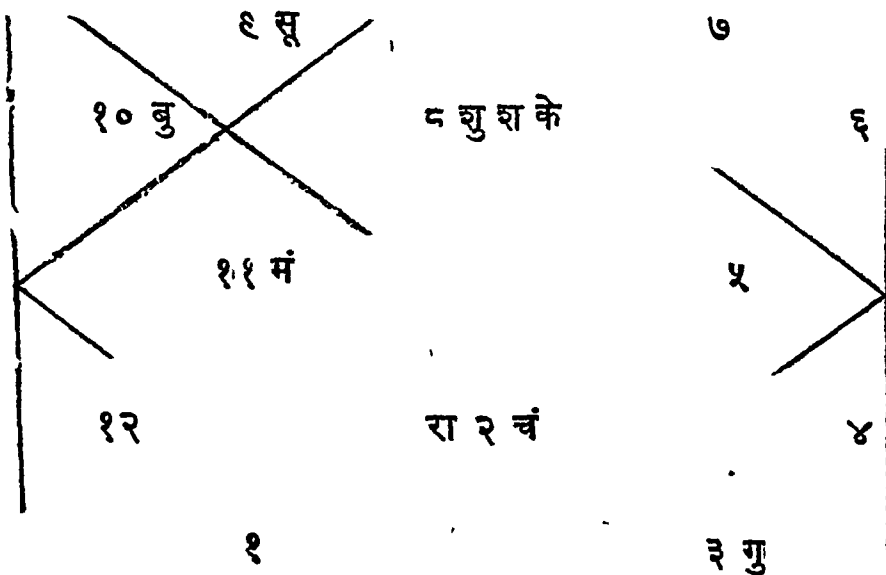
(शनि०, सितम्बर १८, १५७४ ई०) खानेजहां पठाण री जन्म



आसफ खां री जन्मकुंडली

सम्बत १६३१ पोह (पोष) सुद ६ गुरी (गुरु०, दिसम्बर ३०, १५७४ ई०)

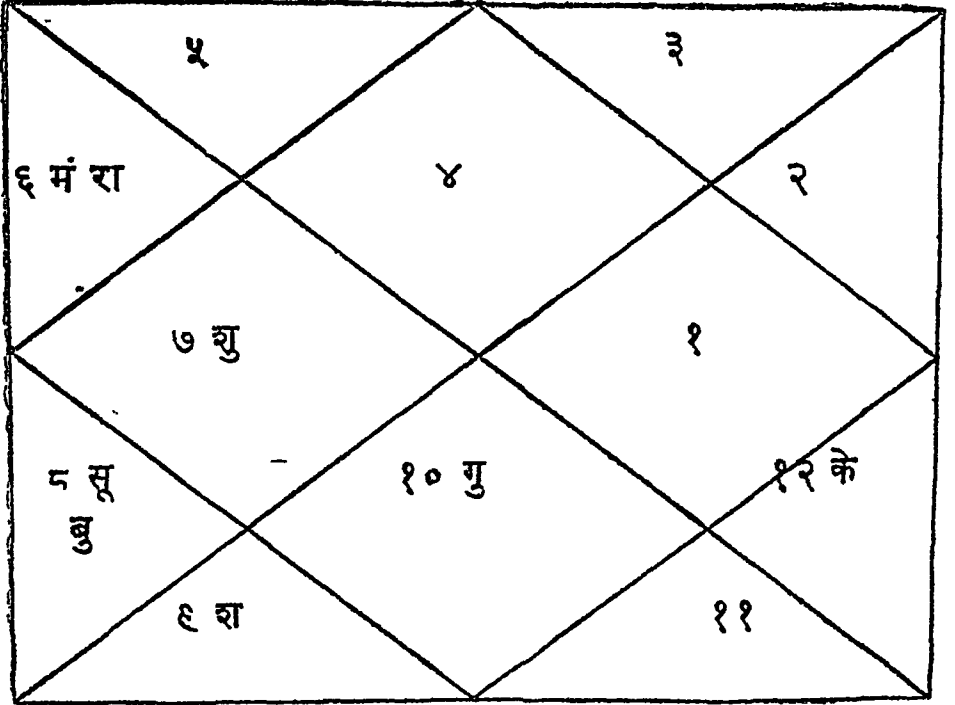
आसफ खां री जन्म



शायस्ताखां रो जन्मकुंडली

सम्बत १६६२ पोह सुद ७ (शुक्र०, दिसम्बर ६, १६०५ ई०)

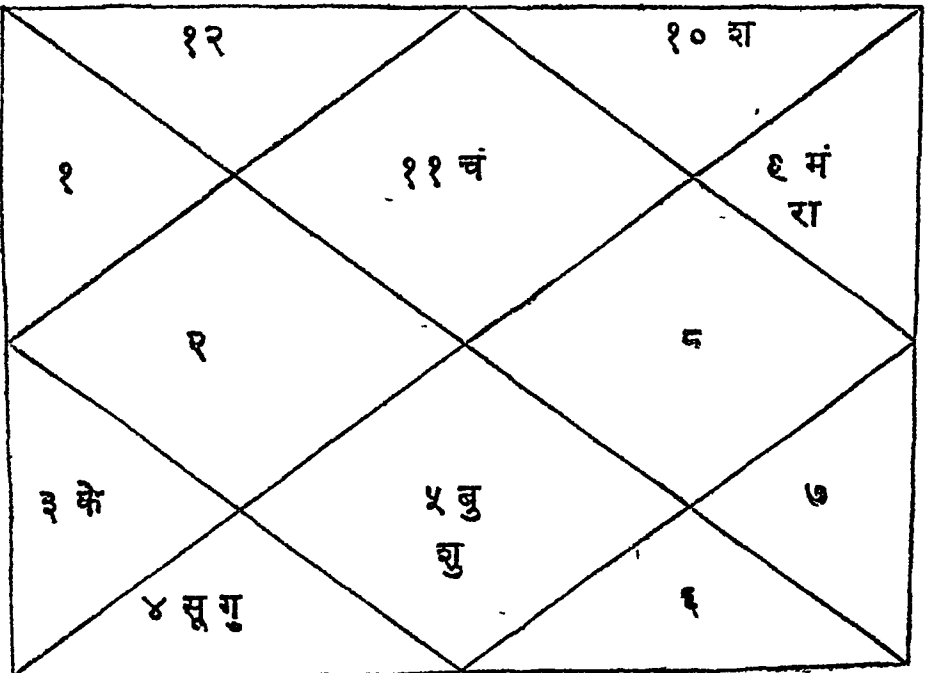
शायस्ता खां रो जन्म



दुर्गादास आसकरनोत रो जन्मकुंडली

सम्बत १६६५ द्वितीय श्रावण सुद १४, भौमे उदय ३१/३८ घनिष्ठा ६०/सूर्य ४/११/५२/

४७ लग्न १०/१३/५६/१' दुर्गादास आसकरनोत रो जन्म



गांवों के पट्टों व जागीरदारों की पीढियों की विगत

[खाँप करमसोतां रै ठिकाणां री विगत]

गांव-खीवसर— (राव जोधा का पुत्र करमसी जिसके वशज करमसोत)

पट्टे री विगत :-	रेख कदीम	रेख मौजूदा
खीवसर वास बड़ो (४)	४५००)	४५००)
लुणावास	१०००)	१०००)
ताडावास	१०००)	१०००)
अखावास	३००)	३००)
रतनावास	१५०)	०
काटीयो	१४००)	१४००)
अंवावास	२५०)	०
केलणसर	२००)	०
खीयावास	१५०)	०
निरभुवास	१५०)	०
विकरणवास	३००)	०
वीरावास (खुर्द)	४५०)	०
माहलोवास	१५०)	०
महेसपुरो	५००)	५००)
नारसुधो बडो (३)	६००)	६००)
नीलावास	६००)	६००)
हरनाथपुरो गुडो	२००)	२००)
बीरावासणी	१००)	१००)
जोरावरपुरो	६००)	६००)
रांगावास	३००)	०
आसावास	१०००)	०
गेमलियावास	४००)	०
गोदावास	२००)	०
छीकण	३००)	०
भलडां रो वास	२००)	०
वीरावास	१०५०)	१०५०)
	<hr/>	<hr/>
	१६३५०)	१२१५०)

पीढियें:- ३. पंचायण करमसी रो (पट्टे खीवसर) ४. महेसदास ५. हरदास
६. दयालदास ७. भीर्वसिध ८. हरनाथसिध ९. ऊर्देसिध १०. जोरा-

वरसिंघ ११ करणसिंघ १२. वेरीसाल १३.
१४. बख्तावरसिंघ १५. १६. सादूळसिंघ

गांव - भोजावास—

रेख कदीम २०००) रेख मौजूदा २०००)

प० जोधपुर

पीढिये:- (पांती आध में) ९. सभूसिंघ हरनाथसिंघोत^१ १०. अर्भेसिंघ ११. सेरसिंघ
१२ पहाड़सिंघ १३. भारथसिंघ १४. मोतीसिंघ

पांती आध मे:- ११. बख्तावरसिंघ अर्भेसिंघोत १२. रतनसिंघ १३. अमरसिंघ

गांव - घणारी बड़ी (आधी) —

पीढिये:- १०. दोलतसिंघ सम्भुसिंघोत^२ ११. माघोसिंघ १२. बुघसिंघ १३. थानसिंघ
१४. जोगीदास

गांव - पांचोड़ी—

रेख कदीम ३०००) रेख मौजूदा ३०००)

प० जोधपुर

गांव - बोंमणवाड़ो—

रे. क. ६२५)

रे. मौ. ६२५)

प० जोधपुर

गांव - साठीको—

रे. क. ५००)

रे. मौ. १००)

प० जोधपुर

पीढिये:- ९. उदेसिंघ, हरनाथसिंघोत^१ १०. जोरावरसिंघ ११. करणसिंघ
१२. दुरजणसिंघ १३. रामसिंघ १४. लिछमणसिंघ

गांव - आचीणो —

रे. क. १६००)

रे. मौ. १६००)

प० जोधपुर

गांव-हमीराणो (पट्टे)

रे. क. ५००)

रे. मौ. ०

प० जोधपुर

पीढिये:- ८. हरीसिंघ, भीर्वसिंघोत^३ ९. जसकरण १०. पदमसिंघ ११. रायसिंघ
१२. जवानसिंघ १३. इंदरसिंघ १४. लालसिंघ १५. हणवतसिंघ

गांव - देऊ —

रे. क. १०००)

रे. मौ. १०००)

सिरकार नागोर

पीढिये:- ८. फतेहसिंघ भीर्वसिंघोत^४ ९. लखधीरसिंघ १०. अनोपसिंघ ११. कीरतसिंघ
१२. सेरसिंघ १३. ग्यानसिंघ १४. बख्तावरसिंघ

१. ठिकाने खीवसर के (८) ठाकुर हरनाथसिंह का पुत्र ।

२. ठिकाने भोजावास के (९) ठाकुर संभुसिंह का पुत्र ।

३. ठि खीवसर के (८) ठाकुर हरनाथसिंह का पुत्र ।

४. ठि. खीवसर के (७) ठाकुर भीर्वसिंह का पुत्र ।

५. ठि खीवसर के (७) ठाकुर भीर्वसिंह का पुत्र ।

गांव - गोदरा—

रे. क. ५) रे. मौ. ५)
सिरकार नागोर

पीढिये:- (पांती आध मे) ७. भगवानदास दयालदासोत^१ ८. भावसिध ९. जेतसिध
१०. अनोपसिध ११. दानसिध १२. सालमसिध १३. छतरसिध
१४. सुमेळसिध

गांव - टालो माडपुरो—

रे. क. १०००) रे. मौ. १०००)
सिरकार नागोर

पीढिये:- (पांती आध मे) ७. बेसरसिध दयालदासोत^२ ८. मेगराज ९. सिरदारसिध
१०. जालमसिध ११. किलांगसिध १२. ऊरजणसिध १३. विजेराज
पांती आध में:- १०. हृदीसिध सिरदारसिधोत^३ ११. पनेसिध १२. दलेलसिध
१३. रावतसिध

गांव - चटाळियो—

रे. क. २०००) रे. मौ. २०००)
प० जोधपुर

पीढिये:- ६. दलपत हरदासोत^४ ७. पिरथीराज ८. प्रतापसिध ९.....
१०. रायसिध ११. जोरावरसिध

गांव - सोयलो—

रे. क. १८७५) रे. मौ. १८७५)
प० जोधपुर

पीढिये:- १२. ईसरसिध जोरावर सिधोत^५ १३. भीवसिध १४. मगलसिध
१५. विजेसिध

गांव - नागडी—

पीढिये:- ७. पीरथीराज दलपतोत^६ ८. महासिध ९. सिवसिध १०. सुलतानसिध
११. सेरसिध १२. रिधकरण १३. सांवतसिध

गांव - खारी—

रे. क. २०००) रे. मौ. २०००)
सिरकार नागोर

पीढिये:- ८. लिखमीदास पिरथीराजोत^७ ९. जेतसिध १०. भवानीसिध ११. चतरसिध
१२. बेरीसाल १३. प्रभुदान १४. बभूतसिध

गांव - भदवासी (आधो)—

रे. क. १०००) रे. मौ. १०००)
सिरकार नागोर

१. ठि. खीवसर के (६) ठाकुर दयालदास का पुत्र ।
२. ठि. खीवसर के (६) ठाकुर दयालदास का पुत्र ।
३. ठिकाने टालो माडपुरा के (९) ठाकुर सिरदारसिंह का पुत्र ।
४. ठि. खीवसर के (५) ठाकुर हरदास का पुत्र ।
५. ठि. चटाळियो के (११) ठाकुर जोरावरसिंह का पुत्र ।
६. ठि. " " (६) ठा० दलपत का पुत्र ।
७. ठि. " " (७) ठा० पिरथीराज का पुत्र ।

- पीढियें:- ११. वखतसिंघ भवानीसिंघोत^१ १२. बुधसिंह १३. घनसिंह
गाँव - गिरावड़ी— रे. क. २०००) रे. मी. ६३७।।)
सिरकार नागोर
- पीढियें:- ९. जगतसिंघ लिखमीदासोत^२ १०. सवाईसिंघ ११. हिमसिंघ
१२. जालसिंघ १३. गजसिंघ
गाँव - हरीमो— रे. क. ३०००) रे. मी. १५००)
सिरकार नागोर
- पीढियें:- १०. सुरतसिंघ, जगतसिंघोत^३ ११. वाघसिंघ १२. अमानसिंघ
१३. जगरांसिंघ १४. देवीसिंघ
गाँव - जिदास— रे. क. १०००) रे. मी. १०००)
सिरकार नागोर
- पीढियें:- १०. सिरदारसिंघ जगतसिंघोत^४ ११. हिंदूसिंघ १२. अनाडसिंघ
१३. माघोसिंघ
गाँव सीगड़— रेख कदीम ४०००) रेख मौजूदा ४०००)
पीढियें- ५.....महेसदासोत^५ ६. द्वारकादास ७..... ८. जगरूपसिंघ
९. हरभाण १०. सांवतसिंघ ११. तेजसिंघ १२. सालसिंघ १३. अमानसिंघ
१४. सूरसिंघ
- गाँव कादर पुरो (आधो)— रे. क. १५००) रे. मी. १५००)
सिरकार नागोर
- पीढियें- ११. दलेलसिंघ सांवतसिंघोत^६ १२. मानसिंघ १३. चतुरसिंघ
१४. लिच्छमणसिंघ
- गाँव थळाजू— रे. क. १०००) रे. मी. १०००)
सिरकार नागोर
- पीढियें:- ८. अभेराम कीरतसिंघोत ९. सतीदांन १०. सुजाणसिंघ ११. जेतसिंघ
१२. प्रतापसिंघ
- गाँव बुह (आध)— रे. क. ३०००) रे. मी. ३०००)
सिरकार नागोर
- पीढियें:- ३. मानसिंघ पचायणोत^७ ४. ईसरदास ६. केसरीसिंघ ७. ऊर्देसिंघ

-
१. गाव खारी के (१०) ठाकुर भवानीसिंघ का पुत्र ।
२. गाँव खारी के (८) ठाकुर लिखमीदास का पुत्र ।
३. ठि. गिरावड़ी के (९) ठाकुर जगतसिंह का पुत्र ।
४. ठि० गिरावड़ी के (९) ठाकुर जगतसिंह का पुत्र ।
५. ठि० खीवसर के (४) ठाकुर महेमदास का पुत्र ।
६. ठि० सीगड़ के (१०) ठाकुर सावतसिंघ का पुत्र ।
७. ठि० खीवसर के (३) ठाकुर पचायण का पुत्र ।

८. कुसलसिंघ ९. प्रतापसिंघ १०. दौलतसिंघ ११. चाँदसिंघ १२. सेरसिंघ
१३. सादूलसिंघ १४. बभूतसिंघ

पांती आध में:- ११. सालमसिंघ दौलतसिंघोत^१ १२. नाहरसिंघ १३. सिवनाथसिंघ

गांव - आसरनडो—

रे. क. १०००)

रे. मौ. १०००)

प० जोधपुर

पीढ़ियों:- ४.....तेमाल पचाणोत ५. ईसरदास ६.....

७. रगनाथसिंघ ८..... ९. जसकरणा १०.....

११. करणसिंघ १२..... १३. जसवंतसिंघ

गांव - ऊत्तरां—

रे. क. ४०००)

रे. मौ. ४०००)

प० जोधपुर

पीढ़ियों:- ९. सिवदानसिंघ साहबसिंघोत १०. बाकीदास ११. राजसिंघ

१२. रिडमलसिंघ १३. मंगलसिंघ

गांव सांवतकुओ—

रे. क. ५००)

रे. मौ. ५००)

प० जोधपुर

पीढ़ियों:- १२. सरूपसिंघ राजसिंघोत^२ १३. ईसरीसिंघ

गांव ऊमरलाई (आधी)—

रे. क. ५००)

रे. मौ. ५००)

प० सिवाणा

पीढ़ियों:- ३. धनराज करमसिंघोत ४. नगराज ५. सांगो ६. प्रतापसिंघ ७. किसनसिंघ

८. संकरदास ९. गुमानसिंघ १०. सुजांसिंघ ११. सगतसिंघ १२. ग्यानसिंघ

गांव - खारी—

.....

.....

सिरकार जालोर

पीढ़ियों:- ५. गणेशदास नगराजोत ६. विठलदास ७. रामसिंघ ८. रिणछोडदास

९. सांवतसिंघ १०. किलांसिंघ ११. मोकमसिंघ १२. संभुसिंघ

१३. गुलाबसिंघ

गांव - रंगालो—

रे. क. १०००)

रे. मौ. १०००)

सिरकार जालोर

पीढ़ियों:- ८. चपराज रामसिंघोत^३ ९. विजेशिंघ १०. सुरताणसिंघ ११. विसनसिंघ

१२. सेरसिंघ १३. अनाडसिंघ १४. भारथसिंघ

गांव - सिराणी—

रे. क. १२५०)

रे. मौ. १२५०)

सिरकार जालोर

पीढ़ियों:- १२. सेरसिंघ विसन दासोत^४ १३. अमानसिंघ १४. आईदान

१. ठि बुह के (१०) ठाकुर दौलतसिंह का पुत्र ।

२. ठि, उत्तरा के (११) ठाकुर राजसिंह का पुत्र ।

३. ठि खारी के (७) ठा० रामसिंह का पुत्र ।

४. ठि, रंगालो के (११) ठा० विसनसिंह का पुत्र ।

गांव - छजालो—

रे. क. १०००)

रे. मौ. १०००)

सिरकार जालोर

पीढियें:- ७. माघोदास विठलदासोत^१ ८. बलुंतसिघ ९. घनसिघ १०. जालमसिघ
११. सूरजमल १२.....

गांव - सोमडावास—

रे. क. ५००)

रे. मौ. ५००)

सिरकार जालोर

पीढियें:- ९. सूरतसिघ बलुंतसिघोत^२ १०. चेतसिघ ११. सोनसिघ

गांव - गीगालो—

... ..

.....

प०

जोधपुर

पीढियें:- ४. नेतसी घनराजोत ५. सुरतांसिघ ६. भोजराज ७. चुतरभुज ८. रिण-
छोड़दास ९. जगरूपसिघ १०. भारथसिघ ११. भोमसिघ १२. पेमसिघ
१३. छतरसिघ

गांव = राजुवास—

रे. क. ५००)

रे. मौ. ५००)

सिरकार नागोर

पीढियें:- (पांती आघ में) १२. अमरसिघ भोमसिघोत^१ १३. पीरथीसिघ

पांती आघ में:- १२. नरसिघदास भोमसिघोत^१ १३. नारसिघ १४. राजसिघ
१५. महासिघ

गांव - जाखणीयो—

रे. क. १५००)

रे. मौ. १०००)

सिरकार नागोर

पीढियें:- ९. दीपसिघ रिणछोड़दासोत^१ १०. भभ्रुंतसिघ ११. रगनार्थसिघ १२. मूल-
सिघ १३. मोतीसिघ १४. विजेसिघ १५. मुकनसिघ

गांव - बाळवो—

रे. क. २०००)

रे. मौ. २०००)

सिरकार नागोर

पीढियें:- ७. खगारसिघ भोजराजोत^१ ८. विजेसिघ ९. राजसिघ १०. सबलसिघ
११. ऊदेसिघ १२. खुमांसिघ

गांव - डांवरो—

.....

प० जोधपुर

पीढियें:- ५. किलाणदास नेतसिघोत ६. वीको ७. मोहणदास ८. विठलदास ९. सक्ती-

-
१. ठि. खारी के (६) ठाकुर विठलदास का पुत्र ।
२. ठि. छजालो के (८) ठाकुर बलु तसिघ का पुत्र ।
३. ठि. गीगालो के (११) ठाकुर भोमसिघ का पुत्र ।
४. ठि. गीगालो के (११) ठाकुर भोमसिघ का पुत्र ।
५. ठि. गीगालो के (८) ठाकुर रिणछोड़दास का पुत्र ।
६. ठि. गीगालो के (६) ठाकुर भोजराज का पुत्र ।

गांवों के पट्टे व जागीरदारों की पीढ़ियों की विगत

[३६७]

दानसिंघ १०. प्रतापसिंघ ११. मानसिंघ १२. बुवासिंघ १३. परूणसिंघ
१४. जसवंतसिंघ १५. मोतीसिंघ

गांव - बाहारो बडो—

रे. क. १५००) रे. मी. १५००)

प० जोधपुर

पीढ़ियें:- (पांती आघ में) ३. नरांगादास करमसी रो ४. साईदास ५. सगतसिंघ
६. नरहरदास ७. रुगनाथसिंघ ८. ईसरीसिंघ ९. पदमसिंघ हठीसिंघोत
१०. सवाईसिंघ ११. जालमसिंघ १२. अर्भेसिंघ १३. जुहारसिंघ

पांती आघ में:- १२. नाथुसिंघ जालमसिंघोत^१

[खांप मांडणोतां रै ठिकाणां री विगत]

(राव रिङ्गमल का पुत्र मांडण जिसके वंशज मांडणोत)

गांव - अलाय—

.....

सिरकार नागोर

पीढ़ियें:- ३ सादो मांडणोत ४. जोगो ५. पुंजो ६. लिखमीदास ७. रुगनाथसिंघ
८. दुरजणसिंघ ९. जोधसिंघ १०. हरनाथसिंघ ११. रामसिंघ १२. भेरुसिंघ
१३. सोमसिंघ १४. दोलतसिंघ

गांव - गोरेरी—

रे. क. २०००) रे. मी. २०००)

सिरकार नागोर

पीढ़ियें:- ११. हरनाथसिंघोत^१ १२. रावतसिंघ १३. बगसीराम १४. बखतावरसिंघ

गांव - गडरीयो—

रे. क. २०००) रे. मी. २०००)

सिरकार नागोर

पीढ़ियें:- ९. रूपसिंह दुरजणसिंघोत^१ १०. करणसिंघ ११. देवीसिंघ १२. प्रतापसिंघ
१३ अर्खेसिंघ

गांव - रोहीणो—

रे. क. ३०००) रे. मी. ०

सिरकार नागोर

पीढ़ियें - (पांती आघ में) ९. चंद्रसेण दुरजणसिंघोत^१ १०. दीपसिंघ ११. लालसिंघ
१२. इंदरसिंघ १३. केसरीसिंघ १४. भोपालसिंघ १५. रतनसिंघ
१६ माघोसिंघ

१. ठि. बाहारो (आघा) के (११) ठाकुर जालमसिंघ का पुत्र ।

२. ठि अलाय के (१०) ठाकुर हरनाथसिंह का पुत्र ।

३. " " " (८) " दुरजणसिंह का पुत्र ।

४. " " " (८) " " " " " " " " "

पांती आध में:-६. जेतसिध दुरजणसिधोत^१ १०. इद्रभांण ११. अमरसिध १२. भीवसिध
१३. बाघसिध १४. सिवसिध

गांव - ढीलासर—

रे. क. २०००)

रे. मी. २०००)

सिरकार नागोर

पीढियें:- (पाती दोय में ३) ५. सावलदास जोगारो^२ ६. किलांणदास ७. गोयंददास
८. भारमल ९. अर्भेसिध १०. दलपत. ११. सिवदानसिध १२. रतनसिध
१३. बखतावरसिध

पांती तीजी मे ३:- ११. रामसिध दलपतत १२. नाहरसिध १३.
१४. रावतसिध

गांव - हिंगवाणीयो—

रे. क. ५००)

रे. मी. ०

सिरकार नागोर

पीढियें:- ३. सीधण मांडण रो ४. परवत ५. गोपालदास ६. नराणदास
७. चतुरभुज ८. अजु ९. दानसिध १०. संभुसिध ११. बखतावरसिध

[खांप भदावतां रै ठिकाणां री विगत]

(राव रिडमल का अखेराज, अखेराज का पंचायण और पंचायण का भदा जिसके वशज भदावत)

गांव - देखु—

.....
सिरकार जालोर

पीढियें:- ५. लखमण भदावत^३ ६. जेसो ७. मनोहरदास ८. राजसिध ९. महासिध
१०. अखीसिध ११. पदमसिध १२. जगतसिध १३. बहादरसिध

गांव खांबल —

रे. क. ३६०)

रे. मी. ३६०)

प० सोजत

पीढियें:- (पांती चौथी) भगवानदास, रुगनार्थसिध, शिवसिध, नगाणदास ।

गांव - भदावतां रो गुडो—

रे. क. ११००)

रे. मी. ११००)

प० सोजत

पीढियें:- पेमसिध, रामसिध, विर्जेसिध, देवीसिध, भगोतसिध, अजीतसिध

[खांप वालां रै ठिकाणां री विगत]

(राव रिडमल का भाखरसी और भाखरसी का वाला जिसके वशज वाला)

गांव - मोकळसर—

७५०) गांव लोघराडो

(५०)

१. ठि. अलाय के (८) ठाकुर दुरजणसिह का पुत्र ।

२. अलाय के (४) ठाकुर जोगा का पुत्र ।

३. भदा का पुत्र लखमण ।

गांव - फूलण—	२००) गांव सुजरे	५०)
गांव - करमास—	५०) गांव मोतीसरो	१८७५)
गांव - बालू—	४५०) गांव रमणीयो	२५०)

प० सिवांगो

गांव - सिणली—	रे. क. १०००)	रे. मी. १०००)
---------------	--------------	---------------

प० जोधपुर

पीढ़ियें:- ४. भारमल बाला रो ५. नगराज^१ ६. जेतसी ७. केसोदास ८. माधवदास
९. अखेराज^२ १०. खीवराज ११. ऊदेराज १२. नाथुसिंघ १३. लालसिंघ
१४. १५. बनेसिंघ १६. १७. जुभारसिंघ

पांती आध में:- १०. हिरदेराम अखेराजोत^१ ११. जगतसिंघ १२. अर्भसिंघ
१३. सेरसिंघ १४. अमानसिंघ १५. मूलराज १६. अजीतसिंघ

गांव - भुती—	रे. क. ५००)	रे. मी. ५००)
--------------	-------------	--------------

प० सिवांगो

पीढ़ियें:- १३. संगरामसिंघ अर्भसिंघोत^१ १४. भवानीसिंघ १५. फतेसिंघ
१६. खगोरसिंघ

गांव - पूजापुरी—	रे. क. ५००)	प० गोढवाल
------------------	-------------	-----------

पीढ़ियें:- १२. जालमसिंघ जंगतसिंघोत^१ १३. चैनसिंघ १४. पेमसिंघ

गांव - देवडो—	रे. क. ७००)	रे. मी. ७००)
---------------	-------------	--------------

प० सिवांगो

पीढ़ियें:- ११. हिरदयरामोत १२. सुरतसिंघ १३. १४. गुलाबसिंघ
१५. सगतसिंघ १६. गुमानसिंघ

गांव - बालवाडो—(आधी पाति)	रे. क. २०००)	रे. मी. २०००)	सिरकार जालोर
---------------------------	--------------	---------------	--------------

गांव - आदलज—	रे. क. ७५०)	रे. मी. ७५०)	” ”
--------------	-------------	--------------	-----

गांव - नारनडी—	रे. क. ३०००)	रे. मी. ३०००)	प० जोधपुर
----------------	--------------	---------------	-----------

पीढ़ियें:- ८. सुरजमल^१ केसवदासोत^१ ९. तेजपाल^१ १०. रामदास^६ ११. लालसिंघ

१. यह मेडते के युद्ध में काम आया था । २. नूरअली इनायतखा से युद्ध हुआ वहा पडदलखा को मार काणणे का थाणा उठाया इसका भाई रतन वहा काम आया ।

३. ठि. सिणली के (६) ठाकुर अखेराज का पुत्र ।

४. गांव सिणली (पांती आध) के (१२) ठाकुर अर्भसिंह का पुत्र ।

५. गांव सिणली के (११) ठाकुर जगतसिंघ का पुत्र ।

६. अखेराज ने जब काणणे के थाणे पर पडदलखा को मारा तब यह भी युद्ध में उसके साथ था ।

७. गांव सिणली के (७) केसवदास का पुत्र ।

८. महाराजा अजीतसिंघ ने जब जोधपुर से मुगलों का थाणा उठाकर उस पर अधिकार किया उस चढाई में यह शामिल था तथा इसका भाई गोपालदास युद्ध में काम आया ।

९. इनने भी अजीतसिंघ के विले के दिनों में उनका साथ दिया था ।

१२. रिणुछोड़दास १३. किलाणसिंघ^१ १४. अचलसिंघ १५. जगतसिंघ^२
गाँव—आबलज— रे. क. ७५०) रे. मी. ७५०)
सिरकार जालोर

पीढिये:— (पाती आधी) १५ सिरदारसिंघ अचलसिंघोत^३

गाँव—बुगरडो— रे. क. २०००) रे. मी. २०००)
सिरकार नागौर

पीढिये:— (पांती आध में) ११. फतेसिंघ रामदासोत^४ १२. अनोपसिंघ १३. जेतसिंघ
१४. अखेसिंघ १५. उमेदसिंघ

(पांती पाव मे):— १०००) (बाकी पाव पांती सांसण)

पीढिये:— ७. चाँदसिंघ जेतसिंघोत^५ ८. किलाणदास ९. भगवानदास १०. लालसिंघ
११. किरतसिंघ १२. जसवंतसिंघ १३. पेर्ससिंघ १४. बहादरसिंघ ।

गाँव—नरसांगो— रे. क. १०००) रे. मी. १०००)
प. नागौर

पीढिये:— ९. रामचन्द सूरजमलोत^६ १०. नराणदास ११. पदमसिंघ १२. जोरावरसिंघ
१३. गुलावसिंघ १४. कानसिंघ १५. गर्जसिंघ १६. शिवनाथसिंघ ।

गाँव—सांडवलां— रे. क. ३०००) रे. मी. ३०००)
सिरकार जालोर

गाँव—सांवलतो खुरद— रे. क. १२५०) रे. मी. १२५०)
प. जोधपुर

पीढिये:— ८. अमरदास केसवदासोत^७ ९. बरसल १०. करणसिंघ ११. जगराम
१२. रुगनाथसिंघ १३. प्रतापसिंघ १४. जेतसिंघ १५. गुमानसिंघ १६. बभुत-
सिंघ १७. तेजसिंघ ।

गाँव—काठेडी— रे. क. ७००) रे. मी. ७००)
प. सिवाणों

पीढिये:— १४. कीरतसिंघ प्रतापसिंघोत १५. तखतसिंघ

१. यह सिरोही तथा घोरीमना के युद्धो मे घायल हुआ था ।

२. आजवा पर सबत् १९१४ मे जब अंग्रेजो की फौज चढकर आई तब यह वहा काम आया।

३. गाव सिणली के (१४) ठाकुर अचलसिंघ का पुत्र ।

४. ठि. बालवाड़ा के (१०) ठाकुर रामदास का पुत्र ।

५. ठि सिणली के (६) जेतसिंघ का पुत्र ।

६. ठि. बालवाड़ा के (८) ठा. सूरजमल का पुत्र ।

७. ठि. सिणली के (७) ठा. केसोदास का पुत्र ।

गाँव-जेसावो—

रे. क. १०००) रे. मौ. १०००)
सिरकार जालोर

पीढियें:- १४. जेतसिंघ प्रतापसिंघोत १५. सादलसिंघ ।

गाँव-पीसाणो—

रे. क. २०००) रे. मौ. २०००)
सिरकार जालोर

पीढियें:- १४. रतनसिंघ प्रतापसिंघोत १५. भोमसिंघ १६. लिच्छमणसिंघ ।

गाँव-चुरां—

रे. क. १०००) रे. मौ. १०००)
सिरकार जालोर

पीढियें:- १२. सिरदारसिंघ जगरांमोत^१ १३. सूरजमल १४. छतरसिंघ १५. अनाडसिंघ
१६. वभुतसिंघ १७. सबलसिंघ १८. जुहारसिंघ ।

गाँव-थलुडो—

रे. क. १०००) रे. मौ. १०००।
सिरकार जालोर

पीढियें:- ८. धनराज केसवदासोत^१ ९. बलरांम १०. जसवतसिंघ ११. लखधीरसिंघ
१२. लालसिंघ १३. तखतसिंघ ।

*गाँव-अेलांणो—

रे. क. २०००) रे. मौ. २०००)
सिरकार जालोर

गाँव-जोजावर री वासणी—

रे. क. १०००) रे. मौ. १०००)
प. गोढवाड़

गाँव-गगारडी—

रे. क. २०००) रे. मौ. १०००)
प. मेड़ता
५०००) ४०००)

पीढियें:- १०. सुजाणसिंघ भगवानदासोत ११. ओपसिंघ १२. जोरावरसिंघ
१३. जसवतसिंघ १४. रतनसिंघ १५. जोधसिंघ ।

गाँव-पीडीयो—

रे. क. २०००) रे. मौ. २०००)
सिरकार नागोर

*पीढियें:- ११. देवीसिंघ सुजाणसिंघोत^१ १२. हीदुसिंघ १३. गिरधरदास १४. भेरुसिंघ
१५. भोपालसिंघ १६. भूरसिंघ ।

१. ठि. माडवला के (११) ठा. जगराम का पुत्र ।
२. ठि. सिणली के (७) ठा. केसवदास का पुत्र ।
३. ठि. अेलाणा के (१०) ठा. सुजाणसिंघ का पुत्र ।

गांव-कलापुरो—

रे. क. १०००)

रे. मी. ५००)

सिरकार जालोर

पीढियें:- ८. चांदसिघोत ९. लिखमीदास १०.
 ११. भावसिघ १२. १३. केसरीसिघ १४. नवलसिघ
 १५. गुलाबसिघ १६. सादुलसिघ ।

गांव-बासगा—

रे. क. ६२५)

रे. मी. ६२५)

सिरकार जालोर

पीढियें:- ८. प्रिथीसिघ चांदसिघोत ९ फनेसिघ १०. अजबसिघ ११. दौलतसिघ
 १२. लखधीरसिघ १३. जेतसिघ १४. हरदानसिघ ।

गांव-हठुजो—

रे. क. १०००)

रे. मी. ५००)

सिरकार जालोर

पीढियें:- ७- किमनदास जेतसिघोत ८. मनोरदास ९. नाडो १०. प्रेमसिघ ११. रुध-
 नार्थसिघ १२. रामसिघ १३. जवानसिघ १४. ।

गांव-देभावास— ..

सिरकार जालोर

गांव-गुढो सांदलदास रो— ..

पीढियें:- ५. बीदो भारमलोत ६. जेमल ७. भवानीदास ८. अमरसिघ ९. नरसिगदास
 १०. जवानसिघ ११. दौलतसिघ १२. अर्भेसिघ १३. सुरतसिघ १४. जालम-
 सिघ १५. अनाडसिघ १६. सिवनाथसिघ ।

गांव-ओःवाडो—

रे. क. १०००)

रे. मी. १०००)

सिरकार जालोर

पीढियें:- १०. डुंगरसिघ नरसिघदासोत ११. ओपसिघ १२. लालसिघ १३. भोम-
 सिघ १४. अचलसिघ ।

गांव-कुहाडो—

रे. क. १०००)

रे. मी. १०००)

सिरकार जालोर

पीढियें:- १०. जुगतसिघ नरसिगदासोत ११. सिरदारसिघ १२. हिंदुसिघ १३. थान-
 सिघ ।

गांव-डाभली—

रे. क. ७५०)

रे. मी. ७५०)

प. जोधपुर

१. ठि. वुगरडो (पाव पांती) के (७) ठाकुर चांदसिघ का पुत्र ।

२. ठि. सिगली के (६) ठाकुर जेतसिघ का पुत्र ।

३. ठि. देभावास के (९) ठाकुर नरसिगदास का पुत्र ।

४. ठि. देभावास के (९) ठा. नरसिघदास का पुत्र ।

पीढिये:- ८ गोपालदास राघवदामोत^१ ९. छतरसिघ १०. दोलतसिघ ११. भईदास
१२. संभुसिघ १३. मावोसिघ ।

गांव-भेलावास—

प. सांचोर

पीढिये.- १०. लालसिघ भगवानदासोत^१ ११. कीरतसिघ १२. मानसिघ १३. अचलसिघ
१४. मेगराज ।

गांव-नीबलाणी—

रे. क. १०००)

रे. मी. १०००)

सिरकार जालोर

गांव-डांगरो—

रे. क. १०००)

रे. मी. १०००)

सिरकार जालोर

गांव-घानपड —

रे क. १०००)

रे. मी. १०००)

सिरकार जालोर

गांव-रांमासनी—

रे क. ५०००)

रे. मी. ४०००)

प. सोजत

गांव-सुखवासणी १/२ —

रे. क. ६६७)

रे. मी. ६६७)

प. सोजत

[खांप ऊदावतां रे ठिकाणा री विगत]

(राव जोधा का पुत्र सूजा और सूजा का पुत्र ऊदा जिसके ऊदावत कहलाये)

गांव रायपुर—३६४७५)

पट्टे की विगत —

गांव	रेख	गांव	रेख
रायपुर खास	६०००)	जुटी	१७००)
सवलपुरो	१०००)	वाधीपडो	७०००)
भीचरडी	१०००)	चडालियो	५००)
मालणी मालासणी	२००)	कालप	१५०)
मोडरियो	१५०)	देवली	४०)
घवलियो	४०)	देपावस	१५०)
पचाणपुरो	१५०)	कोलुजो	१५०)
जाजणडावास	४०००)	सारगपुरो	४०)

१. ठि. बघिणवाड़ा के (७) ठाकुर राघवदास का पुत्र ।

२. ठि. घुगरडो (पाती पाव) के (६) ठाकुर भगवानदास का पुत्र ।

गांव	रेख	गांव	रेख
नीवेड़ी	६७५)	गिरररी	३७५०)
रामावास	५००)	वानरगो	३५०)
चांग	५०)	चीनार	५०)
हाजीवस	५००)	सायपुरो	५००)
कारोचो	२५०)	कोटड़ी	५००)
चैनपुरो	२५०)	दवे	७५०)
सीपली पोकापड़ी	४०००)	२५०)
रामास खुर्द	२५००)	रहेलड़ी	७५०)
टोकलो	१२५०)		
परगने मेढ़ता रा गांव—		लूणियावास	३७५०)
परगने सोजत रा गांव—		-	
करमावास	४०००)	कालप	२५०)
कालकोट	१०००)	सीघपुरो	३२५)

गांव रामपुरो—

प्रीदियों:— ११. पिरथीसिध भाकरसिधोत १२. नाहरसिध १३. सबलसिध
१४. धीरतसिध १५. भोमसिध १६. सोनसिध १७.

गांव नीलावो—

रे. क. ६००) रे. मी. ०
प० जैतारण

प्रीदियों:— १०. हरनाथसिध हिरदैनारायणोत ११. किलार्णसिध १२. ग्यानसिध
१३. चुतरसिध १४. बाघसिध १५. तेजसिध ।

गांव पालासणी—

रे क. ६०००) रे. मी. ६०००)
प० जोघपुर

भैरुंदो—

रे. क. १५०००) रे. मी. ५०००)
प० मेढ़तो
— — — — —
२४०००) १४०००)

प्रीदियों:— ६. प्रतापसिध राजसिधोत १०. जसकरण ११. भवानीसिध १२. जैतसिध
१३. श्रमरसिध १४. गजसिध १५. रिडमलसिध १६. सवाईसिध ।

गांव बांसियो—

रे. क. ६०००) रे. मी. ६०००)
प० जैतारण

बोगासणी	२००)	२००)	प्र. जैतारण
वीरमवासणी	२००)	२००)	"
पीपाड़ बडो	६१५०)	६१५०)	जोधपुर
खांगटो	६२५०)	६२५०)	"
	<hr/>	<hr/>	
	३५१००)	३५१००)	

पीढियें—: ६. मुकनदास किल्लाणदासोत ७. विजैराम मुकनदासोत ८. जगरामसिंघ
 ९. कुसलसिंघ १०. अमरसिंघ ११. किलाँणसिंघ १२. दोलतसिंघ १३ सिंभूसिंघ
 १४. सुल्तानसिंघ १५. सांवतसिंघ १६. सवाईसिंघ १७ गुलाबसिंघ
 १८. छत्रसिंघ

गाँव मोडरो— ४०००) ४०००) प्र. जैतारण

पीढियें—: १६. सिवसिंघ सावतसिंघोत^१ १७.....

गाँव भुंभलियो— ३६००) ३६०० प्र मेड़तो

गाँव सेसड़ो— ७०००) ७०००) प्र "

पीढियें—: १३ सिरदारसिंघ दोलतसिंघोत^२ १४ समरथसिंघ १५ रणजीतसिंघ

गाँव रास—

पट्टे री विगत—:

रास बडो २	३६००)	३६००)	प्र जैतारण
वरडोटी	३००)	३००)	"
रेवारिया री वासणी	१००)	१००)	"
बलुपुरो	१०००)	१०००)	"
समोषी	१५००)	१५००)	"
राणीवाल	३०००)	३०००)	"
नीवेटी	३००)	३००)	"
पालीवास १	६००)	६००)	"
म्हाराजपुरो	१३००)	१३००)	"
पातुवास	१०००)	१०००)	"
फुलमाल	८०००)	६०००)	"
कनावस	२०००)	२०००)	"

१ नीवाज के (१५) ठाकुर सावतसिंघ का पुत्र ।

२ ठि नीवाज के (१२) ठाकुर दोलतसिंघ का पुत्र ।

जगतियो	६००)	६००)	प्र. जैतारण
	२४०००)	२२०००	
केकीदडो	६२५०)	६२५०)	प्र. मेडतो
लखमणियावास	५००)	०	
	६७५०)	६२५०)	

भाखरोद—

सिरकार नागोर री ।

पीढिये—: ९. सुभराम जगरामसिंघोत^१ १० वखतसिंघ ११. केसरीसिंघ १२. वनेसिंघ
१३. जवानसिंघ १४. भोमसिंघ १५. भीवसिंह १६. प्रतापसिंघ

गाँव हुनावस वडो— २५००) २५००) प्र जैतारण

पीढिये— १५. हमीरसिंघ भोमसिंघोत

गाँव गरणियो— ६०००) ६०००) प्र. जंतारण

पीढिये—: ११. सुखसिंघ वखतसिंघोत^२ १२. जोरावरसिंघ १३. भैरूसिंघ १४ नाथूसिंघ
१५. उरजनसिंघ १६. मुकनदास

गाँव लांढियां— १२०००) ६०००) प्र. मेडतो

गाघलियो २५००) २५००) ”

अमरपुरो १०००) १०००) ”

ओडूवास २५००) १२५०) ”

१६०००) १२७५०)

पीपलियो वडो ३७५०) ३७५०) प्र. जैतारण

कुसलपुरो २०००) २०००) ”

५७५०) ५७५०)

पीढिये—: १०. पेमसिंघ सुभरामोत^३ ११. भारथमिंघ १२. चांदसिंघ १३ भवानीसिंघ
१४. अजीतसिंघ १५ वभूतसिंघ १६ गभीरसिंह

गाँव पाटवो— ६०००) ६०००) प्र. जैतारण

गाव आगेवो ”

१. ठि नीवाज के (८) ठाकुर जगराममिंघ का पुत्र ।

२. ठि राम के (१०) ठाकुर वखतमिंघ का पुत्र ।

३. ठि राम के (९) ठाकुर सुभराम का पुत्र ।

गाव मडलो	२०००)	२०००)	प्र. सोजत
	-----	-----	
	४०००)	४०००)	

पीढियें— १४ जोरावरसिंघ विसनसिंघोत^१ १५ हिमतसिंघ १६ लिच्छमणसिंघ

१ डाभली— ५००) ५००) गढ जोधपुर

पीढियें—: ८. मनोहरदास दलपतोत^२ ९ रामसिंघ १०करण ११ हिन्दूसिंघ
१२.....१३ उमेदसिंघ १४.....१५ भारथसिंघ

३ पीह ७०००) ७०००) प्र. परवतसर

पीढियें—: ७ रुघनाथसिंघ भीवसिंघोत^३ ८ बंद्रावनदास ९ कनीराम १०. मांनसिंघ
११ चादसिंघ १२ धीरतसिंघ १३ बखतावरसिंघ १४. रणजीतसिंघ
१५ रिङमलसिंघ १६. गोपालसिंघ १७. चिमनसिंघ

४ काल्यारडो ७०००) ७०००) प्र. परवतसर

पीढियें—: १०. विर्जसिंघ कनीरामोत^४ ११. उमेदसिंघ १२. देवीसिंघ १३. प्रतापसिंघ
१४ अरजनसिंघ

५ मडोवरी ३०००) ३०००) प्र. परवतसर

पीढियें—: १० मिर्वासिंघ कनीरामोत ११. बदनसिंघ १२ स्यामसिंघ १३. सुरताणसिंघ

६ फूलियांणो— ३०००) ३०००) प्र. परवतसर

पीढियें—: ९ अमरदास ब्रंदावनदासोत^५ १०. किसनदास ११. उदैभाण
१२. सालमसिंघ १३. मालमसिंघ १४. सगरामसिंघ १५. केसरीसिंघ

७ बंवाल— १०००) ७००) प्र. परवतसर

पीढियें—: (पाती आध मे) ८. गरीबदास रुघनाथसिंघोत^६ ९. जगमाल १०.....
११. सिरदारसिंघ १२..... १३ अमानीसिंघ १४.....
१५ हमीरसिंघ

पाती आध मे—११. सवाईसिंघ पदमसिंघोत १२. अजीतसिंघ १३. अमरसिंघ

१ ठि वेह के (१३) ठाकुर विसनसिंह का पुत्र ।

२ ठि डेह के (७) ठा० दलपतसिंह का पुत्र ।

३ ठि डेह के (६) ठाकुर भीवसिंह का पुत्र ।

४ ठि पीह के (९) ठाकुर कनीराम का पुत्र ।

५. ठि पीह के (८) ठाकुर ब्रंदावनदास का पुत्र ।

६ ठि पीह के (७) ठाकुर रुघनाथसिंह का पुत्र ।

	१४. सिवनाथसिंघ	१५. मोतीसिंघ	
गाँव रेवडा रो वास	१०००)	१०००)	सिरकार नागौर
पीढिये —:	६. वेणीदास किलाणदासोत	७. सूरदास	८. सावलदास ९. कुसलसिंघ
	१०. गुमानसिंघ ११. सिवसिंघ	१२. खगारसिंह १३. केसरसिंघ	१४. छतरसिंह
गाँव धोलियो—	२०००)	२०००)	
कानावास	०)	०)	
गाव वावड़ी	१०००)	१०००)	
	-----	-----	
	३०००)	३०००)	
पीढिये—:	९. मोकमसिंघ सावलदासोत ^१	१०. हरीदास ११. सवाईसिंघ	१२. सुरताण- सिंघ १३. चैनसिंघ १४. रतनसिंघ १५. लालसिंघ
गाँव रिङ्गमल रौ वास	२०००)	२०००)	सिरकार नागौर
पीढिये —:	१३. भैरसिंघ सुरताणसिंघोत ^२	१४. जुंभारसिंघ ।	
गाँव सारड़ी	सिरकार नागौर
पीढिये—:	८. तुलछीदास सुंदरदासोत	९. वखतावरसिंघ १०. दयाराम ११. वदनसिंघ	
	१२. डूंगरसिंघ १३. पहाडसिंघ	१४. वभूतसिंघ १५. लिछमणसिंघ	
	१६. सिवनाथसिंघ		
गाँव चांदवासणी	१५००)	१५००)	दरीवे डीडवाणे
पीढिये—:	८.सुंदरदासोत	९. रामसिंघ १०. सवाईसिंघ	११. सालमसिंघ
	१२. अमानसिंघ १३. वखतावरसिंघ ।		
गाँव कालाउना—	४२५०)	४२५०)	गढ जीघपुर
पीढिये—	५. गोपालदास रतनदासोत	६. माधोदास ७. अण्णदराम ८. भावसिंघ	
	९. सिवदानसिंघ १०. चैनसिंघ ११. सोभासिंघ	१२. इंदरसिंघ १३. सादूल- सिंघ १४. करणसिंघ १५. तेजसिंघ १६. गुलावसिंघ	
गाँव खडालो—	३१२५)	२०००)	गढ जोघपुर
पीढिये —	६. माधोदास गोपालदासोत ^३	७. कनैयादास ८. हिरदैराम ९. अर्भराम	
	१०. हरनाथसिंघ ११. उदेसिंघ १२. पिरथीसिंघ	१३. थानसिंघ	
गाँव भुंडुवडी—	५००)	५००)	गढ जोघपुर

१ ठि रेवडा रौ वास के (८) ठाकुर सावलदास का पुत्र ।

२, ठि धोलिया के (१२) ठाकुर सुरताणसिंह का पुत्र ।

३ ठि कलाउना के (५) ठाकुर गोपालदाम का पुत्र ।

पीढिये — : १२. म्होकमसिंघ उदैसिंघोत^१ १३. सोभासिंघ १४. रतनसिंघ
१५. तेजसिंघ १६. फतैसिंघ

गाँव मोडावली— ३७५) ३७५) गढ़ जोधपुर

पीढिये— : १२. सूरजमल उदैसिंघोत १३. रूपसिंघ

गाँव स्याह रौ वडौ— १३००) १३००) प्र. मेड़तो

पीढिये— : ५. रामसिंघ रतनसिंघोत ६. किसोरदास ७. मनोहरदास ८. मुथरादास
९. जगतसिंघ १०. सावतसिंघ ११. हिरदेराम १२. बनेसिंघ
१३. म्होवतसिंघ १४. भोमसिंघ

गाँव कापड़ोद— ३०००) ३०००) प्र. कोलिया

पीढिये — : ११. म्होकमसिंघ सावतसिंघोत^२ १२. घीरतसिंघ १३. मदमसिंघ
१४. बखतावरसिंघ १५. विड़दसिंघ १६. रामनाथसिंघ

गाँव ठाकुरवास— १५००) १२५०) प्र. जंतारण

पीढिये— ४ भवानीदास खीवकरणोत ५. बाघसिंघ ६. किसनदास ७. मोहणदास
८. हिरदराम ९ नराणदास १०. सावतसिंघ ११. लखमीसिंघ
१२. केसरीसिंघ १३. नाथूसिंघ १४. अमरसिंघ १५. अखैसिंघ

गाँव वासड़ी भोजां रौ— ७००) ६२५) प्र. भीनमाल

पीढिये— : ११. हरीसिंघ सावतसिंघोत^३ १२. जालमसिंघ १३. सादूलसिंघ
१४. वभूतसिंघ १५. लादूसिंघ

गाँव बालेरां— १०००) ७५०) प्र. जालोर

पीढिये— : १०. भाखरसिंघ नारायणदासोत^४ ११. सेरसिंघ १२. तखतसिंघ

गाँव देवरियो— ८०००) ८०००)
गाव लु वडास १२००) १२००) प्र. जैतारण
६२००) ६२००)

पीढिये— : ३. डू गरसिंघ ऊदावत ४. तेजसिंघ ५. सीधो ६. डुरजनसाल ७. फरसराम

१ ठि खडाला के (११) ठाकुर उदैसिंघ का पुत्र ।

२ ठि स्याहरो के (१०) ठाकुर सावतसिंघ का पुत्र ।

३ ठि. स्याहरो के (१०) ठाकुर सावतसिंघ का पुत्र ।

४. ठाकुर वास (६) ठाकुर नराणदास का पुत्र ।

गाँव सुयोदी—

₹०००) १५४०) म. जालीर

₹२. नवलसिध

₹०. जगदसिध ₹१. देवीसिध ₹२. जालसिध ₹३. गुमानसिध

प्रीत्यु—: ३. श्रीराम कानसिधोत ७. श्रीवसिध ८. सुरजमल ९. सुसिध

गाँव सांसुगी—

₹२५००) २५००) सिरकार जालीर

₹४. दिमलसिध ₹५. सुरलावासिध

₹०. बखराज ₹१. अखराज ₹२. मारकसिध ₹३. दीनलसिध

प्रीत्यु—: ३. नाराणदास कानसिधोत ७. बलरसुज ८. स्वामसिध ९. पिरबीरज

गाँव सिखलिया (गुडी)

₹००) ३००) म. जालीर

₹३. माधोसिध ₹४. कुसालसिध ₹५. फाँसिध ₹६. रणजीवसिध

₹. जीवणदास ₹०. देरनाथसिध ₹१. सुरसिध ₹२. इंदरसिध

प्रीत्यु—: ५. कानसिध देवसिधोत ६. गोपददास ७. रामचंद ८. कपसिध

₹३५०) ३३५०)

गाँव देवली

गाँव देवली

₹००) १००)

₹००) १००)

₹००) १००)

गाँव सुदवव —

₹०. जोरवरसिध ₹१. मालसिध ₹२. श्रीरामसिध ₹३. देवीरसिध

प्रीत्यु—: ३. हिंदूराम सिध री ७. श्रीराम ८. बरजनसिध ९. सुजालसिध

गाँव लामुगी—

₹५००) २५००) म. जालीर

₹४. सिरदारसिध ₹५. कुसलसिध ₹६. बखरावसिध

प्रीत्यु—: १०. जेवसिध नारखानी ११. अखसिध ₹२. रामसिध ₹३. देवीसिध

गाँव राजाडंड—

₹५००) २५००) म. जालीर

₹६. गुमानसिध

₹२. उमदसिध ₹३. जालसिध ₹४. मालसिध ₹५. माधोसिध

₮. श्रीरामदास ९. नंदरखान १०. हिंदूसिध ₹१. गुमानसिध

भदवासियो

पीढियें— ७. बोरीदास भोजराजोत^१ ८. रायसिंघ ९. किलाणसिंघ १०. उदैसिंघ
११. भवानीसिंघ १२. सगतसिंघ १३. कुसलसिंघ

गाँव गोपड़ी— १०००) १०००) प्र. सीवाणो

पीढियें—: ७. मोहणदास भोजराजोत^२ ८. करणसिंघ ९. अण्णदसिंघ १०. सचाईसिंघ
११. सगरामसिंघ १२. बुदसिंघ १३. बेरीसाल

गाँव बरांटियो खुरद— २५००) २५००) प्र. जैतारण

जैतपुर ७००) ७००) "

३२००) ३२००)

पीढियें—: ५. किसनसिंघ तेजसिंघोत ६. करणसिंघ ७. मनोहरदास ८. गोकलदास
९. महासिंघ १०. कीरतसिंघ ११. मदमसिंघ १२. स्यामसिंघ
१३. गुलाबसिंघ १४. फलैसिंघ १५. भारथसिंघ १६. रामसिंघ
१७. अमैसिंघ

गाँव महेसियो— २०००) २०००)

चावडियो ३००) ३००)

२३००) २३००)

पीढियें—: ११. खीवरण कीरतसिंघोत^३ १२. माधोसिंघ १३. सुखसिंघ
१४. अजीतसिंघ १५. रुघनाथसिंघ १६. विजैसिंघ

गाँव खीवावास— ६२५) ६२५) प्र. मेड़तो

पीढियें—: ९. हरीसिंघ गोकलदासोत^४ १०. जीवणदास ११. अचलसिंघ

१२. भोमसिंघ १३. मोतीसिंघ १४. बखतावरसिंघ १५. सिवनाथसिंघ

गाँव धूलकोट— १४६०) १४६०)

पीढियें—: ८. गिरधरदास मनोहरदासोत^५ ९. बखतसिंघ १०. बभूतसिंघ ११. अण्णदसिंघ

१. ठि सामूजो के (६) ठाकुर भोजराज का पुत्र ।

२. ठि. " " " " " "

३. ठि बरांटियो खुरद के (१०) ठाकुर कीरतसिंह का पुत्र ।

४. ठि बरांटियो खुरद के (८) ठाकुर गोकुलदास का पुत्र ।

५. " " " (७) " मनोहरदास का पुत्र ।

१२. सुखसिंघ १३. संगरामसिंघ १४. केसरीसिंघ

गाँव पिरलीपुरी—

३०००)

३०००)

प्र. जैतारण

पीढिये—: (आध मे) ६. पचाणदासकिसनदासोत^१ ७. राजसिंघ ८. स्यामसिंघ
९. प्रतापसिंघ १०. सिरदारसिंघ ११. माघोसिंघ १२. रूपसिंघ १३. सिक्सिंघ
१४. रतनसिंघ

पाती आध मे—९. हिमतसिंघ स्यामसिंघोत^२ १०. मांडण ११. अभैसिंघ
१२. रुधनाथसिंघ १३. बहादरसिंघ

गाँव पुनडाऊ—

५००)

५००)

सिरकार जालोर

पीढिये—: ४. परतापसिंघ रुधनाथसिंघोत ५. नराणदास ६. स्यामदास ७. वीरमदे
८. अजबमिब ९. अमरसिंघ १०. लालसिंघ ११. सिक्सिंघ १२. सुरतसिंघ
१३. जीवराज १४. दौलतसिंघ

खांप मेड़तीयां री पीढीयां

१. राव जोधाजी तिण रा वेटा—१ वरसिग १ दूदो ।

तिणां नै राव जोधे मेड़तो दीयो सु मेड़तो सैर सुनो पड़ीयो थो तिण नै इणां आवा-
दान कीयो ।

२. दूदो तिण रा वसरा मेड़तीया कहीजें ।

खांप रायमलोत मेड़तीयां

१. दूदो जोधावत, २. रायमल दूदावत

रायमलोतां रा ठिकाणां री विगत

रेख कदीम

रेख हमार भरे

परगना

गाँव रांयगा—

१४०००)

१४०००)

प्र० मेड़तो

पीढिये—: ४. अचलदास रायमलोत ५. भगवानदास ६. ऊँसिंघ ७. रामसिंघ
८. अजबसिंघ ९. दलराम १०. मुकनसिंघ ११. लालसिंघ १२. मालसिंघ
१३. स्यामसिंघ १४. मेहतासिंघ १५. हमीरसिंघ १६. जोरावरसिंघ

(१) ठि वराटियो खुरद के (५) ठाकुर किमनसिंह का पुत ।

(२) ठि. पिरलीपुरी के (६) ठाकुर स्यामसिंह का पुत ।

† चित्तौड़ के रांगा सांगा रँ वे पातसाह वावर के बीच सीकरी में युद्ध हुआ वह रांगा
की तरफ से काम आया ।

१३. मोतीसिध १४. भोपालसिंह ।

गाँव छींकणा वास— १०००) १०००) प्र. मेड़तो

४. सुरजनसिध रायमल्लोत ५. नाहर खान ६. प्रीथीराज ७. ऊदेभाण
८. चद्रभाण ९. अखेसिध १०. अनाडसिध ११ खुमाणसिध ।

गाँव दुगोर अचलो— ५००) ५००) प्र. मेड़तो

गाव दुगोर दासा ६५०) ६२५) ”

— ११५०) ११२५)

५. आसकरण सुरजनसिधोत^१ ६. सीधो ७. डुंगरसिध ८. किसनसिध
९. सवाईसिध १०. जालमसिध ११. गुलावसिध १२. भभुतसिध
१३. भैरुसिध ।

खांप जगमालोत मेड़तियां

२. दुदो जोघावत ३. वीरम दूदावत

४. जगमाल वीरमोत रा वस रा जगमालोत कही जै ।

जगमालोत मेड़तियां रा ठिकाणां री विगत

गाँव रेखकदीम हमार भरे परगना विशेष
गाँव डसांगो वडो— २०००) २०००) प्र. परवतसर आसांमी २ रे
पाती आध में—पीढिये.— ५. वाघसिध जगमालोत ६. सावतसिध ७. भोपतसिध ८. रामसिध
९. दीपसिध १०. पूरणसिध ११. मुकनसिध १२. विजैसिध ।

पाती आध में—

पीढिये — ६. किसनसिध वाघसिधोत ७. सुजाणसिध ८. ईसरदास ९. अमरसिध
१०. जोधसिध ११. धीरतसिध १२. सुजाणसिध १३. दलेलसिध
१४. वाघसिध १५. मोतीसिध ।

गाँव घिरडोदो जेसलां— १०००) १०००) प्र. कोलियो

पीढिये:— ७. सुजाणसिध किसनदासोत^२ ८. मोकमसिध ९. हिमतसिध
१०. किलाणसिध ११. मयासिध १२. मूथरादास १३. सिंभूसिध
१४. गरोससिध ।

(१) ठि छीकणावास के (४) ठाकुर सुरजनसिंह का पुत्र ।

(२) ठि. डसांगो वडो के (६) ठाकुर किमनसिंह का पुत्र ।

गाँव कुडलि—	२०००)	२०००)	प्र. दोलतपुरो
पीढिये—	७. अचलदास किसनदासोत ^१	८. बिहारीदास	९. सिवरांम १०. जगतसिंघ
	११. मोकर्मसिंघ	१२. कनीराम	१३. बखतावरसिंघ १४. विजेसिंघ
गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना
गाँव छापरी बड़ी	२०००)	२०००)	प्र. दोलतपुरो
पीढिये—	९. इंदरभाण बिहारी दासोत ^२	१०. सावतसिंघ	११. किसोरसिंघ
	१२. सलेसिंघ	१३. चादसिंघ	१४. भूरसिंघ १५. केसरीसिंघ
गाँव राठील	२०००)	२०००)	प्र. कोलियो
पीढिये—	१०. पिरथीराज ईंदरभाणोत ^३	११. मुकनसिंघ	१२. सोभासिंघ
	१३. प्रतापसिंघ ।		
गाँव दाऊदसर—	२०००)	२०००)	प्र. दोलतपुरो
पीढिये—	९. घासीराम बिहारीदासोत ^४	१०. जोरावरसिंघ	११. खडगसिंघ
	१२. सुरतार्णसिंघां	१३. सुखसिंघ	१४. पाहाड़सिंघ १५. भोपालसिंघ
गाँव वनवासो	२०००)	२०००)	प्र. दोलतपुरो
पीढिये—	१०. जगतसिंघ घासीरामोत ^५	११. मोहणसिंघ	१२. लिच्छमणसिंघ
	१३. डुगरसिंघ	१४. चिमनसिंघ	
गाँव भांडासर—	१०००)	१०००)	प्र. दोलतपुरो
पीढिये—	७. सगतसिंघ किसनदासोत ^६	८. खगारसिंघ	९. सेखराज १०. जोरावरसिंघ
	११. भगोतसिंघ	१२. फकीरसिंघ	१३. रूपसिंघ १४. माघोसिंघ
गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना
गाँव घिरडोदो—	२०००)	११६२॥)	प्र. कोलियो
			घुंबो १०००) लार ६३) भरे

†संवत् १८४७ रा माग मूद २ मेडता मे मराहठो से युद्ध हुआ उसमे काम आया ।

- (१) ठि डसाणो बडो के (६) ठाकुर किसनसिंह का पुत्र ।
- (२) ठि० कुडली के (८) ठाकुर बिहारीदास का पुत्र ।
- (३) ठि० छापरी बडी के (९) ठाकुर इन्द्रमाण का पुत्र ।
- (४) ठि० कुडली के (८) ठाकुर बिहारीदास का पुत्र ।
- (५) ठि० दाउदसर के (९) ठाकुर घासीराम का पुत्र ।
- (६) ठि० डसाणो बडो के (६) ठाकुर किसनसिंह का पुत्र ।

१—पांती आघ मे—

पीढिये:— ५. आसकरण जगमालोत ६. मानसिघ ७ ऊदेभाण ८. हरकरण
९. किसनसिघ १०. लालसिघ ११. अजीतसिघ १२ पुरणसिघ
१३. सालमसिघ

२—पाती आघ मे—

११. सरूपसिघ लालसिघोत १२. हाथीसिघ १३. वाहादरसिघ

गांव घिरडोदो डुंडी— २०००) १२८७॥) प्र. कोलियो

घुवो १०००) लार १०३) भरे

पीढिये:— १०. सायवसिघ किसनसिघोत^१ ११. हीदूसिघ १२ सिवसिघ १३. सिंव-
दानसिघ १४. डुगरसिघ १५ विजेसिघ ।

गांव मनारी ढाँगी— सिरकार नागोर

पीढिये:— ७. महासिघ मानसिघोत^२ ८. अमरसिघ ९. अर्भसिघ १० भगवतसिघ
११. नवलसिघ १२. चेनसिघ १३. भीवसिघ १४. पनसिघ

खाँप ईसरदासोत मेड़तीयां

२. दुदो ३. वीरमदेव ४. ईसरदास रा वस रा ईसरदासोत कहीजं ।

ईसरदासोतां रा ठिकांणां री विगत

गांव सुमेल— १४०००) १४०००) प्र मेड़ता

गाव ११ री रेख भेली भरं । मेड़ता रा गांव १'—

१. सुमेल १. खेडो १. प्रतापगढ १. सोडपुरो १ करणपुरो १. नारसुवो
१. गाव मोडरी १. रामपुरो १ गाव गुढो १. रावणीयो १ करण
पुरो खुर्द ।

पीढिये:— ५. साईदास ईसरदासोत ६ जसवतसिघ ७ विदरावन दास ८ नारसिघ
९. जगतसिघ १० पेमसिघ ११ सुखसिघ १२ थानसिघ १३ मुकनसिघ
१४. हुकमसिघ ।

गाव रेख कदीम हमार भरे परगना
गांव खरवो— १०००) १०००) प्र. मेड़ता

पीढिये— ५. सकरदास ईसरदासोत ६ जगनाथ ७ हरीराम ८. सकतसिघ
९ मुकनसिघ १०. वाहादरसिघ ११. विसनसिघ १२ प्रभुदान
१३. चावडसिघ

(१) ठि० घिरडोदी के (९) ठाकुर किसनसिंह का पुत्र ।

(२) " " " (६) " मानसिंह का पुत्र ।

खांप चांवावत मेड़तीया

२. दुदो जोधावत ३ वीरम-दुदावत ४. चांदोजी वीरमोत
चांदोजी रा वस रा चादावत कहीजें ।

चांदोजी रा ठिकाँणा री विगत

गाँव बलूंदो—	५०००)	५०००)	प्र. जोधपुर
„ घोडावड	३१२५)	३१२५)	„
„ भेरूवासी	८७५)	८७५)	प्र. मेड़ता
„ केरीयो रावा	५०००)	५०००)	„
„ केरीयो माकडो	३७५०)	३७५०)	„
„ खारचीया	२५००)	२५००)	„

पीढियें— ५ रामदास चांदावत* ६ जगतसिंघ ७. मोकमसिंघ ८. हरीसिंघ
९. विजेंसिंघ १०. अर्भसिंघ ११. स्यामसिंघ १२. फतेसिंघ १३. सीवसिंघ
१४. वागसिंघ १५ जीवणसिंघ

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना
गाँव घनापो—	२०००)	२०००)	प्र. मेड़ता

पीढियें— १०. नरसिंघदास विजेंसिंघोत^१ ११. जगरूपसिंघ १२. अखेंसिंघ
१३. प्रीथीसिंघ १४ सुमेलसिंघ

गाँव दुदड़ास—	१२५०)	१२५०)	प्र. मेड़ता
---------------	-------	-------	-------------

पीढियें— ७ नाथूसिंघ जगतसिंघोत^२ ८. हीदुसिंघ ९. लालसिंघ १०. अमानसिंघ
११. वेरीसाल १२. चीमनसिंघ

गाँव सुंदरी—	१२५०)	१२५०)	प्र. मेड़ता
--------------	-------	-------	-------------

नागोर मे सुबायत हसनअली ने सवत् १६२१ मे चूक से मरवाया.

* मेड़ता के सुबायत के गाव नीबोद न दवाणा को पकड़ा तब भगड़ा हुआ, वहा गाँव काखडकी—मु गधडाके बीच मे काम आया ।

श्री महाराज श्रीरामसिंघजी व बखतसिंघजी के बीच संवत् १८०७ मे भगडा हुआ उसमे काँम आया ।

(१) ठि० बलू दा के (६) ठाकुर विजेंसिंघ का पुत्र ।

(२) " " " (६) " जगतसिंघ का पुत्र ।

पीढियेँ—: ६. जसवतसिंघ रांमदासोत^१ ७. जगरूपसिंघ ८. अर्भसिंघ ९. ऊर्देसिंघ
१०. कोजूराम ११. डुलेसिंघ १२. ग्यानसिंघ १३. रावतसिंघ
१४. वभूतसिंघ १५. पाबुदान

गाँव तिगरो— २५००) २५००) प्र. मेडता

पीढियेँ—: ७. वेणीदास जसवतसिंघोत^२ ८. ऊर्देसिंघ ९. रामसिंघ १०. सीवसिंघ
११. वनेसिंघ १२. जू जारसिंघ १३. सुरताणसिंघ

गाँव कुडकी खास— ८०००) ८०००) प्र. मेडता

„ मोठा कोटड़ी १२५०) १२५०) „

„ खीदावास ७५०) ७५०) „

„ आलसर १५००) १५००) प्र. दोलतपुरा

„ अलखपुर ३०००) ३०००) „

„ नादोली २०००) २०००) प्र. परवतसर

—————
१६५००) १६५००)

पीढियेँ—: ५. गोपालदास चादावत ६. मुकनदास ७. सगतसिंघ ८. घासीराम
९. पाहाडसिंघ १०. देवसिंघ ११. बाहादरसिंघ १२. अमानसिंघ
१३. लिच्छमणसिंघ १४. रणजीतसिंघ १५. वदतावरसिंघ ।

गाव रेख कदीम हमार भरे परगना
गाँव डाभड़ी— ४०००) ३०००) प्र. दीलतपुरा

पीढियेँ—: १३. चिमनसिंघ अमानसिंघोत^३ ।

गाँव पालियास— ४५००) ४०००) प्र. मेडता

पीढियेँ—: ११. रामसिंघ देवीसिंघोत^४ १२. हणवतसिंघ १३. रणजीतसिंघ ।

गाँव खानड़ी— ४०००) ४०००) प्र. दीलतपुरा

पीढियेँ—: १२. जोवसिंघ रांमसिंघोत^५ १३. अजीतसिंघ ।

गाँव वडवालो— ३०००) २०००) प्र. परवतसर

पाँती आघ मे—

पीढियेँ—: ६. सुंदरदास गोपालदासोत^६ ७. ऊर्देसिंघ ८. नराणदास ९. हठीमिघ
१०. लछीराम ११. पाहाडसिंघ १२. मगलसिंघ १३. गुमानसिंघ ।

- (१) ठि बलूदा के (५) ठाकुर राममिह का पुत्र ।
(२) ठि० सुदरी के (६) „ जमवतमिह का पुत्र ।
(३) ठि कुडली के (१२) ठाकुर अमानसिह का पुत्र ।
(४) ठि कूटली के (१०) ठाकुर देवीमिह का पुत्र ।
(५) ठि पानियाम के (११) ठाकुर रामसिह का पुत्र ।
(६) ठि कूटली के (५) ठाकुर गोपालदास का पुत्र ।

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना
पांती आध मे			
पीढियें—	८. प्रधीसिंघ-उदेसिंघोत ^१	९. प्रतापसिंघ	१०. कुसलसिंघ ११. सलेसिंघ
	१२. कीलाणसिंघ १३. चतर साल	१४. विजेसिंघ	
गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना
गांव सेवरीयो—	७०००)	७०००)	प्र. मेड़तो
„ देवरीयो रजपुता	१०००)	१०००)	„
„ वानसी	१०००)	१०००)	„
„ नेण पुरीयो	१८७५)	१८७५)	„
	१०८७५)	१०८७५)	

पीढियें—: ६. नारसिंघ-गोपालदासोत^२ ७. केसरखां ८. सांवलदास ९. अचलसिंघ
१०. फतेसिंघ ११. भवानीसिंघ १२. दांसिंघ १३. रतनसिंघ १४. रुगनाथसिंघ
१५. देवीसिंघ

गांव बनवाड़ी— ३७५०) ३७५०) प्र. मेड़तो
पांती आध मे—:

पीढियें—: ६. दलपत गोपालदासोत^३ ७. भीवराज ८. सेखराज ९. बाहादरसिंघ
१०. ऊमेदसिंघ ११. रिङ्गलसिंघ १२. छतरसिंघ

पांती आध मे—:

पीढियें—: ६. जैतसिंघ-गोपालदासोत^४ ७. जोरावरसिंघ ८. किलाणसिंघ ९. नाहरसिंघ
१०. पनेसिंघ ११. छतरसिंघ १२. विसालसिंघ

गांव आजडोली— २०००) २०००) प्र. परबतसर

पीढियें—: ६. रूपसिंघ-गोपालदासोत^५ ७. इदरभाण ८. नरहरदास ९. माघोसिंघ
१०. जतनसिंघ ११. सुजाणसिंघ १२. नाथूसिंघ १३. अमानसिंघ
१४. भगवतसिंघ १५. रामनाथ

गांव लाडपुरों— १०००) १०००) प्र. परबतसर

(१) ठि बडवालो (आध) के (७) ठाकुर उदैमिह का पुत्र ।

(२) ठि. कुडकी के (५) ठाकुर गोपालदास का पुत्र ।

(३) ठि. " " " " " " ।

(४) ठि. " " " " " " ।

(५) ठि. " " " " " " ।

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
पीढिये—: ७ देवकीदास रूपसिंघोत ^१	८. कनीरांम	९. देवीसिंघ	१०. वदनसिंघ	
	११. जोरावरसिंघ	१२. भेरुसिंघ	१३. वखतावरसिंघ	१४. खंगारसिंघ
गाँव सूथलि—	२०००)	२०००)		प्र. परवतसर
पीढिये—: ७. बलराम रूपसिंघोत ^२	८. जसवतसिंघ	९. नरसिंघदास	१०. सावतसिंघ	
	११. दानसिंघ	१२. किसनसिंघ	१३. रीडमलसिंघ	१४. फतेसिंघ
गाँव हासियास—	१०००)	१०००)	प्र मेडता	आसामी २ रे
पाती आध मे—.				
पीढिये—: ७. राजसिंघ रूपसिंघोत ^३	८. किलाणसिंघ	९. भोपतसिंघ	१०. तेजसिंघ	
	११. जालसिंघ	१२. कीलाणसिंघ	१३. चुतरसिंघ	१४. पीरदान
पाती आध मे—.	गोय ददास चांदावत रा वस रा—			
पीढिये—.	६. कीरतसिंघ गोय द दासोत	७. भगोतसिंघ	८. ऊमेदसिंघ	९. सीरदारसिंघ
	१०. रणजीतसिंघ	११. समनसिंघ	१२. खीवकरण	
गाँव पूजीयास—	१२५०)	१२५०)		प्र. मेडता
पीढिये—: ५. राघोदास चांदावत	६. भोजराज	७. आसकरण	८. चतरसाल-	
	राजसिंघोत	९. मानसिंघ	१०. सोभासिंघ	११. वाहादरसिंघ
		१२. हुकम-	१३. मगलसिंघ	
गाँव डीगराणो—	२५००)	०)	प्र. मेडता	रेख भरे नही
पीढिये—: गोय द दास चादावत रा वस रा—				
	७. सुखमिंघ कीरतसिंघोत	८. दलेलसिंघ	९. सीभूसिंघ	१०. भेरुसिंघ
	११. चीमनमिंघ	१२. समरथसिंघ		
गाँव ऊंचाखेड़ो—	२०००)	२०००)		सिरकार नागोर
पीढिये—	७. पदमसिंघ-कीरतसिंघोत	८. देवीसिंघ	९. घोरनसिंघ	१०. मोहकमसिंघ
	११. हणवतसिंघ	१२. कुसालसिंघ		
गाँव लाई—	३१२५)	३१२५)	प्र मेडता	
„ कु पडास	२०००)	२०००)	„	खेडा २

(१) डि. अजडोली के (६) ठाकुर रूपसिंह का पुत्र ।

(२) डि. „ „ „ „ „ „ „ ।

(३) डि. „ „ „ „ „ „ „ ।

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना
गांव ऊडास	७००)	७००)	खेडो १ सूनो
पीढियें—: ६. मुरारदास-गोय ददासोत ७ ऊरजणसिंघ-मुरारदासोत ८. प्रतापसिंघ ९. सबलसिंघ १०. रतनसिंघ ११. लालसिंघ १२. देवीसिंघ १३. वखतावर सिंघ १४. ग्यानसिंघ			
गांव मुगाघड़ो—	३.००)	३०००)	प्र. मेडता
पीढियें—: ११. जालमसिंघ-रतनसिंघोत ^१ १२. कीलाणसिंघ १३. सादूलसिंघ १४. मोहवतसिंघ			
गांव देसवाल—	४०००)	४०००)	सिरकार नागोर
पाती आघ मे—:			
पीढियें—: १० बाहादरसिंघ-सबलसिंघोत ^२ ११. भोमसिंघ १२. माघोसिंघ १३. सीरदारसिंघ			
पाती आघ मे—: रणजीतसिंघ, फकीरदास, जैतसिंघ.			
गांव बाखलिया वास—	७००)	७००)	प्र. मेडतो
पीढियें—: ७ ज्ञायव खान-मुरारदासोत ^३ ८ अनोपसिंघ ९. कीसनसिंघ १०. ऊमेदसिंघ ११. सेरसिंघ १२ रणजीतसिंघ			
गांव रेवत -	२५००)	२५००)	प्र मेडतो
पीढियें—: ७. बाघसिंघ-मुगरदासोत ^४ ८. दोलतसिंघ ९ ऊदेसिंघ १०. जसवतसिंघ ११. लिछमणसिंघ १२. अमानसिंघ १३. विडडसिंघ			
गांव रोहल—	२०००)	२०००)	सिरकार नागोर
पीढियें —: १२. चैनसिंघ-तेजसिंघोत १३. सगरामसिंघ १४. भवानीसिंघ १५ हरीसिंघ			
गांव नोखो -	२०००)	२०००)	सिरकार नागोर
„ चीताणी	१०००)	१०००)	„ „
„ धीगावास	५००)	५००)	„ „
पीढियें— ६. रुगनाथसिंघ-गोय ददासोत ७ कीलाणसिंघ ८. भावसिंघ ९. ऊदेसिंघ-			

(१) ठि. लाई के (१०) ठाकुर रतनसिंह का पुत्र ।

(२) ठि „ (९) „ सबलसिंह का पुत्र ।

(३) ठि लाई के (६) ठाकुर मुरारदास का पुत्र ।

(४) ठि ।

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना
	गगराणा री राड मे काम आया १०.	जालसिंघ ११.	वखसीराम १२. अमरसिंघ १३. फकीरसिंघ १४. हिमतसिंघ १५. प्रतापसिंघ १६. विजेसिंघ
गांव नीवड़ी—	६०००)	६०००)	सिरकार नागोर
पीढिये—:	६. हरीसिंघ भावसिंघोत † १०.	सिरदारसिंघ ११. छतरसिंघ १२. रायसिंघ १३. नवलसिंघ १४. हुकमसिंघ	
गांव ओलादरा—	३०००)	३०००)	सिरकार नागोर
पीढिये—:	६. विजेराम-गोयनदासोत ७. बलराम ८. कनीराम ९. मोकमसिंघ १०. अभेसिंघ ११. समेलसिंघ १२. जेतसिंघ १३. हरीसिंघ		
गांव गागुरडो—	२०००)	१०००)	सिरकार नागोर
पीढिये—:	६. करमसेण-गोयंदासोत ७. जोर्दसिंघ ८. फतेसिंघ ९. अजबसिंघ १०. सीरदारसिंघ-काम आयो मेडते गनीमारी राड मे सवत १८११ मे ११. अभेसिंघ १२. किसनसिंघ १३. गुलाबसिंघ १४. सिवनाथसिंघ		
गांव छापार वडी—	१२५०)	१२५०)	प्र. मेड़तो
पीढिये—:	६. सिवदानसिंघ-फतेसिंघोत ^१ १०. सिरदारसिंघ ११. ई दरसिंघ १२. मालमसिंघ १३. दानसिंघ १४. भोपालसिंघ		
गांव पीडियो (आघो)	२०००)	२०००)	सिरकार नागोर
पीढिये—:	६. अभैराज-गोयददासोत ७ मानसिंघ ८ जसकरण ९. ई दर भाण १०. जू जारसिंघ ११. सायबसिंघ १२. हणवतसिंघ १३. रामसिंघ १४. चुतरसिंघ		
गांव रोहिणो— (आघो)	२०००)	२०००)	सि. नागोर
पीढिये—;	१० भावसिंघ-ई दरभाणोत ^२ १३. ऋजीतसिंघ	११. मदनसिंघ	१२. गुलाबसिंघ

† सवत १७८७ में महाराजा अभयसिंह ने अहमदाबाद पर चढाई की उसमे काम आया । यह नोखा के (८) ठाकुर भावसिंह का पुत्र था ।

(१) गाव गागुरडो के (८) ठाकुर सिवदानसिंह का पुत्र ।

(२) टि० पीडियो के (८) ठाकुर इन्द्र भाण का पुत्र ।

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव बसी—	१०००)	१०००)		प्र. परबतसर
पीढियें—:	७. ईसरदास अभैराजोत ^१ ८. देवीसिंघ ९. मोहणसिंघ १०. मोबतसिंघ ११. सुदरसिंघ १२. रूपसिंघ १३. नवलसिंघ १४. केसरीसिंघ			
गाँव सीराधरगो—:	१०००)	१०००)		सि. नागोर
पीढियें—:	७. कनीराम-अभेराजोत ^२ ८. अमरसिंघ ९. ऊदेसिंघ १०. हीदुसिंघ ११. रायसिंघ १२. मालमसिंघ १३. सादुलसिंघ			
गाँव मांगलियास—:	१०००)	१०००)		प्र. मेडतो
पीढियें—:	६. हरीराम गोयददासोत ७. भोजराज ८. विहारीदास ९. छतरसिंघ सभासिंघ ११. भगवतसिंघ १२. जवानसिंह, १३. मदनसिंघ १४. लालसिंघ			
रीयां स्यामदास री—	२५००)	२५००)	मेड़ता	आसामीर
पाती आघ में—:				
पीढियें—:	७. जू जारसिंघ-हरीरामोत ^३ ८. नाहरसिंघ ९. नाथुसिंघ १०. मालमसिंघ ११. केसरीसिंघ १२. अजीतसिंघ			
पाती आघ में—:				
पीढियें—:	८. दोलतसिंघ-जू जार सिंघोतां ९. देवीसिंघ १०. सर्वेसिंघ ११. खीवकरण १२. रणजीतसिंघ			
गाँव चिबली—	५००)	५००)		प्र. परबतसर
पीढियें—:	५. हरिसिंघ चादावत ६. प्रागदास ७. आसकरण ८. सलेसिंघ ९. अजबसिंघ १०. प्रतापसिंघ ११. सरदारसिंघ १२. मेहताबसिंघ १३. रतनसिंघ			
गाँव पुजीयास—	१२५०)	१२५०)		प्र. मेडतो
पीढियें—:	५. राघोदास चादावत ६. भोजराज ७. आसकरण ८. महासिंघ ९. सभासिंघ १०. बहादरसिंघ ११. हुक्मसिंघ १२. मगलसिंघ			
खांप गोयनदासोत मेड़तिया—				
	२. दूदो जोघावत	३. वीरम उदावत	४. जैलम वीरमोत	५. गोयनदास

(१) ठि. पीढियो के (६) ठाकुर अभैराज का पुत्र ।

(२) " " " " " "

(३) ठि मांगलियास के (६) ठाकुर हरीराम का पुत्र ।

(†) यह महाराजा रामसिंह और बलतसिंह के सघर्ष में काम आया ।

गाँव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
पीढियें:— ६ सावलदास-गोयनदासोत ७. रघुनाथसिंघ (मारोठ पाई तिण रा वश रा रघुनाथ-सिंघोत है) ८. सबलसिंघ ९. इन्द्रसिंघ १०. छत्रसाल ११. सालमसिंघ १२. महेशदास १३. देविसिंघ १४. सघतसिंघ १५. सपतसिंघ (खोले) १६ सुलतानसिंघ				

गाँव भावतो—	१५८७)॥	१५००)	मारोठ	आघो
„ केसरपुरो	—	—	„	„
„ हरियाणो	७५०)	७००)	„	पाव
„ रामपुरो	—	—	„	„
„ छापरी	२६३)॥॥	२८१)।	„	„
„ बाजणो	३३७)॥	३३७)॥	„	„
„ बरजण	२००)	२००)	„	दो आने पाती
„ महाराज पुरो	३७५)	३७५)	„	आघो
„ सुखियो	३७५)	३७५)	„	तीन आने पाती
„ मोहाण्डो	५१२)॥	५१२)॥	„	पाव
„ हरिपुरो	२७५	२८१)।	„	„
„ भुजी	६६०)	६५६)।	„	„
„ इडोली	६३६)	६३७)॥	„	„

पीढियें— १०. वैरीसाल-इन्द्रसिंघोत ११. सरूपसिंघ १२. हुकमसिंघ काम आयो तुगारी रे राड सं. १८४४ मे १३ देविसिंघ १४. रिघसिंघ १५. अनाडसिंघ

„ खरेस ४०००) ४०००) परवतसर

पीढियें:— ११ जगतसिंघ-छत्रसिंघोत १२. रूदरदान १३ भेरूसिंघ

गाँव घाटवो—	१५७५)	१५८१)।	मारोठ	पाव पाती
„ समरतपुरो	—	—	„	„
„ छापरी	२६३)॥	२८१)।	„	„
„ चितावो	८१२)॥	८१२)॥	„	„
„ तोडरी रूपपुरो	११०)	१०६) छ आने	„	दो आने पाती
„ गोयदी	७२५)	७००)	„	१-) पाती
„ सुखियो	५००)	३७५)	„	१) „
„ हरिपुरो	२८१)	२८१)।	„	१) „
„ बरजण	२००)	२००)	„	दो आने „
„ महाराज पुरो	३७५)	३७५)	„	१) „
„ रामपुरो	—	—	„	१) „

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
पीढियें—: ११. समरथसिघ-वैरीसालोत		१२. डुरजण साल	१३. सभा सिघ	
१४. अमैसिघ				

मारोण पुरो—	१३२५)	१३५०)	मारोठ	
„ हरियोणी	१४००)	१४००)	„	
„ मुवाणो	१०२५)	१०२५)	„	आधी पांती
„ बाजणो	३३७)॥	३३७)॥	„	
„ घाटवो	३१५०)	३१६२)॥	„	
„ सिमरथपुरो	—	—	„	
„ वरजण	४००)	४००)	„	पाव पाती
„ तोडरी (रूपपुरो)	२२०)	२१८)॥	„	दो पाती
„ इडोली	१०४३)	१०४३)	„	साढे छ आने पाती
„ मोगलोदो	६७५)	६७५)	„	आघो
„ सिरसी	६३७)॥	६३७)॥	„	पाव पाती
„ डावली	१३२५)	१३५०)	„	
„ इन्द्रोखो	५६८)॥	५६८)॥	„	
„ काकरो रों वास	—	—	„	
„ जावली	२०००)	००)	मेड़तो	
„ पुडी	१५००)	००)	„	

पीढियें—: १०. हरिसिघ-इन्द्रसिघोत	११. अरजणसिघ	१२. अजीतसिघ
१३. श्यामसिघ	१४. रतनसिघ	१५. राजसिघ
१६. रामसिघ	१७. जुहारसिघ	

गाँव नडवो	५०००)	५०००)	दोलत पुरो	
„ मागलोदो	३७५)	३३७)॥	मारोठ	। पाती
„ सिरसी	६५०)	६३७)॥	„	। „
„ गोयंदी	१०८७)॥	१०५०)	„	छ: आने „
„ माघा सुरतो	६५०)	६५०)	„	आघो
„ फरडोद	१००००)	—	नागोर	

पीढियें—: १०. जोषसिघ-इन्द्रसिघोत	११. मोतीसिघ	१२. नोनदसिघ
१३. डुरजण साल	१४. सिवदानसिघ	१५. प्रतापसिघ

गाँव वासां—	४०००)	४०००)	दोलतपुरा
-------------	-------	-------	----------

गाँव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव वासां—	४०००)	४०००)	दौलतपुरा	
„ मुडीयो	४०००)	४०००)	„	
„ नोसर	१५००)	१५००)	„	
„ मागलोद	३२५)	३३७॥)	मारोठ	पाव पांती
„ सीरसी	६५०)	६३७॥)	„	„ „
„ गोयंदी	१०५०)	१०५०)	„	छः आने „
„ माथा सुतो	६५०)	६५०)	„	आधी पाती

पीढियें—: ११. रणजीतसिंह जोधसिंघोत^१
१४. देवीसिंघ १५. सुरजभाण

१२. सुरतानसिंघा १३. बखतावरसिंघ

खंड अक रे पेटे—

गाँव मंगलाणो गुढी—	४०००)	३६००)	मारोठ
„ भूणी	१३१२)	१३१२॥)	„
„ ईडोली	२६६)	२७०)	„
„ सीरसी	६४०)	६३७॥)	पाव, पाती
„ राजावास	१७५०)	१७५०)	„
„ वाजणो	३४०)	३३७॥)	„ पाव पाती
„ वरजण	४००)	४००)	„
„ चीतावो	१६२५)	१६२५)	„ आधी „
„ ईदोखो	५६२॥)	५६२॥)	„
„ सीडीयावास	१४००)	१४००)	„

पीढियें—: १०. बखतसिंघ ई दरसिंघोत ११. सुज्जारासिंघ १२. अमानसिंघ
१३. फतेसिंघ १३. सीरदारसिंघ १५. भेरूसिंघ

खंड दूजो—

पीढियें—: ११. जीवणसिंघ* बखतसिंघोत^२ १२. हणवतसिंघ १३. विसालसिंघ
१४. मिलापसिंघ १५. मगलसिंघ १६. भारथसिंघ १७. हिमतसिंघ

† यह मरहठों से हुई मुठभेड मे सवत् १८४४ मे श्रावण सुद १३ को काम आया ।

* मरहठा माधोराय से स १८४४ मे युद्ध हुआ उसमे काम आया ।

१ ठि नडवो के (१०) ठाकुर जोधसिंह का पुत्र ।

२. ठि. मगलाणो गुढी के (१०) ठाकुर बखतसिंह का पुत्र ।

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
बाँव भिलियो—	१३०५)	१३०५)	मारोठ	आसाभी ३ रे
„ आसापुरो	४००)	४००)	„	छः आने पाती
„ वाटलीयो	८५०)	८५०)	„	पाव पाती
„ हुडील	११२५)	११२५)	„	छः आने पाती
„ परवेडी	६५२)	६५३)	„	छः आने पाती
„ सीऊ	१३००)	१३००)	„	आधी पाती
„ अणदपुर	४१७)	४१७)	„	छः आने पाती
„ मुड घसोई	५८४।)	५०६।।)	„	तीन आने पाती
„ चारणवास	१८१।)	१८१)	„	छः आने पाती
„ भीलाल	३७५)	३१८)	„	छः आने पाती
„ खोसी (दलेलपुरो)	७६७।।।)	३२६।)	„	साढे पांच आने पाती
„ सवाईपुरो	१०००)	१०००)	„	—
„ अभेपुरीयो	१०००)	१०००)	„	—
„ फोगालो	३०००)	३०००)	नावा	

बंट अक में—

पीढिये—: ८. विजेसिंघ-रूधनाथसिंघोत ९. सांवतसिंघ १०. जसवंतसिंघ ११. नवनदसिंघ

१२. दुरजणसाल १३. चांदसिंघ १४. भगवतसिंघ

गाव भिलीयो	६५२।।)	०	मारोठ	तीन आने पाती
„ आसापुरो	२००)	०	„	दो आने पाती
„ वाटलियो	४२५)	०	„	दो आने पाती
„ हुडील	५६२।।)	०	„	तीन आने पाती
„ परवेडी	३२६।।)	०	„	तीन आने पाती
„ अणदपुरो	२०८।।)	०	„	तीन आने पाती
„ मुडगसोई	२५५)	०	„	छः पैसे पाती
„ चारणावास	६७।।)	६०।।)	„	तीन आने पाती
„ भीलाल	१८६)	१५६)	„	तीन आने पाती
„ खोसी (दलेलपुरो)	१६५) पाच आने	१६३।)	„	पाच पैसे पाती
„ सीऊ	६५०)	०	„	पाव पाती

बंट हुआ री—

पीढिये—: सूरसिंघ सावतसिंघोत ११. ईनरीसिंघ १२. ऊदेभाण १३. बलवतसिंघ
१४. सिवसिंघ

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव झिलियो—	६५२॥)	०	मारोठ	तीन आने पाती
„ आसापुरो	२००)	०	„	दो आने पांती
„ बाटलियो	४२५)	०	„	दो आने पाती
„ हुडील	५६२॥)	०	„	तीन आने पाती
„ भीलाल	२२६॥)	१५६)	„	तीन आने पाती
„ सीऊ	६५०)	०	„	पाच „
„ अणद पुरो	२००॥)	२०५॥)	„	तीन आने पाती
„ मुड गसोई	२५५)	०	„	आधी पाती
„ चारणवास	६०॥)	६०॥)	„	तीन आने पाती
„ खोसी (दलेल पुरो)	०	१६३॥)	„	पाच पैसे पाती
„ परवेडी	३२६॥)	३२६॥)	„	तीन आने पाती

बंट तीजा री—

पीढ़ियों—: भवानीसिंघ-सावतसिंघोत^१ ११. डुगरसिंघ १२. रामप्रतापसिंघ
१३. मोहनसिंघ १४. सवाईसिंघ

गांव सरगोठ—	५०००)	०	दरीवे नावा	खेडों ३
„ मुड गसोई	१४००)	१४०६)	मारोठ	आधो
„ हुडील	३५०)	०	„	दो आने पाती
„ ढाणीया	२०००)	१५००)	„	
„ गुगर गवाड	३०००)	२६००)	„	
„ कुकडवाली	४७०)	०	„	
„ अडकसर	१५५०)	१५२५)	„	आधी पाती
„ बाटलीयो	१७५०)	१७००)	„	आधी पाती
„ खोसी (दलेल पुरो)	८५०)	६४५)	„	पाच आने पाती
„ विजेपुरो	१०००)	०	„	
„ नोलासीयो	२०००)	१६७५)	„	
„ कालोली	१२५०)	१२३८)	„	
„ रगनाथपुरो	६००)	६३७॥)	„	

पीढ़ियों— ९. पदमसिंघ-विजेसिंघोत^२ १०. दौलतसिंघ ११. दीपसिंघ १२. माधोसिंघ

१ पहली पाती (झिलियो ठि.) के (६) ठाकुर सावतसिंह का पुत्र ।

२ ठि झिलियो (पहला बट) के (८) ठाकुर विजयसिंह का पुत्र ।

(कांम [आयो] भवर री राड़ मे संवत् १८४६ चैत सुद ६) १३. जोरावरसिंघ
१४. वखतावरसिंघ १५. प्रतापसिंघ १६. वेरीसाल

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव कूकड़वाली—	६४०)	६४०)	मारोठ	
„ तोडरो (हपपुरो)	३२८)	३२८)	„	
„ रगनाथपुरा	२६०)	२६०)	„	
„ अड़कसर	७६२)	७६२॥)	„	
„ तोडावास	१३००)	१३००)	„	

पीढिये—: ६. मोहणसिंघ-विजेसिंघोत^१ १०. हीदुसिंघ ११. नवलसिंघ १२. हरनार्थसिंघ
१३. चतरसिंघ १४. पोपसिंघ

गाँव लिचाणो—	१५००)	१४००)	मारोठ	आधो बंट
„ डुंगरपुरो	५५५)	४१२॥)	„	आधो बंट
„ खोसी (दलेल पुरो)	४३१)	३२६॥)	„	छ आने पाती
„ घोकलीयो	३५०)	३००)	„	छ आने पाती
„ गोगोर	७६०)	६७०॥)	„	साढे तीन आने पाती
„ गुढो	१०००)	०	नांवा	—

बंट पेला में—

पीढिये—: ६. फतेसिंघ विजेसिंघोत^२ १०. नाहरसिंघ* ११. सुरतारणसिंघ १२. जवानसिंघ
१३. सिवदानसिंघ १४. अमानसिंघ

गाँव लीचाणो—	१५००)	१४००)	मारोठ	आधो
„ डुंगर पुरो	४००)	४१२॥)	„	सवा सात आने पाती
„ खोसी(दलेलपुरो	३४५)	३२६॥)	„	साढे सात आने पाती
„ घोकलीयो	३००)	३३७॥)	„	साढे पाच आने पाती
„ गोगोर	४६०)	४०७॥)	„	साढे तीन आने पाती
„ गुढो	१०००)	०	„	नावा

बंट दूजा में—

पीढिये—: १०. दुलेसिंघ फतेसिंघोत ११. जेतसिंघ १२. कमेदसिंघ १३. मेरुसिंघ
१४. भगोतसिंघ

* यह राजगढ मे संवत् १८२३ मे लड़कर काम आया ।

१ क्षिलियो (पहला बंट) के (८) ठाकुर विजयनिर्ह का पुत्र ।

२. कि. क्षिलियो (पहला बंट) के (८) ठाकुर विजैनिर्ह का पुत्र ।

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव हवसपुरो—	१०००)	०	दरीवे सांभर	आघो

पीढियें—: १३. दीनसिंघ जवानसिंघोत^१ १४. पिरथीसिंघ १५. रिङ्गमलसिंघ

गाँव नयावडी—	३०००)	३०००)	मेड़ता	पाती आघ में
--------------	-------	-------	--------	-------------

पांती आघ में—

पीढियें—: ११. किसनसिंघ-नाहरसिंघोत^२ १२. वनेसिंघ १३. सोभासिंघ.

पांती आघ में—

पीढियें—: १२. प्रतापसिंघ किसनसिंघोत १३. बलवतसिंघ

गाँव जावदी नगर—	५००)	०	दरीवे नावा	पांती आघी
,, तोडरो रूपपुरो	१६५)	१६४।)	मारोठ	
,, कुकणवाल	४७०)	४७०)	"	
,, अरडकसर	३६१)	३८१।)	"	
,, रगनाथपुरो	२६०)	२६०)	"	
,, कारोली	२७५)	२७५)	"	
,, तोडावास	६५०)	६५०)	"	

पांती आघ रो बंट (पहली)

पीढियें—: ६. बाहादुरसिंघ-विजेसिंघोत^३ १०. अरजनसिंघ ११. मगलसिंघ
१२. हणवतसिंघ १३. हीमतसिंघ १४. भेरूसिंघ १५. रामसिंघ

गाँव जावदी नगर—	१५००)	०	नावा	पाती आघी
,, तोडरो (रूपपुरो)	१६५)	१६४।)	मारोठ	"
,, कुकणवाली	४७०)	४७०)	"	"
,, अरडकसर	३८०)	३८१।)	"	"
,, रगनाथपुरो	२६०)	२६०)	"	"
,, कारोली	१३५)	१३७।।)	"	"
,, तोडावास	६५०)	६५०)	"	"

पांती दूजी आघ रो—

पीढियें — १०. बक्सीराम-बहादुरसिंघोत^४ ११. कनीराम १२. शिवनाथसिंघ
१३. अमानसिंघ १४. केशुसिंघ

१. ठि लिचाणा (पहला बट) के (१२) ठाकुर जवानसिंह का पुत्र ।

२. ठि. लिचाण (बट पहला) के (१०) ठाकुर नाहरसिंह का पुत्र ।

३. ठि झिलियो (बट पहला) के (८) ठाकुर विजयसिंह का पुत्र ।

४. ठि. जावदी नगर (पात बाघ पहली) के (६) ठाकुर बहादुरसिंह का पुत्र ।

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
देवली—	३०००)	००)	नावा	
पीढियें—: १०. भारतसिंघ-बहादुरसिंघोत ^१		११. तेजसिंघ	१२. जीवणसिंघ	
	१३. सकरसिंघ			
गांव देवली बडी—	६०००)	६०००)	मारोठ	आसामी दो रे
पांती आध में रेख —	३०००)			

पीढियें—: ८. अमरसिंघ-रघुनाथसिंघोत ९. रामसिंघ १०. रायसिंघ ११. सूरसिंघ
१२. दलेलसिंघ १३. दुलेहसिंघ - १४. लुणकरण १५. रिडमलसिंघ
१६. प्रतापसिंघ

पांती आध में रेख— ३०००)

पीढियें—: ८. किशोरसिंघ-रघुनाथसिंघोत ९. सेरसिंघ (काम आयो हिन्दोण री राड़ मे सं. १८०७ रा) १०. सवाईसिंघ ११. नाहारसिंघ १२. सिरदारसिंघ
१३. उत्तमसिंघ १४. किसनसिंघ १५. दानसिंघ १६. बलवतसिंघ
-१७ सलावतसिंघ

गांव मीठड़ी	५५००)	००)	नावा	रेख भरे नही
„ कासेड़ो	१०००)	००)	„	„
„ उलाणो	१५००).	००)	„	„
„ वावली खेडो	२५००)	००)	„	„
„ पलाडो	११००)	११००)	मारोठ	„
„ बटारणो	१०००)	१०००)	„	„
„ गेलासर	३५००)	३०००)	परवतसर	„
„ इन्द्रोको	२०००)	२०००)	„	„
„ भुभडो	३०००)	३०००)	नागोर	आसामी दो रे
„ वासणी	३०००)	३०००)	„	„
„ खेडो लालीयो	८००)	८००)	मेडता	„
„ बोकली	२५००)	२५००)	„	„
„ सातलास	५०००)	५०००)	„	„
„ सेखपुरो	१५००)	१५००)	„	„
„ नीबोलो	३०००)	३०००)	„	„

१. ठि जावदी नगर (पात आध पहली) के (६) ठाकुर बहादुरसिंह का पुत्र ।

पांती आध में—

पीढ़ियों—: ९. सघतसिंघ-किसोरसिंघोत^३ १०. रिडमलसिंघ ११. जवानसिंघ
१२. बेरीसाल १३. नाथूसिंघ १४. प्रतापसिंघ

पांती आध में—

पीढ़ियों—: १४. बहादरसिंघ-नाथूसिंघोत^३

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव केराप—	५०००)	५०००)	कोलीयो	
„ वसीर सलो	२५००)	२५००)	मेड़ता	
„ सिरदारपुर	१०००)	१०००)	दोलतपुर	
पीढ़ियों —: ११. फतेसिंघ-रिडमलसिंघोत ^३		१२. जोरावरसिंघ	१३. उदयभांण	
गांव खारडीयो—	२०००)	००)	नावा	आसामी. ३ रे
„ मोहनपुरो	८००)	००)	„	„
पांती आध में— रेख	१४००)			

पीढ़ियों—: १०. अगारसिंघ-सघतसिंघोत^४ ११. कनीरांम १२. विजयसिंघ

पांती चौथी मे रेख— ७००)

पीढ़ियों—: १०. नाहरसिंघ-सघतसिंघोत^५ ११. मोहवतसिंघ

पांती चौथी रेख में— ७००)

पीढ़ियों—: ९. बनेसिंघ-किसोरसिंघोत^६ १०. अभयसिंघ ११. दानसिंघ
१२. लिखमणसिंघ

गांव कुचामरण —	५०००)	०	नावा	नादकार है
„ पालोडो	११००)	१०५०)	मारोठ	
„ पालडी	१४५०)	१४५०)	„	
„ भगवानपुरो	६०००)	२०००)	„	
„ मोलासर	६०००)	३०००)	दोलनपुरा	

१ ठि देवली बड़ी दूसरी पाती के (८) ठाकुर किसोरसिंह का पुत्र ।

२. ठि. मीठडी की पहली पातो के (१३) ठाकुर नाथूसिंह का पुत्र ।

३. „ „ „ „ (१०) „ रिडमलसिंह का पुत्र ।

४. „ „ „ „ (९) „ सघतसिंह का पुत्र ।

५. „ „ „ „ (९) „ „ „ ।

६ ठि. देवली बड़ी (दूसरी पाती) के (८) ठाकुर किसोरसिंह का पुत्र ।

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांगवो	१००००)	७०००)	परवतसर	
जुसरी	४०००)	४०००)	,	
भवाल	७५००)	३०००)	मेडता	
मोडी	५०००)	३०००)	"	
खेड़ी दुजी	१०००)	५००)	"	
सीतावट	४०००)	२०००)	,	
डेगाणो	६२५०)	६२५०)	"	
खेडी सीला	२०००)	२०००)	"	
श्रोटीयाणो	३०००)	१५००)	"	
खेडूली	३०००)	३०००)	;	
रीड	६०००)	३०००)	,	
कुल रेख—	५०००)	०	दरीवे नावा	
	८५५०)	४५००)	परगना भारोठ रा गांव	
	६०००)	३०००)	परगना दौलतपुरो रा गांव	
	१४०००)	११०००)	परगना परवतसर रा गांव	
	३७७५०)	२४२५०)	परगना मेडता रा गांव	
	७१३००)	४२७५०)		
पीढियेँ—	१ जालमसिंह	१०. सभासिंह*	११. सुरजमला	
	१२. सिवनाथसिंह	१३. रणजीतसिंह	१४. केसरीसिंह	
गांव चोलुखो—	३०००)	३०००)	दौलतपुरा	
आसावरी	१०००)	१०००)	नागौर सवा पांच आने पांती	
पीढियेँ—	१५. माघोसिंह-केसरीसिंहोत ^२	१६. सवलसिंह		
गांव बुखवास—	१०००)	१०००)	कोलिया	
पीढियेँ—	१५. देवीसिंह-केसरीसिंहोत ^३			

§ जालमसिंह लुढावास नामक स्थान पर मवत् १८०७ मे आसोज सुद ६ को युद्ध मे काम आया इनके वणज जालिमसिंहोत कहलाते हैं ।

* सभासिंह मरहठा माघोराय से १८४४ श्रावण मे युद्ध हुआ उसमे मारा गया

† यह श्रवर मे संवत् १८४६ मे चैत्र ६ को काम आया ।

१. ठिकाना देवली बडी (हूसरी पाती) के (८) ठाकुर किमोरसिंह का पुत्र ।

२. ठि. कुचामन के (१४) ठाकुर केसरीसिंह का पुत्र ।

३. " " (१४) " " " ।

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव आसावरी—	१० ०)	१०००)	नागौर सवा पाच आने पाती	
पीढियें—: १४. केसरीसिंघ-रणजीतसिंघोत ^१		१५. बनेसिंघ		
गांव आसावरी—	१०००)	१०००)	नागौर साढे पाच आने पाती	
पीढियें—: १३. बलदेवसिंघ-सिवनाथसिंघोत ^२		१४. बाहादरसिंघ १५. जसवतसिंघ		
गांव फोगडी—	४०००)	२५००)	दौलतपुरा	
पीढियें—: १२. अमानसिंघ-सुरजसिंघोत ^३		१३. सपतसिंघ		
गांव लादडीयो—	४०००)	४०००)	दौलतपुरा	
पीढियें—: १३. सवाईसिंघ-अमानसिंघोत ^४				
गांव पलाडो—	११००)	११००)	मारोठ	
पीढियें—: १२. हरनाथसिंघ-सुरजमलोत ^५		१३. सगतीदान १४. दुरजणसाल		
गांव नीबी—	१५००)	१०००)	दौलतपुरा	
„ डीगाल	१५००)	१५००)	„	
„ चुगनी	२०००)	२०००)	„	
„ साहवास	१०००)	१०००)	„	
„ खुडी	२०००)	२०००)	„	
„ पाथी	३०००)	३०००)	नागौर	
पीढियें—: १२. लिछमणसिंघ-सुरजमलोत ^६		१३. विडदसिंघ १४. सावतसिंघ		
१५. मेगसिंघ				
गांव अलतवो	६२५०)	६२५०)	मेडतो	
„ पालडी	८३००)	८३००)	„	
पीढियें—: ११. जवानसिंघ+सभासिंघोत ^७		१२. हणवतसिंघ १३. रामनाथसिंघ		
१४. बखतावरसिंघ		१५. सिवसिंघ		

† सिंधिया माधोराय से सवत् १८४७ मे मेडते मे युद्ध हुआ वहा काम आया ।

- १ ठि कुचामन के (१३) ठाकुर रणजीतसिंह का पुत्र ।
२. „ „ (१२) „ सिवनाथसिंह का पुत्र ।
३. „ „ (११) „ सुरजमल का पुत्र ।
४. „ फोगडी के (१२) „ अमानसिंह का पुत्र ।
५. „ कुचामन के (११) „ सुरजमल का पुत्र ।
६. ठि. कुचामन के (११) ठाकुर सुरजमल का पुत्र ।
- ७ „ „ „ (१०) „ सभासिंह का पुत्र ।

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव डोडीयांणो	६०००)	६०००)	मेड़तो	
„ लाडपुरो	६२५०)	६२५०)	„	
„ घांमाणीयो	१०००)	१०००)	„	
„ मु दीयाड	३०००)	३०००)	„	
„ जसवतपुरो	३०००)	३०००)	„	
„ मुडीयो	२५०)	२५०)	„	
	-----	-----		
	२१५००)	२१५००)		
गाँव पीपलाद—	२५००)	२५००)	परवतसर	
„ नीबोलो	५०००)	५०००)	„	
„ सामपुरो	२५००)	२५००)	„	
„ छीतरोली	५००)	५००)	„	
	-----	-----		
	१०५००)	१०५००)		
	-----	-----		
कुल रेख—	३२०००)	३२०००)		
पीढियें—: १०. पाहाड़सिंघ-जालमसिंघोत ^१		११. रतनसिंघ	१२. सादुलसिंघ	
१३. विसनसिंघ				
गाँव कीडीयो—	१०००)	१०००)	मेड़ता	खवासवाल
पीढिये —: १४. रामसिंघ-विसनसिंघोत ^२		खवास रो		
गाँव लापोलाई—	७५००)	७५००)	मेड़ता	
„ मीडकीयो	२५००)	२५००)	परवतसर	
„ पीडवो	३०००)	३०००)	„	
पीढियें — ११. करणसिंघ-पहाड़सिंघोत ^३		१२. अमरसिंघ	१३. चतरसिंघ	१४. नाथूसिंघ
गाँव रोहीसडो—	६२५)	६२५)	मेड़तो	

१. छि. कुचामन के (६) ठाकुर जालिमसिंह का पुत्र ।

२. छि. पीपलाद के (१३) ठाकुर विसनसिंह का पुत्र ।

३. छि. „ „ (१०) ठाकुर पहाड़सिंह का पुत्र ।

पीढ़ियों—: ११. गोकलदास-पाहाड़सिंघोत^१ १२. जसवंतसिंघ

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव भदलियो—	४०००)	३०००)	दौलतपुरो	
„ सारसंडो	३०००)	३०००)	मेड़ता	
„ मीडकीयो	२०००)	२०००)	परबतसर	
„ जवालियो	४०००)	४०००)	गोढवाड	
	-----	-----		
	१३०००)	१२०००)		

पीढ़ियों—: १०. सरूपसिंघ-जालमसिंघोत^२ ११. जोरावरसिंघ १२. धीरतसिंघ
१३. वेरीसाल

गांव जावो सीसोदीयो— ३२००) ३२००) मेड़ता

पीढ़ियों—: ११. फतेसिंघ-सरूपसिंघोत^३ १२. मगलसिंघ १३. मेघसिंघ
१४. सवाईसिंघ

गांव घणकोली— ७०००) ७०००) दौलतपुरा

पीढ़ियों—: १०. सुरताणसिंघ-जालमसिंघोत^४ ११. मालमसिंघ १२. सिवदानसिंघ
१३. हुकमसिंघ १४. पिरथीसिंघ १५. सगतीदात १६. पाबुदान

गांव सुदरासण— ६०००) ६०००) दौलतपुरा

पीढ़ियों—: १०. वैनसिंघ-जालमसिंघोत^५ ११. सालमसिंघ १२. जीवणसिंघ
१३. बखतावरसिंघ

गांव आछोजाई— ३०००) ३०००) मेड़ता

„ गीनरडो ४०००) ४०००) „
„ सिरदारपुरो २०००) २०००) „

पीढ़ियों—: १०. दलसिंघ-जालमसिंघोत^६ ११. सिरदारसिंघ १२. लखधीरसिंघ
१३. केसरीसिंघ

१ ठि पीपलाद के (१०) ठाकुर पहाडसिंह का पुत्र ।
२ ठि कुचामन के (६) ठाकुर जालिमसिंह का पुत्र ।
३ ठि भदलियो के (१०) ठाकुर सरूपसिंह का पुत्र ।
४ ठि कुचामन के (६) ठाकुर जालिमसिंह का पुत्र ।
५ ठि „ „ „ „ „ „ ।
६ ठि „ „ (६) „ „ „ ।

पांती श्रेक—

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव लूणवो—	२६६०)	२६६०)	मारोठ	आसामी ५ रे I— पांती
„ पीपराली	१७६७)	१७६६)	„	II = II पांती
„ सुरतपुरी	७५०)	११२५)	„	
„ आभावास	२०००)	२१५०)	„	
„ काठीयो	१३५०)	१३५०)	„	
„ ठीकरीयो	१०८०)	१०८०)	„	II) III पाती
„ नानणो	१४५०)	१४५०)	„	
„ रावा	१५००)	१५००)	„	

पांती श्रेक—

- पीढियें—: ६. सेरसिध-किसोरसिधोत^१ १०. सुरतसिध ११. भारथसिध
१२. मिलापसिध १३. देवीसिध १४. रणजीतसिध १५. जोरावरसिध
१६. वखतावरसिध

पांती हूजी—

गाँव लूणवो—	२१३४)	११२१)	मारोठ
„ चाँवडीयो	१०००)	५००)	„
„ घडवाणो	६००)	६००)	„
„ नगवाडो	१०००)	१०००)	„
„ पीपराली	१७६५)	१७६६)	„
„ ठीकरियो	४८०)	४८०)	„
„ सवाईपुरो	६७२)	६७२)	„
„ गोगोर	८००)	८००)	„

- पीढिये—: १०. सवाईसिध-सेरसिधोत^२ ११. गजसिध १२. रिदसिध १३. संकरदांन
१४. सुरजभाण

पांती तीजी—

गाँव लूणवो—	६००)	६००)	मारोठ	= पाती
„ सुरतपुरी	३७५)	१८७II)	„	I) III „

१ ठि देवली बडी (दूसरी पाती) के (८) ठाकुर किसोरसिह का पुत्र ।

२. ठि लूणवो की (पहली पाती) के (६) ठाकुर सेरसिह का पुत्र।

गाँव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
पीपराली	११७६)	११७६)	मारोठ	पाव पांती
लोहराणो	१४१०)	१४१०)	"	II = III पांती
पोदी	२०००)	०)	सांभर	II) "
पीढ़ियें—: १०. सिरदारसिंघ-सेरसिंघोत ^१ ११. सुजाणसिंघ १२. भेरूसिंघ				
१३. दोलतसिंघ १४. समरथसिंघ १५. किसनसिंघ				

पांती चौथी—

गाँव लुणवो—	५६४)	५६७)	मारोठ	छः पैसे पांती
सुरतपुरो	३७५)	१८७II)	"	II)II) "
पीपराली	५६०)	५६०)	"	III) "
लोहराणो	६४०)	६४०)	"	I-1) "
पीढ़ियें—: ११. सोभागसिंघ-सिरदारसिंघोत ^२ १२. जगरामसिंघ १३. किलयाणसिंघ				
१४. पदमसिंघ १५. प्रभूदान १६. सिवनाथसिंघ				

पांती पांचवी—

गाँव लुणवो—	११२१)	११२१)	मारोठ	पाव पांती
ठीकरियो	२४०)	२४०)	"	= II पांती
सवाईपुरो	७५०)	६७५)	"	पाव पांती
घणवाली	६००)	६००)	"	आधी पांती
गोगोर	८०८)	८०८)	"	" "
चावडीयो	५००)	५००)	"	"
नगवाडो	१०००)	१०००)	"	आधी ,
गाँव कुणी—	३०००)	०)	दरीवे नावा	पाव पांती
मिसरीपुरो	३०००)	०)	"	"
वेरी बडी	५०००)	५०००)	दौलतपुरा	"
मोडीयाव	४०००)	४०००)	"	"
खाखलो	५०००)	५०००)	"	"
वेरी खुर्द	२०००)	२०००)	"	"
पावली	२०००)	२०००)	"	"

१ डि. लूणवो (पहली पांती) के (६) ठाकुर सेरसिंह का पुत्र ।

२ डि. " " (तीसरी पांती) के (१०) ठाकुर सिरदारसिंह का पुत्र ।

विगत पटा रा गाँवां री परगना वार आसांमी ५ री—

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
	३१०८७)	३१०८७)	परगना मारोठ रा गाव	
	०	०	दरीवे साभर रा गाव	
	६०००)	०	दरीवे नांवा रा गाव	
	१८०००)	१८०००)	अगना दोलतपुरा रा गांव	
	-----	-----		
	५५०८७)	४६०८७) कुल		
गांव वावडी —	४०००)	४०००)	दोलतपुरो	

पीढियें—: ९. सेरसिध-किसोरसिधोत^१ १०. जगतसिध ११. सगतसिध १२. दलेलसिध
१३. जेसवतसिध १४. जोरावरसिध १५. हमीरसिध

गांव मांडल देवां— ३१५०) १०००) मेड़तो

पीढियें—: ११ संतोखसिध-जगतसिधोत^२ १२. सोभासिध १३. मोवतसिध
१४ अजीतसिध

गांव पांचोतो—	२४००)	२४००)	मारोठ	१ = पाती
„ राणासर	३७५०)	३७५०)	„	
„ नालोट	२४००)	२४००)	„	
„ पनवाडी	९७५)	९७५)	„	
„ मडावरो	१५५०)	१५५८)	„	॥ ३ ॥ पाती
„ सीरोई	२६५०)	२६५०)	„	२ आसांमी
„ सिभूपुरो	१७००)	१७००)	„	
„ खोरडी	९५०)	९५०)	„	आधो
„ खोरडो	११३०)	०	„	„
„ काखडकी	६०००)	०	दरीवे नावा	„

पांती अक में— (मारोठ रा पांच मेहलां में)

पीढियें—: ८. हठीसिध-हगनाथसिधोत ९. सिभुसिध १०. देवीसिध ११. वाघसिध
१२. विसनसिध १३. स्यांमसिध १४. फतेसिध १५. पनेसिध

गांव पांचोतो— २१५०) १८००) मारोठ ॥ = पाती

१ ठि देवली वडी (दूसरी पाती) के (८) ठाकुर किसोरसिंह का पुत्र ।

२ ठि. वावडी के (१०) ठाकुर जगतसिंह का पुत्र ।

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
„ जीजोट	१६७५)	१६७५)	मारोठ	
„ खोरडी	६५०)	६५०)	„	आधी पांती
„ रसाल	४०००)	४०००)	„	
„ मडावरो	११५०)	११४२)	„	- 1)॥ पाती
„ खोरडो	११६०)	११४२)		
„ कवरासो	१५००)	०)	दरीबे साभर	
„ रसुलपुरो		०)	„	
„ रिणगीयो	५००)	०)	„	

पांती हूजी रा—

पीढियें— ६. भिवसिंघ-हठीसिंघोत^१ १०. भावसिंघ ११. कायमसिंघ १२. मंगलसिंघ
१३. प्रतापसिंघ

गाँव चूदियां—

४०००) २५००) मेड़ता

पीढियें— १०. भोपालसिंघ-सिर्वासिंघोत^२ ११. बुदसिंघ १२. मंगलसिंघ* १३. अखेसिंघ
१४. माघोसिंघ -

गाँव पांचवां—

(खेडा ४ सु) ६०००) ० मारोठ

„ करकेडी	२५००)	०	„
„ देवलीखुर्द	२१००)	०	„
„ बापडी	२२५०)	०	„
„ सबलपुरो	६००)	०	„
„ मंगलपुरो	६००)	०	„
„ कोटडो	६००)	०	„
„ राजलीयो	११२५)	०	„
„ दांनपुरो	११२५)	०	„
„ ठीकरीयो	१२७५)	०	„
„ अखेपुरो	१२७५)	०	„
„ काकोट	६००)	०	„
„ पेमपुरो	६००)	०	„
„ रूपीजो	२०५०)	२०५०)	परबतसर

* काम आया गलीमो की राड मे स १८११ मे

१ ठि पाचोतो (पहली पाती) के (८) ठाकुर हठीसिंह का पुत्र ।

२. „ „ „ (दूसरी पांती) „ (६) „ सिवसिंह का पुत्र ।

पीढिये—: ८. अणदसिध-रुगनाथसिधोत ९. पेमसिध १०. राजसिध ११. सुजाणसिध
१२. भेरूसिध १३. भारथसिध १४. मोवणसिध १५. सिवदानसिध
१६. अग्रसिध

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव नीबोद—	६०००)	६०००)	दोलतपुरा	
,, खारीयो	३०००)	—	० दरीवे नांवा	
,, सीरसी	—	—	मारोठ	
,, गोपदी	—	—	"	

पीढिये—: ९. मानसिध-अणदसिधोत^१ १०. दीपसिध ११. जू जारसिध
१२. मालमसिध १३. देवीसिध १४. सादुलसिध १५. रामसिध

गाँव भयो-वडो— ५०००) ५०००) मेड़तो

पीढिये—: ६. जगनाथ-गोयददासोत^२ ७. पिरागदास ८. भावसिध ९. गोपीनाथ
१०. सिवसिध ११. लखधीरसिध १२. हरदानसिध १३. सकरदान
१४. समदरसिध

गाँव गेडी—	२०००)	२०००)	मेड़ता
,, खेडी अखेराज	१०००)	१०००)	"
,, हिंगवाणीयो	५००)	५००)	"

पीढिये—: ११. लखधीरसिध-सिवसिधोत^३ १२. रतनसिध १३. सुखसिध
१४. सिवनाथसिध १५. हणवतसिध

गाँव सरनावडो—	६०००)	•	नागोर
,, भयो	२०००)	२०००)	मेड़ता
,, नावद	२०००)	२०००)	परवतसर
,, वडावरो	२५००)	२५००)	"
,, हरसांणी	१५००)	१०००)	"
,, गोठडां	२०००)	२०००)	"

पीढिये—: १२. सालमसिध-लखधीरसिधोत^४ १३. फतेसिध १४. सरूपसिध
१५. देवीसिध

१. ठि पाचवा के (८) ठा. अणदसिह का पुत्र।

२. इसके वंशज गोयददासोत कहलाते हैं।

३. ठि. भयो वडो के (१०) ठाकुर सिवसिह का पुत्र।

४. ठि गेडी के (१०) ठाकुर लखधीरसिह का पुत्र।

गाँव	रेख कदीम	हेमार भरे	परगना	विशेष
गाँव डोभड़ी मंडां—	४००)	४००)	मेड़ता	,

॥ सावलदास ७००) ७००) ॥
 पीढियें—: १०. सायबसिंघ-गोपीनाथोत^१ ११. चादसिंघ १२. कनीराम १३. दानसिंघ
 १४. विड़दसिंघ १५. दीपसिंघ

गाँव ईटावों बिरामणां रो—	६२५)	६२५)	मेड़ता	आधी पाती
॥ पडवालो	१५००)	१५००)	॥	

पांती अक रो—

पीढियें—: ९. जसकरण-भावसिंघोत^२ १०. अणदसिंघ ११. जोदसिंघ १२ बुधसिंघ
 १३. सुमेरसिंघ १४. फत्तेसिंघ १५ सिवनाथसिंघ १६. सुरतांणसिंघ

पांती हूजी रा—

गाँव ईटावों बिरामणां—	६२५)	६२५)	मेड़ता	आधी पाती
-----------------------	------	------	--------	----------

पीढियें—: १३. पाहाडसिंघ-सुमेरसिंघोत १४. रामनाथ

गाँव ईटावों लाखो—	३०००)	३०००)	मेड़ता	आसामी २ रे
-------------------	-------	-------	--------	------------

पांती पेली आध में—

पीढियें—: ११ भारथसिंघ-अणदसिंघोत^३ १२. पाहाडसिंघ १३. सलेसिंघ
 १४. बखतावरसिंघ

पांती हूजी आध में—

पीढियें—: १३. सूरसिंघ-पाहाडसिंघ^४ १४. नाथूसिंघ १५. संपतसिंघ

गाँव ईटावों खीचियां—	१०००)	१०००)	मेड़ता	आसामी २ रे
----------------------	-------	-------	--------	------------

पांती पेली आध में—

पीढियें—: १०. दोलतसिंघ-जसकरणोत^५ ११ कांनकसिंघ १२. तेजसिंघ
 १३. कनीराम १४. ईसरसिंघ

पांती हूजी आध में—

१. ठि. भयो बडो के (९) ठाकुर गोपीनाथ का पुत्र ।

२. ,, ,, ,, ,, (८) ,, भावसिंह का पुत्र ।

३. ठि ईटावों (बिरामणा) के (१०) ठाकुर अणदसिंह का पुत्र ।

४. ठि ईटावों (लाखों) की पहली पाती के (१२) ठाकुर पाहाडसिंह का पुत्र ।

५. ठि ईटावों बिरामणा (पाती एक) के (९) ठाकुर जसकरण का पुत्र ।

पीढिये—: ७. रामसिंघ-जगनाथोत^१ ८. रूपसिंघ ९. दोलतसिंघ १०. कनकसिंघ
११. घोरतसिंघ १२. भारथसिंघ १३. रुगनाथसिंघ १४. भीवसिंघ
१५. सूरसिंघ

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना
गाँव जसवंतपुरो	२०००)	२०००)	नागोर

पीढिये—: १०. सुजाणसिंघ-जसकरणोत^२ ११. केसरीसिंघ १२. समरथसिंघ
१३. रामसिंघ १४. लिछमणसिंघ १५. लालसिंघ

गाँव दमोई वड़ी—	१५००)	१५००)	मेड़ता
-----------------	-------	-------	--------

पीढिये—: ९. कुंभकरण-भारथसिंघोत १०. आईदान ११. किलाणसिंघ १२. मालमसिंघ
१३. वखतावरसिंघ १४. हमीरसिंघ

गाँव दमोई खुरद—	१०००)	१०००)	मेड़ता
-----------------	-------	-------	--------

पीढिये—: ९. विजेसिंघ-भावसिंघोत^३ १०. पेमसिंघ ११. जोधसिंघ १२. समानसिंघ

गाँव पालड़ी राजा	५००)	०	मेड़ता
------------------	------	---	--------

„ भूतावो	१४००)	०	„
----------	-------	---	---

पीढिये—: ९. खीवकरण-भावसिंघोत^४ १०. केसरीसिंघ ११. भोपालसिंघ १२. सुरजमल
१३. मगलसिंघ

गाँव डोभड़ी खुरद—	१०००)	५००)	मेड़ता
-------------------	-------	------	--------

पीढिये—: ९. भगवतसिंघ-भावसिंघोत^५ १०. सिंभूसिंघ ११. सांवतसिंघ
१२. मोतीसिंघ १३. जोरावरसिंघ १४. रुगनाथसिंघ

गाँव रामसीयो—	२५००)	२५००)	परवतसर
---------------	-------	-------	--------

पीढिये—: ९. छतरसाल-भावसिंघोत^६ १०. जोधसिंघ ११. ईदरसिंघ १२. पिरथीसिंघ
१३. रामसिंघ १४. रिडमलसिंघ १५. सूरजमल १६. चतरसिंघ
१७. सुरताणसिंघ

गाँव खूडी—	१०००)	१०००)	नागोर
------------	-------	-------	-------

१. ठि. भयो वडो के (६) ठाकुर जगन्नाथसिंह का पुत्र ।

२. ठि ईटावो विरामणा (पाती एक) के (९) ठाकुर जसकरण का पुत्र ।

३. ठि. भयो वडो के (८) ठाकुर भावसिंह का पुत्र ।

४. „ „ (८) „ „ „ ।

५. ठि. भयो वडो के (८) ठाकुर भावसिंह का पुत्र ।

६. „ „ „ (८) „ „ „ ।

पीढियें—: ८. गोरधनदास-प्रागदासोत^१ ९. जगतसिंघ १०. जोगीदास ११. दानसिंघ
१२. सभासिंघ १३. लिच्छमणसिंघ १४. ईंदरसिंघ १५. मंगलसिंघ

गाँव रांसीगाँव— २०००) २०००) नागौर विशेष

पीढियें—: ११. गुमानसिंघ-जोगीदासोत^२ १२. दुलेसिंघ १३. बाघसिंघ
१४. मोहवतसिंघ

गाँव भवाद्— २५००) २५००) परबतसर

पीढियें—: ७. किसोरदास-जगनाथोत ८. रायसिंघ ९. हीदुसिंघ १०. किलाणसिंघ
११. दानसिंघ १२. हरीसिंघ १३. गोपालसिंघ

गाँव नोरंगपुरो— २०००) २०००) डीडवाणो आसामी २२

पांती पेली आध मे—

पीढियें—: ६. नाथो-गोयददासोत ७. विदरावनदास-नाथावत ८. राजसिंघ
९. सेखराज १०. अजवसिंघ ११. मोहणसिंघ १२. बुधसिंघ
१३. गुलावसिंघ १४. भूरसिंघ

पांती हूजी आध में—

पीढियें—: ९. अमरसिंघ-राजसिंघोत^३ १०. हरीसिंघ ११. सवाईसिंघ १२. भारथसिंघ
१३. किसनसिंघ १४. अनाडसिंघ १५. विजेसिंघ

गाँव वेहड़वो— ४०००) ४०००) दौलतपुरो

पीढियें—: ७. फतेसिंघ-नाथावत ८. हिमतसिंघ ९. सीसराम १०. सीवसिंघ
११. भोमसिंघ १२. प्रतापसिंघ १३. सलेसिंघ

गाँव भ्लाड़ोद— १५००) ७५०) दौलतपुरो कुचामण
री भायप

पीढियें—: १०. सरूपसिंघ-जालमसिंघोत^४ ११. किलाणसिंघ १२. स्यामसिंघ
१३. जसवतसिंघ

खाँप माघोदासोत मेड़तीया—

२. हूदो-जोधावत ३. वीरमदेव-दुदावत ४. जैमल-वीरमोत ५. माघोदास, तिण रा वस
रा माघोदासोत मेड़तीया कहीजे ।

१. ठि भयो बडो के (७) ठाकुर प्रागदास का पुत्र ।

२. ठि. खुडी के (१०) ठाकुर जोगीदास का पुत्र ।

३. ठि नोरंगपुर (पहली पांती) के (८) ठाकुर राजसिंघ का पुत्र ।

४. ठि कुचामन के (९) ठाकुर जालिमसिंघ का पुत्र ।

माधोदासोत मेडतीयां रा ठिकाणां री विगत—

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव रीयां खास—	११२५१)	११२५१)	मेडता	
„ अरनीयालो	६०००)	६०००)	„	
„ ऊपादीयावास	५००)	५००)	„	
„ वहडवास	१८७५)	१७७५)	„	
„ अखावास	२७२७)	२७२७)	„	
„ जडाऊखेडा २	६२५०)	६२५०)	„	
„ सीरासणो	४५००)	४५००)	„	
कुल रेख	३६१०३)	३६१०३)		

पीढिये— ६. सुंदरदास-माधोदासोत ७. गोपालदास ८. प्रतापसिंघ ९. अचलसिंघ
१०. कुसलसिंघ ११. सीरदारसिंघ १२. सुरजमल † १३. जवानसिंघ
१४. वखतावरसिंघ १५. वीडर्सिंघ १६. सीवनाथसिंघ १७. देवीसिंघ
१८. गभीरसिंघ १९. विजेसिंघ

गांव मेडास—	५०००)	५०००)	मेडती
पीढिये—: १६. स्यामसिंघ-विडर्सिंघोत ^१		१७. लिछमणसिंघ	
गांव बीजाथल—	४०००)	४०००)	मेडता
„ भेसडो खुरद	४०००)	४०००)	„
„ कालीयाठडो	२०००)	२०००)	„
कुल रेख	१००००)	१००००)	

पीढिये—: १४. ईंदरसिंघ-जवानसिंघोत^२ १५. समरथसिंघ १६. सूरसिंघ

गांव चीखरणीयो-वडो—	७५००)	७५००)	मेडता
„ चीखरणीयो-खुर्द	३२५०)	३२५०)	„
कुल रेख	१०७५०)	१०७५०)	

† सुरजमल महाराजा वखतसिंघ व रामसिंह के बीच मेडता मे सवत् १८०७ मे मिगसर
सुद ६ को युद्ध हुआ उसमे काम आया ।

१. ठि रीयाखास के (१५) ठाकुर विडर्सिंह का पुत्र ।

२. ठि रीयाखास के (१३) ठाकुर जवानसिंह का पुत्र ।

पीढियें— १३. मालमसिंघ-सुरजमलोत^१ १४. जेतसिंघ १५. सिवदानसिंघ
१६. सुरताणसिंघ

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव चांदा रुग्	२५००)	२५००)	मेडता	
„ मेहरासी	२८००)	२८००)	„	
„ माणकीयावास	३०००)	३०००)	„	
„ काटीयो	१२५०)	१२५०)	„	
„ धोलीयो	३००)	३००)	„	
कुल रेख	६८५०)	६८५०)		

पीढियें—: ११. सुरताणसिंघ-कुसलसिंघोत^२ १२. कनीराम † १३. सीवसिंघ
१४. विसनसिंघ १५. रणजीतसिंघ १६. देवीसिंघ १७. रामसिंघ

गांव ईडवो— ८७७५) ८७७५) मेडता

पीढियें—; १०. जू जारसिंघ-अचलसिंघोत^३ ११. वनेसिंघ १२. सगरामसिंघ
१३. नरसिंघदास* १४. हणवतसिंघ-खोळे १५. हरीसिंघ १६. बखसीराम
१७. रामनार्थसिंघ

गांव धोलेराव बडो— ४०००) ४०००) मेडता

पीढिये - : १२. फकीरदास-वनेसिंघोत^४ १३. जैसिंघ १४. मोहवतसिंघ

गांव पोलास गाडेतीयां— १०००) १०००) मेडता

पीढियें —: १३. बाघसिंघ-फकीरदासोत^५ १४. धीरतसिंघ

गांव आलणीयावास— ११२२५) ११२२५) मेडता

„ नाथु री वासणी १०००) १०००) „
„ कीलाणी वासणी ६२५) ६२५) „

† कनीराम मरहठो के साथ हुए मेडता के युद्ध मे सवत् १८४७ मे काम आया ।

* काम आयो सवत् १८४७ भादवा सुद २ मेडते दिखणीया री फोज सु भगडो हुवो तरे ।

१. ठि. रीया खास के (१२) ठाकुर सुरजमल का पुत्र ।

२. „ „ „ (१०) „ कुसलसिंह का पुत्र ।

३. ठि. रीया चास के (६) ठाकुर अचलसिंह का पुत्र ।

४. ठि ईडवो के (११) ठाकुर वनेसिंह का पुत्र ।

५. ठि धोलेराव बडो के (१२) ठाकुर फकीरदास का पुत्र ।

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
„ पीपलीयो	७५०)	७५०)	मेड़ता	
कुल रेख	१३६००)	१३६००)		
पीढिये—:	९. राजसिंघ † प्रतापसिंघोत ^१	१०. किलार्णसिंघ	११. रामसिंघ	
	१२. लखधीरसिंघ	१३. फकीरसिंघ	१४. भारथसिंघ	१५. हणवतसिंघ
	१६. अजीतसिंघ	१७. ऊर्देसिंघ		
गाँव बालोली जाटां—	६२५०)	६२५०)	मेड़ता	
„ वीजारूण	२०००)	२०००)	„	
कुल रेख	८२५०)	८२५०)		
पीढिये—:	९. गोकलदास-प्रतापसिंघोत ^२	१०. हीदुसिंघ	११. जोधसिंघ	
	१२. नीरभेराम	१३. मोहबतसिंघ	१४. दोलतसिंघ	१५. बभूतसिंघ§
	१६. दुरजणसिंघ	१७. भवानीसिंघ	१८. सगतसिंघ	
गाँव नैणीयो—	२५००)	२५००)	परवतसर	
पीढिये—:	१०. हठीसिंघ-गोकलदासोत ^३	११. दीपसिंघ	१२. वछ्हराज	१३. मालमसिंघ
	१४. लखधीरसिंघ	१५. खुर्माणसिंघ	१६. सिवनाथसिंघ	
गाँव गोठड़ो—	५२५०)	५२५०)	मेड़ता	
पीढिये—:	९. रामचदर-प्रतापसिंघोत ^४	१०. जसवतसिंघ	११. चांदसिंघ	१२. दानंसिंघ
	१३. फतेसिंघ	१४. वखतावरसिंघ	१५. मनरूपसिंघ	१६. वीजेसिंघ
गाँव चानणी वड़ी—	३७५)	३७५)	मेड़ता	
„ चानणी खुरद	३७५)	३७५)	„	
पीढिये—:	९. रूपसिंघ-प्रतापसिंघोत ^५	१०. ईसरसिंघ	११. दोलतसिंघ	१२. चदरभाण

† संवत् १७६२ भादवा सुद ११ को यह तेवर के नवाव से युद्ध कर पुष्कर में काम आया ।
§ वुंटी श्री वाईजी साथे वंदगी मे थो सु ऊठे भगड़ो हुवो तरे काम आयो संवत् १८८६ में ।

१. ठि रीयां खास के (८) ठाकुर प्रतापसिंह का पुत्र ।
२. ठि. रीया खास के (८) ठाकुर प्रतापसिंह का पुत्र ।
३. ठि. बालोली जाटां के (९) ठाकुर गोकुलदास पुत्र ।
४. ठि. रीया खास के (८) ठाकुर प्रतापसिंह का पुत्र ।
५. „ „ (८) „ „ „

१३. भारथसिंघ १४. निरभेसिंघ १५. अरजणसिंघ

गाँव सुरियास—
रेख कदीम . हमार भरे परगना विशेष
२५००) २५००) मेड़ता

पीढियें—: ८. भाखरसिंघ-गोपालदासोत^१ ९. भोजराज १०. जगरांसिंघ
११. झूगरसिंघ १२. नवलसिंघ १३. हणवतसिंघ १४. बलवंतसिंघ

गाँव भेसड़ो दडो— ३५००) ३५००) मेड़ता

पीढियें—: ८. भीवसिंघ-गोपालदासोत^२ ९. अणदसिंघ १०. भगवानसिंघ
११. रिणछोड़दास १२. वनेसिंघ १३. समरथसिंघ १४. सरूपसिंघ
१५. रामनाथसिंघ

गाँव कीतलसर— ३२००) ३२००) मेड़ता

पीढियें—: ७. सगतसिंघ-सु दरदासोत^३ ८. हीमतसिंघ ९. प्रीथीराज १०. मानसिंघ
११. नवलसिंघ १२. जुजारसिंघ १३. जोरावरसिंघ १४. हीरदेराम
१५. भवानीसिंघ १६. मगलसिंघ

गाँव कीरड— १८७५) १८७५) मेड़ता

„ पालडी सेस ६५०) ६२५) „

कुल रेख २५२५) २५२५)

पीढियें—: ९. रतनसिंघ-हीमतसिंघोत^४ १०. अरजनसिंघ ११. सगरांसिंघ
१२. मदनसिंघ १३. गुलाबसिंघ १४. गजसिंघ १५. मगलसिंघ

गाँव भाडली— १३५०) ६२५) मेड़तो

पीढियें—: १०. पदमसिंघ-रतनसिंघोत^५ ११. अमरसिंघ १२. बाहादरसिंघ
१३. किलारणसिंघ १४. कनीराम १५. हिंदूसिंघ १६. अवेसिंघ
१७. ई दरसिंघ १८. डुगरसिंघ १९. दुरजनसिंघ २०. चिमनसिंघ
२१. रामनाथसिंघ

गाँव कवाल— २०००) १०००) सि. नागौर

१. ठि. रोया खास के (७) ठाकुर गोपालदास का पुत्र ।

२. ठि. „ (७) „ „ „ ।

३. „ „ (६) सु दरदास का पुत्र ।

४. ठि. कीतलसर के (८) ठाकुर हिमतसिंह का पुत्र ।

५. ठि. कीरड के (९) ठाकुर रतनसिंह का पुत्र ।

पीढिये—:	११. दानसिंघ-पदमसिंघोत ^१	१२. कनकसिंघ	१३. सोभासिंघ
	१४. चुतरसिंघ	१५. ऊर्देसिंघ	१६. माधोसिंघ
गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना विशेष
गाँव बुताटी—	४०००)	४०००)	सि. नागोर
पीढिये—:	११. अमरसिंघ-पदमसिंघोत ^२	१२. बाहादरसिंघ	१३. वगसीराम
	१४. अनाडसिंघ	१५. सिवनाथसिंघ	
गाँव चुई—	३०००)	३०००)	सि नागोर
पीढिये—:	११ सुदरसिंघ-पदमसिंघोत ^३	१२. रूघनाथसिंघ	१३. करणसिंघ
	१४. अमानसिंघ		
गाँव डोभड़ी—	२५००)	२५००)	प्र. मेडतो
पीढिये—:	८. माहासिंघ-सगतसिंघोत ^४	९. जगरामसिंघ	१०. बुधसिंघ
	११ जालमसिंघ	१२ जगरूपसिंघ	१३. भेरूसिंघ
	१५. चादसिंघ	१४. रामनाथ	
गाँव वरसणु—	२०००)	२०००)	स. नागोर आसामी २ रे
पांती अ्रेक आध में—			
पीढिये—:	७. सबलसिंघ-सु दरदासोत ^५	८. जु जारसिंघ	९. विसनसिंघ
	१०. सीभुसिंघ	११. पेमसिंघ	१२. भवानीसिंघ
	१३. पाहाडसिंघ	१४. नाहरसिंघ	१५. मुकनसिंघ
	१६. लिछमणसिंघ		
पांती दूजी आध में—			
पीढिये—:	१४. करणसिंघ-पाहाडसिंघोत ^६	१५. अनाडसिंघ	
गाँव लंगोड—	२०००)	१६००)	मेडतो
पीढिये—:	६. मोहवणदास-माधोदासोत	७ दलपतसिंघ	८ मनसिंघ
	९. पीरथीसिंघ	१०. हरीसिंघ	११. सांवतसिंघ
	१२. सालमसिंघ	१३. दलेलसिंघ	१४. जैतसिंघ
खांप-सुरताणोत-मेडतीया—			

† काम आयो १८२४ मे नागोर री फोज मे जट-वाडा कानी ।

१. ठि. भडाला के (१०) ठाकुर पदमसिंह का पुत्र ।

२. " " (१०) " " " ।

३. " " (१०) " " " ।

४. ठि कीतलसर के (७) ठाकुर सगतसिंह का पुत्र ।

५. ठि. रीया खास के (६) ठाकुर सु दरदास का पुत्र ।

६. ठि. वरसणु (की पहली पांती) के (१३) ठाकुर पाहाडसिंह का पुत्र ।

२. दूदो-जोधावत ३. वीरमदेव-दूदावत ४. जैमल-वीरमोत ५. सुरताणसिघ, तिण रा वस-रा सुरताणोत कहीजै ।

सुरताणोतां रा ठिकाणां री विगत

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव गुलर—	७०००)	७०००)	परवतसर	
„ नीवडी	१५००)	१५००)	„	
„ कुराडो	६०००)	६०००)	„	
„ साचोर	१५००)	१५००)	„	
„ अरठ	१०००)	१०००)	„	
	-----	-----		
	१७०००)	१७०००)		
गाँव ललाणो-वडो—	१२५०)	१२५०)	मेड़ता	
„ बीठवाल	५०००)	५०००)	„	
	-----	-----		
	६२५०)	६२५०)	„	
	-----	-----		
कुल रेख	२३२५०)	२३२५०)		
पीढियें—: ६. गोपालदास-सुरताणोत ^१ ७. हरनाथसिघ ८. अचलदास §				
९. रघुनाथसिघ * १०. अरजनसिघ ११. जगतसिघ १२. हरीसिघ				
१३. देवकरण १४. मालमसिघ १५. बखतावरसिघ १६. गोपालसिघ				
१७. विसनसिघ				
गाँव रोहंडी—	६०००)	६०००)	परवतसर	
„ छीतरो	५००)	५००)	„	
„ पीपलाद	२५००)	२५००)	„	
„ मेहगांव	१५००)	१५००)	„	
	-----	-----		
कुल रेख	१०५००)	१०५००)		

§ अचलदास सेतुबंध रामेश्वर मे बादशाही सेवा मे काम आया ।

* चित्तोड़ मे काम आया सवत् १८२४ रा चेत सुदे ३ ।

१. जैमल के पुत्र सुरताण का पुत्र ।

पीढिये— १०. भीर्वसिंघ-रुघनाथसिंघोत^१ ११. किसोरसिंघ १२ प्रतापसिंघ
 १३. सिरदारसिंघ १४. सायवसिंघ १५. जेतसिंघ १६. रिङ्गमलसिंघ
 १७ जुहारसिंघ १८ वलदेवसिंघ

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव बाजुवास—	४०००)	४०००)	मेड़ता	
„ भेरुवास	८३३१-)	८३३१-)	परवतसर	
कुल रेख	४८३३१-)	४८३३१-)		
पीढिये— : ११. किसनसिंघ-भावसिंघोत ^२		१२. फतेसिंघ	१३. जवानसिंघ	
		१४. ईसरीसिंघ १५. जोधसिंघ १६. रूपसिंघ		
गाँव जावलो—	७०००)	७०००)	मेड़ता	
„ मेहराणो	५०००)	५०००)	„	
„ आजरोली	३०००)	३०००)	„	
परगना मेड़ता री रेख	१५०००)	१५०००)		
गाँव जालरो—	६०००)	६०००)	परवतसर	
„ मुडानो	१५००)	१५००)	„	आधो
„ नादोली	१०००)	१०००)	„	आधो
„ ढाढोतो	५०००)	५०००)	„	
„ कुराडो	६०००)	६०००)	„	
„ घोलीयो	१५००)	१५००)	„	
१९ लखीयावास	२०००)	२०००)	„	
रेख परवतसर रा गाँव री	२३०००)	२३०००)		
रेख मेड़ता रा गाँवा री	१५०००)	१५०००)		
कुल रेख	३८०००)	३८०००)		
पीढिये—: ९. गोकलदास-अचलदासोत ^३		१०. सावतसिंघ	११. सगरामसिंघ	

१ ठि ललाणो वटो के (९) ठाकुर रुघनाथसिंह का पुत्र ।

२ ठि रोहंडी के (१०) ठाकुर भीर्वसिंह का पुत्र ।

३ ठि ललाणो वटो के (८) ठाकुर अचलदास का पुत्र ।

१२. समरथसिंघ १३ लखधीरसिंघ १४. दुरजणसिंघ १५. नोनदसिंघ
१६. बाधसिंघ १७ केसरीसिंघ १८. प्रतापसिंघ

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव जभोलो—	५०००)	५०००)	परवतसर	

पीढ़ियों—: १०. सगतसिंघ-गोकलदासोत^१ ११ सभासिंघ १२. सेरसिंघ १३. सुमेरसिंघ
१४. जेतसिंघ १५. हरीसिंघ

गांव भखरी—	३०००)	३०००)	मेड़ता
„ मोलासर	३०००)	३०००)	„
„ नरमो	३०००)	३०००)	„
„ राजलोतो	७०००)	७०००)	„
„ भानीगांव	३५००)	३५००)	परवतसर
कुल रेख	१९५००)	१९५००)	

पीढ़ियों—: ७. दलपत-गोपालदासोत^२ ८. गोरधनदास ९. सीभूसिंघ १०. भेरूसिंघ
११. केसरीसिंघ १२. नवलसिंघ १३. नाहरसिंघ १४. मंगलसिंघ
१५. हरीसिंघ

गांव सील भखरी — — — मेड़ता पाती दो
पांती श्रेक श्राध में—

पीढ़ियों—: ६. किसनदास-सुरताणोत^३ ७. बिहारीदास ८ वीठलदास ९. अमरसिंघ
१०. गजसिंघ ११. डुंगरसिंघ १२. प्रतापसिंघ १३. सेवादास १४. मगनीराम
१५. लालदास १६. चद्रदास

पांती दूजी श्राध में—

पीढ़ियों - . १२. फतेसिंघ-डुंगरसिंघोत १३ ललितसिंघ १४. भारथसिंघ १५. नदसिंघ
१६. नाहरसिंघ

सील भखरी (परगना मेड़ता, तिणने किसनपुरो केहे, रेख भरे नही, भखरी रा ऊकील)
खांप केसोदासोत मेड़तीया

१ ठि जालरो के (९) ठाकुर गोकलदास का पुत्र ।

२ ठि ललाणो वडो के (६) ठाकुर गोपालदास का पुत्र ।

३. सुरताण जैमलोत का पुत्र ।

२. दूदो-जोधावत ३. वीरमदेव-दूदावत ४. जमल-वीरमोत ५. केसोदास * जैमलोत, तिण
रा वश रा केसोदासोत कहीजे ।

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव बड्डू—	७०००)	७०००)	परवतसर	
„ चीलु	३०००)	३०००)	„	
„ खानपुर	१५००)	१५००)	„	
„ हरनावो	६०००)	६०००)	„	
„ भावसी	५००)	५००)	„	
„ माणवो	५००)	५००)	„	
„ भादवो	३५००)	३५००)	„	
„ गीगोली	३५००)	३५००)	„	
„ मोरेड	१५००)	१५००)	„	
„ सीरसु	१५००)	१५००)	„	
„ दावडीयो	१२५०)	१२५०)	„	आघो
„ कणसरीयो	१०००)	१०००)	„	
„ हुरडाणी	२०००)	२०००)	„	

पीढिये—: ६. गिरधरदास § केसोदासोत ७. गदाधर ८. स्यामसिंघ ९. प्रीथीराज
१०. रामसिंघ ११. रतनसिंघ १२. वदनसिंघ १३. कनीराम
१४. सुरताणसिंघ १५. अजीतसिंघ १६. सीवनाथसिंघ १७. सवाईसिंघ
१८. सेरसिंघ १९. जीवणसिंघ

गाँव सबलपुर—	५०००)	५०००)	परवतसर
„ दुडीयो	२०००)	२०००)	„
„ माणवो	५००)	५००)	„
„ गीगोली	३५००)	३५००)	„
„ दावडीयो	१२५०)	१२५०)	„
„ वागोट	५०००)	५०००)	„
„ कवलाद	१०००)	१०००)	„
	१८२५०)	१८२५०)	

* केसोदाम सवत् १६५८ मे सेतुवन्व रामेश्वर में जहाँगीर की फौज से युद्ध कर मारा गया ।
§ गिरधरदास लोद की घाटी मे वादगाह की फौज से युद्ध कर स. १६०७ में काम आया ।

पीढिये—: १० किसनसिंघ-प्रीथीराजोत^१ ११. मानसिंघ १२. लालसिंघ १३. मोखमसिंघ
१४. माघोसिंघ १५. तेजसिंघ-खोळे १६ मोहबतसिंघ १७. रणजीतसिंघ
१८. सबलसिंघ १९ स्यामसिंघ

गाँव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव बरनेल—	५०००)	५०००)	परबतसर	

पीढिये—: ११. गुमानसिंघ-किसनमिंघोत^२ १२. ऊमेदसिंघ १३. नवलसिंघ
१४. पाहाड़सिंघ १५. लिच्छमणसिंघ १६ चिमनसिंघ

गाँव बणांगणो—	६०००)	६०००)	दौलतपुरा
---------------	-------	-------	----------

पीढिये—: ११. सेरमिंघ-किसनदासोत^३ १२. कोजुराम १३. माघोसिंघ
१४. सिवनाथसिंघ १५. वाघसिंघ

गाँव चीतावो—	१०००)	१०००)	परबतसर
--------------	-------	-------	--------

पीढिये—: १४ विडदसिंघ † माघोसिंघोत^४ १५. रतनसिंघ

गाँव ऊचेरीयो—	२०००)	२०००)	परबतसर
---------------	-------	-------	--------

पीढिये—: ११ बखतावरसिंघ-किसनमिंघोत^५ १२ सालमसिंघ १३. जोदसिंघ
१४. कनकसिंघ १५. रुडसिंघ

गाँव बोडावड—	६०००)	६०००)	परबतसर
--------------	-------	-------	--------

„ खोखरो	२५००)	२५००)	„
---------	-------	-------	---

„ आजवो	३०००)	३०००)	„
--------	-------	-------	---

„ कुजा डुगरी	१५००)	५००)	„
--------------	-------	------	---

कुल रेख	१३०००)	१२०००)	
---------	--------	--------	--

पीढिये—: १०. वाहादरसिंघ-प्रीथीसिंघोत^६ ११. जालमसिंघ १२. बखतावरसिंघ
१३. मगलसिंघ १४. कीलानसिंघ १५. सादुलसिंघ

† विडदसिंह सवत् १८८५ मे जयपुर वालो की बाहर मे आया ।

§ काम आयो दिखणी माघोराव सु भगडो हुवो जठे स १८४४ रा सावण सुद १३ ।

१. ठि बडू के (६) ठाकुर प्रीथीराज का पुत्र ।

२. ठि सबलपुर के (१०) ठाकुर किसनसिंह का पुत्र ।

३. „ „ (१०) „ „ ।

४. ठि. बणांगणो के (१३) ठाकुर माघोसिंह का पुत्र ।

५. ठि. सबलपुर के ठाकुर किसनसिंह का पुत्र ।

६. ठि. बडू के (६) ठाकुर पृथ्वीसिंह का पुत्र ।

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव लाडोली—	४०००)	२०००)	परवतसर	

पीढिये—: ११. देवीसिंघ-वाहादरसिंघोत^१ १२. वखतसिंघ १३. वखसीराम
१४. भीवसिंघ १५. नोनदसिंघ १६. हरनाथसिंघ १७. किलाणसिंघ

गाँव कालवो—	२५००)	१८३३।)	परवतसर	आसामी ३ रे
-------------	-------	--------	--------	------------

सवा पांच आने पांती एक तीजी में—

पीढिये—: ११. दानसिंघ-वाहादरसिंघोत^२ १२. डुगरसिंघ १३. लखधीरसिंघ
१४. रणजीतसिंघ १५. गोपालसिंघ १६. रिड़मलसिंघ

सवा पांच आने पांती दूजी तीजी में—

पीढिये—: ११. माघोसिंघ-वाहादरसिंघोत १२. सिभूसिंघ १३. जोरावरसिंघ
१४. मोतीसिंघ १५. मालसिंघ १६. चैनसिंघ १७. अजोतसिंघ

सवा पांच आने पांती तीजी में—

पीढिये—: ११. समरथसिंघ-वाहादरसिंघोत १२. सगतसिंघ १३. चतुरभुज
१४. सायबसिंघ १५. खुमाणसिंघ १६. हरदानसिंघ १७. अनाडसिंघ

गाँव मांमडोली—	२०००)	२०००)	परवतसर
----------------	-------	-------	--------

„ कालवारी ढाणी ३५०) ३५०) „ १) पाती

पीढिये—: १०. हीदुसिंघ-प्रीथीराजोत^३ ११. वाघसिंघ १२. सुरतारसिंघ
१३. अमानसिंघ १४. हमीरसिंघ १५. प्रतापसिंघ १६. दोलतसिंघ

गाँव बुडसु—	६०००)	६०००)	परवतसर
-------------	-------	-------	--------

„ भीचावो ३०००) ३०००) „

„ लाडोली ५००) ५००) „

„ नगवाडो ५००) ५००) „

„ राजथलियो १३००) १३००) „

„ चडालियो ५००) ५००) „

„ कचोलीयो १२५०) १२५०) „

„ आकोदो ३०००) ३०००) „

„ वेगसर ५००) ५००) „

१. ठि. वेडावड के (१०) ठाकुर बहादुरसिंह का पुत्र ।

२. „ „ (१०) „ „ ।

३. ठि. बहू के (६) ठाकुर प्रीथीराज का पुत्र ।

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
„ थेवडी	१५००)	१५००)	„	
कुल रेख	१२०५०)	१२०५०)		
गाँव खीदर पुरी—	३०००)	३०००)	परवतसर	
„ गुणावती	२०००)	२०००)	„	
„ रामपुरी	१०००)	१०००)	„	
„ सुपेड	१२५०)	१२५०)	„	
„ हरनावो	५००)	५००)	„	
„ चावडीयो	१२५०)	१२५०)	„	
„ चाडी	५००)	५००)	„	
„ देवरी	१२५०)	१२५०)	„	
„ गावडी	१५००)	१५००)	„	
„ बडवाली	१२५०)	१२५०)	„	
„ घानोली	३०००)	३०००)	„	
„ मोडण	१०००)	१०००)	„	
„ दरडाणी	१०००)	१०००)	„	
„ देवली	१०००)	१०००)	„	
कुल रेख	३७५५०)	३७५५०)		
पीढियें—: ९. अखेसिघ-स्यामसिघोत ^१	१०. सुरतसिघ	११. गजसिघ	१२. बुदसिघ	
	१३. अमानसिघ	१४. प्रतापसिघ	१५. सिरदारसिघ	१६. माघोसिघ
गाँव कूकडदो—	३०००)	३०००)	परवतसर	
पीढियें—: १२. दानसिघ-गजसिघोत ^२	१३. केसरीसिघ	१४. हणवतसिघ		
	१५. ग्यानसिघ			
गाँव मनाणो—	१३५०)	१३५०)	परवतसर	
„ जवादीयो	१५००)	१५००)	„	
„ हुडीयो	२५००)	२५००)	„	
„ मनाणी	१३५०)	१३५०)	„	

१ ठि. वडू के (८) ठाकुर श्यामसिंह का पुत्र ।

२ ठि खीदपुरी के (११) ठाकुर गजसिंह का पुत्र ।

गाव	रेख कदीम	हमार भरे.	परगना	विशेष
„ सीरसलो	२५००)	२५००)	„	
„ विसरोली	४०००)	४०००)	„	
„ वडरूण	५०००)	३५००)	„	
कुल रेख	१८२००)	१६७००)		

पीढिये—: १०. अमरसिध-अखैसिधोत^१ ११. धीरतसिध १२. अर्भेसिध १३. दलेलसिध
१४. नाहरसिध १५. जुजारसिध १६. केसरीसिध १७ फतेसिध ।
१८. सिवदानसिध १९. जोरावरसिध

गांव डसांगो खुरद— २०००) २०००) परवतसर

पीढिये— १३. ऊमेदसिध-अभेसिधोत^२ १४. रणजीतसिध १५. गुमानसिध
१६. भीवसिध १७. भेरूसिध

गांव रोडु विरडा— ३०००) ३०००) नागोर

„ वांभुवास	३०००)	३०००)	„
„ पातुवास	१०००)	१०००)	„
„ पुनावास	१०००)	१०००)	„
„ मांकडवास	१०००)	१०००)	„
„ आसरवो	२०००)	२०००)	परवतसर,

कुल रेख ११०००) ११०००)

पीढिये—: ११. अणदसिध-अमरसिधोत^३ १२. माहासिध १३. लिछमणमिध
१४. अगरसिध १५. जगतमिध १६. सवाईसिध

गांव टांगलो— ५०००) ४०००) नागोर

„ खोखरीयो ३०००) २५००) परवतसर

कुल रेख ८०००) ६०००)

पीढिये—: १०. नवलसिध-अखैसिधोत^४ ११. जालमसिध १२. दोलतसिध
१३. सादुलसिध १४. हुकमसिध १५. सिरदारसिध

१- ठि. खीदपुरो के (९) ठाकुर अखैसिह का पुत्र ।

२. ठि मनाणो के (१२) ठाकुर अर्भेसिह का पुत्र

३. ठि मनाणो के (१०) ठाकुर अमरसिह का पुत्र ।

४. ठि. खीदपुरो के (९) ठाकुर अखैसिह का पुत्र ।

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव खोजावास—	२०००)	२०००)	परबतसर	
पीढ़ियों—:	१०. इद्रसिंघ-अखेसिंघोत ^१ ११. चुतरभुज १२. बखसीराम १३. खुमांसिंघ			
गांव विदीयाद—	७०००)	७०००)		
„ अडाणी	२०००)	२०००)		
कुल रेख	९०००)	९०००)		
पीढ़ियों—:	८ भोजराज-गदाधरोत ^२ ९. सुखसिंघ † १०. किसोरसिंघ ११. जोरावरसिंघ १२. सीभुसिंघ १३. किसनसिंघ १४. रामनाथसिंघ १५. हरीसिंघ १६. सादूलसिंघ १७. बेरीसाल			
गांव डोडवाडो—	१५००)	१५००)	परबतसर	
पीढ़ियों—:	९. सुखरूपसिंघ-भोजराजोत ^३ १०. केसरीसिंघ ११. साहेबसिंघ १२. सिवदानसिंघ १३. रतनसिंघ १४. अनाडसिंघ			
गांव जूसरीयो—	३०००)	३०००)	परबतसर	
पीढ़ियों—:	९. विजेसिंघ-भोजराजोत ^४ १०. अजबसिंघ ११. सवाईसिंघ (मेड़ते काम आयो) १२. अचलसिंघ १३. जवानसिंघ १४. मगलसिंघ			
गांव तोसीणो—	६०००)	५५००)	परबतसर	
„ रोहा	२०००)	२०००)	„	
„ साधीया	१५००)	१५००)	„	
पीढ़ियों—:	७. अदेभाण-गिरधरदासोत ^५ ८. किलयाणदास ९. मोकमसिंघ * १०. भीवसिंघ ११. सूरजभाण § १२. देवसिंघ १३. अभेसिंघ १४. रुघनाथसिंघ १५. बखतावरसिंघ			

† खडेला रा राजा रे मामा भुवा रो थो सु खडेला बाळां रे नवाव सु भगडो हुवो जठे काम आयो ।

* काम आयो मेड़ते पातसाह री फौज सु भगडो हुवो जठे सवत् १६६७ रा पौस वद ८ ने ।

‡ काम आयो दिखणीया री राठ में सवत् १८२२ रा फागण सुद १५ ।

१. ठि खीदपुरो के (९) ठाकुर अखेसिंघ का पुत्र ।

२. ठि. बडू के (७) ठाकुर गदाधर का पुत्र ।

३. ठि, विदीयाद के (८) ठाकुर भोजराज का पुत्र ।

४. ठि विदीयाद के (८) ठाकुर भोजराज का पुत्र ।

५. ठि बडू के (६) ठाकुर गिरधरदास का पुत्र ।

खांप विठलदासोत मेड़तीया

२. दूदो-जोधावत ३. वीरम-दूदावत ४. जैमल-वीरमोत ५. विठलदास रा वंश रा वीठलदासोत कहीजै

विठलदासोत मेड़तीयां रा ठिकाणां री विगत—

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव नीबी खास—	१५००)	१५००)	दौलतपुरो	
„ अ्रेवाद	१५००)	१५००)	नागोर	- आधी
पीढिये—:	६. विहारीदास-वीठलदासोत	७. वनमालीदास	८. आईदान	९. जगतसिंघ
	१०. फतेसिंघ	११. सूरतसिंघ	१२. लिछमणसिंघ	१३. साहवसिंघ
	१४. रणजीतसिंघ			

गांव लुणसरो — ३०००) ३०००) नागोर आधी

पीढिये—: ११. विसनसिंघ-फतैसिंघोत^१ १२. सिवसिंघ १३. भेरूसिंघ १४. सावतसिंघ

गांव ईंग्योर— ४०००) ४०००) नागोर

पीढिये—: १०. अखैसिंघ-जगतसिंघोत^२ ११. भीवसिंघ १२. सादुलसिंघ
१३. लूणकरण १४. कुसलसिंघ १५. नदसिंघ

खांप किलाणदासोत मेड़तीया—

२. दूदो-जोधावत ३. वीरम-दूदावत ४. जैमल-वीरमोत ५. किलाणदास रा वसरा किलाणदासोत मेड़तीया कहीजै

गांव कला रौ वास— १०००) १०००) मेड़ता तिणने पचरांडो कहे छे

पीढिये—: ६. स्यांसिंघ-किलाणदासोत ७. गोकलदास ८. अणदसिंघ ९. हीदुसिंघ
१०. भवानीसिंघ ११. देवीसिंघ १२. जीवणसिंघ १३. नदसिंघ

खांप दुवारकादासोत मेड़तीया—

२. दूदो-जोधावत ३. वीरमदेव-दूदावत ४. जैमल-वीरमोत ५. दुवारकादास तिण रा वंस रा दुवारकादासोत मेड़तीया कहीजै

दुवारकादासोत मेड़तीयां रा ठिकाणां री विगत—

गांव वछ्यारी— ३०००) ३०००) नागोर आसामी २ रे

१. ठि नीबीखास के (१०) ठाकुर फतैसिंह का पुत्र ।

२. ठि. " " " (९) " जगतसिंह का पुत्र ।

पांती ग्राध में—

पीढ़ियों—: ६. सुंदरदास-दुवारकादासोत ७. हिरदेराम ८. जगतसिध ९. जोधसिध
१०. फतेसिध ११. लिच्छमणसिध १२. अरजनसिध

पांती ग्राध में—

पीढ़ियों—: १०. सिवसिध-जोधसिधोत^१ ११. देवीसिध १२. जवारसिध

खांप विसनदासोत मेड़तीया—

२ दूदो-जोधावत ३. वीरमदेव-दूदावत ४. जैमल-वीरमोत ५. किलाणदास-जैमलोत
- ६. विसनदास-किलाणदासोत, विसनदास रा वस रा विसनदासोत मेड़तीया कहीजें ।

विसनदासोत मेड़तीयां री ठिकाणां री विगत—

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव खोड़ खास—	६०००)	६०००)	गोढवाड	
„ पादरडी	४००)	४००)	„	
„ ठाकुरला	५००)	५००)	„	ग्राधी
„ किलाणसिध रो गुढो	} ६००)	} ६००)	„	
„ सोनगरां रो गुढो				
कुल रेख	१०५००)	१०५००)		

पीढ़ियों—: ७. राजसिध-विसनदासोत ८. माघोदास ९. किलाणसिध १०. सुरजमल
११. सेरसिध १२. ऊमेदसिध १३. बखतसिध १४. चेनसिध १५. जसवतसिध
१६. जोरावरसिध १७. रणजीतसिध

गांव अमरपुरो	२०००)	२०००)	डीडवाणो
„ दागऊ	२०००)	२०००)	नागोर

पीढ़ियों—: ८. नारखान-राजसिधोत^२ ९. किसनसिध † १०. बलराम ११. सिवसिध
१२. भोमसिध १३. पदमसिध १४. प्रभुराम १५. प्रतापसिध १६. ईंदरसिध

१ ठि. बछ्यारी के (पहली पाती) के (६) ठाकुर जोधसिह का पुत्र ।

† काम आयो खड़वाटी री घाटी माहाराज श्री जसवंतसिधजी री बखत मे सवत् १७३५ री पौस वद ६ ।

२ ठि. खोड़ खास के (७) ठाकुर राजसिह का पुत्र ।

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव बोरुंदो—	५०००)	५०००)	मेड़ता	
,, कछवाई री वासणी	१२५०)	१२५०)	,,	आधी
कुल रेख	६२५०)	६२५०)		

पीढियें—: ७. गोकुलदास † वीसनदासोत † गोपीनाथ § ९. प्रतापसिंघ १०. सुरतसिंघ
११. जेतसिंघ १२. सायवसिंघ १३. वदनसिंघ* १४. गोपालसिंघ १५. जैसिंघ
१६. फतेसिंघ

गाँव तामडोली— ३२००) ३२००) मेड़ता आसामी २ रे

पांती अक आध में—

पीढियें— ९. जसकरण-गोपीनाथोत^१ १०. रामचदर ११. लालसिंघ १२. हीदुसिंघ
१३. अरजनसिंघ १४. भोपालसिंघ १५. केसरीसिंघ

पांती दूजी आध में—

पीढियें—: † लाडखान-गोकुलदासोत^२ ९. सांवतसिंघ १०. सिरदारसिंघ
११. जालमसिंघ १२. फतेसिंघ १३. भवानीसिंघ १४. मेहतावसिंघ

गाँव वरणो— २०००) २०००) मेड़ता

पीढियें—: १०. रामचंदर-जसरणोत^३ ११. जोरावरसिंघ १२. कनीराम
१३. गुलावसिंघ १४. सिवनाथसिंघ १५. हुकमसिंघ १६. वखतावरसिंघ

गाँव चौसली— २०००) २०००) नागोर

पीढियें—: ११. लालसिंघ-रामचदोत^४ १२. जोधसिंघ † १३. लखधीरसिंघ

† गोकुलदास को यह गाव सवत् १६८० मे मिला, तथा यह सवत् १६८४ में भगवानदास वाघोत के शामिल गढी में काम आया ।

§ यह संवत् १७१४ मे उज्जैन के युद्ध मे काम आया ।

* वदनसिंघ और काको सुरजमल संवत् १८४७ रा भादवा सुद २ भोम मेड़ते, सिंधिया माधोराव रे भगडो हुवो तरे काम आया ।

† काम आयो संवत् १८१७ में वीलाडे चापा वता सुं भगडो हुवो जठे ।

१ ठि बोरु दा के (†) ठाकुर गोपीनाथ का पुत्र ।

२. ठि. ,, '७) ,, गोकुलदास का पुत्र ।

३ ठि तामडोली (पाती एक) के (९) ठाकुर जसकरण का पुत्र ।

४. ठि वरणो के (१०) ठाकुर रामचदर का पुत्र ।

१४. पाहाड़सिंघ १५. अमानसिंघ

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव जगडवास—	२५००)	२५००)	मेड़ता	

पीढियें—: ८. भीवराज-गोकलदासोत्^१ ९. अचलदास† १०. अनोपसिंघ
 ११. जेतसिंघ १२. सालमसिंघ १३. दुरजणसिंघ १४. बेरीसाल
 १५. चुतरसिंघ

गाँव तिलांगेस—	४०००)	४०००)	मेड़ता	
----------------	-------	-------	--------	--

पीढियें—: ११. जोरावरसिंघ-अनोपसिंघोत्^२ १२. सीभुसिंघ १३. ग्यांसिंघ
 १४. सादुलसिंघ १५. अनाडसिंघ

गाँव मयापुर—	२५००)	२५००)	मेड़ता	आधो
--------------	-------	-------	--------	-----

पीढियें—: ११. सिरदारसिंघ-अनोपसिंघोत्^३ १२. अभेसिंघ १३. अगर्सिंघ
 १४. ऊगमसिंघ १५. भूरसिंघ

गाँव मीदीयान—	३२००)	३२००)	मेड़ता	आसामी २ रे
---------------	-------	-------	--------	------------

पांती अक आध में—

पीढियें—: ९. हरीसिंघ-भीवराजोत्^४ १०. ईनदरसिंघ ११. नवलसिंघ १२. सायबसिंघ
 १३. कोजूराम १४. भेरुसिंघ १५. सैतानसिंघ

पांती दूजी आध में—

पीढियें—: ९. बलराम-भीवराजोत्^५ १०. सिवसिंघ ११. बाहादरसिंघ
 १२. सवाईसिंघ १३. मोतीसिंघ १४. चुतरभुज १५. सावतसिंघ

गाँव चुवो—	४०००)	४०००)	नागोर	
------------	-------	-------	-------	--

पीढियें—: १०. सिरदारसिंघ-हरीसिंघोत्^६ ११. तेजसिंघ १२. किसोरसिंघ
 १३. गुलाबसिंघ १४. मेहतावसिंघ

† काम आयो गढ कुंडारो १

१. ठि. वोहंदा के (७) ठाकुर गोकुलदास का पुत्र ।
२. ठि जगडवास के (१०) ठाकुर अनोपसिंह का पुत्र ।
३. ठि जगडवास के (१०) ठाकुर अनोपसिंह का पुत्र ।
४. " " (८) " भीवराज का पुत्र ।
५. " " (८) " " " ।
६. ठि मिदीयान के (९) ठाकुर हरीसिंह का पुत्र ।

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव राजलियावास—	१२५०)	१२५०)	मेड़ता	

पीढिये—: १०. वखतसिंघ-हरीसिंघोत^१ ११. मोहवतसिंघ १२. भावसिंघ
१३. भवानीसिंघ १४. सुमेलसिंघ

खांप गोपीनाथोत मेड़तीया—

२. दूदो-जोधावत ३. चीरमदेव-दूदावत ४. प्रतापसिंघ † ५. गोपालदास ६. किसनदास
७. दुरजणसाल ८. गोपीनाथ रा वस रा गोपीनाथोत मेड़तीया कहीजै

गोपीनाथोत मेड़तीयां रा ठिकाणां री विगत—

गांव घाणोराव खास—	७५००)	७५००)	गोढवाड
„ ईट दडो	१५००)	१५००)	„
„ किसनपुरो	१५००)	१५००)	„
„ नीयड	११००)	११००)	„
„ गुढो मेछनो	११००)	११००)	„
„ ढालोप	१५००)	१५००)	„
„ मांगलीयां रो गुडो	२१००)	२१००)	„
„ राजपुरो	४०००)	४०००)	„
„ विरमपुरो	१४००)	१४००)	„
„ मेघा रो गुडो	६००)	६००)	„
„ भगवानपुरो	३०००)	३०००)	„
„ कोटडी	१७००)	१७००)	„
„ रामा रो गुडो	१७००)	१७००)	„
„ छीडां	१५००)	१५००)	„
गांव नादाणो वडो—	१०००)	१०००)	„
„ जाटा रो गुडो	१०००)	१०००)	„
„ पदम पुरो	१५००)	१५००)	„
„ नालोलाई	१५००)	१५००)	„
„ कोटवालियां	२०००)	२०००)	„
„ करेलि	१०००)	१०००)	„

† यह चित्तौड़ के युद्ध मे सवत् १६२६ मे काम आया ।

१. ठि मिदीयान के (६) ठाकुर हरीसिंह का पुत्र ।

गाँव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
,, लाटाडो	१०००)	१०००)	गोढवाड	
,, हुदापुरो	५००)	५००)	,,	
,, गुडो किलाणसिंघ रो	३००)	३००)	,,	
,, सावलतो	१७५०)	१७५०)	,,	
,, रूपसिंघ रो गुडो	७००)	७००)	,,	
,, नवो गुडो	१५००)	१५००)	,,	
,, नाडोल	४०००)	४०००)	,,	
,, गोहाडो	१४००)	१४००)	,,	
,, रखी	५००)	५००)	,,	
,, डायलाणो	१०००)	१०००)	,,	
,, पाटीयारो गुडो	७००)	७००)	,,	
,, साहाराम को गुडो	१०००)	१०००)	,,	
,, भाडोकड़	२४००)	२४००)	,,	
,, बडेल	५००)	५००)	,,	
,, दुदोड	७५०)	७५०)	,,	
,, पुनाडीयो	२०००)	२०००)	,,	
,, चानाणा रो गुडो	३००)	३००)	,,	
,, केसरीसिंघ रो गुडो	४५०)	४५०)	,,	
,, अडसीपुरो	१०००)	१०००)	,,	
,, पादरडी	३००)	३००)	,,	

पीढ़ियें—: ६. सूरतसिंघ-गोपीनाथोत १०. प्रतापसिंघ ११. पदमसिंघ १२. किसनसिंघ
१३. वीरमदेव १४. दुरजणसिंघ १५. अजीतसिंघ १६. नाहारसिंघ
१७. हिम्मतसिंघ १८ जोधसिंघ

गाँव चांगोद खास—	६०००)	६०००)	गोढवाड
,, चागवो	१६००)	१६००)	,,
,, ऊमारो गुडो	१६००)	१६००)	,,
,, वालोलाई	२५००)	२५००)	,,
,, भाचुदी	१४००)	१४००)	,,
,, ऊदेलान	१०००)	१०००)	,,
,, डोलारो गाँव	६००)	६००)	,,
,, वीठोरो	३२००)	३२००)	,,
,, कीरवो	३२००)	३२००)	,,

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
„ नवो गाँव	२५००)	२५००)	गोढवाड	
„ लापोद	१२००)	१२००)	„	
„ साकदडो	७००)	७००)	„	
„ वड गाँव	३०००)	३०००)	„	
„ लीचावो	२२००)	२२००)	„	
„ खीमेल	६०००)	६०००)	„	
„ मुगघडो	५००)	५००)	„	
„ किसनपुरो	रेख नहीं	—	„	
„ अभेपुरो	रेख नहीं	—	„	
„ धुणी	२०००)	२०००)	„	
„ खारडो	१६००)	१६००)	„	
„ वावा गाँव	१६००)	१६००)	„	
„ डुंगलि	१०००)	१०००)	„	
गाँव कोसेलाव—	१०००)	१०००)	„	
„ विसनपुरो	रेख नहीं	रेख नहीं	„	
„ वाघणो	„	„	„	
„ दीलतपुरो	„	„	„	
„ भावनगर	„	„	„	

पीढिये—: ९. अनोपसिंघ-गोपीनाथोत १०. सिवसिंघ ११. विसनसिंघ § १२. तेजसिंघ
 १३. जसवंतसिंघ १४. लिछमणसिंघ १५. किसोरसिंघ

गाँव बरकाणो—	३५००)	३५००)	
„ सादलवो	१७००)	१७००)	
„ टीपरी	२००)	२००)	
„ प्रीथीराज रो गुडो	३०००)	३०००)	
„ खीवां रो गुडो	२५०)	२५०)	
„ ओडवाडीयो	१०००)	१०००)	
„ खांगडी	१०००)	१०००)	
„ ओलाणी	१८५०)	१८५०)	
„ भीवा रो गुडो	रेख नहीं	रेख नहीं	

§ विमनसिंह मेड़ता में संवत् १८४७ भादवा सुद २ को मरहठों से लडकर काम आया ।

पीढियें— ६. अर्भेसिंघ-गोपीनाथोत १०. हरीसिंघ ११. सुरजमल १२. सीभुसिंघ
१३. प्रीथीसिंघ १४. रणजीतसिंघ १५. ऊमेदसिंघ

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव फालगो—	३७५०)		गोढवाड	
„ चावडेरी	१०००)		„	
„ चैनपुरो	०)	०)	„	रेख नही
„ बीलीयो	७००)		„	
„ राणी गांव खुरद	१०००)		„	
„ दातीवाड़ो	१७५०)		„	
„ वडली	७००)		„	
„ अलाणी	१८५०)		„	
„ अखेराज रो गुढो	३००)		„	
		—————		
		५८००)		

पीढियें—: १४. वखतावरसिंघ-प्रीथीसिंघोत^१ १५. वभूतसिंघ

गांव सीदरड़ी— २०००) २०००) गोढवाड

पीढियें—: ६ हिमतसिंघ-गोपीनाथोत १०. सगरामसिंघ ११. जेतसिंघ
१२. मोहकमसिंघ १३. जीवराज १४. कुसलसिंघ

खांप चांपावत

१. रिडमल रौ चापी ।

२. चापी रिडमलोत तिण रा वंस रा चापावत कहीजें ।

खांप-सगतसिंघोत चांपावत

२. चापो ३. सगतसिंघ तिण रा वस रा सगतसिंघोत चापावत कहीजें ।

सगतसिंघोतां रां ठिकाणां री विगत

गांव दासांगीयो— ४५०) ४५०) गढ जोधपुर

पीढियें—: ४. देईदास-सगतसिंघोत ५. भवानीदास ६. किलाणदास ७. आसकरण
८. वेणीदास ९. विजेसिंघ १०. गजसिंघ ११. लालसिंघ १२. जोरावरसिंघ
१३. दलसिंघ १४. चीमनसिंघ १५. ऊमेदसिंघ १६. केसरीसिंघ

१. ठि. वरकाणा के (१३) ठाकुर पृथ्वीसिंह का पुत्र ।

खांप रांमसिघोत चांपावत

२. चापो ३. भेरूदास चापावत ४. रांमसिघ तिण रा वप रा रामसिघोत कहीजै ।

रांमसिघोतां रा ठिकाणां री विगत

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव देवकी—	१०००)	१०००)	जालोर	आसामी २ रे

पांती आध में—

पीढिये—: ५. छतरसाल-रामसिघोत ६. किलाणदास ७ नेतसी ८. गोयददास
९. गोकलदास १०. देवसिघ ११. जसकरण १२. आईदान (खोळ)
१३. धनराज १४. हीदुसिघ १५. रामकिसन १६. सादुलसिघ

पांती आध में—

पीढिये—: १०. अनोपसिघ-गोकलदासोत^१ ११. हरकिसन १२. जवानसिघ
१३. दुरजणसिघ

गाँव चोराऊ— १०००) १०००) जालोर

पीढिये—: ९. मोहकमसिघ-गोयददासोत^२ १०. अणदसिघ ११. सुरताणसिघ
१२. दलेलसिघ १३. गुमानसिघ १४. करणसिघ १५. वभूतसिघ

गाँव थलवाड— १२५०) ७५०) जालोर आधो

पीढिये—: १०. केसरीसिघ-मोकमसिघोत^३ ११. कचरदास १२. जोरावरसिघ
१३. गुमानसिघ १४. सगरामसिघ

गाँव मोदरां— १०००) १०००) जालोर आधी

पीढिये—: १२. वाघसिघ-कचरदासोत^४ १३. सिवनाथसिघ

गाँव मांकणी— ५००) ५००) जालोर जवत

पीढिये—: १०. खीवराज-मोकमसिघोत^५ ११. जवानसिघ १२. भगवतसिघ

१. ठि. देवकी (पहली पाती) के (९) ठाकुर गोकुलदास का पुत्र ।

२. ठि. " " (८) " " गोयददास का पुत्र ।

३. ठि. चोराऊ के (९) ठाकुर मोकमसिह का पुत्र ।

४. ठि. थलवाड के (११) ठाकुर कचरदास का पुत्र ।

५. ठि. थलवाड के (९) ठाकुर मोकमसिह का पुत्र ।

गाँव	रेख कदीम	हमार भरे	परगनां	वशेष
गाँव लोदराऊ—	१००८)	१०००)	जालोर	
, मोकमपुरी	१०००)	१०००)	गोडवाड	
पीढियें—: १०. जू जारसिध-मोकमसिधोत ^१			११. हरीसिध	१२. हेमसिध
	१३. मुकनसिध १४. जगत्सिध			
गाँव लुहर—	२०००)	१५००)	जालोर	जव्त हुकम नावा मे
पीढियें—: ११. वखतसिध-जू जारसिधोत ^२			१२. नाहरसिध	१३. अर्भेसिध
	१४. प्रतापसिध १५. मगलसिध			
गाँव सकराणो—	१५००)	१०००)	जालोर	
पीढियें—: १०. अणदसिध-मोकमसिधोत			११. लाडखान १२. फतेसिध	१३. नाथुसिध
	१४. वनेसिध १५. तेजसिध			
गाँव तालियाणो—	१०००)	७००)	जालोर	
पीढियें—: ११. सूरतसिध-अणदसिधोत ^३			१२. ऊमेदसिध	१३. सेरसिध
	१४. ओनाडसिध १५. प्रतापसिध १६. लखसिध			
गाँव जेरसीण—	२०००)	६००)	जालोर	
पीढियें— ११. रिणछोडदास-अणदसिधोत ^४			१२. मेगराज	१३. पदमसिध
	१४. भोमसिध १५. विजेसिध			
गाँव खानपुर—	१०००)	६००)	जालोर	
पीढियें— ६. भगवानदास-छतरसालोत ^५			७. हरदास ८. जसकरण ९. जगनाथ	
	१०. सावतसिध ११. लालसिध १२. गुमानसिध १३. हणवतसिध			

खांप जगमालोत चांपावत

पीढियें— २ चापो ३. भैरुदास ४ जेसो ५ जगमाल (जेमावत रा वस रा जगमालोत कहीजै)

जगमालोत- चांपावत रा ठिकांणां री विगत

- १ थलवाड के (२) ठाकुर मोकमसिध का पुत्र ।
 २ ठि. लोदराऊ के (१०) ठाकुर जू जारसिध का पुत्र ।
 ३ ठि. सकराणे के (१०) ठाकुर अणदसिध का पुत्र ।
 ४. ठि. सकराणे के (१०) ठाकुर अणदसिध का पुत्र ।
 ५. ठि. देवकी के (५) ठाकुर छतरसिध का पुत्र ।

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव डाहोली—	१०००)	१०००)	नागोर	आधी
पीढिये—:	६. सावलदास-जगमालोत	७. माधोसिंघ	८. हरीदास	९. कनीराम
	१०. लाडखान	११. सिवदानसिंघ	१२. भावसिंघ	१३. वनेसिंघ
	१४. जवानसिंघ	१५. जैतसिंघ		

गाँव टाटरवो—	१०००)	५००)	नागोर	
पीढिये—:	७. ऊर्दसिंघ-सावलदासोत ^१	८. मोहणदास	९. फतेसिंघ	१०. हीदुसिंघ
	११. दुरगदास	१२. गजसिंघ	१३. ईदरसिंघ	१४. सगतीदान

गाँव सुखवासणी—	३३३-)	३३३-)	मेडतो	तीजी पाती
पीढिये—:	८. घनराज-ऊर्दसिंघोत ^२	९. अखेराज	१०. केसरीसिंघ	११. हरनाथसिंघ
	१२. ऊमेर्दसिंघ	१३. अमानसिंघ	१४. सिवनाथसिंघ	१५. ऊरजणसिंघ

खांप गोयंददासोत चांपावत

पीढिये—: २. चांपो ३. भेरूदास ४. जेसो ५. गोयददास तिण रा वस रा गोयददासोत कहीजे ।

गोयंददासोत चांपावतां रा ठिकाणां री विगत

गाँव खुडालो—	४०००)	३०००)	गोढवाड	खेडा २
„ वासणी	५०००)	३०००)	सोजत	
कुल रेख	९०००)	६०००)		
पीढिये—:	६. खीवकरण-गोयददासोत	७. लूणकरणा	८. महासिंघ	९. नारखान
	१०. हठीसिंघ	११. अर्भेसिंघ	१२. जालमसिंघ	१३. खुमाणसिंघ
	१४. सालमसिंघ	१५. केसरीसिंघ		

गाँव भेटवाडो—	१५००)	१५००)	गोढवाड	
„ सीरोल	३००)	२००)	„	
कुल रेख	१८००)	१७००)		

पीढिये—: १५. कुसालसिंघ-सालमसिंघोत^३

१. ठि. डाहोली के (६) ठाकुर सावलदास का पुत्र ।

२. ठि. टाटरवो के (७) ठाकुर ऊर्दसिंघ का पुत्र ।

३. ठि. खुडालो के (१४) ठाकुर सालमसिंघ का पुत्र ।

खांप हरभाणोत चांपावत

पीढियें—: २. चापो ३ भेरूदास ४. जेसो ५. जैतमाल ६. हरभाण (हरभाण जैतमालोत रा वस रा हरभाणोत चांपावत कहीजै ।)

हरभाणोत चांपावतां रा ठिकाणां री विंगत

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव मालगढ—	२०००)	२०००)	जोधपुर	
„ ढीढस	३७५०)	३७५०)	„	
कुल रेख	५७५०)	५७५०)		

पीढियें—: ७. मनोहरदास-हरभाणोत ८. गिरधारीदास ९. हरनाथ १०. अचलदास
११. वखतावरसिंघ १२. सुलतानसिंघ १३. रुधनाथसिंघ १४. विसनसिंघ
१५. रामदानसिंघ १६. जीवराज

दुवारकादासोत मेड़तीयां रा ठिकाणां री विंगत

गाँव नवंध— २०००) २०००) मेड़ता खेडा ३

पीढियें—: ७ मोहणदास-हरभाणोत ८. केसरीसिंघ ९. महासिंघ १०. रतनसिंघ
११. रामसिंघ १२. जोधसिंघ १३. किसनसिंघ १४. चुतरभुज १५. अजीतसिंघ

गाँव सोवणीयो— १८७११) १८७११) सोजत पाती चोथी

पीढियें—: ७ नरहरसिंघ-हरभाणोत ८. हरीदास ९. सरूपसिंघ १०. राजसिंघ
११. लालसिंघ १२. मानसिंघ १३. जीवणसिंघ १४. नराणसिंघ
१५. कनौराम १६. भवानीसिंघ

खांप केसोदासोत चांपावत

पीढियें—: २. चापो ३ भेरूदास ४. जेसो ५. माडण ६. केसोदास माडणोत
रा वस रा केसोदासोत चांपावत कहीजै ।

केसोदासोत चांपावतां रा ठिकाणां री विंगत

गाँव कावतरां— २५००) १०००) जालोर

पीढियें—: ७. नाराणदास-केसोदासोत ८. आसकरण ९. प्रतापसिंघ १०. केसरीसिंघ
११. दौलतसिंघ १२. सिरदारसिंघ १३. वखतसिंघ १४. रतनसिंघ

गाँव सांगढढ— १०००) १०००) जालोर

पीढिये— ९. मुकनदास-आसकरणोत^१ १०. ईसरीसिघ ११. सवाईसिघ
१२. जवानसिघ १३. वीरमदेव

खांप रायसिघोत चांपावत

पीढिये— २. चापो ३. भेरूदास ४. जेसो ५. माडण ६. रायसिघ माडणोत तिण
रा वस रा रायसिघोत चांपावत कहीजै ।

रायसिघोत चांपावतां रा ठिकाणां री विगत

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव धानणी—	१०००)	१०००)	जालोर	

पीढिये—: ७. डुगरसिघ-रायसिघोत ८. हरीसिघ ९. सुरतसिघ १०. सिवदानसिघ
११. प्रतापसिघ १२. अखेसिघ १३. मालमसिघ १४. नवलसिघ १५. पेमसिघ

खांप रायमलोत चांपावत

पीढिये—: २. चापो ३. भेरूदास ४. भीवराज ५. महेसदास ६. जसुतसिघ ७. रायमल
जसुतसिघोत, रायमल तिण रा वस रा रायमलोत चांपावत कहीजै ।

रायमलोत चांपावतां रा ठिकाणां री विगत

गाँव सिणाला —	२५००)	२५००)	जोधपुर
---------------	-------	-------	--------

पीढिये—: ८. फतेसिघ-रायमलोत ९. हाथीसिघ १०. माहासिघ ११. जोरावरसिघ
१२. खूमाणसिघ १३. रतनसिघ १४. बलवंतसिघ

खांप वीठलदासोत चांपावत

पीढिये —: २. चापो-रिडमलोत ३. भेरूदास-चांपावत ४. जेसो-भेरूदासोत ५. माडण-
जेसावत ६. गोपालदास-माडणोत ७. वीठलदास-गोपालदासोत, वीठलदास तिण रा
वस रा वीठलदासोत चांपावत कहीजै ।

वीठलदासोत चांपावतां रा ठिकाणां री विगत

गाँव पोहकरणा —	१३६२५)	१३६२५)	जोधपुर	खेडा ७
„ वडली	१२५)	१२५)	„	
„ खारारा	३०००)	३०००)	„	खेडा ४
गाँव रोगघडो—	४४०)	४४०)	जोधपुर	

१. टि. कावतरा के (८) ठाकुर आसकरण का पुत्र ।

गाँव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
१) भीयां भोजारो	४५०)	४५०)	जोधपुर	
२) चाचाविग	५००)	५००)	"	
३) कोलंबो	१८८)	५०)	"	
४) वामगुवाडो	१२५०)	१२५०)	"	
५) साकडो	६२)	६२)	"	
६) सीनावरी	१६३)	१६३)	"	
७) बोडी	१२५)	१२५)	"	
८) राखडा	५०)	५०)	"	
९) भाखरी	६३)	६३)	"	
१०) छाथण	१२५०)	१२५०)	"	
११) रोहवो	१८७)	१८७)	"	
१२) आवल	१८८)	१८८)	"	
१३) राठोडांवास	२००)	२००)	"	
१४) भाकी	६३)	६३)	"	
१५) वाधवो	६३)	६३)	"	
१६) गीडामणी	१२५)	१२५)	"	
१७) गोठ मेणा	१२५)	१२५)	"	
१८) दुदपीजो	२५०)	२५०)	"	
१९) ऊनावड	६२)	६२)	"	
२०) लावो	१३३)	१३३)	"	
२१) बुडीयावास	५०००)	५०००)	"	
२२) घाट सुलतान रो	१२५०)	१२५०)	"	खेडा ५
२३) मावो	५००)	५२५)	"	
२४) माधवो	१२५)	१२५)	"	
२५) जेर्सिंग रो वास	१३१०)	१३१०)	"	
२६) जालर रो वास	१८७)	१८७)	"	
२७) गाँव खेडी	२८०)	२८०)	"	
२८) खारडी	२८०)	२८०)	"	
२९) गोमट	१२५०)	१२५०)	"	
३०) भीलवो	२५०)	२५०)	"	
३१) वीलीयो	२५०)	२५०)	"	
३२) चानणी	१२५)	१२५)	"	
३३) रातडीयो	१२५)	१२५)	"	

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
,, जालेवाडो	१२५०)	१२५०)	जोधपुर	
,, चीकु	१२५)	१२५)	,,	खेड़ा २
,, गुलरोई	३१३)	३१३)	,,	
,, तीलावा	१२५)	१२५)	,,	
,, सिरदारसिंघ री ढाणी	६२)	६२)	,,	
,, भीखोडाई	१८०)	१८०)	,,	
,, गोमठ दुजी	१२५)	३१३)	,,	
,, सनावडो	२००)	२००)	,,	
,, गुडो	१२५)	१२५)	,,	
,, पचवदरीयो	६५०)	६५०)	,,	
,, खातोलाई	६५०)	६५०)	,,	
,, दांतल	६२)	६२)	,,	
,, ढढुवामो	३१३)	३१३)	,,	वास ५
,, गोडी	१७३)	१७३)	,,	
,, टटारी	३१३)	३१३)	,,	
,, देडीयो	७६)	७६)	,,	
,, वांमणाऊ	१०००)	१०००)	,,	
,, कालर जुगारी	२५०)	२५०)	,,	
,, वडली	८००)	११२५)	,,	खेड़ा ३
,, सारसेण	२००)	२००)	,,	
,, सदा रो वास	२००)	२००)	,,	
,, गाँव माडवो	१२५)	१२५)	,,	जोधपुर
,, होटडी	६३)	६३)	,,	
,, करणीयो	१८६)	१८६)	,,	
,, वागोडो	१८६)	१८६)	,,	
,, सारवो	३००)	३००)	,,	
,, जालरीयो	३००)	३००)	,,	
,, ऊटडी	६२)	६२)	,,	
,, वामणु	१०००)	१०००)	,,	
,, नावो			,,	
,, तोलावरो	१२५)	१२५)	,,	
,, माही			,,	
,, भादवी	८७५०)	८७५०)	,,	मेहला २
,, माडवो (पटा रो)	१२५)	१२५)	,,	

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
„ भाडाला	१२५)	१२५)	जोधपुर	
„ घुडसर	१०००)	१०००)	„	
„ जालारीयो	१३१०)	१३१०)	„	
„ जसवत पुरो	६२५)	६२५)	„	
„ कालाईयो	१०००)	१०००)	„	
„ मडलो	१८५०)	१८५०)	„	
„ कीसमणी	६३)	६३)	„	
„ ओढण रो वास	१४३७)	१४३७)	„	
„ शेको	१२५०)	१२५०)	„	
„ बलाणो	१८८)	१८८)	„	
„ वरकाणो	३१२)	३१२)	„	
„ जावरो	६३)	६३)	„	
„ जालोडो				
„ रुदीयो	१६००)	१६००)	„	
„ लोहावो				
„ वारेणी वडी	५००)	५००)	„	
„ रातडीयो	१५०)	१५०)	„	
„ रतना रो वास				
„ पादडीयो	१२५)	१२५)	„	
„ भणीयाणो	१२५०)	१२५०)	„	
„ खेतपाली				
„ रामदेवरो	८७५०)	८७५०)	„	
„ मजल	५५४०)	७५००)	सिगाणो	
„ ठाकुरवास	१२५०)	—	„	
„ करमावास	५०००)	६५००)	„	
„ दूदारोवाडो	२५००)	३०००)	„	
„ पाता रो वाडो	२०००)	२०००)	„	
„ गरटीयो	४०००)	२५००)	„	
„ रोईचो वजे	१५००)	१५००)	„	
„ गनेई	१०००)	८००)	„	
„ रामपुरो	८००)	१२००)	„	
„ भलजों रो वाडो	३०००)	२१००)	„	
„ कमारो वाडो	१३००)	११००)	„	
„ टेरा रो वाडो	१००)	१००)	„	
„ पुनाडा	४१००)	४५००)	„	

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
„ तीर जालियो	३७५)	५००)	जोधपुर	
„ चीरडीयो	४००)	४००)	„	
„ ऊत्तसी	१०००)	६००)	„	
„ जेसावास	४००)	३००)	„	

पीढिये—: ८. जोगीदास-बीठलदासोत ९. भगवानदास १०. माहासिध ११. देवीसिध
१२. सबलसिध १३. सवाईसिध १४. सालमसिध १५. वभूतसिध (खोळ)
१६. गुमानसिध १७. मगलसिध (खोळ)

गाँव दासपां—	५०००)	५०००)	जालोर
„ रुछीयाली	२०००)	२०००)	„
„ गजनीपुरो	१०००)	१०००)	„
„ रोहीपो	५००)	५००)	„
„ निरता	१०००)	१०००)	„
„ कुसालपुर	१०००)	१०००)	„
„ आसोवडी	१०००)	१०००)	„
„ कमालपुरीयो	१०००)	१०००)	„
„ कोडी	१०००)	१०००)	„
„ वागरो	६०००)	५०००)	„
„ कोरो	२०००)	२०००)	„
„ घडसी	६०००)	०)	साचौर
„ वड गाँव	५०००)	५०००)	मेडता

पीढिये—: १०. प्रतापसिध-भगवानदासोत^१ ११. अनोपसिध १२. दौलतसिध
१३. सिवदानसिध १४. ऊदेराज १५. सादुलसिध १६. अनाडसिध
१७. सिरदारसिध १८. भैरूसिध

गाँव साचीदर— १५००) ११००) जालोर

पीढिये—: १७. लालसिध-अनाडसिधोत^२ १८. अचलसिध

गाँव आतांगो— ३०००) ३०००) जालोर

पीढिये—: १४. सुरतसिध-सिवदानसिधोत^३ १५. सायवसिध १६. लखसिध १७. घुडसिध

१. ठि. पीकरण के (६) ठाकुर भगवानदास का पुत्र ।

२. ठि. दासपा के (१६) ठाकुर अनाडसिह का पुत्र ।

३. „ „ „ (१३) „ „ „ „ ।

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव खींवाडो—	१००००)	७०००)	गोढवाड़	
„ वीरभाण रो गुडो	२००)	०)	„	
	-----	-----		
	१०२००)	७०००)		
„ गाँव वागडीयो	१६५०)	१६५०)	जोधपुर	
„ बालेलाव	७५०)	७५०)	„	
„ जवेडीया	११२५)	११२५)	„	
„ दयालपुरो	१५००)	१५००)	„	
„ भांगेसर	२०००)	२०००)	सोजत	
„ जवासर	२०००)	२०००)	„	
	-----	-----		
	१६२२५)	१६०२५)		

पीढियेँ— ८ लखधीरसिंघ-वीठलदासोत ९. अखैराज १०. राजसिंघ ११. पेमसिंघ
१२. जगतसिंघ १३. नवलसिंघ १४ ग्यानसिंघ १५ गजसिंघ १६. हुमीरसिंघ
१७. अजीतसिंघ १८. गुमानसिंघ

गाँव दुदोड—	२०००)	२०००)	सोजत
„ रूपसिंघ रो गुडो	२०००)	२०००)	„
„ रामावास	२०००)	२०००)	„
„ पातुवास	१०००)	१०००)	„

पीढियेँ—: १२ सगरामसिंघ-पेमसिंघोत^१ १३. सिवनाथसिंघ १४. दीपसिंघ १५. सेरसिंघ
१६ अमरसिंघ १७. भेरूसिंघ

गाँव वासणी मुहतारी— २०००) २०००) सोजत

पीढियेँ— १२. रतनसिंघ-पेमसिंघोत^२ १३. रामसिंघ १४. रुघनाथसिंघ
१५ जवानसिंघ १६. दुरजणसिंघ

गाँव भालाली — ७००) ०) गोढवाड पोकरण ऊकील

पीढियेँ— १३. ऊमेदसिंघ-रतनसिंघोत^३ १४. ईन्दरसिंघ

१. डि. खीवाडा के (११) ठाकुर पेमसिंह का पुत्र ।

२ डि. „ (११) „ „ „ ।

३. डि. वासणी मुहतारी के (११) ठाकुर रतनसिंह का पुत्र ।

गाँव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव सामुजो—	३१२५)	३१२५)	जोधपुर	
पीढिये—:	६. ऊर्देसिंघ-लखधीरसिंघोत ^१	१०. पदमसिंघ	११. रिणछोडदास	
	१२. तेजमाल	१३. सेरसिंघ	१४. दौलतसिंघ	१५. सुरतार्णसिंघ
गाँव गांधाराण रो गुडो—	१४००)	१०००)	गोढवाड़	
पीढिये—:	१३. सुजाणसिंघ-तेजमालोत ^२	१४. विजेसिंघ	१५. जालमसिंघ	१६. नाथुसिंघ
	१७. हुकमसिंघ	१८. लिछमणसिंघ		
गाँव मोदरां—	१०००)	१०००)	जालोर	आधी
पीढिये—:	१२. वखतावरसिंघ-रिणछोडदासोत ^३	१३. फतेसिंघ	१४. राजसिंघ	
	१५. पेमसिंघ			
गाँव बाकरो—	३०००)	३०००)	जालोर	
„ सोकडा	३०००)	३०००)	„	
„ आकेली	३०००)	३०००)	„	
„ रामपुरीयो	१२५०)	१२५०)	„	
„ बुरल	१०००)	१०००)	„	
„ जीवाणो	२०००)	२०००)	„	
	-----	-----		
	१३२५०)	१३२५०)		
गाँव नथावडो—	४०००)	४०००)	मेडतो	
	-----	-----		
	१७२५०)	१७२५०)		
पीढिये—:	८ अजवसिंघ-वीठलदासोत	९. सगतसिंघ	१०. लालसिंघ	११. रामसिंघ
	१२. वाहादरसिंघ	१३. अमरसिंघ	१४. वभूतसिंघ	१५. रूघनाथसिंघ
गाँव खोडवो—	२०००)	२०००)	नागोर	
„ वोरटो	२०००)	१०००)	जालोर	
	-----	-----		
	४०००)	३०००)		

१. ठि. खीवाडा के (८) ठाकुर लखधीरसिंह का पुत्र ।

२. ठि सामुजा के (१२) ठाकुर तेजमाल का पुत्र ।

३. „ „ „ ११) „ रिणछोडदास का पुत्र ।

पीढियें—: ९. सगतसिंघ-अजबसिंघोत^१ १०. कुसलसिंघ ११ नाथुसिंघ १२. मोखमसिंघ
१३. फत्तेसिंघ १४. पाहार्जसिंघ

गाँव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव पुनासो—	५०००)	५०००)	जालोर	

पीढियें— १३. जवानसिंघ-मोहकमसिंघोत^२

गाँव-रगसी—	७७००)	७७००)	जोधपुर	
„ मूरकासणी	७५०)	७५०)	„	
„ देसणोक	५०००)	४५००)	फलोधी	
„ लोड्या रो वास	५००)	५००)	„	

कुल रेख १३२५०) १२७५०)

पीढियें—: ८. पृथीराज-वीठलदासोत ९ घनराज १०. अमरसिंघ ११. मोकमसिंघ
१२. भवानीसिंघ १३. सादुलसिंघ १४. तेजसिंघ १५. जवारसिंघ
१६. सिवनाथसिंघ

गाँव हरीयां डाणो—	७५००)	०)	जोधपुर पोहकरण रो ऊकील
„ भाखर वास	२०००)	०)	जेतारण
	९५००)		

पीढियें—: ११. सूरतसिंघ-अमरसिंघोत^३ १२ बुदसिंघ १३. जेतसिंघ १४ भेरुसिंघ
१५. पीरदांन १६. रणजीतसिंघ १७. हणवतसिंघ

गाँव नोसर— २१००) २१००) जोधपुर

पीढियें—: ११. सुरजमल-अमरसिंघोत^४ १२. रूधनाथसिंघ १३. हीमतसिंघ
१४. रणजीतसिंघ १५. आसकरण

गाँव सवाडीयो— ३१५०) ३१२५) जोधपुर

पीढियें—: ८. सिवदानसिंघ-वीठलदासोत ९. कूपो १० जोरावरसिंघ ११. पीरथीरोज
१२. भवानीसिंघ १३. सादुलसिंघ १४ अर्भेसिंघ

- १ डि. नथावडो के (८) ठाकुर अजबसिंह का पुत्र ।
२. डि. खोडवो के (१२) ठाकुर मोहकमसिंह का पुत्र ।
३. डि रणसीगाव के (१०, ठाकुर अमरसिंह का पुत्र ।
४. „ „ „ (१०) „ „ „ ।

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव बाघावास—	४०००)	४०००)	सोजत	
पीढिये—:	६. फतेसिध-सिवदानसिधोत ^१	१०. वीजैसिध	११. कुसलसिध	
	१२. मोहणसिध	१३. नाथूसिध	१४. नवलसिध	१५. जोरावरसिध
गाँव बडो—	१०००)	१०००)	सोजत	।-)। पाती
पीढिये—:	११. पेमसिध-विजैमिधोत ^२	१२. खुमाणसिध	१३. धीरतसिध	१४. रतनसिध
गाँव पीलवो—	१२००)	१२००)	जोधपुर	पाती आधी
„ भोजाकोर	२५०)	२५०)	„	„
„ लाखणकोर	२५०)	२५०)	„	„
कुल रेख	१७००)	१७००)	आघ री रेख =	८५०)

पांती आघ में—

पीढिये—: ८. देईदास-वीठलदासोत ९. ऊदेभाण १०. साहेवसिध ११. सूरसिध
१२. चैनसिध १३. नवलसिध १४. आसकरण १५. मेघसिध

पांती दूजी आघ में—

पीढिये—: १२. खीवकरण-सूरसिधोत^३ १३. मदनसिध १४. जीवराज १५. अर्भेसिध

गाँव पीलवो—	भोजाकोर, लाखणकोर, तीन गाँव री	
कुल रेख	१७००) आघ रा	८५०) गढ जोधपुर
गाँव सांवरेज—	७५००)	२०००) फलोधी
	६२००)	२८५०)

गाँव मेहरवास— ४०००) ४०००) नागोर

पीढिये—: १०. किसोरदास-ऊदेभाणोत^४ ११. सवाईसिध १२. वेरीसाल १३. मोतीसिध
१४. मेहतावसिध

गाँव सरेचां— २०००) २०००) जोधपुर आसामी ?

१. ठि सवाडीयो के (८) ठाकुर सिवदानमिह का पुत्र ।

२. „ बाघावास के (१०) „ विजैसिह का पुत्र ।

३. „ पीलवो (पहली पाती) के (११) ठाकुर सूरसिह का पुत्र ।

४. „ „ „ „ (९) ऊदेभाण का पुत्र ।

पांती आध में—

पीढियें— ८. आसथान-वीठलदासोत ९ सावलदास १० रांमसिंघ ११. जोरावरसिंघ
१२ छतरसिंघ १३. कनीराम (खोळ) १४. भोपालसिंघ १५. रतनसिंघ

पांती आध में—

पीढिये— १० माधोसिंघ-सावलदामोत^१ ११. रामसिंघ १२ ऊमेदसिंघ १३. सूरजमल
१४. रूधनाथसिंघ १५. बाहादरसिंघ (खोळ) १६. नवलसिंघ

खांप-बलोत चांपावत

पीढिये— २. चापो ३. भेरूदास, ४. जेसो, ५. माडण, ६ गोपालदास, ७ वलु-
गोपालदासोत, वलु रा वस रा वलोत कहीजै ।

बलोत-चांपावतां रा ठिकाणां री विगत

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव हरसोलाव—	६०००)	६०००)	नागोर	खेडा ४

पीढियें— ८ दूदो-बलोत ९ जसवतसिंघ १०. हरीसिंघ ११ सूरतसिंघ १२ गिरधरदास
१३ जालमसिंघ १४ दौलतसिंघ १५. अजीतसिंघ १६. बखतावरसिंघ
१७ देवीसिंघ १८. प्रतापसिंघ

गाँव धामली—	४४००)	४४००)	जोधपुर	खेडा ४
-------------	-------	-------	--------	--------

पीढियें— ८. दवारकादास-बलोत ९ सुदरसेण १०. अनोपसिंघ ११. पदमसिंघ
१२. मोहकमसिंघ १३. जालमसिंघ १४ सीभूसिंघ १५. सादुलसिंघ
१६. रणजीतसिंघ

गाँव बापोड़—	२०००)	२०००)	नागोर
--------------	-------	-------	-------

पीढियें—: १४. बाहादरसिंघ-जालमसिंघोत^२ १५ बभूतसिंघ

गाँव चवांधांधीयां—	३२००)	३२००)	जोधपुर
--------------------	-------	-------	--------

पीढियें—: ११. सूरजमल-हगीमिंघोत^३ १२ ऊदेसिंघ १३. सिवमिंघ १४. वनेसिंघ
१५. थानसिंघ १६. जूजारसिंघ १७ अजीतसिंघ (खोळ)

गाँव लोरोली-खुरद—	२०००)	२०००)	कोलिया
-------------------	-------	-------	--------

१. ठि सरेचा (पहली पाती) के (६) ठाकुर सावलदास का पुत्र ।

२. ठि. धामली के (१३) ठाकुर जालमसिंघ का पुत्र ।

३. ठि हरसोलाव के (१०) ठाकुर हरीमिंघ का पुत्र ।

पांती आध में—

पीढिये— : ९ सुजाणसिध-दवारकादासोत^३ १०. वाहादरसिध ११. बुदसिध
१२ रामसिध १३ बखतावरसिध १४. ग्यांसिध

पांती आध में—

पीढिये— १३. गुलाबसिध-रामसिधोत १४. मुकनसिध

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
,, गाँव खोखरी	१०००)	१०००)	नागोर	आधी
,, लाहोटी	१०००)	१०००)	"	"
,, सीणीयो	५००)	५००)	"	आधी
कुल रेख	२५००)	२५००)		

पीढिये— ८. उदैमाण-बलोत ९. स्यामसिध १०. वीरमाण ११. नाथूसिध
१२. ऊमेदसिध १३. चीमनसिध १४. कुसालसिध

खांप- भोपतोत चांपावत

पीढिये— २. चापो ३. भेरूदास ४. जेसो ५. माडण ६ गोपालदास ७. भोपत-
गोपालदासोत, भोपत रा वस रा भोपतोत चांपावत कहीजै ।

भोपतोत चांपावतां रा ठिकाणां री विगत

गाँव खाहू बडी— ९०००) ९०००) नागोर खेडा ५

पीढिये —: ८. सायबखान-भोपतोत ९. सिवदास १०. रामसिध ११. रूपसिध
१२. कनकसिध १३. वाहादरसिध १४ धीरतसिध १५. हुकमसिध
१६ दुरजणसिध १७ जोधसिध १८. विसनसिध

गाँव चूटीसरो— २०००) २०००) नागोर

पीढिये—: १३. तेजसिध-कनकसिधोत^३ १४. चांदसिध १५. अमानसिध
१६ कुसालसिध

गाँव श्रेवाद— १५००) १५००) नागोर आधी

पीढिये—: १४. विजेसिध-तेजसिधोत^३ १५. बखतावरसिध १६. मगलसिध

१. ठि. घामली के (८) ठाकुर द्वारकादास का पुत्र ।

२. ठि. खाहू बडी के (१२) ठाकुर कनकसिध का पुत्र ।

३. ठि. चूटीसरो के (१३) ठाकुर तेजसिध का पुत्र ।

गाव रेख कदीम हमार भरे परगना विशेष

गांव-डाभ गांव — ३०००) ३०००) नागोर

पीढियें—: १३ अर्भेसिंघ-कनकसिंघोत^१ १४. हीदुसिंघ १५ नाथूसिंघ १६. सुरजमल
१७. महेसदास

गांव पालोट— ३०००) ३०००) नागोर

पीढियें—: १३. बखसोरांभ-कनकसिंघोत^२ १४. सलेसिंघ १५. भोमसिंघ १६. सादुलसिंघ

गांव जाखेड़ो— ५०००) ५०००) नागोर

पीढियें—: १३ बुधसिंघ-कनकसिंघोत १४. दीपसिंघ १५. मोतीसिंघ १६. अजीतसिंघ
१७. मेघसिंघ

गांव अडवड— ५०००) ५०००) नागोर

पीढियें—: १२. गुमानसिंघ-रूपसिंघोत^३ १३. दलुकरेण १४. मोहनदास १५, देवीसिंघ
१६. रुघनाथसिंघ

गांव आगूतो— ४०००) ४०००) कोलियो खालसे

पीढियें—: १२. सावतसिंघ-रूपसिंघोत^४ १३. अमरसिंघ १४. भेरूसिंघ १५. जोगीदास
१६. रिडमलसिंघ

गांव सुनारी— २०००) २०००) नागोर

„ गांव मडागणो १०००) १०००) „

कुल रेख ३०००) ३०००)

पीढियें—: ९. सकरदास-सायबखानोत^५ १०. जगतसिंघ ११. बदरीदास १२. सुरतसिंघ
१३. जालमसिंघ १४. सेरसिंघ १५. बदनसिंघ १६. रुघनाथसिंघ
१७. बलवंतसिंघ १८. भूरसिंघ

गांव चाटेलो— १०००) १०००) नागोर

१. ठि. खाद् बडी के (१२) ठाकुर कनकसिंह का पुत्र ।

२. „ „ (१२) „ „ „ ।

३. ठि. खाद् बडी के (११) ठाकुर रूपसिंह का पुत्र ।

४. ठि. „ „ (११) „ „ „ ।

५. „ „ „ (८) „ „ सायबखान का पुत्र ।

पीढिये —: १०. जगतसिंघ-सकरदासोत^१ ११. रगनार्थसिंघ १२. सिरदारसिंघ
१३. अमरसिंघ १४. किसनसिंघ १५. पदमसिंघ १६. डूंगरसिंघ १७. लालसिंघ

गाव रेख कदीम हमार भरे परगना विशेष

गाँव ओरीठ— ४०००) ४०००) नागोर

पीढिये —: ९. माघोसिंघ-सायबखानोत^२ १०. मुकनदास ११. भीमसिंघ
१२. सगरामसिंघ १३. लालसिंघ १४. हणवंतसिंघ १५. गोपालसिंघ

गाँव दरखोल— ४०००) ४०००) नागोर

पीढिये—: ११. लखधीरसिंघ-मुकनदासोत^३ १२. अणदसिंघ १३. अखेसिंघ
१४. अमानसिंघ १५. सिरदारसिंघ

गाँव चाऊ— ३०००) ३०००) नागोर

पीढिये —: ११. हीमनसिंघ-मुकनदासोत^४ १२. रामसिंघ १३. गुलाबसिंघ १४. वाघसिंघ

गाँव रामडावास खुरद— १०००) १०००) जोधपुर

पीढिये —: ८. करणसिंघ-भोपतोत ९. सगतसिंघ १०. वीरमदेव ११. जूजारसिंघ
१२. सिंभुसिंघ १३. स्यामसिंघ १४. ईंदरसिंघ १५. वेरीसाल १६. सादुलसिंघ

गाँव दुजार— १०००) १०००) नागोर

पीढिये —: ९. जगमालसिंघ-करणसिंघोत^५ १०. वाघसिंघ ११. दौलतसिंघ
१२. धीरतसिंघ १३. लालसिंघ १४. जसकरण १५. जगतसिंघ

गाँव पीरोजपुरो— ३०००) ३०००) नागोर

पीढिये —: ९. भगवानदास-करणसिंघोत १०. गोयददास ११. गजसिंघ १२. सिंभुसिंघ
१३. हणवतसिंघ १४. सगतीदान

गाँव कोन्याडो— १०००) १०००) नागोर

पीढिये —: ९. भाग्मल-करणसिंघोत १०. किसनसिंघ ११. अणदसिंघ १२. सिरदारसिंघ
१३. जोरावरसिंघ १४. चैनसिंघ १५. वखतावरसिंघ १६. चिमनसिंघ
१७. मुकनसिंघ

खांप खेतसिंघोत चांपावत

- १ ठि सुनारी के (९) ठाकुर संकरदास का पुत्र ।
२. ठि खादू वड़ी के (८) ठाकुर सायबखान का पुत्र ।
३ ठि बोरीठ के (१०) ठाकुर मुकनदास का पुत्र ।
४ " " (१०) " " " ।
५ ठि. रामडावाम के (८) ठाकुर करणसिंघ का पुत्र ।

गाँव रेख कदीम हमार भरे परगना विशेष

पीढियें—: २. चापो ३. भेरूदास ४. जेसो ५. माडण ६. गोपालदास ७. खेतसिंघ-
गोपालदासोत खेतसिंघ रा वंस रा खेतसिंघोत कहीजै ।

खेतसिंघोत चांपावतां रा ठिकाणां री विगत

गाँव हबतसर— ३०००) ३०००) नागोर

पीढियें—: ८. बाहादरसिंघ-खेतसिंघोत ९. गोपीनाथ १०. कीरतसिंघ ११. मदनसिंघ
१२. चादसिंघ १३. वखतसिंघ १४. सिवनाथसिंघ १५. चिमनसिंघ

गाँव सरासणी— २०००) २०००) नागोर

पीढियें—: ८. नाहरखान-खेतसिंघोत ९. तेजसिंघ १०. हिंदूसिंघ ११. पदमसिंघ
१२. चंद्रभाण १३. जवानसिंघ १४. गुलाबसिंघ १५. केसरीसिंघ

गाँव खीदावास— १२५०) १२५०) मेडतो

पीढियें—: ११. भारथसिंघ-हिंदूसिंघोत १२. दुलेहसिंघ १३. नरसिंघदास
१४. बभूतसिंघ

खांप हरीदासोत चांपावत

पीढियें—: २. चापो ३. भेरूदास ४. जेसो ५. माडण ६. गोपालदास ७. हरीदास-
गोपालदासोत, हरोदास रा वस रा हरीदासोत कहीजै ।

हरीदासोत चांपावतां रा ठिकाणां री विगत

गाँव गठीयो— ५०००) २५००) मेडतो

पीढियें—: ८. विजेराज-हरीदासोत ९. वीरमदेत १०. सवाईसिंघ ११. ग्यानसिंघ
१२. रामसिंघ (खोळ) १३. चादसिंघ १४. अमानसिंघ १५. पीरदान
१६. छतरसिंघ

खांप आईदांनोत चांपावत

पीढियें—: २. चापो ३. भेरूदास ४. जेसो ५. माडण ६. गोपालदास ७. दलपत
८. आईदान-दलपतोत, आईदांन तिण रा वस रा आईदानोत चांपावत कहीजै ।

आईदांनोत चांपावतां रा ठिकाणां री विगत

गाँव आऊवो खास— ३०००) ३०००) सोजत

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
,, कारोलियो	५००)	५००)	सोजत	
,, नरसिंगपुरो	५००)	५००)	,,	
,, काऊ	५००)	५००)	,,	
,, केसरीसिघ रो गुडो	५००)	५००)	,,	
,, विठोरो खुरद	१०००)	१०००)	,,	
,, राकोणो	५००)	५००)	,,	
,, रामसिघ रो गुडो	५००)	५००)	,,	
,, राजकियावास	१०००)	१०००)	,,	
,, देवली	४०००)	४०००)	,,	खेडा ३
,, कराडी	१५००)	१५००)	,,	
,, नवो खेडो	१०००)	१०००)	,,	
,, गाघाणो	१५००)	१५००)	,,	रेख नही
,, जेतपुरो	०)	०)	,,	
कुल रेख	१६०००)	१६०००)		

पीढियें—: ९. तेजसिघ-आईदानोत १०. हरनाथसिघ ११. कुसलसिघ १२. जेतसिघ
१३. सिवसिघ १४. माघोसिघ १५. बखतावरसिघ १६. कुसलसिघ
१७. देवीसिघ १८. सिंभूसिघ

गांव बांडसां— २५००) २५००) सोजत

पीढियें—: १३. कीलाणसिघ-जैतसिघोत^१ १४. नाथसिघ १५. साहुलसिघ
१६. रणजीतसिघ

गांव लांबीयां— ३०००) ३०००) सोजत

पीढियें—: १२. बुघसिघ-कुसलसिघोत^२ १३. भीवसिघ १४. भवानीसिघ
१५. पीरथीराज १६. गिरधारीसिघ

गांव वीठोरो वडो— ४०००) ४०००) सोजत

,, भगवानपुरो ३०००) ३०००) ,,

कुल रेख ७०००) ७०००)

१. ठि. आउवा के (१२) ठाकुर जैतसिह का पुत्र ।

२. ठि. ,, ,, (११) ,, कुसलसिह का पुत्र ।

पीढियें— १२. सेरसिंघ-कुमलसिंघोत^३ १३. भोमसिंघ १४. अमेशिंघ १५. कांसिंघ
१६. ऊमेदसिंघ

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
------	----------	----------	-------	-------

गांव वामसीण—	३०००)	३०००)	सिवाणा	
--------------	-------	-------	--------	--

„ नेहली	१०००)	१०००)	„	
---------	-------	-------	---	--

पीढियें—: १०. रूपसिंघ-तेजसिंघोत^२ ११. रामसिंघ १२. जेतमाल १३. हटीसिंघ
१४. सोनसिंघ १५. नवलसिंघ १६. वभूतसिंघ १७. रगनाथसिंघ

गांव हरजी—	३२००)	३२००)	जालोर	
------------	-------	-------	-------	--

पीढियें—: १२. जवानसिंघ-रामसिंघोत^३ १३. लालसिंघ १४. अचलसिंघ १५. हेमसिंघ
१६. दौलतसिंघ १७. रतनसिंघ (खोळ)

गांव जाणोवाणो—	२५००)	२५००)	सिवाणा	
----------------	-------	-------	--------	--

„ पटाऊ	४००)	४००)	„	
--------	------	------	---	--

„ वोरनडी	५००)	५००)	जोधपुर	
----------	------	------	--------	--

कुल रेख	३४००)	३४००)		
---------	-------	-------	--	--

पीढियें—: १०. रतनसिंघ-रूपसिंघोत^४ १२. अखेसिंघ १३. अमरसिंघ १४. नाथूसिंघ
१५. प्रतापसिंघ

गांव दीवाणदी—	५५००)	५५००)	जोधपुर	
---------------	-------	-------	--------	--

पीढियें—: १०. अनोपसिंघ-तेजसिंघोत^५ ११. सुलतानसिंघ १२. गजसिंघ
१३. नाथूसिंघ १४. वीरमदेव १५. अजीतसिंघ

गांव बांतो—	३५००)	२७००)	सोजत	आधो
-------------	-------	-------	------	-----

पीढियें—: १३. उरजणसिंघ-गजसिंघोत^६ १४. सरूपसिंघ १५. पेससिंघ
१६. गुमानसिंघ

गांव भीवालियो—	१५००)	१५००)	सोजत	आधो
----------------	-------	-------	------	-----

१. ठि. आउवा के (१२) ठाकुर जैतसिंह का पुत्र ।

२. „ „ „ (६) ठाकुर तेजसिंह का पुत्र ।

३. ठि वामसीण के (११) ठाकुर रामसिंह का पुत्र ।

४. „ „ „ (१०) „ रूपसिंह का पुत्र ।

५. ठि. आउवा के (६) „ तेजसिंह का पुत्र ।

६. ठि. दीवाणदी के (१२) ठाकुर गजसिंह का पुत्र ।

पीढिये—: ११. मोहणसिंघ-अनोपसिंघोत १२. जालमसिंघ
१४. चैनसिंघ

१३. नवलसिंघ

गाँव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विक्षे
गाँव रोयट—	५०००)	३०००)	जोधपुर	
„ तीगरो	१०००)	१०००)	„	
„ नीवली-विरामणांरी	६२५)	६५५)	„	
„ कलाली	१२५०)	१२५०)	„	
„ टुटली	६२५)	६२५)	„	
„ लालकी	१२५०)	१२५०)	„	
„ अरठीयो	१२५०)	१२५०)	„	
„ दुदली	६००)	६००)	„	
„ सुगलो	१०००)	१०००)	„	
„ जेसावास	२५००)	२५००)	मेडती	
„ भोरणीया	३१२५)	३१२५)	सोजत	
कुल रेख	१८५२५)	१६५२५)		

पीढिये—: ६. सगतसिंघ-आईदांनोत १०. भगवतसिंघ ११. किलाणसिंघ १२. ईंदरसिंघ
१३. अचलसिंघ १४. सुलतानसिंघ

गाँव आहोर—	४०००)	२०००)	जालोर	
„ गुढो	३०००)	१५००)	„	
„ पादली	१०००)	१०००)	„	
„ वागोतरा	१२५०)	६२५)	„	
„ खेजडीयो	५००)	५००)	„	
„ सीरली	१०००)	५००)	„	आधी
कुल रेख	१०७५०)	६१२५)	परगना जालोर री	
गाँव सथलांगो—	७०००)	७०००)	जोधपुर	
„ मांडावास	५०००)	५०००)	„	
कुल रेख	१२०००)	१२०००)		

गाँव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव हारी —	३०००)	३०००)	नागोर	
„ जुजाणी	३०००)	१५००)	भीनमाल	
	-----	-----		
	६०००)	४५००)		
	-----	-----		
कुल रेख	२८७५०)	२२६२५)	(गाँव आहोर से जुजाणी तक)	

पीढियें—: ६ जगननाथ-आईदांनोत १०. रिणछोड़दास ११. विहारीदास १२. राजसिंघ
१३. अनाडसिंघ १४. सगतीदांन १५. जसवंतसिंघ १६. लालसिंघ
१७. भवानीसिंघ (खोळ)

गाँव भैसवाडो—	३०००)	३०००)	जालोर
„ भागल-बिरामणारी	६२५)	६२५)	„
„ आका रो पादर	५००)	५००)	„
„ चादराई	१०००)	१०००)	„
„ वीठोडो	१०००)	१०००)	„
„ ऊकरडा रो पादर	१०००)	१०००)	„
	-----	-----	
	७१२५)	७१२५)	
„ चाचोडीयो	६०००)	६०००)	गोढवाड़
„ खवासपुरो	३७५०)	३५००)	मेडतो
	-----	-----	
कुल रेख	१६८७५)	१६६२५)	

पीढियें— १२. जगतसिंघ-विहारीदासोत^१ १३. गुलाबसिंघ १४. नवलसिंघ
१५. सिवनाथसिंघ

गाँव चवरचां— २०००) २०००) जालोर

पीढियें —: १२. केसरीसिंघ-बिहारीदासोत १३. भैरुसिंघ १४. जीवराज

गाँव बरवां— १५००) १५००) जोधपुर

पीढियें—: १०. नरहरदास-जगनाथोत^२ ११. ईंवरभाण १२. पदमसिंघ १३. पीरथीराज
१४. कुसालसिंघ (खोळ) २५. सिरदारसिंघ

१ ठि हारी के (११) ठाकुर विहारीदास का पुत्र ।

२. ठि: हारी के (६) ठाकुर जगनाथ का पुत्र ।

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव काकांगी—	३१२५)	३१२५)	जोधपुर	

पीढिये—: १०. भोकमसिंघ-जगनाथोत^१ ११. वखतसिंघ १२. खुमाणसिंघ
१३. सरूपसिंघ १४. सादुलसिंघ १५. गिरधरदास १६. पनेसिंघ

गाँव चीपर वाड़ो—	३०००)	३०००)	जालोर
------------------	-------	-------	-------

पीढिये—: १२. नाथूसिंघ-वखतसिंघोत^२ १३. वनेसिंघ १४. दीलतसिंघ

गाँव गोधरा—	४०००)	४०००)	जालोर
-------------	-------	-------	-------

„ बुडतरो	३०००)	३०००)	„
----------	-------	-------	---

पीढिये—: १०. गीरधरदास-जगनाथोत^३ ११. सिवदानसिंघ १२. सूरजमल
१३. ग्यानसिंघ १४. वभूतसिंघ

दो गाँव कुल रेख	७०००)	७०००)	भरे
-----------------	-------	-------	-----

गाँव खारडो—	५०००)	५०००)	जोधपुर
-------------	-------	-------	--------

पीढिये—: ६. सुजाणसिंघ-ग्राईदानोत १०. रुघनाथसिंघ ११. किसनसिंघ
१२. स्यामसिंघ १३. सिंभूसिंघ १४. रामसिंघ १५. पेमसिंघ १६. पहाड़सिंघ
१७. भारथसिंघ १८. भेरूसिंघ

गाँव सोरांगो—	४१००)	४१००)	सिवाणा
---------------	-------	-------	--------

पीढिये—: १४. ईन्दरसिंघ-सिंभूसिंघोत^४ १५. हीरसिंघ १६. मानसिंघ

गाँव खेजडली-वडो—	३०००)	३०००)	जोधपुर
------------------	-------	-------	--------

पीढिये—: ११. सूरतसिंघ-रुगनाथसिंघोत^५ १२. सगरामसिंघ १३. जालमसिंघ
१४. सालमसिंघ १५. सादुलसिंघ १६. तेजसिंघ १७. रतनसिंघ

गाँव राजोद—	२०००)	२०००)	नागोर
-------------	-------	-------	-------

पीढिये—: ११. वीसनदास-रुगनाथसिंघोत^६ १२. मनोरदास १३. विजसिंघ
१४. सेरसिंघ १५. नवलसिंघ

खांप किलांगदासोत- चांपावत

१. ठि. ढारी के (६) ठाकुर जगनाथ का पुत्र ।
२. ठि. काकाणी के (११) ठाकुर वखतसिंह का पुत्र ।
३. ठि. ढारी के (६) ठाकुर जगनाथ का पुत्र ।
४. ठि. खारडो के (१३) ठाकुर शंभूसिंह का पुत्र ।
५. ठि. „ „ (१०) ठाकुर रघुनाथसिंह का पुत्र ।
६. „ „ „ (१०) „ „ „ ।

पीढिये—: २ चापो-रिडमलोत ३. भेरूदास-चापावत ४. जेसो-भेरूदासोत ५. माडण-जेसावत ६ गोपालदास-माडणोत ७. दलपत-गोपालदासोत ८. किलाणदास-दलपतोत किलाणदास रा वस रा किलाणदासोत चापावत कहीजे)

किलाणदासोत चापावतां रा ठिकाणां री विगत

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव भालेलाव—	१०००)	१०००)	जोधपुर	

पीढिये—: ९. गोरधन-किलाणदासोत १०. अनोपसिध ११. ईं दरभाण १२. किसनसिध १३. रूपसिध १४. सालमसिध

खांप करणोत-रूपावत, पुनावत, भीमोत

पीढिये— :१. राव रिडमल २. करण रिडमल री तिण रा करणोत कहीजे ।

करणोतां रा ठिकाणां री विगत

गांव काणाणो—	१२००)	१२००)	सिवाणो	खेडा ३
--------------	-------	-------	--------	--------

पीढिये—: ३. लूणकरण-करणोत ४ वीदो ५. नीवो ६ आसकरण ७. दुरगादास ८. अभैकरण ९. सिधकरण १०. फतेकरण ११. करणीदान १२. स्यामकरण १३. केसरीकरण १४. नथकरण १५. ऊमेदकरण १६. रतनकरण १७. धनकरण

गांव मढली—	६२५)	६२५)	जोधपुर	
------------	------	------	--------	--

पीढिये—: १३. ऊमेदकरण-स्यामकरणोत^१ १४. सुमेरकरण

गांव करनियाली—	४०००)	४०००)	जोधपुर	
----------------	-------	-------	--------	--

पीढिये—: ११. लालकरण-फतेकरणोत^२ १२. सिवकरण १३. हमीरकरण १४. अजीतसिध १५. मूलराज

गांव भंवर—	३५००)	३५००)	जोधपुर	आधी
------------	-------	-------	--------	-----

पीढिये—: ८. तेजकरण-दुरगादासोत^३ ९. विसनसिध १०. सेरसिध ११. किलाणसिध १२. सालमसिध ३. माधोसिध

गांव बाधावास—	२८५०)	२८५०)	जोधपुर	खेडा ३
„ बालाऊ	८२५)	८२५)	„	
„ सबरखीयो	३२५)	३२५)	„	

१. ठि. काणाणा के (१२) ठाकुर स्यामकरण का पुत्र ।

२. „ „ „ (११) „ फतेकरण का पुत्र ।

३. „ „ „ (७) „ दुगादास का पुत्र ।

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
„ रोडवो	५२५)	५२५)	जोधपुर	खेडा ४
	४५२५)	४५२५)		
„ गाँव पतासर बगना	७५०)	७५०)	जोधपुर	
„ आकेलडी	२५०)	२५०)	„	
„ बडनावो	८५०)	८५०)	„	
„ जाणादेसर	२५००)	२५००)	„	
„ डोहलो खुरद	२५०)	२५०)	„	
„ भेगला वास	२५०)	०)	„	

कुल रेख ६३७५) ६१२५)

पीढिये—: ८. मेहकरण-दुरगदासोत^१ ९. जेतकरण १०. घनस्यामकरण ११. पेमकरण
१२. जैकरण १३. खुमाणकरण १४. सेसकरण

गाँव पाडर गाँव— ५००) २५०) जालोर

पीढिये— १२. तेजसिध-पेमकरणोत^२ १३. डुंगरसिध १४. सिरदारसिध

गाँव राजन वाडी— ५००) ५००) जालोर

पीढिये— १२. देवकरण-विमलकरणोत १३. घनसिध १४. सेरसिध

गाँव समदडी— ३०००) ३०००) सिवाणा

„ रनीयोद ३०००) ३०००) जोधपुर

„ गागुरडो ६४००) ६४००) सोजत

„ वागास-खेडो १०००) १०००) „

„ दईपुडो ३०००) ३०००) जोधपुर

१६४००) १६४००)

पीढिये—: ८. चैनकरण-दुरगदासोत ९. गुमानकरण १०. ई दरकरण ११. सालमकरण
१२. आईदान १३. देवकरण

गाँव सूरपुरो— २०००) २०००) सिवांगो

„ पालडी ४०००) ३०००) नागोर

„ तखतपुरो ५००) ५००) „

कुल रेख ६५००) ५५००)

१. ठि. काकाणा के (७) ठाकुर दुर्गादास का पुत्र ।

२. ठि. वाघावास के (११) ठाकुर पेमकरण का पुत्र ।

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव तिरगटी—	४००)	४००)	सिवाणा	
पीढियें—:	१० सिरदारसिंघ-बखतसिंघोत ^१	११. भोमसिंघ	१२ किलाणसिंघ	
	१३. रघनार्थसिंघ			
गांव जाजोलाई—	१५००)	१५००)	फलोधी	
(सु भाखरी-कहीजे)				
पीढियें—:	७ जसकरण-आसकरणोत ^२	८. देवकरण	९. सूरजमल	१०. सिरदारसिंघ
	११. रतनसिंघ	१२ .डूगरसिंघ		
गांव चांदसमो—	२०००)	०)	जोधपुर-	रेख माफ
पीढियें—:	९. नथकरण-देवकरणोत ^३	१०. लालकरण	११. सिवकरण	१२. गोयनदास
गांव मुडाडो—	५०००)	५०००)	गोढवाड	
पीढियें—:	५. कांधल-वीदारो ^४	६. मनोहरदास	७. देईदास	८. जगतसिंघ
	१० सुजाणसिंघ	११. खुमाणसिंघ	१२. ईं दरसिंघ	१३. रघनार्थसिंघ
	१४ पिरथीराज	१५. किलाणसिंघ		
गांव कीटणोद—	५०००)	५०००)	सिवाणा	
„ वाली	२५००)	२५००)	जालोर	
	—————	—————		
कुल रेख	७५००)	७५००)		
पीढिये—:	३. जाभूण-करणा रो	४. खेतसी	५. मानसिंघ	६. सादूलसिंघ
	७. अमरसिंघ	८. राजसिंघ	९. सुदरसैण	१०. नाहरखान
	११. जालमसिंघ	१२. मूलराज	१३ कनीराम	१४. बभूतसिंघ
	१५. परतापसिंघ			
गांव रातडीयो—	१३५०)	१३५०)	जोधपुर	
पीढियें—	९. केसरीसिंघ-राजसिंघोत ^५	१०. बखतसिंघ	११. फतेसिंघ	१२. भारथसिंघ
	१३. ऊदराज	१४. सादूलसिंघ	१५. भोपालसिंघ	१६. लिछमणसिंघ

१. ठि. समदडी के (८) ठाकुर चैनकरण का पुत्र ।
२. ठि सूरपुरा के (९) ठाकुर बखतसिंह का पुत्र ।
३. ठि. काणाणा के (६) ठाकुर आसकरण का पुत्र ।
४. ठि जाजोलाई के (८) ठाकुर देवकरण का पुत्र ।
५. ठि काणाणा के (४) ठाकुर वीदा का पुत्र ।
६. ठि. कीटणोद के (८) ठाकुर राजसिंह का पुत्र ।

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव मोडी—	१५००)	१०००)	जालोर	
,, ईसरोल	१०००)	५००)	साचोर	आधी
कुल रेख	२५००)	१५००)		

पीढिये—: ३. माणकराव-करणा रो ४. सारंग-माणक रो ५. जालप-सारंग रो
 ६. भोपत-जालप रो ७. पीरथीराज ८. जोगीदाम ९. दयालदास
 १०. वखतसिध ११. लखधीरसिध १२. दलकरण १३. कनीराम
 १४. जेठकरण

खांप रूपावत

पीढिये—: १. राव रिड़मल २ रूपो-रिड़मल रो, रूपा रा वस रा रूपावत कहीजे

रूपावतां रा ठिकाणां री विगत

गांव कलवांगी—	१०००)	१०००)	कोलीयो	पाती आघ
पांती आघ में—				

पीढिये—: ३. सादो रूपा रो ४. भोजराज ५. भाण ६. पूरणमल ७. डूगरसिध
 ८. जेतसिध ९. नाथूसिध १०. माहासिध ११. तेजसिध १२. ऊमेदसिध
 १३. वाघसिध १४. रुघनाथसिध १५. सगलसिध

पांती जवत—

पीढिये—: १२. सिरदारसिध-तेजसिधोत १३. अगसरसिध

पांती जवत—

पीढिये—: १२. सालमसिध-तेजसिधोत १३. छतरसिध

गांव ढाकोरीयो—	२०००)	१०००)	नागोर
----------------	-------	-------	-------

पीढिये—: ६. जेमल-भाणोत ७. खेतसी ८. भगवानदास ९. अमरसिध
 १०. गिरघारीसिध ११. जोरावरसिध १२. विसनसिध १३. दुवसिध
 १४. मुकनसिध

गांव ऊदट—	२०००)	१०००)	फलोधी
-----------	-------	-------	-------

पांती आघ में—

पीढिये—: ६. केसोदास-भाणोत ७. गोपालदास ८. जगनाथ ९. दुग्दास
 १०. अणदराम ११. वखतसिध १२. नगराज १३. भोमसिध १४. प्रतापसिध
 १५. देवीसिध

प्रांती आध में—

पीढियें—: ५. राणो-भोजराजोत ६. दयालदास ७. भीवसिंघ ८. करमसिंघ ९. फतेसिंघ
१०. वखतसिंघ ११. सवाईसिंघ १२. धनराज १३. रावतसिंघ
१४. सावतसिंघ †

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव मुंजासर—	२०००)	२०००)	फलोधी	

पांती आध में—

पीढियें—: ३. तोगो-रूपावत ४. वेरसल ५. हिंगोलदास ६. जगमाल ७. वेणीदास
८. गोयनदास ९. जगतसिंघ १०. जोधसिंघ ११. करणसिंघ १२. सूरजमल
१३. भोपालसिंघ

पांती आध में—

पीढियें—: १३. मदनसिंघ-सूरजमलोत १४. लूणकरण

गांव चाखु—	२०००)	२०००)	फलोधी
------------	-------	-------	-------

पीढियें—: ३. सादो रूपावत ४. भोजराज ५. राणो ६. दुरगदास ७. रिणछोडदास
८. राजकरण ९. जसकरण १०. आईदान ११. भोकमसिंघ १२. भेरूदास
१३. जूजारसिंघ १४. मूलराज

गांव भेड़—	१०००)	१०००)	फलोधी
------------	-------	-------	-------

पीढियें—: ४. भोजराज-सादारो ५. राणो ६. दुरगदास ७. कल्याणदास ८. रामचंद्र
९. पदमसिंघ १०. अनोपसिंघ ११. दौलतसिंघ १२. खेतसिंघ १३. ईसरीसिंघ
१४. राजसिंघ

गांव जाजीवाल (राजघरी) १५०)	१५०)	जोधपुर
----------------------------	------	--------

पीढियें—: १. वीजेसिंघ २. हीदुसिंघ ३. रतनसिंघ ४. सुमेलसिंघ

खांप- पुनावत

पीढियें— १. राव चुडो २. पुनपाल-चुडावत तिण रा वंस रा पुनावत कहीजै ।

गांव खुदीयास	३०००)	५००)	परबतसर
--------------	-------	------	--------

पीढियें—: ३. डुंगरसिंघ-पुनावत ४. अनाडसिंघ ५. अजीतसिंघ ६. रूपसिंघ

७. दुरजणसिंघ ८. ऊर्देसिंघ ९. मानसिंघ १०. देवीसिंघ ११. विजेसिंघ
१२. रुघनाथसिंघ १३. रामसिंघ १४. सादुलसिंघ १५. सुजाणसिंघ

खांप- भीयोतां रा

पीढिये—: १. राव चूडो २. भीयो-चुडावत, भीयो चुडावत, तिण रा वस रा भीयोत
कहीजै ।

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव खारा बेरा—	१३००)	१३००)	जोधपुर	

पांती आध में—

पीढिये—: ३. रुघनाथसिंघ ४. माहासिंघ ५. जसकरण ६. कुसालसिंघ ७. कानसिंघ
८. हुकमसिंघ ९. रावतसिंघ

पांती आध में—

पीढिये—: १०. विहारीदास ११. किलाणदास १२. जीवणदास १३. रिणछोडदास
१४. छतरसिंघ १५. सिरदारसिंघ १६. पीरदान

खांप देवराजोत

पीढिये—: १. राव बीरम २. देवराज-बीरमदेवोत, देवराज रा वस रा देवराजोत
कहीजै ।

गांव सेतरावो—	८०५०)	०	जोधपुर	रेख भरे नहीं
„ जेठाणीयो	६००)	०	„	
„ कालाऊ	२००)	०	„	निजराणो भरे
„ केळो	२००)	०	„	
„ देवडो	२००)	०	„	
„ खीपासर	१००)	०	„	
„ दुरजण साल रो वास	१००)	०	„	
„ सुगालीयो	१००)	०	„	
„ बुडकीयो	रेख नहीं	०	„	
„ वारणो	„	०	„	
„ लोडतो	१०००)	०	„	बेडा ४
„ बाकरो	६००)	०	„	
„ नाथडाऊ	३२५०)	०	„	
„ देवराणीयो	४००)	०	„	

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
„ लोरलो	३००)	०	जोधपुर	
„ केलड़ी	२००)	०	„	
„ सोलखीया तला	२००)	०	„	
„ देवीसर	२००)	०	„	
„ कानोडीयो	१००)	०	„	
„ मोडीयो	रेख नहीं	—		

विगत गावा री, रेख भरे नहीं निजराणो भरे खेडा २३ री रेख १४८२५)

पीढियें—: ६. राजी-देवराजोत ४. लूणकरण ५. रणीण ६. राघव ७. भीवड ८. बीहड
९. बनो १०. भाखरसी ११. वरसल १२. जगमाल १३. भारमल
१४. विहारीदास १५ ऊरजसिंघ १६. दोलतसिंघ १७. सूरजमल
१८ मोकमसिंघ १९. बखतावरसिंघ

गांव सुवालियो— १०००) ५००) जोधपुर

पीढियें—: १७. जालमसिंघ-दोलतसिंघोत १८ छतरसिंघ ने माहाराज श्री.....
पटो इनायत कियो १९ मेघसिंघ २०. मुकनसिंघ

खांप-चाडदे (चाडदेवोत)

पीढिये— १. राव-वीरम २. देवराज ३ चाडदे-देवराजोत (देवराज रो) चाडदे रा
वस रा चाडदेवोत कहीज ।

विगत गांवां री रेख भरे नहीं निजरांणो भरे

गांव देखु—	०	०	जोधपुर	
„ मडलो	०	०	„	
„ कोलु	०	०	„	आदी
„ ठाडीयो	०	०	„	
„ सगरा	०	०	„	
„ ईदारी ढाणी	०	०	„	
„ रोटिड	०	०	„	

पीढियें—: ४. चापो चाडदे रो ५. बणबीर ६. रामदास ७. मांडण ८. हाजी
९ खेतसी १०. तेजमाल ११. बलु १२. हरजी १३. सिरदारसिंघ
१४. दानसिंघ १५. बाहादरसिंघ १६. नवलसिंघ

गांव गोलाकोर— ४५०) ४५०) जोधपुर

पांती आघ में— (रेख-२२५)

पीढिये—: ४. कुपो—चाडदे रो ५. कानडदे ६. वाघो ७. पीपो ८. सादो
 ९. सुरताणसिघ १०. खुमाणसिघ ११. जोगीदास १२. विजेसिघ
 १३. रामसिघ १४. ईदरसिघ † १५. भारथसिघ १६. पीरदान

गाँव रेख कदीम हमार भरे परगना विशेष
 पांती आध में—रेख २२५)

पीढिये—: ७ पंचायण-वाधा रो ८. सायर ९. महेस १०. नेतसी ११. रासो १२. सुंदर
 १३. देदो १४. नरो १५. रायमल १६. भेरूसिघ * १७. भोमसिघ

खांप-गोगादे

१. राव-बीरम २. गोगादे-बीरमोट, गोगादे-बीरमोट रा वस रा गोगादे कहीजे ।

गाँव केतु— ३८२६) ० जोधपुर खेडा ४
 खेडा ४-बडोवास १
 जेतावतां रो वास १
 भला रो वास १
 नीवा रो वास १

गाँव सेखाला— २०००) ० जोधपुर खेडा ४
 ,, भुगरो २५०) ० { १-सेखालो वास
 ,, पनासरियो २५०) ० ,, { १-करणा रो वाम
 ,, तेनो ५००) ० ,, { १-देवडा रो वास
 ,, वामडीयोवास [५००) ० ,, { १-साखला रो वास
 ,, गुडो ५००) ० ,,
 ,, चौराकुवो ५००) ० ,,
 ,, रामसीसर ५००) ० ,, खेडा ३
 ,, नीमडी २५०) ० { १-तोलीसर
 ,, रनीयो १५०) ० ,, { १-कोलावास
 ,, निवाणो रेख नही ,, { १-राजदारो वास
 ,, महंग रो वास ,, ,,
 ,, जेसा रो वाम ,, ,,
 ,, सावडास ,, ,,

† नवन् १८६३ रा तेरा मे हापर थो तिरा बंदगी म् पटो पायो ।

* सवत् १८६३ के घेरे मे हाजिर ग्हा जिससे गाव पाया ।

गाँव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
„ नाथा रो वास	„	रेख नही	जोधपुर	

पीढिये —: ३. करमसी-गोगादेवोत ४. खेतसी ५. बीसो ६. दासो ७. भीमसिंघ ८. सूजो
९. रतनसिंघ १०. रासो ११. भगवानदास १२. राजसिंघ १३. नाहारखान
१४. नाथुसिंघ १५. सबलसिंघ १६. रामसिंघ

गाँव खिरजां— २३००) ० जोधपुर

रावास-४ १-ओजास	१-भोजा रो वास	१-जेता रो वास	१-सामलाँ (निजराणो भरे)
----------------	---------------	---------------	------------------------

पीढिये —: १३. लाडखान-राजसिंघोत १४. जसकरण १५. जालमसिंघ १६. नेवसी
१७. हिमनसिंघ १८. लालसिंघ

खांप महेचा

१. रावल-सलखो २. रावल-मलीनाथ

महेचां रा ठिकाणां री विगत

गाँव थोब —	२०००)	२०००)	जोधपुर
„ नरसिंघ रो वास	३२५)	३२५)	„
„ तिरसी गडी	२५०)	२५०)	„
„ जेतावता रो वास	२५०)	२५०)	„
„ माडलवास	१७५)	१७५)	„
„ काना रो गुडो	१६३)	१६३)	„

कुल रेख ३१६३) ३१६३)

पीढिये —: ३. जगमाल-मलीनाथ री ४. मडलीक ५. भोजराज ६. बीदो ७. नीसल
८. वरसिंघ ९. हापो १०. मेघराज ११. कलियाणमल १२. वीरमदे
१३. केसवदास † १४. मनोरदास § १५. विजेसिंघ (थोब रो पटो पायो)
१६. करणसिंघ १७. सिरदारसिंघ १८. जेसिंघ १९. मुकनसिंघ
२०. ऊर्देसिंघ २१. किलाणसिंघ २२. कुसालसिंघ

गाँव देहुरियो— ५००) ५००) जोधपुर

पीढिये —: १७. सरूपसिंघ-करणसिंघोत १८. चुतरसिंघ १९. जालमसिंघ
२०. अणदसिंघ २१. बीडदसिंघ २२. बभूतसिंघ

गाँव पादरडी—(खुरद) २००) २००) सिवांणो

पीढिये —: ११. दूदो मेगराजोत १२. जगमाल १३. भारमल १४. जैतमाल
१५. किलाणसिंघ १६. प्रतापसिंघ १७. स्यामसिंघ १८. गोपालसिंघ
१९. गजसिंघ

गाँव नोहरो— ३०००) ३०००) जालोर

† उज्जैन के युद्ध मे महाराजा जसबतसिंह की सेना मे काम आया ।

§ केसवदास के शामिल उज्जैन मे काम आया ।

पीढिये —: १७. वखतसिध-प्रतापसिधोत १८. सत्रसिध १९. रामसिध २०. मूलसिध
२१. छतरसिध

खांप जुजाणीयांरी

जुजाणीयां रा ठिकाणां री विगत

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव थापरा—	४००)	४००)	सिवांगा	
पांती आध में—				

पीढिये —. देवीसिध, सवलसिध, हरनार्थसिध, सुजाणसिध, अमरसिध, अनाडसिध

पांती आध में—

पीढिये —: स्यामसिध, हरराम, ओपो, ऊदेराज, मालदान, चुतरसिध

खांप मंडला (मंडलावत)

१. राव रिड़मल २ मडलो-रिड़मलोत, तिरा रा वस रा (मंडला) मडलावत कहीजे ।

मडलावतां रा ठिकाणां री विगत

गाँव भवराणी—	३७५०)	३७५०)	जालोर
„ गुडो (डुंगरपुर)	५००)	०	„
, पालडी	२६००)	१०००)	मेड़ता
	-----	-----	
कुल रेख	७१५०)	४७५०)	

पीढिये—: ३. साईदास मडला रो ४. भाडो ५. हेमराज ६. ठाकुरसी ७. सु दरदास
८. राजसिध ९. भावसिध १०. चद्रभाण ११. डूंगरसिध १२. सिवदानसिध
१३. किलाणसिध १४. सरूपसिध १५. नवलसिध १६. लालसिध

गाँव चोढा—	३०००)	३०००)	जोधपुर
„ धाणसां	३०००)	३०००)	जालोर
	-----	-----	
	६०००)	६०००)	

पीढिये—: १३. सेरसिध-सिवदानसिधोत १४. गुमानसिध १५. भोपालसिध

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परमना	विशेष
गाँव सिरांणो—	१२५०)	१२५०)	जालोर	
पीढियें—:	१२. मानसिंघ-डूंगरसिंघोत ^१ १३ जेतसिंघ १४. हिमतसिंघ			
गाँव पाणवो—	१०००)	१०००)	जालोर	
„ वसवांणो	१०००)	१०००)	नागोर	
कुल रेख	२०००)	२०००)		
पीढियें—:	११. केसरीसिंघ-चंद्रभांणोत ^२ १२. जोधसिंघ १३. भोमसिंघ १४. नाराणसिंघ			
गाँव वीसरोठ—	१५००)	१५००)	जालोर	
पीढियें—:	७. दलपत-ठाकुरसी रो ^३ ८ अमरसिंघ ९ लाडखान १०. जुंजारसिंघ ११. विसनसिंघ १२. मालमसिंघ १३ जवानसिंघ १४. कुसालसिंघ			
गाव वसवांणी—	१०००)	१०००)	नागोर	आदी
पीढियें -:	१२. तोगसिंघ-विसनदासोत ^४ १३. मोकमसिंघ १४. देवीसिंघ			
गाँव चांबडीयाक—	२०००)	२०००)	सोजत	
पीढियें—:	७ नरहरदास-ठाकुरसी रो ^५ ८. देईदास ९ उदेसिंघ १०. रामसिंघ ११. पदमसिंघ १२. रुघनाथसिंघ १३. तेजसिंघ १४. रतनसिंघ १५. सादुलसिंघ			
गाँव खुडो-वडी -	१५००)	१५००)	मेड़ता	आधी
पीढियें—:	५. वीदो-भाडा रो ^६ ६. रायमल ७. नाथो ८. चुतरभुज ९. भगवानदास १०. जगराम ११. लालसिंघ १२. अजीतसिंघ			
गाँव नेणीयास—	२५०)	२५०)	जालोर	
„ सावलीयावास	१२५)	१२५)		

१. ठि „ (११) डूंगरसिंह का पुत्र ।
 २. ठि भवराणी के (१०) ठाकुर चंद्रभाण का पुत्र ।
 ३. ठि „ (६) „ ठाकुरसी का पुत्र ।
 ४. ठि. वीसरोठ के (११) „ विसनदास का पुत्र ।
 ५. ठि भवराणी के (६) „ ठाकुरसी का पुत्र ।
 ६. ठि „ (४) „ भाडा का पुत्र ।

पीढियेँ—: ७. रूपसिंघ-रायमलोत^१ ८. नथराम ९. लिखमीदास १०. वागदास
 ११ गिरघरदास १२. डूंगरसिंघ १३. मानसिंघ १४. सूरतसिंघ
 १५. मगलसिंघ

खांप-पातावत

१. राव-रिडमल २. पाती रिडमलोत, तिण रा वंस रा पातावत कहीजे ।

पातावतां रा ठिकाणां री विगत

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परंगना	विशेष
गांव आऊ—	५०००)	५०००)	फलोधी	
,, भीयासर	४५००)	४५००)	,,	
,, वालासर	५००)	५००)	,,	
,, नोखडी	५००)	५००)	,,	
कुल रेख	१०५००)	१०५००)		

पीढियेँ—: ३. हमीरसिंघ ४. रतनसिंघ ५. किलारणदास ६. रामसिंघ ७. ईसरदास
 ८ राजसिंघ ९ रिणछोडदास १०. सावलदाम ११. खीवकरण १२. पिरथी-
 राज १३ सरूपसिंघ १४. हरीसिंघ

गांव पलीणो— २५००) २५००) ,,

पीढियेँ—: ११ सु दरदास-सांवलदासोत^२ १२. छतरसिंघ १३. मूलसिंघ १४. सिवनाथ-
 सिंघ

गांव वरजांगसर—	२०००)	२०००)	फलोधी
,, जेरीयो	१०००)	५००)	,,
कुल रेख	३०००)	२५००)	

पीढियेँ—: १० अचलदास-रिणछोडदामोत^३ ११. पेमसिंघ १२. रायभाण १३. फते-
 सिंघ १४. रावतसिंघ १५. पीरदान

गांव घटीयाली— ४०००) ४०००) फलोधी

१. ठि. खुडी वडी के (६) ठाकुर रायमल का पुत्र ।

२. ठि. आऊ के (१०) ठाकुर सावलदास का पुत्र ।

३. ठि. ,, , (६) ,, रिणछोडदास का पुत्र ।

पीढियें—: ९. सूरतसिंघ-राजसिंघोत^१ १०. सिवदानसिंघ ११. सगरामसिंघ
 १२. चाकीदास १३. रामसिंघ १४. हरनाथसिंघ १५. गुमानसिंघ
 गांव रेख कदीम हमार भरे परगना विशेष
 गांव रोहीणो— ३०००) ३०००) जोधपुर पाती ॥ =)॥॥

पांती दोय मे—

पीढियें —: ११ गोरखदान-सिवदानसिंघोत^२ १२. जोधसिंघ १३. भोपालसिंघ
 १४. बभूतसिंघ १५ ऊर्देसिंघ

पांती तीजी में— गांव पड़ीयाल मे मिले है ।

पीढियें—: ९ अजबसिंघ-मुकनसिंघोत १०. पदमसिंघ ११. सेरसिंघ १२. अर्भेसिंघ
 १३ दलपतसिंघ

गांव गोदरड़ी — १०००) १०००) फलोधी

, गागरडी ० ० ” सूतो

पीढियें —: १४. जसवतसिंघ-भोपालसिंघोत^३ १५. रिणछोडदास

गांव आमलो— २०००) २०००) फलोधी

पीढियें —: १०. हिमतसिंघोत-सूरतसिंघोत^४ ११. जसकरण १२. रूपसिंघ १३. रावतसिंघ

गांव ऊनावडो— ५००) ५००) फलोधी

पीढिये— ११ जसकरण-हिमतसिंघोत^५ १२ अर्भेसिंघ १३. गोर्यनदास
 १४. समरथसिंघ

गांव मोठडीयो— ६२५) ६२५) फलोधी

पीढियें— ८ भवानीदास-ईसरदासोत^६ ९ वेणीदास १०. हिरदेराम ११ दानसिंघ
 १२. सिभूसिंघ १३ लालसिंघ १४ बनेसिंघ १५. कुसलसिंघ

गांव केरलो— २५०) २५०) फलोधी

पीढियें—: ७ मनोहरदाम-रामसिंघोत^७ ८. आसकरणा ९. दलपत १०. जीवणसिंघ
 ११. विजेराम १२. करणसिंघ १३ मदनसिंघ

१. ठि आऊ के (७) ठाकुर राजसिंह का पुत्र ।

२ ठि घटियाली के (१०) ठाकुर सिवदानसिंह का पुत्र ।

३ ठि. रोहीणो (पाती दो) के (१३) ठाकुर भोपालसिंह का पुत्र ।

४. ठि. घटियाली के (९) ठाकुर सूरतसिंह का पुत्र ।

५. ठि आमलो के (१०) ठाकुर हिम्मतसिंह का पुत्र ।

६ ठि. आऊ के (७) ठाकुर ईसरदास का पुत्र ।

७. ठि. आऊ के (६) ठाकुर रामसिंह का पुत्र ।

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव लांडीयो—	१०००)	१०००)	नागोर	आसामी २
पांती आघ में—				

पीढिये—: ६. नगराज-किलाणदासोत^२ ७. चादसिध ८. राजसिध ९. पीरथीराज
१०. कनीराम ११. फतेसिध १२. सिभूसिध १३. उरजनसिध १४. जेतसिध

पांती आघ में—

पीढिये—: १३. सरूपसिध-सिभूसिधोत ^३	१४ सादुलसिध	१५. जीवणसिध	
गांव पीपासर—	२०००)	२०००)	नागोर

पीढिये—: ९. दुलेसिध-राजसिधोत^३ १०. अखेसिध ११. भेरूसिध १२. जगरूपसिध
१३. मगलसिध

गांव सेवड़ी—	१०००)	१०००)	नागोर	आसामी २ रे
पांती आघ में—				

पीढिये—: ९. पिरथीराज-राजसिधोत^४ १०. कनीराम ११. लिखमीदास
१२. मोहनसिध १३. छतरसिध १४. मालमसिध १५. सावतसिध

पांती आघ में—

पीढिये—: ४. परवतसिध-हमीरसिधोत^५ ५. सीगण-परवत री ६. हेमराज
७. उरजनसिध ८. जगनाथ ९. किसनदास १०. देईदास ११. वीको
१२. अनोपसिध १३. जेतसिध १४. सगरामसिध १५. मेघराज
१६. सिवदानसिध १७. रामसिध

गांव ऊनावडो—	५००)	५००)	फलोधी
--------------	------	------	-------

पीढिये—: ८. जगनाथ-चादसिधोत^६ ९. वीको १०. गिरधरदास ११. कीरतसिध
१२. हिदूसिध १३. गोयंददास १४. समरथसिध

गांव भगु—	२०००)	२०००)	नागोर
-----------	-------	-------	-------

-
१. डि बाऊ के (५) ठाकुर किलाणदास का पुत्र ।
 - २ डि लांडीयो के (१२) ठाकुर शमूसिह का पुत्र ।
 ३. डि. ,, (८) ,, राजसिह का पुत्र ।
 ४. डि ,, (८) ,, ,, ,,
 - ५ डि बाऊ के (३) ,, हमीरसिह का पुत्र ।
 - ६ डि नाडियो के (७) ठाकुर चादसिह का पुत्र ।

पीढिये —: ८. किसनदास-चादसिघोत^१ ९. मेघराज १०. पेमसिघ ११. सुरताणसिघ
१२ सिभूसिघ १३. भीवसिघ १४. मोतीसिघ १५ मगलसिघ

गाव	रेख कदोम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव करखु—	१२५०)	१२५०)	जोधपुर	
” लुभावसीयो	१०००)	१०००)	”	
” बाभुवास	१०००)	१०००)	”	
कुल रेख	३२५०)	३२५०)		

पीढिये —: १०. रूपसिघ-मेघराजोत^२ ११ मोहकमसिघ १२. ऊमेदसिघ १३. उदेसिघ
१४ पीरदांन

गाँव खारीयो वडो— १५००) १५००) मेडतो आघो

पीढिये —: १०. कुसलसिघ-मेघराजोत^३ ११ बखतसिघ १२. भीवसिघ १३. पीरदांन

गाँ वडोचोटीली— २५००) २५००) जोधपुर

पीढिये —: ५. मालमसिघ-रतनसिघोत ६. राणो ७. माडण ८. भगवानदास
९. पिरथीराज १०. सूरजमल ११. तेजमल १२. सुरताणसिघ
१३. जसवतसिघ १४ भवानीदास १५. अचलसिघ १६. अमरसिघ

गाँव अजासर— ६२५) ६२५) जोधपुर

पीढिये : ७. देईदास-राणोत^४ ८ रामदास ९. दयालदास १०. केसरीसिघ
११. फतेसिघ १२. हरीमिघ १३ गुमानसिघ १४. रतनसिघ १५. विसनसिघ

गाँव केलणसर— २५००) २५००) फलोधी आसामी २ रे

पांती आघ मे—

पीढिये —: ५. जेमल-रतनसिघोत^५ ६ गोपालदास ७. रामचदर ८. मयामल
९. विजेसिघ १०. जोरावरसिघ ११. खीवकरण १२. चतरसिघ
१३. रावतसिघ

पांती आघ में—

पीढिये—: १२ मदनसिघ-खीवकरणोत^६ १३ किलाणसिघ

१. ठि लाडियो के (७) ठाकुर चादसिघ का पुत्र ।

२ ठि भगु के (९) ठाकुर मेघराज का पुत्र ।

३. ” , (९) ” ” ”

४ ठि चोटीला के (६) ठाकुर राणा का पुत्र ।

५ ठि आऊ के ४) ठाकुर रतनसिघ का पुत्र ।

६ ठि. केलणसर (पहली पांती) के (११) ठाकुर खीवकरण का पुत्र ।

गाँव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव मोटेई—	१५००)	१५००)	फलोधी	
„ चिडी	४५०)	४५०)	„	
कुल रेख	१९५०)	१९५०)		

पीढिये—: ११. मूलसिंघ-जोरावरसिंघोत^१ १२. कुसालसिंघ १३. चुमाणसिंघ
१४. लखसिंघ

गाँव पड़ीयाल—	४४००)	४४००)	फलोधी
„ देगावडी	६००)	६००)	„
कुल रेख	५०००)	५०००)	

पांती आध में—

पीढिये—: ८. मुकनदास-रामचदोत^२ ९. जोगीदास १०. हठीसिंघ ११. मुखसिंघ
१२. भोमसिंघ १३. चेनसिंघ १४. रणजीतसिंघ

पांती आध में—

पीढिये—: ७. मनोहरदास-गोपालदासोत^३ ८. जोगीदाम ९. रायसिंघ १०. मेघराज †
११. वीरभाण १२. रिघसिंघ १३. रावतसिंघ १४. अजीतसिंघ

गाँव घोलासर—	४०००)	४०००)	फलोधी
--------------	-------	-------	-------

पीढिये—: १३. लालसिंघ-भोमसिंघोत^४ १४. वनसिंघ

गाँव रणसीसर—	१०००)	१०००)	फलोधी
--------------	-------	-------	-------

पीढिये—: ९. तिलोकसिंघ-मुकनदामोत^५ १०. जोरावरसिंघ ११. भोपालसिंघ
१२. वन्वतावरसिंघ १३. दोलतसिंघ

गाँव मेहाकोर —	६२५)	६२५)	फलोधी
----------------	------	------	-------

† यह सचत् १८४७ मे मेडता के युद्ध मे काम आया ।

१. डि. केनगामर (पहली पांती) के (१०) ठाकुर जोगवरसिंघ का पुत्र ।

२. डि. केनगामर (पहली पांती) के (७) ठाकुर रामचंद्र का पुत्र ।

३. डि. „ „ (६) „ गोपालदास का पुत्र ।

४. डि. पटियाण „ (१२) „ भोमसिंघ का पुत्र ।

५. डि. „ „ (८) „ मुकनदास का पुत्र ।

पीढिये—: ६. भोपत-जैमलोत ७ नरहरदास ८. आसकरण ९ ऊर्देसिंघ
१०. जीवणदास ११. रामसिंघ १२. करणसिंघ १३. खुमाणसिंघ
१४. सादुलसिंघ

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	पेरगना	विशेष
गाँव लूणो—	६२५)	६२५)	फलोधी	

पांती आध में—

पीढिये —: ८. गोयनदास-नरहरदासोत^१ ९. चादसिंघ १०. करमसिंघ ११. धीरतसिंघ
१२. हिंदुसिंघ १३ मेघराज १४. रावतसिंघ १५. जोगराज

पांती आध में—

पीढिये—: ११. मूलसिंघ-करमसिंघोत^२ १२. भवानीसिंघ १३. विसनसिंघ
१४. विडदसिंघ

गाँव लुं बावसीयो—	६२५)	६२५)	फलोधी
-------------------	------	------	-------

पीढिये—: ११ केसरीसिंघ हरकिसनोत १२. बाघसिंघ १३. मेघराज १४. भोजराज
१५ भोपालसिंघ १६. वभूतसिंघ

गाँव बुंगडी—	७००)	७००)	फलोधी	आसामी ३ रे
--------------	------	------	-------	------------

„ हरबुसर	८००)	८००)	„	
----------	------	------	---	--

कुल रेख	१५००)	१५००)		
---------	-------	-------	--	--

पांती तीजी में— १-)॥ (पहली)

पीढिये—: ७. दयालदास-भोपतोत ८. केसरीसिंघ ९. तेजमाल १०. जेतसिंघ
११. वाकीदास १२. अनाडसिंघ १३. सुखसिंघ

पांती तीजी में— १-)। (दुजी)

पीढिये—: १२. नाराणदास-जेतसिंघोत १३. दुरजणसिंघ १४. नाथुसिंघ १५. राजसिंघ

पांती तीजी में— १-)। (तीजी)

पीढिये—: ८. भागसिंघ-दयालदासोत^३ ९. करणसिंघ १०. जू जारसिंघ ११. सरूपसिंघ
१२. ऊमेर्दासिंघ १३ मोहवतसिंघ १४ सिवनाथसिंघ

१. ठि. मेहाकोर के (७) ठाकुर नरहरदास का पुत्र ।

२. ठि लूणो के (१०) ठाकुर करमसिंह का पुत्र ।

३. ठि बुंगडी के (७) ठाकुर दयालदाम का पुत्र ।

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव जोधियासी—	२०००)	२०००)	नागोर	
(गाव जोधियासी सेवड़ी आधी मे मिले है ।)				
पीढियाँ ४ परबतसिंघ-हमीरसिंघोत मे मिले हैं ।				
पीढियें—: १० वनेसिंघ-किसनदासोत ^१ ११. वाकीदास १२. सगरामसिंघ १३. अनाडसिंघ १४ सादुलसिंघ				
गाँव माडवली—	५००)	५००)	नागोर	
पीढियें—: ११ दुरजणसिंघ-वनेसिंघोत ^२ १२. सेरसिंघ १३. चादसिंघ १४. विसनसिंघ				
गाँव मूडासर—	२०००)	२०००)	नागोर	
पीढियें—: ४. गगादास-हमीरसिंघोत ^३ ५. नेतसी ६. हिंगोलदास ७. दुरजणसाल ८. सेखराज ९. रामदास १०. गणोसदास ११. बदरीदास १२. कीरतसिंघ १३. सभासिंघ १४. सूरजमल १५. खीवराज १६. लिछमणसिंघ				
गाँव चीमणवो—	१५००)	१५००)	फलोधी	
पीढियें—: ८. खेतसिंघ-दुरजनसालोत ^४ ९. सगतसिंघ १०. भगवतसिंघ ११. जोधसिंघ १२. ईंदरसिंघ १३. सगरामसिंघ १४. वाघसिंघ १५ मोहकमसिंघ १६. करणसिंघ १७. सूरसिंघ				
गाँव रिडमलसर—	१६२५)	१६२५)	जोधपुर	आसामी २ रे
„ पचाणसर	३७५)	३७५)	„	
कुल रेख	२०००)	२०००)		

पांती आघ में—

पीढियें —: ३. लूभो-पातावत ४. पिरथीराज ५ सेसमल ६. कनीराम ७ वरमसिंघ
८ सादुलसिंघ ९. आसकरणा १०. तेजमाल ११. सुंदरसिंघ १२. सवाईसिंघ
३ सुमेलसिंघ १४. गुलावसिंघ

पांती हूजी आघ री—

- १ ठि नेवटी (पाती दो) के (९) ठाकुर किसनदाम का पुत्र ।
२ ठि, जोधियासी के (१०) ठाकुर वनेसिंह का पुत्र ।
३ आड के (३) ठाकुर हमीरसिंह का पुत्र ।
४. ठि. मूडानर के (७) ठाकुर दुरजनमाल का पुत्र ।

पीढियें—: १४. जोधसिंघ-सुमेलसिंघोत^१ १५. गिरधरसिंघ

खांप कूंपावत

पीढियें—: १. राव-रिडमल २. अखेरराज ३ मेहेराज ४. कूपो, तिएण रा कूंपावत कही जै।

खांप मांडणोत कूंपावत

पीढियें—: ४. कूंपो ५ मांडण-कू पावत, तिएण रा मांडणोत-कू पावत कहीजै ।

मांडणोत कूंपावतां रा ठिकाणां री विगत

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव आसोप—	१८७५०)	१८७५०)	जोधपुर	
,, कुकडदो	२०००)	२०००)	,,	
,, रामपुरो	२७५०)	२७५०)	,,	
,, रडोद	४५००)	४५००)	,,	आधी
,, ककडाय	३०००)	३०००)	नागोर	
कुल रेख	३१०००)	३१०००)		

पीढियें—: ६. खीवकरण-मांडणोत ७. किसनदास ८. मुकनदांस ९. जेतसिंघ १०. राम-सिंघ ११. कनीराम १२. दलपत १३. महेसदास १४. रतनसिंघ १५. केसरी-सिंघ १६. बखतावरसिंघ १७. सिवनाथसिंघ (खोळ) १८. चैनसिंघ (खोळ)

गांव गजसिंघपुरो— ७५००) ७५००) जोधपुर

पीढियें—: ११. छतरसिंघ-रामसिंघोत^२ १२. जगरामसिंघ १३. भारथसिंघ १४. बाघ-सिंघ १५. माघोसिंघ १६. अचलसिंघ

गांव रडोद— ४५००) ४५००) जोधपुर आधी
आसामी ३ रे

पांती ≡ III रेख २०००)

पीढिये—: १३ सालमसिंघ-जगरामसिंघोत^३ १४. गुलावसिंघ

पांती =)III छठी रेख १५००)

१. ठि. रिडमलसर (पहली पाती) के (१३) ठाकुर सुमेलसिंह का पुत्र ।

२. ठि. आसोप के (१०) ठाकुर रामसिंह का पुत्र ।

३. ठि. गजसिंघपुरो के (१३) ठाकुर जगरामसिंह का पुत्र ।

पीढिये—	१३. सायबसिंघ-जगरामसिंघोत ^१	१४. खुमाणसिंघ	१५. सिवनाथसिंघ
गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना
पांती -)॥ री रेख—	१०००)		विशेष
पीढिये—:	१३. पेमसिंघ-जगरामसिंघोत ^२	१४. अजीतसिंघ	१५. भोमसिंघ (खोळ ^३)
गांव गारासणी—	२५००)	२५००)	जोधपुर
„ जबरखीयो	१०००)	१०००)	„
कुल रेख	३५००)	३५००)	
पीढिये—:	११. सिरदारसिंघ-रामसिंघोत ^३	१२. जोधसिंघ	१३. अणुर्दासिंघ
		१४. ईसरी-सिंघ	१५. अभेकरण
		१६. जसवतसिंघ	१७. सिवनाथसिंघ
गांव नेतडीयां—	४०००)	४०००)	मेड़ता
पीढिये—:	१२. पिरथीराज-सिरदारसिंघोत ^४	१३. अनोपसिंघ	१४. नराणदास
	१५. जीवणदास	१६. गुमानसिंघ	
गांव वासणी—	३०००)	०	नागोर आसोप रा कामेती
पीढिये—:	१२. जोर्दासिंघ-सिरदारसिंघोत ^५	१३. अणुर्दासिंघ	१४. हरीसिंघ
	१५. करण-सिंघ	१६. मालमसिंघ,	
गांव सारंगवासणी—	१०००)	१०००)	मेड़ता
पीढिये—:	११. विसनसिंघ-रामसिंघोत ^६	१२. नाहरसिंघ	१३. खुमाणसिंघ
	१४. सोभसिंघ		
गांव गोयंदपुरो—	७५०)	७५०)	जोधपुर
पीढिये—:	९. मनोहरदास-मुकनदासोत	१०. सुभकरण	११. दलकरण
	१२. जवानसिंघ	१३. गुलावसिंघ	१४. मूलसिंघ
गांव खारीयारी वासणी—	१२५०)	१२५०)	मेड़ता
पीढिये—:	८. दुवारकादास-किसनदासोत ^७	९. मोकमसिंघ	१०. चद्रभाण
		११. आईदान	

१. ठि. गजसिंहपुरो के (१३) ठाकुर जगरामसिंह का पुत्र ।

२. „ „ (१३) „ „ „ ।

३. ठि आसोप के (१०) ठाकुर रामसिंह का पुत्र ।

४. ठि गारासणी के (११) ठाकुर सिरदारसिंह का पुत्र ।

५. ठि गारासणी के (११) ठाकुर सिरदारसिंह का पुत्र ।

६. ठि आसोप के (१०) ठाकुर रामसिंह का पुत्र ।

७. ठि आसोप के (७) ठाकुर किसनदास का पुत्र ।

१२. सवाईसिंघ १३. नवलसिंघ १४. सेरसिंघ १५. पेमसिंघ
१६. लिच्छमणसिंघ

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव नाडसर—	५०००)	५०००)	जोधपुर	आसांमी २ रे
पांती आध में—				

पीढियें—: ७. राजसिंघ-खीवकरणोत^१ ८. नाहरखान ९. सूरजमल १०. कीरतसिंघ
११. वाहादरसिंघ १२. वगसीराम १३. ऊर्देसिंघ १४. करणसिंघ १५. जवान-
सिंघ १६. ई दरसिंघ १७. रुघनाथसिंघ

पांती आध में—

पीढियें—: १३. सूरतसिंघ-वगसीरामोत^२ १४. मोतीसिंघ १५. पाहाडसिंघ

गाँव. राजोद— ४०००) ४००० मेड़ता

पीढियें—: १४. अनोपसिंघ-सुरताणसिंघोत^३ १५. हरीसिंघ

गाँव पीराऊ— १०००) ५००) नागोर

पीढियें—: जैसिंघ-राजसिंघोत^४ ९ विजेसिंघ १०. सायबसिंघ ११. ऊर्देसिंघ
१२. मोकमसिंघ १३. नाथुसिंघ १४. मदनसिंघ १५. गुमानसिंघ
१६. नाराणदास

गाँव सरगीयो वडो— ८००) ८००) जोधपुर

„ सरगीयो तीजो ८००) ८००) „

कुल रेख १६००) १६००)

पीढियें— ७. कानसिंघ-खीवकरणोत^५ ८. भावसिंघ ९. फतसिंघ १०. अणदसिंघ
११. वाहादरसिंघ १२. उमेदसिंघ १३. सूरतसिंघ १४. समरथसिंघ
१५. भोमसिंघ

गाँव भानावास— २०००) २०००) मेड़ता

१. ठि आसोप के (६) ठाकुर खीवकरण का पुत्र ।

२. ठि नाडसर (पहली पाती) के (११) ठाकुर वगसीराम का पुत्र ।

३. ठि „ „ (१३) „ सूरतसिंह का पुत्र ।

४. ठि „ „ (७) „ राजसिंह का पुत्र ।

५. ठि आसोप के (६) ठाकुर खीवकरण का पुत्र ।

पीढिये— १०. चतरसिंघ-फर्तिसिंघोत^१ ११. जसकरण १२. मोहनसिंघ १३. फ़ोर्जसिंघ
१४ लिच्छमणसिंघ १५. जू जारसिंघ

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव चांदेलाव -	३२८०)	३२८०)	जोधपुर	
,, रूपाथल	५०००)	५०००)	नागोर	
कुल रेख	८२८०)	८२८०)		

पीढिये - : ६. पूरणमल-माँडणोत ७. वेणीदास ८. स्यामसिंघ ९. हिमतसिंघ १०. छतर-
सिंघ ११. मोहनसिंघ १२. धीरतसिंघ १३ देवसिंघ १४. किलाणसिंघ
१५. ईं दरसिंघ १६ जवारसिंघ

गाँव खेराट— १५००) १५००) नागोर

पीढिये—: ९. सूरजमल-स्यामसिंघोत^२ १० जीवणसिंघ ११ सिरदारसिंघ १२. जेसिंघ
१३ सगरामसिंघ १४. प्रतापसिंघ १५. सगतीदान

गाँव चांमां— ४०००) ४०००) कोलिया

पीढिये—: १०. हरनाथ-सूरजमलोत ११. केसरीसिंघ १२ हीदुसिंघ १३. अमरसिंघ
१४. दुलेसिंघ १५. अरजनसिंघ

गाँव सांडावास— १०००) १०००) मेड़ता आसामी २ रे
पांती आध में—

पीढिये—: ११ जगरामसिंघ-हरनाथसिंघोत^३ १२ पाहाडसिंघ १३. दलेलसिंघ
१४. भेरूसिंघ १५. सबलसिंघ

पांती आध में—

पीढिये—: १३. अजीतसिंघ-पाहाडसिंघ १४ भगवतसिंघ

गाँव सागू बडी— २०००) २०००) नागोर

पीढिये—: १०. दीपसिंघ-सूरजमलोत^४ ११. कनीराम १२. मिभुसिंघ १३. रामसिंघ
१४. वभूतसिंघ १५ चिमनसिंघ

गाँव ऊरा— २०००) २०००) नागोर

१. ठि- सरगियो बडी के (९) ठाकुर फर्तिसिंह का पुत्र ।

२ ठि. चांदेलाव के (८) ठाकुर स्यामसिंह का पुत्र ।

३ ठि चामा के (१०) ठाकुर हरनाथसिंह का पुत्र ।

४ ठि नाडसर के (९) ठाकुर सूरजमल का पुत्र ।

पीढियें - : ११. भोजराज-हरनाथसिंघोत^१ १२ नाथूसिंघ १३. रतनसिंघ १४. दुरजण-सिंघ १५ सगतीदान

गाँव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव नदवांण —	५००)	०	नागोर	

पीढियें—: ११. तेजसिंघ-दीपसिंघोत^२ १२. भेरूसिंघ १३. बनेसिंघ १४. चिमनसिंघ १५. अग्रसिंघ

गाँवबोडीद-बडी —	२०००)	२०००)	नागोर
-----------------	-------	-------	-------

पीढियें—: ९ सावलदास-स्यामसिंघोत^३ १० जीवणसिंघ ११. सिरदारसिंघ १२. रुघनाथसिंघ १३ भारथसिंघ १४. दुरजणसिंघ १५. पीरदान १६. मूलसिंघ

गाँव सेदरीयो—	५००)	५००)	नागोर
---------------	------	------	-------

पीढिये—: ९ चतरसाल-स्यामसिंघोत^४ १०. सुजाणसिंघ ११. सूरजमल १२. सायब-सिंघ १३ बखतावरसिंघ १४. स्यामसिंघ

गाँव मोठड़ी —	१२५.)	१०००)	जालोर	२५०)	रेख माफ
„ रावणीयांणी	१५६२॥)	१५६२॥)	जोधपुर		पाती ।)

कुल रेख	२८१२॥)	२५६२॥)
---------	--------	--------

पीढियें—: ८. सबळसिंघ-वेणीदासोत^५ ९ ईसरदास १० आसकरण ११. अनोपसिंघ १२. केसरीसिंघ १३ भोमालसिंघ १४ ग्यानसिंघ

गाँव जेतीवास—	७००)	७००)	जोधपुर
---------------	------	------	--------

पीढियें—: ६. दलपत-माडणोत ७. सबलसिंघ ८. रामसिंघ ९. रुगनाथसिंघ १०. चदर-भाण ११. मुकनसिंघ १२. रतनसिंघ

गाँव रांमासगी—	६२५०)	६२५०)	जोधपुर
----------------	-------	-------	--------

पीढियें—: ९. मदनसिंघ-रांमसिंघोत^६ १०. भावसिंघ ११. सुजाणसिंघ १२. जेतसिंघ १३. भवानीसिंघ १४ अभेसिंघ १५. चादसिंघ

१. ठि चामा के (१०) ठाकुर हरनाथसिंह का पुत्र ।

२. ठि सागूवडी के (१०) ठाकुर दीपसिंह का पुत्र ।

३. ठि चादेलाव के (८) ठाकुर स्यामसिंह का पुत्र ।

४. ठि. „ (८) „ „ ।

५. ठि. „ (७) वेणीदास का पुत्र ।

६. ठि. जैतीवास के (८) ठाकुर रामसिंह का पुत्र ।

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव पारासरो—	३०००)	३०००)	नागोर	

पीढिये—: ६. विसनसिंघ-रामसिंघोत^१ १०. जालमसिंघ ११ अजबसिंघ १२. भारथ-सिंघ १३. सिवनाथसिंघ १४. जोरावरसिंघ

गांव सुहांणो—	२०००)	२०००)	नागोर	
---------------	-------	-------	-------	--

पीढिये—: ८. केसरीसिंघ-सवलसिंघोत^२ ९. अमरसिंघ १०. सगरामसिंघ ११. सरूप-सिंघ १२. राजसिंघ १३ स्यामसिंघ १४. घनसिंघ १५ वागसिंघ

गांव खारियो वडो—	१५००)	१५००)	मेडता	आधो
------------------	-------	-------	-------	-----

पीढिये—: ६ लूणकरण-केसरीसिंघोत^३ १०. सिवकरण ११. चैनकरण १२. नाथुसिंघ १३. अरजनसिंघ

खांप महेसदासोत कूपावत

पीढिये—: ४. कूपो ५ महेसदास-कूपावत रा वस रा महेसदासोत कूपावत कहीजै ।

महेसदासोत कूपावतां रा ठिकाणां री विगत

गांव कटालीया—	७५००)	७५००)	सोजत	खेडा ७
„ बोरनडी	१३००)	१३००)	„	
„ बोपारी	४०००)	४०००)	„	
„ सीचीयाक	८००)	८००)	„	
„ नीदली	७००)	७००)	„	
„ मसाजण मगरा मे है रेख नही				

पीढिये—: ६. सादुलसिंघ-महेसदासोत ७ जसवतसिंघ ८. किसनसिंघ ९. सवलसिंघ १०. भावसिंघ ११. वखतसिंघ १२. सगरामसिंघ १३ कुमलसिंघ १४. मिभू-सिंघ १५. गोरघनदास

गांव डोरनडी—	३०००)	३०००)	सोजत	आसामी ३ रे
पांती आध में— ॥) रेख	१५००)			

पीढिये—: ६. सवलसिंघ-किमनसिंघोत^४ ११. जगतसिंघ १२. वनेसिंघ १३. गुलाव-सिंघ १४. समरथसिंघ

१ ठि. जैतीवाग के (८) ठाकुर रामसिंह का पुत्र ।
 २ ठि. ।, (७) „ नवामिह का पुत्र ।
 ३. ठि. मुगापो के (८) ठाकुर केमरीसिंह का पुत्र ।
 ४ ठि. कटालीया के (८) ठाकुर किमनसिंह का पुत्र ।

गांव रेख कदीम हमार भरे परभना विशेष
पांती चौथी में— १) रेख ७५०)

पीढियें— १३ लालसिंघ-बनेसिंघोत^१ १४ अमरसिंघ

पांती चौथी में— १) रेख ७५०)

पीढियें —: १२. सिवसिंघ-जगतसिंघोत^२ १३. भेरूसिंघ १४. रामसिंघ (खोळ^३)
१५. रूपसिंघ

गांव भोजादास— ७००) ७००) सोजत

पीढिये —: ७. किलांणदास-सादूलसिंघोत^३ ८. राघोदास ९. गोकलदास १०. हिमत-
सिंघ ११. सूरतसिंघ १२. घनराज १३. ऊर्देसिंघ १४. चनणसिंघ
१५. विजेसिंघ

गांव सीरीयारी बड़ी— १८५०) १८५०) सोजत

„ सीरीयारी खुरद

१८५०)

१८५०)

„

„ फुलाद

४००)

४००)

„

„ कोसवारो

२००)

२००)

„

खेडो सून

„ डीगोर

३००)

३००)

„

कुल रेख

४६००)

४६००)

पीढिये—: ६. आसकरण-महेसदासोत ७. अमरसिंघ ८. केसरीसिंघ ९. रूपसिंघ
१०. हठीसिंघ ११. सूरजमल १२. सगरांसिंघ १३. जोधसिंघ १४. दोलत-
सिंघ १५. मालसिंघ १६. रतनसिंघ (खोळ^४) १७. सिवनाथसिंघ

गांव रांघणीयांणो—

३१२५)

३१२५)

जोधपुर

आघो तिस्र मे

पाती दोय

पांती आघ में— ११)

पीढियें—: ११. रायसिंघ-हठीसिंघोत^५

१२. नरसिंघदास

१३. भोमसिंघ

१४. धीरत्तसिंघ

पांती आघ में— ११)

१. ठि डोरनडी के (आधी) के (१२) ठाकुर बनेसिंह का पुत्र ।

२. ठि. „ „ (११) „ जगतसिंह का पुत्र ।

३. ठि. कटालिया के (६) ठाकुर सादूलसिंह का पुत्र ।

४. ठि. सिरियारी के (१०) ठाकुर हठीसिंह का पुत्र ।

पीढिये—: ७. अमोनीसिध-आसकरणोत^१ ८ नारसिध ९. सिरदारसिध १०. माहासिध
११. गाडसिध १२ सूरसिध

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव मेहलाप—	१५००)	१५००)	सोजत	

पीढिये—: ९. चतरसिध-कैसरीसिधोत^२ १०. सुंदरदास ११. तेजसिध १२. ग्यानसिध
१३. कायमसिध १४. अमरसिध १५. लिछमणसिध

गांव सूरसिध रो गुडो—	१०००)	१०००)	सोजत
----------------------	-------	-------	------

पीढिये—: ८. दयालदास-अमरसिधोत^३ ९. सिभूसिध १०. लालसिध ११. जगरांसिध
१२. जसवंतसिध १३. गुलाबसिध १४. माधोसिध १५. अमरसिध

खांप ऊर्देसिधोत-कूपावत

पीढिये—: ४. कूपो ५. ऊर्देसिध-कूपावत तिण रा वस रा ऊर्देसिधोत कूपावत कहीज ।

ऊर्देसिधोत कूपावता रा ठिकाणां री विगत

गांव चेलावास—	४५००)	४५००)	सोजत
„ गोपावास	१०००)	०	
	-----	-----	
कुल रेख	५५००)	४५००)	

पीढिये—: ६. नराणदास-ऊर्देसिधोत ७. लिछमणदास ८. मेघराज ९. किलाणदास
१०. भीवसिध ११. रतनसिध १२. जूजारसिध १३. मुकनसिध १४. गुमान-
सिध १५. सगतसिध १६. मोहवतसिध

गांव मलसा वावडी—	४३००)	४३००)	सोजत	खेड़ा २
„ वाणीयामाली	७००)	७००)	„	
	-----	-----		
कुल रेख	५०००)	५०००)		

पीढिये—: ८. रतनसिध-लिछमणदासोत^४ ९. जुजारसिध १०. ईंदरसिध ११. सरूप-
सिध १२. हरीसिध

१. ठि. मिरियारी के (६) ठाकुर आमकरण का पुत्र ।

२. ठि. सिरियारी बढी के (८) ठाकुर कैसरीसिंह का पुत्र ।

३. ठि. „ „ (७) „ अमरसिंह का पुत्र ।

४. ठि. चेलावाम के (७) ठाकुर लिछमणसिंह का पुत्र ।

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव हापत—	१२५०)	१२५०)	सोजत	

पीढियें— ८. कु भकरण ९. लिछमणदासोत^१ ९. भारमल १०. चदरभाण ११. अमेरांम
१२. किलाणसिघ १३. रुघनार्थसिघ १४. आईदान १५. अनाड़सिघ

गाँव सोहावास—	४०००)	४०००)	गोढवाड़
---------------	-------	-------	---------

पीढियें —: ६. सावलदास-ऊर्देसिघोत ७. डु गरसिघ ८. मेहकरण ९. सिरदारसिघ
१०. वीरमदेव ११. सिंभूसिघ १२. कुमेरसिघ १३. फतेसिघ १४. हरनाथ-
सिघ १५. रणजीतसिघ

गाँव बुसी—	१००००)	१००००)	गोढवाड़
„ परतापगढ	१०००)	१०००)	„
„ मिरघरदास रो गुडो	१०००)	१०००)	„
कुल रेख	१२०००)	१२०००)	

पीढियें—: ६. बेरीसाल-ऊर्देसिघोत ७. भोपतसिघ ८. पचाणदास ९. मुकनसिघ
१०. जसवंतसिघ ११. सिवदानसिघ १२. प्रतापसिघ १३. छतरसिघ
१४. बखतावरसिघ १५. दुरजणसिघ (खोळी) १६. वभूतसिघ

खांप ईसरदासोत-कूंपावत

पीढियें—: ४ कूंपो ५. ईसरदास कूंपावत तिण रा वस रा ईसरदासोत कूंपावत कहीजै ।

ईसरदासोत कूंपावतां रा ठिकाणां री विगत

गाँव चंडावल—	६२५०)	६२५०)	सोजत
„ छीतरीयो	२५००)	२५००)	„
„ राणावास	५०००)	५०००)	„
„ चवाडिया	२०००)	२०००)	„
„ पाचनडो वडो	८७५)	८७५)	„
„ पाचनडो खुरद	८७५)	८७५)	„
„ खारचीया	१२५०)	१२५०)	„
„ बछराज रो गुडो	१२५०)	१२५०)	„
कुल रेख	२००००)	२००००)	

१. डि. चेलावास के (७) ठाकुर लिछमणसिंह का पुत्र ।

पीढिये—: ६. चांदसिध-ईसरदासोत ७. गोरधनदास ८. विजेसिध ९. फतेसिध
१०. पिरथीराज ११. सेरसिध १२. हरीसिध १३. विसनसिध १४. सावत-
सिध १५. लिछमणसिध १६. प्रतापसिध १७. सगतीदान

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव राजोलो खुरद—	६२५)	६२५)	सोजत	आघो

पीढिये—: १०. ऊर्देसिध-फतैसिधोत^१ ११. सवाईसिध १२. सिभूसिध १३. जैतसिध
१४. घनसिध. १५. सादुलसिध

गाँव माटो—	८७५०)	९७५०)	सोजत
------------	-------	-------	------

पीढिये—: १०. सिरदारसिध-फतैसिधोत^२ ११. कुसलसिधोत १२. सिर्वासिध
१३. चेनसिध १४. कुसलसिध १५. करणसिध (खोळ) १६. मालमसिध
१७. छतरसिध

गाँव सुकेलाव—	३०००)	३०००)	सोजत
---------------	-------	-------	------

पीढिये—: ८. जगनाथ-गोरधनदासोत^३ ९. भगवानदास १०. हरभाण ११. विहारी-
दास १२. दुरगदास १३. वभूसिध १४. हठीसिध १५. सवाईसिध

खांप-तिलोकदासोत-कूपावत

पीढिये—: ४. कूपो ५. तिलोकदासोत-कूपावत तिण रा वंस रा तिलोकदासोत कू पावत
कहीजे ।

तिलोकदासोत कूपावतां रा ठिक्राणां री विगत

गाँव घणालो—	३०००)	३०००)	सोजत
„ दुरगा रो गुडो	१०००)	१०००)	„
„ भोजा रो गुडो	१०००)	१०००)	„
„ गुमानपुरो	५००)	०	„
	-----	-----	
कुल रेख	५५००)	५०००)	

पीढिये—: ६. भीवसिध-तिलोकदासोत ७. दयालसिध ८. माधोसिध ९. फतेसिध
१०. खीवकरण ११. कृभकरण १२. केसरीसिध १३. ऊर्देसिध
१४. विडदसिध १५. वाघसिध १६. बाहादरसिध

१. ठि. चटावल के (९) ठाकुर फतैमिह का पुत्र ।

२. ठि. चटावल के (९) ठाकुर फतैमिह का पुत्र ।

३. ठि. „ (७) „ गोरधनदास का पुत्र ।

खांप-नरावत

१. राव सूजो २. नरो-सूजावत तिण रा वस रा नरावत कहीजे ।

नरावतों रा ठिकाणों की विगत

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव भडाणो—	६०००)	६०००)	नागोर	

पीढियें—: ३ गोयनदास-नरावत ४. राजसिंघ ५. मानसिंघ ६. प्रागदास ७ सबल-सिंघ ८. चदरसेण ९ पदमसिंघ १०. सूरतसिंघ ११. धीरतसिंघाँ १२ सिरदारसिंघ १३. फतेसिंघ १४. विसनसिंघ १५. लिछमणसिंघ

गाँव वेलिमरा रो वासणी	१५००)	१५००)	नागोर	आधी
-----------------------	-------	-------	-------	-----

पीढियें—: ११. संगरामसिंघ-सूरतसिंघोत^१ (सवत् १८०२ मे वासणी पाई) १२. देव-सिंघ १३ सखुपसिंघ १४. आसकरण

गाँव बुहु—	३०००)	३०००)	नागोर	
------------	-------	-------	-------	--

पीढियें—: ८ कुसलसिंघ-सबलसिंघोत^२ ९. सिरदारसिंघ १०. रतनसिंघ ११. सेरसिंघ १२. बभूतसिंघ १३. सिवनाथसिंघ

गाँव कसूबी पादडाँ—	१०००)	१०००)	नागोर	
--------------------	-------	-------	-------	--

पीढियें—: ६. जसवतसिंघ-मानसिंघोत^३ ७ जगतसिंघ ८ बलुसिंघ ९. लालसिंघ १०. सवाईसिंघ ११. अखेसिंघ १२ चादसिंघ १३. अजीतसिंघ १४ सिवनाथसिंघ

गाँव बाघरासर—	३०००)	३०००)	नागोर	आसामी २ रे
---------------	-------	-------	-------	------------

पाँतो दोय में— ॥ =) ॥॥ रेख २०००)

पीढियें :-: ४ पिरथीराज-गोयनदासोत^४ ५ किसनदास ६. स्यामसिंघ ७. रुघनार्थसिंघ ८. वीरमदेव ९. मोहकमसिंघ १०. जगरामसिंघ ११. विजेसिंघ १२. खडग-सिंघ १३. किसनसिंघ

विगत पाँतो तीजी में रेख—१०००)

† भडाणो पायो सवत् १७८६ मा सुद ७ महाराज श्री अभेसिंघजी रे समे ।

१ ठि भडाणो के (१०) ठाकुर सूरतसिंह का पुत्र ।

२ ठि भडाणो के (७) ठाकुर सबलसिंह का पुत्र ।

३ ठि. ,, (५) ,, मानसिंह का पुत्र ।

४ ठि. ,, (३) ,, गोयददाम का पुत्र ।

पीढिये—: ६. विगतसिंघ-वीरमदेव रो^१ १०. बाघसिंघ ११ नाथुसिंघ १२. दलेलसिंघ

खांप-नारणोत

१. राव रिङ्गमल २. नारण-रिङ्गमलोत

नारणोतां रा ठिकाणां री विगत

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव बोसुरी—	१०००)	१०००)	नागोर	आधी

पीढिये—: १. रुघनाथसिंघ-नारण रो २. जोरावरसिंघ ३. बाकीदास ४. हिंदूसिंघ
५. करणसिंघ ६. सगतीदान

खांप-कांधलोत

१. राव रिङ्गमल २. काधल-रिङ्गमल रो तिण रा वस रा काधलोत है ।

कांधलोतां रा ठिकाणां री विगत

गांव लांबो जटां—	६२५०)	६२५०)	मेडता
------------------	-------	-------	-------

पीढिये—: १. अमानसिंघ २. करणसिंघ ३. रुघनाथसिंघ

खांप-बीदावत

१. राव-जोधो २. बीदो-जोधवावत तिण रा वस रा बीदावत कहीजै ।

बीदावतां रा ठिकाणां री विगत

गांव सांगु खुरद—	१०००)	१०००)	नागोर
------------------	-------	-------	-------

पीढिये—: १. मुथरादास २. मुकनदास ३. खगारसिंघ ४. नाथुसिंघ ५. अजीतसिंघ
६. लालसिंघ

गांव कुसियो—	१०००)	१०००)	नागोर
--------------	-------	-------	-------

पीढिये—: १. रुघनाथसिंघ २. गुमानसिंघ ३. भोपालसिंघ ४. चादसिंघ

खांप-ऊदावत-वेडवासीया

१. रावल-तीडो २. कानडदे-रावल तीडा रो ३. रावल-कानडदे रो ४. त्रिभांणसी-
रावल रो ५. ऊदो-तिण रा वस रा ऊदावत कहीजै । (सु बीकानेर रे गाव सहुवे
या सु ऊदा सुं तीजी वीरम हुवो मु राव जोधा रा राज मे गाव में वेडवासीये आय
वसीया, जठा पछे वेडवासीया ऊदावत कहीजै ।)

ऊदावत-वेडवासीयां रा ठिकाणां री विगत

गांव बेड वासीयो— गढ जोधपुर रेख २६००) मे बाद पांती आना -)।।। री रेख २००) री गाव बेगडीया वाला रे सु ऊठे लिखीजसी बाकी आना ।।। =)। री रेख २४००) री आसांमी ६ रे तिण री विगत—

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव बेड वासीयो—	१४००)	२४००)	जोधपुर	आसांमी ६ रे

।-)।। पांती रेख— ६५०) री

पीढिये—: ६. विजेराम-ऊदावत ७. वीरम गाव सहुवा सु राव-जोधाजी रा राज मे गाव बेड वासीये आयो) ८. पिरथीराज ९. ससारचद १०. मालमसिंघ ११. रायसिंघ १२. पुरणसिंघ १३. मानसिंघ १४ सीयो १५. बिहारी-दास १६. बखतसिंघ १७. हिंदूसिंघ १८. करणसिंघ १९. सादुलसिंघ

—)।।। पांती रेख— ३००)

पीढिये—: १५. हीरदेराम-सीयावत^१ १६. अजबसिंघ १७. आसकरणा १८. छतर-सिंघ १९. जुंजारसिंघ

-)।।। पांती रेख— ३००)

पीढिये—: १०. भाण-ससारचंद रो^२ ११ माधोसिंघ १२ देईदास १३. ऊगरसिंघ १४. हरीसिंघ १५. मयाजल १६. विसनसिंघ १७. प्रतापसिंघ

-)।।। पांती रेख— २५०)

पीढिये— १५. जगतसिंघ-हरीसिंघोत^३ १६. मांघोसिंघ १७. वनेसिंघ १८. खुमाणसिंघ १९. जसवतसिंघ

-)।।। पांती रेख— ३००)

पीढिये—: ११. बाघसिंघ-भाणोत^४ १२ नेतसी १३. चांदसिंघ १४. सिवदानसिंघ १५. सेरसिंघ १६. नवलसिंघ

-)।।। पांती रेख— ३००)

पीढिये -: मेहो-संसारचद रो^५ ११. सावलदास १२. अमरसिंघ १३. रूपसिंघ

-
१. ठि. बेडवासियो के (१४) ठाकुर सीया का पुत्र ।
 - २ ठि. " (६) " ससारचद का पुत्र ।
 - ३ ठि वेडवासियो (दो पाती) के (१४) ठाकुर हरीसिंह का पुत्र ।
 ४. ठि. " " (१०) " भाण का पुत्र ।
 - ५ ठि. " " (६) " ससारचद का पुत्र ।

पीढियें— ६. बाघसिंघ-पिरथीराजोत ७. कुंभकरण ८. देवकरण ९. प्रतापसिंघ
१०. दुरजणसिंघ ११. पाहाडसिंघ १२. जोरावरसिंघ १३. हिंदूसिंघ
१४. केसरीसिंघ १५. सिवनाथसिंघ १६. नाहारसिंघ

गाँव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव नून—	३०००)	३०००)	नागोर	

पीढियें—: ८. कासीराम-कुंभकरणोत^१ ९. मुकनदास १०. जालमसिंघ ११. ऊदेसिंघ
१२. करणसिंघ १३. सुमेलसिंघ

गाँव सेरगो—	२०००)	२०००)	जालोर
-------------	-------	-------	-------

पीढियें—: ८. सूरजमल-कुंभकरणोत^२ ९. किलयाणसिंघ १०. तखतसिंघ ११. जैत-
सिंघ १२. गजसिंघ

गाँव खोखरो—	९०००)	५०००)	सोजत	खेड़ा ५
-------------	-------	-------	------	---------

पीढियें—: ७. भगवानदास-बाघसिंघोत^३ ८. सुजाणसिंघ ९. बीको १०. रूपसिंघ
११. रुघनार्थसिंघ १२. रतनसिंघ १३. जोधसिंघ १४. भवानीसिंघ
१५. सालमसिंघ १६. ग्यानसिंघ १७. नर्जसिंघ १८. भेरूसिंघ

गाँव वाली—	१०००)	१०००)	सोजत	पैदास २०००)
------------	-------	-------	------	-------------

पीढियें—: ८. ऊदेभाण-भगवानदासोत ९. प्रतापसिंघ १०. हठीसिंघ ११. सेरसिंघ
१२. सरूपसिंघ १३. बनेसिंघ १४. बभूतसिंघ

खांप-आसकरणोत जैतावत

४. जेती ५. देईदास ६. आसकरण-देईदासोत रा वस रा आसकरणोत जैतावत कहीजै ।

आसकरणोत जैतावतां रा ठिकाणां री विगत

गाँव थांवल्लो—	४०००)	४०००)	जालोर
----------------	-------	-------	-------

पीढियें—: ७. केसोदास-आसकरणोत ८. मोहणदास ९. हेवतसिंघ १०. कुंभकरण
११. हिरदेराम १२. सूरतसिंघ १३. मोहकमसिंघ १४. लालसिंघ १५. ईदर-
सिंघ १६. वेरीसाल

गाँव आलासण—	१०००)	१०००)	जालोर	आधो
-------------	-------	-------	-------	-----

१. ठि. वगडी के (७) ठाकुर कुंभकरण का पुत्र ।

२. ठि. , (७) ,, ,, ,, ।

३. ठि. ,, (६) , बाघसिंह का पुत्र ।

पीढिये—: ११. रतनसिंघ-हिरदेरांमोत^१ १२. सबलसिंघ १३. नाहरसिंघ

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव-रायरो बड़ो—	६००)	६००)	जालोर	
„ रायरो खुरद	४००)	४००)	„	
कुल रेख	१०००)	१०००)		

पीढिये—: ११. ऊमेदसिंघ-हिरदेरांमोत^२ १२. सगरामसिंघ १३. सुखसिंघ १४. सिव-सिंघ १५. जुहारसिंघ १६. दोलतसिंघ

गांव समदांणी— ४००) ४००) भीनमाल

पीढिये—: १०. सूरजमल-कुंभकरणोत^३ ११. दलसिंघ १२. नगराज १३. हिंदूसिंघ १४. कुसालसिंघ

गांव लांबोड़ी—	५००)	५००)	सोजत
„ सावलदास रो गुढो	५००)	५००)	„
„ सोभा रो गुढो	१०००)	१०००)	„
कुल रेख	२०००)	२०००)	

पीढिये—: ७. किलांगदास-आसकरणोत ८. किसनदास ९. करमसेण १०. जगरूप-सिंघ ११. नाहरखान १२. सिवदान १३. गजसिंघ १४. म्यानसिंघ १५. भोमसिंघ

गांव मुरढावो— ६२५) ६२५) सोजत

पीढिये—: ७. दलपत-आसकरणोत ८. जैतसिंघ ९. ईदरसिंघ १०. सगरामसिंघ ११. अमरसिंघ १२. नाहरसिंघ १३. देवीसिंघ

खांप-भोपतोत-जैतावत

पीढिये—: ४. जेतो ५. देईदास ६. भोपत-देईदासोत तिण रा बस रा भोपतोत-जैतावत कहीजै ।

१. ठि. थावलो के (११) ठाकुर हिरदेराम का पुत्र ।

२. ठि. „ (११) „ „ „ ।

३. ठि. „ के (१०) ठाकुर कुंभकरण का पुत्र ।

भोपतोत जैतावताँ रा ठिकाणां री विगत

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव खांडो देवल—	१२५०)	१२५०)	भीनमाल	

पीढियेँ—: ७ माघोसिंघ-भोपतोत ८. स्यामसिंघ ९. गोरघनसिंघ १०. फतेसिंघ
११. सुरतांसिंघ १२. विसनसिंघ १३. विजेसिंघ १४. चैनसिंघ
१५. नवलसिंघ

गाँव रामसिंघ रो गुडो—	२०००)	२०००)	सोजत	हेस ३
-----------------------	-------	-------	------	-------

पीढियेँ—: ७. रामसिंघ-भोपतोत ८. भाखरसिंघ ९. करणसिंघ १०. हिंदूसिंघ
११. जालमसिंघ १२. समरथसिंघ १३. सूरजमल १४. दुरगदास

खांप-कलावतां री

पीढियेँ—: १. राव-रिडमल २. अखेराज ३. पंचांग ४. कलो, तिए रा बस रा कलावत
कहीजै ।

कलावताँ रा ठिकाणां री विगत

गाँव हूरा—	१०००)	१०००)	सोजत
------------	-------	-------	------

पीढियेँ—: १. मनोरदास २. नाहरखान ३. सिरदारसिंघ ४. ग्यानसिंघ ५. जालमसिंघ
६. कायमसिंघ ७. अजीतसिंघ

गाँव जाहरा—	१५००)	१५००)	सोजत
-------------	-------	-------	------

पीढियेँ—: ५. जसकरण-कलावत ६. पूरणमल ७. हरीसिंघ ८. सुजाणसिंघ ९. सायब-
खान १०. सिरदारसिंघ ११. पेमसिंघ १२. हरनाथसिंघ १३. छतरसिंघ
१४. भोमसिंघ १५. सिवनाथसिंघ १६. रुधनाथसिंघ

खांप-गोयंददासोत जोधा

पीढियेँ—: १. मोटा राजा श्री ऊर्देसिंघजी २. भगवानदास ३. गोयंददास तिए रा बस
रा गोयंददासोत कहीजै ।

गोयंददासोत जोधाँ रा ठिकाणां री विगत

गाँव खेरवो—	१००००)	१००००)	जोधपुर
„ आयेची	११२५)	११२५)	„
„ बुधवाड़ी	१८७५)	१८७५)	„
„ वापुनी	१२५०)	१२५०)	„

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
„ सुगालीयो	७५०)	७५०)	जोधपुर	
„ आकड़ावास	५००)	५००)	„	
„ नीवलो	२५०)	२५०)	सोजत	
„ घनेरीयो	३०००)	३०००)	मेड़ता	
„ धनड़ी	१५००)	१५००)	„	
„ बडायलि	७५००)	७५००)	„	
कुल रेख	२७७५०)	२७७५०)		
गांव बलाडो—	१०५०)	१२५०)	जेतारण	आय
„ हीगवाणियो	१२५०)	१२५०)	„	„
कुल रेख	२५००)	२५००)		

पीढिये—: ५. सिवदानसिध-रिणद्धोड़दासोत ६. जोधसिध ७. सायवसिध ८. दलेलसिध
९. जालमसिध १०. नाहारसिध ११. सादुलसिध १२. सालमसिध
१३. विड़दसिध

गांव खारड़ी— ३१२५) ३१२५) सोजत

पीढिये—: ७. मोहकमसिध-जोधसिधोत^१ ८. भवानीसिध ९. मालमसिध १०. नवलसिध
११. डुरजणसिध

गांव वूठीयास— २५००) २५००) जेतारण

पीढिये—: ६. फतेसिध-सिवदानसिधोत^२ ७. दोलतसिध ८. स्यामसिध ९. वनेसिध
१०. दानसिध ११. मालमसिध १२. माघोसिध

गांव बाबरो— रेख ५०००) सु माफ है जेतारण

„ कुसलपुरो ”
„ सेजपुरो ”
„ रातडीयो ”
„ देवगढ ”

१. ठि. बलाडो के (६) ठाकुर जोधसिह का पुत्र ।

२. ठि. „ (५) „ शिवदानसिह का पुत्र ।

गाव
,, पाच फेर वसे है

कुल रेख ५०००) माफ है

पीढिये—: ४ हिरदेनारायण-गोयददासोत ५ अखेराज ६. रुघनाथसिघ ७. प्रतापसिघ
८. दोलतसिघ ९. रामसिघ १०. करणसिघ ११. हिमतसिघ १२. माघोसिघ

गांव रोईचो— ६०००) ६०००) मेडता

,, डरुकीयो ३०००) ३०००) ,,

कुल रेख १२०००) १२०००)

पीढिये—: ६. हरनाथसिघ-अखैसिघोत^१ ७ सगतसिघ ८. ऊमेदसिघ ९. दुलेहसिघ
१०. बखतावरसिघ ११. केसरीसिघ

गांव अलचपुरो— १०००) १०००) डीडवाणो

पीढिये—: ६. देवसिघ-अखैसिघोत^२ ७. सिवसिघ ८. अमानसिघ ९. तखतसिघ
१०. मूलसिघ

गांव आंतरोली-वडी— ४०००) ४०००) मेडता

पीढिये—: ४. जगरूपसिघ-गोयददासोत ५. रायसिघ ६. जैसिघ ७ सुरताणसिघ
८. बाहादरसिघ ९. सेरसिघ १०. पिरथीसिघ ११. नदुसिघ
१२. सिवनाथसिघ

खांप-गोपालदासोत जोधा

पीढिये—: १. मोटा राजा ऊदेसिघजी २ भगवानदास ३. गोपालदास † जोधा, तिण रा
वस रा गोपालदासोत जोधा कहीज ।

गोपालदासोत जोधा रा ठिकाणां री विगत

गांव तोलासर — १५००) १५००) दोलतपुरा

† गोपालदास काम आयो सबत् १६६४ मे महाराज श्री गजसिघजी से भगडो कवरपदे
गांव वीलीया मे हुवो ।

१. ठि. बाधरा के (५) ठाकुर अखैराज का पुत्र ।

२. ठि " (५) " " " ।

पीढिये—: ४. किसोरदास-नोपालदासोत ५. नाहरसिघ ६. माहार्सिघ ७. सवाईसिघ
८. जालमसिघ ९. रामसिघ १०. रुधनाथसिघ

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव मालावासणी—	५००)	५००)	डीडवाणो	

पीढिये—: ८. सालमसिघ-सवाईसिघोत^१ ९. सुरतांगसिघ § १०. विसालसिघ

गांव खातोलाई—	१०००)	१०००)	मेड़ता
---------------	-------	-------	--------

पीढिये—: ६. केसरीसिघ-नाहरसिघोत^२ ७. रूपसिघ ८. दुरजणसिघ ९. सालमसिघ
१०. भीवसिघ ११. प्रभूदान

खांप-जगनाथोत जोधा

पीढिये—: १. महाराजा श्री ऊर्देसिघजी २ नरहरदास ३. जगनाथ तिण रा वंस रा
जगनाथोत जोधा कहीजै ।

जगनाथोत जोधा रा ठिकाणां री विगत

गांव मोडरो—	२५००)	२५००)	मेड़ता
-------------	-------	-------	--------

पीढिये—: ४. जसकरण-जगनाथोत ५. विजेसिघ ६. सूरसिघ ७. ग्रमरसिघ ८. वनेसिघ
९. देवीसिघ १०. वखतावरसिघ ११. मुकनसिघ

खांप-रतनोत-जोधा

पीढिये—: १ महाराज श्री मोठा राजा उदैसिघजी २. जैतसिघ ३ हरीसिघ *
४ रतन सिघ, तिण रा वस रा रतनोत जोधा कहीजै ।

रतनोत जोधां रा ठिकाणां री विगत

गांव दुगोलि खास—	२०००)	२०००)	मेड़ता
„ गुलर	३०००)	३०००)	„ }
„ गुमेर	२०००)	२०००)	„
„ तुवरो	३०००)	३०००)	„

§ काम आयो डीडवाणा सवत् १८६५ मे ।

* यह गांव जेठारो मे खरवा के प्रतापसिघ से लड़कर स. १६५७ में काम आया ।

१ ठि तोलासर के (७) ठाकुर सवाईमिह का पुत्र ।

२ ठि „ (५) „ नाहरसिह का पुत्र ।

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
„ माजरो मीठी	१०००)	१०००)	मेड़ता	
„ अडसी गाव	३०००)	३०००)	„	
	-----	-----		
कुल रेख	१४०००)	१४०००)		

पीढियें—: ५. किसनसिंघ-रतनसिंघोत ६. सावतसिंघ ७. सिरदारसिंघ ८. राघोदास
९ ग्यानसिंघ १०. सिवनाथसिंघ ११. बखतावरसिंघ १२. बीजेसिंघ

गांव कवेडीयो— ३०००) ३०००) नागोर

पीढियें—: ८. विसनसिंघ-सिरदारसिंघोत^१ ९. बदनसिंघ १०. हणवतसिंघ
११. जसवतसिंघ

गांव दुदोलि— ५०००) ५०००) नागोर

पीढियें—: ६. ईसरीसिंघ-किसनसिंघोत^२ ७. जू जारसिंघ ८. बेरीसाल ९. हुकमसिंघ
१०. अमरसिंघ ११. जालमसिंघ

गांव भाडेली — ५०००) ५०००) नागोर

पीढियें—: ७. धीरतसिंघ-केसरीसिंघोत ८ चतरसिंघ ९. केसरीसिंघ १०. महेसदास
११. रणजीतसिंघ १२. सिवदानसिंघ

गांव नीबेड़ो— २०००) २०००) नागोर

पीढियें—: ६ जगतसिंघ-किसनसिंघोत ७. जसकरण ८. मानसिंघ ९. ऊमेदसिंघ
१०. अमरसिंघ ११. हरनाथसिंघ.

गांव लोटोती — ५०००) ५०००) जेतारण

„ बाकलीयो २०००) २०००) नागोर

„ ढाकावास २०००) २०००) „

कुल रेख ६०००) ६०००)

पीढियें—: ५. रामसिंघ-रतनसिंघोत ६. जोर्घसिंघ ७ सिवसिंघ ८. जालमसिंघ ९. सेर-
सिंघ १०. ऊदेसिंघ ११. ई दरसिंघ १२. प्रतापसिंघ

गांव रावडोयाक— ४०००) ४०००) जेतारण आधी

१. ठि दुगोली के (७) ठाकुर सिरदारसिंह का पुत्र ।

२. ठि „ (५) „ किसनसिंह का पुत्र ।

पीढिये—: ७. अर्भेसिंघ-जोधसिंघोत^१ ८. राजसिंघ ९. मानसिंघ १०. बखतावरसिंघ
११. अजीतसिंघ

गाव	रेख कदोम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव बांजाकुडी—	२०००)	२०००)	जेतारण	आधी

पीढिये—: ७. सिवसिंघ-जोवसिंघोत^२ ८. बखसीराम-सिवसिंघोत ९. चुतरभुज
१०. कुसालसिंघ ११. रणजीतसिंघ १२. मुकनसिंघ

गांव नोखो—	३०००)	३०००)	नागोर
------------	-------	-------	-------

पीढिये—: ५. अणदसिंघ-रतनसिंघोत ६. सूरजमल ७. भीवसिंघ ८. नाहारसिंघ
९. हुकमसिंघ १०. मोतीसिंघ ११. दोलतसिंघ

गांव पठाणां रो वास—	५००)	५००)	डीडवाणो	आसामी २ रे
„ वाभुवासी	१०००)	१०००)	नागोर	„
कुल रेख	१५००)	१५००)		

। पांती आध में— ॥)

पीढिये—: ६. पदमसिंघ-अणदसिंघोत^३ ७. मोहकमसिंघ ८. लालसिंघ ९. सिवसिंघ
१०. परभूदान ११. रणजीतसिंघ

। पांती आध में— ॥)

पीढिये—: ७. राजसिंघ-पदमसिंघोत^४ ८. छतरसिंघ ९. अणरसिंघ १०. देवीसिंघ

गांव आमलवासी—	५००)	५००)	नागोर
---------------	------	------	-------

पीढिये—: ६. सूरतसिंघ-अणदसिंघोत^५ ७. हिमतसिंघ ८. समेलसिंघ ९. जोरावरसिंघ

गांव रोजो—	५०००)	५०००)	नागोर
------------	-------	-------	-------

पीढिये—: ५. करणसिंघ-रतनसिंघोत ६. बखतसिंघ ७. जगरामसिंघ ८. अनाईसिंघ
९. रुघनाथसिंघ १०. रणजीतसिंघ ११. हमीरसिंघ

१. ठि. लोटोती के (६) ठाकुर जोधसिंह का पुत्र ।

२. ठि. „ (६) „ „ „ ।

३. ठि. नोखो के (५) ठाकुर अणदसिंह का पुत्र ।

४. ठि. पठाणा री वास के (६) ठाकुर पदमसिंह का पुत्र ।

५. ठि. नोखो के (५) ठाकुर अणदसिंह का पुत्र ।

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव गुढो रोयलो—	२०००)	२०००)	नागोर	आसामी २ रे

पांती आध मे— ॥)

पीढिये—: ६. मालमसिंघ-करणसिंघोत^१ ७. अजवसिंघ ८. जंतसिंघ ९. गुलाबसिंघ
१०. राजसिंघ ११. चिमनसिंघ

पांती आध में— ॥)

पीढिये—: ६. जीवणसिंघ-जंतसिंघोत^२ १०. भूरसिंघ ११. हमीरसिंघ
गांव चावली १०००) १०००) नागोर
पीढिये—: ६. कुसलसिंघ-करणसिंघोत^३ ७. फतेसिंघ ८. मालमसिंघ ९. जीवणसिंघ
१०. अमानसिंघ ११. वेरीसाल १२. सरूपसिंघ

गांव खारी— २०००) २०००) नागोर

पीढिये—: ६. वखतसिंघ-करणसिंघोत^४ ७. सुजाणसिंघ ८. कनीराम ९. भेरुसिंघ
१०. स्यामसिंघ ११. ऊर्देसिंघ १२. डूगरसिंघ

गांव खांभीवाद— ५०००) ५०००) नागोर

पीढिये—: ५. सवाईसिंघ-रतनसिंघोत ६. ऊर्देसिंघ ७. अखैसिंघ ८. वनेसिंघ ९. रूपसिंघ
१०. हणवतसिंघ ११. विड़दसिंघ

गांव खेवर— ३०००) ३०००) नागोर

पीढिये—: ८. रिडमल-अर्जसिंघोत^५ ९. चिमनसिंघ १०. दोलतसिंघ
११. हरनाथसिंघ

गांव डाभड़ी— २०००) २०००) नागोर

पीढिये—: ५. बाघसिंघ-रतनसिंघोत ६. दुरजणसिंघ ७. जसकरण ८. सिंभूसिंघ
९. जालमसिंघ १०. पाहाडसिंघ ११. रणजीतसिंघ

खांप-किलाणदासोत-जोध

- १ ठि रोजो के (५) ठाकुर करणसिंह का पुत्र ।
- २ ठि ,, (दुजी पाती) के (८) ठाकुर जंतसिंह का पुत्र ।
- ३ ठि. ,, (५) ठाकुर करणसिंह का पुत्र ।
४. ठि. ,, (५) ,, ,, ।
५. ठि. खाभीवाद के (७) ठाकुर अखैसिंह का पुत्र ।

पीढिये—: १. माहाराज श्री ऊर्देसिधजी २. जैतसिध ३. हरीसिध ४. किलाण-
दास, तिण रा वस रा किलाणदासोत जोधा कहीजै ।

किलाणदासोत जोधां रा ठिकाणां री विगत

गांव	रेख कदोम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव जालणीयासर—	२०००)	२०००)	नागोर	

पीढिये—: ५. रूपसिध-किलाणदासोत ६. भीवसिध ७. मानसिध ८. बदरीदास
९. पेमसिध १०. विड़दासिध

गांव आकोडो—	२०००)	२०००)	नागोर	
-------------	-------	-------	-------	--

पीढिये—: ५. हरनार्थसिध-किलाणदासोत ६. जगरामसिध ७. पाहाड़सिध ८. चांदसिध
९. बलदेवसिध

गांव जांशेवो—	२०००)	२०००)	नागोर	आसांमी ३ रे
---------------	-------	-------	-------	-------------

पांती आध में— ॥)

पीढिये—: ५. कुसालसिध-किलाणदासोत ६. अनोपसिध ७. सूरजमल ८. खेतसिध
९. जसकरण १०. भेरुसिध ११. अमानसिध

पांती पाव में— १)

पीढिये— १०. भोपालसिध-जसकरणोत^१ ११. जुहारसिध

पांती पाव में— १)

पीढिये—: १०. सिवसिध-जसकरणोत^२ ११. चैनसिध

खांप-अमरसिधोत जोधा

पीढिये—: १. माहाराज श्री गजसिधजी २. अमरसिध-गजसिधोत (नागोर राज कियो)
अमरसिध रा वंस रा अमरसिधोत जोधा कहीजै ।

अमरसिधोत जोधां रा ठिकाणां री विगत

गांव सेवो—	४०००)	०	दोलतपुरा	खेड़ा २ आसांमी ३
------------	-------	---	----------	---------------------

१. ठि. जाणवो (पहली पाती) के (६) ठाकुरे जसकरण का पुत्र ।

२. ठि. " " (६) " " " ।

पांती आध में— 11)

पीढियें—: ३. ईसरीसिध-अमरसिधोत ४ अनोपसिध ५. अणदसिध ६. करणसिध
७. बखतावरसिध ८. नाथूसिध

पांती पाव में— 1)

पीढिये — ७. बनेसिध-करणसिधोत ८. सिवसिध ९. फकीरसिध

पांती पाव में— 1)

पीढियें—: ८. सेरसिध-त्रनैसिधोत

गाँव सेवो— परगनां दीलतपुरा रो, रेख भरे नही, राजवी तिण सू ।

खाँप-किसोरसिधोत जोधां रा ठिकाणां री विगत

पीढियें—: १. महाराज श्री अजीतसिधजी २. किसोरसिधजी † तिण री खवास रा
किसोरसिधोत कहीजै ।

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव जलवाणो—	५०००)	५०००)	मेड़ता	

पीढियें—: ३. जंतसिध-किसोरसिधोत ४. भैरूसिध § ५. बखतावरसिध
६. बलवतसिध

खाँप-जोधां रा ठिकाणां री विगत

राव जोधो सवत् १४७२ रा बैसाख सुद ४ रो जनम संवत् १५१५ जोधाजी जोधपुर सैर
वसायी ने गढ करायो । सवत् १५४५ रा माहा सुद ११ रा अंतकाळ हुवो तिण रा वंस
रा जोधा कहीजै ।

खाँप-खंगारोत जोधां रा ठिकाणां री विगत

१. राव जोधो २. जोगो ३. खंगार, तिण रा वंस रा खंगारोत कहीजै ।

गाँव खारीयो—	१२५०)	६२५)	जोधपुर
„ पुनास	६००)	६००)	
	-----	-----	
कुल रेख	२१५०)	१५२५)	

† किसोरसिहजी काम आया गाव नरासर मे खेजड़ला वाळा रे भगड़ो हुवो जठे रास
वाळा केसरीसिहजी रा हाथ सू सवत् १८०६ रा काती वद १४ नै ।

§ काम आयो अजमेर दिखणिया सू भगड़ो हुवो जठे ।

पीढियें—: ४. गागो-खगारोत ५. मानसिंघ ६. आसकरण ७. द्वारकादास ८. राघो-
दास ९. जसकरण १०. फरसराम ११. जीवणसिंघ* १२. फतसिंघ
१३. रतनसिंघ १४. गोपीनाथ

गांव	रेख कद्रीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव जालसू-बड़ी—	४०००)	४०००)	मेडना	
पांती आघ में—				

पीढियें—: ९. विहारीदास-नोयंददासोत १०. पदमसिंघ ११. जंतसिंघ १२. सूरजमल
१३. पेमसिंघ १४. जवानसिंघ

पांती आघ में—

पीढियें—: १०. गुमानसिंघ-विहारीदासोत^१ ११. अभैसिंघ १२. पहाड़सिंघ
१३. कुसलसिंघ १४. सिवसिंघ १५. भीवसिंघ

गांव डाहोली (खारी)	२०००)	२०००)	नागोर
--------------------	-------	-------	-------

पीढियें—: ८. चद्रभाण-द्वारकादासोत^२ ९. हरनाथसिंघ १०. अनोपसिंघ ११. केसरी-
सिंघ १२. नाहरसिंघ १३. हुकमसिंघ १४. सावतसिंघ^३ १५. जेतसिंघ

गाँव छापली—	१२५०)	१२५०)	जोवपुर
-------------	-------	-------	--------

पीढियें—: ६. पूरणमल-मानसिंघोत^४ ७. कीरतसिंघ ८. कुभकरण ९. नाथूसिंघ
१०. मालसिंघ ११. भवानीसिंघ १२. घीरतसिंघ १३. रूपसिंघ
१४. तखतसिंघ

खाँप-बाघावत जोधां रा ठांकणां री विगत

१. राव बाघो सवत् १५१४ रो जनम ने सवत् १५७१ अंतकाळ हुवो कवरपदे, तिए
रा वंस रा बाघावत जोधा कहीजे ।

गाँव पहाड़पुरो—	२०००)	२०००)	जालोर
„ नीवावस	१५००)	१०००)	„
„ भागल	१०००)	१०००)	„

* यह सवत् १८५३ मे खीवसर मे काम आया ।

१. गाव जालसू बड़ी की (पहली पाती) के (९) ठाकुर विहारीदास का पुत्र ।

२. गाव खारियो के (७) ठाकुर द्वारकादास का पुत्र ।

३. युद्ध मे काम आयो संवत् १८४७ में ।

४. गाव खारियो के (५) ठाकुर मानसिंह का पुत्र ।

गाँव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
„ खानपुर	५००)	५००)	जालोर	
„ नीबली सु डारी	२५००)	२५००)	सोजत	
कुल रेख	७५००)	७०००)		
गाँव आंटण—	७७५)	७७५)	जोधपुर	
„ मोकलावास	४००)	४००)	सोजत	
कुल रेख	११७५)	११७५)		

पीढिये :- ७ जैसिंघ-माघोसिंघोत ८. ऊदेभाण ९. दोलतसिंघ § १०. सेरसिंघ
११. सिवसिंघ १२. स्यामसिंघ १३. अमानसिंघ १४. जूंजारसिंघ

गाँव सिकारपुरो—	२०००)	२०००)	जोधपुर
„ कुकडनाडो	१५००)	१५००)	
कुल रेख	३५००)	३५००)	

पीढिये —: ९. सुभकरण-ऊदेभांणोत १०. भगवतसिंघ ११. जीवराज १२. पिरथीसिंघ
१३. छतरसिंघ १४. बभूतसिंघ

खाँप-गाँगावत जोधाँ रा ठिकाँणाँ री विगत

१. राव सूजा २. बागा ३. गागा, राव गागो सवत् १५४० रौ जनम नै सवत् १५८८
अतकाळ हुवौ, तिण रा वस रा गागावत-जोधा कहीजै ।

गाँव कालिजाड—	१२५०)	१२००)	जोधपुर
---------------	-------	-------	--------

पीढिये—: २. किसनसिंघ-गागावत ३. राघोदास ४. अचलदास ५. किरतसिंघ
६ सूजाणसिंघ ७. बिहारीदास ८. बखतसिंघ ९. हरीसिंघ * १०. सांवल-
दास ११. विजैसिंघ

गाँव हंजावास—	१८७११)	१८७११)	जोधपुर
---------------	--------	--------	--------

§ काम आयो पाटण री राड मे संवत् १८४६ ।

* तुगा से भगडे मे घाव लाग़ा सु सांभर आया फ़ोत हुवो, संवत् १८३१ में ।

पीढिये—: ६. अजवसिध-वखतसिधोत^१ १०. रामसिध ११ प्रमरसिध १२. अखसिध

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव साली—	६२५)	६२५)	जोधपुर	

पीढिये—: २. मानसिध-गागावत ३. नरहरदास ४. राधोदास ५. मोहरदास
६. कुसलसिध ७. केसोदास ८. जगरूपसिध ९. सूरतसिध १०. नगराज
११. सेरसिध १२. जसवतसिध १३. रतनसिध

खांप-रामोत जोधां रा ठिकाणां री विगत

राव, सूजा, वागा, गागा

१. राव मालदेव सवत् १५६८ री जनम ने सवत् १६१९ में अकाल हुवो २. राम-सिध मालदेवोत तिण रा वस रा रामोत कहीजे ।

गांव पावो—	५०००)	५०००)	गोढवाड	
„ हीगोलो	२०००)	५००)	„	
„ ई दरापुरीयो,	२०००)	५००)	„	
„ गोवडी	०	०	„	रेख नहीं
„ चैनपुरो	०	०	„	रेख नहीं
	-----	-----		
कुल रेख	६०००)	६०००)		

पीढिये—: ३. करणसिध-रामोत ४. भीवसिध ५. कानसिध ६. रिणछोडदास
७. रूपसिध ८. छनरसिध ९. जसवतसिध १०. बुवसिध ११. वीरमदेव
१२. जालमसिध १३. रुधनार्थसिध १४. सिवनार्थसिध १५. जूहारसिध

खांप-चंद्रसेणोत जोधां रा ठिकाणां री विगत

सूजा-वागा-गागा १ राव मालदेव २. राव चंद्रसेण सवत् १५६८ री जनम ने सवत् १६१९ मे राव मालदेवजी री गादी बैठा जोधपुर मे, ने चंद्रसेण पातसाही चाकर नहीं हुवो । तिण रा वम रा चंद्रसेणोत जोधा कहीजे ।

गांव पालडी—	३०००)	२५००)	नागोर
„ बुटाणो	३०००)	२५००)	„
	-----	-----	
कुल रेख	६०००)	५०००)	

पीढियें—: १. ऊगरसेण-चद्रसेणोत् ४. करमसेण ५. स्यामसिंघ ६. अखेराज
७. नरसिंघद स ८. रूपसिंघ ९. सुरतारणसिंघ १०. फतैसिंघ ११. रतनसिंघ
१२. सूरजभाण १३. विजैसिंघ

गाँव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव नीबड़ी-कोठारीयां—	५०००)	५०००)	मेड़ता	जन्त है

पीढियें—: ८. दोलतसिंघ-नरसिंघदासोत्^१ ९. सेरसिंघ १०. गुलाबसिंघ ११. मुकनसिंघ
१२. मरजादसिंघ १३. नभूतसिंघ

गाँव छापड़ा—	६०००)	६०००)	नागोर
--------------	-------	-------	-------

पीढियें—: ५. मोहणदास-करमसेणोत्^२ ६. रामचदर ७. सुजाणसिंघ ८. भोपतसिंघ
९. जसकरण १०. रामसिंघ ११. भैरूसिंघ १२. बाहादरसिंघ १३. हणवतसिंघ

गाँव डीकावो—	३०००)	३०००)	दीलतपुरा
--------------	-------	-------	----------

पीढियें—: ८. जगमाल-सुजाणसिंघोत्^३ ९. रिडमल १०. लखधीर ११. रामदास
१२. सिवदास १३. रघुनाथसिंघ

गाँव पावटो—	२०००)	२०००)	दीलतपुरी
-------------	-------	-------	----------

पीढियें—: ७. सबळसिंघ-रामचदरोत्^४ ८. सिंभूसिंघ ९. कुसलसिंघ १०. किसनसिंघ
११. मगलसिंघ १२. गाढसिंघ

खाँप-रतनसिंघोत् जोधा रा ठिकाँगाँ री विगत

सूजा-वागा-नागा-रतनसिंघ

गाँव भादराजण—	२५००)	२५००)	जोधपुर
„ राहणी	३७५०)	३७५०)	„
„ वायद	१८७५)	१८७५)	„
„ पाती	६२५)	६२५)	„

§ काम आयो सवत् १९९७ बखतसिंह अर सवाई जयसिंह रँ भगडी हुवो गगवाणे जठे ।

१. गाव पालडी के (७) ठाकुर नरसिंहदास का पुत्र ।

२. „ „ (५) „ करमसेण का पुत्र ।

३. गाव छापडा के (७) ठाकुर सुजाणसिंह का पुत्र ।

४. गाव „ (६) „ रामचन्द्र का पुत्र ।

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विवेप
„ सिघाणो	६२५)	६२५)	जोधपुर	
„ वाकली	५००)	५००)	„	
„ घुमरियो	२००)	२००)	„	
„ सेलडी	२५०)	२५०)	„	
„ जेठाणी	२५०)	खेड़ी सूनो	„	
„ भाडला	२५०)	२५०)	„	
„ राखणो	५००)	५००)	„	
„ सुगालीयो	३७५)	३७५)	„	
गाँव भाडेलाल—	४०००)	४०००)	„	
„ खाडी	२५००)	२५००)	„	
„ महेलडी	१००)	१००)	„	
„ ऊदरा	५००)	५००)	„	
„ जंतपुरो	२५००)	२५००)	„	
„ गोयंदलाव	१५००)	१५००)	„	
„ मुडीयावास	१०००)	१०००)	„	
„ नीवलो	५००)	५००)	„	
„ गिरवरियो	२५०)	२५०)	„	
„ चुडो	५०)	५०)	„	
„ गुवड़ो	५०)	५०)	„	
„ चेडां	१०००)	१०००)	„	
„ घाणो	१७००)	१७००)	„	
„ सीघला	१७००)	१७००)	„	
„ मोडी	५०)	सूनो	„	
„ मायलोवास	३५०)	३५०)	„	
„ हेमलीयास	४००)	४००)	„	
„ पादरला	५००)	५००)	„	
„ सीसलोर	४००)	४००)	„	
„ कावो	२०००)	२०००)	जालौर	
कुल रेख	३२७५०)	३१६५०)		

फीदिये—: ३. सादुलसिध-रतनसिधोत ४. मुकनदास ५. ऊदेभांण ६ विहारीदास
 ७. वाघसिध ८. ऊदेराज ९. ऊमेदसिध १०. जालमसिध ११. बसतावरसिध
 १२. ईंदरभांण १३. सगरामसिध

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परकना	विशेष
गांव रांमो—	२०००)	२०००)	जोधपुर	
„ रेवड़ा वडी	२५०)	२५०)	„	
कुल रेख	२२५०)	२२५०)		
पीढियें—: १०. जगतसिंघ-ऊमेदसिंघोत ^१		११. अजीतसिंघ	१२. जोरावरसिंघ	
	१३. सिवनाथसिंघ			
गांव सीरांगो—	१२५०)	१२५०)	जोधपुर	
पीढियें—: ६. केसरीसिंघ-ऊदेराजोत ^२		१०. भवानीसिंघ	११. अचलसिंघ	
	१२. चिमनसिंघ			
गांव जलेली वडी—	१२५०)	१२५०)	जोधपुर	
पीढियें—: ८. अभैराज-वाघसिंघोत ^३		९. किलांसिंघ	१०. देवसिंघ	११. बभूतसिंघ
	१२. लालसिंघ			
गांव भंवरी—	२५००)	२५००)	जोधपुर	
„ पचपदरीयो	१५००)	१५००)	„	
„ जादरी	२०००)	१०००)	गोढवाड	
„ प्रतापसिंघ रो गुडो	२००)	२००)	जोधपुर	
कुल रेख	६२००)	५२००)		
पीढियें—: ६. मोवणदास-ऊदेभांणोत ^४		७. प्रतापसिंघ	८. भीरसिंघ	९. कुसालसिंघ
	१०. सेरसिंघ	११. देवीसिंघ	१२. माधोसिंघ	१३. बेरीसाल
गांव बीजली—	५००)	५००)	जोधपुर	
„ गोदावसीयो	३००)	३००)	„	
„ कुडली	३२५)	३२५)	„	
कुल रेख	११२५)	११२५)		

१. डि. भाडेलार के (६) ठाकुर उमेदसिंह का पुत्र ।

२. „ „ (८) „ उदैराज का पुत्र ।

३. „ „ (७) „ वाघसिंह का पुत्र ।

४. „ „ (५) „ उदैभाण का पुत्र ।

पीढिये—: ६. देईदास-ऊदेभाणोत^१ ७. सिवदानसिध ८ नराणदास ९. वीरमदेव
१०. जोरावरसिध

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव डीरी—	२५०)	२५०)	जोधपुर	
„ वीजा	२५००)	२५००)	„	
कुल रेख	२७५०)	२७५०)		

पीढिये—: ५. जोगीदास मुकनदासोत^२ ६. लालसिध ७. ऊदेसिध ८ जैतसिध
९. रुघनाथसिध १०. सादूळसिध ११. पिरथीसिध १२. सिवनाथसिध

गाँव धवलेरीयो— १२५०) १२५०) जोधपुर

पीढिये—: ७. जीवराज-लालसिधोत^३ ८. स्यामसिध ९. चैनसिध १०. भोमसिध
११. अमरसिध

गाँव देवासण—	१०००)	१०००)	जोधपुर
„ जोलणो	५००)	५००)	„
कुल रेख	१५००)	१५००)	

पीढिये—: ५ चंद्रभाण-मुकनदासोत^४ ६. आसकरण ७, वीरभाण ८. जगभाण
९. रतनसिध १०. भवानीसिध

गाँव सदावास— १२५) ० जोधपुर

पीढिये—: ९. कनीराम-जगभाणोत^५ १०. जैतसिध ११. वनेसिध

गाँव बालो—	३५००)	३५००)	जोधपुर
„ नीलकठ	२०००)	२०००)	„
„ कुलथाणो	१२५०)	१२५०)	„
कुल रेख	६७५०)	६७५०)	

१. ठि भाडेलव के (५) ठाकुर उदेभाण का पुत्र ।

२ ठि. „ (५) „ मुकनदास का पुत्र ।

३. गाव डीरी के (६) „ लालसिह का पुत्र ।

४. „ भाडेलव के (५) ठाकुर मुकनदास का पुत्र ।

५. गाव जोलणो के (८) ठाकुर जगभाण का पुत्र ।

पीढ़ियों—: ४ लिच्छमणसिंघ-सादूलसिंघोत^३ ५ हिमतसिंघ ६ सगतसिंघ ७ अर्भसिंघ
८. मानसिंघ ९. अखेसिंघ १०. नाहारसिंघ ११. बभूतसिंघ

गाँव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव भीडर—	६००)	६००)	जोधपुर	
„ ऊमकली	५००)	५००)	„	
कुल रेख	१४००)	१४००)		

पीढ़ियों—: ७ लालसिंघ-सगतसिंघोत^३ ८. रुघनाथसिंघ ९. रतनसिंघ १०. तेजसिंघ
११. हिमतसिंघ

गाँव तोडवी— ५००) ५००) जोधपुर

पीढ़ियों—: ५ हरीसिंघ-लिच्छमणसिंघोत^३ ६ अणदसिंघ ७. जसवंतसिंघ ८. किलाण-
सिंघ ९ कुसालसिंघ १०. बभूतसिंघ

गाँव मोरहंड— ५००) ५००) जोधपुर

पीढ़ियों—: ८. गुमानसिंघ-जसवंतसिंघोत^४ ९. तेजसिंघ १०. अजीतसिंघ

गाँव बांगरण— ८००) ८००) जोधपुर

पीढ़ियों—: ४. रामसिंघ-सादूलसिंघोत^३ ५. भगवानदास ६. हिमतसिंघ ७. सगतसिंघ
८. अर्भसिंघ ९ सुजाणसिंघ १०. जैतसिंघ ११. सगतीदान

गाँव कोराणो— ५००) ५००) जोधपुर

पीढ़ियों—: ६. सेरसिंघ-भगवानदासोत^६ ७. अखेसिंघ ८. नवलसिंघ ९. तेजसिंघ

खांप-महेसदासोत जोधां रा ठिकाणां री विगत

१. राव मालदेव २. महेसदास-तिण रा बंस रा महेसदासोत जोधा कहीजै ।

§ काम आयो घोरीमने सराया सू भगडो हुवो उण मे संवत् १८७७ मे ।

१. गाव भाडेलार के (३) ठाकुर सादूलसिंह का पुत्र ।
२. गाव वालो के (६) „ सगतसिंह का पुत्र ।
३. „ „ (४) „ लिच्छमणसिंह का पुत्र ।
४. गाव तोडवी के (७) ठाकुर जसवंतसिंह का पुत्र ।
५. „ भाडेलार के (३) „ सादूलसिंह का पुत्र ।
६. „ बाणण के (४) „ भगवानदास का पुत्र ।

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
बाँव पाटोदी—	१०००)	१०००)	सीवाणो	
„ आरव रो खेड़ो	१०००)	५००)	„	
„ घड़सी रो खेड़ो	१०००)	५००)	सेरगढ	
	—————	—————		
कुल रेख	३०००)	२०००)		

पीढिये—: ३. रामदास-महेसदासोत ४. गोयददास ५. सबळसिग ६. दुरजणसिघ
७. सूरजमल ८. जालमसिघ ९. जवानसिघ १०. भारथसिघ ११. रामसिघ
१२. कुसालसिघ

गाँव केसवाणो—	५०००)	५०००)	जालोर
„ जोरवाड़ो	२०००)	२०००)	„
	—————	—————	
कुल रेख	७०००)	७०००)	

पीढिये—: ७. जोरावरसिघ-दुरजणसिघोत^१ ८. बाहादरसिघ ९. नाघसिघ १०. बभूत-
सिघ ११. वेरीसाल

गाँव सिरथलो—	१०००)	१०००)	भीनमाल
--------------	-------	-------	--------

पीढिये—: ८. केसरीसिघ-जोरावरसिघोत^२ ९. दौलतसिघ १०. सगतीदांन

गाँव फलसूंड—	१०००)	१०००)	जोधपुर	आसांमी ४ रे
पांती चौथी में— (१)				

पीढिये—: ७. ऊदेसिघ-दुरजणसिघोत^३ ८. भीवसिघ ९. प्रतापसिघ १०. नाहरसिघ
११. मोड़सिघ १२. बभूतसिघ

पांती चौथी में— (२)

पीढिये—: ६. दौलतसिघ-सबळसिघोत^४ ७. सुजाणसिघ ८. सेरसिघ ९. तेजमाल
१०. मेघराज ११. ऊमेदसिघ

१. गाँव पाटोदी के (६) ठाकुर दुर्जनसिंह का पुत्र ।

२. गाँव केसवाणो के (७) „ जोरावरसिंह का पुत्र ।

३. गाँव पाटोदी के (६) „ दुर्जनसिंह का पुत्र ।

४. गाँव पाटोदी के (५) ठाकुर सबलसिंह का पुत्र ।

पांती चौथी में— ३)

पीढियें—: ७. सिवदांसिंघ-दौलतसिंघोत^१ ८. चैनसिंघ ९. रिणछोड़दास १०. जू जार-सिंघ ११. केसोदास १२. रणजीतसिंघ

पांती चौथी में—(४)

पीढियें—: ७ हिंदूसिंघ-दौलतसिंघोत^२ ८. ऊमेदसिंघ ९. खेतसिंघ १०. भोजराज

टिप्पणी—गाव फलसूड गढ जोघपुर रौ, इण गांव री सीव में खेडा ५६ मडै, तिण में खेडो १ बसैं, ईणा रै बाकी ५५ सूना । तिणा रौ नाव नही ।

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव नांगांणो—	५००)	५००)	जोघपुर	
पीढियें—: ९. विरथीराज-भीवसिंघोत ^३			१०. बभूतसिंघ ११. जसवतसिंघ	
गांव नेहवाई—	२०००)	२०००)	सिवाणो	
पीढियें—: ८ धीरतसिंघ-ऊदेसिंघोत ^४			९. छतरसिंघ १०. भोमसिंघ ११. सगतसिंघ	
			१२. गोपाळसिंघ	
गांव नेवरी—	१७००)	१७००)	जोघपुर	
„ बाकीवाड़ो	२५०)	२५०)	„	
कुल रेख	१९५०)	१९५०)		

पीढियें—: ९. मानसिंघ-धीरतसिंघोत^५ १०. किलाणसिंघ ११-१२ पाती सिवसिंघ-मानसिंघोत ना ओलाद ११. देवीसिंघ १२-१३ किलाणसिंघ री पाती सो हमे सारौ गाव देवीसिंघ रै नावे ।

गांव साई— २०००) २०००) जोघपुर आसामी २ रे

पांती आघ में—

पीढियें—: ७. अनोपसिंघ-दुरजणसिंघोत^६ ८. सवाईसिंघ ९. विजैसिंघ १०. देवीसिंघ ११. बखतसिंघ १२. ऊदेसिंघ

१ गांव फलसूड की (दूसरी पांती) के (६) ठाकुर दौलतसिंह का पुत्र ।

२. गाव फलसूड की (दूसरी पाती) के (६) ठाकुर दौलतसिंह का पुत्र ।

३. „ „ (पहली पाती) (८) „ भीवसिंह का पुत्र ।

४. „ „ „ „ (७) उदैसिंह का पुत्र ।

५. गाव नेहवाई के (८) ठाकुर धीरतसिंह का का पुत्र ।

६. „ पाटीदी के (६) „ दुरजणसिंह का पुत्र ।

पांती आध में—

पीढियें—: ८. अनाड़सिंघ-सवाईसिंघोत^१ ९ सगतसिंघ १०. गोपालसिंघ ११. धनसिंघ
गांव रेख कदीम हमार भरे परगना विशेष

गांव सीरत— १०००) १०००) जालोर

पीढियें—: ३. दूदो-महेसदासोत ४. वेणीदास ५ गिरधरदास ६. विजैसिंघ ७. जीवण-
दास ८. माहार्सिंघ ९. वनेसिंघ १०. दौलतसिंघ

खांप-भोजराजोत जोधां रा ठिकांणां री विगत

१. राव मालदेव २. भोजराज-मालदेवोत रा वस रा भोजराजोत जोधा कहीजै ।

गांव भागासणी— २०००) २०००) जोधपुर

पीढियें—: ३. करमसेण-भोजराजोत ४. स्यामसिंघ ५. रामसिंघ ६. जोधसिंघ
७. सूरजमल ८. दौलतसिंघ ९. जोरावरसिंघ १०. गोपालदास ११. मूलसिंघ
१२. सगतीदान

खांप-अभैराजोत जोधां रा ठिकांणां री विगत

पीढियें—: १. राव मालदेव २. रायमल ३. कनीरांम ४. अभैराज रा वस रा अभै-
राजोत जोधा कहीजै ।

गांव नीवी खास—	२२००)	२२००)	नागोर	खेड़ा २
„ कीतलसर	५००)	५००)	„	सूनो
„ पीरावास	२५०)	२५०)	„	
„ वीरावास	२५०)	२५०)	„	
„ वेहडो	२०००)	२०००)	„	
„ वीजपुड	५००)	५००)	„	
„ खार } „ नोखी }	१०००) —	१०००) —	„	
„ चांदराई	५००)	५००)	„	
„ भूरडीयो	२०००)	२०००)	„	
„ वागरासर	१०००)	१०००)	„	
कुल रेख	१०२००)	१०२००)		

१. गांव साई (पहली पाती) के (८) ठाकुर सवाईसिंह का पुत्र ।

पीढियें - ५. कीरतसिंघ-अभैराजतोत ६. जैतसिंघ ७. हठीसिंघ ८. लालसिंघ
९. धीरतसिंह १०. अमरसिंघ ११. ई. दरसिंघ १२. लिछमणसिंघ
१३. हणवतसिंघ

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव खारडीयो—	२०००)	२०००)	नागोर	

पीढियें— ७. दुरजणसिंघ-जैतसिंघतोत^१ ८. सोभासिंघ ९. बाघसिंघ १०. हणवतसिंघ
११. रणजीतसिंघ १२. जूंजारसिंघ १३. बभूतसिंघ

गांव बासणी —	१०००)	१०००)	नागोर	आसामी २ रे
„ खानपुर माजरो	१०००)	१०००)	„	
कुल रेख	२०००)	२०००)		

पांती आध में— ॥)

पीढियें —: ८. सगरामसिंघ-दुरजणसिंघतोत^२ ९. चतरभुज १०. भैरुसिंघ ११. मोहणसिंघ

पांती आध में— ॥)

पीढियें —: ९. विगतसिंघ-सगरामसिंघ^३ १०. करनसिंघ ११. अरजणसिंघ

गांव हुडाव स—	३०००)	३०००)	नागोर	
„ भलनावो	२०००)	२०००)	„	
कुल रेख	५०००)	५०००)		

पीढियें—: ८. सुरताणसिंघ-हठीसिंघतोत^४ ९. सखरूपसिंघ १०. सूरजमल ११. अनोप-
सिंघ १२. पिरथीसिंघ १३. किसनसिंघ

गांव दताऊ—	२०००)	२०००)	नागोर	आसामी २ रे
------------	-------	-------	-------	------------

पांती आध में— ॥)

पीढियें—: ५. हीरदेराम-अभैराजतोत ६. फतसिंघ ७. भोमसिंघ ८. सिरदारसिंघ
९. मोहबतसिंघ १०. अगारसिंघ

१. ठि नीवी खास के (६) ठाकुर जैतसिंह का पुत्र ।

२. ठि खारडीयो के (७) ठाकुर दुरजनसिंह का पुत्र ।

३. ठि बासणी पहली पाती के (८) ठाकुर सगरामसिंह का पुत्र ।

४. ठि, नीवी खास के (७) ठाकुर हठीसिंह का पुत्र ।

पांती आध में— ॥)

पीढिये—: ७. लखधीरसिंघ-फतैसिंघोत^१ ८. जगरामसिंघ ९. ऊमेदसिंघ १०. लालसिंघ
गांव रेख कदीम हमार भरे परगना विशेष

गाँव चक्र— १५००) १५००) डीडवाणो

पीढिये—: ७. मोहरासिंघ-फतैसिंघोत^२ ८. गजसिंघ ९. सादृळसिंघ १०. सावतसिंघ
११. जवानसिंघ

गांव देवडाटी— २०००) २०००) कोळियो आसामी २ रे

पांती आध में— पहली

पीढिये—: ६ जसकरण-हिरदेरांभोत^३ ७. किसोरसिंघ ८. रामसिंघ ९. हठीसिंघ
१०. पाहाड़सिंघ ११. मोहवतसिंघ १२. सुजाणसिंघ १३. डूंगरसिंघ

पांती आध में— दूजी

पीढिये—: ८. पदमसिंघ-किसोरसिंघोत^४ ९. जालमसिंघ १०. जोरावरसिंघ
११. भारथसिंघ

गांव डावरीयांगी— २५००) २५००) मेडतो वडी

„ डेभावास ३०००) ३०००) „

कुल रेख ५५००) ५५००)

पीढिये—: ५. अमरसिंघ-अभैराजोत ६ फतैसिंघ ७. किसोरसिंघ ८. सवाईसिंघ
९. रूपसिंघ १०. लखधीरसिंघ ११. दौलतसिंघ १२. मोतीसिंघ

केसरीसिंघोत जोधाँ रा ठिकाणां री विगत

१. राव मालदेव १. रायमल ३. किलाणदास ४. नरसिंघदास ५. केसरीसिंघ रा वंस रा
केसरीसिंघोत जोधा कहीज ।

गांव लाडगा— ५०००) ५०००) नागोर खेड़ा २

„ कसुवी १०००) १०००)

„ अलीपुरो १०००) १०००)

„ रोड्डु ३०००) ३०००)

१. ठि. दत्ताऊ (पहली पाती) के (६) ठाकुर फतहसिंह का पुत्र ।

२. ठि. दत्ताऊ (पहली पाती) के (६) ठाकुर फतहसिंह का पुत्र ।

३. ठि. „ „ „ (५) ठाकुर हिरदैराम का पुत्र ।

४ ठि देवडाटी (पहली पाती) के (७) ठाकुर किसोरसिंह का पुत्र ।

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
,, सीलनवाद	७०००)	७०००)		
,, करवासी	३०००)	३०००)		
	-----	-----		
कुल रेख	२००००)	२००००)		

पीढियें—: ६. चंदरभांण-केसरीसिघोत ७ जूंजारसिघ ८. लखधीरसिघ ९. भारथसिघ
१०. सिवदांसिघ ११. पदमसिघ १२. मंगलसिघ १३. बाहादरसिघ

गांव सींगरावट-खुरद	१०००)	१०००)	कोलियो
,, तुवरो वडो	७५०)	४००)	
,, तुवरो छोटी	७५०)	३५०)	
	-----	-----	
कुल रेख	३५००)	१७५०)	

पीढियें—: १२. लिछमणसिघ-पदमसिघोत १३. मेघसिघ

गांव खीवताणो— ३०००) ३०००) नागोर

पीढियें—: १२. चांदसिघ-पदमसिघोत १३. बखतावरसिघ

गांव लेहडी—	५००)	५००)	
,, दोलतपुरो	५००)	५००)	
,, सुवादियो	३०००)	३०००)	
,, माथासुख	६०००)	६०००)	
,, बांघड़	३०००)	३०००)	
	-----	-----	
कुल रेख	१३०००)	१३०००)	

पीढियें—: १०. गोपाळदास-भारथसिघोत ११. प्रतापसिघ १२. माघोसिघ १३. पेमसिघ

गांव गोरारू—	६०००)	४०००)	
,, भावलो	४०००)	३५००)	
,, अमदपुरीयो	१०००)	१०००)	
	-----	-----	
कुल रेख	११०००)	८५००)	

पीढियें—: १०. मालमसिघ-भारथसिघोत ११. रणजीतसिघ १२. भैरुसिघ

गांव	रेख कदीम	हुंमार भरे	परगना	विशेष
------	----------	------------	-------	-------

गाँव बालसमंद—	३०००)	३०००)	नागोर	
---------------	-------	-------	-------	--

पांती दोय में—रेख	२०००)			पांती ॥ =)III
-------------------	-------	--	--	----------------

पीढियें—: ६. हरीसिंघ-लखधीरसिंघोत १०. समरथसिंघ ११. लिछमणसिंघ
१२. दांसिंघ

पांती तीजी की रेख— १०००)

पीढियें—: ६. रामसिंघ-लखधीरसिंघोत १०. सूरसिंघ ११. स्यामसिंघ १२. अनाईसिंघ

गाँव गोदरावास—	२०००)	२०००)	कोलिया	
----------------	-------	-------	--------	--

पीढियें—: ६. हीमतसिंघ-लखधीरसिंघोत १०. फकीरसिंघ ११. सिवनाथसिंघ

गाँव मांमड़ोदो—	२०००)	२०००)	नागोर	
-----------------	-------	-------	-------	--

„ तीतरी	२०००)	२०००)	„	
---------	-------	-------	---	--

कुल रेख	४०००)	४०००)		
---------	-------	-------	--	--

पीढियें—: ६. ईसरीसिंघ-लखधीरसिंघोत १०. भोपतसिंघ ११. जालमसिंघ
१२. गाढसिंघ

गाँव डोबरां रौ वास —	५००)	२५०)	नागोर	आघो
----------------------	------	------	-------	-----

पीढियें—: ६. सादूळसिंघ-लखधीरसिंघोत १०. मनरूपसिंघ ११. सिंभूसिंघ
१२. वदनसिंघ

गाँव तुवरो बडो—	७५०)	७५०)	नागोर	
-----------------	------	------	-------	--

„ तुवरो छोटी	७५०)	७५०)	„	
--------------	------	------	---	--

कुल रेख	१५००)	१५००)		
---------	-------	-------	--	--

पीढियें—: १०. गुलावसिंघ-सादूळसिंघोत ११. किसनसिंघ १२. रामनाथसिंघ

गाँव धानणी—	३०००)	३०००)	नागोर	
-------------	-------	-------	-------	--

पांती छठी में—रेख	५००) री			
-------------------	---------	--	--	--

पीढियें—: ६. गुमानसिंघ-जूंजारसिंघोत १०. सिवसिंघ ११. स्यामसिंघ
१२. दीलतसिंघ

पांती छठी में—रेख	५००) री			
-------------------	---------	--	--	--

पीढियें—: ८. हिंदूसिंघ-जूंजारसिंघोत ९. बुधसिंघ १०. मोहबतसिंघ ११. भगवतसिंघ
१२. सावतसिंघ १३. गुलाबसिंघ

गाँव रेख कदीम हमार भरे परगना विशेष

पांती दोय में—रेख २०००)

पीढियें—: ८. ऊमेदासिंघ-जूंजारसिंघोत ९. जसकरण १०. विसनसिंघ ११. हणवतसिंघ

गाँव छपारो— १०००) १०००) नागोर

पीढियें—: ९. सुखसिंघ-हिंदूसिंघोत १०. कुसालसिंघ ११. गोकलसिंघ १२. भैरूसिंघ
१३. भूरसिंघ

गाँव धुडीयो— ५०००) ५०००) नागोर

पीढियें—: ८. लालसिंघ-जूंजारसिंघोत ९. बनेसिंघ १०. ऊदेभाण ११. मंगलसिंघ
१२. सबळसिंघ

गाँव बाठडी— ३०००) ३०००) नागोर

पीढियें—: १०. सूरजभाण-बनेसिंघोत ११. अखैसिंघ १२. पिरथीसिंघ

गाँव खगार— २०००) २०००) नागोर आसांमी २ रे

पांती आध में— ॥)

पीढियें—: ११. झगरसिंघ-सूरजभाणोत १२. कायमसिंघ १३. रामसिंघ

पांती आध में—

पीढियें—: ८. ईंदरसिंघ-जूंजारसिंघोत ९. जालमसिंघ १०. खुमाणसिंघ ११. भोपत-
सिंघ १२. भारथसिंघ

गाँव तिपनी— १०००) १०००) नागोर

पीढियें—: ८. राजसिंघ-जूंजारसिंघोत ९. मुकनसिंघ १०. हरनाथसिंघ
११. सिवनाथसिंघ

गाँव मडाम— २०००) २०००) नागोर

पीढियें—: ८. धीरजसिंघ-जूंजारसिंघोत ९. कनकसिंघ १०. रामसिंघ ११. पूरणसिंघ
१२. किसनसिंघ

गाँव बीठडवो— २०००) २०००) नागोर

पीढियें—: ९. सुरतांसिंघ-धीरजसिंघोत १०. हठीसिंघ ११. नाथूसिंघ

गाँव नदवाण— ५००) ५००) नागोर

आधो

पीढियें—: ८. जैतसिंघ-जूंजारसिंघोत ९. दानसिंघ १०. सांवतसिंघ ११. विजैराज

गाँव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव रणसीसर—	१०००)	१०००)	नागोर	आधो

पीढिये—: ८. मनरूपसिंघ-जूंजारसिंघोत ९. सलेहसिंघ १०. जसवतसिंघ ११. सिरदारसिंघ १२. रामनाथसिंघ १३. हरदानसिंघ

गाँव छाजोली—	३०००)	३०००)	नागोर
--------------	-------	-------	-------

पीढिये—: ७. हूंगरसिंघ-चंद्रभाणोत ८. अणदसिंघ ९. मोहकमसिंघ १०. कीरतसिंघ ११. रामसिंघ १२. मानसिंघ १३. फूलसिंघ १४. सोभासिंघ

गाँव बांभणवो—	२०००)	२०००)	नागोर	आसामी २ रे
---------------	-------	-------	-------	------------

पांती आध में— ॥)

पीढिये—: ११. भोमसिंघ-कीरतसिंघोत १२. उगमसिंघ १३. रुघनाथसिंघ १४. प्रभूदान १५. नोनदसिंघ

पांती आध री विगत—

पीढिये—: ११. सूरसिंघ-किरतसिंघोत १२. गुलाबसिंघ १३. सिवसिंघ

गाँव भेणवाव—	२०००)	१०००)	नागोर
--------------	-------	-------	-------

पीढिये—: ९. विसनसिंघ-अणदसिंघोत १०. रूपसिंघ ११. अजीतसिंघ १२. राजसिंघ

गाँव आसोटो—	१०००)	१०००)	नागोर
-------------	-------	-------	-------

पीढिये—: ९. अभैसिंघ-अणदसिंघोत १०. जुगभाण ११. अजीतसिंघ १२. अनाड़सिंघ १३. पेमसिंघ

गाँव पाटण—	१०००)	१०००)	कोलियो
------------	-------	-------	--------

पीढिये—: ८. अमरसिंघ-ऊगरसिंघोत ९. भोजराज १०. सालमसिंघ ११. देवीसिंघ १२. माधोसिंघ १३. रामनाथसिंघ

गाँव पड़ीहारो—	१०००)	१०००)	नागोर
----------------	-------	-------	-------

पीढिये—: ८. किसोरसिंघ-ऊगरसिंघोत ९. रुघनाथसिंघ १०. सिवसिंघ ११. ग्यानसिंघ

गाँव भवादीयो—	२०००)	२०००)	कोलियो
---------------	-------	-------	--------

पीढिये—: ८. सिरदारसिंघ-ऊगरसिंघोत ९. मोहणसिंघ १०. वखतसिंघ ११. भोपतसिंघ १२. बागसिंघ १३. विजैसिंघ

गाँव कसूबी जाखडां—	१५००)	१५००)	नागोर
--------------------	-------	-------	-------

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
,, कसूबी मेहलां	१५००)	१५००)	,,	
कुल रेख	३०००)	३०००)		

पीढियें — ६. अरजनसिंघ-केसरीसिंघोत ७ सूरजमल ८. वनेसिंघ ९. नरीणदास
१०. अखेसिंघ ११. मगलसिंघ १२ रुघनाथसिंघ

गांव टालगाऊ— ३०००) ३०००) नागोर

पीढियें—: ९ ऊमेदसिंघ-वनेसिंघोत १०. सेवसिंघ ११. बाघसिंघ १२. राजसिंघ
१३. मूलसिंघ १४. मेहताबसिंघ

गांव कांगसीयो— १०००) १०००) नागोर

पीढियें—: ९. दानसिंघ-वनेसिंघोत १०. दुलेहसिंघ ११ रतनसिंघ

गांव लाछडी — २०००) २०००) कोलियो

पीढियें—: ८. सबळसिंघ-सूरजमलोत ९ जैसिंघ § १० कनीराम ११. हणवतसिंघ
१२. सिवनाथसिंघ

गांव कुभावसीयो— १०००) ५००) नागोर

पीढियें—: ८. भोजराज-सूरजमोलत ९. नथराज १० देवीसिंघ १२. जसकरण
१२. अमानसिंघ

गांव भडारी— २०००) २०००) नागोर आसामी २

पांती आघ री विगत—

पीढियें—: ११. चिमनसिंघ-देवीसिंघोत १२. रूपसिंघ

पांती आघ में— ॥)

पीढियें—: ७ भगवतसिंघ-गोपीनाथोत (गोपीनाथ-केसरीसिंघोत) ९. सायबसिंघ
१०. भैरूसिंघ ११. कनीराम १२. चिमनसिंघ

गांव रायघणो— ३०००) ३०००) नागोर आसामी २

पाती आघ मे—

पीढियें—: १०. जगरामसिंघ-नथराजोत ११ ई दरसिंघ १२. जुहारसिंघ

§ जैसिंघ अमरकोट मे तालपुरों से युद्ध हुआ वहां काम आया ।

पांती आध में—

पीढियें —: ७. सुजाणसिंघ-अरजणसिंघोत ८. सुखरूपसिंघ ९. सिवसिंघ १०. मोहकमसिंघ

११. जिंदूसिंघ १२. रतनसिंघ १३. सुजाणसिंघ

०

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव सेवो—	५ ००)	५०००)	कोलियो	
,, रसीदपुरो	३०००)	३०००)	दोलतपुरो	
कुल रेख	८०००)	८०००)		

पीढियें—: ९. कनकसिंघ-सुखरूपसिंघोत १०. अर्भसिंघ ११. मालमसिंघ १२ जालम-
सिंघ १३. जगतसिंघ १४. चुतरसिंघ

गांव सींगरावट—	३०००)	३०००)	कोलियो
,, सावराद	२०००)	२०००)	नागोर
कुल रेख	५०००)	५०००)	

पीढियें —: १० विसनसिंघ-कनकसिंघोत ११. मोतीसिंघ १२ मोहणसिंघ १३ नाथूसिंघ

गांव गिरधारीपुरो— १०००) १०००) कोलियो

पीढियें—: १२. गायडसिंघ-मोतीसिंघोत

गांव भींडीयासरी— २०००) २०००) नागोर

पीढियें—: १०. जवानसिंघ-कनकसिंघोत ११. चार्दसिंघ १२. भावसिंघ १३. घौकलसिंघ

गांव लोटसर— २०००) २०००) नागोर

पीढियें—: ७. रतनसिंघ-अरजणसिंघोत ८ नवलसिंघ ९. दलेलसिंघ १० अमानसिंघ

११. पाहाडसिंघ १२. घनसिंघ

गांव खारडीयो—	२५००)	२५००)	नागोर	आसामी २
,, मगलपुरो	२५००)	२५००)	,,	,,
कुल रेख	५०००)	५०००)		

पांती आध में—

पीढियें—: ८. रूपसिंघ-रतनसिंघोत ९. जालमसिंघ १०. लालसिंघ * ११. मगलसिंघ
१२. अजीतसिंघ १३. सिवनार्थसिंघ

पांती आध में— (अे घनासी री पाती मे मिळै है ।)

पीढियें—: ९. बखतसिंघ-हिंदूसिंघोत १०. मोतीसिंघ ११. जवारसिंघ १२. बलवतसिंघ
गांव रेख कदीम हमार भरे परगना विशेष
गांव खुराखुरा— ३०००) ३०००) कोलियो

पीढियें—: ६. गोपीनाथ-केसरीसिंघोत ७ हरनार्थसिंघ ८. खीवकरण ९ जगतसिंघ
१०. बेरीसाल ११. सिरदारसिंघ १२. भीवसिंघ १३. विसनसिंघ

गांव हीरावती — १०००) १०००) नागोर

पीढियें—: १०. अजीतसिंघ-जगतसिंघोत ११. सूरजमल १२. रूपसिंघ १३ सवाईसिंघ
गांव बुढोद— २०००) २०००) कोलियो

पीढियें—: ९. बखतसिंघ-खीवकरणोत १०. दुलेहसिंह ११. लिछमणसिंघ १२. मोती-
सिंघ १३. नाहारसिंघ १४. सूरसिंघ

गांव जांगी— २०००) २०००) नागोर

पीढिये—: ८. करणसिंघ-हरनार्थसिंघोत ९. हिमतसिंघ १०. जोरावरसिंघ
११. अनाडसिंघ १२. बाधसिंघ १३. विजेसिंघ १४. मेहताबसिंघ

गांव बीचाधो— ३०००) ३०००) नागोर

पीढियें—: ९. ऊमेदसिंघ-करणसिंघोत १०. गुमानसिंघ ११. नवलसिंघ
१२. चिमनसिंघ

गांव थांगू— ३०००) ३०००) नागोर

पांती आध में—

पीढिये—: ८. प्रीथीसिंघ-हरनार्थसिंघोत ९. सरूपसिंघ १०. अमानसिंघ ११. नवल-
सिंघ १२. मुकनसिंघ

पांती आध में—

पीढियें—: १०. गुमानसिंघ-सरूपसिंघोत ११. रणजीतसिंघ १२. दुंगरसिंघ
१३. रामसिंघ

गांव हुसेनपुरो— २०००) २०००) नागोर

पीढियें—: ९. माहासिंघ-पिरथीसिंघोत १०. खड्गसिंघ ११. रिडमलसिंघ १२. अमर-
सिंघ १३. गूदड़सिंघ

* लालसिंह रायपुर पर फौज आई तब सं. १८३४ मे काम आया ।

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव अंगरोटीयो—	१०००)	१०००)	कोलियो	
, सीकराली	२०००)	२०००)	नागोर	
कुल रेख	३०००)	३०००)		

पीढियें—: ७. चतरभुज-अरजनसिघोत ८. भोजराज ९. वखतसिघ १०. अमानसिघ
११. हणवंतसिघ १२. लिछमणसिघ

गांव चीतावो—	१०००)	१०००)	नागोर	आसामी २ रे
पांती आच में—				

पीढियें—: ९. भवानीसिघ-भोजराजोत १० वदनसिघ ११. रुघनार्थसिघ

पांती आध में—

पीढियें—: ९. सिभूसिघ-भोजराजोत १०. जीवणसिघ ११. जंतसिघ १२. केसरीसिघ

गांव खाद्-खुरद—	७०००)	६०००)	नागोर	आसामी ३ रे
-----------------	-------	-------	-------	------------

पांती तीजी में— (१)

पीढियें—: ६. किसनसिघ-केसरीसिघोत ७. दौलतसिघ ८. ग्यानसिघ ९. चांदसिघ
१०. रामसिघ ११. समरथसिघ १२. ईदरसिघ

पांती तीजी में— (२)

पीढियें—: १०. प्रभूदान-चांदसिघोत ११. नोनदसिघ १२. सूरसिघ १३. रूपसिघ

पांती तीजी में— (३)

पीढियें—: ९. जालसिघ-ग्यानसिघोत १०. जोगीदास ११. मंगलसिघ १२. विड़दसिघ

गांव रायसिघपुरो	२०००)	२०००)	कोलियो	रेख घटी ७५०)
-----------------	-------	-------	--------	--------------

पीढियें—: ८. विजसिघ-दौलतसिघोत ९. चैनसिघ १०. सूरजमल ११. रणजीतसिघ
१२. भवानीसिघ १६. मेहतावसिघ

खांप-विहारीदासोत जोधाँ रा ठिकाँणाँ री विगत

पीढियें—: १. राव मालदेव २. रायमल ३. किलाणदास ४. ईसरदास ५. विहारीदास,
तिण रा वंस रा विहारीदासोत जोधा कहीजै ।

गांव रोहीसी —	४०००)	४०००)	मेड़ता
---------------	-------	-------	--------

पीढियें—: ६. विठलदास-विहारीदासोत ७. किसोरसिघ ८. हठीसिघ ९. गजसिघ
१०. प्रतापसिघ ११. दलेलसिघ १२. कुसालसिघ १३. जीवणसिघ
१४. अमरसिघ १५. बलवंतसिघ

गांव मुडियासरी—	१०००)	१०००)	नागोर
-----------------	-------	-------	-------

पीढियें—: ८. माहासिघ-किसोरसिघोत ९. गुमानसिघ १०. वाहादरसिघ ११. गुलाव-
सिघ १२. वखतावरसिघ

विगत में प्राये हुए

चारण, भाट व ब्राह्मणों

के

सांसण आदि की सारिणी

प्राप्तकर्ता	गांव का नाम	परगना	दाता
अखई सोदावत चारण	माडवो, वास	पोकरण	राव हमीर जगमालोत माला का पोता
अचळा चदरीया वारठ	आकोघणी	जोधपुर	रावळ जगमाल
अचळा घणपालोत वारठ	भापरी	पोकरण	राव गोइंद नरावत
अमरा दूदावत वारठ	वडी रा वास	जोधपुर	राव श्री रिडमलजी
अमरा दूदावत रोहीड़ा	मथाणीयो	जोधपुर	राव श्री जोघाजी
आलु बाबट रोहड़ीया	भांडु री वास	जोधपुर	राव चौडा
आवा तेजावत वीठु	अचला रा खेत	मेड़ता	अचळा रायमलोत
ऊरजन माचावढा महीया	रोहडा रो वास	सीवाणा	रांगा देईदास
कनीया वीका	वुटेळाव	सोजत	राव श्री जोघाजी
करमसीयोत लाखा कनीया चारण	सोवाणीयो	फलोधी	राजा रायसिंघ किलांणमलोत
करमा पुनावत रीछड़ा	वणलीयी	जोधपुर	राव श्री जोघाजी
मुगळ लषणीयां			
करमसीहोत जीवण	म्हेइ जीवण री वास	पोकरण	पोकरण रा. माला करण हदी रतनसीयोत, कान्हा- वत, गोदो मेघराजोत लूका, राव कवरो, माणकराव, जीवण भोजावत सगतो घरावत, भूणीयांणी पोकरणां
काछेला सुर दुवडी	कुवडी	जोधपुर	मीघल चापा मैणावत
कान्हा उत्तमसीयोत लालस	चंचळाव	जोधपुर	राव जोघाजी
कान्हा उत्तमसीयोत लालस	सुवेरी	जोधपुर	राव जोवाजी
किसना दुरसावत आढा	हीगोलं खुरद	जोधपुर	राजा श्री गजसिंघजी
केसा जीवाउत रोहड़ीय वारठ	ऊदळीया वाम	जोधपुर	राजा उर्देसिंघजी
केसोदास सांडुवोत गाढण	मोभडा वास	सोभत	गजसिंघजी
खगार मेहडु	गुडली	जोधपुर	रावळ हापा
खीवा वेणीदासोत जगहट	वांगा	मेड़ता	राव कानीदास

वर्तमान भोक्ता	पृष्ठ व भाग	विशेष/संवत्
गोपाल ठ हेमराज खीवा, माली समुरथा का ताण जालप का रंग जैतमालोत रामचंद गोपाळोत डदास मेहराजोत नो राईमल पो पचाइणोत रण रूपा साकर का, ऊदी रामा का, सावत का	३५१ (भा० २) ३६६ (भा० १) ३५० (भा० २) २५८ (भा० १) २३६ (भा० १) ३१८ (भा० १) १६५ (भा० २) २७३ (भा० २)	राव गागे के समय मे दिया ।
नैयी रूपसी ठाकुरसी चतरावत री, चतरभुज, देवी मेहाजळ री घनी, लाला राज भारमलोत करमा का पोता मीदास मेघराजोत मुगल का पोता मीदास जीवण री	४८८ (भा० १) २८ (भा० २) २४२ (भा० १) ३५१ (भा० २)	बाद मे राव मालदेजी ने चारण अचळा लालावत को और दिया । कहा जाता है कि एक बार राजा उदयसिंहजी ने हस्तक्षेप किया था । आपस मे बैर था, बैर समाप्त करने के उपलक्ष मे खेत दिया गया ।/१६६२
मोजराज ली सिवदास हेसदास केलाणदास-रूपसोत ङण उदैकरण, मोजराज, भीव, केसोदास मईदान-जगा का पुत्र	२८६ (भा० १) ३११ (भा० १) ३११ (भा० १) २६२ (भा० १) २५८ (भा० १) ४८६ (भा० १) ३६७ (भा० १) १८५ (भा० २)	चाचलवा को साथ दिया । लाख रु. का पुरस्कार/१६८३जेठ सुदि १३

प्राप्तकर्ता	गाँव का नाम	परगना	दाता
खीवा अणदोत चारण	म्हेडू खीदा री वास	पोकरण	भाटी रावळ मनोहरदास कल्याणदासोत
खीवराज जैमलोत दधवाड़िया खेतसी परवतलाल गेई रतनावत खड़ीयौ गेहलाणद देवादत गोकळचंद द्वारकानाथोत गोपाल रामदासोत बरसड़ा गोयद संढायच चकोर अमरावत थेहड़ चडीदास	राजगीया वास बडो भाटेळाई वड़ी गेहावास सादुवा री वास घोळीयो बरबड़ा री वासणी आखा री वास चगावडो तीजौ मोडी वड़ी	संभत जोधपुर जैतारण जोधपुर मेड़ता जोधपुर जोधपुर जोधपुर	महाराजा गजसिंहजी महाराजा गजसिंहजी राव रतनसी खीवावत राव वैरसल प्रीथीराज जैतावत महाराजा जसवतसिंहजी राजा श्री उदैसिंहजी कड़वड़ रौ रा. पचाईण अखैराजोत राव गागा उदैसिंहजी
चाकर रूपसी कवरावत	रतनू रूपसी री वास	पोकरण	भाटी रावळ, भीव हरराजोत
चादण लुणावत खिड़ीया चाडा माडणोत घघवाड़िया चुवंडदास कलावत, देवीदास रामदासोत चोसघ बीजावत संढाईच चोला मेहावत जगहथ पोटल काला राव के लड़के जीमो हरावत बसड़ी जीवा नेतावत मीसण जोघा सारंगोत मेहडु भुठा वीकावत टीकम गीथावत ठाकुरसी वारठ भट्ट तिलंग का लड़का नाराइण तीकम सड़ायचा तेजसी बीसलोत रोहड़िया वारठ	साषीडो जारोडो वेणा अ गदवास वास सड़ाईचा रौ मीठोली खानपुरो ढांढरीयो खुरद तीघरीयौ जोघावास भुठा री वासणी वेराही वास ३ सेवी नाथल कु डी वही काभड़ी री मुळीयावास	जोधपुर मेड़ता सोभत सीवाणा जोधपुर मेड़ता जोधपुर जोधपुर जैतारण जोधपुर जोधपुर जोधपुर सोभत जोधपुर सोभत	राव श्री जोघाजी राव अचळा रायमलोत राजा उदैसिंघ रा. कूपा जोगावत मोटा राजा दूदा जोघावत राव चूंडा राजा श्री सूरजसिंहजी दू गरसी उदावत श्रीमालदेजी राव चूंडाजी रावळ जगमाल राजा उदैसिंघजी राजा सूरजसिंहजी श्री गागाजी

वर्तमान भोक्ता	पृष्ठ व भाग	विशेष/संवत्
महैङ्ग हरदास खीदावत	३५२ (भा० २)	१६८८ सावण वद १३
दधवाडियो आसकरण, प्रीथीराज खीवराजोत	४८६ (भा० १)	१६९४ काती सुद ९
—	३०४ (भा० १)	
खेडी आसो पीथावत वीको देईदान को	५४९ (भा० १)	
बुढो दली सेहसा का लडका	२५५ (भा० १)	
—	१९८ (भा० २)	१७७१
मनोहर पीथावत	२४० (भा० १)	
सुदर गुणोस	२४३ (भा० १)	
नगराज, खेतसी	२४१ (भा० १)	
भानीदास चडीदास री, नेहरराम भगवान	२६७ (भा० १)	
सीरग रा		
रतनू, किसनो, पीथो, रूपा सीहीत, जगो,	३५२ (भा० २)	मेघराज नराइण कांमदार था, इसको
खेतसी		हुकम मिलने पर गांव दिया ।
भैरवदास	२६२ (भा० १)	
सुंदरदास मोहणदास माघोदासोत	१६५ (भा० २)	
—	४८३ (भा० १)	
चारण वेणो माडण, नगो गोपळ, रूपो राजा	२७६ (भा० २)	
जगहट सोढो	३५० (भा० १)	
अमरो पुंजावत, दुरगो नादावत	१७६ (भा० १)	
घरमो लाला री	३०३ (भा० १)	
पूरण जीवावत	२४१ (भा० १)	
मेहडु वाधो सुरताण हरीदास लुणावत	५५० (भा० १)	
नाथी दासावत	२४२ (भा० १)	
चवंडे मेघराजोत मोटोला ईसरोत	३१२ (भा० १)	
गगादास	३६७ (भा० १)	
भाट गोपाळ वाळमुकंदोत	४८३ (भा० १)	
खीवराज, खगार	३३५ (भा० १)	
बारठ चावडदास किलाणदासोत	४८८ (भा० १)	१६६४

प्राप्तकर्ता	गाँव का नाम	परगना	दाता
तेजा करमसीयोत आसीया थीरा दूदावत रोहड़ीया थीरा वरसंघोत चारण दमान रूपसीयोत दसीधी	तेजा री वासणी खारी थीरावास खारी खुरद मोगावास	जैतारण जोधपुर जोधपुर मेड़ता	दलपत उदँसीयोत राव श्री जोधाजी राव सूजाजी राव सूरजसिंघजी
दला चोभावत आसीया दांना मोकळ रा रतनु दाना हरराजोत रतनु दामी हरखावत रोहड़ीया दुदा वीदावत वीठु दुदुवत सादु दुरसा मेहावत आढा दुरसा मेहावत आढा	लखाण छु म लेलावासणी गेमावास सासण गाव बीजा री वास छीड़ियो लूगीयो दागलो	जोधपुर जोधपुर मेड़ता जोधपुर जोधपुर जोधपुर मेड़ता जैतारण	रा. पता नगावत राजा सूरजसिंघजी राजा सूरजसिंघजी रा. पता घडसीयोत रा. महेस घडसीयोत राजा सूरसिंघजी सुरताण जैमलोत राजा सगतसिंघजी ऊर्देसिंघोत
दुरसा मेहावत, कीसन दुरसावत	पचेटीयो	सोभत	महाराजा गजसिंहजी
दूदा अमरावत आसीया देवलिग आढी वेरा करमसीयोत की पत्नि	खीनवडो बीजळीयावस	जोधपुर सोभत	उहड़ जैमल नेतसोत सूरजसिंघ
देवीदांन गुणावत देवीदास भेरवोत वारठ घरमो चादणोत खड़ीया	वास वारेट रोहड़ीया रेपडावास तीजी कावळीयाँ	सीवांणा सोभत मेड़ता	राव चदरसेन मालदेवोत प्रथीराज कु पावत वरसिंघ जोधावत
घारावत चारण	रतनू भारमल री वास	पोकरण	भाटी रावळ कीलांणदास हरराजोत
नरसिंघ मंडाडच नाथा रतनमियोत रोहडिया नाल्हा वछ्रावत चारण नीवा करमावत चारण, पीथो टोहावत काका भतीज	मोगढो खुरद मोरटहुको केलावी आधो छड़ोई कलाण री वास	जोधपुर सोभत पोकरण सीवाणा	नाहड़राव पड़ीहार महाराजा जसवंतसिंघ राव गोयंद नरावत राणा देवीदास बीजावत

वर्तमान भोक्ता	पृष्ठ व भाग	विशेष/संवत्
आसीया हाथी मोटी तेजावत	५५१ (भा० १)	१६२२
चवडदास कलावत अर दईदास रामदासोत	२४० (भा० १)	
भादो कली लाषा	३५० (भा० १)	
रिणछोड विहारीदास, चुतरभुज विहारी- दासोत हर राम मदमन की	१६८ (भा० २)	
जोगी सेसमलोत	२६३ (भा० १)	
लिखमीदास मेघराजोत	२६३ (भा० १)	
सांवळदास दानावत लिखमीदास जसावत	१६४ (भा० २)	
जसो रूपी	२७२ (भा० १)	
गोयल चोला	२५५ (भा० १)	
माघोदास	३४६ (भा० १)	
डूंगरसी सादुळोत देईदान जगमालोत	२१२ (भा० २)	
आढा रतनसी डूंगरसीयोत, रामा सारदुळोत	५५० (भा० १)	गिररी गाण पट्टे में था तब यह गाव दिया गया ।
—	२८३ (भा० १)	संवत् १६७७ की काती सुद ७ की वा मे आढो महेसदास किसनावत है ।
सादूळ रूपा	३०३ (भा० १)	
आसीयी नरसिधदास नरहरदास जगावत	४८७ (भा० १)	पहले गाव लोळवस दुधवड को दिया १४ वर्ष बाद बदल कर बीजळीयावस दिया/१६६४ महा वद ११
बारठ समुरती, रामचद गोयद,	२७६ (भा० २)	
—	४५८ (भा० १)	
किसनदास केसीदास सांवळ भाभणोत	१२८ (भा० २)	
भेरुदास		
रतनू रांगो भारमलोत	३५३ (भा० २)	
किसनदास देदावत	२४१ (भा० १)	
—	४८४ (भा० १)	१७१५ फागुन सुद ७
चारण ऊदो हमीर का भानौ भारमल	३५५ (भा० २)	
चारण दाना किसनावत नराइण खेता, ईसर मेहजळ, भारमल माना का	२७७ (भा० २)	

दाता	परगना	गाव का नाम	श्राधकनी
रा. खीची ऊदावत हैदा खीधावत भाटी रावत कीलागुदास हैदासावत	खीराण सुंदा मीकरण	गोही बासणी बाजळी बाणगा टी बोढीया (श्रीढीया)	नीला खेरावत बाणगा पत्ता हैदावत बाणगा पत्ता बरसावत बाणगा
राजा श्री सुरजसिधनी	सुंदा	मीलावास	परतपसिध सुंदाणीत बाणगा
रा. हैदाजीधावत	सुंदा	परततसर टी खेत	पाला ऊदावत रतगु
रा. जेतमाल खेरावत	जीधपुर	सुवली (सुवली)	पीया भाणवत भाणगा
रा. श्री जीधाणी	जीधपुर	खोडावास	पुनराव ने वेवलीभासीया
रा. सुंदा	जीधपुर	सुंदा टी बास	बावत आलावत टी बाबा
रा. श्री बासणी	जीधपुर	सुंदा टी बासणी	बोकसी सांकर सुंदावत नरखीत (बाणगा)
रा. यानीदास खीधावत	खीराण	बोढीया टी बासणी	बोढीया मालावत खीधा भरमा खेरावत रतगु
रा. जेसा सीहावत	सुंदा	रमलावास	श्रीवा बरसलीत
रा. बल महेसदास	जीधपुर	रेणदावास खीरा	सुंदा नीलावत रीहोया बाणगा
रा. श्री गीगाणी	सोअल	बाणगा टी बासणी	सुंदा खीरावत खीहाया
रा. वदोवास राव सुने सुंदावत	जीधपुर	खीरावास	सुंदा खीरावत रीहोया बाणगा
खसवतसिधनी	सोअल	गीधावास	महेसदास सुंदावत किसनवत
रा. सुंदा	जीधपुर	गोधावास	महेसदास सुंदावत दधवाङ्गीया
रा. सुंदा	जीधपुर	खीहाणी	माला ऊदावत सुंदा
रा. सुंदा	जीधपुर	गोदीसर खीरा	माला उदावत सुंदा
रा. सुंदा	जीधपुर	कराणी	माला ककरावत बाणगा
रा. सुंदा	जीधपुर	गोधावास खीरा	माला खीरावत बाणगा
रा. सुंदा	जीधपुर	बसणी	माला उदावत सुंदा

वर्तमान भोक्ता	पृष्ठ व भाग	विशेष/संवत्
कविया रामदास मांडण, चांवडादास देईदास	५४६ (भा० १)	पोकरण के आ. मेघराज मु. नराइण और कलु कांमदार को हुकम मिला जव गाव दिया ।
महेस चुतरावत खेतसी वेणावत	१८४ (भा० २)	
	३५० (भा० २)	
परतापमलोत, किलारदास कानड	१५२ (भा० २)	
राजसीहोत		
तेजसी, नाथो सांकर के पुत्र	१६५ (भा० २)	
वीरम कमी	३०४ (भा० १)	
	२४० (भा० १)	
दुदो डूगरोत	३०४ (भा० १)	
कलौ रामदासोत	२६३ (भा० १)	
खिडीयी खेतसी पहराजोत	५५१ (भा० १)	
सावळदास कांनावत रामसिंघ-सादूळोत	१४१ (भा० २)	
खेतसी भीवावत	३६६ (भा० १)	१६६५
गजसी नरावत, माघी मेवाहरोत	४८५ (भा० १)	
चदो खगारोत	२४१ (भा० १)	
साजखु भीव	२४३ (भा० १)	
भाट रिणछोड़ विहारीदासोत	२५५ (भा० १)	१६५१
नाथी रजनसिंघोत	२३६ (भा० १)	
महेसदास किसनावत	४८४ (भा० १)	१७०२
दधवाडीयी सूरदास मोवणदास माघोदासोत	४८७ (भा० १)	१६५४
विसनदास सांमदासोत		
आसो सावतसी माला रा वेटा कुंभो	३४६ (भा० १)	१६४०
ईसरदासोत		
सावतसी आसकरणोत कुंभो ईसरदासोत	१६७ (भा० २)	
	३०३ (भा० १)	
पीथी नरसघ का, खेमो ईसर का	१६४ (भा० २)	
	२८७ (भा० १)	

श्राद्धकर्ता	गाँव का नाम	परगना	दाता
माना रामदास	छाहली	जाधपुर	जंतनी उदसिधवा
महा लखिमपुरा खिड्डीया	माधली चारणी सी	सुंडवा	वीरमदेव देवावल
सुहंठ ठाकर सीनावल चारणी	कार	जाधपुर	रावल सुभराज
सुभराज गेहावल रतन	चापावसणी	जाधपुर	रा. श्रीवा चापावल
सुली गोगरठराव आसीया	बेसली	जाधपुर	सीवल बीसळदे वीरावल
सुहका सीनावल सिठडव	सिठडव सुहका रा बास	पोकरीणी	रा. प्रथीराज गेहुं देवल नरावल
सुहा दुसळील	खेडी	जाधपुर	राव मालदेवी
सुहा रोहड्डीया बारठ	सावरी	जाधपुर	रावल मालजी
मोका माडणील	जगसुरीया	सुंडवा	रा. बलमदेव सुरतणील
मोदल माडणील खिडीया	रळीयावली खुरद	सुंडवा	बंसल वीरमदेवोल
मोदस सांरणील मोसण	गांवड्डीया खुरद	जाधपुर	राजा ऊदसिधवा
रतना चाचावल सुंठ म च	कानावास	जाधपुर	रा. काना वीजा सिवरणील
रतना उहावल मोसण	रतनावास	सुंडवा	रा. रतनसी उहावल
रतनी गीपदील जगहट	रतनवसे	जाधपुर	श्रीमालदेवजी
राजसी अलावल	दुपावास	जाधपुर	राजा राजसिधवा
राजसी परतणील वारहठ	जालीवाली खुरद	जाधपुर	राजा श्रीमालसिधवा
राजसी प्रीणीमलील वारठ	प्रीयावास	सुंडवा	राजा श्रीमालसिधवा
रानी परमसीणील साहं	रामा सी बासणी	सोअल	राजा उदसिधवा
रेप चाहडील रोहड्डीया	रेपहावास बडी	सोअल	राव श्रीजाधवा
बला माडणील वारठ	ऊचोहड्डी	सुंडवा	राजा सुंरजसिधवा
बला माडणील रोहड्डीया	रुहेनडी	सोअल	राजा सुंरजसिधवा

वर्तमान भोक्ता	पृष्ठ व भाग	विशेष/संवत्
जसी मानावत	२४३ (भा० १)	
भगवान जसावत नराईण अखावत	१६८ (भा० २)	
जगमाळ अखावत	३६७ (भा० १)	
करम सुन्दर	२४२ (भा० १)	
	२८६ (भा० १)	
चारण करमसी महेसुर चदो अमरा	३५३ (भा० २)	राव गोईंद की वार मे भलारियी पट्टं था, तव खेत दिया गया ।
मेघराज हू गरसी	२४२ (भा० १)	
	३६६ (भा० १)	
पिरथीराज सुंदरदासोत और जगनाथ मनोहरदासोत	१४० (भा० २)	
लिखमीदास भंरवदासोत नहर, सूजावत नहर	१६७ (भा० २)	
भोजराजोत		
महेस मोटलोत	२३६ (भा० १)	
नाथी रूपावत	२५४ (भा० १)	
	१८५ (भा० २)	बाद मे सुरतांण जैमलोत ने मीसण से छुड़ा कर चुतरा जैमलोत को प्रदान किया । चुतरे ने आघा गाव अपनी बहिन जिसने कि मीसण दान के साथ शादी की थी उसकी दे दिया और आघा खुद ने रखा ।
नादे करनोत	२४२ (भा० १)	
भंरू भीवराज राजप्रोत	२६८ (भा० १)	१६८६
किल्याणदास कानु राजसिघोत	२५५ (भा० १)	
किलाणदास काना राजसी का पुत्र	१४१ (भा० २)	
साङ्ग गोयददास राघावत रतनसी देदु कुंभी	४८७ (भा० १)	राव मालदेवजी की वार में दिया ।
मनोहरदास नाथी अखावत		
वारठ चू डौ अखावत	४८५ (भा० १)	
गिरधरदास लखावत के बेटे आसकरण प्रीथीराज	१४० (भा० २)	
वारठ आसकरण प्रीथीराज गिरधरदासोत	४८५ (भा० १)	स० १६७२ मिगसर सुदि ७

वर्तमान भोक्ता	पृष्ठ व भाग	विशेष/संवत्
चारण वीरा नरबंद गोपाळ मनावत	२७५ (भा० २)	बाद में माळदेवजी ने बारठ जसा गोईंदोत को दिया ।
बारठ नरहरदास लाखावत	५४८ (भा० १)	
कछेला गोदा गेला का, खेमौ सेखा का, माघी तेजा का	५५१ (भा० १)	
भगवान ईसर	१२६ (भा० २)	
	३५४ (भा० २)	
चारण रामदासोत जगमाल सूजावत	३५४ (भा० २)	जोघाजी गयाजी गये जब यह गाव दान दिया ।
देईदान हापावत	३६६ (भा० १)	
देईदास रामदासोत	१६४ (भा० २)	
महेसा नाथोत	३३५ (भा० १)	
बारठ गोरणदास मेघराज का गरबदास	५४८ (भा० १)	
दुदा का		
चावडदास किलाणदासोत	४८४ (भा० १)	
रामसिंघ सादुळोत सुरी कलावत	१६५ (भा० २)	
	४८७ (भा० १)	गगा के ऊपर दिया गया ।/१७१५ पौस सुद २
सोहड राजी भानी सहसी महेस अखावत	२७४ (भा० २)	गगा के पुत्र पत्ता ने राव मालदेजी से विनती करके दिलवाया था ।
	२८७ (भा० १)	
भगवान जसावत कमो सुंदर री नाराण अखावत	१७६ (भा० २)	वाद मे जैमल वीरमदेवोत ने खड़ीया मांडणीत को दिया ।
समुरसी राजी	३११ (भा० १)	
किसनदास केसीदासोत	१२६ (भा० २)	
राघीदास	३०४ (भा० १)	
चारण आखी गोई द चतरो जेता री रामदास पीथा ।	२७५ (भा० २)	रा. गगावत ने गांव देने की सिफारिश की ।

श्रीकर्म	गर्व का नाम	परगना	दाता
अखैराज दलपतीत प्रोहल	भैसेर	जोधपुर	राव मालदेवी
अनंत दीखारत श्रीमाली	धरमाबासणी (अनंत रे वासणी)	सोमल	राव श्री गणगजी
श्रीमाली हरदेवरीत श्रीमाली	खैराबास	सोमल	राव श्रीजोधानी
श्रीसा देदावत	बावडी बास	फलोधी	राव जोधानी
श्रीदी खीवारत रामण	महिजाबाई खैरद	जोधपुर	राव मालदेवी
श्रीबास व्यास	खैराबास	जोधपुर	राव श्री मालदेवी
ऊला दामावत	खैराबास	जोधपुर	राव जोधानी
कवल मीजावत	देहीरीया	खैराबास	रतनसी खीवारत
कान्हे बाण्हेवत	सातोसणी	सीवाणी	रीणा देवीदास बीजावत
काना जगावत त्रिवाडी	रीया रे वासणी	सोमल	महाराजा श्रीजसवंतसिंहजी
काना उदारानीत	पांखीहीली बास	भंडेरा	वरसिध जोधवारत
काना रंगारत देरसरी	कानाबास	सोमल	राव श्रीमालदेवी
काना रंगारत देरसरी	कानाबास	सोमल	राव श्रीमालदेवी
फिसन प्रोहल	कवलनी	जोधपुर	रावळ पता
कॉपा रंगारत देरसरी	मालपुरीया	सोमल	राव श्रीमालदेवी
कलण	दावडीयाणी खैरद	भंडेरा	जैमल बीरमदेवीत
कैसा कं पावत	धडीयाळी	जोधपुर	राव गिंगी
खगार बापावत राय भुर	आकैलडी	जोधपुर	सोनगरा अखैराज
खीदा कान्हेवत	नीवहेली गणादास	भंडेरा	राईमल देदावत
खीवड देईदास साधु पलीवाल	कालीया वासणी	सीवाणी	राव मालदेवी

वर्तमान भोक्ता	पृष्ठ व भाग	विशेष/संवत्
बास जीवण सांवळ, हरदास राघोदास	३३४ (भा० १) ४८१ (भा० १)	बोहड़ानडी और धरमावासणी दिया गया फिर राजा ने बोहड़ानडी को जन्त कर लिया ।
गोपीनाथ रामचंदोत, मनोहर अणदोत रामजी हरनाथोत हरजी किसनोत	४७६ (भा० १)	
बास २ भाई वेटा	२६ (भा० २) २८६ (भा० १)	
हेसा ३ सासण	२५७ (भा० १)	सं० १५८०
राजौ उदावत	३३४ (भा० १)	
हरीदास नरा रामो अचळदासोत	५४३ (भा० १)	
जीवो तीकम का, ईसर कांना का खगार	२६८ (भा० २)	
रामदास रोहीदास वीदा का		
त्रिवाडी कांना जग	४७६ (भा० १)	यह गाव राजकुमार के जन्म की वधाई पर दिया गया ।/सं० १७०६
	१३६ (भा० २)	भाईयो मे बंटवारा हो गया और अलग अलग बस गये ।
जसवत अखैराज नीलकंठ किसनदासोत	२३६ (भा० १)	
ब्राह्मण जीवण जसावत और मनोहर रामावत	४८१ (भा० १)	
	३६५ (भा० १)	
ब्राह्मण पीतावर पीराजोत हरवंस दमा	४८२ (भा० २)	
गिरधर तुलछीदासोत रामचंद डावरोत	१६३ (भा० २)	
जगनाथ ठाकुर गोपी	३१० (भा० १)	
महैराज टोकरी	२६७ (भा० १)	
राईचंद सुरताणोत करन तारावत	१६३ (भा० २)	
प्रो. कली गगादास माडण वसती अणुंदा का	२६६ (भा० २)	बाद में रावळ मेघराज हापावत ने बर-सिधोत को दिया फिर बाद मे राव चदरसेन मालदेवोत ने गाव छीन लिया प्रो० खीवड़ ने पेश होकर नमस्कार किया ।

दाता	परगना	गांव का नाम	प्राप्तकर्ता
रा. श्रीमालदेवी	जोधपुर	बड़वा खुरद	खीवा देवाकर या आचारज
राव श्री गंगाजी	जोधपुर	खारा बेरा	खीवा खीवादेवत आचारज सीवड़
सीधल बीर	जोधपुर	सुकरलाडू	खीवा बीलावत
राठाड सहसा तेजसीदेवी	महंगा	बुणकरण या वासणी	गादावर जीवावत
सासण पडोहीरा	जोधपुर	बगवाबड़ी आडू	गीथावत
ब्रामल बीरमदेवी	महंगा	देरुमि या वासणी	गीतम म्बनसर
राणा देवीदास बीजावत	जोधपुर	डोहली खुरद	गीता कोहोवत बीस देसावत
राव बद्रसेन	जोधपुर	भरत नडी	गीतवाल
राणा देवीदास बीजावत	सीवाणा	केलण कांड	गीतवाल देवा री आचारज
राव श्रीमाल देवी	महंगा	जगनाथपुरी	जगनाथ सदाफळी
बीरमदेव देवावत	महंगा	सावळीयावास खुरद	जगदे रामदेव
वर्तिसिध जोधावत	महंगा	सीहा री वासणी	जगदेठ बाखळ चादणी
राजा सुंदरसिधवणी	जोधपुर	गालावास खुरद	बाजीसर किसनदासल आस
कुं गारसी उदावत	जंतारण	जंजा वासणी	जंजा रामावत आस
राव हेमोर नरीवत	जोधपुर	खीचवध	टीला काजावत
राव मालदेवी	जोधपुर	बोरडी खुरद	टीहा खोवत
राव गंगाजी	सीमल	तालकीया	हुं गार नयावत विसनी
जलसी उदावत	जंतारण	धमपुरी	हुं गार पदमावत
राव बूंडाजी	जोधपुर	आटेलाडू खुरद	तराडेंवत माडा सीहावत
राव श्री बूंडाजी	जोधपुर	बवडवा	तेजा राठवत पावलीहा
राव बूंडा	जोधपुर	भसेरवास बीजी	तेजा खीवा
राव श्रीमालदेवी	जोधपुर	नहेरवा बडी	याहा मुदवध
राव जोधाजी	जोधपुर	माडाहाडू	दासा देरपालील
राव जोधाजी	जोधपुर	सिवरी	दासा देरपालील

वर्तमान भोक्ता	पृष्ठ व भाग	विशेष/संवत्
फचरी देईद सोत	२५६ (भा० १)	राजा सूरजसिंघजी ने व्यास सादुल को संवत् १६७६ में फिर दिया ।
	२३८ (भा० १)	
	२८६ (भा० १)	
स्यामो जगावत वीको नरावत	२१२ (भा० २)	
मेणराज चंड	३११ (भा० १)	
	१३६ (भा० १)	
	३०१ (भा०) १	
रेखी पीतांबर का, बलु गोरधन का, भूघर गौईंद का	३११ (भा० २)	
	२६२ (भा० १)	
	२७३ (भा० २)	
ऊदेसी केसा का, पीथी नरा का	(५४३ भा० १)	द्वारकाजी मे दिया गया ।
अचळदास ठाकुरसी राईसलोत कचरी नेतसीयोत		
मोहण तुलसो किसनदासोत	२१२ (भा० २)	
रामेश्वर कचरावत फरस्राम कचरावत सारंग	१६४ (भा० २)	
रामजी हरराम रघनाथ		
लखौ उदैसी	१५२ (भा० २)	
रिणछोड़ नीलकंठ	२६२ (भा० १)	
व्यास रामचंद सांवळोत हरजी जनावत	५४७ (भा० १)	
राम गढावत	३० (भा० २)	
हुपी जसपाळ	३०३ (भा० १)	
गगादास तीकम	२८२ (भा० १)	
वीरी खेतसी घनी पीतावत पीराग ईसर का	५४४ (भा० १)	
	३०१ (भा० १)	
ऊरजो माना	२३७ (भा० १)	
चंवडीया नेता मानावत	३५५ (भा० १)	
जंतमाल	२८५ (भा० १)	
	२३६ (भा० १)	
अखैराज दळपतोत	२३६ (भा० १)	गयाजी मे दिया, तिधरी ग्राम भी ।

श्रीकवि	गंव का नाम	परगना	दाता
श्याम देवराजोत	नारसुवा टी बास	जोधपुर	राव जोधवाणी
देव श्रीणी	डोडीयाळ	जोधपुर	महाराजा श्रीजसवंतसिंहजी
देवा केशव राजार	वाकी बाहो खैरद	जोधपुर	राणा देवीदास
देवा नाना बीजावा	ऊमळोडे खैरद	सीवाणा	फिसना रायमलोन देवीदासोत
वरपत साकरोत श्रीमाली	वाहां वासणी	जोधपुर	राव श्रीमालदेवजी
वरसिध बीजोत	पाववी	सीकल	बीरमदे बाबावत
गंगा देहिनीयात	आसरावा	जोधपुर	भारमल जोधवत
भाना देहिनीयात	सीलोरा रा बास	सीवाणा	रावत हिराण वतमल
नाराईण बीजावत आचारज	मोडी खैरद	जोधपुर	राजा श्रीचंद्रसिंघजी
सोखडा	ऊपचीया टी वासणी	जोधपुर	राव श्रीजोधवाणी
पदमा पोकरणा	सीदुधळी	सीवाणा	राणा देवीदास बीजावत
पूजळ बीवल	बडली	जोधपुर	राव चूडली
पूजाबिर बागडे रा	सुरजमल टी बास	जोधपुर	राव श्रीमालदेवी
पूयाडं सीढावत	तिथीगांठी वली टी बास	जोधपुर	रा. ईंदेह
पूयावत राजगुरु	श्रीम टी	जोधपुर	श्रीतसी ऊदावत
पूना अखवत राजगुर	मोरीवी खैरद	जोधपुर	फिडमलजी
बछा गुगली हारकाली	कानावस	जोधपुर	श्री मोटा राजाजी
देवगां गुं	लौडाबास	सीवाणा	राणा देवीदास बीजावत
वरसल सांवरोत	कारोलीया	जोधपुर	जसवंत ई. गुरसिणीत
भोबा गदाधर व्यास	क्षेपाववां की वासनी	जोधपुर	राव जोधा
भवगुं रामावत	बावहीया भावा	भंडवा	बीरमदे का पुत्र जगमाल
भावर नरदेरोत	भावर वासणी	जोधपुर	उदा सुजावत
भारमल फिसनावत	विषडे क्रीवा	जोधपुर	राव मालदेवी

वर्तमान भोक्ता	पृष्ठ व भाग	विशेष/संवत्
गोदो नेतलोत	३४० (भा० १)	
	३४१ (भा० १)	
तेजसी पोमा	३०३ (भा० १)	
लखी नरा कूंपो केसव जसौ करमसी	२७१ (भा० २)	
नीलकंठ गिरधर	२३७ (भा० १)	सं० १५६५
लाघी उदावत मोणदास जैतसीयोत घनराज	४८० (भा० १)	बाद मे राजा चोलण की तरह पुरोहित
तिलोकसी		सीहे पीथावत रायसल राजावत ने
		आघा गांव स्वीकार करना मंजूर कर
		लिया ।
माडण हरदासोत	३०२ (भा० १)	
हेमदास लिखमीदास, देवीदास हेमराज	२६६ (भा० २)	
खेती सूरा, रतनी रावतोत		
गोयददास सामदासोत	२३७ (भा० १)	सं० १६४०
हरजी कलावत	२३६ (भा० १)	
भानो माडण का, सूजा घना का	२७३ (भा० २)	राव मालदेजी ने प्रो. सादूल हमीर को
		और दिया था ।
भगवानदास दयाल मानसिधोत	२३६ (भा० १)	
सारगधर द्वारकेसर	२३८ (भा० १)	
	३०२ (भा० १)	पडीहारो की बार में दिया ।
किसना द्वारकादास केसा	२६८ (भा० २)	
लिखमीदास वीठलोत झुपर दयाल	५४४ (भा० १)	
ठाकुरसी वीठल	२६७ (भा० १)	
सावलदास	२६० (भा० १)	
खगार रामदासोत	२७० (भा० २)	
व्यास नरी बाछा का, हरराम गवाल का	५४७ (भा० १)	सूर्यग्रहण में दान दिया ।
किसनी	३१० (भा० १)	
जोगीदास गुरोभोत राजसी सादूल	१३८ (भा० २)	
चन्नभुज भगवान का, विजेराम पिराग का	५२८ (भा० १)	
दानो सादुलोत	३३४ (भा० १)	

श्राद्धकर्ता	गांव का नाम	परगना	दाता
--------------	-------------	-------	------

श्रीगा कं'पावत सीवडं	ठावूकीया	ठावूर	कदा सीवत
महेराज सीहावत	हीगोला खरद	ठावूर	राव वू'वा
माहेव राधगुर	रावळवास	ठावूर	श्रीनगरा मानसिष
सुरार खतावत भाटा	नरसिष टी वासणी	श्रीमल	राव श्री ठावाणी
मूळा कं'पावत	खंडपा	ठावूर	राव मालदेवी
मूळा कं'पावत सीवडं	धुडंडीया वासणी	श्रीमल	राव श्रीगंगाजी
मूळा कं'पावत सीवडं	वीकरलडं	ठावूर	राव श्रीमालदेवी
मूळा कं'पावत	ठठोरीया	ठावूर	राव मालदेवी
मूळा कं'पावत सीवडं	वाहेडवास	श्रीमल	राव श्रीमालदेवी
श्रीकळ कबरीत	महेकर टी वास	श्रीवाणी	ई'गरसी करमसीहीत जोगाडव
रागमल अणदीत पुणियावा	नागणी टी वास	ठावूर	देवीदासीत
रावा चौधरीत	रुपावास	श्रीमल	भारमल ठावावत
रावा वूहेरा सीवडं	रावावासणी	ठावूर	राठेठं श्रीव ठावाव सुजावत
रांमा तीलावत गुजरसीडं	वासावास	श्रीमल	ईडे ठावावत
रांम दासावत वीरा अमरावत	महेबाटी	श्रीवाणी	केशीदास भाबरसीपीत
रांम डगावत भागरवाळी	खेडी वण	श्रीमल	वीरमहे ईदेवत
रांमा सुरार	खेडी	ठावूर	राव श्रीगंगाजी
राइमल खतावत	धुवलीरिया	ठावूर	राव मालदे
राइमल राजावत	कलरियां टी वासणी	ठावूर	राव मालदेवी

वर्तमान भोक्ता	पृष्ठ व भाग	विशेष/संवत्
हरीदास	५४३ (भा० १)	भोजा जब जोधपुर आया तब दिया गया ।
दमोदर	३०१ (भा० १)	
जीवी किसनावत	२६८ (भा० १)	
जोसी कचरो दामोदर और वीसनदास मथुरादासोत	४८१ (भा० १)	वाद मे राजा श्रीऊदईसिंघजी ने संवत् १६४२ आसोज सुद ४ मे पट्टे कर दिया ।
माधोदास मोहरादासोत	३४६ (भा० १)	
गोरघन जगनाथ सादूळ का लड़का	४७६ (भा० १)	घुहड़ीया वासणी चाहड़वास भी दिया गया ।
रामसिंघ गोपाळदासोत नरसिंघदास रामदासोत	५४६ (भा० १)	
दवारकादास गोयंददासोत	३४६ (भा० १)	
राधोदास धनी किसनावत और रूपा सावळदासोत	४८० (भा० १)	घुहड़ीया वासणी ग्राम साथ में दिया ।
नाथी टीकम चांदावत नै थळी उदावत नै मोणदास जैतसीयोत	२७२ (भा० २)	वाद मे राव मालदेव ने तेजसी मोकळोत को दिया ।
कचरी नेतसी रो संकर गोपाळ सूरी, माधो, रामावत, सादूळ आसवत हेमो माहव रो,	३०२ (भा० १) ४७८ (भा० १) २३८ (भा० १) १५२ (भा० २) २६८ (भा० २)	वाद मे रावराम मालदेओत ने संवत् १६६१ काती सुद ६ राजावत को फिर दिया । १५८८ जेठ सुद ७ (को प्रथम दान)
जगनाथ चांपावत जीवी सुरताणोत कचरी दामोदर	१७५ (भा० २) २५४ (भा० १) २८५ (भा० १)	रा. कीलाण रायपाळोत घुडडोत का महेवा से अपना निवासस्थान छोड़ कर एक भाखरी के पास घर बना कर बस गये ।
कली जेसावत हरीदासोत	३१० (भा० १)	

श्राद्धकर्ता	गाँव का नाम	परगना	दाता
राजसल राजावत राजा जगनारा	बडीयाळी	सोअल	मालदेवजी
जीला मनाणो	बीलासर	जाधपुर	रावळ भवराज
बीजड़ बीमरां	कारुडीया	जाधपुर	बीरम कलवाव
सदा उज्जवल श्रीमाली	पळालनी बासरी	सोअल	राव गामाजी
सहेषा सोनल केवब	कंवारडी	जाधपुर	पती गांधावत
साकर हेरहेरा राधगुर	मादडी	जाधपुर	राव कानडहे सोनगरी
सगना हुंदावत	शासरवी	सोवाणा	राणा देवीदास बीजावत
सोषण जीसी	पाटीवी री बास	सोवाणा	राणो देवीदास
सुीवहे राय रू	हंवारबास २	जाधपुर	राव कानड हे
शिवराज देहेदास देवराजोत	हुंजाणी	फलोधी	राजा श्री उदेंद्रिसिधजी
सोमाहुंन गहिला री गुर	काळ बडी	जाधपुर	रावळ जगमाल मालावत
सोमी मदन जाल सोभडी बाधा	सुराणी खैरद	जाधपुर	राव गामाजी
सोहा बीअण	नगा री बास	जाधपुर	रावळपती
सोहा बीअण बीधा	भेवावस	जाधपुर	हीला जैतमजोत
सोहा बीअण	नागाणो री बास	जाधपुर	कोलाणो राधपजोत
सोहल जैरा मनणा	पटाळ री बास मनणा री	सोवाणा	राणा देहेदास बीजावत
सोकर बाहिंडोत	सरवडी	सोवाणा	सोम जैतमजोत सलजावत
हेरे वंदहेहीन भंदा बाहेरीत	बीदाकीवी कोटजोद	सोवाणा	राणा देवीदास बीजावत
काका भरीज	री बास	जाधपुर	राव श्रीरिडमजोत
हेरेमा माला लखमजोत	वरमदवारी	जाधपुर	
भासायब भोगा	साठी की बडी	जाधपुर	राव जोधाजी
शुंजमहेमद पीरजादा	खालोळडे	भंडवा	महेराजा जसवंतसिधजी
जिनम व नीजरेवली	हेरीबास	सोअल	महेराजा जसवंतसिधजी
खेरखान जोगी नीरमल			
धन के चेली की			
धाम रावळ जोगी	श्रीलिळाव	जाधपुर	भूर रावत देवा भूहेरीत
देवसी राठीहं भोगा	शासरवा री बास	जाधपुर	भारमल जोधावत
पुंवर पुंवर	कोळ	फलोधी	पुंवर रामदे अर्जसिंहोत
आखर सीहेला का कोला बाबा-			राव गामा
बाभला हेरभू पीर	बीहेगाटी बास २	फलोधी	राव जोधा

अन्य

वर्तमान भोक्ता	पृष्ठ व भाग	विशेष/संवत्	
लक्ष्मी उदावत और मोवणदास जेतसीयोत साजन	४७८ (भा० १) ३६५ (भा० १)	राव श्रीमगलदेजी ने संवत् १५६४ महा वद ७ मे ताबा पत्र करा दिया ।/स० १५८५	
माघी रामदासोत	३१६ (भा० १)		
बास श्रीराम, कलौ माघोदासोत	४८१ (भा० १)		
जेतो जसावत	२८५ (भा० १)		
मेहो रूपा मनोहर जैमल नाहो चादा का भादौ कांता	२६६ (भा० १) २६७ (भा० २)		
हू गरसी नेतावत, तिलोकसी हरखो गागावत	२७२ (भा० २)		१६७५ में पाटोदी पर जैसलमेर की फौज आई थी।
सिवराज के पुत्र भानो नारण और बरसल	२६७ (भा० १) ३१ (भा० २)		
करमाणद लिखमीदास	३६५ (भा० १)		
कानौ अखें तोगी	३१० (भा० १)		
हमीर	३६६ (भा० १)		
दुपौ जीवावत	३०२ (भा० १) ३०५ (भा० १)		
डाहो खीवा सूजी माघा कलु अणदा का प्रो मोहणदास सूजावत जगनाथ लिखमी-दासोत राघो नारणोत	२७१ (भा० २) २७१ (भा० २)		
सुरताण देवीदास जेतमल नाराईण भलौ चादा का	२७० (भा० २)		
मालौ दिदावत	२६८ (भा० १)		

अन्य

भोपा घावल करमसी	३३५ (भा० १) १६६ (भा० २)	श्री माताजी के पुजारी । सं० १७०६
जोगी हरखवन खेचरवन	४८६ (भा० १)	पहले यह गांव सुजाणसिंह भगवान-दासोत के द्वारा खेचरखान को दिया गया बाद मे सुजाणसिंह की मृत्यु के पश्चात् महाराजा ने ताम्रपत्र पर दान के रूप मे गांव लिख दिया ।/स० १७०३ रतनसी खीवावत की वार में दिया गया ।
जगौ दूदावत जैतमालोत	५५२ (भा० १) ३०४ (भा० १) ३४८ (भा० २) २६ (भा० २)	
	३० (भा० २)	

भाग १

पृष्ठ सं०

पंक्ति सं०

अशुद्धि-शोधन

८

८

आय के स्थान पर आप पढ़ें ।

३१

अंतिम

काहु नी के स्थान पर काहुनी (ग्राम) पढ़ें,
तदनुसार अर्थभेद भी ग्रहण करें ।

३२

२

" " " "

५६

१०

पैरा नं० ८८ के स्थान पर ८९ पढ़ें ।

५६

१५

भोजावाद के स्थान पर भोजावाद पढ़ें ।

६७

प्रथम

६६८ के स्थान पर १६६८ पढ़ें ।

११६

२०

१६६४ के स्थान पर १६६४ पढ़ें ।

१३२

१२

वेजयां के स्थान पर वेजपां पढ़ें ।

१३६

१२

भार के स्थान पर मार पढ़ें, तदनुसार फुट नोट
में अर्थ 'पेट में कटारी मार कर मरा',
ग्रहण करें ।

१६५

५

पाली के स्थान पर पाली पढ़ें ।

१८६

३

पैरा नं० १४६ के स्थान पर २४६ पढ़ें ।

१८९

१४

पैरा नं० १४७ के स्थान पर २४७ पढ़ें ।

भाग २

५१

८

मंडोवर के स्थान पर मांडव पढ़ें ।

६२

१५

१८१४ के स्थान पर १७१४ पढ़ें ।

५०१

१५

मांहिम है सर भोज दे के स्थान पर "माहि
महेसर भोजदे" पढ़ें ।

भाग ३

६६

अन्य आसामियों के शीर्षक के अन्तर्गत दिये गये
नाम सन योद्धाओ के हैं जो घवलपुर के युद्ध में
काम आये (मूँदियाड़ की ख्यात पृ० १४८)

